मध्यप्रदेश

●

आवश्यक निवेदन
श्रद्धेय पाठक वृन्द,
जैसा कि आप "पद्मावती पुरवाल" मासिक पत्रिका में पढ़ चुके हैं कि डायरेक्टरी का कलेवर अधिक बढ़ जाने के कारण उसे दो खण्डों में विभक्त करना पड़ रहा है।
अत: प्रथम खण्ड आपके करकमलों में शोभायमान है और आशा है कि द्वितीय खण्ड भी शीघ्र ही यह गौरव प्राप्त करेगा।
द्वितीय खण्ड में आपके पूरे परिवार के समस्त परिजनों के नाम, आयु, शिक्षा तथा व्यवसाय आदि का सम्पूर्ण परिचय प्रकाशित किया जा रहा है।
प्रथम खण्ड
द्वितीय खण्ड
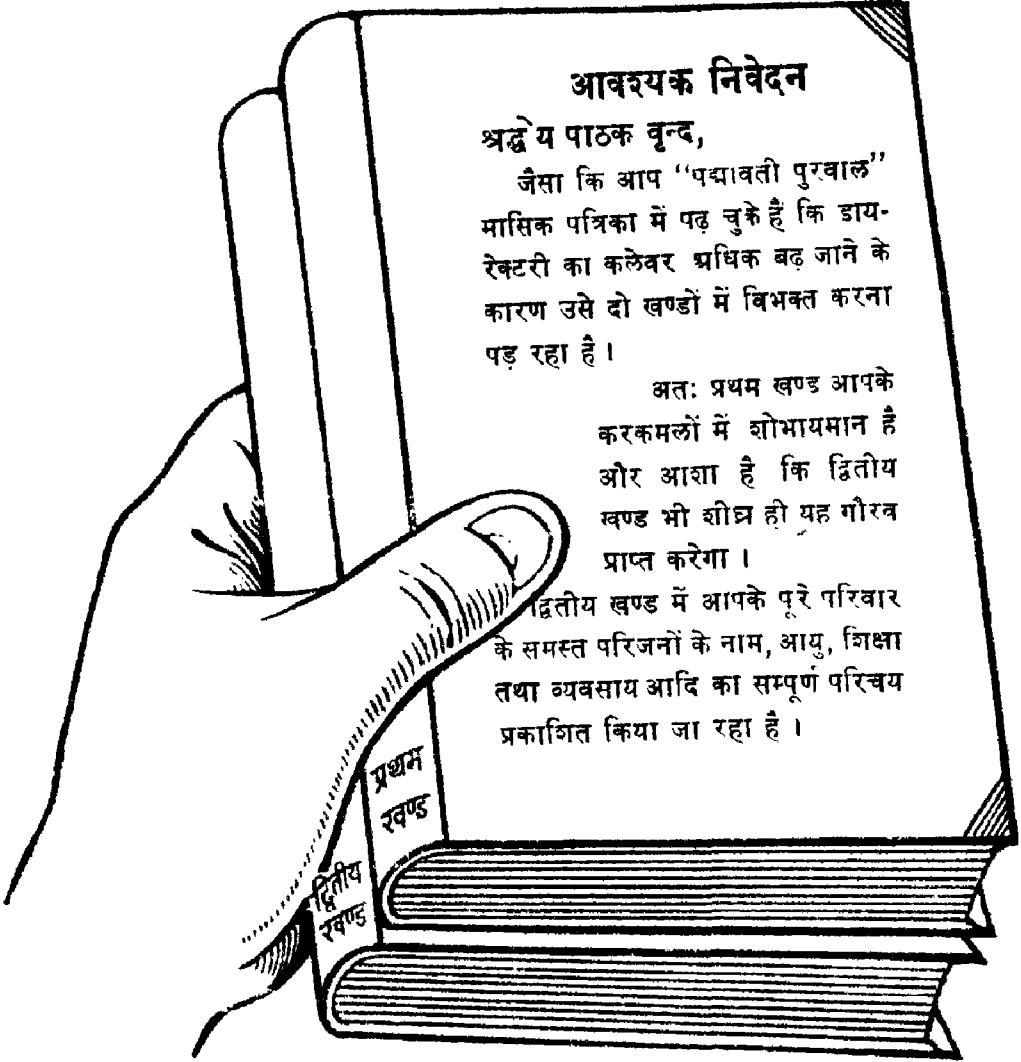
श्री पद्मावती पुरवाल जैन
डायरेक्टरी

सम्पादक

जुगमन्दिरदास जैन

प्रकाशक

अशोककुमार जैन, कलकत्ता

वीर निर्वाण सं० २४९२

प्रथम बार १०००] विक्रम सं० २०२३ [मूल्य १० रुपये

अनुक्रमणिका

स्थान		पृष्ठ
भूमिका	...	११
क्षमा-याचना	....	१५
अतीत की गौरव-गाथा	...	१९
समाज-परिवारों का संक्षिप्त विवरण		**२३ से ३९६**
● असम प्रान्त—	....	२३ से २४
जिला—इम्फाल	...	२४
,, कामरूप	....	,,
,, गोवालपाड़ा	...	,,
● उड़ीसा प्रान्त—	...	२५ से २६
जिला—पुरी	...	२५
● उत्तरप्रदेश—	....	२७ से २६६
जिला—अलीगढ़	...	२९
,, आगरा	...	३४
,, इटावा	....	१५९
,, इलाहाबाद	...	१६०
,, एटा	...	,,
,, कानपुर	...	२२२
,, गोंडा	....	२२४
,, झाँसी	....	,,
,, देवरिया	....	२२५
,, देहरादून	...	,,
,, प्रतापगढ़	...	,,
,, फतेहपुर	....	,,
,, फर्रूखाबाद	....	२२८
,, बाँदा	....	,,
,, बुलन्दशहर	....	२२९
,, मथुरा	....	२३०
,, मेरठ	....	२३१
,, मैनपुरी	....	,,
,, लखनऊ	....	२६५
,, हरद्वार	....	२६६

स्थान		पृष्ठ
● गुजरात प्रान्त—	....	२६७ से २७२
जिला—बड़ोदा	....	२६९
,, भड़ोंच	....	२७१
● देहली क्षेत्र—	....	२७३ से २९४
जिला—देहली	....	२७५
● बिहार प्रान्त—	....	२९५ से २९९
जिला—धनबाद	....	२९७
,, पटना	....	,,
,, पूर्णिया	....	,,
,, हजारीबाग	....	,,
● बंगाल प्रान्त—	....	३०१ से ३१०
जिला—कलकत्ता	....	३०३
,, चौबीस परगना	....	३०७
,, वर्धवान	....	३०८
,, हावड़ा	....	३०९
,, हुगली	....	,,
● मध्यप्रदेश—	....	३११ से ३८०
जिला—इन्दौर	....	३१३
,, उज्जैन	....	३१८
,, ग्वालियर	....	३१९
,, गुना	....	३२१
,, जबलपुर	....	,,
,, भिण्ड	....	,,
,, भेलसा	....	,,
,, भोपाल	....	३२२
,, रतलाम	....	३४२
,, राजगढ़	....	३४३
,, रायपूर	....	३४६
,, रायसैन	....	,,
,, सीहोर	....	,,
,, शाजापुर	....	३६९

स्थान		पृष्ठ
● महाराष्ट्र प्रान्त—	....	३८१ से ३९०
जिला—नागपुर	....	३८३
,, बम्बई	....	३८६
,, भण्डारा	....	,,
,, वर्धा	....	३८७
,, शोलापुर	....	३९०
● राजस्थान प्रान्त—	....	३९१ से ३९६
जिला—अजमेर	....	३९३
,, उदयपुर	...	३९४
,, जोधपुर	....	३९५
,, भरतपुर	....	,,
,, भीलवाड़ा	....	,,
,, नागौर	....	३९६
,, राजस्थान	....	,,

समाज-प्रतिभाओं का स्वरूप दर्शन ३९७ से ५३२

स्थान		पृष्ठ
मन्दिर एवं चैत्यालय—	....	३९७ से ४०२
जिला—आगरा	....	३९९
,, एटा	....	४००
,, बड़ौदा	....	४०२
,, भड़ौंच	....	,,
,, मथुरा	....	,,
,, मैनपुरी	....	,,
शास्त्रज्ञ एवं साहित्यिक श्रेष्ठी		४०३ से ४०८
जिला—आगरा	....	४०५
,, इन्दौर	....	,,
,, उदयपुर	...	४०६
,, एटा	....	,,
,, कलकत्ता	...	,,
,, ग्वालियर	....	,,
,, जबलपुर	....	,,
,, देहली	....	,,
,, भीलवाड़ा	....	४०७
,, भोपाल	....	,,
,, मनीपुर	....	,,
,, मेरठ	....	,,
,, राजगढ़	....	,,
,, शाजापुर	....	,,
,, सवाईमाधौपुर	...	,,
,, सीहोर	...	,,
,, हजारीबाग	....	४०८
शिक्षित महिलाएँ—	...	४०९ से ४१६
जिला—अजमेर	....	४११
,, अलीगढ़	...	,,
,, आगरा	....	,,
,, इटावा	....	४१२
,, इन्दौर	....	,,
,, एटा	....	,,
,, कलकत्ता	....	४१३
,, कानपुर	....	,,
,, ग्वालियर	....	,,
,, जबलपुर	....	,,
,, देहरादून	....	,,
,, देहली	....	,,
,, नागपुर	....	४१४
,, बम्बई	...	,,
,, भण्डारा	...	,,
,, भरतपुर	...	,,
,, भोपाल	....	४१५
,, मेरठ	....	,,
,, वर्धा	...	,,
,, वर्धवान	....	,,
,, सीहोर	...	,,
,, सांभरलेक	....	,,
,, हजारीबाग	...	४१६
,, हुगली	....	,,
कृषिकर्मी महानुभाव—	....	४१७ से ४२४
जिला—अलीगढ़	....	४१९
,, आगरा	...	,,
,, एटा	...	४२०
,, मैनपुरी	...	४२२
,, राजगढ़	...	४२३
,, वर्धा	....	,,
,, शाजापुर	....	,,
,, सीहोर	....	४२४
उद्योगपति—	....	४२५ से ४२८
जिला—आगरा	....	४२७
,, एटा	...	,,
,, कलकत्ता	....	,,
,, देहली	....	,,
,, मैनपुरी	....	,,
,, वर्धमान	...	४२८
,, हावड़ा	....	,,

स्थान		पृष्ठ
प्रमुख व्यवसायी—	....	४२९ से ४७८
जिला—अजमेर	....	४३१
,, अलीगढ़	....	,,
,, आसाम	....	,,
,, आगरा	....	,,
,, इटावा	....	४५०
,, इन्दौर	....	,,
,, इलाहाबाद	...	,,
,, उज्जैन	....	४५१
,, उदयपुर	....	,,
,, एटा	...	,,
,, कलकत्ता	...	४५५
,, कानपुर	...	४५६
,, ग्वालियर	...	,,
,, गोवालपाड़ा	...	४५७
,, चौबीस परगना	...	,,
,, जोधपुर	...	,,
,, देहली	...	,,
,, नागपुर	...	४५९
,, पटना	...	,,
,, पूर्णिया	....	,,
,, फतेहपुर	....	,,
,, बड़ोदा	...	४६०
,, बम्बई	....	,,
,, बांदा	....	,,
,, भड़ौच	....	४६१
,, भिण्ड	....	,,
,, भीलवाड़ा	....	,,
,, भेलसा	....	,,
,, भोपाल	....	,,
,, मथुरा	....	४६३
,, मनीपुर	....	४६४
,, मैनपुरी	....	,,
,, रतलाम	....	४७०
,, राजगढ़	....	४७१
,, वर्धा	....	,,
,, शाजापुर	....	,,
,, सीहोर	....	४७३
,, हजारीबाग	....	४७७
,, हावड़ा	....	,,
,, हुगली	...	४७८

स्थान		पृष्ठ
स्नातकोत्तर वर्ग—	...	४७९ से ४८८
जिला—अजमेर	....	४८१
,, अलीगढ़	....	,,
,, आगरा	....	,,
,, इटावा	....	४८४
,, इन्दौर	....	,,
,, इम्फाल	....	,,
,, उज्जैन	....	४८५
,, एटा	....	,,
,, कलकत्ता	....	४८६
,, कानपुर	....	,,
,, देहली	....	,,
,, नागपुर	....	४८७
,, नागौर	....	,,
,, बम्बई	...	,,
,, भोपाल	....	,,
,, मैनपुरी	...	,,
,, वर्धा	....	४८८
,, शाजापुर	....	,,
,, सीहोर	....	,,
,, हजारीबाग	....	,,
शिक्षितवर्ग—	....	४८९ से ५०५
जिला—अजमेर	....	४९१
,, अलीगढ़	....	,,
,, आगरा	....	,,
,, इटावा	...	४९४
,, इन्दौर	....	,,
,, इम्फाल	....	४९५
,, उज्जैन	....	,,
,, उदयपुर	....	,,
,, एटा	....	,,
,, कलकत्ता	....	४९७
,, कानपुर	....	,,
,, ग्वालियर	....	,,
,, गुना	....	४९८

स्थान		पृष्ठ
जिला—जयपुर	....	४९८
„ जोधपुर	....	„
„ देहली	...	„
„ नागपुर	....	४९९
„ बम्बई	....	५००
„ भड़ौंच	....	„
„ भण्डारा	...	„
„ भरतपुर	....	„
„ भीलवाड़ा	...	५०१
„ मैनपुरी	....	५०२
„ रतलाम	...	५०३
„ राजगढ़	....	„
„ वर्धा	...	„
„ वर्धवान	...	„
„ शाजापुर	....	५०४
„ सवाईमाधोपुर	....	„
„ सीहोर	....	„
वेतनभोगी बन्धुगण—	....	५०७ से ५३२
जिला-अजमेर	....	५०९
„ अलीगढ़	...	„
„ आगरा	....	„
„ इटावा	....	५१६
„ इन्दौर	....	„
„ इलाहाबाद	....	५१७
„ उदयपुर	....	„
„ एटा	....	„
„ कलकत्ता	...	५१९
„ कानपुर	...	५२०
„ ग्वालियर	...	„
„ गुना	...	„
„ गौंड़ा	...	„

स्थान		पृष्ठ
जिला—चौबीस परगना	...	५२०
„ जयपुर	...	५२१
„ जोधपुर	...	„
„ झाँसी	...	„
„ देवरिया	...	„
„ देहरादून	...	„
„ देहली	...	„
„ धनवाद	...	५२३
„ नागपुर	...	„
„ प्रतापगढ़	...	५२४
„ पुरी	...	„
„ फतेहपुर	...	„
„ फर्रुखाबाद	...	„
„ बड़ोदा	...	„
„ भड़ौंच	...	५२५
„ भरतपुर	...	„
„ भीलवाड़ा	...	„
„ भेलसा	...	„
„ भोपाल	...	„
„ मथुरा	...	५२८
„ मनीपुर	...	„
„ मारोठ	...	„
„ मेरठ	...	„
„ मैनपुरी	...	„
„ रतलाम	...	५२९
„ राजगढ़	...	„
„ रायचूर	...	५३०
„ वर्धमान	...	„
„ शाजापुर	...	„
„ सीहोर	...	„
„ हजारी बाग	...	५३२
„ हुगली	...	„

समाज-नक्षत्रों का संक्षिप्त परिचय :— पृष्ठ ५३३ से ६३४

मुनि श्री ब्रह्मगुलाल जी महाराज ५३३
आचार्य श्री महावीरकीर्ति जी महाराज ... — ५३८
आचार्य श्री विमलसागर जी महाराज ५४०
आचार्य श्री धर्मसागर जी महाराज ५४१
आचार्य श्री माघचन्द जी महाराज ... . „
आचार्य श्री प्रभाचन्द जी महाराज ... . „
आचार्य श्री पद्मनन्दी जी महाराज ५४२
स्व० श्री दिगम्बराचार्य जी महाराज ... ... „
आचार्य श्री लक्ष्मीचन्द जी महाराज ... . „
मुनि श्री सन्मतिसागर जी महाराज ... ... „
श्री बाबा जानकीदास जी (ऐलक) ५४३
श्री बाहुबली जी महाराज (क्षुल्लक) ... . „
ब्रह्मचारी श्री शान्तिकुमार जी महाराज ५४४
स्व० ब्र० श्री वासुदेव जी जैन, पिलुआ ... . „
ब्र० श्री पाण्डे श्रीनिवास जी जैन, फिरोजाबाद ५४६
ब्र० श्री सुरेन्द्रनाथ जी जैन, कलकत्ता ५४७
स्व० श्री खूबचन्द जी जैन, बेरनी ५४८
स्व० श्री पं० गौरीलाल जी जैन सि० शा० बेरनी ५५२
न्यायदिवाकर स्व० श्री पन्नालाल जी जैन, जारखी ५५४
श्री बाबू नेमीचन्द जी गुप्ता, मोरेना ५५७
श्री लालबहादुर जी जैन शास्त्री, इन्दौर ५५८
स्व० श्री मुन्शी हरदेवप्रसाद जी जैन, जलेसर ५६०
श्री पाण्डे कंचनलाल जी जैन, टूण्डला ५६१
श्री पाण्डे उग्रसैन जी जैन शास्त्री, टूण्डला ५६२
कैप्टिन श्री माणिकचन्द्र जी जैन, फिरोजाबाद ५६३
स्व० श्री बनारसीदास जी जैन वकील, जलेसर ५६५
स्व० श्री लाला वासुदेवप्रसादजी जैन, रईस टूण्डला ५६६
रायसाहेब श्री बा० नेमीचन्द जी जैन, जलेसर ५६७
श्री रामस्वरूप जी जैन 'भारतीय' जारकी ५६८
श्री पन्नालाल जी जैन 'सरल' नारखी ५७०
स्व० श्री रामस्वरूप जी जैन, इन्दौर ५७१
श्री पं० बनवारीलाल जी जैन स्याद्वादी, मर्थरा ५७२

स्व० श्री हजारीलाल जी जैन, फिरोजाबाद	...	....	५७३
श्री पं० अमोलकचन्द जी जैन उडेसरीय, इन्दौर	...	....	५७४
श्री कान्तिस्वरूप जी जैन, इन्दौर	...	....	५७५
श्री हकीम प्रेमचन्द जी जैन, फिरोजाबाद	...	...	५७६
स्व० श्री श्योप्रसाद जी जैन, रईस टूण्डला	...	...	५७७
श्री राजकुमार जी जैन, फिरोजाबाद	...	...	५७८
स्व० श्री गुलजारीलाल जी जैन, रईस, अवागढ़	...	...	५७९
स्व० श्री मुन्शीलाल जी जैन, कोटकी	...	....	,,
श्री महावीरप्रसाद जी जैन, देहली	...	....	५८०
श्री बाबूराम जी बजाज, नगलास्वरूप	...	....	५८१
स्व० श्री नरेन्द्रनाथ जी जैन, कलकत्ता	...	....	५८२
श्री भगवतस्वरूप जी जैन 'भगवत्' फरिहा	...	....	५८३
स्व० श्री पं० श्रीनिवास जी शास्त्री, कलकत्ता	...	....	५८४
श्री महिपाल जी जैन, चित्रीगंज (बजबज)	...	....	५८५
स्व० पाण्डे श्री ज्योतिप्रसाद जी जैन, नगलास्वरूप	...	....	५८६
श्री कमलकुमार जी जैन, कोटकी	...	....	,,
श्री धन्यकुमार जी जैन, अवागढ़	...	....	५८७
स्व० श्री रघुवरदयाल जी जैन, एटा	...	....	५८८
श्री जिनेन्द्रप्रसाद जी जैन, टूण्डला	...	...	५८९
श्री पं० शिवमुखराय जी जैन शास्त्री, जारखी	...	...	५९०
श्री महावीरप्रसाद जी जैन, अहारन	...	....	५९२
श्री पं० राजकुमार जी जैन शास्त्री, निवाई	...	....	५९३
श्री अतिवीरचन्द्र जी जैन, बी. ए., बी. टी. टूण्डला	...	....	,,
श्री डा० महावीरप्रसाद जी जैन, खन्दौली	..	...	५९४
स्व० श्री भगवतस्वरूप जी जैन, एत्मादपुर	...	...	५९५
श्री माणिकचन्द जी जैन, हकीम फिरोजाबाद	...	....	५९६
श्री पं० नन्नूमल जी जैन कालापीपल	...	....	,,
स्व० श्री श्रीमन्दिरदास जी जैन, कलकत्ता	...	....	५९७
स्व० श्री जयकुमार जी जैन, जसरथपुर	...	....	५९८
श्री मगनमल जी जैन, शुजालपुर	...	....	,,
स्व० श्री पंचमलाल जी जैन, महाराजपुर	...	...	६००
श्री जैनेन्द्रकुमार जी जैन, फिरोजाबाद	...	....	६०१
श्री पं० नरसिंहदास जी जैन, शास्त्री, चावली	...	....	,,
स्व० श्री कस्तूरचन्द जी जैन, सारंगपुर	...	....	६०२
श्री दुलीचन्द जी जैन, सारंगपुर	...	...	,,

श्री राजेन्द्रकुमार जी जैन, अवागढ़	...	....	६०३
स्व० श्री सुरेन्द्रनाथ जी जैन, "श्रीपाल" कायथा	...	....	"
श्री कपूरचन्द जी जैन "इन्दु" चिरहौली	...	....	६०५
स्व० श्री जगदीशप्रसाद जी जैन, अहारन	...	....	"
श्री पं० छोटेलाल जी जैन शास्त्री, मन्दसौर जनकपुर	...	....	६०६
श्री देवचन्द जी जैन एम० ए०, सा० विशारद इन्दौर	...	....	६०७
स्व० श्री पं० रामप्रसाद जी जैन शास्त्री, बम्बई	...	....	"
श्री लाला गौरीशंकर जी जैन, फिरोजाबाद	...	....	६०९
श्री भगवानस्वरूप जी जैन, टून्डला	...	....	"
श्री केशवदेव जी जैन, कायथा	...	....	६१०
श्री जगरूपसहाय जी जैन, फिरोजाबाद	...	...	६११
श्री नरेन्द्रप्रकाश जी जैन फिरोजाबाद	...	...	"
स्व० श्री श्यामस्वरूप जी जैन, इन्दौर	...	...	६१२
स्व० श्री बाबूलाल जी जैन, कोटकी	...	...	६१३
स्व० श्री गुलजारीलाल जी जैन, कोटकी	...	....	"
स्व० श्री रामस्वरूप जी जैन, कोटकी	...	...	६१४
श्री रामस्वरूप जी जैन, एत्मादपुर	...	...	६१५
डा० महावीरप्रसाद जी जैन, मेरठ	...	...	६१६
स्व० श्री हुण्डीलाल जी जैन (भगतजी) अवागढ़	...	...	६१७
श्री सुरेशचन्द्रजी जैन, जलेसर	...	...	६१८
श्री फूलचन्द जी जैन, मोमदी	...	...	"
श्री सेठलाल जी जैन, मोमदाबाद	...	...	६१९
श्री शिवकुमार जी जैन, जसराना	...	...	"
श्री वैद्य रामप्रसाद जी जैन शास्त्री, आगरा	...	...	६२०
श्री राजकुमार जी जैन शास्त्री, निवाई	...	...	६२१
श्री नेमीचन्द जी जैन, अवागढ़	...	....	"
स्व० श्री रत्नेन्दु जी जैन शास्त्री, फरिहा	...	...	६२२
स्व० श्री बाबूराम जी जैन, सरायनूरमहल	...	...	६२३
स्व० श्री रामप्रसादजी जैन, वाराशमसपुर	...	....	"
श्री मनीराम जी जैन, एत्मादपुर	...	....	६२४
श्री किरोड़ीमल जी जैन, खंडोआ	...	....	"
स्व० श्री सतीशचन्द्रजी जैन, मोरेना	...	....	६२५
स्व० श्री जगतिलकराव जी जैन, जिरसमी	...	....	"
स्व० श्री लक्ष्मणस्वरूप जी जैन, फरिहा	...	....	६२६
स्व० श्री बृन्दावनदास जी जैन, फरिहा	...	...	"

श्री सोहनलाल जी जैन, नगलासिकन्दर ६२६
श्री सेतीलाल जी जैन, वाराशमसपुर ६२७
श्री चन्द्रसैन जी जैन, वाराशमसपुर ... . ”
श्री बिहारीलाल जी जैन शास्त्री, खुर्जा ६२८
श्री प्रकाशचन्द्र जी जैन, निवाई ... . ”
श्री रमेशचन्द्र जी जैन, निवाई ... . ”
स्व० श्री छेदालाल जी जैन, मरसलगंज ६२९
श्री उल्फतराय जी जैन, सरनऊ ... . ”
श्री अमरचन्द जी जैन, सरनऊ ... . ”
श्री दयाचन्द जी जैन, सरनऊ ६३०
श्री जयसैन जी जैन, आगरा ... ... ”
श्री निर्मलचन्द्र जी जैन० एम० ए० एल० एल० बी० ... ... ”
श्री महिपाल जी जैन, मरसलगंज ६३१
श्री महेशकुमार जी जैन, फरिहा ... ... ”
श्री अविनाशचन्द्र जी जैन, बी० एस-सी० आगरा ... ... ”
श्री राजकुमार जी जैन, भदाना ... ... ”
श्री जिनेन्द्रप्रकाश जी जैन, एटा ६३२
स्व० श्री मुरारीलाल जी जैन, शिकोहाबाद ... ... ”
श्री डा० त्रिलोकचन्द्र जी जैन, लखनऊ ... . ”
श्री अंगरेजीलाल जी जैन, मैदामई ६३३
श्री गौरीशंकर जी जैन, कुतुकपुर ... ... ”
श्री मती कुन्तीदेवी जैन, नगलास्वरूप ६३४
कुमारी तारादेवी जैन एम० ए० मेरठ ... ... ”
श्री पी० डी० जैन इण्टर कालेज, फिरोजाबाद ६३७
प्राचीनतम अतिशय क्षेत्र ऋषभ नगर (मरसलगंज) ६३९
श्री ऋषभ-छाया सदन टूण्डला ६४०
श्री दि० जैन नेमनाथ अतिशय क्षेत्र राजमल ६४१
जिनेन्द्र कला-केन्द्र, टूण्डला ६४२
श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन पंचायत देहली ६४४

समाजोपयोगी स्मरणीय संकेत:— पृष्ठ ६४५ से ६५९

समाज की आदर्श मर्यादायें एवं प्रचलित प्रथाएँ [ले०—पाण्डे कंचनलाल जैन, टूण्डला] ६४५
वाग्दान (सगाई) [ले०—पाण्डे उग्रसैन जैन शास्त्री, टूण्डला] ६५४
पद्मावती पुरवाल जैन भाइयों का इन्दौर-प्रवेश [ले०—राजकुमार जैन] ६५६
विदर्भ का पद्मावती पुरवाल समाज [ले०—पानाचन्द्र गुलाबसाव रोडे, बी० ए० वर्धा] ६५८

चित्र-सूची

नाम	संलग्न पृष्ठ
पूज्यपाद आचार्य श्री महावीरकीर्तिजी महाराज	२२
पूज्यवर आचार्य श्री विमलसागर जी महाराज	२६
परमश्रद्धेय आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज	५६
मुनि श्री अजितसागर जी महाराज	,,
परमपूज्य आचार्य श्री वीरसागर जी महाराज	५७
मुनिवर श्री ब्रह्मगुलालजी महाराज के पावन चरण-चिह्न	८०
ब्र० श्री पाण्डे श्रीनिवास जी जैन, फिरोजाबाद	,,
ब्र० श्री वासुदेव जी जैन वैद्य, पिलुआ	,,
श्री महावीरप्रसाद जी जैन, कलकत्ता	८१
स्व० श्री श्रीमन्दिरदास जी जैन, कलकत्ता	,,
कैप्टिन श्री माणिकचन्द्र जी जैन "चन्द्रासाहेब" फिरोजाबाद	,,
स्व० श्री पं० गौरेलाल जी जैन, सिद्धान्तशास्त्री, बेरनी	१०४
ब्र० श्री श्रीलाल जी जैन, टेहू	१०५
श्री लालबहादुर जी शास्त्री, एम-ए., पी-एच. डी, इन्दौर	१२८
श्री पाण्डे कंचनलाल जी जैन, टूण्डला	,,
श्री पाण्डे उग्रसैन जी जैन शास्त्री, "ज्योतिषरत्न" टूण्डला	,,
श्री वैद्य पन्नालाल जी जैन "सरल" फिरोजाबाद	,,
श्री मुन्शी हरदेवप्रसाद जी जैन रईस, जलेसर	१२९
श्री बा० बनारसीदास जी जैन बी. ए. वकील, जलेसर	,,
रायसाहेब श्री बा० नेमीचन्द जी जैन, जलेसर	,,
ब्र० श्री सुरेन्द्रनाथ जी जैन, ईसरी (बिहार)	१५२
स्व० श्री नरेन्द्रनाथ जी जैन, कलकत्ता	,,
स्व० श्री वासुदेवप्रसाद जी जैन रईस, टूण्डला	१५३
स्व० श्री गजाधरलाल जी जैन शास्त्री, कलकत्ता	,,
श्री शान्तिप्रसाद जी जैन, कलकत्ता	१७६
श्री धन्यकुमार जी जैन, अवागढ़	,,
श्री कपूरचन्द जी जैन, कलकत्ता	,,
श्री महेन्द्रकुमार जी जैन, कलकत्ता	,,
श्री रामस्वरुप जी जैन "भारतीय" जारकी	१७७
श्री कान्तिस्वरुप जी जैन, इन्दौर	,,

श्री जगरूपसहाय जी जैन एम-ए., एल. टी. फिरोजाबाद १७७
श्री एन. सी. जैन, एम-ए., बी० कॉम, एल-एल-बी० .... ,,
स्व० श्री रघुवरदयाल जी जैन, एटा २००
श्री महिपाल जी जैन, एटा .... ,,
श्री लालचन्द जी जैन, एटा .... ,,
श्री शान्तिस्वरुप जी जैन एडवोकेट, एटा २०१
श्री अविनाशचन्द्र जी जैन बी. एस-सी, आगरा .... ,,
श्री कैलाशचन्द्र जी जैन, रिसड़ा .... ,,
श्री जिनेन्द्रप्रसाद जी जैन .... ,,
स्व० श्री खूबचन्द जी जैन, बेरनी २२४
स्व० श्री सुनहरीलाल जी जैन वकील, फिरोजाबाद .... ,,
श्री बनारसीदास जी जैन, चित्रीगंज (बजबज) .... ,,
श्री सतीशचन्द्र जी जैन साहित्यरत्न, बी.ए. बी.टी., जलेसर .... ,,
श्री पानाचन्द जी गुलाबसाव रोडे, वर्धा .... ,,
श्री अतिवीरचन्द्र जी जैन बी.ए., बी.टी., टूण्डला २२५
श्री डा० महावीरप्रसाद जी जैन बी. एल. एम. बी. मेरठ .... ,,
स्व० श्री भगवतस्वरुप जी जैन, एत्मादपुर ... . ,,
श्री जयन्तीप्रसाद जी जैन, मण्डलीक जलेसर ... . ,,
श्री राजकुमार जी जैन, जोधपुर ... . ,,
श्री अमेयकान्त जी जैन, इन्दौर ... . ,,
स्व० श्री रामस्वरुप जी जैन, इन्दौर २४८
स्व० श्री बा० हजारीलाल जी जैन वकील, फिरोजाबाद ... . ,,
श्री पं० अमोलकचन्द जी जैन उड़ेसरीय, इन्दौर ... . ,,
श्री ला० महावीरप्रसाद जी जैन सर्राफ, देहली ... . ,,
श्री पं० वंशीधर जी जैन, इन्दौर २४९
श्री लाला मुन्शीलाल जी जैन, एटा ... ... ,,
स्व० श्री बनारसीदास जी जैन, पालेज ... ... ,,
श्री देवचन्द जी रामासाव रोडे जैन, वर्धा ... ... ,,
श्री वैद्य रामप्रसाद जी जैन शास्त्री, आगरा ... ... ,,
श्री श्यामलाल जी जैन रईस, देहली ... . ,,
कार्यकारिणी-देहली पद्मावती पुरवाल पंचायत २७४
देहली पद्मावती पुरवाल, समाज २७५
श्री भगवतस्वरुप जी जैन "भगवत्" फरिहा २९४
स्व० श्री लाला मुरारीलाल जी जैन, शिकोहाबाद .... ,,
स्व० श्री पं० श्रीनिवासजी जैन शास्त्री, कलकत्ता .... ,,

श्री पं० शिवमुखराय जी जैन शास्त्री, मारोठ	....	....	२९४
श्री बा० साँवलदास जी जैन, कुतुकपुर	....	....	२९५
श्री कमलकुमार जी जैन, अवागढ़	....	....	,,
श्री बा० कंचनलाल जी जैन रईस, कुतुकपुर	....	....	,,
श्री जिनवरदास जी जैन एम.ए., पी.एच.डी., लखनऊ	....	....	,,
श्री डा० अशोककुमार जी जैन, एच.एम.डी.एस., बरहन	....	....	,,
श्री मणीन्द्रकुमार जी जैन	....	....	,,
स्व० श्री दिलसुखराय जी जैन, जसराना	....	....	३२०
श्री कम्पिलादास जी जैन रईस, थरोआ	...	....	,,
श्री होतीलालजी जैन, जसराना	....	....	,,
स्व० श्री जगदीशप्रसाद जी जैन, टूण्डला	....	....	,,
श्री भगवानस्वरुप जी जैन, टूण्डला	....	....	३२१
श्री राजकुमार जी जैन, फिरोजाबाद	....	....	,,
श्री पातीरामजी जैन शास्त्री, अहारन	...	....	,,
श्री कपूरचन्द जी जैन "इन्दु" चिरहोली	....	....	,,
श्री शिवकुमार जी जैन, शिवपुरी	....	....	३४४
श्री प्रकाशचन्द्र जी जैन 'अमेय' साहित्यरत्न, जलेसर	....	....	,,
श्री जीवेन्द्रकुमार जी जैन चा० ए०, फतेहपुर	....	....	,,
श्री मधु जैन एम-काँम, एम.एस.सी. भोपाल	....	....	,,
श्री पुष्पेन्द्रकुमार जी जैन, एटा	....	....	३४५
श्री विजयचन्द जी जैन, शिकोहाबाद	...	....	,,
स्व० श्री सतीशचन्द्रजी जैन, मोरेना	....	....	,,
श्री देवसेनजी जैन, आगरा	....	....	,,
श्री महावीरप्रसाद जी जैन, राजाकाताल	....	....	,,
श्री वैद्य पंचमलाल जी जैन, महाराजपुर	....	....	३६८
स्व० श्री बाबूराम जी जैन, सरायनूरमहल	....	....	,,
श्री मनीरामजी जैन, एत्मादपुर	....	....	,,
श्री उमरावसिंह जी जैन, मझराऊ	....	....	,,
श्री मगनमल जी जैन, शुजालपुर	....	....	३६९
स्व० श्री कस्तूरचन्द्र जी जैन, सारंगपुर	...	....	,,
स्व० श्री सुरेन्द्रनाथ जी जैन, "श्रीपाल" कायथा	....	....	,,
श्री दुलीचन्द जी जैन सर्राफ, सारंगपुर	....	....	,,
श्री जयसैन जी जैन, आगरा	....	....	३९०
श्री फूलचन्द्र जी जैन, मोमदी	....	...	,,
श्री सुनहरीलाल जी जैन, अहारन	....	...	,,

श्री श्यामस्वरूप जी जैन, इन्दौर	....	....	३९०
हकीम श्री प्रेमचन्द जी जैन	....	....	३९१
श्री जुगमन्दिरदास जी जैन (अध्यापक)	...	....	"
श्री रमेशचन्द्रजी जैन एम.ए., पिलुआ	....	....	"
श्री प्रमोदकुमार जी जैन, जलेसर	....	...	"
श्री उग्रसेनजी जैन, एटा	....	....	३९६
श्री जुगमन्दिरदासजी जैन, एटा	....	....	"
श्री जियालालजी जैन, एटा	....	....	"
श्री सुनहरीलालजी जैन, एटा	....	...	"
श्री मुंशीलालजी जैन, एटा	....	....	"
श्री राजकुमारजी जैन, एटा	....	...	"
श्री क्षेमंकरलालजी जैन, एटा	....	....	"
श्री अभिनन्दनलालजी जैन, एटा	....	...	"
श्री साहूलालजी जैन, एटा	...	....	"
श्री ला० देवेन्द्रकुमारजी जैन, जलेसर	...	....	३९७
श्री इन्द्रमुकुट जी जैन, बी. ए., बी. टी. जलेसर	...	....	"
श्री घेवरमलजी जैन एम. ए., जी. एड. आष्टा	...	...	"
श्री प्रकाशचन्द्रजी जैन, एम. एस. सी. इलाहाबाद	....	....	"
श्री शान्तिलाल मुन्नूलाल जैन, आष्टा	...	....	"
श्री राजेन्द्र पानाचन्दजी जैन रोडे, वर्धा	....	...	"
श्री मोहनलालजी जैन, सं० 'सेवाग्राम' देहली	....	...	"
श्री विमलकुमारजी जैन बी. एस. सी. अम्बाला	....	....	"
श्री देवेन्द्रकुमारजी जैन, बी. ई. मथुरा	....	....	"
ब्र० श्री बिहारीलालजी जैन शास्त्री	....	....	४०२
श्री पं० बनवारीलालजी जैन स्याद्वादी	....	...	"
स्व० श्री दयाशंकर जी जैन, एटा	....	....	"
श्री देवचन्द जी जैन	...	...	"
श्री रमेशचन्द्र जी जैन, जयपुर	....	...	"
श्री जिनेन्द्रप्रकाशजी जैन, बी. ए. एल-एल. बी. एटा	...	...	४०३
श्री सुरेशचन्द्र जी जैन एम. ए. बी. एड. जलेस	....	...	"
श्री मानिकचन्द जी जैन	....	....	"
श्री जैनेन्द्रकुमार जी जैन, फिरोजाबाद	...	...	"
श्री परमेश्वरीप्रसादजी जैन, अलीगढ़	....	....	"
श्री जिनेन्द्रप्रसाद जी जैन, फिरोजाबाद	...	...	४१६
श्री भोलानाथजी जैन, देहली	....	...	"

श्री सूबालाल जी जैन, लाड़कूई	....	...	४१६
स्व० श्री जगतिलकरावजी जैन, अवागढ़	....	....	"
श्री श्रीपाल जी जैन "दिवा" आष्टा	....	....	"
श्री स्वरूपकिशोर जी जैन स० स० अ० हि०	....	....	"
श्री पं० नरहिंसदासजी जैन शास्त्री, चावली	....	....	४१७
श्री ला० मुंशीलालाजी जैन, अवागढ़	...	....	"
श्री ला० गुलजारीलालजी जैन, अवागढ़	....	....	"
श्री रामस्वरुपजी जैन, एत्मादपुर	....	....	"
श्री ला० दिगम्बरदासजी जैन, सीहोर	....	...	"
श्री सोहन लालजी जैन, नगलासिकन्दर	...	...	"
श्री नन्नूमलजी जैन, कालापीपल	...	...	४२८
श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन, अवागढ़	...	....	"
स्व० श्री जयकुमार जी जैन, जसरथपुर	...	....	"
श्री प्रेमचन्द्र जी जैन, टूण्डला	....	....	"
श्री संरक्षकजी जैन	....	....	४२९
श्री मुन्शीलालजी जैन कागजी, देहली	...	....	"
श्री गेन्दालाल जी जैन, आगरा	....	....	"
श्री सेठलालजी जैन, टूण्डला	....	...	"
श्री ला० मोरध्वजप्रसादजी जैन सर्राफ, एटा	....	....	४७८
श्री ला० अशरफीलालजी जैन, एटा	....	....	"
श्री बा० अजितप्रसादजी जैन सर्राफ, एटा	....	....	"
श्री ला० मथुराप्रसादजी जैन टेहू	....	....	"
श्री ला० केशवदेवजी जैन, कायथा	....	....	४७९
स्व० श्री ला० सुखदेवप्रसाद जी जैन, एटा	....	....	"
श्री ला० बनारसीदासजी जैन, देहली	....	....	"
श्री ला० पातीरामजी जैन, देहली	....	....	"
श्री श्योप्रसादजी जैन, टूण्डला	....	....	५०६
श्री माणिकचन्द्रजी जैन एम० ए०, बी० टी० शिकोहाबाद	....	....	"
श्री नरेन्द्रप्रकाश जी जैन साहित्यरत्न एम० ए० एल० टी० फीरोजाबाद		...	"
श्री महेन्द्रकुमार जी जैन 'महेश' फरिहा	....	...	"
श्री पद्मचन्द्रजी जैन, अवागढ़	....	....	५०७
श्री महिपालजी जैन सा० शा०, गढ़ीकल्याण	...	...	"
श्री सत्येन्द्रकुमारजी जैन, उड़ेसर	...	....	"
श्री कमलेशकुमार जी जैन, फिरोजाबाद	...	....	"
श्री ज्योतिप्रसादजी जैन, नगलास्वरूप	....	....	५३२

श्री बाबूलाल जी जैन, अवागढ़	....	...	५३१
श्री रामप्रसादजी जैन, अवागढ़	....	...	,,
श्री गुलजारीलाल जी जैन, अवागढ़	....	....	,,
श्री उलफतरामजी जैन,सरनऊ	...	...	५३२
श्री अंगरेजीलालजी जैन, मैदामई	...	....	,,
श्री अमरचन्द जी जैन, सरनऊ	...	...	,,
श्री दयाचन्दजी जैन, सरनऊ	....	...	,,
श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन पंचायती मन्दिर धर्मपुरा देहली		...	६४४
श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन पंचायती धर्मशाला धर्मपुरा देहली		....	,,
श्री जिनेन्द्र कला केन्द्र टूण्डला के कलाकार	....	...	६४५
श्री पी० डी० जैन इन्टर कालेज, फिरोजाबाद	...	...	,,
स्व० श्रीमती फूलमालादेवी जैन, टूण्डला	....	...	,,
श्रीमती मोतीमालादेवी जैन, टूण्डला	...	...	,,
श्रीमती इन्दुमती जैन, कलकत्ता	....	....	,,
सुश्री सुशीलादेवी जैन, "विदुषी"	....	....	,,
सुश्री निम्मीदेवी जैन, देहली	....	....	,,
स्व० श्रीमती उमादेवी जैन, टूण्डला	...	...	६५२
श्रीमती करूणादेवी जैन, फिरोजाबाद	...	...	,,
कुमारी शीला जैन, कलकत्ता	...	...	,,
कुमारी तारादेवी जैन एम० ए०, मेरठ	....	...	६५३
श्रीमती चन्द्रा जैन	...	...	,,
कुमारी सरोजनी जैन, बम्बई	...	...	,,
श्रीमती चन्द्रकान्ता जैन प्रभाकर, एम० ए० मेरठ	...	...	,,
श्रीमती भू देवी जैन विशारद, सांभरलेक	...	...	,,
श्रीमती ज्योतिर्माला जैन विशारद, जयपुर	....	...	६५८
श्रीमती लक्ष्मीदेवी गुप्ता, मोरेना	...	...	,,
श्रीमती सुनन्दा जैन, फिरोजाबाद	...	...	,,
श्रीमती शैलकुमारी जैन विशारद, बी० ए० लखनऊ	....	....	,,
श्रीमती होतीलाल जैन, जसराना	....	...	६५९
सुश्री रानीदेवी जैन, एटा	...	...	,,
सुश्री श्यामादेवी जैन, कलकत्ता	....	...	,,

भूमिका

किसी भी जाति की समृद्धि और उसके प्रभावशाली अस्तित्व का परिज्ञान करने के लिये यह आवश्यक है कि इसकी स्थिति का एक प्रामाणिक इतिवृत्त हमारे सामने है ! हमारे देश में अनेक धर्म हैं और एक धर्म को मानने वाली अनेक जातियाँ हैं। जैन धर्म जो भारत का अत्यन्त प्राचीन धर्म है किसी समय भारत का प्रमुख धर्म था और वर्णाश्रम नाम से पुकारी जाने वाली ब्राह्मण, क्षत्रिय, बैश्य आदि जातियाँ सभी इस धर्म का पालन करती थी। लेकिन समय जैसे-जैसे बदला यहाँ अनेक राजवंशों का अभ्युदय हुआ पुराने साम्राज्य विलीन हो गये और उनके साथ कुछ धर्म भी काल के गर्त में समा गये ! जैन धर्म पर भी उसका प्रभाव हुआ परन्तु अपने नैतिक आचरण और बैज्ञानिक सिद्धान्तों के सहारे इसके अस्तित्व को कोई ठेस नहीं पहुँची। इसके अनुयायियों की संख्या सीमित रह गई। इतनी सीमित कि करोड़ों की जन-संख्या में जैन लगभग आज बीस लाख हैं।

कहा जाता है कि जैनों की ८४ जातियाँ हैं। इनके नाम भी उपलब्ध हैं पर हमारा अनुमान है कि इनकी संख्या और भी अधिक रही होगी। और नहीं तो कम से कम दक्षिण भारत की सभी जैन जातियों का इनमें उल्लेख नहीं है।

इन जातियों में एक पद्मावती पुरवाल जाति का भी उल्लेख है। यह जाति उत्तर प्रदेश के आगरा, एटा, मैनपुरी, अलीगढ़ आदि जिलों में बहुतायत से पाई जाती है। भोपाल क्षेत्र तथा नागपुर आदि प्रदेशों में भी यह निवास करती है। लेकिन सुना है कि अब नागपुर की तरफ इस जाति का अस्तित्व समाप्त प्रायः है।

पद्मावती पुरवाल एक छोटी सी जाति है—लेकिन अपनी धार्मिकता, विद्वत्ता और सज्जातित्व के लिये जैनों में उच्च स्थान रखती है। उसमें उच्चकोटि का पांडित्य है अनेक परमतपस्वी साधु हैं व्यवसायी और अच्छे कलाकार तथा राजनीतिज्ञ हैं। जैनों की सभी जातियों में प्रायः अजैन पद्धति से ही पिछले समयों में विवाह-विधि सम्पन्न होती रही है। लेकिन पद्मावती पुरवालों में प्राचीन काल से ही अपनी जाति के गृहस्थाचार्यों द्वारा विवाह सम्पन्न होते रहे हैं। इस तरह अपना सब कुछ होते हुए भी अभी तक न तो इसकी जन-संख्या का पता था और न यही मालूम था कि पद्मावती पुरवाल कुटुम्ब कहाँ-कहाँ बसे हुए हैं, किस कुटुम्ब में कितने स्त्री पुरुष, बालक हैं, विधवायें कितनी हैं, विधुर कितने हैं, अविवाहित स्त्री-पुरुष कितने हैं, साक्षर और निरक्षरों की संख्या क्या है, प्रवासियों का उद्गम स्थान कहाँ है, उनके अपने मंदिर और धर्मशालाओं की स्थिति कैसी है। इस सब सामग्री को एकत्र करने की इसलिये आवश्यकता होती है कि कोई जाति अपनी जन संपत्ति और उसके स्तर का लेखा-जोखा कर सकें, व्यक्तिगत एवं सामाजिक सूचनाएँ उन तक पहुँचाई जा सकें, परस्पर सुख दुःख में सहायता ली दी जा सके। लेकिन पद्मावती पुरवाल समाज में अब तक इसकी कोई व्यवस्था नहीं थी ! समाज एक लम्बे अर्से से इसकी आवश्यकता महसूस कर रही थी। प० पु० परिषद्, प० पु० महासभा एवं प० पु० पंचायत आदि अनेक जातीय संस्थाओं ने इस जाति को अपनी सेवा का क्षेत्र बनाया और सबने अपने-अपने ढंग से काम किया, सभाओं के अधिवेशन किये, परन्तु उक्त आवश्यकता को कोई पूरा नहीं कर सका।

इससे जो हानि हुई वह यह है कि समाज कभी संगठित नहीं हो सकी। यदि विद्वत्ता का क्षेत्र इसके हाथ में न होता तो अन्य जैन जातियों द्वारा इसका पहचाना जाना भी मुश्किल था। असंगठित रहने का परिणाम यह हुआ कि उत्तर प्रदेश के पद्मावती पुरवाल मध्य प्रान्तीय (भोपाल उज्जैन लाईन) पुरवालों से कभी एकाकार नहीं हो सके। कुछ जातीय नेताओं को छोड़कर दोनों ही एक दूसरे से शंकित रहे अतः दोनों में एक दूसरे के साथ रोटी बेटी का व्यवहार नहीं हो सका।

असंगठित रहने का दूसरा परिणाम यह हुआ कि गाँवों में बसी हुई यह जाति अपने व्यापार व्यवसाय के लिये स्थानीय क्षेत्रों से बाहर नहीं जा सकी। सामाजिक प्राणी होने के नाते मनुष्य के लिये यह आवश्यक है कि वह अपने वर्ग के साथ रहे अथवा जहाँ रहे वहाँ अपना वर्ग बनाकर रहे। प्रायः यह देखा गया है कि किसी जाति या समाज के बन्धु बाहर जाकर समृद्धि प्राप्त करते हैं तो अपने अन्य जातीय बन्धुओं को भी वहाँ बुला लेते हैं और सब प्रकार की सामाजिक एवं वैयक्तिक सुविधाएँ पहुँचाकर उसे अपनी समाज का प्रतिष्ठित अंग बना लेते हैं। मारवाड़ी, गुजराती, पारसी आदि जातियाँ इसी तरह समृद्ध हुई हैं। पद्मावती पुरवालों के लिये संगठन के अभाव से बाहर इस प्रकार का कोई आकर्षण नहीं था अतः वे गाँवों के बाहर सुदूर भारतीय प्रदेशों में जा ही नहीं सके। बाहर न जाने के लिये इस जाति के सामने कुछ धार्मिक आचार विचारों के निर्वाह का भी प्रश्न था। संगठन में प्रेम होता है और प्रेम एक दूसरे को आकर्षित करता है अन्यथा जो जहाँ है वह वहाँ उसी रूप में रहने के लिये बाध्य है। पद्मावती पुरवाल जाति भी इसकी अपवाद नहीं रही। पारस्परिक आकर्षण उद्भूत न होने के कारण यह अपने स्थानों से आगे नहीं बढ़ सकी। परिणामतः आर्थिक क्षेत्र में समृद्ध जातियों के साथ यह अपना हाथ नहीं बँटा सकी। फिर भी धार्मिक नैतिक आचरणों में यह किसी से पीछे नहीं है, स्वाभिमान इसे आनुवांशिक रूप में विरासत में मिला है, यहाँ तक कि कभी कभी इसका अतिरेक भी होते देखा गया है। शुद्ध खान पान की मर्यादा इन घरों में अब भी सुरक्षित है। विशेष रूप से गाँवों में कोई भी त्यागी व्रती कभी भी बिना सूचना दिये जाये तो उसे तत्काल अनुकूल आहार मिलने में कोई बाधा उपस्थित नहींहोगी।

सज्जातित्व के संरक्षण में यह सबसे आगे है। थोड़े घर होते हुए भी जातीय मर्यादा को बनाये रखने में इसने सदा गौरव का अनुभव किया है। इस जाति का अतीत निःसन्देह गौरवमय रहा है लेकिन इसके प्रामाणिक अतीत इतिहास की आवश्यकता अभी बनी ही हुई है।

जहाँ तक प्रस्तुत डायरेक्टरी के निर्माण की बात है, यह एक सुन्दर और अभूतपूर्व प्रयत्न है। मुझे स्मरण नहीं आता कि किन्हीं अन्य जैन जातियों ने भी अपनी अपनी इस प्रकार की डायरेक्टरियाँ बनाई हों। आज से संभवतः पचास-साठ वर्ष पहले एक जैन डायरेक्टरी अवश्य प्रकाशित हुई थी जो उस जमाने की अपेक्षा नया प्रयत्न था पर उसमें जातिवार गणना के लिये कोई स्थान न था। तब से अब तक परिस्थितियों में बहुत परिवर्तन हुये हैं अतः उसके आधार पर इस समय नये प्रयत्न नहीं किये जा सकते थे। इस डायरेक्टरी के निर्माण में जो श्रम और शक्ति का उपयोग हुआ है वह बिलकुल नया है। जाति से संबंधित कोई परिचायात्मक विवरण इसमें छोड़ा नहीं गया है। व्यक्तिगत परिचयों में अधिक-से-अधिक जानकारी देने का प्रयत्न किया गया है। उन सभी प्रवासी बन्धुओं का इसमें विवरण है जो भारत के विभिन्न प्रान्तों में जाकर बस गये हैं। मूलतः वे कहाँ के निवासी हैं यह भी जहाँ तक उपलब्ध हो सका है दिया गया है। विशिष्ट व्यक्तियों के संक्षिप्त परिचय भी दिये गये हैं।

उक्त परिचय विवरण से निम्न तथ्य सामने आया है। पद्मावती पुरवालों की जन-संख्या जिसमें स्त्री, पुरुष, बालक, बालिकायें सभी सम्मिलित हैं। लगभग ३५१७५ है।

इसके संपादन में श्रीमान् सेठ जुगमन्दिरदास जी कलकत्तावालों ने पर्याप्त श्रम किया है। वस्तुतः यह कार्य जितना आवश्यक था उतना ही उपेक्षित था और यह आशा भी नहीं की गई थी इस प्रकार की किसी डायरेक्टरी का निर्माण भी हो सकेगा। अकस्मात् बिना किसी घोषणा और प्रदर्शन के आपने इस काम को अपने हाथ में लिया और मूक सेवक बनकर काम में जुट गये। इसके साथ ही आपने "पद्मावती पुरवाल" मासिक पत्र का भी अपनी ओर से प्रकाशन किया जो समय पर लगभग सभी पद्मावती पुरवालों के पास पहुँच जाता है। इसका सुयोग्य संपादन भी आपके हाथों में है और सम्पूर्ण व्यय-भार आप ही उठाते हैं। आप अत्यन्त उदार और सहृदय हैं। आपका व्यक्तित्व पद्मावती पुरवाल समाज के लिये गौरव की वस्तु है।

यह डायरेक्टरी उक्त समाज का एक सांस्कृतिक कोष है और उसी प्रकार संग्रहणीय है जिस प्रकार हम अपने घर के बुजुर्गों से संबंधित एतिहासिक दस्तावेजों को सुरक्षित रखते हैं। इस समाज में जहाँ तक हमें याद है रचनात्मक काम नहीं जैसा हुआ इस दृष्टि से इस डायरेक्टरी का निर्माण-कार्य समाज-सेवा की तरफ एक अत्यन्त ही प्रगतिशील और ठोस कदम।

मैं श्री जुगमन्दिरदास जी का आभारी हूँ जिन्होंने मुझे इसकी भूमिका लिखने का अवसर प्रदान किया।

इन्दौर
३०-९-६५

—लालबहादुर शास्त्री
एम० ए०, पी-एच० डी०

क्षमा-याचना

साहित्य समाज का दर्पण होता है। प्रत्येक समाज का रूपचित्र तत्कालीन साहित्य में अंकित और मुखरित रहता है। महान् पुरुषों एवं समाज की बन्दनीय प्रतिभाओं के अनुपम आदर्श तथा गौरवपूर्ण क्रिया कलाप साहित्य कोश में ही सुरक्षित रहते हैं। आनेवाली पीढ़ियें अतीत की अवस्था एवं व्यवस्था को समझकर ही नव निर्माण की ओर अग्रसर होती हैं। अतः किसी भी समाज के लिए साहित्य-सृजन उपयोगी ही नहीं, अनिवार्य भी है।

विशाल जैन समाज का उज्ज्वल इतिहास सहस्त्रों वर्षों से अनेक शीर्षस्थ इतिहासकार तथा साहित्य मनीषी अबाध गति से लिखते आरहे हैं, किन्तु ऐसा लगता है मानो अभी इस महान् और वीर समाज के इतिहास की भूमिका का शीर्षक मात्र ही बंधा है। जैन-समाज पर मूर्धन्य विद्वानों की लेखनी को भी....आदि-आदि शब्दों के साथ उपराम पाने को बाध्य होना पड़ा है। अतः साधारण सी अबोध लेखनी उस दुरूह पथ पर चलने का साहस कैसे बटोर पाती! इस पूरे समाज में अनेक सिद्ध विभूतियें, महान् तपस्वी, परम त्यागी, उदारमना, सर्वस्वदानी और आदर्श समाज-साधकों के प्रचुर मात्रा में दर्शन मिलते हैं। इन सभी पवित्र आत्माओं का अर्चन मेरी छोटी सी लेखनी की अल्प मसि से कैसे सम्भव था?

श्री पद्मावती पुरवाल समाज विस्तृत जैन-सागर की ही एक प्रमुख पावन धारा है। संख्या एवं साधनों की दृष्टि से अल्प तथा सीमित होते हुए भी इसका अतीत महान् और अपने आंचल में एक गौरव गाथा बांधे हैं। इस समाज के जन्म की कहानी ही स्वाभिमान की हुंकार से आरम्भ होती है और आज तक यह उसकी रक्षा तथा मान-मर्यादा के लिए हर सम्भव बलिदान देता हुआ —अपने अस्तित्व को बनाए है।

श्री पद्मावती पुरवाल समाज की जनसंख्या तथा अवस्था को जानने के लिए डायरेक्टरी के निर्माण का विचार मन में आया। इस सम्बन्ध में समाज के प्रमुख महानुभावों से जब परामर्श किया, तो उनके सद्-परामर्शों ने इस विचार की पुष्टि ही नहीं की वरन् इसकी आवश्यकता बताते हुए इसे शीघ्र ही सम्पूर्ण करने की प्रेरणा भी की। अतः डायरेक्टरी का कार्य आरम्भ किया गया। इसकी प्रारम्भिक रूप-रेखा तैयार ही की जारही थी कि इस कार्य के सहयोगी तथा कलकत्ता के जानेमाने साहित्यकार श्री रघुनाथप्रसाद जी सिंहानिया का कैन्सर की बीमारी के कारण अचानक स्वर्गवास हो गया। श्री सिंहानिया जी के इस असामयिक वियोग से "पद्मावती पुरवाल" मासिक पत्रिका तथा श्री पद्मावती पुरवाल जैन डायरेक्टरी के सम्मुख एक कठिन समस्या उत्पन्न हो गयी। उनके साथ बनाया गया भ्रमण का विस्तृत कार्यक्रम तथा डायरेक्टरी का निश्चित स्वरूप, सभी धूमिल-सा हो गया। किन्तु, इस घटना को विधि का विधान मान येनकेन प्रकारेण हम अपने प्रयत्न में जुटे रहे और डायरेक्टरी की समग्री का संग्रह यथावत् चलता रहा।

किसी एक व्यक्ति या एक परिवार का वृतान्त संग्रह कर लेना अथवा लिख देना सरल होता है अपेक्षाकृत हजारों परिवारों के। डायरेक्टरी के लिए सामग्री प्राप्त करने में हमने अपनी ओर से कोई कोर-कसर न उठा रखी। "पद्मावती पुरवाल" पत्रिका द्वारा बराबर प्रचार करते रहे। समाज के प्रमुख जनों के पास पर्याप्त संख्या में फार्म भेजे गए। कुछ व्यक्तियों को विशेषरूप से इस कार्य के लिए नियुक्त किया, जिन्होंने यथा साध्य नगर-नगर और ग्राम-ग्राम घूम कर जनसंख्या का विवरण प्राप्त किया। जहाँ वह न पहुंच पाये वहां

पत्रों द्वारा सूचना तथा फार्म भेजे गए और विवरण प्राप्त करने का पूर्ण प्रयास किया गया। मध्य प्रदेश के अनेक बन्धुओं से मैं स्वयं भी इस निमित्त मिला और उनके इस सम्बन्ध में सुझाव जानने की चेष्टा की, किन्तु इतना सब कुछ करने पर भी हम लगभग तीन हजार परिवारों के फार्म ही जुटा पाये। इन फार्मों में समस्त समाज नहीं आ जाता है। हाँ, यह उसका एक बड़ा भाग अवश्य कहा जा सकता है। हमें जो फार्म प्राप्त हुए हैं उनमें भी बड़ी मात्रा मे अपूर्ण तथा अस्पष्ट हैं। कुछ फार्म तो ऐसे मिले हैं, जिनका कुछ भी अता-पता नहीं है।

हम चाहते थे कि डायरेक्टरी में अधिक से अधिक मयचित्र जीवनचरित्र छापे जायें, किन्तु हमारी यह इच्छा अधूरी ही रही। अनेक ऐसे दिव्यतत्व सम्पन्न महापुरुषों को हम छोड़ गये है जिनके जीवनचरित्र एवं परम दुर्लभ जाति-हितैषी क्रिया-कलापों से आनेवाली पीढ़ियों में नव स्फूर्ति, आशा और उत्साह का संचार होता। जब बार-बार अपील करने पर भी हमें उनके सम्बन्ध में कुछ संकेत न मिल पाये, तो हम इस विवशता के लिए उन समाज-नायकों को मौन श्रद्धाञ्जलि अर्पित करते हुए - जितने जीवन चरित्र प्राप्त हुए उन पर ही सन्तोष कर आगे बढ़े। इसी प्रसंग में एक और भी दुविधा हमारे सामने आई, वह यह कि कुछ महानुभावों के केवल मात्र चित्र ही प्राप्त हुए और कुछ के केवल जीवनचरित्र, कुछ महानुभाओं ने चित्र की पीठ पर ही जीवनचरित्र लिख भेजा। अतः ऐसी परिस्थितियों में यही निर्णय किया कि जितनी भी सामग्री अपने पास है उसमें किसी प्रकार की कटौती न करते हुए, पूरी की पूरी प्रकाशित कर दी जाए।

आरम्भ में डायरेक्टरी को एक ही जिल्द में प्रकाशित करने का विचार था। किन्तु, इसका फैलाव और आकार-प्रकार इतना बढ़ गया कि इसको दो खण्डों में विभक्त करना ही सुविधा पूर्ण जान पड़ा। संकलन की दृष्टि से इसे वर्णमालानुक्रमणिका (अकार) विधि से तैयार किया गया है। सर्वप्रथम "अ" क्रम से प्रान्त फिर जिले तथा गांव और गांव मे नाम इसी रूप में संकलित किये गए है।

डायरेक्टरी को चाहे उतने सुन्दर रूप में न सही फिर भी जिस रूप में हम बना पाये हैं, आपके हाथों तक पहुँचा रहे है। इस कार्य को हम जितना शीघ्र पूरा कर लेना चाहते थे, उसमें भी कुछ विलम्ब हो गया है और इसका जो सुरुचिपूर्ण शृङ्गार करना चाहते थे, उसमें भी पूर्ण सफल नहीं हो पाये। अतः इस कार्य का शुभारम्भ तथा सर्म्पूति आपके ही आशीर्वाद एवं शुभ कामनाओं का सफल परिणाम है। आज आपकी वस्तु, आपको ही समर्पण करते हुए मुझे हर्ष हो रहा है। अतः इस प्रयास से समाज का लेशमात्र भी हित हुआ, तो मैं अपने आपको धन्य समझूंगा।

सर्वप्रथम हम अपने उन उदार बन्धुओं से क्षमा-याचना करते हैं, जिनके फार्म हमें प्राप्त न हो सके अथवा हमारे कार्यालय में किसी प्रकार भूल से गुम हो गये या अशुद्ध छप गए है। इन भाइयों से हमारा साग्रह नम्र निवेदन है कि वह हमारी त्रुटियों की ओर अवश्य संकेत करें, जिससे हम "पद्मावती पुरवाल" पत्रिका में उनकी शुद्ध आवृत्ति कर सकें।

सर्व श्री लालबहादुर जी शास्त्री इन्दौर निवासी का तो मैं चिर ऋणि हूँ, जिन्हों ने डायरेक्टरी के सम्बन्ध में समय-समय पर अपने बहुमूल्य सुझाओं द्वारा तथा "भूमिका" लिख कर इस ग्रन्थ को महत्त्व प्रदान किया है। श्री पाण्डेय कंचनलाल जी जैन ने एक सुयोग्य परामर्शदाता की भांति इस कार्य को सर्वतोभावेन सम्पन्न कराया है। श्री कान्तिचन्द्र जी जैन इन्दौर ने भी इस कार्य में जो रुचि एवं उत्साह दिखाया है, वह भी चिरस्मरणीय तथा प्रशंसनीय है। मान्य श्री श्रीधर जी शास्त्री इन्दौर तथा श्री रामस्वरूप जी "भारतीय" आरकी और श्री पन्नालाल जी जैन "सरल" फिरोजाबाद आदि सज्जनों ने स्वसमाज के इस कार्य में जो

सहयोग प्रदान किया है उसके लिए मैं इन सभी महानुभाओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करता हूँ। साथ ही वह सभी सज्जन धन्यवाद के पात्र हैं, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष किसी भी रूप में डायरेक्टरी के लिए श्रम किया है।

अन्त में श्री आचार्य हरीश जी का हृदय से आभारी हूं जिन्होंने इस ग्रन्थ के लेखन, संकलन आदि कार्य में मुझे अपनी साहित्यिक प्रतिभा का योगदान दिया है।

२०२४ वीर जयन्ती

११३, महात्मा गान्धी रोड,

कलकत्ता

—जुगमन्दिरदास जैन

अतीत की गौरव-गाथा ... ...

जैनधर्म के आदि प्रवर्तक भगवान आदिनाथ। (ऋषभदेवजी) से लेकर चौबीसवें तीर्थंकर भगवान् श्री महावीरजी तक श्रद्धेय समस्त तीर्थंकरों ने जन-कल्याणार्थ ही धर्म का उपदेश जन-मानस तक पहुँचाया है। इनके सत्य कल्याणकारी उपदेशों को धारणकर असंख्य दीन-दुखी और अशान्त मानवों ने सुख की सांस ली और मोक्ष का मार्ग अपनाया। इसी मार्ग के विवेकी पथिकों में एक है--पद्मावती पुरवाल समाज।

वृक्ष और बीज के रहस्य की भाँति पद्मावती पुरवाल समाज के उद्भव का इतिहास भी एक रहस्य बना हुआ है। हाँ, कुछ ग्रन्थों में तथा कुछ दन्त कथाओं में इसके इतिहास के सम्बन्ध में कुछ कथाएँ अवश्य मिलती हैं। अतः इनपर ही सन्तोष करना पड़ता है। किन्तु, इस सन्तोष में एक गौरव छिपा है। इन कथाओं में संघर्ष रत इस समाज की स्वाभिमानता तथा वीरता बोलती है। समाज के पूर्व-पुरुषों ने अपनी आन और मर्यादाओं को अक्षुण्ण रखने के लिए जलती हुई ज्वालाओं में अपनी आहुती देकर अपने समाज को सदैव के लिए उज्ज्वल एवं निष्कलंक बनाया है।

श्री बनवारीलालजी स्याद्वादी द्वारा सम्पादित "श्री ब्रह्मगुलाल चरित्र" नामक पुस्तिका में समाज के इतिहास को स्पष्ट करते हुए, इसकी चार प्रमुख कथाओं का संक्षिप्त उल्लेख किया है।

प्रथम कथा :

राजस्थानान्तर्गत वर्तमान अजमेर नगर में जिस स्थान पर इस समय सुविशाल पुष्कर सरोवर है, उस स्थान पर प्राचीन काल में पद्मावती नगरी थी। यह नगरी अपने समय में अत्यन्त वैभवशाली और सुख-समृद्धि का केन्द्र थी।

एक तपस्वी इस नगरी के समीप बन में विद्या सिद्ध करने लगा। तपस्वी का एक शिष्य उनकी सेवा-सुश्रुषा में लगा रहता था। यह शिष्य नित्य नगरी में जाता और भिक्षा मांगकर अपनी तथा अपने गुरू की उदर पूर्ति करता था। शिष्य का स्वास्थ्य अच्छा था। इसीलिए नगर निवासियों ने उसे भिक्षा देना बन्द कर दिया था। अतः शिष्य ने जंगल से लकड़ी काट कर लाना आरम्भ कर दिया और उनकी बिक्री से वह अपनी तथा अपने तपस्वी गुरू की क्षुधा को शान्त करता था। किन्तु, लकड़ियों की इस कठिन ढुवाई से शिष्य के सिर में एक घाव बन गया था। जब गुरू ने समाधि खोली, तो शिष्य से सिर के घाव के सम्बन्ध में जानना चाहा। शिष्य ने जब अपनी करूण-कथा गुरू को सुनाई, तो नगर निवासियों की इस निष्ठुरता पर तपस्वी को बड़ा क्रोध आया। अपने शिष्य के अपमान का तथा अपनी उपेक्षा का दण्ड देने के लिए सिद्ध तपस्वी ने अपनी शक्तिशाली सिद्धि का प्रथम प्रयोग उस नगरी पर ही किया। उसके प्रभाव से नगर में अनेकों प्रकार के उपद्रव होने लगे। इन असह्य कष्ट

एवं उपद्रवों से दुःखी होकर नगर निवासियों ने यहाँ से पलायन करना आरम्भ कर दिया। देखते ही देखते श्रृंगार युक्त नगरी सुनसान एवं भयावह बन गई। इस नगरी के अधिकतर नागरिक उत्तर भारत की ओर आये तथा बहुत से लोग दक्षिण भारत की ओर चले गये। यह व्यक्ति जहाँ भी गए अपने आपको "पद्ममावर्ती" नाम से ही विख्यात करते रहे।

द्वितीय कथा :

एक राज-मन्त्री की कन्या अति स्वरूपा एवं लावण्यवती थी। उसका नाम था पद्मावती। यह कन्या ज्यों-ज्यों युवती होती जाती थी त्यों-त्यों इसका सौन्दर्य और रूप निखरता जाता था। रति के समान इस युवती के अपूर्व सौन्दर्य की तथा अनूठे यौवन की चर्चा उस राजा के कानों तक भी पहुँच गई, जिसके मन्त्री थे पद्मावती के पिता। राजा ने मन्त्री के सम्मुख उनकी पुत्री पद्मावती का विवाह अपने साथ करने का प्रस्ताव रखा। मन्त्री ने जवाब दिया कि इस सम्बन्ध में कोई वचन देने से पूर्व मैं अपनी जात-बिरादरी के बन्धुओं से निर्णय ले लूँ।

मन्त्री महोदय ने राजा की इस धृष्टता का उल्लेख अपनी जातीय-सभा में किया। सारे ही समाज ने राजा की इस कुत्सित भावना का कड़ा विरोध किया। किन्तु, अब इस समाज के सामने पद्मावती का राजा के साथ विवाह या युद्ध अथवा राज्य-सीमा का त्याग। यह तीन मार्ग ही थे। अतः सभी ने अन्तिम मार्ग का अनुसरण उचित समझा। उस राज्य के समस्त जाति-बन्धु पद्मावती को साथ लेकर राज्य की सीमाओं से दूर निकल जाना चाहते थे। जब यह समाचार कामान्ध राजा के पास पहुँचा, तो वह पद्मावती को प्राप्त करने के लिए बल प्रयोग पर उतारू हो गया। राजा की विशाल सेना ने इन जातीय-जनों पर निर्मम आक्रमण कर दिया। दोनों ओर से भयानक युद्ध हुआ, किन्तु विजय सत्यता की ही हुई। राजा की सेना मैदान छोड़कर भाग गई। अपनी सेना की इस पराजय से राजा तिलमिला उठा और वह स्वयं विशाल सेना के साथ युद्ध क्षेत्र में आडटा।

युद्ध के भयानक परिणाम का अनुमान देवीस्वरूप श्री पद्मावती ने जब लगाया और इस सारे झगड़े का कारण अपने आपको जाना, तो उन्होंने स्वयं को ही समाप्त करना श्रेयस्कर समझा और वह अग्नि की ज्वाला में कूद गई। युद्ध रुक गया। राजा को भी वीरांगना के इस बलिदान से सुबुद्धि आगई और वह अपनी इस भूलपर भारी पश्चाताप करने लगा। राजा ने इन सभी प्रजाजनों को अपने राज्य में पुनः बसाने का बड़ा प्रयत्न किया। किन्तु, इन लोगों ने वापस जाना उचित न समझा और श्री पद्मावतीजी के नाम पर अलग नगरी बसाई।

इस पद्मावती नगरी के वासिन्दे अपने आप को "पद्मावती पुरवाल" कहने लगे। नगरी के प्रबन्ध एवं व्यवस्था के लिए एक पंचायत का गठन किया गया और उसका नाम रखा गया "पद्मावती परिषद"। इस पंचायत के प्रधान को "सिरमौर" के नाम से सम्बोधित किया जाता था। एक दूसरे प्रतिष्ठित व्यक्ति को "सिंघई" बनाया और साथ वाले ब्राह्मण बन्धुओं को "पाण्डेय" नाम से प्रतिष्ठित किया गया।

इन "सिरमौर", "सिंघई" और "पाण्डेय" बन्धुओं की व्यवस्था और आज्ञा पद्मावती पुरवाल समाज में आजतक शिरोधार्य है। कुछ कारणवश पद्मावती नगरी से जो लोग अन्य स्थानों में चले गये, वह भी अपना परिचय पद्मावती पुरवाल नाम से ही देते आ रहे हैं।

तृतीय कथा :

उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ बरेली रेलवे लाइन पर "करेंगी" स्टेशन से लगभग साढ़े तीन मील की दूरी पर एक प्राचीन जैन अतिशय क्षेत्र—अहिच्छत्र है। अहि—सर्प ने छत्र रूप होकर भगवान् पार्श्वनाथजी की रक्षा कमठ के उपसर्ग से करने पर की थी। इसी से इस क्षेत्र का नाम अहिच्छेत्र पड़ा।

भगवान पार्श्वनाथ और कमठ के जीव का विरोध कुछ पुराने भवों से चला आ रहा था। जब भगवान् पार्श्वनाथ केवलज्ञान प्राप्ति के लिए घोर तप तपने में तल्लीन थे, उस समय कमठ के जीव ने पाषाण फैंकर, बिजली डालकर घनघोर मूसलाधार वर्षा की, तो पाताल के स्वामी पद्मावती धरणेन्द्र का आसन कम्पित हुआ, उन्होंने तीर्थंकर भगवान पर उपसर्ग आया हुआ जान वे वहाँ पहुँचे। पद्मावती ने नीचे से आसन बनकर और धरणेन्द्र ने ऊपर से छत्र बनकर भगवान के उपसर्ग को निवारा। इसी समय भगवान पार्श्वनाथ को केवलज्ञान प्राप्त हो गया। उसी समय देव, मनुष्य और तिर्यक भगवान की बन्दनार्थ आये। जिस स्थान पर यह उपसर्ग हुआ था उसी को अहिच्छेत्र कहते हैं। उस समय कुछ जिन-भक्तों ने पद्मावती के नाम से यहाँ पर एक विशाल नगरी बसाई। उपसर्ग के स्थान को परम पावन और जगत निवारण रूप समझकर इस नगरी के निवासी उसकी पूजा-भक्ति करने लगे। किसी कारणवश पद्मावती पुरी तो नष्ट हो गई, किन्तु उस क्षेत्र की भक्ति उपासना और मान्यता पद्मावती वासियों में कम न हुई। आज तक भी उत्तर भारत के विशेषकर—एटा, आगरा, मैनपुरी, अलीगढ़ और दिल्ली आदि के पद्मावती पुरवाल वहाँ प्रतिवर्ष एक बार अवश्य जाते हैं। अपने बच्चों का मुण्डन भी अधिकतर वहीं पर करवाते हैं। प्रतिवर्ष चैत्र में होने वाले यहाँ के वार्षिक मेले में इनकी संख्या अधिक रहती है। पद्मावती पुरवाल बन्धु पद्मावती को अपनी कुलदेवी मानते हैं। मूलतः उस पद्मावती पुरी में वास करने से तथा पद्मावती के अनन्य भक्त होने के कारण इनका नाम "पद्मावती पुरवाल" पड़ गया।

चतुर्थ कथा :

पद्मावती पुरवाल समाज के भाटों की विरूदावली में 'पोदनापुर' का दूसरा नाम 'पद्मावती पुर' बतलाया गया है। बाहुबली ने जब भरत चक्रवर्ती को विजय किया, तबसे उस नगर के रहने वाले बाहुबली के पक्ष वाले क्षत्रियों का नाम "पद्मावती पुरवाल" पड़ गया। यह कथन केवल इन भाटों की विरूदावली में ही मिलता है, अन्य स्थान पर इसका उल्लेख नहीं मिलता है।

मध्यभारत के इतिहास में पद्मावती नगरी :

इतिहास में अन्य वैभवपूर्ण नगरियों में पद्मावती नगरी का स्थान दिखाते हुए लिखा है कि—

पुराण के एक प्रसंग से ज्ञात होता है कि—मध्य देश में पद्मावती नाम का भी एक जनपद था। इसका केन्द्र इतिहास प्रख्यात पद्मावती नगर वर्तमान पावाया होगा और उसमें आज के ग्वालियर, मुरैना जिलों के कुछ भाग तथा शिवपुरी जिले का अधिकांश भाग सम्मिलित रहा होगा।

विष्णु-पुराण में पद्मावती नगरी :

इस नगरी को नाग राजाओं की राजधानी बनने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ था और पद्मावती कान्तिपुरी तथा मथुरा में ९ नाग राजाओं के राज्य करने का उल्लेख भी मिलता है।

इससे स्पष्ट है कि इन सब नागाओं ने पद्मावती, कान्तिपुरी तथा मथुरा में राजधानियाँ बनाकर राज्य किया होगा। इस उल्लेख में नव नागों के राज्य का विकास क्रम भी प्राप्त होता है। पद्मावती में उनके द्वारा सबसे पहले इस राज्य की स्थापना हुई। इसके पश्चात् वे उत्तर में कान्तिपुरी की ओर बढ़े और उसे अपनी राजधानी बनाकर उन्होंने मथुरा के कुषाणों से संघर्ष किया। इसमें सफल होने के पश्चात् ही वे मथुरा में राजधानी बना सके होंगे।

पद्मावती नगरी के नाग राजाओं के सिक्के भी कितने ही स्थानों में मिले हैं। ये सिक्के स्पष्टतया दो वर्ग के थे। एक तो उन नागों के जो ज्येष्ठ नागवंश में थे और दूसरे वह थे, जो नवनाग अर्थात् नये नागों के रूप में आये थे। यह मथुरा और कान्तिपुरी (कुतवार) पद्मावती और विदिशा उस महापथ पर अवस्थित थे, जो उस काल में देशी और विदेशी व्यापार का प्रधान मार्ग था।

वर्तमान पद्मावती नगरी :

"सरस्वती कण्ठा भरण" जिसका रचना काल ग्यारहवीं शताब्दी माना जाता है। इसमें पद्मावती नगरी का कथन पाया जाता है। परन्तु खेद है कि आज यह नगरी अपने उस रूप में नहीं है। ग्वालियर राज्य में उसके स्थान पर "पवाया" नामक एक छोटा-सा गाँव बसा हुआ है। यह गाँव देहली से बम्बई जाने वाली रेलवे लाइन पर "देवरा" नामक स्टेशन से कुछ ही दूर पर स्थित है। इसे ही प्राचीन पद्मावती नगरी माना जाता है। चाहे इस स्थान में आज पद्मावती पुरवालों का उतनी बड़ी संख्या में निवास नहीं है, किन्तु पवाया ग्राम पद्मावती पुरवालों के लिए विशेष महत्व का स्थान अवश्य है।

—सम्पादक
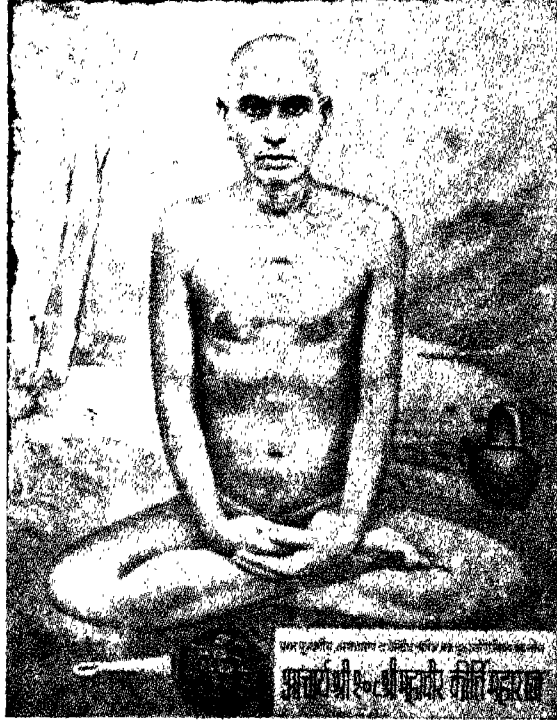
पूज्यपाद आचार्य श्री महावीरकीर्तिजी महाराज

समाज-परिवारों का

संक्षिप्त विवरण
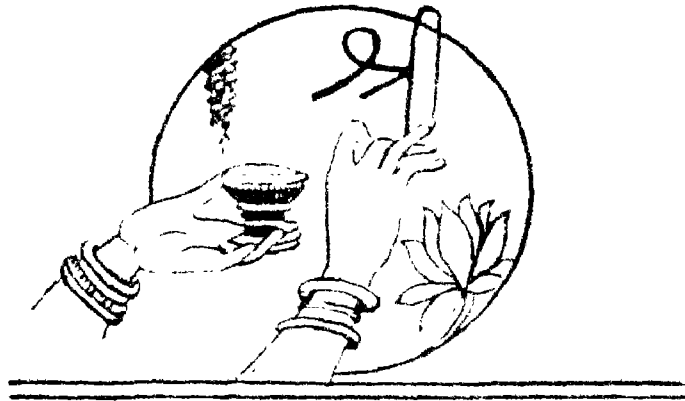
असम प्रान्त

●

जिला इम्फाल

नगर-इम्फाल

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, डी० एम० कालेज, इम्फाल (इम्फाल)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमती जी केवल दो सदस्य ही हैं। परिवार प्रमुख एम० कॉम एवं विशारद तक शिक्षित हैं तथा कालेज में शिक्षक है। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

सुदर्शनलाल जैन सुपुत्र सुमतिचन्द जैन, पोना बाजार इम्फाल (इम्फाल)

इस परिवार में पाँच पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग में, कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

जिला कामरूप

गांव-नलवाड़ी

रघुवंशीलाल जैन सुपुत्र मथुराप्रसाद जैन, नलवाड़ी (कामरूप)

इस परिवार में चार पुरुष तथा चार स्त्री वर्ग में, कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्राफे का कार्य करते हैं। मूल निवासी पिलुआ (एटा) के हैं।

जिला गोवाल पाड़ा

गांव-धुबड़ी

चन्दनमल जैन सुपुत्र लक्ष्मीचन्द जैन, तुनियां पट्टी धुबड़ी (गोवाल पाड़ा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में, कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी धुबड़ी के ही हैं।

रतनचन्द जैन सुपुत्र ब्रह्मचारी वासुदेव जैन, भंवरीलाल बाकलीवाल एण्ड कम्पनी इम्फाल (मनीपुर)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमती जी केवल दो सदस्य ही हैं। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षा प्राप्त हैं और मुनीमी करते हैं। मूल निवासी पिलुआ (एटा) के हैं।

●

उड़ीसा प्रान्त

●

जिला पुरी

गांव-खंडगिरी

जसोधरलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, श्री दि० जैन कार्यालय खंडगिरी (पुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में, कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी सरनऊ (एटा) के हैं।

●
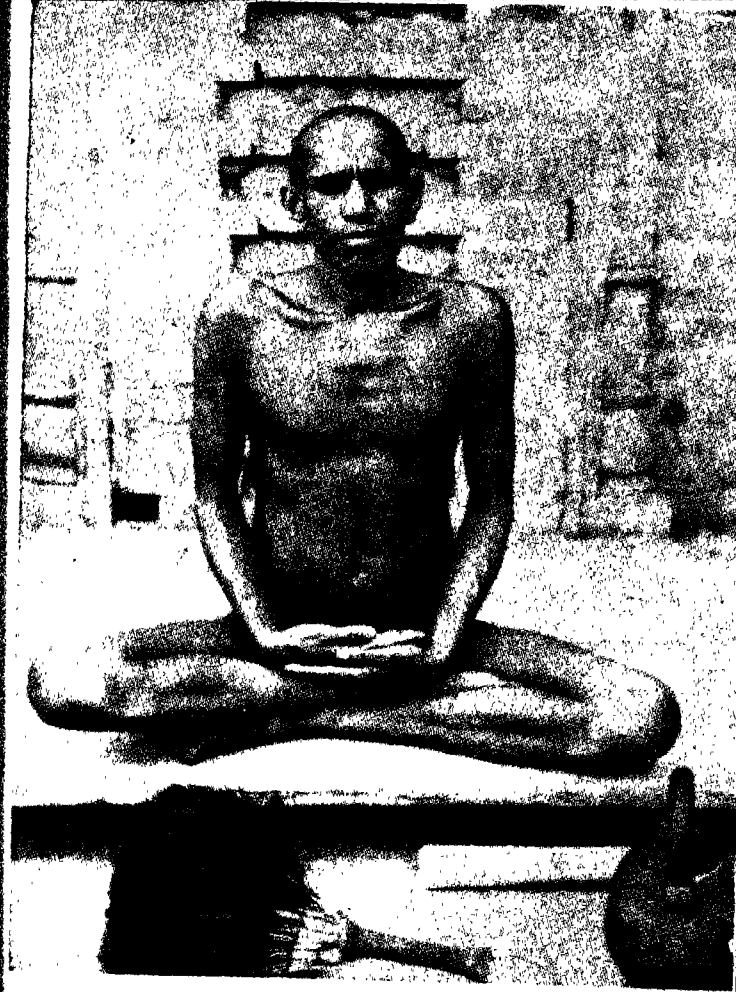
पूज्यवर आचार्य श्री विमलसागरजी महाराज

उत्तर प्रदेश

●

जिला-अलीगढ़
नगर-अलीगढ़

अमोलकचन्द् जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, अलीगढ़ (अलीगढ़)

इस परिवार में कुल छ पुरुष तथा पाँच स्त्री वर्ग में, कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी वसुन्दरा (एटा) के हैं।

गुनमालादेवी धर्मपत्नी रघुनाथदास जैन, अलीगढ़ (अलीगढ़)

इस परिवार में यह महिला स्वयं ही हैं। गवर्नमेण्ट से सहायता प्राप्त हैं। मूल निवासी उलाऊ (आगरा) की हैं।

चन्दालाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन छपेटी, अलीगढ़ (अलीगढ़)

इस परिवार में तीन पुरुष तथा सात स्त्री वर्ग में, कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षाप्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

नन्दलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, श्यामनगर अलीगढ़ (अलीगढ़)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में, कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं मूल निवासी मोमदाबाद (आगरा) के हैं।

परमेश्वरीप्रसाद जैन सुपुत्र जगदीशप्रसाद जैन, अलीगढ़ (अलीगढ़)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में, कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हाई स्कूल तक शिक्षित हैं और रेलवे में सर्विस करते हैं मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र होतीलाल जैन, मधुपुरा अलीगढ़ (अलीगढ़)

इस परिवार में तीन पुरुष तथा छ स्त्री वर्ग में, कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी पौंडुरी (एटा) के हैं।

बुद्धसैन जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, १०७ सी रेलवे कार्टर्स, अलीगढ़ (अलीगढ़)

इस परिवार में चार पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग में, कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के

शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं। मूल निवासी सिकरा (मथुरा) के हैं।

बुद्धसैन जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, अलीगढ़ (अलीगढ़)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं, साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी हिम्मतपुर (आगरा) के हैं।

बृजमोहनलाल जैन सुपुत्र जौहरीलाल जैन, छपेटी अलीगढ़ (अलीगढ़)
इस परिवार में दो पुरुष तथा चार स्त्री वर्ग में, कुल छ सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बड़ागांव (मैनपुरी) के हैं।

भीमसैन जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, अलीगढ़ (अलीगढ़)
इस परिवार में दो पुरुष तथा एक स्त्री वर्ग में, कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी हिम्मतपुर (आगरा) के हैं।

मटरूमल जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, अलीगढ़ (अलीगढ़)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। प्रज्ञाचक्षु होने के कारण कुछ करने में असमर्थ हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

मोतीचन्द जैन सुपुत्र चन्द्रसैन जैन, अलीगढ़ (अलीगढ़)
इस परिवार में दो पुरुष तथा पाँच स्त्री वर्ग में, कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी उडेसर (मैनपुरी) के हैं।

रघुवंशीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, रामघाट मार्ग अलीगढ़ (अलीगढ़)
इस परिवार में चार पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग में, कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख पान की दुकान करते हैं। मूल निवासी हिम्मतपुर (आगरा) के हैं।

रोशनलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, जैन लॉक फैक्टरी जैन स्ट्रीट अलीगढ़ (अलीगढ़)
इस परिवार में आठ पुरुष तथा सात स्त्री वर्ग में, कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख तालोंका व्यापार करते हैं।

सुरेषकुमार सुपुत्र मूलचन्द जैन, खिरनी की सराय, अलीगढ़
इस परिवार में दो पुरुष तथा तीन स्त्री वर्ग में, कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार

प्रमुख बी. कॉम. तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सिरवरा (मथुरा) के हैं।

शान्तीस्वरूप जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, श्याम नगर, मकान नं० ७२ अलीगढ़

इस परिवार में दो पुरुष तथा तीन स्त्री वर्ग में, कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इन्टर तक शिक्षित हैं और पी० डब्ल्यू० डी० में सर्विस करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

गाँव-मैदामई (अलीगढ़)

अँग्रेजीलाल जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, मैदामई (अलीगढ़)

इस परिवार में चार पुरुष तथा चार स्त्री वर्ग में, कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहें हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

कश्मीरलाल जैन सुपुत्र अयोध्याप्रसाद जैन, मैदामई (अलीगढ़)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में, कुल ग्यारह सदस्य हैं। पाँच लड़के दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

चिरंजीलाल जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, मैदामई (अलीगढ़)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में, कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं।

द्रोपाकुमारी जैन धर्मपत्नी झुमकलाल जैन, मैदामई (अलीगढ़)

इस परिवार में यह महिला अकेली ही हैं, वृद्ध हैं, कृषिकार्य करती हैं।

फुलवारीलाल जैन सुपुत्र काशीराम जैन, मैदामई (अलीगढ़)

इस परिवार में दो पुरुष तथा चार स्त्री वर्ग में, कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का दो लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं।

भीमसैन जैन सुपुत्र तोताराम जैन, मैदामई (अलीगढ़)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहें हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

मक्खनलाल जैन सुपुत्र गिरवरलाल जैन, मैदामई (अलीगढ़)

इस परिवार में चार पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग में, कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

महीपाल जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, मैदामई (अलीगढ़)
इस परिवार में दो पुरुष तथा पाँच स्त्री वर्ग में, कुल सात सदस्य हैं। दो लड़की शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं।

रघुनाथप्रसाद जैन सुपुत्र गिरवरलाल जैन, मैदामई (अलीगढ़)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमती जी हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

वासुदेवप्रसाद जैन सुपुत्र जीवाराम जैन, मैदामई (अलीगढ़)
इस परिवार में दो पुरुष तथा एक स्त्री वर्ग में, कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और साहूकारी करते हैं।

गाँव-वरमाना (अलीगढ़)

जगरूपसहाय जैन सुपुत्र कल्याणदास जैन, वरमाना (अलीगढ़)
इस परिवार में दो पुरुष तथा चार स्त्री वर्ग में, कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र सम्पतलाल जैन, वरमाना (अलीगढ़)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में, कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

सेतीलाल जैन सुपुत्र जीवाराम जैन, वरमाना (अलीगढ़)
इस परिवार में चार पुरुष तथा पाँच स्त्री वर्ग में, कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-विजयागढ़ (अलीगढ़)

लालचन्द जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, विजयागढ़ (अलीगढ़)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-सासनी (अलीगढ़)

किरोड़ीलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, खण्डेलवाल ग्लास वर्क्स, सासनी (अलीगढ़)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी राजाकाताल के हैं।

पूरनमल जैन सुपुत्र चुन्नीलाल जैन, खण्डेलवाल ग्लास वर्क्स, सासनी (अलीगढ़)
इस परिवार में एक पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग में, कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख बी० ए० एल-एल बी० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

बुद्धसैन जैन सुपुत्र राजाराम जैन, सासनी (अलीगढ़)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। तीन लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी राजाकाताल (आगरा) के हैं।

नगर-हाथरस (अलीगढ़)

उग्रसैन जैन सुपुत्र रामप्रसाद जैन, मालगोदाम स्टेशन हाथरस (अलीगढ़)

इस परिवार में दो पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग में, कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख इन्टर तक शिक्षित हैं और रेलवे में सर्विस करते हैं। मूल निवासी टूंडली के हैं।

घमण्डीलाल जैन सुपुत्र सुनहरीलाल जैन, हलवाई खाना हाथरस (अलीगढ़)

इस परिवार में तीन पुरुष तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी गौंछ (आगरा) के हैं।

रूपहरीलाल जैन सुपुत्र सरनामसिंह जैन, हाथरस (अलीगढ़)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में, कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी राजपुर (एटा) के हैं।

श्यामस्वरूप जैन सुपुत्र हरप्रसाद जैन, कमला बाजार हाथरस (अलीगढ़)

इस परिवार में दो पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग में, कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और बिसातखाने की दुकान करते हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, हाथरस (अलीगढ़)

इस परिवार में तीन पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग में, कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बसई (आगरा) के हैं।

जिला-आगरा

गाँव-अहारन

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, अहारन (आगरा)

इस परिवार में दो व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में और एक स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी-शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

कशमीरीलाल जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, अहारन (आगरा)

इस परिवार में आठ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में और तीन स्त्री वर्ग में। तीन लड़के और एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। यह परिवार कृषिकार्य करता है।

गजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, अहारन (आगरा)

इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो पुत्र तथा एक पुत्री प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं और गोंदिआ में सर्विस करते हैं।

ठाकुरदास जैन सुपुत्र हरदेवदास जैन, अहारन (आगरा)

इस परिवार में छ व्यक्ति हैं चार पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख मिठाई की दुकान करते हैं।

नन्नूमल जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, अहारन (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और अविवाहित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं।

पातीराम जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, अहारन (आगरा)

इस परिवार में दो सज्जन पुरुष वर्ग में से हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तथा न्याय तीर्थ तक शिक्षा प्राप्त हैं, और दोनों ही सज्जन सर्विस करते हैं।

मूलचन्द जैन सुपुत्र भजनलाल जैन, अहारन (आगरा)

इस परिवार में छ सदस्य हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी—शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, अहारन (आगरा)

इस परिवार में दो सज्जन पुरुष वर्ग में हैं। साधारण हिन्दी—शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र बुद्धमल जैन, अहारन (आगरा)

इस परिवार में पाँच सदस्य हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़का और एक लड़की प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी—शिक्षित हैं और घी का व्यवसाय करते हैं।

राजनलाल जैन सुपुत्र बुद्धसैन जैन, अहारन (आगरा)
इस परिवार में बारह सदस्य हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में। तीन लड़के और चार लड़की अविवाहित हैं जो प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी के जानकार हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

बंगालीमल जैन सुपुत्र लालाराम जैन, अहारन (आगरा)
इस परिवार में तीन सदस्य हैं, एक पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी के जानकार हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र झण्डूलाल जैन, अहारन (आगरा)
इस परिवार में बारह सदस्य हैं, छ पुरुष वर्ग में और छ स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी ज्ञान के साथ व्यापार व्यवसाय करते हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, अहारन (आगरा)
इस परिवार में पचीस व्यक्ति हैं, तेरह पुरुष वर्ग में और बारह स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी की शिक्षा से शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं।

नगर—आगरा (जिला आगरा)

अजितकुमार जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, धूलिया गंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में तीन सदस्य हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़की प्राथमिक कक्षा में पढ़ रही है। परिवार प्रमुख हिन्दी के जानकार हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कोटकी (जिला आगरा) के हैं।

अनन्तस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, मोतीलाल नेहरू रोड आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच सदस्य-दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में से हैं। दो लड़के तथा एक लड़की प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं तथा अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख बी. ए. आई. जी. डी. आर. डी. एस. तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी आलमपुर (आगरा) के हैं।

अमीरचन्द जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, जीवनी मण्डी आगरा (आगरा)
इस परिवार में चार सदस्य हैं, तीन पुरुप वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। दो लड़के प्राथमिक कक्षा में हैं। परिवार प्रमुख की शिक्षा सामान्य हिन्दी है और चीनी के व्यवसायी हैं। मूल निवासी सिकरा (आगरा) के हैं।

अशरफीलाल जैन सुपुत्र पातीराम जैन, नजदीक अमरजैन्सी आगरा (आगरा)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में और चार स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी के जानकार हैं तथा दूधकी दूकान करते हैं। मूल निवासी तखामन (जिला एटा) के हैं।

इन्द्र प्रकाश जैन सुपुत्र गुरुदयाल जैन, धूलिया गंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन अकेले ही हैं और साधारण हिन्दी के जानकार हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी चमकरी (जिला एटा) के हैं।

उदयभान जैन सुपुत्र ओंकारप्रसाद जैन, ५५ जौहरी बाजार आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच सदस्य इस प्रकार हैं तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा एक लड़की बाल्यावस्था में प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० एल० एल० बी० तक शिक्षा प्राप्त कर वकालत करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

कामताप्रसाद जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, धूलिया गंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में चार सदस्य हैं दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की बाल्यावस्था में प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी की शिक्षा से शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी विजयगढ़ (जिला अलीगढ़) के हैं।

कुसुमचन्द जैन सुपुत्र महेन्द्रकुमार जैन, शिवनारायण वरतनवालेका मकान आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। दो लड़के बाल्यावस्था में हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० बी० टी० तक शिक्षा प्राप्त हैं। अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी मुहम्मदी के हैं।

गणेशचन्द जैन सुपुत्र बैजनाथ जैन, धोबी पाड़ा म० नं० ५००६ आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच सदस्य हैं, तीन पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा एक लड़की प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख आगरा रोडवेज में सर्विस करते हैं। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

गेन्दालाल जैन सुपुत्र तोताराम जैन, माईथान धूलियागंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में, चौदह सदस्य हैं, नौ पुरुष वर्ग में और पाँच स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के और दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। एक लड़की विशारद में पढ़ रही है। परिवार प्रमुख हिन्दी के जानकार हैं और मुहर्ररी का कार्य करते हैं। मूल निवासी नगला छबिलेका (आगरा) के रहने वाले हैं।

गौरीशङ्कर जैन सुपुत्र किरोड़ीमल जैन, सुभाष कालोनी नाई की मण्डी आगरा (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। साधारण हिन्दी शिक्षा प्राप्तकर वर्तमान में मुहर्ररी का कार्य करते हैं। मूल निवासी पंवारी के हैं।

घमण्डीलाल जैन सुपुत्र रघुवीरप्रसाद जैन, मैनागेट पथवारी आगरा (आगरा)
इस परिवार में तीन सदस्य दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी-शिक्षित हैं और अपना निजी व्यापार व्यवसाय करते हैं।

जगदीशचन्द्र जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, बेलनगंज आगरा(आगरा)
इस परिवार में तीन सदस्य हैं एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रही है। परिवार प्रमुख बी० ए० तक शिक्षित हैं। सर्विस करते हैं। मूल निवासी वासरिसाल के हैं।

जगभूषण राव जैन सुपुत्र जिनेश्वरदास जैन, शीतला गली आगरा (आगरा)
इस परिवार में ग्यारह सदस्य हैं, सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख आटा चक्की का अपना व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जिरसमी (एटा) के हैं।

जगदीशचन्द्र जैन सुपुत्र राजकुमार जैन, जैन बगीची मोतीलाल नेहरू रोड आगरा (आगरा)
इस परिवार में छ सदस्य हैं तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के और एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। शिक्षा-साधारण हिन्दी। पेशा-दुकानदारी।

जयचन्द जैन सुपुत्र रणछोड़दास जैन, पन्नी गली आगरा (आगरा)
इस परिवार में तीन सदस्य हैं, दो पुरुष वर्ग में और एक स्त्री वर्ग में। एक पुत्र अविवाहित है तथा प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख हिन्दी के साधारण ज्ञाता हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र बांकेलाल जैन, कचौरा बाजार आगरा (आगरा)
इस परिवार में चार सदस्य हैं, तीन पुरुष वर्ग में और एक स्त्री वर्ग में। एक लड़का अविवाहित है तथा शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख हिन्दी के साधारण जानकार हैं और परचूनी की दुकान करते हैं। मूल निवासी मुहम्मदी (आगरा) के हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र हुब्बमल जैन, आगरा (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष तथा एक स्त्री वर्ग में, कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी। पेशा कपड़े की दुकान। मूल निवासी दोषपुर (एटा) के हैं।

जयन्ती प्रसाद जैन सुपुत्र रघुवंशी लाल जैन, हजारी लाल भगवानदास आगरा (आगरा)
इस परिवार में छ सदस्य हैं तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद के हैं।

तुलाराम जैन सुपुत्र बलदेवप्रसाद जैन, नमक मण्डी आगरा (आगरा)
इस परिवार में तेरह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में और पाँच स्त्री वर्ग में। चार लड़के एवं दो लड़की बाल्यावस्था में हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे

हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी के साधारण ज्ञाता हैं और घी का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सिकावतपुर (आगरा) के हैं।

देवकुमार जैन सुपुत्र मथुराप्रसाद जैन, जीवनी मण्डी आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं। तीन पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। दो लड़के एक लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी के जानकार हैं तथा चीनी का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी टेहू (आगरा) के हैं।

दौलतराम जैन सुपुत्र उमरावलाल जैन, फिलिपगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में दस सदस्य हैं छ पुरुष वर्ग में और चार स्त्री वर्ग में। तीन लड़के दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यवसाय करते हैं।

धनपतलाल जैन सुपुत्र जमुनादास जैन, नाई की मण्डी आगरा (आगरा)
इस परिवार में उन्नीस व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग और में ग्यारह स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के चार लड़की अविवाहित हैं तथा शिक्षा प्राप्त कर रहें हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी की साधारण जानकारी रखते हैं और परचूनी की दुकान करते हैं। मूल निवासी कोटला के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र मुन्नालाल जैन श्यामलाल चिम्मनलाल फ्रीगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में यह स्वयं ही हैं हिन्दी का साधारण ज्ञान रखते हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, जैन बगीची आगरा (आगरा)
इस परिवार में चार सदस्य दो पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में से हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख हिन्दी की साधारण जानकारी रखते हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी पर्लीगढ़ (मैनपुरी) के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र बनवारीलाल जैन, बल्केश्वर कालोनी आगरा (आगरा)
इस परिवार में सात सदस्य इस प्रकार हैं—चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़का दो लड़की शिशु अवस्था में हैं और प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी के जानकार हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासो जलेसर (एटा) के हैं।

नरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र श्रीचन्द जैन, ३।२३ चटघाट आगरा (आगरा)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं। चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। दो लड़के चार लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहें हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी० कॉम० एल० एल० बी० तक शिक्षित हैं और सर्विस में हैं। मूल निवासी बाँदा के हैं।

नरेशचन्द्र जैन सुपुत्र फूलचन्द्र जैन, ११७० दालवाला गोदाम बेलनगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में छ सदस्य हैं, तीन पुरुष वर्ग में और तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० एल० एल० बी० तक शिक्षित हैं तथा वकालत करते हैं। मूल निवासी अवागढ़ (एटा) के हैं।

पद्मचन्द जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, छिलीईंट घटिआ आगरा (आगरा)
इस परिवार में पन्द्रह सदस्य इस प्रकार हैं—आठ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० एल० एल० बी० तक शिक्षित हैं और वकालत करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

पारसदास जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, बेलनगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं—छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी के जानकार हैं। मूल निवासी (एटा) के हैं।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, घटिआ आजमखां अनाजमण्डी आगरा (आगरा)
इस परिवार में बारह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित और प्राथमिक कक्षाओं में हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी सराय जयराम (आगरा) के हैं।

पूर्णचन्द्र जैन सुपुत्र दौलतराम जैन, ११६६, फाटक सूरज भान बेलनगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में आठ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में और चार स्त्री वर्ग में। तीन लड़के और तीन लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख इण्टर मीडिएट तक शिक्षित है। व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी लतीकपुर के हैं।

प्रेमचन्द्र जैन सुपुत्र केदारनाथ जैन, जमुनाब्रज आगरा (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष तथा एक स्त्री वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी के जानकार हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सराय जयराम (आगरा) के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र वासुदेव जैन, जीवनी मण्डी आगरा (आगरा)
इस परिवार में आठ सदस्य हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। दो लड़के तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी के जानकार हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी राजपुर (एटा) के हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, नाई की मण्डी आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच सदस्य हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का और एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी के जानकार हैं और सर्विस में हैं। मूल निवासी मरसैना (आगरा) के हैं।

भगवानस्वरुप जैन सुपुत्र हरप्रसाद जैन, ६२०८।ए० कोटिया भवन छीपीटोला आगरा (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग में हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख बी०ए० एल० टी० तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी उसाइनी के हैं।

भागचन्द जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, जीवनी मण्डी आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच सदस्य हैं, तीन पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी मिखरा (मथुरा) के हैं।

मटरूमल जैन सुपुत्र मानिकचन्द जैन, सेठगली आगरा (आगरा)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं एक पुरुष वर्ग में और तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रही हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और घी का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आलमपुर (आगरा के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, धोबी पाड़ा धूलिआगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच सदस्य हैं, तीन पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। दो लड़के एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० एस० सी०, एल० टी० तक शिक्षित हैं तथा अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी भैंसा (एटा) के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र राजकुमार जैन, जैन बगीची आगरा (आगरा)
इस परिवार में छ सदस्य हैं। तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी के जानकार हैं और दुकानदार हैं। मूल निवासी टेहू (आगरा) के हैं।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, घटिआ आजमखां आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। दो लड़के एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले के 'व्यापारी हैं। मूल निवासी दोषपुर (एटा) के हैं।

मूलचन्द जैन सुपुत्र रणछोड़दास जैन, कचौरा बाजार बेलनगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में आठ सदस्य हैं तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और नौकरी करते हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

मोतीचन्द जैन सुपुत्र तुलाराम जैन, चित्तीखाना नमक मण्डी आगरा (आगरा)
इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़की अविवाहित है तथा हाई स्कूल में पढ़ रही है। परिवार प्रमुख एम० ए० एल० एल० बी० तक शिक्षित हैं और वकालत करते हैं। मूल निवासी सखावतपुर व जोंधरी (आगरा) के हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र जयदेवलाल जैन, एम० डी० जैन इन्टर कालेज हरिपर्वत आगरा (आगरा)
इस परिवार में आठ सदस्य हैं। तीन पुरुष वर्ग में और पाँच स्त्री वर्ग में। दो पुत्र और चार पुत्रियाँ अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री, इन्टर तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी चिरहौली (आगरा) के हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, लँगड़ा की चौकी आगरा (आगरा)
इस परिवार में चार सदस्य हैं, तीन पुरुष वर्ग में और एक स्त्री वर्ग में। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी के जानकार हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी तखावन (एटा) के हैं।

रामबाबू जैन सुपुत्र केदारनाथ जैन, जमुना ब्रज आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं दो पुरुष वर्ग में और तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी के साधारण ज्ञाता हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी इसी स्थान के हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र खेतीराम जैन, मोतिआ गली कचहरी घाट आगरा (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन अकेले ही हैं और कचहरी में टाइपिस्ट हैं। मूल निवासी चिरहौली (आगरा) के हैं।

रामप्रसाद जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, बेलनगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में सात सदस्य हैं, पाँच पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख संस्कृत के ज्ञाता हैं और वैद्यक करते हैं। मूल निवासी वासरिसाल (आगरा) के हैं।

रूपकिशोर जैन सुपुत्र ब्रजमोहनलाल जैन, बेलनगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में सात सदस्य हैं तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

लक्ष्मीनारायण जैन सुपुत्र बनवारीलाल जैन, वल्केश्वर कालोनी आगरा (आगरा)
इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और दुकानदार हैं। मूल निवासी जलेसर (एटा) के हैं।

वंशीधर जैन सुपुत्र झुन्नीलाल जैन, ऊँटगली वास दरवाजा आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच सदस्य हैं तीन पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का और एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक शिक्षा ले रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी के जानकार हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी नारखी (आगरा) के हैं।

विजयचन्द जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, छिलीईंट घटिआ आगरा (आगरा)
इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़की अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख हाईस्कूल तक शिक्षित हैं और ठेकेदारी का कार्य करते हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

विमलस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, मोतीलाल नेहरूरोड चाँदीवाली कोठी आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी आलमपुर के हैं।

बीरचन्द जैन सुपुत्र लालहंस जैन, जमुनाब्रज आगरा (आगरा)
इस परिवार में तीन सदस्य हैं। एक पुरुष वर्ग में दो स्त्री वर्ग में। एक लड़की अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख हिन्दी अंग्रेजी के जानकार हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी जलेसर (एटा) के हैं।

सन्तकुमार जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, बेलनगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में तेरह सदस्य हैं। सात पुरुष वर्ग में छ स्त्री वर्ग में। चार लड़के तीन लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी बरहन (आगरा) के हैं।

सन्तलाल जैन सुपुत्र जीवाराम जैन, धूलियागंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में नौ सदस्य हैं, चार पुरुष वर्ग में और पाँच स्त्री वर्ग में। एक लड़का दो लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

सुकुमालकुमार जैन सुपुत्र रामप्रसाद जैन, फाटक सूरजभान आगरा (आगरा)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। चार लड़के और एक लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी और अंग्रेजी के जानकार हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी वासरिसाल के हैं।

सुखनन्दनलाल जैन सुपुत्र दौलतराम जैन, धूलियागंज म० नं० ५२४६ आगरा (आगरा)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में और चार स्त्री वर्ग में। दो लड़के और तीन लड़की अविवाहित हैं तथा शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी लतीपुर (आगरा) के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, घटिआ आजमखां आगरा (आगरा)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में और एक स्त्री वर्ग में। दो लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी दोशपुर (एटा) के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र दौलतराम जैन, बेलनगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति हैं, छ पुरुष तथा पाँच स्त्री वर्ग में हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं तथा शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित तथा व्यापार करते हैं। मूल निवासी लतीपुर के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र मिहीलाल जैन, जैन बगीची आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, तीन पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग में। एक पुत्री अविवाहित है। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी खेरी (आगरा) के हैं।

सुभाषचन्द्र जैन सुपुत्र उल्फतराम जैन, मोती कटरा आगरा (आगरा)
इस परिवार में चार सदस्य हैं दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० कॉम, एल० एल० बी० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी बरहन (आगरा) के हैं।

सुमतप्रसाद जैन सुपुत्र भीषमचन्द जैन, बेलनगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में नौ सदस्य हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त करते हैं। परिवार

प्रमुख हिन्दी जानते हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वासरिसाल (आगरा) के हैं।

सूरजभान जैन सुपुत्र जयकुमार जैन, इन्द्रमिल लाइन नं० १ कमरा नं० २० आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच सदस्य हैं, चार पुरुष वर्ग में एक स्त्री वर्ग में। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख हिन्दी के साधारण जानकार हैं, और सर्विस करते हैं। मूल निवासी भौमदी (आगरा) के हैं।

सुरेशचन्द जैन सुपुत्र बुद्धसैन जैन, पुराना पोस्ट आफिस राजा मण्डी आगरा (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन अकेले ही हैं और बी० एस० सी० तक शिक्षा प्राप्त कर अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी राजाकाताल के हैं।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र सुखदेवप्रसाद जैन, पथवारी धूलियागंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन अकेले ही हैं। इण्टर तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी रैंमजा के हैं।

सेठमल जैन सुपुत्र बुद्धसैन जैन, मोती कटरा आगरा (आगरा)
इस परिवार में चार सदस्य हैं तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख हिन्दी के जानकार हैं और घी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी खांडा (आगरा) के हैं।

सौमकुमार जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, बेलनगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक लड़का अविवाहित है और आयुर्वेद की शिक्षा प्राप्त कर रहा है। मूल निवासी जिनावली के हैं।

शान्तकुमार जैन सुपुत्र यमुनादास जैन, म० नं० ३६१० नयावास आगरा (आगरा)
इस परिवार में सात सदस्य हैं चार पुरुष तथा तीन स्त्री वर्ग में हैं। तीन लड़के और एक लड़की अविवाहित हैं तथा शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी चुल्हावली के हैं।

श्यामबाबू जैन सुपुत्र केदारनाथ जैन, २३६ पंजामंदरसा आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में दो स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी की जानकारी रखते हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी सरायजैराम के हैं।

शंकरलाल जैन सुपुत्र करोड़ीमल जैन, जमना रोड आगरा (आगरा)
इस परिवार में आठ व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। पाँच

लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी अवागढ़ (एटा) के हैं।

श्रीचन्द जैन सुपुत्र रणछोड़दास जैन, फ्रीगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में छ व्यक्ति इस प्रकार हैं, चार पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी के जानकार हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

हजारीलाल जैन सुपुत्र गौरीलाल जैन, धूलियागंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच सदस्य हैं, तीन पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग में हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख इण्टर पास हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कोसवां (एटा) के हैं।

हरमुखराय जैन सुपुत्र पं० अमृतलाल जैन, वारोल्या बिलडिंग बेलनगंज आगरा (आगरा)
इस परिवार में नौ सदस्य हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। चार लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी के जानकार हैं और अपना व्यापार करते हैं। मूल निवासी वासरिसाल के हैं।

गाँव-आलमपुर (आगरा)

गैंदालाल जैन सुपुत्र सम्पतिलाल जैन, आलमपुर (आगरा)
इस परिवार में सोलह सदस्य हैं, आठ पुरुष वर्ग में और आठ स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा सात लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

नैमीचन्द जैन सुपुत्र लेखराज जैन, आलमपुर (आगरा)
इस परिवार में चार सदस्य हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी के साधारण जानकार हैं और व्यापार करते हैं।

पन्नालाल जैन सुपुत्र बालकिशन जैन, आलमपुर (आगरा)
इस परिवार में तेरह सदस्य हैं, सात पुरुष वर्ग में और छ स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कृषिकार्य करते हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र पंछीलाल जैन, आलमपुर (आगरा)
इस परिवार में दस सदस्य हैं, पाँच पुरुष वर्ग में और पाँच स्त्री वर्ग में।

एक लड़का और एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

बुद्धसैन जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, आलमपुर (आगरा)

इस परिवार में छ सदस्य हैं, तीन पुरुष वर्ग में और तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

भोलानाथ जैन सुपुत्र मक्खनलाल जैन आलमपुर (आगरा)

इस परिवार में तीन सदस्य हैं दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। एक लड़का अविवाहित है तथा शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और अपना व्यापार व्यवसाय करते हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, आलमपुर (आगरा)

इस परिवार में बारह सदस्य हैं, सात पुरुष वर्ग में और पाँच स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के और तीन लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। और कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-आंवलखेड़ा (आगरा)

साहूकाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, आंवलखेड़ा (आगरा)

इस परिवार में सात सदस्य हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

गाँव-उलाऊ (आगरा)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, उलाऊ (आगरा)

इस परिवार में सात सदस्य हैं, पाँच पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

महीपाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, उलाऊ (आगरा)

इस परिवार में पाँच सदस्य हैं, तीन पुरुषवर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का और एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

रघुवरदयाल जैन सुपुत्र शिवदयाल जैन, उलाऊ (आगरा)

इस परिवार में नौ सदस्य हैं, चार पुरुष वर्ग में और पाँच स्त्री वर्ग में।

दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रही हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन उलाऊ (आगरा)

इस परिवार में ग्यारह सदस्य हैं, छ पुरुष वर्ग में और पाँच स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी में शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-उसाइनी (आगरा)

अमृतलाल जैन सुपुत्र मंसाराम जैन, उसाइनी (आगरा)

इस परिवार में सत्रह सदस्य हैं, दस पुरुष वर्ग में और सात स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

अमृतलाल जैन सुपुत्र ब्रजवासीलाल जैन, उसाइनी (आगरा)

इस परिवार पन्द्रह सदस्य हैं, आठ पुरुष वर्ग में और सात स्त्री वर्ग में। चार लड़के और तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

इन्द्रचन्द्र जैन सुपुत्र फुन्दीलाल जैन, उसाइनी (आगरा)

इस परिवार में तेरह सदस्य हैं, छ पुरुष वर्ग में और सात स्त्री वर्ग में। चार लड़के और चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक पास हैं और सर्विस करते हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, उसाइनी (आगरा)

इस परिवार में पाँच सदस्य हैं, तीन पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। दो लड़के और एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

फुलजारीलाल जैन सुपुत्र सुखलाल जैन, उसाइनी (आगरा)

इस परिवार में नौ सदस्य हैं, पाँच पुरुष वर्ग में और चार स्त्री वर्ग में। तीन लड़के और दो लड़की अविवाहित हैं तथा शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और घी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के हैं।

हर्षकीर्ति जैन सुपुत्र अयुध्याप्रसाद जैन, उसाइनी (आगरा)

इस परिवार में तीन सदस्य हैं, दो पुरुष वर्ग में और एक स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख विशारद तथा शास्त्री हैं। और अपना स्वतन्त्र व्यवसाय करते हैं।

गाँव-एत्मादपुर (आगरा)

अतिवीर्यप्रसाद जैन सुपुत्र पंचीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)
इस परिवारमें एक पुरुष तथा एक स्त्री हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद (आगरा) के हैं।

अमीरचन्द जैन सुपुत्र ठाकुरदास जैन, एत्मादपुर (आगरा)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं। तीन पुरुष वर्ग में एक स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े की दुकान करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर के ही हैं।

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र रामप्रसाद जैन, एत्मादपुर (आगरा)
इस परिवार में तीन सदस्य हैं, दो पुरुष वर्ग में और एक स्त्री वर्ग में। एक लड़का अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

अमृतलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)
इस परिवार में पाँच सदस्य हैं, चार पुरुष वर्ग में और एक स्त्री वर्ग में। दो लड़के अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

इन्द्रभान जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, एत्मादपुर (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० में पढ़ रहे हैं।

उग्रसैन जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, एत्मादपुर (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में और छ स्त्री वर्ग में कुल ८ सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

कुसुमचन्द जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, एत्मादपुर (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा गुड़, घी आदि की दुकान करते हैं।

केशवदेव जैन सुपुत्र गुणधरलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं दो लड़के और दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मुनीमी का कार्य करते हैं।

चन्दनलाल जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं।

एक लड़का दो लड़की शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

चन्द्रभान जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। एक लड़का इण्टर में पढ़ता है यह सब अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और आढ़त की दुकान करते हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र गोरेलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में चौबीस पुरुष वर्ग में तथा बीस स्त्री वर्ग में कुल चौवालिस सदस्य हैं। चौदह लड़के तथा दस लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी के ज्ञाता हैं और किराने के व्यापारी हैं। मूल निवासी एत्मादपुर के ही हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

देवेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में और चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का और दो लड़की बाल्यावस्था में प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर के ही हैं।

धन्यकुमार जैन सुपुत्र कल्लूमल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के और तीन लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। स्थानीय निवासी हैं।

धनेशचन्द्र जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में दो सदस्य हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सैमरा (आगरा) के हैं।

नारायणस्वरूप जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में नौ सदस्य हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। दो लड़के और दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और आढ़त का कार्य करते हैं। स्थानीय निवासी हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़कियाँ शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख हाई स्कूल तक शिक्षित हैं और तेल के मिल के मालिक हैं। स्थानीय निवासी हैं।

पातीराम जैन सुपुत्री कल्लूमल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल इक्कीस सदस्य हैं। सात लड़के और सात लड़कियाँ अविवाहित हैं तथा शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और बूरा, बतासा आदि की दुकान करते हैं। स्थानीय निवासी हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र रतनलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में नौ पुरुष तथा सात स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। छ लड़के तथा तीन लड़कियाँ अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में पाँच सदस्य हैं दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और घी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

बैजनाथ जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमतीजी ही हैं। आप व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

भगवानस्वरूप जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी के जानकार हैं और परचून की दुकान करते हैं। मूल निवासी वालाकावास (आगरा) के हैं।

मनीराम जैन सुपुत्र कल्लूमल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। एक लड़का अजितकुमार इण्टर में पढ़ता है तथा एक लड़का और चार लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और बिसातखाना की दुकान करते हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र गनेशीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में आठ सदस्य हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में

शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और घी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी शिकतरा (आगरा) के हैं।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले की आढ़त करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर के ही हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में बारह सदस्य हैं, छ पुरुष वर्ग में और छ स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र कल्लूमल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में और सात स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी की शिक्षा से शिक्षित हैं और जनरलमर्चेन्ट्स की दुकान करते हैं।

रघुवीरप्रसाद जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में छ सदस्य इस प्रकार हैं, चार पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रिजावली (एटा) के हैं।

रमेशचन्द्र जैन सुपुत्र गनेशीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में चार सदस्य पुरुष वर्ग में से हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख दस कक्षा पास हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र कल्लूमल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष और एक स्त्री दो प्राणी हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर के ही हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र चम्पालाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं, एक लड़का धर्मेन्द्रकुमार इण्टर में पढ़ता है, यह सब अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख बी० टी० पी० तक शिक्षित हैं और सर्विस में हैं। मूल निवासी नाहरपुर के हैं।

रामरतन जैन सुपुत्र ठाकुरदास जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में कुल सत्ताईस सदस्य हैं, सोलह पुरुष वर्ग में तथा ग्यारह स्त्री वर्ग में। ग्यारह लड़के तथा नौ लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी शिकतरा (आगरा) के हैं।

रोशनलाल जैन सुपुत्र कल्लूमल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में दस सदस्य हैं। पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी जौधरी (आगरा) के हैं

विद्याराम जैन सुपुत्र गणेशीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में नौ सदस्य हैं, सात पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। छ लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी शिकतरा (आगरा) के हैं।

सुखदेवप्रसाद जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में दस सदस्य हैं, सात पुरुष वर्ग में और तीन स्त्री वर्ग में। चार लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर के ही हैं।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र चन्द्रसैन जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में यह और इनकी माताजी हैं। आप जे० टी० सी० में पढ़ते हैं और अविवाहित हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद के हैं।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख इन्टर में पढ़ते हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र मुन्शीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में सोलह पुरुष वर्ग में तथा चौदह स्त्री वर्ग में कुल तीस सदस्य हैं। ग्यारह लड़के तथा नौ लड़कियाँ विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं तथा अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और अपना व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी पामरी (आगरा) के हैं।

सूरजभान जैन सुपुत्र किशनस्वरूप जैन, एत्मादपुर (आगरा)

इस परिवार में तीन सदस्य हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़की अविवाहित है और हिन्दी में पढ़ रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले की दुकान करते हैं।

सोनपाल जैन सुपुत्र गणेशीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)
इस परिवार में सत्रह सदस्य हैं, नौ पुरुष वर्ग में और आठ स्त्री वर्ग में। छ लड़के और पाँच लड़की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं तथा अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी शिकतरा (आगरा) के हैं।

शान्तीस्वरूप जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)
इस परिवार में चौदह सदस्य हैं, सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में। छ लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और घी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर के ही हैं।

शिवरतनलाल जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, एत्मादपुर (आगरा)
इस परिवार में आठ सदस्य हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। दो लड़के और तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले के कमीशन का कार्य करते हैं। मूल निवासी एत्माद-पुर के ही हैं।

शिखरचन्द जैन सुपुत्र नन्नूमल जैन, एत्मादपुर (आगरा)
इस परिवार में बारह सदस्य हैं, छ पुरुष वर्ग में और छ स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और आढ़त का कार्य करते हैं। मूल निवासी चिरौहुली (आगरा) के हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, एत्मादपुर (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के हैं।

गाँव-कल्यानगढ़ी (आगरा)

जयकुमार जैन सुपुत्र जौहरीमल जैन, कल्यानगढ़ी (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन अकेले ही हैं और दुकानदारी करते हैं।

रामप्रकाश जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, कल्यानगढ़ी (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में और दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का और एक लड़की शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

गाँव-कायथा (आगरा)

केशवदेव जैन सुपुत्र लाहोरीलाल जैन, कायथा (आगरा)
इस परिवार में बारह सदस्य हैं, सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग

में। तीन लड़के तथा तीन लड़की प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी कायथा के ही हैं।

गुनमाला जैन पत्नी श्रीपाल जैन, कायथा (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख लेन-देन का कार्य करते हैं। एक लड़का तथा एक लड़की शिशु अवस्था में हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, कायथा (आगरा)
इस परिवार में सोलह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में और आठ स्त्री वर्ग में। चार लड़के और तीन लड़की अविवाहित हैं तथा शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषि कार्य करते हैं।

गाँव-कुतमपुर (आगरा)

मधुवनदास जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, कुतमपुर (आगरा)
इस परिवार में दस सदस्य हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। तीन लड़के और एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कृषिकार्य करते हैं।

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, कुतमपुर (आगरा)
इस परिवार में अठारह सदस्य हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में। चार लड़के और पाँच लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, एक सर्विस करता है। परिवार प्रमुख कृषि कार्य करते हैं। मूल निवासी जारखी के हैं।

गाँव-कुरगवाँ (आगरा)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र खेतीराम जैन, कुरगवाँ (आगरा)
इस परिवार में इनकी मातेश्वरी तथा ये स्वयं ही हैं। हिन्दी में शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

चान्दपाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, कुरगवाँ (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, कुरगवाँ (आगरा)
इस परिवार में पाँच सदस्य इस प्रकार हैं एक पुरुष वर्ग में और चार स्त्री वर्ग में। दो लड़की अविवाहित हैं।

भामण्डलदास जैन सुपुत्र कंचनलाल जैन, कुरगवाँ (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं।

तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, कुरगवाँ (आगरा)

इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

वसन्तलाल जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, कुरगवाँ (आगरा)

इस परिवार में नौ सदस्य हैं तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। चार लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त कर रही हैं।

गाँव-कोटला (आगरा)

कमलकुमार जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में ग्यारह सदस्य हैं छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा दो लड़की शिशु अवस्था में हैं और प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। एक लड़का इण्टर पास है, शिक्षक है और अविवाहित है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यापार कर रहे हैं।

गोटेलाल जैन सुपुत्र जीवाराम जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में तेरह सदस्य हैं, ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। सात लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का कार्य करते हैं। मूल निवासी कोटला के ही हैं।

गयाप्रसाद जैन सुपुत्र मिट्ठूलाल जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में तीन सदस्य हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना के व्यापारी हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यापार करते हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में चार सदस्य हैं दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का और एक लड़की प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं तथा अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यापार करते हैं।

पन्नालाल जैन सुपुत्र उत्तमचन्द जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में आठ सदस्य हैं तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। एक लड़का और तीन लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

पुत्तूलाल जैन सुपुत्र गुरुदयाल जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में कुल बारह सदस्य हैं, सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। छ लड़के तथा तीन लड़कियाँ अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कोटला के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं; परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यापार करते हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र हरीराम जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में आठ सदस्य हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं तथा कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कोटला के ही हैं।

भागचन्द जैन सुपुत्र सुखमाल जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में स्वयं ये तथा इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और फ्लोर मिल के मालिक हैं। मूल निवासी कोटला के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की शिशु अवस्था में हैं और प्राथमिक कक्षा में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी कोटला के ही हैं।

रघुवर दयाल जैन सुपुत्र कुन्नामल जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में सात सदस्य हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी डोढ़सा के हैं।

लखपतिराय जैन सुपुत्र उत्तमचन्द्र जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में सात सदस्य हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में।

विश्ववंद्य, चारित्र चक्रवर्ती—
परमश्रद्धेय आचार्य श्री शान्तिसागरजी महाराज

मुनि श्री अजितसागरजी महाराज

परमपूज्य आचार्य श्री वीरसागरजी महाराज

दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी कोटला के ही हैं।

गाँव-कोटकी (आगरा)

छोटेलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, कोटकी (आगरा)

इस परिवार में कुल दस सदस्य हैं, छह पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र खूबचन्द जैन, कोटकी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छह स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सिलाई का कार्य करते हैं।

राजबहादुर जैन सुपुत्र बैनीराम जैन, कोटकी (आगरा)

इस परिवार में बारह सदस्य हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। छह लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी कोटकी के ही हैं।

राजेश्वरप्रसाद जैन सुपुत्र बैनीराम जैन, कोटकी (आगरा)

इस परिवार में आठ सदस्य हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

रोशनलाल जैन सुपुत्र नारायणदास जैन, कोटकी (आगरा)

इस परिवार में पाँच सदस्य हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कुरगमा (आगरा) के हैं।

बुद्धसैन जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, कोटकी (आगरा)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा दुकानदारी करते हैं।

श्यामलाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, कोटकी (आगरा)

इस परिवार.में सात सदस्य दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में हैं। एक

लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-खरिकना (आगरा)

गोरेलाल जैन सुपुत्र झंडूलाल जैन, खरिकना (आगरा)

इस परिवार में कुल सत्रह सदस्य हैं दस पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय तथा कृषिकार्य करते हैं।

रामबाबू जैन सुपुत्र तेजसिंह जैन, खरिकना (आगरा)

इस परिवार में चौदह सदस्य हैं पाँच पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

रेवतीराम जैन सुपुत्र नन्दकिशोर जैन, खरिकना (आगरा)

इस परिवार में ग्यारह सदस्य हैं आठ पुरुष वर्ग में और तीन स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-खांडा (आगरा)

मन्शीलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, खांडा (आगरा)

इस परिवार में तेरह सदस्य हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा छ लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख हाईस्कूल पास हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं।

साहूलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, खांडा (आगरा)

इस परिवार में बारह सदस्य हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई की दुकान करते हैं।

सेढ़ूमल जैन सुपुत्र मक्खनलाल जैन, खांडा (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े की दुकान करते हैं।

गाँव-खेरिआ (आगरा)

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, खेरिआ (आगरा)

इस परिवार में सात सदस्य हैं पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-खेरी (आगरा)

पन्नालाल जैन सुपुत्र तोताराम जैन, खेरी (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

पातीराम जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, खेरी (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के और दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

पोतदार जैन सुपुत्र परशादीलाल जैन, खेरी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

शान्तीस्वरूप जैन सुपुत्र कंचनलाल जैन, खेरी (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षा प्राप्त हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-गढ़ी ऊसरा (आगरा)

श्रीलाल जैन सुपुत्र मुन्शीलाल जैन, गढ़ी ऊसरा (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय तथा कृषि-कार्य करते हैं।

गाँव-गढ़ी कल्याण (आगरा)

सुखदेवप्रसाद जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, गढ़ी कल्याण (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-गढ़ी लाल (आगरा)

छोटेलाल जैन सुपुत्र सालगराम जैन, गढ़ी लाल (आगरा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में, कुल सोलह सदस्य हैं। सात लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में

पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार तथा कृषिकार्य करते हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र छत्रपाल जैन, गढ़ी लाल (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के और दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-गढ़ी श्रीराम (आगरा)

सुमेरचन्द जैन सुपुत्र जयपाल जैन, गढ़ी श्रीराम (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी खांडा के हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, गढ़ी श्रीराम (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन तथा इनकी धर्मपत्नी दो सदस्य ही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-गढ़ी हरी (आगरा)

भागचन्द जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, गढ़ी हरी (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-गढ़ी हंसराम (आगरा)

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, गढ़ी हंसराम (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

होतीलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, गढ़ी हंसराम (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं, एक लड़का सतीशकुमार इण्टर में पढ़ रहा है यह सब अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

गाँव-गांगनी (आगरा)

देवकुमार जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, गांगनी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

नाथूराम जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, गांगनी (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, गांगनी (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का और एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्रारंभिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, गांगनी (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-गोहिला (आगरा)

गजाधरलाल जैन सुपुत्र झुन्नीलाल जैन, गोहिला (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

किशोरीलाल जैन सुपुत्र जीवनलाल जैन, गोहिला (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

कुशलपाल जैन सुपुत्र जगनप्रसाद जैन, गोहिला (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़कियाँ शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

जीवनलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, गोहिला (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

रामप्रसाद जैन सुपुत्र किशनलाल जैन, गोहिला (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

लटूरीमल जैन सुपुत्र बुद्धसैन जैन, गोहिला (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन व्यक्ति हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कृषिकार्य करते हैं।

बहोरीलाल जैन सुपुत्र गोकुलचन्द जैन, गोहिला (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र बलवंत जैन, गोहिला (आगरा)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

गाँव-गौंछ (आगरा)

राजनलाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, गौंछ (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख परचूनी की दुकान करते हैं।

लक्ष्मीचन्द्र जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, गौंछ (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख परचूनी की दुकान करते हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, गौंछ (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। छ लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख परचून की दुकान करते हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, गौंछ (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रही है। परिवार प्रमुख दुकानदारी तथा कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी गौंछ के ही हैं।

गाँव-चन्दौरा (आगरा)

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र तोताराम जैन, चन्दौरा (आगरा)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। पाँच लड़के और दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-चावली (आगरा)

अमृतलाल जैन सुपुत्र नेकराम जैन, चावली (आगरा)

इस परिवार में सोलह पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेईस सदस्य हैं। आठ लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

नथाराम जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, चावली (आगरा)

इस परिवार में यह और इनकी श्रीमती दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

प्रद्युम्नकुमार जैन सुपुत्र गुणधरलाल जैन, चावली (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात व्यक्ति हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख आयुर्वेद शिक्षा से शिक्षित हैं और वैद्यक करते हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, चावली (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और विशारद शिक्षा से विभूषित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-चिरहुली (आगरा)

जयदेवप्रसाद जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, चिरहुली (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ व्यक्ति हैं। तीन लड़कियाँ अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

दुर्गाप्रसाद जैन सुपुत्र जीवाराम जैन, चिरहुली (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार तथा कृषिकार्य करते हैं।

भगवानदास जैन सुपुत्र कल्याणदास जैन, चिरहुली (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रही हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और अध्यापन कार्य करते हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र कल्याणचन्द जैन, चिरहुली (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा

प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं।

लक्ष्मीचन्द जैन सुपुत्र ज्वालाप्रसाद जैन, चिरहुली (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र तेजपाल जैन, चिरहुली (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्रारंभिक कक्षा में पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, चिरहुली (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और आटा चक्की का कार्य करते हैं।

गाँव-चुल्हावली (आगरा)

छिंगाराम जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, चुल्हावली (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्रारंभिक कक्षा में पढ़ती है। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

छेदालाल जैन सुपुत्र विहारीलाल जैन, चुल्हावली (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन एवं इनकी श्रीमतीजी ही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और परचून की दुकान करते हैं।

जमादार जैन सुपुत्र मनफूल जैन, चुल्हावली (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का और एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और परचून की दुकान करते हैं।

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र मनफूल जैन, चुल्हावली (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में ,तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और परचून की दुकान करते हैं।

साहूलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, चुल्हावली (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। पाँच लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और परचून की दुकान करते हैं।

शिखरचन्द जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, चुल्हावली (आगरा)
इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। सात लड़के और तीन लड़की अविवाहित हैं तथा शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और परचून की दुकान करते हैं।

गाँव-चौराहा टूण्डला (आगरा)

कमलकुमार जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, चौराहा टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और सर्विस करते हैं।

जीयाबाबू जैन सुपुत्र ठाकुरदास जैन, चौराहा टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, चौराहा टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और हलवाई की दुकान करते हैं।

रघुनन्दनलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, चौराहा टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में इनके साथ इनकी धर्मपत्नी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का कारोबार करते हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, चौराहा टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। एक लड़का इण्टर में तथा एक लड़का बी० ए० में पढ़ता है। यह दोनों अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, चौराहा टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं, एक लड़का व्यापार करता है। यह सब अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और परचून की दुकान करते हैं।

बसन्तलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, चौराहा टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, चौराहा टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और आढ़तका व्यापार व्यवसाय करते हैं।

सुखीलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, चौराहा टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साइकिल का व्यापार करते हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र धूरीलाल जैन, चौराहा टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। पचीस साल की आयु है और साधारण शिक्षित हैं तथा परचून की दुकान करते हैं।

शान्तीस्वरूप जैन सुपुत्र उल्फतराय जैन, चौराहा टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और चाय आदि का काम करते हैं।

गाँव-छिकाऊ (आगरा)

श्यामलाल जैन सुपुत्र अन्तराम जैन, छिकाऊ (आगरा)

इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। सात लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

गाँव-छोटा एटा (आगरा)

सुखदेवप्रसाद जैन सुपुत्र मंजूलाल जैन, छोटा एटा (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-जटई (आगरा)

चन्द्रभान जैन सुपुत्र बोहरेलाल जैन, जटई (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

बुद्धसैन जैन, जटई (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

भागचन्द जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, जटई (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

लाहोरीमल जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, जटई (आगरा)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं और कृषिकार्य करते हैं।

बनवारीलाल जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, जटई (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार तथा कृषिकार्य करते हैं।

सौकीलाल जैन सुपुत्र बोहरेलाल जैन, जटई (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख व्यापार तथा कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-जरौली कलां (आगरा)

राजकिशोर जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, जरौली कलां (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

गाँव-जसरथपुर (आगरा)

रामबाबू जैन सुपुत्र जयकुमार जैन, जसरथपुर (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। छ लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षित हैं तथा रेलवे विभाग में सर्विस करते हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, जसरथपुर (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख किराना की दुकान करते हैं।

सन्तकुमार जैन सुपुत्र रामचन्द्र जैन, जसरथपुर (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना की दुकान करते हैं।

गाँव-जहाजपुर (आगरा)

नेमीचन्द जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, जहाजपुर (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, जहाजपुर (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार और कृषिकार्य करते हैं।

वासुदेव जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, जहाजपुर (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-जाटऊ (आगरा)

अंगूरीदेवी धर्मपत्नी पं० मुन्शीराम जैन, जाटऊ (आगरा)
इस परिवार में यह महिला ही हैं और कृषिकार्य करती हैं।

झब्बूलाल जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, जाटऊ (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, जाटऊ (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का आयु सोलह साल अविवाहित है और व्यापार व्यवसाय करता है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

गाँव-जारखी (आगरा)

इन्द्रसैन जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, जारखी (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

कुलमण्डनदास जैन सुपुत्र गणेशीलाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छह सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

घमण्डीलाल जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

चन्द्रसैन जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

दयालाल जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

दयाचन्द जैन सुपुत्र कम्पलादास जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

नैनामल जैन सुपुत्र झण्डूमल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

नन्दलाल जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

बैजनाथ जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

बंगालीलाल जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

भगवानस्वरूप जैन सुपुत्र डालचन्द जैन, जारखी (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

भागचन्द जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, जारखी (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी जारखी के ही हैं।

भूधरदास जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, जारखी (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

मंगलसैन जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, जारखी (आगरा)
इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

मंगलस्वरूप जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, जारखी (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं 'और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, जारखी (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

मोतीमाला जैन धर्मपत्नी श्यामलाल जैन, जारखी (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं।

रघुवरदयाल जैन सुपुत्र हुब्बमल जैन, जारखी (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। ये साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

रमेशचन्द्र जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

रामप्रसाद जैन सुपुत्र नाथूलाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक लड़का अविवाहित है आयु बीस साल। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

रामसहाय जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। छ लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं, और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

रामचन्द्र जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र मौजीलाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

विजवासीलाल जैन सुपुत्र सर्राफचन्द जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और पढ़ित हैं तथा वैद्यक करते हैं।

विश्वम्भरदयाल जैन सुपुत्र हरनामदास जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

धीरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र नैनसुखदास जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं।

एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ता है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, जारखी (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

हरमुखलाल जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, जारखी (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी में शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र मथुराप्रसाद जैन, जारखी (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

गाँव-जौंधरी (**आगरा**)

इन्द्रसैन जैन सुपुत्र अशरफीलाल जैन, जौंधरी (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी का ज्ञान रखते हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

कम्पलदास जैन सुपुत्र चुन्नीलाल जैन, जौंधरी (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई की दुकान करते हैं।

केदारनाथ जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, जौंधरी (आगरा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

चुन्नीलाल जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, जौंधरी (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

चुन्नीलाल जैन सुपुत्र उषमासिंह जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। एक लड़का आयु बीस साल एम. ए. तक शिक्षित है तथा यह सब अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कृषिकार्य करते हैं।

जयन्तिप्रसाद जैन सुपुत्र सौनपाल जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन तथा इनकी धर्मपत्नी दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

जयन्तिप्रसाद जैन सुपुत्र प्रेमचन्द जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ती है। परिवार प्रमुख हाई स्कूल पास हैं और कपड़े के व्यापारी हैं।

नारायणदास जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र मथुरादास जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा छह स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। सात लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और परचून की दुकान करते हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र बल्देवप्रसाद जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का आयु सत्रह साल अविवाहित है और बी० एस० सी० में पढ़ता है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कार्य करते हैं।

बिट्टोदेवी धर्मपत्नी अमृतलाल जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं।

विशुन कुमार जैन सुपुत्र मानिकचन्द जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई की दुकान करते हैं।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र सुखदेव प्रसाद जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र बैजनाथ जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-टीकरी (आगरा)

धनीराम जैन सुपुत्र टीकाराम जैन, टीकरी (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और साधारण हिन्दी जानते हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-टूण्डला (आगरा)

अमृतलाल जैन सुपुत्र पीताम्बरदास जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा तेरह स्त्री वर्ग में कुल इक्कीस सदस्य

हैं। तीन लड़के तथा आठ लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और घी का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आलमपुर के हैं।

उल्फतराय जैन सुपुत्र लाहोरीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

कंचनलाल जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी स्वरूप का नगला के हैं।

कपूरचन्द जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख पान का व्यापार करते हैं। मूल निवासी वसुन्दरा के हैं।

कलक्टरकुमार जैन सुपुत्र पौणीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी माताजी ही हैं। खोमचे का कार्य करते हैं। मूल निवासी नाहरपुर के हैं।

कीर्तिकुमार जैन सुपुत्र देवेन्द्रकुमार जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख बी. कॉम तक शिक्षित हैं और रेलवे में सर्विस करते हैं। मूल निवासी जिरसमी (एटा) के हैं।

कैलाशचन्द्र जैन सुपुत्र अशर्फीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख हाईस्कूल तथा विशारद तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी सांखनी के हैं।

कंचनलाल जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और काश्तकारी करते हैं।

खजाञ्चीलाल जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं।

परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और मिठाई का कार्य करते हैं। मूल निवासी जहाजपुर के हैं।

गोरखमल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। एक लड़का आयु अट्ठारह वर्ष बी. कॉम में पढ़ रहा है। यह सब अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी पेंडत के हैं।

गौरीशंकर जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी छितरई के हैं।

चमनप्रकाश जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और पान की दुकान करते हैं। मूल निवासी वसून्दरा (एटा) के हैं।

चिन्तामणी जैन सुपुत्र सुनहरीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और कपड़े के व्यवसायी हैं। मूल निवासी मुहम्मदाबाद के हैं।

चेतनस्वरूप जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी माताजी ही हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और पुस्तकों की दुकान करते हैं। मूल निवासी अवागढ़ के हैं।

चन्द्रसैन जैन सुपुत्र पातीराम जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है और तीन लड़कियाँ प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ती है तथा अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं।

छक्कूमल जैन सुपुत्र भागचन्द जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं।

एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी जारखी के हैं।

छोटेलाल जैन सुपुत्र अद्धामल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में पाँच सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। चार लड़के प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जहाजपुर (आगरा) के हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और पान की दुकान करते हैं। मूल निवासी कोरारा (मैनपुरी) के हैं।

जयन्तिप्रसाद जैन सुपुत्र श्योप्रसाद जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सीमेण्ट का व्यापार करते हैं।

जितेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र श्योप्रसाद जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

जिनेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र श्योप्रसाद जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख एम० एस० सी० तक शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

जुगमन्दिरदास जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं तथा दवाखाना का काम करते हैं। मूल निवासी अहारन के हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र जिनेश्वरदास, जैन टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं तथा अविवाहित हैं। परिवार

प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी पमारी (आगरा) के हैं।

दरबारीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सकरौली (एटा) के हैं।

द्वारिकाप्रसाद जैन सुपुत्र सुखदेवप्रसाद जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के विद्याध्ययन कर रहे हैं इनमें एक बी० काम० में पढ़ रहा है यह सब अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी बसई के हैं।

धन्यकुमार जैन सुपुत्र मुन्शीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी पमारी के हैं।

नन्नूमल जैन सुपुत्र गजाधर जैन, बलदेव रोड टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और हलवाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के हैं।

नरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र अंग्रेजीलाल जैन, मु० जैनियान टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। मूल निवासी मैदामई के हैं।

नानकचन्द जैन सुपुत्र जयन्तीप्रसाद जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्राफा का व्यापार करते हैं।

नैमीचन्द जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साक्षर हैं और टेलर मास्टर हैं।

पातीराम जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी ही हैं। परिवार प्रमुख साक्षर हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जटई के हैं।

पार्वतीदेवी जैन धर्मपत्नी रोशनलाल जैन, मु० जैनियान टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में यह महिला स्वयं ही हैं और शिक्षित हैं तथा अध्यापिका हैं। मूल निवासी टूण्डलाकी ही हैं।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र चम्पालाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ती हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी बरई (एटा) के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र राजकुमार जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का और एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हाईस्कूल तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

प्रेमबाबू जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी चिरहुली (आगरा) के हैं।

प्रेमसागर जैन सुपुत्र उमरावसिंह जैन, मु. जैनियान टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और रेलवे में सर्विस करते हैं। मूल निवासी रेंमजा (आगरा) के हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन,टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और घी का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बसई के हैं।

बादशाह जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं।

एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी केलई (मैनपुरी) के हैं।

बालचन्द जैन सुपुत्र मुन्शीलाल जैन, सामलेप्रसाद रोड टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं तथा शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सराफे का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर (आगरा) के हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र श्री झब्बूलाल जैन, सामलेप्रसाद रोड टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख दसवीं श्रेणी तक शिक्षित हैं, और कपड़े का कार्य करते हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र पातीराम जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्राफे की दुकान करते हैं। मूल निवासी एलई (आगरा) के हैं।

बनवारीलाल जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, बलदेव रोड टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी जटई के हैं।

बनवारीलाल जैन सुपुत्र पातीराम जैन, जैन-मन्दिर गली टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्राफे का कारोबार करते हैं। मूल निवासी एलई के हैं।

बोहरेलाल जैन सुपुत्र जयराम जैन, जैनगली मन्दिर के पास टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ती हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा पंसारट की दुकान करते हैं। मूल निवासी चुल्हावली के हैं।

बोहरेलाल जैन सुपुत्र कोकाराम जैन, रेलवे कालिज रोड टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। सामान्य शिक्षित हैं तथा खोमचा लगाते हैं। मूल निवासी रामपुर के हैं।

मुनिवर श्री ब्रह्मगुलालजी महाराज के पावन चरण-चिह्न, फिरोजाबाद

ब्र० श्री पाण्डे श्रीनिवासजी जैन, फिरोजाबाद

ब्र० श्री वासुदेवजी जैन वैद्य, पिलुआ

श्री महावीरप्रसादजी जैन, कलकत्ता

स्व० श्री श्रीमन्दिरदासजी जैन, कलकत्ता

कॅप्टिन-श्री माणिकचन्द्रजी जैन, 'चन्द्रासाहेब' फिरोजाबाद

भगवानस्वरूप जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, बलदेव रोड टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। दो लड़के अविवाहित हैं तथा सामान्य शिक्षित हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी जटई के हैं।

भगवानदास जैन सुपुत्र तोताराम जैन, बलदेव रोड टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़कियाँ अविवाहित हैं तथा शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और लेन-देन का कार्य करते हैं। मूल निवासी सांखनी के हैं।

भगवानदास जैन सुपुत्र तोताराम जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी साकिनी (मैनपुरी) के हैं।

भगवानस्वरूप जैन सुपुत्र शिखरप्रसाद जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और सर्राफा का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी मुहम्मदाबाद (आगरा) के हैं।

भीष्मचन्द्र जैन सुपुत्र शिवलाल जैन, बलदेव रोड टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और चिकित्सा करते हैं। मूल निवासी उड़ेसरा के हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र छुट्टनलाल जैन, बलदेवमार्ग टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। एक लड़की इण्टर में पढ़ रही है। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी टूण्डला के ही हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र सुखदेवप्रसाद जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं हैं और साधारण शिक्षित हैं। सर्विस करते हैं। मूल निवासी बसई के हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र बुद्धसैन जैन, रेलवे कॉलोनी टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य

हैं। चार लड़के और दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख जैनशास्त्री एवं अँग्रेजी के जानकार हैं और रेलवे में सर्विस करते हैं। मूल निवासी कोयला के हैं।

महेशचन्द्र जैन सुपुत्र पुत्तूलाल जैन, जैन भवन टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और साइकिल की दुकान करते हैं। मूल निवासी टूण्डला के ही हैं।

मंगलसैन जैन सुपुत्र कल्लूमल जैन, मुहल्ला जैनियान टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी टूण्डला के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं, तीन लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आलमपुर (आगरा) के हैं।

मूलचन्द जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, जैनभवन टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना के व्यापारी हैं। मूल निवासी उड़ेसरा के हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र मुन्नालाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रामगढ़ के हैं।

रघुवीरप्रसाद जैन सुपुत्र जगदीशप्रसाद जैन, रेलवे कॉलोनी टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख हाईस्कूल तक शिक्षित हैं और रेलवे में सर्विस करते हैं। मूल निवासी अहारन के हैं।

राजन लाल जैन सुपुत्र महावीरप्रसाद जैन, सामलेप्रसाद रोड टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं।

तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और घी का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जटई के हैं।

राजनलाल जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, मु० जैनियान टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी टूण्डला के हैं।

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र वासुदेवप्रसाद जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। छ लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मुनीमी का कार्य करते हैं। मूल निवासी उड़ेसरा (मैनपुरी) के हैं।

रामबाबू जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन एवं इनकी धर्मपत्नी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और साइकिल का कार्य करते हैं। मूल निवासी ओनरा (एटा) के हैं।

रामचन्द्र जैन सुपुत्र माखनलाल जैन, मु० जैनियान टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और घी का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आलमपुर के हैं।

ललताप्रसाद जैन सुपुत्र साहूलाल जैन, मु० जैनियान टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० तक शिक्षित हैं और गल्ले की आढ़त करते हैं। मूल निवासी टूण्डला के ही हैं।

लालाराम जैन सुपुत्र शिवलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी लतीपुर (आगरा) के हैं।

लाहोरीमल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा

प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख चूरन का व्यापार करते हैं। मूल निवासी नाहरपुर (एटा) के हैं।

वासुदेवप्रसाद जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी मुहम्मदाबाद (आगरा) के हैं।

वासुदेवप्रसाद जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख पान की दुकान करते हैं। मूल निवासी कोटकी के हैं।

सर्राफीलाल जैन सुपुत्र ठाकुरदास जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी एलई के हैं।

सेठलाल जैन सुपुत्र जवाहरलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। एक लड़का इन्टर में पढ़ रहा है। एक लड़का एम० ए० में पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख रेलवे के ठेकेदार हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, जैन भवन टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख मिठाई का कार्य करते हैं। मूल निवासी नाहरपुर के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, मु० जैनियान टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा चार लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कल्याण गढ़ी (आगरा) के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र साहूमल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे

हैं। परिवार प्रमुख इन्टर तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी हिम्मतपुर के हैं।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, बलदेव रोड टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और घी का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जटई के हैं।

सूरजभान जैन सुपुत्र जमुनादास जैन, मु० जैनियान टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षामें पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और पान की दुकान करते हैं। मूल निवासी टूण्डला के ही हैं।

शान्तीस्वरूप जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, मु० जैनियान टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी टूण्डला के ही हैं।

शान्तीस्वरूप जैन सुपुत्र भीष्मचन्द्र जैन, जैनमन्दिर के पास टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख आयुर्वेदाचार्य तक शिक्षित हैं और वैद्यक का कार्य करते हैं। मूल निवासी उड़ेसर के हैं।

श्रीप्रकाश जैन सुपुत्र लाहोरीलाल जैन, बलदेव रोड टूण्डला (आगरा)

इस परिवारमें तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी पाढ़म के हैं।

श्रीराम जैन सुपुत्र शिखरप्रसाद जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। छ लड़के तथा तीन लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्राफे का व्यापार करते हैं।

हजारीलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र रामदयाल जैन, बलदेव रोड टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं।

पाँच लड़के तथा एक लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और जैन चित्रों के निर्माण का कार्य प्रमुख रूप से करते हैं। मूल निवासी जसराना के हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, जैनभवन टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख शुद्ध घी की मिठाई के निर्माता हैं। मूल निवासी खेरा के हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, आजादगली टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुषवर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं तथा कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कोटकी के हैं।

गाँव-टूण्डली (आगरा)

दयाचन्द जैन सुपुत्र स्वरूपचन्द जैन, टूण्डली (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र राजनलाल जैन, टूण्डली (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख इण्टरमीडीएट पास हैं और दुकानदारी करते हैं।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र हेमकरण जैन, टूण्डली (आगरा)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी के जानकार हैं और मिठाई की दुकान करते हैं।

रामप्रसाद जैन सुपुत्र ख्यालीराम जैन, टूण्डली (आगरा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल बीस सदस्य हैं। छ लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में पढ़ते हैं।

गाँव-टेहू (आगरा)

अजितवीर्य जैन सुपुत्र बंशीधर जैन, टेहू (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार

लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं तथा विभिन्न कक्षाओं में पढ़ते हैं। एक लड़का बी० ए० तथा पूर्व मध्यमा में पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख एम०ए० साहित्याचार्य आदि उच्च शिक्षा से विभूषित हैं तथा वैद्यक करते हैं। मूल निवासी टेहू के ही हैं।

भगवानस्वरूप जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, टेहू (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी टेहू के ही हैं।

गाँव-दिनहुली (आगरा)

कंचनलाल जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, दिनहुली (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार करते हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र सोनपाल जैन, दिनहुली (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओंमें पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कुरगवां के हैं।

बनवारीलाल जैन सुपुत्र सोनपाल जैन; दिनहुली (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, दिनहुली (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

गाँव-देवखेड़ा (आगरा)

अशर्फीलाल जैन सुपुत्र दीपचन्द जैन, देवखेड़ा (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

जमुनादास जैन सुपुत्र नारायणदास जैन, देवखेड़ा (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

दीपचन्द जैन सुपुत्र चौखेलाल जैन, देवखेड़ा (आगरा)
इस परिवार में दो भ्राता पुरुष वर्ग में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

प्रभुदयाल जैन सुपुत्र दीपचन्द जैन, देवखेड़ा (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्रीवर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। चार लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधाण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

मुरलीधर जैन सुपुत्र कंचनलाल जैन, देवखेड़ा (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

सेतीलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, देवखेड़ा (आगरा)
इस परिवार में बारह सदस्य पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। आठ लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-नगला ताज (आगरा)

चतुरीलाल जैन सुपुत्र पौहार जैन, नगला ताज (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकान करते हैं।

गाँव-नगला स्वरूप (आगरा)

छोटेलाल जैन सुपुत्र लाहोरीमल जैन, नगला स्वरूप (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र रघुनाथदास जैन, नगला स्वरूप (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख जैन शास्त्री हैं।

वासुदेव जैन सुपुत्र लालाराम जैन, नगला स्वरूप (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र लाहोरीमल जैन, नगला स्वरूप (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं

तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

लखमीचन्द जैन सुपुत्र हरसुखराम जैन, नगला स्वरूप (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

सूरजपाल जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, नगला स्वरूप (आगरा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषि कार्य करते हैं।

हजारीलाल जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, नगला स्वरूप (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-नगला सोंठ (आगरा)

प्यारेलाल जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, नगला सोंठ (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

पूर्णमल जैन सुपुत्र नारायण दास जैन, नगला सोंठ (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

गाँव-नगला शिकन्दर (आगरा)

गौरीशंकर जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, नगला शिकन्दर (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र काशीराम जैन, नगला शिकन्दर (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र काशीराम जैन, नगला शिकन्दर (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र रामप्रसाद जैन, नगला शिकन्दर (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा सात लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

लालाराम जैन सुपुत्र तोताराम जैन, नगला शिकन्दर (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और दुकानदारी करते हैं।

गाँव-नारखी (आगरा)

बद्रीप्रसाद जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, नारखी (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और लेन देन का कार्य करते हैं। मूल निवासी राजमल के हैं।

मटरूमल जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, नारखी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी नारखी के ही हैं।

वंशीधर जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, नारखी (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं; मूल निवासी राजमल के हैं।

सुखनन्दनलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, नारखी (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी नारखी के ही हैं।

शाहकुमार जैन सुपुत्र करनसिंह जैन, नारखी (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक शिक्षा प्राप्त

कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और पोस्ट मास्टर हैं। मूल निवासी नारखी के ही हैं।

श्रवनकुमार जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, नारखी (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख दुकानदारी करते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र सोनपाल जैन, नारखी (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

गाँव-पचमान (आगरा (

आलमचन्द जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, पचमान (आगरा)
इस परिवार में यह दो भ्राता हैं, साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र भवानीशंकर जैन, पचमान (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-पचोखरा (आगरा)

उल्फतराय जैन सुपुत्र खूबचन्द जैन, पचोखरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी पचोखरा के ही हैं।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र सुखलाल जैन, पचोखरा (आगरा)
इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल अट्ठारह सदस्य हैं। सात लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

राजबहादुर जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, पचोखरा (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख वैद्यक कार्य करते हैं।

राजनलाल जैन सुपुत्र दरियाव जैन, पचोखरा (आगरा)
इस परिवार में यह और इनके भ्राता दो ही व्यक्ति हैं। साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, पचोखरा (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और पोस्टमैन हैं। मूल निवासी दिनहुली के हैं।

सेतीलाल जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, पचोखरा (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार करते हैं।

सौनपाल जैन सुपुत्र चम्पालाल जैन, पचोखरा (आगरा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

हरप्रसाद जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, पचोखरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी पचोखरा के ही हैं।

गाँव-पमारी (आगरा)

किरोड़ीमल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, पमारी (आगरा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

चुन्नीलाल जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, पमारी (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और काश्तकारी करते हैं।

धन्यकुमार जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, पमारी (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख हाईस्कूल तक शिक्षित हैं और डाक्टरी करते हैं।

नत्थीलाल जैन सुपुत्र कल्याणदास जैन, पमारी (आगरा)

इस परिवार में इनकी विधवा माता तथा यह सज्जन हैं। हिन्दी में शिक्षित हैं।

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, पमारी (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

लखमीचन्द जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, पमारी (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

सोनपाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, पमारी (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

श्योप्रसाद जैन सुपुत्र मोनीलाल जैन, पमारी (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

गाँव - फिरोजाबाद (आगरा)

अच्छीदेवी जैन ध० प० हुण्डीलाल जैन, फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में इनके साथ इनका एक चौदह वर्षीय पुत्र है। साधारण हिन्दी के जानकार हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के ही हैं।

अजितकुमार जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० तक शिक्षित हैं और चूड़ी आदि का व्यापार करते हैं।

अतरचन्द जैन सुपुत्र पूर्णचन्द जैन, जलसेर रोड फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते। हैं लमूनिवासी पचवान के हैं।

अतिवीरप्रसाद जैन सुपुत्र पंचमलाल जैन, हनुमानगंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कोटला के हैं।

अभयकुमार जैन सुपुत्र जयकुमार जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी कुरगमा के हैं।

अभयकुमार जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

अभयकुमार जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, गान्धीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी जारखी के हैं।

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र अशर्फीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। मूल निवासी कोरारा (बुजर्ग) के हैं।

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, हनुमान गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र गुरूदयाल पाण्डेय जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र रघुनाथदास जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी पैंडत (मैनपुरी) के हैं।

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र गोकुलचन्द जैन, हनुमान गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी नगला सिकन्दर के हैं।

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, गान्धीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी दौही के हैं।

अमृतलाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, मुहल्ला दुल्ली फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी पिलखतर के हैं।

अमृतलाल जैन सुपुत्र तोताराम जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित है तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी कौरारा (बजनी) के हैं।

अशर्फीलाल जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, महावीर नगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में इनके साथ इनका एक भ्राता है। आप साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी दिनहुली के हैं।

अशोककुमार जैन सुपुत्र राजकुमार जैन, जलेसर रोड़ फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी नगला सिकन्दर के हैं।

आनन्दीलाल जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं। मूल निवासी बरहन सराय के हैं।

आनन्दीदेवी ध० प० रामस्वरूप जैन, फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के इन्टर मीडिएट में तथा तीन प्रारम्भिक कक्षाओं में और एक लड़की

भी प्रारम्भिक कक्षा में पढ़ रही है। यह सब अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जीव की सराय के हैं।

इन्द्रकुमार पाण्डेय सुपुत्र ज्योतिप्रसाद पाण्डेय जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में इनके साथ इनकी श्रीमती जी हैं। आप साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

इन्द्रकुमार जैन सुपुत्र कमलापति जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी नीम की सराय के हैं।

इन्द्रकुमार जैन सुपुत्र हरमुखराय जैन, चौकीगेट फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख हाई स्कूल तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

इन्द्रसैन जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आलमपुर के हैं।

उग्रसैन जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षा प्राप्त हैं और सर्विस करते हैं।

उग्रसैन जैन सुपुत्र मथुराप्रसाद जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

उग्रसैन जैन सुपुत्र वासुदेवप्रसाद जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख एफ० ए० तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

उग्रसैन जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, चौक गेट फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

उग्रसैन जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी महाराजपुर (आगरा) के हैं।

उमरावप्रसाद जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, हनुमान गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सिकन्दराराऊ के हैं।

उल्फतराय जैन सुपुत्र सुखदेवप्रसाद जैन, फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी जौंधरी के हैं।

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र ब्रजनन्दनलाल जैन, गाँधीनगर (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र पातीराम जैन, नई बस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी गोयला के हैं।

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, नई बस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी पावापुर के हैं।

ओंकारप्रसाद जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का प्रारम्भिक कक्षा में पढ़ रहा है और अविवाहित है। परिवार प्रमुख साधारण सर्विस करते हैं। मूल निवासी शिक्षित हैं और पाढ़म के हैं।

कनकलता जैन धर्मपत्नी राजेन्द्रकुमार जैन, फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख विद्याविनोदिनी तक शिक्षित हैं और सर्विस करती हैं।

कपूरचन्द जैन सुपुत्र आलमचन्द जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी पचमान के हैं।

कपूरचन्द जैन सुपुत्र सन्तोषीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं।

कमलकुमार जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, चौबेजीका बाग फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख हाई स्कूल पास हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी मरसैना के हैं।

कमलकुमार जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन. गाँधी नगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जलेसर के हैं।

कस्तूरचन्द जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, गाँधी नगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी कोटला के हैं।

कस्तूरीदेवी जैन धर्मपत्नी टुंडामल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में इनके साथ इनका बारह वर्षीय सुपुत्र है जो प्राथमिक कक्षा में पढ़ता है।

कस्तूरीदेवी जैन धर्मपत्नी गौंदीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के बाल्यावस्था में हैं। मूल निवासी सकरौली के हैं।

किशनमुरारी जैन सुपुत्र रतनचन्द जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

किशनदेव जैन सुपुत्र सुखदेवप्रसाद जैन, नई बस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी चिरौली (आगरा) के हैं।

केतुकीदेवी जैन धर्मपत्नी बाबूलाल जैन, चन्द्रप्रभु मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह अकेली ही हैं। साधारण शिक्षित हैं और मूल निवासी अवागढ़ की हैं।

कैलाशचन्द्र जैन सुपुत्र फुलजारीलाल जैन, महावीर नगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० तक शिक्षित हैं और अपना कारखाना है। मूल निवासी उसाइनी के हैं।

कुन्दनलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में पढ़ते हैं।

कुँवरलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, महावीर नगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ती हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी नगला सिकन्दर के हैं।

कुलभूषण जैन सुपुत्र नेत्रपाल जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी एका (मैनपुरी) के हैं।

कृष्णचन्द जैन सुपुत्र श्री चन्दसैन जैन, लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का ग्रेजुएट है तथा दो लड़की हाईस्कूल में पढ़ती हैं। यह तीनों अविवाहित हैं। मूल निवासी बाघई के हैं।

कंचनलाल जैन सुपुत्र जुगलकिशोर जैन, मु० दुली फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी बसई (आगरा) के हैं।

खजाञ्चीलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार सदस्य पुरुष वर्ग में से हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और हाई स्कूल में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

खुशालचन्द जैन सुपुत्र राजेन्द्रकुमार जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और हाई स्कूल में पढ़ता है। परिवार प्रमुख इण्टर पास हैं और व्यापार करते हैं।

गयाप्रसाद जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, हनुमानगढ़ फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधाण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भिण्ड के हैं।

गयाप्रसाद जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

गिरनारीलाल जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है।

गुरुदयाल जैन सुपुत्र ज्वालाप्रसाद जैन, कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे

हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी रींवा (मैनपुरी) के हैं।

गुरुदयाल सुपुत्र गोविन्दराम जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं, साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

गुलाबचन्द जैन सुपुत्र वासुदेव जैन, कटरा सुनारान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर के हैं।

गेंदालाल जैन सुपुत्र मथुराप्रसाद जैन, महावीरनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं।

गोपालदास जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इन परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी मुड़समा के हैं।

गोमाबाई जैन धर्मपत्नी चिरंजीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ती हैं। मूल निवासी कायथा (एटा) के हैं।

गौरीशंकर जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, मुहल्ला दुली फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

गौरीशंकर जैन सुपुत्र बोहरेलाल जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी पहाड़ीपुर के हैं।

गङ्गादेवी जैन धर्मपत्नी सुनहरीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी अवागढ़ (एटा) के हैं।

चक्रेश्वरीदेवी जैन धर्मपत्नी साधूराम जैन, गली लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रही हैं। मूल निवासी नगला सिकन्दर के हैं।

चन्द्रसैन जैन सुपुत्र अमोलकचन्द्र जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कौरारी के हैं।

चिरंजीलाल जैन सुपुत्र चेतराम जैन, घेर खोखल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच व्यक्ति हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

चिरंजीलाल जैन सुपुत्र गोरेलाल जैन, लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। मूल निवासी चमकरी (एटा) के हैं।

चैनसुखदास जैन सुपुत्र मक्खनलाल जैन, गली लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रही हैं। मूल निवासी फफोतू (एटा) के हैं।

चन्दादेवी जैन धर्मपत्नी द्वारिकाप्रसाद जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। सात लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी स्थानीय ही हैं।

चन्द्रपाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

चन्द्रप्रकाश जैन सुपुत्र महेन्द्रकुमार जैन, नई बस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं।

चन्द्रप्रकाश जैन सुपुत्र उल्फतराय जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख खोमचा लगाते हैं। मूल निवासी गोपला के हैं।

चन्द्रप्रभा जैन धर्मपत्नी जुगलकिशोर जैन, फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह महिला अकेली ही हैं और साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करती हैं। मूल निवासी थरौआ (मैनपुरी) की हैं।

चन्द्रभान जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। सात लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षित है और सर्विस करते हैं। मूल निवासी पचमान के हैं।

चन्द्रभान जैन सुपुत्र बोहरेलाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और वकालत करते हैं।

चन्द्रसैन जैन सुपुत्र मुन्शीलाल जैन, चन्द्रप्रभु मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और वैद्यक करते हैं। मूल निवासी थरौआ (मैनपुरी) के हैं।

छदामीलाल जैन सुपुत्र तिवारीलाल जैन, घेर खोखल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी राजाका ताल के हैं।

छोटेलाल जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख

साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जौंधरी के हैं।

छोटेलाल जैन सुपुत्र झम्मनलाल जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सिरसा गंज के है।

छोटेलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में इनके साथ इनकी श्रीमती जी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी गढ़ी (सिरसा गंज) के हैं।

जगदीशकुमार जैन सुपुत्र कश्मीरीलाल जैन, नई बस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी अहारन के हैं।

जगदीशचन्द्र जैन सुपुत्र जयनन्दनलाल जैन, नई बस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी पचोखरा के हैं।

जगदीशचन्द्र जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, गली लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमती जी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर के हैं।

जगरूपसहाय जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, नई बस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और हिन्दी में शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी कौरारा (मैनपुरी) के हैं।

जम्बूप्रसाद जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं तथा विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दलाली करते हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र मौकमलाल जैन, हनुमान गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में

स्व० श्री पं० गौरीलालजी जैन सिद्धान्तशास्त्री, वेरनी

ब्रह्मचारी श्री श्रीलालजी जैन, टेहू

पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कोटला (आगरा) के हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र वासुदेव जैन, चन्द्रप्रभु मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी जारखी के हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, चन्द्रप्रभु मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी खांडा के हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, चन्द्रप्रभु मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भरसेन के हैं।

जयदेवी जैन धर्मपत्नी मनोहरलाल जैन, चौकी गेट फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। दो लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

जयन्तीप्रसदाद जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, नई बस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी हिम्मतपुर के हैं।

जवाहरलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कोटला के हैं।

जवाहरलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं।

एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भदावली के हैं।

ज्वालाप्रसाद जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी हरीगढ़ी के हैं।

जनेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख बी० ए०, सी० टी० तथा साहित्य-विशारद तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी महाराजपुर के हैं।

ज्योतिप्रसाद जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

डोरीलाल सैन सुपुत्र तिवारीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्राफा का व्यापार करते हैं। मूल निवासी राजाकाताल के हैं।

तेजपाल जैन सुपुत्र जवाहरलाल जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी भदावली (आगरा) के हैं।

तालेवरदास जैन सुपुत्र सीतारामदास जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल इक्कीस सदस्य हैं। चार लड़के तथा सात लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और चूड़ी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी जटई के हैं।

देवीप्रसाद जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है, दो लड़की क्रमशः हायर सैकेन्ड्री तथा प्राथ-

मिक कक्षा में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और चूड़ी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी रेंमजा (आगरा) के हैं।

देवकुमार जैन सुपुत्र हरमुखराय जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

देवकुमार जैन सुपुत्र उमरावलाल जैन, चौक गेट फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी ही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

देवकुमार जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी पचोखरा के हैं।

देवकुमार जैन सुपुत्र मुंशुलाल जैन, चन्द्रप्रभु मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी कुतकपुर (आगरा) के हैं।

देवकुमार जैन सुपुत्र मंगलसैन जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख हाई स्कूल तक शिक्षित हैं।

देवकुमार जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुषवर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी उमरगढ़ के हैं।

देवर्षि जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में इनके साथ इनकी धर्मपत्नी ही हैं। परिवार प्रमुख हाईस्कूल तक शिक्षा प्राप्त हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

देवेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र अशरफीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन तथा इनकी माता जी हैं। आप साधारण शिक्षित हैं और खोमचा लगाते हैं। मूल निवासी कोरारा के हैं।

देवेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र बुद्धसैन जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का' तथा एक लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के हैं।

धनपतलाल जैन सुपुत्र बोहरेलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमती जी ही हैं। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी रींवा के हैं।

धनवन्तसिंह जैन सुपुत्र रमनलाल जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं। मूल निवासी सरायजैराम के हैं।

धनीराम जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, चौकी गेट फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

धर्मचन्द जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का, तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर के हैं।

धर्मचन्द जैन सुपुत्र बड़ेलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० एल० टी० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी पचवान के हैं।

नत्थीलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी दिनहुली के हैं।

नत्थीलाल जैन सुपुत्र बैजनाथ जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निसासी खांडा (आगरा) के हैं।

नन्नूमल जैन सुपुत्र किरोड़ीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी राजाकाताल के हैं।

नरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र रामप्रसाद जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० एल० टी० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी जटौवा (आगरा) के हैं।

निर्मलकुमार जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़के तथा एक लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं मूल निवासी खेरी के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र परमेश्वरीदयाल जैन, लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी राजपुर के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र कालिदास जैन, बड़ी छपैटी फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आलमपुर के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, चन्द्रप्रभु मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। सात लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मूल निवासी रीवाँ के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र बैजनाथ जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, चन्द्रप्रभु मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी तखावन के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित हैं तथा शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी टाटगढ़ के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र भोगीलाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी खैरगढ़ (मैनपुरी) के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र बादशाहमल जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमती जी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी नाहरपुर के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र धूरीलाल जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी राजमल के हैं।

नैनपाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

पट्टूमल जैन सुपुत्र रामस्वरूपदास जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़

रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी जौंधरी के हैं।

पन्नालाल जैन 'सरल' सुपुत्र बाबूलाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी गढ़ी हंसराम के हैं।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कुशवा के हैं।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

पारसदास जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक साला अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

पुन्नूलाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कौरारा के हैं।

पुष्पेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े के व्यवसायी हैं। मूल निवासी जारखी के हैं।

प्रकाशचन्द जैन सुपुत्र हरप्रसाद जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी मदान के हैं।

प्रकाशचन्द्र जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, घेर खोखल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

प्रकाशचन्द्र जैन सुपुत्र खजाञ्चीलाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी रुदऊ के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र होतीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी बाबरपुर के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र शाहकुमार जैन, मुहल्ला चन्द्रप्रभु फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी घाटमपुर के हैं।

पंचमलाल जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी पमारी के हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और चूड़ियों की दुकान करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के ही हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र जमुनादास जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जिनावली (एटा) के हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, मुहल्ला दुली फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र अयोध्याप्रसाद जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवारी इसौली (एटा) के हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एच० एम० डी० तक शिक्षित हैं और डाक्टरी करते हैं। मूल निवासी बल्टीगढ़ (मैनपुरी) के हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र बोहरेलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रैंमजा (आगरा) के हैं।

बनवारीलाल जैन सुपुत्र रेवतीलाल जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी रिजावली के हैं।

बलभद्रप्रसाद जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी खदऊ (मैनपुरी) के हैं।

बहोरीलाल जैन सुपुत्र अजुध्याप्रसाद जैन, चौक गेट फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख हाई स्कूल तक शिक्षित हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, मुहल्ला दुली फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी राजाकाताल के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र दुर्गादास जैन, गली लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

बालमुकुन्द जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी नूरमहल की सराय (आगरा) के हैं।

बुद्धसैन सुपुत्र जयन्तीप्रसाद जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य

हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

बुद्धसैन जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी गौंछ के हैं।

बुद्धसैन जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी राजाकाताल के हैं।

बोहरेलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी पचोखरा के हैं।

बृजकिशोर जैन सुपुत्र उमरावलाल जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कोटला के हैं।

बृन्दावनदास जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, चन्द्रप्रभु मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सराय के हैं।

भगवतीप्रसाद सुपुत्र हरप्रसाद जैन, मुहल्ला लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हाईस्कूल तक शिक्षित हैं। मूल निवासी नगला सिकन्दर के हैं।

भगवानदास जैन सुपुत्र मुकन्दीलाल जैन, महावीरनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में

शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी थरौआ के हैं।

मन्नीलाल जैन सुपुत्र खूबचन्द जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

भागचन्द जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जटई के हैं।

भागचन्द जैन सुपुत्र केवलराम जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

भानुकुमार जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। सात लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

भानुकुमार जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी उलाऊ के हैं।

भामण्डलदास जैन सुपुत्र लालाराम जैन, मुहल्ला चन्द्रप्रभु फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। छ लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सोमना के हैं।

भामण्डलदास जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त

कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और साबुन का कार्य करते हैं। मूल निवासी आलमपुर के हैं।

भामण्डलदास जैन सुपुत्र ज्वालाप्रसाद जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी हरिगढ़ी के हैं।

भूदेवी जैन धर्मपत्नी लक्ष्मीनरायण जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

मटरूमल जैन सुपुत्र उल्फतराय जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी जौंधरी के हैं।

मनीराम जैन सुपुत्र साहूलाल जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। सात लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

मनोहरलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी ललीपुर के हैं।

मनोहरलाल जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और साधारण शिक्षित हैं। व्यापार करते हैं। मूल निवासी पिलुआ के हैं।

मनोहरलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, हनुमान गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी अवागढ़ के हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र महीपाल जैन, घेर खोखल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी उलाऊ के हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र नन्दराम पाण्डेय जैन, घेर खोखल फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

महीपाल जैन सुपुत्र झम्मनलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी पचोखरा के हैं।

महेन्द्रपाल जैन सुपुत्र नन्नेमल जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। आठ लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी भैंसा के हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र कुंजबिहारीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी जटौआ (आगरा) के हैं।

भानपाल जैन सुपुत्र इन्द्रपाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी कुरगमां के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र जम्बूप्रसाद जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रही हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी खेरगढ़ के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र राजनलाल जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी नगलाख्याली के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र सन्तकुमार जैन, लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी थरौआ (मैनपुरी) के हैं।

मानिकचन्द जैन, लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी सिकरा के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, हनुमान गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी रैंमजा के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कुरिगमा (आगरा) के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र बंगालीलाल जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा सोलह स्त्री वर्ग में कुल चौबीस सदस्य हैं। एक लड़का तथा आठ लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० एम० सी० तक शिक्षित है और मिलिट्री में लैफ्टीनेण्ट हैं। मूल निवासी कोटला के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र हेतसिंह जैन, हनुमानगंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख न्यायाचार्य की उपाधि प्राप्त है। मूल निवासी चावली के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, हनुमान गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी जटौवा (आगरा) के हैं।

मुकन्दीलाल जैन सुपुत्र द्वारिकाप्रसाद जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन अकेले ही हैं और साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के ही हैं।

मुन्नीलाल जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के ही हैं।

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की बाल्यावस्था में हैं। मूल निवासी नगला सिकन्दर (आगरा) के हैं।

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र पं० पन्नालाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी हैं। यह सज्जन शास्त्री तक शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र जयलाल जैन, महावीरनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मूल निवासी बल्टीग के हैं।

मुन्शीलाल जैन, नई बस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी शिकतरां के हैं।

मूलचन्द जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सिखरा के हैं।

मोतीमाला धर्मपत्नी बाबूराम जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन सदस्य स्त्री वर्ग में से हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। इसी परिवार से सम्बन्धित श्री द्रोपदीदेवी जैन हैं यह महिला स्वर्गीय श्री पन्नालाल जैन की धर्मपत्नी हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में से हैं। यह परिवार मूल निवासी जारखी का है।

मोतीलाल जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं।

मोहनलाल जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, हनुमानगंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवारमें एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़कियाँ शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी अहारन के हैं।

मोहनलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी कल्यानगढ़ी के हैं।

मोहनलाल पाण्डेय जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, घेर खोखल फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का बी० कॉम में पढ़ रहा है और अविवाहित है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

मंगलसैन सुपुत्र मुन्शीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और खोमचे का कार्य करते हैं मूल निवासी जारखी के हैं।

मंजूलाल जैन सुपुत्र जीवराम जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। चार लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और रंग-रोगन की दुकान करते हैं।

यतीन्द्रकुमार जैन सुपुत्र किरोड़ीमल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी पमारी के हैं।

यतीन्द्रकुमार जैन सुपुत्र जीयालाल जैन, हनुमानगंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी बसई के हैं।

यतीशचन्द जैन सुपुत्र तोताराम जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी पुनहरा (एटा) के हैं।

रघुनाथप्रसाद जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

रघुवरदयाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा बारह स्त्री वर्ग में कुल बाईस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा सात लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गोटे का व्यापार करते हैं।

रघुवरदयाल जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, चौकगेट फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं एक इण्टरमें तथा दूसरा प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

रघुवरदयाल जैन सुपुत्र लाहोरीमल जैन, जलसेर रोड फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी राजमल के हैं।

रघुवीरप्रसाद जैन सुपुत्र भागचन्द जैन, घेर खोखल फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

रघुवंशीलाल जैन सुपुत्र रेवतीलाल जैन, महावीरनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी रामपुर (मैनपुरी) के हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र सम्पतलाल जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रीवाँ के हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, कोटला मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जौंधरी के हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की बाल्यावस्था में हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी महाराजपुर (आगरा) के हैं।

रविचन्द जैन सुपुत्र भोगीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी खैरगढ़ (मैनपुरी) के हैं।

राजकिशोर जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, हनुमानगंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी पचमान के हैं।

राजकिशोर जैन सुपुत्र रामप्रसाद जैन, चौकी गेट फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

राजकिशोर जैन सुपुत्र सुखलाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र गोवर्धनदास जैन, हनुमानगंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी चमकरी के हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी रैंमजा के हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी महाराजपुर के हैं।

राजनलाल जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी जौंधरी के हैं।

राजनलाल जैन सुपुत्र किशोरीलाल जैन, महावीरनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख खोमचा लगाते हैं। मूल निवासी टूण्डला के हैं।

राजनलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, घेर खोखल फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा चूड़ियाँ का व्यापार करते हैं।

राजनलाल जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और मुनीम हैं। मूल निवासी सरनऊ (एटा) के हैं।

राजबहादुर जैन सुपुत्र खूबचन्द जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

राजबहादुर जैन सुपुत्र बखेड़ीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की बाल्यावस्था में हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इण्टर पास हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सराय-नूर महल के हैं।

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र पण्डित लालाराम जैन, लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हाईस्कूल तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी चावली (आगरा) के हैं

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सकरौली के हैं।

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी ही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी आलमपुर के हैं।

राजेन्द्रपाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, जैनमन्दिर के पास सदर बाजार फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हाईस्कूल तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

राजेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र रामदास जैन, छोटी छपेटी फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कोरारा के हैं।

राधामोहन जैन सुपुत्र खूबचन्द जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

रामकटोरी जैन धर्मपत्नी गंगाप्रसाद जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

रामचन्द्र जैन सुपुत्र गोकुलचन्द जैन, हनुमान गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी नगला सिकन्दर के हैं।

रामदास जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कौरारा के हैं।

रामप्रकाश जैन सुपुत्र चिरौंजीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवसी कायथा (एटा) के हैं।

रामप्रताप जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० कॉम तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। आठ लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी एलई के हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, कटरा सुनारान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी एका (मैनपुरी) के हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र ज्वालाप्रसाद जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी खेरी के हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

रामशरणदास जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं और पंसारट की दुकान करते हैं।

रामादेवी जैन धर्मपत्नी हुब्बलाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह श्रीमतीजी अकेली ही हैं।

रामेश्वरदयाल जैन सुपुत्र सम्पतलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमतीजी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी रीवाँ के हैं।

लखपतराय जैन सुपुत्र उत्तमचन्द जैन, रामलीला मैदान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कोटला के हैं।

लड़ैतीदेवी जैन धर्मपत्नी मुंशीलाल जैन, चौक गेट फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह महिला अकेली ही है। पैकिंग आदि का कार्य करती हैं।

लालकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

लालचन्द जैन सुपुत्र प्रभुदयाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। इण्टर तक शिक्षित हैं। मूल निवासी देवखेरा के हैं।

बतासोदेवी जैन धर्मपत्नी मौजीराम जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह महिला और इनकी विधवा पुत्री हैं। दोनों सिलाई का कार्य करती हैं।

वासुदेवप्रसाद जैन सुपुत्र उल्फतराय जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षा प्राप्त हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी जौंधरी के हैं।

विजयकुमार जैन सुपुत्र गुरुदयाल जैन, गली लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के जिनमें से एक ग्रेजुएट है और एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी शिकावतपुर के हैं।

विजयकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी मौंडेला के हैं।

विजयकुमार जैन सुपुत्र हरमुखराय जैन, हनुमानगंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद के हैं।

विजयभान जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, जलेसर रोड़ फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी सिरसागंज के हैं।

विजयभान जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख व्यापार व्यवसाय करते हैं।

विदनबाबू जैन सुपुत्र सेठलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भरथरा (एटा) के हैं।
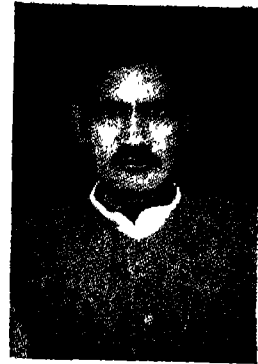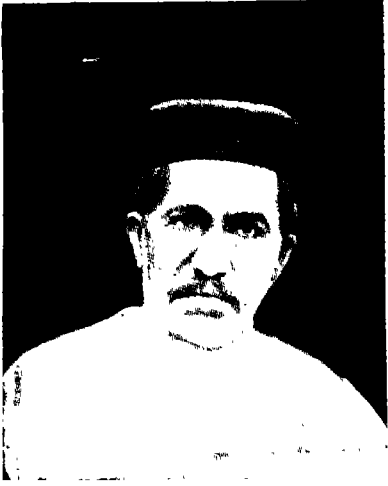
श्री मुन्शी हरदेवप्रसादजी जैन रईस
जलेसर
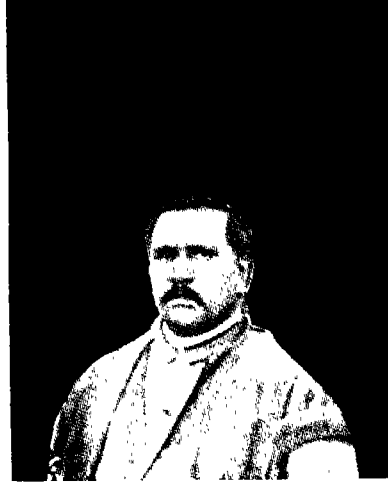
श्री बा० बनारसीदासजी जैन, बी.ए.वकील
जलेसर

रायसाहेब श्री बा० नेमीचन्द जी जैन
जलेसर

बिनयकुमार जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, मुहल्ला चन्द्रप्रभु फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख इण्टरमीडिएट तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी मझराऊ के हैं।

विनोदीलाल जैन सुपुत्र ब्रजवासीलाल जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी उमरगढ़ (एटा) के हैं।

विनोदीलाल जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बल्टीगढ़ (मैनपुरी) के हैं।

विश्वम्भरदयाल जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी महाराजपुर (आगरा) के हैं।

वीरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र अमोलकचन्द जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुछ छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

वीरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र श्रीसैन जैन, महावीरनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में इनके साथ इनका भाई है। दोनों अविवाहित हैं और विद्याध्ययन कर रहे हैं। मूल निवासी सरकरी के हैं।

वीरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी पचवान के हैं।

बंगालीलाल जैन सुपुत्र फौजदार जैन, घेर खोखल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं।

दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी देवखेड़ा के हैं।

बंगालीलाल जैन सुपुत्र पातीराम जैन, हनुमानगंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी एलई के हैं।

बंगालीदास जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी पैडत के हैं।

क्षेत्रपाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, मुहल्ला चन्द्रप्रभु फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी एका (मैनपुरी) के हैं।

त्रिलोकचन्द जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, चौकगेट फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

ज्ञानचन्द जैन सुपुत्र लालाराम जैन, मुहल्ला दुली फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी पाढ़म (मैनपुरी) के हैं।

ज्ञानचन्द जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सकरौली के हैं।

सतीशचन्द जैन सुपुत्र खेतप्रकाश जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सरकरी के हैं।

श्यामबाबू जैन सुपुत्र रतनचन्द पाण्डे जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हाई स्कूल तक शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

श्यामबाबू जैन सुपुत्र दुर्गाप्रसाद जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

श्यामलाल जैन सुपुत्र अनन्तराम जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी छिकाऊ के हैं।

श्यामसुन्दरलाल जैन सुपुत्र ओंकारप्रसाद जैन, कृष्णापाड़ा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यव-साय करते हैं। मूल निवासी गौंछ के हैं।

शान्तिप्रसाद जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख आई० कॉम तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं ! मूल निवासी महाराजपुर (आगरा) के हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में इनके साथ इनकी धर्मपत्नी हैं। केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रैंमजा के हैं।

शान्तिस्वरूप जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं।

एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सरायनूरमहल के हैं।

शान्तिस्वरूप जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी आलमपुर के हैं।

साहूलाल जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी इसौली के हैं।

शिखरचन्द जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, महावीरनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी नगला स्वरूप के हैं।

श्योप्रसाद जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, चन्द्रप्रभु मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी अवागढ़ के हैं।

श्रीदेवी जैन धर्मपत्नी सन्तकुमार जैन, लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख व्यापार करते हैं। मूल निवासी थरौआ (मैनपुरी) के हैं।

श्रीमतीदेवी जैन धर्मपत्नी रामप्रसाद जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवार मूल निवासी जटऊआ (आगरा) का है।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं।

एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवार मूल निवासी राजमल (एटा) के हैं।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र गजाधरप्रसाद जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़की शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं, और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी भैंसा का है।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र बैनीराम पाण्डे जैन, घेर खोखल फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं।

श्रीपाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, घेर खोखल फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

श्रीप्रकाश जैन सुपुत्र कस्तूरचन्द जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में इनके साथ इनकी धर्मपत्नी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी राजमल के हैं।

श्रीमन्दरदास जैन सुपुत्र गुलाबचन्द जैन, कटरा सुनारान फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी राजमल के हैं।

श्रीराम जैन सुपुत्र रिषभदास जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रैंमजा के हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र मगनबिहारीलाल जैन, लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। यह परिवार मूल निवासी मोंमदी का हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र भगत बिहारीलाल जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी मोंमदी के हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी उसायनी के हैं।

सन्नूमल जैन सुपुत्र मनोहरलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह और इनके भाई केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी नैपई (आगरा) के हैं।

सम्पतराम जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख खोंमचे का कार्य करते हैं। मूल निवासी कोरारा के हैं।

सरस्वतीबाई जैन धर्मपत्नी मक्खनलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवार मूल निवासी सेमरा (आगरा) का है।

सरूपचन्द जैन सुपुत्र बोहरेलाल जैन, हनुमान गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी रीवां (मैनपुरी) के हैं।

सादीलाल जैन सुपुत्र रघुवीरप्रसाद जैन, हनुमान गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी उसाइनी के हैं।

साहूकार जैन सुपुत्र खुन्नूलाल जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षा प्राप्त हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सरायजैराम के हैं।

साहूकार जैन सुपुत्र मथुराप्रसाद जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं।

एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी जाटऊ के हैं।

साहूकुमार जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी दौहो के हैं।

सीताराम जैन सुपुत्र सन्तलाल जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा सात लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के ही हैं।

सुखदेवप्रसाद जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, हनुमानगंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रैंमजा के हैं।

सुखनन्दनलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जरानीकलाँ (एटा) के हैं।

सुखलाल जैन सुपुत्र तिवारीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्राफा का कार्य करते हैं। मूल निवासी राजाकाताल के हैं।

सुखवरदयाल जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, हनुमान गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रीवाँ के हैं।

सुगनचन्द जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं।

दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

सुदर्शनलाल जैन सुपुत्र सन्तलाल जैन, फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० एल० एल० बी० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी राजाकाताल के हैं।

सुदर्शनलाल जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र राजाराम जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एल० एल० बी० तक शिक्षित हैं और वकालत करते हैं। मूल निवासी रैंमजा के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र पोद्दार जैन, लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी देवखेड़ा के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र विश्वम्भरदयाल जैन, लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के ही हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र रघुनन्दनप्रसाद जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी अमिलिया के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और बी० कॉम है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी जाटऊ के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, मुहल्ला दुली फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी इसौली के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, चन्द्रप्रभु मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कुशवा (एटा) के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र श्रीगोपाल जैन, मुहल्ला चन्द्रप्रभु फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी नैपई (आगरा) के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी पिलकतर (मैनपुरी) के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी पचोखरा के हैं।

सुमतप्रसाद जैन सुपुत्र नेकराम जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। पाँच लड़के विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

सुमतिप्रकाश जैन सुपुत्र नन्दनलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़की शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी रीवाँ (मैनपुरी) के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और मुनीमी करते हैं। मूल निवासी आलमपुर के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र सन्तलाल जैन, गली लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख ग्रेजुएट हैं तथा व्यापार करते हैं। मूल निवासी नगला सिकन्दर के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी इमलिया (एटा) के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र जयदेव जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी पिलखतर के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र किशनलाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख व्यापार करते हैं। मूल निवासी देवखेड़ा के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र तोताराम जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं।

तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी पुनहरा (एटा) के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र लालाराम जैन, चन्द्रवार गेट फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख शास्त्री एवं साहित्याचार्य तक शिक्षित हैं और 'दैनिक लोकमित्र' के सम्पादक हैं। मूल निवासी नगला स्वरूप के हैं।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी इसौली के हैं।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र उग्रसैन जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। इण्टर तक शिक्षित हैं और अविवाहित हैं। आयु अठारह वर्ष है तथा व्यापार करते हैं। मूल निवासी जरानी के हैं।

सुरेशचन्द्र सुपुत्र नेमीचन्द जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी रिजावली के हैं।

सुरेशचन्द जैन सुपुत्र राजनलाल जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हाईस्कूल तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सरनऊ के हैं।

सूरजपाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सरायजैराम के हैं।

सेतीलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, मुहल्ला दुली फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी खाँड़ा (आगरा) के हैं।

सौनपाल जैन सुपुत्र धूरीलाल जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी राजाकाताल के हैं।

सोमप्रकाश जैन सुपुत्र राजबहादुर जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद के हैं।

सोमश्री जैन धर्मपत्नी हरमुखदयाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवार मूल निवासी सकरौली (एटा) का है।

सन्तकुमार जैन सुपुत्र रामचन्द जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी धनौगाँव के हैं।

सन्तकुमार जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी इमलिया के हैं।

हजारीलाल जैन सुपुत्र सोनपाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जौंधरी के हैं।

हजारीलाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० ए०, एल-एल० बी०, साहित्य विशारद तक शिक्षित हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के ही हैं।

हजारीलाल जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं।

चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कुरगा के हैं।

हरमुखराय जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

हरमुखराय जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी चावली (आगरा) के हैं।

हरीशचन्द्र जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, हनुमान गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की बाल्यावस्था में है। यह परिवार सिकरा का मूल निवासी है।

हरिशंकर जैन सुपुत्र रामदुलारे जैन, मुहल्ला चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी उसायनी के हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी उमरगढ़ के हैं।

हुब्बलाल जैन सुपुत्र दुर्गाप्रसाद जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं।

पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी एका के हैं।

गाँव-बड़ागाँव (आगरा)

छदामीलाल जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, बड़ागाँव (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यवसाय करते हैं।

छदामीलाल जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, बड़ागाँव (आगरा)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी बड़ागाँव के ही हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, बड़ागाँव (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कक्षा पाँच तक शिक्षित हैं और गल्ले की दुकान करते हैं। मूल निवासो बड़ागाँव के ही हैं।

गाँव-भदावली (आगरा)

जवाहरलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, भदावली (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

पारसदास जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, भदावली (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

लखमीचन्द जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, भदावली (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

गाँव-भरसलगंज (आगरा)

महिपाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, श्री० दि० जैन मन्दिर भरसलगंज (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कल्यानगढ़ी के हैं।

गाँव-भरसैना (आगरा)

छदामीलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, भरसैना (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भरसैना के ही हैं।

जीयालाल जैन सुपुत्र ठाकुरदास जैन, भरसैना (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

दम्मीलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, भरसैना (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भरसैना के हैं।

भौंदामल जैन सुपुत्र तोताराम जैन, भरसैना (आगरा)

इस परिवार में चार सदस्य पुरुष वर्ग में से हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जन, भरसैना (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र सेतीलाल जन, भरसैना (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

लालाराम जैन सुपुत्र रतनलाल जैन, भरसैना (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

गाँव-भौंडला (आगरा)

दरबारीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, भौण्डला (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

प्रेमचन्द जैन वैद्य सुपुत्र पन्नालाल जन, भौण्डला (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, भौंडला (आगरा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। सात लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-महाराजपुर (आगरा)

चन्द्रसैन जैन सुपुत्र लालाराम जैन, महाराजपुर (आगरा)

इस परिवार में इनके साथ इनका एक भाई और है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

प्रंचमलाल जैन सुपुत्र सौनपाल जैन, महाराजपुर (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और वैद्यगिरी करते हैं।

गाँव-मुहम्मदाबाद (आगरा)

कालीचरण जैन सुपुत्र हरदयाल जैन, मुहम्मदाबाद (आगरा)

इस परिवार में इनके साथ इनकी धर्मपत्नी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी फफोतू (एटा) के हैं।

छोटेलाल जैन सुपुत्र मुन्शीलाल जैन, मुहम्मदाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में

शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी मुहम्मदाबाद के ही हैं।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, मुहम्मदाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। और व्यापार करते हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र सम्पतलाल जैन, मुहम्मदाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और परचून की दुकान करते हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, मुहम्मदाबाद (आगरा)

इस परिवार में इनके साथ इनकी धर्मपत्नी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी मुहम्मदाबाद के ही हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, चौराहा टूण्डला मुहम्मदाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और डॉक्टरी करते हैं।

गाँव-मोंमदी (आगरा)

उग्रसैन जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, मोंमदी (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं इनमें एक लड़का बी० ए० में तथा दो अन्य प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

बंगालीलाल जैन सुपुत्र रघुनाथदास जैन, मोंमदी (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र बनवारीलाल जैन, मोंमदी (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र पीताम्बरदास जैन, मोंमदी (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

राजनलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, मोंमदी (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

लखपतराय जैन सुपुत्र जयकुमार जैन, मोंमदी (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

सेतीलाल जैन सुपुत्र मगनबिहारीलाल जैन, मोंमदी (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी हैं। परिवार प्रमुख कृषिकाय करते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, मोंमदी (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। छ लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-राजपुर (आगरा)

प्रेमचन्द पाण्डेय जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, राजपुर (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। और साधारण शिक्षित हैं। किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी राजपुर के ही हैं।

साहूकार जैन सुपुत्र सरनामसिंह जन, राजपुर (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी राजपुर के ही हैं।

सूरजभान जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, राजपुर (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी राजपुर के ही हैं।

गाँव-राजाकाताल (आगरा)

गुरुदयाल जैन सुपुत्र श्री कस्तूरीलाल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षा प्राप्त हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

देवकुमार जैन सुपुत्र सराफीलाल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

पातीराम जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

बद्रीप्रसाद जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

बनवारीलाल जैन सुपुत्र लालाराम जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

बुद्धसैन जैन सुपुत्र बंगालीलाल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख जैन शास्त्री हैं और कपड़े का व्यव-साय करते हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र सुखदेवदास जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य

हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं मे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र तिवारीलाल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। और कपड़े का व्यवसाय करते हैं।

विजयनन्दन जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

विजयकुमार जैन सुपुत्र नन्नूमल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सिलाई का कार्य करते हैं।

साहूलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा पन्द्रह स्त्री वर्ग में कुल सत्ताईस सदस्य हैं। सात लड़के तथा नौ लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं

गाँव-रैपुरा (आगरा)

अमृतलाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, रैपुरा (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। छ लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-लतीपुर (आगरा)

घमण्डीलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, लतीपुर (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

मनोहरलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, लतीपुर (आगरा)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, लतीपुर (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

गाँव-बरहन (आगरा)

अमीरचन्द जैन सुपुत्र झुन्नीलाल जैन, बरहन (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी नगला छबीली के हैं।

उल्फतराय जैन सुपुत्र तोताराम जैन, बरहन (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी नगलाछबीली के हैं।

कपूरचन्द जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, बरहन (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

केदारनाथ जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, बरहन (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

कृष्णकुमार जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, बरहन (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० एस० सी०, एल० टी० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

गुलजारीलाल जैन सुपुत्र लालाराम जैन, बरहन (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं।

गौरीशंकर जैन सुपुत्र जानकीप्रसाद जैन, बरहन (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

छदामीलाल जैन सुपुत्र भवानीप्रसाद जैन, बरहन (आगरा)

इनके साथ इनकी एक सुपुत्री है। इस परिवार में यह केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

जयन्तीप्रसाद जैन सुपुत्र मानिकचन्द जैन, बरहन (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० एस० सी०, ए० जी० तक शिक्षित हैं और कालेज में अध्यापक हैं।

जुगलकिशोर जैन सुपुत्र कल्याणदास जैन, बरहन (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख संस्कृत में शिक्षित हैं और लोहे का व्यापार करते हैं।

पद्मचन्द जैन सुपुत्र गौरीशंकर जैन, वरहन (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षित हैं और क्लौथ मर्चेण्ट्स हैं।

प्रेमशंकर जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, वरहन (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० एल० टी० तक शिक्षित हैं और कालेज में अध्यापक हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र टीकाराम जैन, वरहन (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी नगलाछबीली के हैं।

बालमुकुन्द जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, वरहन (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

मास्टर बाबू जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, वरहन (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, वरहन (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

लखपतराय जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, वरहन (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। छ लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा

प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बरहन के ही हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, बरहन (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बूरा-बतासा आदि की दुकान करते हैं। मूल निवासी जौंधरी के हैं।

गाँव-बसई (आगरा)

कालीचरण जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, बसई (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी बसई के हैं।

जियालाल जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, बसई (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी बरई (एटा) के हैं।

धन्यकुमार जैन सुपुत्र वासुदेवसहाय जैन, बसई (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बसई के ही हैं।

मेघकुमार जैन सुपुत्र लक्ष्मीनारायण जैन, बसई (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी बसई के हैं।

गाँव-बासरिसाल (आगरा)

गुलाबचन्द जैन सुपुत्र मुन्शीलाल जैन, बासरिसाल सैमरा (आगरा)

इस परिवार में यह और इनकी बहिन दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी बासरिसाल के ही हैं।

ब्र० श्री सुरेन्द्रनाथजी जैन, ईसरी [बिहार]

स्व० श्री नरेन्द्रनाथजी जैन, कलकत्ता

स्व० श्री वासुदेवप्रसादजी जैन रईस, टूण्डला

स्व० श्री गजाधरलालजी जैन शास्त्री, कलकत्ता

नेमीचन्द जैन सुपुत्र मोहनलाल जैन, बासरिसाल (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी बासरिसाल के ही हैं।

भागचन्द (करनसिंह) सुपुत्र भूपाल जैन, बासरिसाल (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बासरिसाल के ही हैं।

सेमीचन्द जैन सुपुत्र मनोहरलाल जैन, बासरिसाल (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी बासरिसाल के ही हैं।

गाँव-बाघई (आगरा)

लालाराम जैन, बाघई (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-बुर्जखंजर (आगरा)

मुंशीलाल जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, बुर्जखंजर (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

गाँव-सखावतपुर (आगरा)

नन्नूमल जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, सखावतपुर (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, सखावतपुर (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

रामदयाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, सखावतपुर (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त करते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं।

सुखलाल जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, सखावतपुर (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-सरायजैराम (आगरा)

अजितप्रकाश जैन सुपुत्र भागचन्द जैन, सरायजैराम (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख हाईस्कूल तक शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

उल्फतराय जैन सुपुत्र रामलाल जैन, सरायजैराम (आगरा)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। आठ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कृषिकार्य करते हैं।

खेमराज जैन सुपुत्र सौनपाल जैन, सरायजैराम (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

चन्द्रसैन जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, सरायजैराम (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

द्वारकाप्रसाद जैन सुपुत्र लालाराम जैन, सरायजैराम (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

नत्थीलाल जैन सुपुत्र श्री मथुराप्रसाद जैन, सरायजैराम (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

मनोहरलाल जैन सुपुत्र रघुनाथप्रसाद जैन, सरायजैराम (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र रामलाल जैन, सरायजैराम (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

लखपतराय जैन सुपुत्र तुलसीराम जैन, सरायजैराम (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा ग्यारह स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। चार लड़के तथा आठ लड़की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र खुन्नीलाल जैन, सरायजैराम (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा ग्यारह स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। चार लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

सुखमाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, सरायजैराम (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं तथा कालेज में सर्विस करते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र वृद्धिचन्द्र जैन, सरायजैराम (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-सरायनूरमहल (आगरा)

दुलीचन्द जैन सुपुत्र भिकारीदास जैन, सरायनूरमहल (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

बुद्धसैन जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, सरायनूरमहल (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र झंडूलाल जैन, सरायनूरमहल (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

रामसिंह जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, सरायनूरमहल (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

गाँव-सिमतरा (आगरा)

मूलचन्द जैन सुपुत्र वैलीराम जैन, सिमतरा (आगरा)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

गाँव-सेखपुरा (आगरा)

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, सेखपुरा (आगरा)

इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार तथा कृषिकार्य करते हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, सेखपुरा (आगरा)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र सोनपाल जैन, सेखपुरा (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-सैमरा (आगरा)

खुशीलाल जैन सुपुत्र सालिगराम जैन, सैमरा (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी सैमरा के ही हैं।

घमण्डीलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, सैमरा (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सैमरा के ही हैं।

जयचन्द जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, सैमरा (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख आयुर्वेद भिषग् तक शिक्षित हैं और वैद्यक करते हैं। मूल निवासी सैमरा के ही हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र जगराम जैन, सैमरा, (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी सैमरा (आगरा) के ही हैं।

पन्नालाल जैन सुपुत्र दौलतराम जैन, सैमरा (आगरा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सैमरा के ही हैं।

परसादीलाल जैन सुपुत्र सरनामसिंह जैन, सैमरा (आगरा)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सैमरा के ही हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र कपूरचन्द जैन, सैमरा (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और चिकित्सा करते हैं।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, सैमरा (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी सैमरा के ही हैं।

लक्ष्मणप्रसाद जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, सैमरा (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी सैमरा (आगरा) के हैं।

लालाराम जैन सुपुत्र तोताराम जैन, सैमरा (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी सैमरा के ही हैं।

विदनलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, सैमरा (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सैमरा के हैं।

सराफीलाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, सैमरा (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी सैमरा के ही हैं।

साहूकार जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, सैमरा (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी सैमरा के ही हैं।

श्रीपाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, सैमरा (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सैमरा के ही हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र दौलतराम जैन, सैमरा (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सैमरा के हैं।

गाँव-हिम्मतपुर (आगरा)

छोटेलाल जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, हिम्मतपुर (आगरा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। छ लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी हिम्मतपुर के ही हैं।

राजकिशोर जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, हिम्मतपुर (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का कार्य करते हैं। मूल निवासी हिम्मतपुर के ही हैं।

राजनलाल जैन सुपुत्र सुन्दरशाह जैन, हिम्मतपुर (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं।

शिखरचन्द जैन सुपुत्र बैनीराम जैन, हिम्मतपुर (आगरा)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित है और मिठाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी हिम्मतपुर के ही हैं।

●

जिला इटावा

नगर-इटावा

मानिकचन्द जैन सुपुत्र जानकीप्रसाद जैन, स्टेशन बाजार इटावा (इटावा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में और नौ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। छ लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते हैं।

राजनलाल जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, रेलवे स्टेशन इटावा (इटावा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में और चार स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी जौंधरी (आगरा) के हैं।

सुमतिचन्द जैन सुपुत्र नरसिंहदास जैन, जी० आई० सी० इटावा (इटावा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में और तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए० पी० एच-डी० हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी चावली (आगरा) के हैं।

गाँव-फफूंद, (इटावा)

परशादीलाल जैन सुपुत्र पूसेमल जैन, फफूंद स्टेशन, पो० दिबिआपुर (इटावा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में और तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और स्टेशन पर मिठाई का व्यापार करते हैं।

●

जिला इलाहाबाद

नगर-इलाहाबाद

गोपालदास जैन सुपुत्र सूरजमल जैन, जीरो रोड इलाहाबाद (इलाहाबाद)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी में है और स्टेशनरी का व्यापार है। मूल निवासी सरायनीम के हैं।

जगदीशचन्द्र जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, नं० ४३७ मनफोर्डगंज, इलाहाबाद (इलाहाबाद)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी अँग्रेजी पढ़े हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी खैरगढ़ (आगरा) के हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र टीकाराम जैन, ४१४ बादशाही मंडी इलाहाबाद (इलाहाबाद)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी-अंग्रेजी पढ़े हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी खैरगढ़ (आगरा) के हैं।

●

जिला एटा

गाँव-अवागढ़

अजितकुमार जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में और सात स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़की अविवाहित हैं। पारिवारिक शिक्षा हिन्दी में है और कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी पचमान (आगरा) के हैं।

इन्द्रवती जैन पत्नी स्व० ला० मूलचन्द जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी है। मूल निवासी पिलखतर के हैं।

ऋषभकुमार जैन सुपुत्र सुनहरीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख इण्टर पास हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी बावसा के हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण है और किराने आदि का व्यापार करते हैं। मूल निवासी गंजदुबारा के हैं।

कमलकुमार जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पारिवारिक शिक्षा हिन्दी और किराने का व्यापार है। मूल निवासी कोटकी (आगरा) के हैं।

कमलाश्री जैन धर्मपत्नी स्व० राजकुमार जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में स्वयं आप ही हैं और विधवा हैं।

करोड़ीमल जैन सुपुत्र लाहौरीमल जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी में है और व्यापार करते हैं।

खुन्नीलाल जैन सुपुत्र सरदारीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

खैनप्रसाद जैन सुपुत्र खुन्नीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी सरकरी (एटा) के हैं।

चन्द्रसेन जैन सुपुत्र सरदारीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

चन्द्रसेन जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्गमें कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा साधारण और पेशा व्यापार है।

चन्द्रप्रकाश जैन सुपुत्र बालकिशन जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और वस्त्र व्यवसायी हैं। एक लड़की बी० ए० और एक दसमी में है।

जगदीशप्रसाद जैन सुपुत्र ललाराम जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है।

जगदीशप्रसाद जैन सुपुत्र जयन्तीप्रसाद जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

जयन्तीप्रसाद जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

जयन्तीप्रसाद जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

देवकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है।

धन्यकुमार जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी-इंग्लिश पढ़े हैं और सराफे का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कोटकी (आगरा) के हैं।

धर्मप्रकाश जैन सुपुत्र बालकिशन जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं।

एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री, साहित्यरत्न हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं।

नन्नूमल जैन सुपुत्र जयदयाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा किराना का व्यापार है।

नेमचन्द जैन सुपुत्र कृपाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और कैमिस्ट्री का कार्य करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

पुष्पेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और इंजन का काम करते हैं।

प्रथमकुमार जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी मरथरा के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र लाहौरीमल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और घी का व्यापार है। मूल निवासी तिखातर के हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इन्टर हैं और व्यापार करते हैं।

बालकिशन जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और वर्तनों का व्यापार है।

बालचन्द जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इन्टर पास हैं और केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी जारखी के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र रूपराम जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार साहूकारी, कपड़ा और मकान भाड़ा है। मूल निवासी थरौआ के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र सन्तलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

बुद्धसेन जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दो और पेशा हलवाईगिरी का है।

बैजनाथ जैन सुपुत्र उमरावलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी सराना के हैं।

बंगालीमल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा घी का व्यापार है।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी इंग्लिश है और पेशा कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी कोटकी (आगरा) के हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र शिवदयाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख व्याकरण और इंग्लिश पढ़े हैं और अध्यापन कार्य करते हैं। मूल निवासी वेरनी के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में केवल एक सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराने का व्यापार है।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र सेवतीराम जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी गएेथू के हैं।

मूलचन्द जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है। मूल निवासी कोटकी (आगरा) के हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र रामदयाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

रमेशचन्द्र जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए० हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

राजकिशोर जैन सुपुत्र सियालाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

राजकिशोर जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र उल्फतराय जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। एक पुत्र इण्टर पास है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी थरौवा (मैनपुरी) के हैं।

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र सरदारीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र डालचन्द जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। दो लड़के तथा सात लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार (अत्तार और जनरल मर्चेन्ट) है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र हरमुखराय जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

लक्ष्मीधर जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। तीसरी कक्षा से लेकर मिडिल तक सब लड़के पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी इंग्लिश पढ़े हैं और व्यापार तथा जमींदारी का कार्य करते हैं। मूल निवासी कोटकी (आगरा) के हैं।

सन्तकुमार जैन सुपुत्र गुरदयाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और साइकिल रिपेयरिंग का व्यवसाय है।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी वरहन के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी जारखी के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी दोषपुर के हैं।

शान्तिस्वरूप जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा ऐंजिन का है।

सुशीलकुमार जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है।

शिवप्रसाद जैन दत्तक पुत्र बाबूराम जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के अविवाहित हैं। एक लड़का बी० ए० और एक कक्षा दसवीं में है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी मरसैना के हैं।

श्रवणकुमार जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का बी० ए० और हिन्दी पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और दुकानदारी का कार्य करते हैं।

श्रवणकुमार जैन सुपुत्र रामकुमार जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुछ दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यवसाय है।

गाँव-इमलिया (एटा)

चन्द्रसेन जैन सुपुत्र तालेवरदास जैन, इमलिया (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

जयस्वरूप जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, इमलिया (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। पारिवारिक शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख स्वयं नारमल पास हैं। अध्यापन का कार्य करते हैं और कृषिकार्य करते हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, इमलिया (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

महेन्द्रपाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, इमलिया (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कृषिकार्य का है।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र रघुनाथदास जैन, इमलिया (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-इसौली (एटा)

अभयकुमार जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, इसौली (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का और तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी उमरगढ़ के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, इसौली (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी उमरगढ़ के हैं।

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र अयोध्याप्रसाद जैन, इसौली (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

साहूकाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, इसौली (एटा)
इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। आठ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। कुछ लड़के बी० ए० और इण्टर तथा हाईस्कूल पास हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सोमप्रकाश जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, इसौली (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी है।

गाँव-उमरगढ़ (एटा)

आसकरनलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, उमरगढ़ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

आशकरण जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, उमरगढ़ (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

किशनलाल जैन सुपुत्र गोविन्दप्रसाद जैन, उमरगढ़ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

डम्बरलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, उमरगढ़ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

वासुदेव जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, उमरगढ़ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं।

नगर-एटा (एटा)

अभिनन्दनलाल जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, होरीमुहल्ला एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

अभिनन्दनलाल जैन सुपुत्र छत्तरलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र रघुनाथदास जैन, एटा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर हैं और सर्विस करते हैं।

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र सोहनलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और लोहे का व्यापार है।

अमृतलाल जैन सुपुत्र तोताराम जैन, मैनागंज एटा (एटा)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी, इंग्लिश और पेशा किराने का व्यापार है।

अविनाशचन्द जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, एटा (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं।

अशर्फीलाल जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और कपड़ का व्यापार हैं।

अशर्फीलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन पुलिया एटा, (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। एक लड़का इण्टर पास और डाक्टर है दूसरा लड़का इण्टर है और व्यापार में है। एक नाती मैट्रिक है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक हैं और परचून का व्यापार है।

इन्द्रकुमार जैन सुपुत्र जगकुमार जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और कपड़े का व्यापार है।

इन्द्रचन्द्र जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, बांसमंडी एटा (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। एक भाई इण्टर है और

पुत्र दसवीं कक्षा में। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और गल्ले की आढ़त का व्यापार है।

इन्द्रमणि जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराना का है।

इन्द्ररतन जैन सुपुत्र बालेराम जैन, कैलाशगंज एटा (एटा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है।

ईशमलाल जैन सुपुत्र गोरेलाल जैन, मुहल्ला बल्देवसहाय एटा (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा ठेका कचहरी में मिठाई आदि का व्यापार है।

ईश्वरदास जैन सुपुत्र श्रीपाल गोटेवाले जैन, जी० टी० रोड एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इण्टर और एक मैट्रिक है। परिवार प्रमुख स्वयं इंटरमीडिएट हैं और व्यापार डी० सी० एम० स्टोर है।

उग्रसेन जैन सुपुत्र मोहनलाल जैन, बाबूगंज एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है। मूल निवासी कोटला (आगरा) के हैं।

उल्फतराय जैन सुपुत्र गोपीचन्द जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के अविबाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और हलवाईगिरी का व्यापार है। मूल निवासी जलेसर के हैं।

कपूरादेवी जैन धर्मपत्नी जयकुमार जैन, एटा (एटा)
इस परिवारमें आप स्वयं ही हैं और विधवा हैं।

कल्यानदास जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, होरी मुहल्ला एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार हलवाईगिरीका है। मूल निवासी जौंधरी के हैं।

करनसिंह जैन सुपुत्र झब्बूलाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं।

पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार घी का है।

कुंजीलाल जैन सुपुत्र बालेराम जैन, ठण्डी सड़क एटा (एटा)

इस परिवारमें नौ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छ लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

गुनधरलाल जैन सुपुत्र जौहरीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार परचून का है।

गुरुदयाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, कैलाशगंज एटा (एटा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी रारपट्टी के हैं।

गुरदयाल जैन सुपुत्र सौनपाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। सात लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इन्टर है और सब हिन्दी शिक्षा में हैं। व्यापार किराने का है।

गंगाप्रसाद जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, एटा (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार खोमचे का है। मूल निवासी मरथरा के हैं।

चक्रेश्वरीदेवी जैन धर्मपत्नी लाला लक्ष्मीशंकर जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा पुस्तकों का व्यापार है।

चन्द्रसेन जैन सुपुत्र बालकिशन जैन, एटा (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी मरथरा के हैं।

चन्द्रसेन जैन सुपुत्र सुकमाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा हलवाईगिरी का है।

चन्द्रसेन जैन सुपुत्र जौहरीमल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं।

तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार परचून का है।

चन्द्रसेनजी जैन सुपुत्र मन्नीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है। मूल निवासी सैथरी (एटा) के हैं।

छेदालाल जैन सुपुत्र मिट्ठनलाल जैन, शिवगंज एटा (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी कोटला (आगरा) के हैं।

क्षेमंकरलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का बी०ए० है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और क्लाथ मर्चेन्ट हैं।

जयकुमारदास जैन सुपुत्र बल्देवप्रसाद जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक एफ०ए० और एक लड़का दसवीं कक्षा का है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और केमिस्ट हैं। मूल निवासी कल्यानगढ़ी के हैं।

जयचन्द्र जैन सुपुत्र पण्डित जयकुमार जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। शिक्षा इंग्लिश और हिन्दी है और पेशा डाक्टरी का है।

जयन्तीप्रसाद जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराने का व्यापार है।

जयन्तीप्रसाद जैन, सुपुत्र बालाराम जैन, सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। कक्षा तीन से लेकर छठी तक शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं वैय्याकरण हैं और बिसातावाना के जनरल मर्चेन्ट हैं।

जमुनादास जैन सुपुत्र नेकराम जैन, ५५ नं० मुहल्ला मिसराना, एटा (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं।

दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का बिशारद है। व्यापार कपड़े का और लेनदेन का है। मूल निवासी धनीका नगला के हैं।

जिनेन्द्रदास जैन सुपुत्र भूधरदास जैन, एटा (एटा)

इस परिवारमें चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०ए० एल०एल०बी० हैं और पेशा वकालत का है।

जिनवरदास जैन सुपुत्र भामंडलदास जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार के सभी व्यक्ति शिक्षित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०ए० हैं और सराफे का व्यापार करते हैं।

जुगमंदिरदास जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और व्यापार कपड़े का है।

ज्योतिप्रसाद जैन सुपुत्र ऋषभदास जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराना तथा ठेकेदारी का है।

झण्डूलाल जैन सुपुत्र व्रजवासीलाल जैन, एटा (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

दयाचन्द जैन सुपुत्र सुनहरीलाल जैन, कैलाशगंज एटा (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। दो लड़के इन्टर और मैट्रिक हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०एस-सी० हैं और अध्यापक हैं। मूल निवासी मरनऊ (एटा) के हैं।

दयाशंकर जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, गली चिरोंजीलाल एटा (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का दसमी में और एक इंटर में तथा एक टाईपिस्ट और एक कम्पाउण्डर है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कपड़े के व्यापारी हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र स्व० लाला गंगाराम जैन, बड़े मन्दिर के पास एटा (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं।

दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और व्यापार बिसातखाना का है।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का बी० एस-सी०, मेम्बर नगरपालिका और मंत्री पंचायत दि० जैन है। दूसरा हाई स्कूल पास ई० डी० पोस्टमास्टर है। परिवार प्रमुख हिन्दी पढ़े हैं और पुस्तकों का व्यापार करते हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र हुंडीलाल जैन, श्रावक मुहल्ला एटा (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है।

दीपचन्द जैन सुपुत्र लेखराज जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

देवकुमार जैन सुपुत्र गनेशीलाल जैन, मिश्राना मुहल्ला एटा (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार व डाक्टरी है।

देवीदयाल जैन, एटा (एटा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। सात लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार पंसारी का है।

धन्यकुमार जैन सुपुत्र जौहरीमल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार परचून का है।

नरेन्द्रपाल जैन सुपुत्र वासदेवप्रसाद जैन, शिवगंज एटा (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए० और शास्त्री हैं और अध्यापन कार्य करते हैं। आपने पुस्तकों की भी रचना की है।

नाथूराम जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, एटा (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नेतराम जैन, कैलाशगंज एटा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

नेमचन्द जैन सुपुत्र बुद्धसेन ब्रह्मचारी, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी पचोखरा के हैं।

नेमचन्द जैन सुपुत्र जिनेश्वरदास जैन, सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है। मूल निवासी मरथरा के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, पानवाले मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकान पान बीड़ी की है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र गनेशीलाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, मुहल्ला श्रावकान एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार मनिहारी का है।

प्रभाचन्द जैन सुपुत्र जयकुमार जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार स्टेशनरी का है।

प्रभाचन्द जैन सुपुत्र दामोदरदास जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी सिराम के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, ठंडी सड़क एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और किराने का व्यापार है। मूल निवासी फरिहा के हैं।

श्री शान्तिप्रसादजी जैन, कलकत्ता

श्री धन्यकुमारजी जैन, अवागढ़
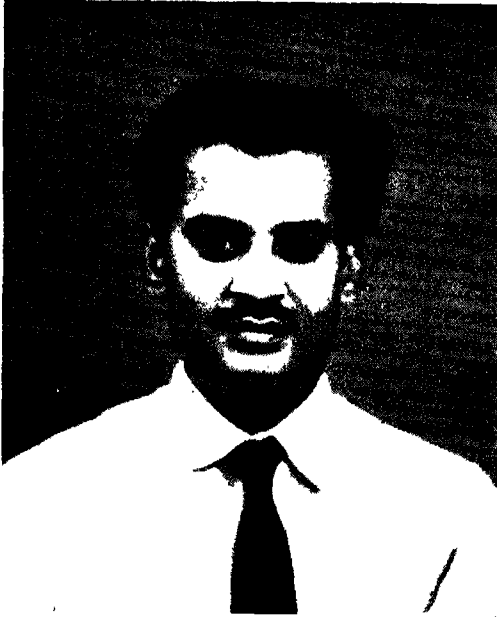
श्री कपूरचन्दजी जैन, कलकत्ता

श्री महेन्द्रकुमारजी जैन, कलकत्ता

श्री रामस्वरूपजी जैन 'भारतीय' जारकी
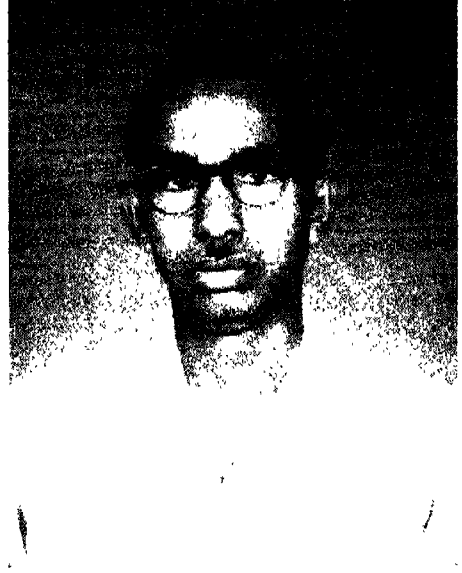
श्री कान्तिस्वरूपजी जैन, इन्दौर

श्री जगरूपसहायजी जैन, एम.ए., एल.टी.
फिरोजाबाद

श्री एन० सी० जैन, एम.ए., बी. कॉम.
एल-एल.बी.

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र देवकुमार जैन, लोहामंडी, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी आगरा के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं दसवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और बजाजे का व्यापार करते हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, कैलाशगंज एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा साइ-किलों का व्यापार है।

बखेड़ीलाल जैन सुपुत्र मुन्शीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं' तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार दरजीगिरी का है। मूल निवासी चमकरी एटा के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा इंग्लिश हिन्दी और पेशा सर्विस है। आप एकाउन्टेन्ट चुंगी (एटा) के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र तोताराम जैन, मिश्राना एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है।

बाबूराम जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल बीस सदस्य हैं। आठ लड़के तथा सात लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्या-पार कपड़े का है।

बंगालीलाल जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है।

बंगालीमल जैन सुपुत्र कंचनलाल जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य

हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। हिन्दी शिक्षा और पेशा सर्विस चुंगी एटा में है। मूल निवासी थरौआ (मैनपुरी) के हैं।

बंगालीदास जैन सुपुत्र सुखदेवप्रसाद जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल सतरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं। दो लड़के इण्टर हैं और एक मिडिल में। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और बर्तनों का व्यापार करते हैं।

भूधरदास जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार बिसातखाने का है।

मक्खनलाल जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का बी० काम० दो इंट्रेन्स और कई अन्य कक्षाओं में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इन्टर पास हैं और पेंशनर पुलिस खजांची हैं। मूल निवासी पिलुआ के हैं।

मनभावनलाल जैन सुपुत्र बहादुरलाल जैन, पुलिया एटा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मनोहरलाल जैन सुपुत्र भूधरदास जैन, पेट्रोल पंप शंकरलाल प्यारेलाल एटा (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। छ लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा नवीं कक्षा तक और पेशा नौकरी का हैं।

मनोहरलाल जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री हैं और आगरा कालेज के प्राध्यापक हैं।

महीपाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

महीपाल जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार हलवाई तथा ठेकेदारी का है। मूल निवासी तखामन (एटा) के हैं।

महीपाल जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। छ लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है।

महेशचन्द जैन सुपुत्र जगरूपसहाय जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए० एल०-एल० बी० हैं और सर्विस करते हैं।

महेशचन्द जैन सुपुत्र अभयकुमार जैन, श्रावक सदन एटा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इन्टर हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं।

महेन्द्रपाल जैन सुपुत्र सूरजभान जैन, मुहल्ला श्रावकान एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी में है।

महेन्द्रपाल जैन सुपुत्र राजकुमार जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मिक्कोबाई जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)
इस परिवार में दो सदस्य स्त्री वर्ग में हैं, माता और पुत्री। दोनों विधवा हैं। मकान भाड़ा ही आय है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र हरदेवदास जैन, मुहल्ला श्रावकान एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी फरिहा के हैं।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र झम्मनलाल जैन, नईबस्ती एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य है। मूल निवासी बावस के हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, वेरुनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं।

दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार में प्रथम से लेकर आठवीं कक्षा तक की शिक्षा है और व्यापार चाट का है।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा साहूकारी का है।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र वृषलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी चमकरी के हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार आढ़त का है।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र ब्रजवासीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। सात लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का एम० काम० और एक लड़का दसवीं कक्षा में है। शिक्षा हिन्दी और किराने का व्यापार है।

मुंसिफदास जैन सुपुत्र ठाकुरदास जैन, मुहल्ला पुलिया एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मोतीलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, वेरुनगंज गली चिरौंजीलाल एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

मोरध्वज जैन दत्तक हीरालाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का बी० ए० और एक इन्टर है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और सराफे का व्यापार करते हैं।

मोरध्वज जैन सुपुत्र गोवर्धनदास जैन, शिवगंज एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है। मूल निवासी चमकरी के हैं।

मोरमुकुट जैन सुपुत्र सोहनलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा वर्तनों की दुकान है।

मोरमुकुट जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराने का व्यापार है।

रघुवरदयाल जैन सुपुत्र ठाकुरदास जैन, कैलाशगंज एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। मूल निवासी फफोत (एटा) के हैं।

रघुनाथदास जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा चौदह स्त्री वर्ग में कुल छब्बीस सदस्य हैं। सात लड़के तथा नौ लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का मैट्रिक है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

राजकुमार जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, मुहल्ला श्रावकान एटा (एटा)
इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा ग्यारह स्त्री वर्ग में कुल इक्कीस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा सात लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार सर्राफे का है।

राजकुमार जैन सुपुत्र ब्रजवासीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

राजकुमार जैन सुपुत्र मनोहरलाल जैन, पुरानी बस्ती एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। एक लड़का बी० ए० और एक नौवीं कक्षा में हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

राजकुमार जैन दत्तक जैतराम जैन, श्रावक मुहल्ला एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराया है।

राजकुमार जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराना और दूध-दही का है।

राजकुमार जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, मुहल्ला पुलिया एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। दो लड़के इण्टर, एक हाईस्कूल, पुत्र वधू मिडिल है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सीमेण्ट एजेन्सी का है।

राजकुमार जैन पटवारी सुपुत्र भूधरमल जैन, सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा छठवीं से लेकर इण्टर तक है। परिवार प्रमुख स्वयं चार कक्षा पास हैं और पेशे से पटवारी रहे हैं। अब अवकाश प्राप्त हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार लोहे का है।

राजपाल जैन सुपुत्र बनवारीलाल जैन, कैलाशगंज एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

राजवीर जैन सुपुत्र बनवारीलाल जैन, कैलाशगंज एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराया है।

राजबहादुर जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में पन्द्रह पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बाईस सदस्य हैं। नौ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। चार लड़के इण्टर, दो हाई-स्कूल तथा अन्य विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी पढ़े हैं और सर्विस में हैं।

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र जानकीप्रसाद जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

राजेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र जियालाल जैन, श्रावक मुहल्ला एटा (एटा)
इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सतरह सदस्य हैं। नौ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक एम० काम०, एक इण्टर

और दो दसवीं में हैं। परिवार प्रमुख की शिक्षा आठवें तक की है और पेशा व्यापार का है।

रानोदेवी जैन धर्मपत्नी नेमीचन्द जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार बिसातखाने का है।

रामचन्द जैन सुपुत्र जयकुमार जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार साइकिल मरम्मत का है।

रामप्रसाद जैन सुपुत्र खूबचन्द जैन, मुहल्ला सरावगियान एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, कैलाशगंज एटा (एटा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का एम० ए० एल-एल० बी० वकील है और एक रेलवे कन्ट्राक्टर। परिवार प्रमुख हिन्दी जानते हैं और ठेकेदारी का व्यापार करते हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, मुहल्ला कटरा एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और बेकार हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र गोपीचन्द जैन, बेरुनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराने का व्यापार है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य है। एक लड़का तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने तथा बजाजी का है। मूल निवासी जौंधरी के हैं।

लक्ष्मीनारायण जैन सुपुत्र सूरजभान जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं।

चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार मनिहारी का है।

लक्ष्मीनारायण जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इन्टर है और वर्णी विद्यालय में टीचर है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी इंग्लिश पढ़े हैं और अब डाक विभाग से पेंशन पाते हैं।

लालाराम जैन सुपुत्र गंगाराम जैन, कटरा महल्ला एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार जनरल मर्चेंट बिसातखाने के हैं। मूल निवासी बजेहरा के हैं।

लोकमनदास जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, पुलिया एटा (एटा)
इस परिवार में केवल एक ही सदस्य हैं। विधुर हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार दूध दही का है। मूल निवासी मुहम्मदाबाद (आगरा) के हैं।

विटोलाबाई जैन धर्मपत्नी सेतीलाल जैन, पुलिया एटा (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार परचून तथा हलवाई का है। मूल निवासी पेंढत जाखई के हैं।

वीरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, नई बस्ती एटा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

वीरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र रघुनाथदास जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा चार कक्षा से लेकर दसवीं तक है। परिवार प्रमुख स्वयं बारहवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सकरौली के हैं।

वीरेन्द्रसिंह जैन सुपुत्र हुंडीलाल जैन, सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास हैं। और सर्विस करते हैं। मूल निवासी बड़ागाँव के हैं।

सनतकुमार जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। एक लड़का इंजीनियर है। जामाता एफ० ए० आनर्स। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और कलैक्टरी से रिटायर हैं।

साहूलाल जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

साहूलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, बांसमंडी एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा पाँचवीं कक्षा तक है और व्यापार गल्ले की आढ़त है।

साहूलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, मुहल्ला बलदेवसहाय एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। एक लड़का दसवीं कक्षा पास है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र दुर्गादास जैन, कैलाशगंज एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी मरथरा (एटा) के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, शिवगंज एटा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुखपाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मुनीमी की सर्विस है।

सुखपाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, वरुनगंज गली चिरौंजीलाल एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस तथा व्यापार है।

सुखदेवप्रसाद जैन सुपुत्र अमीरचन्द जैन, पटमाली दरवाजा मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और कपड़े का व्यापार है।

सुखदेवप्रसाद जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। छ लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा बी० ए० एल-एल बी०

और इन्टर तक की है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और किराने का व्यापार है।

सुखदेवप्रसाद जैन सुपुत्र शान्तलाल जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तेरह स्त्री वर्ग में कुल बीस सदस्य हैं। चार लड़के तथा नौ लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुमतचन्द जैन सुपुत्र हरमुखराय जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा छ लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं दसवीं तक शिक्षित हैं और किराने का व्यापार करते हैं।

सुमतिप्रकाश जैन सुपुत्र राजकुमार जैन, मुहल्ला कौरारा बुजुर्ग एटा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं इन्टर हैं और पेशा सर्विस है।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इन्टर तक शिक्षित हैं और गिलट का व्यापार करते हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र सोहनलाल जैन, श्रावक मुहल्ला एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख नौ कक्षा तक पढ़े हैं और एक साबुन फैक्टरी के संचालक हैं।

सुल्तानसिंह जैन सुपुत्र भूधरदास जैन, सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा वैद्यकी का है। मूल निवासी वेरनी के हैं।

सुशीलकुमार जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार ड्राइक्लीनर्स का है।

सूरजभान जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इन्टर पास है। परिवार प्रमुख स्वयं आठवीं कक्षा पास हैं और सर्विस में हैं।

सेठपाल जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)
इस परिवार में स्वयं आप ही हैं। आप अविवाहित भी हैं। शिक्षा हिन्दी में है।

सेतीलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मकान भाड़ा है।

सोनपाल जैन सुपुत्र कोकाराम जैन, मुहल्ला श्रावकान एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सोनपाल जैन सुपुत्र गोपीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सोनपाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक विधुर और एक अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा नौकरी तथा व्यापार है।

सोनपाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सोनादेवी जैन धर्मपत्नी राजाराम जैन, श्रावक मुहल्ला एटा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। एक लड़का दसवीं और लड़की आठवीं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

सम्पतिलाल जैन सुपुत्र मथुरादास जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराने का है।

शम्भूदयाल जैन सुपुत्र उमरावसिंह जैन, पुलियागरबी एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है।

श्योप्रसाद जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, मिश्राना मुहल्ला एटा (एटा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छ लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार बिसातखाने का है।

शान्तिस्वरूप जैन सुपुत्र गोविन्दराम जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और सब्जी की आढ़त का व्यापार है।

शान्तिस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है।

शाहकुमार सुपुत्र सोनपाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा परचून का व्यापार है।

श्रीचन्द जैन सुपुत्र मानिकचन्द जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है।

श्रीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा अत्तारखाने का है।

श्रीकृष्ण जैन सुपुत्र जिनवरदास जैन, पुरानीबस्ती एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र मोहनलाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा चाट-कचौड़ी।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र मोहनलाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हरचरन जैन सुपुत्र कुलमंडन जैन, एटा (एटा)

इस परिवार में आप स्वयं ही हैं। अविवाहित और इण्टर पास हैं और सर्विस करते हैं।

हजारीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

हजारीलाल जैन सुपुत्र भूरेलाल जैन, एटा (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और आढ़त का व्यापार है।

हरसुखराय जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, एटा (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चौदह स्त्री वर्ग में कुल बीस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दस लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार दवाइयों का है।

हरीकेनप्रसाद जैन सुपुत्र कुंजीलाल जैन, एटा (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार नेशनल वाच कम्पनी का है।

हरिमुखराज जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, एटा (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार तथा सर्विस है।

हीरालाल जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, कटरा एटा (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार रिक्शा साइकिल का है।

हुकुमचन्द्र जैन सुपुत्र रघुवंशीलाल जैन, श्रावक मुहल्ला एटा (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा, साइकिल का है।

होतीलाल जैन सुपुत्र जैजैराम जैन, शिवगंज एटा (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार लेन-देन का है।

होरीलाल जैन सुपुत्र रामप्रसाद जैन, एटा (एटा)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। सात लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा-व्यापार है।

गाँव-ककराली (एटा)

श्रीनिवास जै सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, ककराली (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

गाँव-कासगंज (एटा)

विद्यादेवी जैन धर्मपत्नी रामचन्द्र जैन, कासगंज (एटा)

इस परिवार में स्वयं आपही हैं। आप विधवा हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार होटल का है।

गाँव-कुतकपुर (एटा)

वाबूराम जैन सुपुत्र विलासराय जैन, कुतकपुर (एटा)

इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। विधुर हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा वैद्यगिरी और कृषिकार्य का है।

महीपाल जैन सुपुत्र होतीलाल जैन, कुतकपुर (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी।

रामचन्द्र जैन सुपुत्र भूधरदास जैन, कुतुकपुर (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

गाँव-कुसवा (एटा)

कालीचरण जैन सुपुत्र जोतिप्रकाश जैन, कुसवा (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है।

किशोरीलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, कुसवा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

फूलचन्द जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, कुसवा (एटा)
इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। सात लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बाबूराम जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, कुसवा (एटा)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। अविवाहित हैं और हिन्दी पढ़े हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, कुसवा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अहिवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, कुसवा (एटा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। सात लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-खरौआ (एटा)

जयनारायण जैन सुपुत्र नवाबीलाल जैन, खरौआ (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

तालेवरदास जैन सुपुत्र मनीराम जैन, खरौआ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

राजबहादुर जैन सुपुत्र मनीराम जैन, खरौआ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

लौंगश्री जैन धर्मपत्नी सेतीलाल जैन, खरौआ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

विनोदकुमार जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, खरौआ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है।

बांकेलाल जैन सुपुत्र देवदत्त जैन, खरौआ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं।

दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी व्यापार कृषिकार्य का है।

सियाराम जैन सुपुत्र देवदत्त जैन, खरौआ (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-नगला ख्याली (एटा)

चन्द्रभान जैन सुपुत्र सोनपाल जैन, नगला ख्याली (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

जियालाल जैन सुपुत्र रामदयाल जैन, नगला ख्याली (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, नगला ख्याली (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी अंग्रेजी और पेशा सर्विस है।

बखेड़ीलाल जैन सुपुत्र रामदयाल जैन, नगला ख्याली (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बाबूराम जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, नगला ख्याली (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

भूधरदास जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, नगला ख्याली (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

राजनलाल जैन सुपुत्र तालेवरदास जैन, नगला ख्याली (एटा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं शिक्षा हिन्दी और व्यापार खेती का है।

सेठलाल जैन सुपुत्र अनोखेलाल जैन, नगला क्याली (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हुकुमचन्द जैन सुपुत्र अनोखेलाल जैन, नगला क्याली (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-गढ़ीवैंदुला (एटा)

सराफीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, गढ़ीवैंदुला (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-गहराना (एटा)

चक्खनलाल जैन सुपुत्र जिनेश्वरदास जैन, गहराना (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इण्टर है और एक पुत्रवधू हाईस्कूल। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

दामोदरदास जैन सुपुत्र मानिकचन्द जैन, गहराना (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कृषिकार्य का है।

बुद्धसेन जैन सुपुत्र बखेड़ीलाल जैन, गहराना (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार का है।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, गहराना (एटा)
इस परिवार में स्वयं आप ही हैं और अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है।

गाँव-गहेतू (एटा)

जैस्वरूप जैन सुपुत्र ज्वालाप्रसाद जैन, गहेतू (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कृषिकार्य का है।

प्रद्युम्नकुमार जैन सुपुत्र सन्नूलाल जैन, गहेतू (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

राजबहादुर जैन सुपुत्र भिखारीदास जैन, गहेतू (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं। पेशा व्यापार और कृषिकार्य का है।

राजकुमार जैन सुपुत्र बैनीराम जैन, गहेतू (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

वासुदेवसहाय जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, गहेतू (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-चमकरी (एटा)

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र रामलाल जैन, चमकरी (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रघुवरदयाल जैन सुपुत्र रतीराम जैन, चमकरी (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इण्टर में है। परिवार प्रमुख हिन्दी जानते हैं और व्यापार कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-जमालपुर (एटा)

हजारीलाल जैन सुपुत्र मित्रपाल जैन, जमालपुर (एटा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्गमें तथा एक स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार का है।

गाँव-जरानी कलां (एटा)

उग्रसेन जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, जरानीकलां (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

किरोड़ीलाल जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, जरानीकलां (एटा)
इस परिवार में स्वयं आप ही हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

झुमकलाल जैन सुपुत्र करनलाल जैन, जरानीकलां (एटा)
इस परिवार में केवल एक ही सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नन्नूमल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, जरानीकलां (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी पेशा और व्यापार हैं।

पटेलाल जैन सुपुत्र अंतराम जैन, जरानीकलां (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र शालिगराम जैन, जरानीकलां (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुमतप्रसाद जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, जरानीकलां (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-जमालपुर (एटा)

मिट्ठूलाल जैन सुपुत्र टीकाराम जैन, जमालपुर (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-जल्लूखेड़ा (एटा)

रामबाबू जैन सुपुत्र सौनपाल जैन, जल्लूखेड़ा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नगर-जलेसर (एटा)

अशरफीलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार परचून का है।

आनन्दकुमार जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

इन्द्रमुकुट जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में केवल एक ही पुरुष हैं। आप बी० ए० बी० टी० हैं और सर्विस में हैं।

उग्रसेन जैन सुपुत्र पृथ्वीराज जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

कपूरचन्द जैन सुपुत्र जीवाराम जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी मंडनपुर (एटा) के हैं।

किशनस्वरूप जैन दत्तक गुलजारीलाल जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कमीशन एजेण्टी का है।

चन्द्रप्रकाश जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी का है।

चन्द्रसेन जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा परचून का व्यापार है। मूल निवासी टीकरी (टूंडला) के हैं।

चिरंजीलाल जैन सुपुत्र तोताराम जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

छदामीलाल जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

जयन्तीप्रसाद जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी राजपुर के हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं।

दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार किराने का है। मूल निवासी अवागढ़ के हैं।

जिनेश्वरदास जैन सुपुत्र दुर्गादास जैन, जलेसर, (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी रुस्तमगढ़ के हैं।

देवकुमार जैन सुपुत्र जिनेश्वरदास जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी रुस्तमगढ़ के हैं।

नाथूलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

निरंजनलाल जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकान-किराया है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं बी० ए० हैं और व्यापार करते हैं।

प्रकाशचन्द जैन सुपुत्र पुष्पेन्द्रकुमार जैन, बनारसी कुंज जलेसर (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए० हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा अंग्रेजी और पेशा एजेण्टी का है।

बाबूराम जैन सुपुत्र भूरेलाल जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी का है।

बंगालीमल जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी का है।

बुद्धसेन जैन सुपुत्र बंशीधर जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी सकरौली (एटा) के हैं।

ब्रजवल्लभदास जैन सुपुत्र शिवलाल जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस और दुकानदारी है। मूल निवासी पमारी के हैं।

भामण्डलदास जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार (घुंघुरु मर्चेण्ट) है।

मदारीलाल जैन सुपुत्र बंशीधर जैन, हलवाई खाना जलेसर (एटा)

इस परिवार में अठारह पुरुष वर्ग में तथा चौदह स्त्री वर्ग में कुल बत्तीस सदस्य हैं। बारह लड़के तथा आठ लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी पेशा दुकानदारी व्यापार-घी-कपड़ा और सराफे का है। मूल निवासी सकरौली के हैं।

महीपाल जैन सुपुत्र बहोरीलाल जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी और अध्यापन कार्य का है।

मुन्नालाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)

इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। अविवाहित हैं और शिक्षा अंग्रेजी है।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, मण्डी जलेसर (एटा)
इस परिवार में तेरह पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा हलवाई का है।

रमेशचन्द जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, बौहरानगली जलेसर टाउन (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा अंग्रेजी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी नारखी के हैं।

राजकिशोर जैन सुपुत्र पृथ्वीराज जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा घी का व्यापार है। मूल निवासी राजपुर के हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र सहकार जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी का है।

सतीशचन्द्र जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी० ए० बी० टी० हैं और सर्विस में हैं।

सौनन्दीदेवी जैन धर्मपत्नी हरवल्लभदास जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में केवल एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी।

शिवचरणलाल जैन सुपुत्र अमोलकचन्द जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है। मूल निवासी राजपुर के हैं।

शौकीलाल जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

नारायण जैन सुपुत्र लल्लामल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

श्रीलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार परचून का है।

हजारीमल सुपुत्र परसादीलाल जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है।

गाँव-जिनावली (एटा)

वंशीधर जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, जिनावली (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सोनपाल जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, जिनावली (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

गाँव-जिरसमी (एटा)

खजांचीलाल जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, जिरसमी (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का मैट्रिक है। परिवार प्रमुख स्वयं डाक्टर हैं।

जम्बूप्रसाद जैन सुपुत्र जगतिलकराम जैन, जिरसमी (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

जयकुमार जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, जिरसमी (एटा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। छ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

वृंदावती जैन धर्मपत्नी दीनदयाल जैन, जिरसमी (एटा)
इस परिवार में स्वयं आप ही हैं और विधवा हैं। व्यापार करती हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र सुखनन्दन जैन, जिरसमी (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य

स्व० श्री रघुवरदयालजी जैन, एटा

श्री महिपालजी जैन, एटा

श्री लालचन्दजी जैन, एटा

श्री शान्तिस्वरूपजी जैन, एडवोकेट
एटा

श्री अविनाशचन्द्रजी जैन, बी.एस-सी
आगरा

श्री कैलाशचन्द्र जी जैन, रिसड़ा

श्री जिनेन्द्रप्रसादजी जैन

हैं। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इन्टर है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार और सर्विस है।

लक्ष्मीचन्द जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, जिरसमी (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

लट्टूरीलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, जिरसमी (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषि-कार्य का है।

गाँव-तखावन (एटा)

गिरनारीलाल जैन सुपुत्र रूपकिशोर जैन, तखावन (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

पातीराम जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, तखावन (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कृषिकार्य का है।

रामप्रकाश जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, तखावन (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

विनोदकुमार जैन सुपुत्र गिरनारीलाल जैन, तखावन (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सरनामसिंह जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, तखावन (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा साधारण हिन्दी और व्यापार गल्ले का है।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र लाहौरीलाल जैन, तखावन (एटा)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छ लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

गांव-ताजपुर (एटा)

रामस्वरूप जैन सुपुत्र सौनपाल जैन, ताजपुर (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-तिखातर (एटा)

गुलजारीलाल जैन सुपुत्र फौजदार जैन, तिखातर (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य और व्यापार है।

रघुनाथप्रसाद जैन सुपुत्र लाहौरीलाल जैन, तिखातर (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-दलौली (एटा)

अशरफीलाल जैन सुपुत्र कंचनलाल जैन, दलौली (एटा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार और कृषिकार्य का है।

गाँव-दलसायपुर (एटा)

सेतीलाल जैन सुपुत्र गिरवरलाल जैन, दलसायपुर (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। तीन लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। एक पुत्र इण्टर और एक लड़का दसवां पास है। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है।

गाँव-धनिगा (एटा)

चन्द्रभान जैन सुपुत्र सुनहरीलाल जैन, धनिगा (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

देवकुमार जैन सुपुत्र गदाधरप्रसाद जैन, धनिगा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। पाँच लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-नगलाधनी (एटा)

जमुनादास जैन सुपुत्र नेकराम जैन, नगलाधनी (एटा)

इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। आप विधुर हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव–नगलासलेम (एटा)

चन्द्रसेन जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, नगलासलेम (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास हैं और नगला सलेम में चिकित्सिक के पद पर हैं।

गाँव–नाहरपुर (एटा)

बादशाह जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, नाहरपुर (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-निधौलीकलां, (एटा)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, निधौलीकलां (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा वैद्यक का है।

उल्फतराय जैन सुपुत्र ख्यालीराम जैन, निधौलीकलां (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

छोटेलाल जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, निधौलीकलां (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है।

रतनलाल जैन सुपुत्र मक्खनलाल जैन, निधौलीकलां (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा इंग्लिश और पेशा डाक्टरी का है।

वीरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र सरदारीलाल जैन, निधौलीकलां (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार सराफे का है। मूल निवासी अवागढ़ (एटा) के हैं।

हरमुखलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, निधौलीकलां (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-निजामपुर (एटा)

महीपाल जैन सुपुत्र ईश्वरीप्रसाद जैन, निजामपुर (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मिलिट्री के पेंशनर हैं।

गाँव-निधौली छोटी (एटा)

बाबूलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, निधौली छोटी, (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सूरजभान जैन सुपुत्र जगरूपसहाय जैन, निधौली छोटी (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-निधौली खुर्द (एटा)

हुब्बलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, निधौली खुर्द (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

होतीलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, निधौली खुर्द (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार और कृषिकार्य का है।

गाँव-नौराई (एटा)

विद्याराम जैन, नौराई (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-परा (एटा)

ब्रजनन्दनलाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, परा (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

गाँव-पवा (एटा)

शान्तिलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, पवा (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कृषिकार्य का है।

गाँव-पिलुआ (एटा)

इन्द्रकुमार जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, पिलुआ (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है।

देवकुमार जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, पिलुआ, (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

राजनलाल जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, पिलुआ (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुशीलचन्द जैन सुपुत्र वीरीसिंह जैन, पिलुआ (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार साइकिल का है। सामाजिक और साहित्यिक अभिरुचि के व्यक्ति हैं।

गाँव-पुनहरा (एटा)

अशर्फीलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, पुनहरा (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

चक्रपाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, पुनहरा (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषि-कार्य का है।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र मक्खनलाल जैन, पुनहरा (एटा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। सात लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का दशवीं पास है अन्य सब हिन्दी पढ़ रहे हैं। व्यापार कृषिकार्य का है।

फूलचन्द जैन सुपुत्र सोनपाल जैन, पुनहरा (एटा)
इस परिवार में केवल आप ही हैं। शिक्षा में आप विशारद हैं और व्यापार करते हैं।

रघुवरदयाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, पुनहरा (एटा)
इस परिवार में स्वयं आप ही हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-पौंडरी (एटा)

गोविन्दराम जैन सुपुत्र लालाराम जैन, पौंडरी (एटा)
इस परिवार में आप अकेले ही हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

शाहकुमार जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, पौंडरी (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है।

श्रीनन्दन जैन सुपुत्र गुलाबचन्द जैन, पौंडरी (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार घी और कपड़े का है।

होतीलाल जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, पौंडरी (एटा)
इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

गाँव-फफोत (एटा)

अमीरचन्द जैन सुपुत्र रामलाल जैन, फफोत (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

इलाइचीलाल जैन सुपुत्र नन्नूमल जैन, फफोत (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

पुत्तूलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, फफोत (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र जौहरीमल जैन, फफोत (एटा)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, फफोत (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इन्टर पास है। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

बनारसीदास जैन सुपुत्र लेखराज जैन, फफोत (एटा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

बाबूलाल जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, फफोत (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बाबूराम जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, फफोत (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र रामदेव जैन, फफोत (एटा)

इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी में है।

राजकुमार जैन सुपुत्र भूरेलाल जैन, फफोत (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

राजाराम जैन सुपुत्र राधूराम जैन, फफोत (एटा)

इस परिवार में केवल एक ही सदस्य हैं।

रामपाल जैन सुपुत्र रामकुमार जैन, फफोत (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र रामगोपाल जैन, फफोत (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इन्टर है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

ऋषभदास जैन सुपुत्र रामलाल जैन, फफोत (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं।

दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बासुदेव जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, फफोत (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

सन्तोषीलाल जैन सुपुत्र बलदेवदास जैन, फफोत (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

शंकरलाल गैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, फफोत (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

गाँव-बड़ागाँव (एटा)

मौजीलाल जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, बड़ागाँव (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तक दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार घी, और गल्ले का है।

रमेशचन्द्र जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, बड़ागाँव (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इण्टर है अन्य सब पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एम. ए. हैं और जे. ई. कालेज पिलुआ के प्राध्यापक हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, बड़ागाँव (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार में दूसरी से नौवीं तक की शिक्षा है। व्यापार घी और गल्ले का है। सार्वजनिक सेवाएँ भी हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, बड़ागाँव (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षित परिवार है और पेशा व्यापार है। सार्वजनिक, साहित्यिक सेवाएँ भी हैं।

गाँव-बजेहरा (एटा)

उल्फतराय जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, बजेहरा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है।

गाँव-बाघई (एटा)

चन्द्रसेन जैन, बाघई (एटा)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक लड़का अविवाहित है और बी० एस-सी० पास करके ए० एस० एम० की ट्रेनिंग में है।

गाँव-बारा रामसपुर (एटा)

पन्नालाल जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, बारा रामसपुर (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, बारा रामसपुर (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार परचून का है।

रामदयाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, बारा रामसपुर (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार परचून का है।

रामप्रसाद जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, बारा रामसपुर (एटा)

इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी का है।

सेतीलाल जैन सुपुत्र लालाराम जैन, बारा रामसपुर (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा प्राथमिक और व्यापार परचून का है। प्रिंटिंग प्रेस और अध्यापन कार्य भी है।

श्यामलाल जैन सुपुत्र सोनपाल जैन, बारा रामसपुर (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा प्राथमिक कक्षा से लेकर आठवीं तक की है। पेशा दुकानदारी का है।

गाँव- मरथरा (एटा)

बाबूराम जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, मरथरा (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मिजाजीलाल जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, मरथरा (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सेठलाल जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, मरथरा (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-भैंसा (एटा)

नन्नेमल जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, भैंसा (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

वासुदेव जैन सुपुत्र कम्पिलादास जैन, भैंसा (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-भोजपुर (एटा)

नेमीचन्द जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, भोजपुर (एटा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है

गाँव-मरझाऊ (एटा)

जयकुमार जैन, मझराऊ (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

वासुदेव जैन सुपुत्र बंशीधर जैन, मझराऊ (एटा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। छ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

साहूकार जैन सुपुत्र रामलाल जैन, मझराऊ (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-मलावन (एटा)

किशनलाल जैन सुपुत्र देवीप्रसाद जैन, मलावन (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है।

जमुनादास जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, मलावन (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अहिवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराना, मनिहारी का है।

मातादीन जैन सुपुत्र देवीप्रसाद जैन, मलावन (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, मलावन (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

लालचन्द जैन सुपुत्र पुत्तूलाल जैन, मलावन (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र तोताराम जैन, मलावन (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार हलवाईगिरी का है।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, मलावन (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष हैं। दोनों अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-मंडनपुर (एटा)

उत्तमचन्द जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, मंडनपुर (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-मितरौल (एटा)

मुंशीलाल जैन सुपुत्र ज्ञानचन्द जैन, मितरौल (एटा)
इस परिवार में केवल एक ही सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-मुडसमा (एटा)

चन्द्रभान जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, मुडसमा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

पुत्तूलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, मुडसमा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बस्तीराम जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, मुडसमा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बिहारीलाल जैन सुपुत्र भोजराज जैन, मुडसमा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-राजपुर (एटा)

कुमरलाल जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, राजपुर (एटा)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

पृथ्वीराज जैन सुपुत्र होरीलाल जैन, राजपुर (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र सरनामलाल जैन, राजपुर (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

वासुदेवप्रसाद जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, राजपुर (एटा)
इस परिवार में चार सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र बंशीधर जैन, राजपुर (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य

हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी और कृषिकार्य है।

गाँव-राजमल (एटा)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, राजमल (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

कस्तूरचन्द जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, राजमल (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

पन्नालाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, राजमल (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

भामण्डलदास जैन सुपुत्र हरविलास जैन, राजमल (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बहोरीलाल जैन सुपुत्र बंशीधर जैन, राजमल (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और इण्टर पास है। अन्य सदस्यों में हिन्दी शिक्षा है और पेशा दुकानदारी का है।

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र सुखदेवदास जैन, राजमल (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

लक्ष्मणप्रसाद जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, राजमल (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, राजमल (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार दुकानदारी है।

सुमतचन्द जैन सुपुत्र सुखदेवप्रसाद जैन, राजमल (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सियाराम जैन सुपुत्र जीवनलाल जैन, राजमल (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र ठाकुरदास जैन, राजमल (एटा)

इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी का है।

गाँव-रामगढ़ (एटा)

नन्नूमल जैन सुपुत्र नन्दकिशोर जैन, रामगढ़ (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-रारपट्टी (एटा)

राजकुमार जैन सुपुत्र रघुनाथदास जैन, रारपट्टी (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

राजाराम जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, रारपट्टी (एटा)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

वनारसीदास जैन सुपुत्र हरदयाल जैन, रारपट्टी (एटा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा ग्यारह स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा आठ लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा लेनदेन का व्यापार है।

श्रीप्रसाद जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, रारपट्टी (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-रिजावली (एटा)

अमृतलाल जैन सुपुत्र सौकोलाल जैन, रिजावली (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का बी० ए० और एक मैट्रिक है तथा सर्विस करता है। परिवार प्रमुख स्वयं विशारद हैं और व्यापार परचून है।

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र ज्वालाप्रसाद जैन, रिजावली (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, रिजावली (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और अध्यापन कार्य करते हैं।

गाँव-रुस्तमगढ़ (एटा)

वासुदेव जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, रुस्तमगढ़ (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। एक लड़का मैट्रिक पास है। अन्य की शिक्षा हिन्दी में है और पेशा कृषिकार्य का है।

गाँव-लालपुर (एटा)

खजांचीलाल जैन सुपुत्र कांजीमल जैन, लालपुर (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

चरणलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, लालपुर (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

शान्तिस्वरूप जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, लालपुर (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-बक्शीपुर (एटा)

चन्द्रभान जैन सुपुत्र खूबचन्द जैन, बक्शीपुर (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य तथा अध्यापन आदि।

गाँव-बछेपुरा (एटा)

सालिगराम जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, बछेपुरा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा चिकित्सा कार्य है।

गाँव-परही (एटा)

लखमीचन्द जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, परही (एटा)

इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-बरौली (एटा)

शान्तिलाल जैन सुपुत्र उल्फतराय जैन, बरौली (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। छ लड़की तथा तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषि-कार्य का है।

गाँव-बलेसरा (एटा)

झम्मनलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, बलेसरा (एटा)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल सत्तरह सदस्य हैं। सात लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का बी० ए० है और सर्विस में है, एक इण्टर में है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कृषिकार्य करते हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र चेतराम जैन, बलेसरा (एटा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नन्दकिशोर जैन सुपुत्र कुंजलाल जैन, बलेसरा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, बलेसरा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, बलेसरा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का हाईस्कूल पास है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-बसुंधरा (एटा)

अशर्फीलाल जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, वसुन्धरा (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है।

राजेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र वासुदेव जैन, वसुन्धरा (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मदनलाल जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, वसुन्धरा (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इण्टर और एक मिडिल पास है। अन्य की शिक्षा हिन्दी में है और व्यापार कृषिकार्य का है।

शिखरचन्द जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, वसुन्धरा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का बारहवीं कक्षा पास है और सर्विस में है। अन्य परिवार की शिक्षा हिन्दी और व्यापार कृषि-कार्य का है।

हरिश्चन्द जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, वसुन्धरा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

गाँव-बाघवारा (एटा)

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र लालाराम जैन, वाघवारा (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-बावसा (एटा)

कपूरचन्द जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, वावसा (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है।

राजकुमार जैन सुपुत्र खुन्नामल जैन, वावसा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

लक्ष्मीशंकर जैन सुपुत्र राजकुमार जैन, बावसा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का ग्यारहवीं कक्षा पास है। साधारण शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-वीरपुर (एटा)

भूदेवी जैन धर्मपत्नी बाबूलाल जैन, वीरपुर (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। पुत्र श्री राजेन्द्रप्रसाद वकालत करते हैं।

गाँव-वेरनी (एटा)

द्वारकाप्रसाद जैन सुपुत्र रामलाल जैन, वेरनी (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

दीपचन्द जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, वेरनी (एटा)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी में है।

सोनपाल जैन सुपुत्र उदयराज, जैन, वेरनी (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-वेरी (एटा)

मुंशीलाल जैन सुपुत्र टीकाराम जैन, वेरी (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-वोरीकलां, (एटा)

गजाधरलाल जैन सुपुत्र लालाराम जैन, वोरीकलां (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र गुणधरलाल जैन, वोरीकलां (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मक्खनलाल जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, वोरीकलां (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मिजाजीलाल जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, बोरीकलां (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, बोरीकलां (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-सकरौली (एटा)

ओंकारप्रसाद जैन सुपुत्र अशर्फीलाल जैन, सकरौली (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

देवकुमार जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, सकरौली (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

पुत्तूलाल जैन सुपुत्र मदारसीलाल जैन, सकरौली(एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

बाबूलाल जैन सुपुत्र उल्फतराय जैन, सकरौली (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। हाई स्कूल पास है। परिवार प्रमुख की शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हजारीलाल जैन सुपुत्र खेतीलाल जैन, सकरौली (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हरमुखराम जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, सकरौली (एटा)

इस परिवार में यह स्वयं हैं। शिक्षा हिन्दी तथा पेशा दुकान और कृषिकार्य का है।

गाँव-सकीट (एटा)

उल्फतराय जैन सुपुत्र मिट्ठूलाल जैन, सकीट (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का प्राइवेट डाक्टर है। अन्य कुल परिवार की शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यवसाय है।

शिवप्रसाद जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, सकीट (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस लेखपाल तहसीलदार का है।

गाँव सरनऊ (एटा)

वीरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र अमोलकचन्द जैन, सरनऊ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर मीडिएट हैं।

सतीशचन्द्र जैन सुपुत्र मनोहरलाल जैन, सरनऊ (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। एक लड़का हाईस्कूल पास है। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास हैं।

हुकुमचन्द जैन सुपुत्र मक्खनलाल जैन, सरनऊ (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, सरनऊ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-सरानो (एटा)

रामश्री जैन धर्मपत्नी प्यारेलाल जैन, सरानी (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषि व्यापार है।

गाँव-सरायनीम (एटा)

खुशालीलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, सरायनीम (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-सौना (एटा)

हजारीलाल जैन सुपुत्र भूदेवदास जैन, सौना (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-हरचन्दपुर (एटा)

पातीराम जैन सुपुत्र जैलाल जैन, हरचन्दपुर (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के और दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र रामदयाल जैन, हरचन्दपुर (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-हिनौना (एटा)

रतनलाल जैन सुपुत्र गेंदालाल जैन, हिनौना (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गेंदालाल जैन सुपुत्र हरदेवदास जैन, हिनौना (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

शाहकुमार जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, हिनौना (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-हिम्मतनगर वजहेरा (एटा)

उल्फतराय जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, हिम्मतनगर वजहेरा (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। दो लड़के इन्टर और एक एम० बी० बी० एस० हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कृषि का व्यापार करते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, हिम्मतनगर वजहेरा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। एक हाईस्कूल और एक मिडिल में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कृषि का व्यापार करते हैं।

गाँव-हिरौंदी (एटा)

नरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, हिरौंदी (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और दुकानदारी का कार्य करते हैं। सार्वजनिक कार्यकर्ता भी हैं।

द्वारकाप्रसाद जैन सुपुत्र छत्तरलाल जैन, हिरौंदी (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

पुत्तूलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, हिरौंदी (एटा)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बाँकेलाल जैन सुपुत्र फुलजारीलाल जैन, हिरौंदी (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, हिरौंदी (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी तथा पेशा व्यापार है।

रामश्री जैन धर्मपत्नी नारायणदास जैन, हिरौंदी (एटा)

इस परिवार में केवल एक ही सदस्य हैं। विधवा हैं और मजदूरी करती हैं।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र लखपतराय जैन, हिरौंदी (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

●

जिला-कानपुर

नगर-कानपुर

छक्कूलाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, जैनसदन ११२।३४८ स्वरूपनगर कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार में शिक्षा दूसरी कक्षा से लेकर एम० ए० तक है। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर मीडिएट हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी भदाना (मैनपुरी) के हैं।

जयन्तीप्रसाद जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, अनवरगंज कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और हलवाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

प्रकाशचन्द जैन सुपुत्र मंजूलाल जैन, चौराहा घाटमपुर कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है और व्यापार मिठाई का है। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

भोलानाथ जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, सब्जीमंडी धनकुट्टी कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी अवागढ़ के हैं।

महेन्द्रपाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, पड़रीलालपुर कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं नान मैट्रिक हैं और राजनीतिक कार्यकर्ता हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र गुलधरलाल जैन, हटिया कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी अंग्रेजी और पेशा बक्सों का व्यापार है। मूल निवासी कालपी (जालौन) के हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र द्वारकादास जैन, स्टेशन अनवरगंज कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है और पेशा कन्ट्रैक्टर स्टेशन पर मिठाई इत्यादि का है। मूल निवासी कोटकी (आगरा) के हैं।

शंकरराव जैन सुपुत्र नाभाजी रोडे जैन, कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं आठवीं कक्षा तक पढ़े हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, स्टेशनरोड घाटमपुर कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

सन्तकुमार जैन सुपुत्र रतनलाल जैन, ७०।४९ मथुरी महाल कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख सीमेन्ट का व्यापार करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

स्वरूपचन्द जैन सुपुत्र मंजूलाल जैन, चौराहा घाटमपुर कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है और व्यापार मिष्ठान्न भण्डार का है। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

हुकुमचन्द जैन सुपुत्र मंजूलाल जैन, चौराहा घाटमपुर कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार है। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

●

जिला-गोंडा
गाँव-गोंडा

मगनस्वरूप जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, टी० टी० ई० गोंडा एन० ई० रेलवे (गोंडा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। छठी-सातवीं कक्षा तक सब पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एफ० ए० पास हैं और रेलवे सर्विस में हैं। मूल निवासी कुरगवां (आगरा) के हैं।

●

जिला-झाँसी
नगर-झाँसी

चन्द्रसेन जैन शास्त्री सुपुत्र किन्दरलाल जैन, पाँच न्यू बोधराज कम्पाउण्ड, झाँसी (झाँसी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षित परिवार है। पाँचवीं कक्षा से लेकर एम० ए० तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री और काव्य-न्यायतीर्थ हैं। सार्वजनिक कार्यकर्त्ता भी हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी बाघई (राजमहल) एटा के हैं।

●

जिला-देवरिया
गाँव-देवरिया

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, डिपुटी कलेक्टर, देवरिया (देवरिया)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए० हैं और डिपुटी कलेक्टर के पद पर हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

●

जिला-देहरादून
नगर-देहरादून

रूपकिशोर जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, देहरादून (देहरादून)
इस परिवार में छ-पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। छ लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत और उर्दू के ज्ञाता हैं। भाई बी० ए० और पुत्री इन्टर है। आप बैंक मैनेजर हैं।

●

जिला-प्रतापगढ़
गाँव-प्रतापगढ़

जवाहरलाल जैन सुपुत्र दीनापाल जैन, पट्टी, प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़)
इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख इंगलिश, संस्कृत और हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

●

जिला-फतेहपुर
गाँव-फतेहपुर

खजांचीलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, फतेहपुर (फतेहपुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी मुहम्मदाबाद (आगरा) के हैं।

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र रतनलाल जैन, फतेहपुर (फतेहपुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। एक पुत्र इंजीनियरिंग और एक बी० एस-सी० में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और हलवाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

चन्दूमलाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, रेलवे बाजार फतेहपुर (फतेहपुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी अंग्रेजी है और पेशा रेलवे स्टेशन पर मिठाई के कन्ट्राक्टर हैं। मूल निवासी मुहम्मदाबाद (आगरा) के हैं।

कुट्टनलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, फतेहपुर खास (फतेहपुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी, इंगलिश है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और हलवाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी मुहम्मदाबाद (आगरा) के हैं।

विजयरानी जैन सुपुत्री बनारसीदास जैन, देवीगंज फतेहपुर (फतेहपुर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा हलवाई का है। मूल निवासी विजयगढ़ के हैं।

ब्रजमोहनलाल जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, रेलवे बाजार फतेहपुर (फतेहपुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है और पेशा परचून का व्यापार है। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

गाँव-कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)

कुन्दनलाल जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, लालूगंज कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ 'सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी नारखी (आगरा) के हैं।

चन्द्रमुखी जैन धर्मपत्नी स्व० लाला चन्द्रसेन जैन, मुहल्ला जैन कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में दो सदस्य स्त्री वर्ग में हैं। दोनों ही विधवा हैं। मूल निवासी स्थानीय ही हैं।

जोरावरमल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रकाश जैन, चौकबाजार कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र गिरनारीलाल जैन, बाकरगंज कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी, इंगलिश पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

नन्दनलाल जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, लालूगंज कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी गढ़ी महासिंह (आगरा) के हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र जैनीलाल जैन, लालूगंज कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और चीनी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

मालादेवी जैन धर्मपत्नी स्व० लाला सोनपाल जैन, गुड़ाहीमंडी कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में चार सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं। तीनों लड़के गूँगे हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र खुशमुखराय जैन, चौक बाजार कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में केवल एक ही सदस्य हैं। अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी तथा व्यापार परचून का है। मूल निवासी कोटला (आगरा) के हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, लालूगंज कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी, इंगलिश है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी नारखी (आगरा) के हैं।

रामदुलारे जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, रामगंज बाकरगंज कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय ही हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र जिनेश्वरदास जैन, मुहल्ला कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार मिठाई का है। मूल निवासी स्थानीय ही हैं।

श्यामकिशोर जैन सुपुत्र ब्रजनन्दनलाल जैन, बाकरगंज कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और किराशन तेल का व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय ही हैं।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र बैनीलाल जैन, मुहल्ला जैन कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एम० एस-सी० (फाइनल) हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

●

जिला-फरुखाबाद
गाँव-फरुखाबाद

पूरनचन्द जैन सुपुत्र सेठलाल जैन, फरुखाबाद (फरुखाबाद)
इस परिवार में केवल एक ही सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी है और ब्रांच पोस्ट में सर्विस करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

●

जिला-बाँदा
गाँव-बाँदा

इन्द्रकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, चौकबाजार बांदा (बांदा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार दूध मिठाई का है। मूल निवासी बाबरपुर (एटा) के हैं।

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, कन्हैया लाल जैनकटरा बांदा (बांदा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी जौंधरी (आगरा) के हैं।

किशनलाल जैन सुपुत्र जीवाराम जैन, लोको किशन दि० भारत भारती बांदा (बांदा)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। विधुर हैं। हिन्दी पढ़े हैं। मूल निवासी मुहम्मदाबाद (आगरा) के हैं।

श्रीचन्द जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, छोटा बाजार बांदा (बांदा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार मिठाई का है।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, चौकबाजार बांदा (बांदा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार मिठाई का है। मूल निवासी काल्पी के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, चौकबाजार बांदा (बांदा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। लड़के सब पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कालपी के हैं।

शिवप्रसाद जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, मुहल्ला कटरा बांदा (बांदा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मनिहारी का व्यापार है।

लालाराम जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, मुहल्ला ठठराली छोटा बाजार बांदा (बांदा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मिठाई का व्यापार करते हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, मुहल्ला कटरा बांदा (बांदा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार मिठाई का है। मूल निवासी बल्टीगढ़ (मैनपुरी) के हैं।

खेतीलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, प्रकाश टाकीज गुसाईंगंज बांदा (बांदा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मिठाई का है। मूल निबासी कालपी के हैं।

●

जिला-बुलन्दशहर
गाँव-खुर्जा

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र पूरनमल जैन, खुर्जा (बुलन्दशहर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी है। मूल निवासी खेरी बरहन (आगरा) के हैं।

बिहारीलाल जैन सुपुत्र मोहनलाल जैन, खुर्जा (बुलन्दशहर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी है। मूल निवासी खेरी बरहन (आगरा) के हैं।

●

जिला-मथुरा
गाँव-दौंहई

चिरंजीलाल जैन सुपुत्र बनवारीलाल जैन, दौंहई जलेसर रोड (मथुरा)
इस परिवार में आप स्वयं ही हैं। अविवाहित हैं।

चुन्नीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, दौंहई जलेसर रोड (मथुरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मिठाई का व्यापार है।

मुरलीधर जैन सुपुत्र हरदयाल जैन, दौंहई जलेसर रोड (मथुरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा साधारण हिन्दी है।

रतनलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, दौंहई जलेसर रोड (मथुरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी है।

राजकुमार जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, दौंहई जलेसर रोड (मथुरा)
इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा ग्यारह स्त्री वर्ग में कुल बाईस सदस्य हैं। सात लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार मिठाई का है। मूल निवासी दौंहई के हैं और जलेसर रोड में रहते हैं।

ब्रजसेन जैन सुपुत्र जयकुमार जैन, दौंहई जलेसर रोड (मथुरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है।

गाँव-महावन (मथुरा)

प्रभाचन्द जैन सुपुत्र लाला पुष्पेन्द्रचन्द्र जैन, राजकीय आदर्श विद्यालय महावन (मथुरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास जे० टी० सी० हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद (मैनपुरी) के हैं।

गाँव-शिखरा (मथुरा)

बाबूलाल जैन सुपत्र कल्यानदास जैन, शिखरा (मथुरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

भागचन्द जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, शिखरा (मथुरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी है।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र भगवानप्रसाद जैन, शिखरा (मथुरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

●

जिला-मेरठ
नगर-मेरठ

धर्मेन्द्रनाथ जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, सुखदा फार्मेसी सदरबाजार मेरठ (मेरठ)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षित परिवार है। पाँचवीं कक्षा से लेकर एम० ए० तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं साहित्य भूषण, भिषगाचार्य, वैद्यशास्त्री हैं। सामाजिक, साहित्यिक और सार्वजनिक महती सेवाएँ हैं। व्यवसाय चिकित्सा का है। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

रमेशचन्द्र जैन सुपुत्र सुखलाल जैन, मकान नं० ९२।९६ मेरठ छावनी (मेरठ)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। सब बच्चे प्रथम कक्षा से लेकर नौवीं तक पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास हैं और रेलवे सर्विस में हैं। मूल निवासी सखावतपुर (आगरा) के हैं।

●

जिला-मैनपुरी
गाँव-अरांव

अनोखेलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

खजांचीलाल जैन सुपुत्र खेतीराम जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार का है।

चन्द्रभान जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

छोटेलाल जैन सुपुत्र लट्टूरीमल जैन, अरांव (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

दम्मीलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, अरांव (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नाथूराम जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, अरांव (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

फुलजारीलाल जैन सुपुत्र चाँदविहारीलाल जैन, अरांव (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बनारसीदास जैन सुपुत्र मथुराप्रसाद जैन, अरांव (मैनपुरी)

इस परिवार में तेरह पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। आठ लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बहोरीलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, अरांव (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बालीराम जैन सुपुत्र अंतराम जैन, अरांव, (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, अरांव (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रामकिशन जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, अरांव (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रामप्रसाद जैन सुपुत्र शान्तिप्रसाद जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में स्वयं परिवार प्रमुख ही हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सराफीलाल जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी तथा पेशा व्यापार है।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र चांदविहारीलाल जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

श्रीलाल जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी है।

गाँव-असुवा (मैनपुरी)

उल्फतराय जैन सुपुत्र अर्जुनदास जैन, असुवा (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है।

कुंजीलाल जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, असुवा (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गुलजारीलाल जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, असुवा (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय ही हैं।

लालाराम जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, असुवा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-आपुर (मैनपुरी)

सुनहरीलाल जैन आपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-उडेसर (मैनपुरी)

कुन्दनलाल जैन सुपुत्र खजांचीलाल जैन, उडेसर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गजाधरलाल जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, उडेसर (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

बाबूराम जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, उडेसर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

महीपाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, उडेसर (मैनपुरी)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। आप ग्राम-सभाके सदस्य भी हैं।

रघुवरदयाल जैन सुपुत्र बच्चीलाल जैन, उडेसर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। परिवार प्रमुख ग्राम-सभाके सदस्य भी हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र संतनलाल जैन, उडेसर (मैनपुरी)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं, ग्राम सभा के सदस्य भी हैं। अन्य लड़की लड़के पढ़ रहे हैं।

वासदेव जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, उडेसर (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

गाँव-एका (मैनपुरी)

दरबारीलाल जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, एका (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

पूरनचन्द जैन सुपुत्र मनोहरलाल जैन, एका (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सराफे का व्यापार है।

हजारीलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, एका (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-कछवाई (मैनपुरी)

भूदेवप्रसाद जैन सुपुत्र तुलाराम जैन, कछवाई (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी है।

गाँव-कटेना (मैनपुरी)

लखपतराम जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, कटेना (मैनपुरी)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। इस ग्राम में महावीर स्वामी का एक मन्दिर चम्पालाल का बनवाया हुआ है।

गाँव-कुतकपुर (मैनपुरी)

श्यामलाल जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, कुतकपुर (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-केशरी (मैनपुरी)

राजपाल जैन सुपुत्र सालिकराम जैन, केशरी (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं और दो भाई अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

गाँव-कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)

पन्नालाल जैन सुपुत्र दीपचन्द जैन, कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र रामनारायण इंटर पास है। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी जानते हैं और व्यापार करते हैं।

परमानन्द जैन सुपुत्र लालसहाय जैन, कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

राजकुमार जैन सुपुत्र जीवाराम जैन, कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बादशाह जैन सुपुत्र मथुरीलाल जैन, कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र सत्येन्द्रकुमार दसवीं कक्षा पास है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

सुखमाल जैन सुपुत्र तोताराम जैन, कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। आप पोस्टमास्टर भी हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र थानसिंह जैन, कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। पुत्र जियालाल बी० ए० और जयदयाल जैन दसवीं कक्षा पास हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

गाँव-कौरारी सरहद (मैनपुरी)

अमोलक जैन सुपुत्र गोरेलाल जैन, कौरारी सरहद (मैनपुरी)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

ओंकारप्रसाद जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, कौरारी सरहद (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हरमुखलाल जैन सुपुत्र गोरेलाल जैन, कौरारी सरहद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-खेरी (मैनपुरी)

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र जोरावरसिंह जैन, खेरी (मैनपुरी)

इस परिवार में एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बुद्धसेन जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, खेरी (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-खैरगढ़ (मैनपुरी)

कपूरचन्द जैन सुपुत्र जम्बूदास जैन, खैरगढ़ (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

छेदीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, खैरगढ़ (मैनपुरी)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

झण्डूलाल जैन सुपुत्र द्वारकादास जैन, खैरगढ़ (मैनपुरी)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल सत्तरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। पुत्र प्रमोदकुमार मैट्रिक और अभयकुमार मिडिल पास हैं। अन्य बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, खैरगढ़ (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं साहित्य विशारद हैं और मोटर ट्रांस्पोर्ट का व्यापार करते हैं। सन् १९४२ में जेल में आपने "मानव जीवन" नामक पुस्तक लिखी थी। आप सामाजिक, राजनीतिक, साहित्यिक और सार्वजनिक कार्य कर्त्ता हैं। मंडल कांग्रेस के मंत्री भी हैं।

लखमीचन्द जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, खैरगढ़ (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-घिरोर (मैनपुरी)

अमृतलाल जैन सुपुत्र मथुराप्रसाद जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

अरविन्दकुमार जैन सुपुत्र गयाप्रसाद जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं अविवाहित हैं और बी० ए० में पढ़ रहे हैं।

अशरफीलाल जैन सुपुत्र परसादीलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है।

आनन्दकुमार जैन दत्तक पुत्र माणिकचन्द जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं अंग्रेजी हिन्दी पढ़े हैं और रेडीमेड कपड़े का व्यापार करते हैं।

अंग्रेजीलाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। पुत्र देवेन्द्र नवीं कक्षा पास है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और किराने का व्यापार करते हैं।

कश्मीरीलाल जैन सुपुत्र अयोध्याप्रसाद जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और चिकित्सा का कार्य करते हैं। मूल निवासी मैदामई (अलीगढ़) के हैं।

केदारनाथ जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। भतीजा सतीशचन्द्र हाईस्कूल में पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी नानेमऊ के हैं।

केशवदेव जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

चन्द्रभान जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार किराने का है।

चन्द्रवीर जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी हिरौंदी के हैं।

जगतनारायण जैन सुपुत्र उल्फतराय जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी सरसागंज के हैं।

जगन्नाथप्रसाद जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

जयन्तीप्रसाद जैन सुपुत्र वरसाईलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। पारिवारिक शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र नारंगीलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है।

दयाचन्द जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। पुत्र प्रद्युम्नकुमार इण्टर पास हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराने का व्यापार है।

दीपचन्द जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है।

द्वारकाप्रसाद जैन सुपुत्र आछेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र झुन्नीलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

पूरनमल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। दोनों अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र नारायणदास जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पांच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

फुलजारीलाल जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। पाँच लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े और कृषिकार्य का है।

फुलजारीलाल जैन सुपुत्र सुखलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़ा सिलाई का है।

फूलचन्द जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बाबूराम जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बाबूराम जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी फरिहा के हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार हलवाई का है।

बहोरीलाल जैन सुपुत्र राजाराम जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। पाँच लड़के अविवाहित हैं।

मुंशीलाल जैन बिहारीलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराने का व्यापार है।

राधारमन जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। भतीजा सुशीलकुमार नौवीं कक्षा में है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और हलवाई का व्यापार करते हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र गोरेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। पुत्र राजेन्द्रकुमार हाई-स्कूल पास हैं और सब हिन्दी पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

रामपूत जैन सुपुत्र मगनीराम जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवारमें दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सदासुखलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सागरचन्द जैन सुपुत्र राजाराम जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुभाषचन्द्र जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी नुनहाई (आगरा) के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र नौरंगीलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। भाई नरेन्द्रकुमार इण्टर हैं और बहन मुन्नीकुमारी इण्टर हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी हरदुआगंज के हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

श्रीचन्द जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार किराने का है।

श्रीचन्द जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी बमरौली के हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र आछेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हजारीलाल जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराने का व्यापार है।

गाँव-जरामई (मैनपुरी)

जगन्नाथप्रसाद जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, जरामई (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-जरौली (मैनपुरी)

अमृतलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, जरौली (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

श्रीचन्द जैन सुपुत्र भजनलाल जैन, जरौली (मैनपुरी)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। दोनों अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हरदयाल जैन सुपुत्र धर्मजीत जैन, जरौली (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छह सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-जसराना (मैनपुरी)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, जसराना (मैनपुरी)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल बीस सदस्य हैं। आठ लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

अंग्रेजीलाल जैन सुपुत्र नौरंगीलाल जैन, जसराना (मैनपुरी)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

कश्मीरीलाल जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, जसराना (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

छोटेलाल जैन सुपुत्र दीनानाथ जैन, जसराना (मैनपुरी)
इस परिवार में एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र दिलसुखराय जैन, जसराना (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। दो लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं। पुत्र सुरेशचन्द्र इण्टर पास हैं और नहर विभाग में ओवरसियर हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

सरवती देवी जैन धर्मपत्नी जौहरीलाल जैन, जसराना (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। पुत्र राजकुमार इण्टर पास हैं और हेल्थ विभाग में इन्स्पेक्टर हैं। परिवार प्रमुख चर्खेसे सूत कातने का कार्य करती हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र दिलसुखराय जैन, जसराना (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। पुत्र प्रेमचन्द और पुत्र वधू पदमकुमारी बी० ए० और हाई स्कूल पास हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और क्लोथ मर्चेण्ट हैं।

होतीलाल जैन सुपुत्र दिलसुखराय जैन, जसराना (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। पुत्र शिवकुमार और महेन्द्र-कुमार इण्टर और एम० ए०, बी० टी० पास हैं। एक डी० एस० पी० हैं और दूसरे व्यापार करते हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास हैं और क्लाथ मर्चेण्ट हैं।

गाँव-जोधपुर (मैनपुरी)

रोशनलाल जैन सुपुत्र बैजनाथ जैन, जोधपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में केवल एक व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-थरौवा (मैनपुरी)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र हुंडीलाल जैन, थरौवा (मैनपुरी)
इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

बाबूराम जैन सुपुत्र रूपराम जैन, थरौवा (मैनपुरी)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। भतीजे कमलस्वरूप और पदमचन्द दोनों इण्टर पास हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

लालताप्रसाद जैन सुपुत्र कम्पिलादास जैन, थरौवा (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र निर्मलकुमार दसवीं कक्षा पास हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-दिनौली (मैनपुरी)

श्रीचन्द जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, दिनौली (मैनपुरी)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-नसीरपुर (मैनपुरी)

मुंशीलाल जैन सुपुत्र दरबारीलाल जैन, नसीरपुर (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हजारीलाल जैन सुपुत्र शिवलाल जैन, नसीरपुर (मैनपुरी)

इस परिवार में एक ही व्यक्ति हैं।

गाँव-नगला सामंती (मैनपुरी)

मुंशीलाल जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, नगला सामंती (मैनपुरी)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रतनमाला जैन सुपुत्री हजारीलाल जैन, नगला सामंती (मैनपुरी)

इस परिवार में यह एक ही महिला हैं। विधवा हैं।

गाँव-निकाऊ (मैनपुरी)

खानचन्द जैन सुपुत्र कुंजीलाल जैन, निकाऊ (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

चिरंजीलाल जैन सुपुत्र तुलसीराम जैन, निकाऊ (मैनपुरी)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

गाँव-पचवा (मैनपुरी)

गुलजारीलाल जैन सुपुत्र नकसेलाल जैन, पचवा (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-पाढम (मैनपुरी)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी पैंढंत के हैं।

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र मगधलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

अशरफीलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और कपड़े का व्यापार है।

अशरफीलाल जैन सुपुत्र बृजनन्दनलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र टेकचन्द जैन, पाढ़म (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी पैंढत के हैं।

इन्द्रचन्द्र जैन सुपुत्र अमोलकचन्द जैन, पाढ़म (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस चकबन्दी की है।

उग्रसेन जैन सुपुत्र फुलजारीलाल जैन, पाढ़म (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पान का व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

चिन्तामणि जैन सुपुत्र कस्तूरचन्द जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। तीसरी कक्षा से लेकर आठवीं तक सब शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं आठवीं पास हैं और नहर के ठेकेदार हैं।

छिंगामल जैन सुपुत्र कल्यानदास जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार हलवाई का है।

जनेश्वरदास जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और गल्ले का व्यापार है।

जयलाल जैन सुपुत्र नन्दकिशोर जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

टेकचन्द जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी पैंढत के है।

टेकचन्द जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। छ लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं। कक्षा एक से लेकर सातवीं तक सब पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं चौथी तक पढ़े हैं और कपड़े तथा वर्तन का व्यापार है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र कम्पिलादास जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित है। शिक्षा दूसरी कक्षा से लेकर सातवीं तक है। कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय ही है।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बाबूराम जैन दत्तकपुत्र जौहरीलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। पुत्र भागचन्द एम० ए०

एल० टी०, विमलकुमार बी० ए०, कमलेशचन्द्र मैट्रिक पास और सर्विस में हैं। शंकरलाल नौवीं में पढ़ रहा है। पुत्रवधू नीलमणि दसवीं पास हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और दवाखाने का व्यापार करते हैं।

भूधरदास जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी पैंढत के हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र कम्पिलादास जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी पढ़े हैं और जनरल मर्चेण्ट का व्यापार करते हैं।

महेशचन्द जैन सुपुत्र कस्तूरचन्द जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा नहर का ठेका तथा हलवाई का व्यापार है।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र लेखराज जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी जेडा (मैनपुरी) के हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र राजाराम जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

राजनलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी सरानी (एटा) के हैं।

लखपतिचन्द जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी पैंढत के हैं।

वीरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र टेकचन्द जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी पैंढत (मैनपुरी) के हैं।

स्व० श्री रामस्वरूपजी जैन, इन्दौर

स्व० श्री बाबू हजारीलाल जी जैन
वकील, फीरोजाबाद

श्री पं० अमोलकचन्दजी जैन, उड़ेसरीय
इन्दौर

श्री ला० महावीरप्रसाद जी जैन, सर्राफ
देहली

श्री पं० बंशीधरजी जैन
इन्दौर

श्री लाला मुंशीलालजी जैन
एटा

स्व० श्री बनारसीदासजी जैन
पालेज
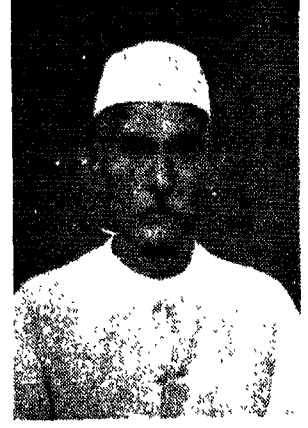
श्री देवचन्दजी रामासाव रोडे जैन
वर्धा

श्री वैद्य रामप्रसादजी जैन शास्त्री
आगरा
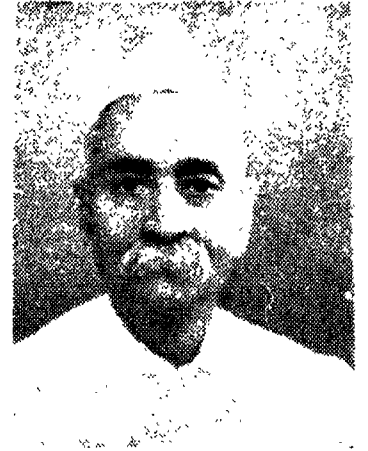
श्री श्यामलालजी जैन रईस
देहली

सुखदेवदास जैन सुपुत्र घासीराम जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पौत्र इन्द्रचन्द्र विशारद हैं। परिवार प्रमुख स्वयं चौथी कक्षा तक शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। सामाजिक और सार्वजनिक कार्यकर्ता भी हैं। मूल निवासी पाढम के हैं।

हीरालाल जैन सुपुत्र कम्पिलादास जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है।

हुब्बलाल जैन सुपुत्र बृजवासीलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

गाँव-पिलकतर फतह (मैनपुरी)

जयदेव जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, पिलकतर फतह (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सोनपाल जैन सुपुत्र लालाराम जैन, पिलकतर फतह (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-पैंढत, (मैनपुरी)

गप्पूलाल जैन, पैंढत (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी देवखड़ा के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र गेंदालाल जैन, पैंढत (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषि-कार्य का है।

गाँव-पृथ्वीपुर (मैनपुरी)

खुशीलाल जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, पृथ्वीपुर (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

चोखेलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, पृथ्वीपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नत्थूलाल जैन सुपुत्र सुखवासीलाल जैन, पृथ्वीपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बद्रीप्रसाद जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, पृथ्वीपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दवाओं का व्यापार है।

रामदयाल जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, पृथ्वीपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

साहूकाल जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, पृथ्वीपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-फरिहा (मैनपुरी)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र झम्मनलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अयिवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

उल्फतराय जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी ओर पेशा व्यापार हलवाईगिरी का है।

किरोड़ीलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

किरोड़ीमल जैन सुपुत्र सालिगराम जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं।

दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी खेरी (आगरा) के हैं।

ताराचन्द जैन सुपुत्र चेतराम जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

देवकुमार जैन सुपुत्र रतनलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं अविवाहित हैं और बेकार हैं।

पन्नालाल जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है। मूल निवासी मरसलगंज के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र नेमीचन्द जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा छह स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख अंग्रेजी-हिन्दी पढ़े हैं और किराने का व्यापार करते हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा हलवाईगिरी और कृषिकार्य का है।

फौजीलाल जैन सुपुत्र निन्नामल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी नरहरपुर (एटा) के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र नेतलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार बूरा बताशा का है।

बाँकेलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी का है।

भगवानदास जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

भगवानस्वरूप जैन सुपुत्र चौबेलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। पुत्र नेमीचन्द्र दवाओंका व्यापार करते हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

रघुनन्दनप्रसाद जैन सुपुत्र हुंडीलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच 'स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र विमलकुमार बी० ए० में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

रमेशचन्द जैन सुपुत्र हुंडीलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मिठाई का व्यापार है।

राजनलाल जैन सुपुत्र रामप्रकाश जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है तथा साइकिल की दुकान है।

लक्ष्मणदास जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई की दुकान है।

लक्ष्मीशंकर जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। सात लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। पुत्र पवनकुमार इन्टर में है, अन्य हिन्दी पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और क्लोथ मर्चेन्ट हैं, वस्त्र का व्यवसाय करते हैं।

सन्तकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा हलवाईगिरी का है। मूल निवासी वासरिसाल (आगरा) के हैं।

सुकमाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषि-कार्य का है।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। छ लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार सराफे का है।

शाहकुमार जैन सुपुत्र निभामल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

शौकीलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। भतीजा वीरेन्द्र दसवीं कक्षा पास है, बाकी के पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कुबेरगढ़ी के हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र झल्लूमल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी कुबेरगढ़ी के हैं

श्रीलाल जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिबार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

श्रीलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी है।

गाँव-फाजिलपुर (मैनपुरी)

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र दिलसुखराय जैन, फाजिलपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-बड़ागाँव (मैनपुरी)

राजकुमार जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, बड़ागाँव (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुखनन्दनलाल जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, बड़ागाँव (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-भादऊ (मैनपुरी)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, भादऊ (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-भारौल (मैनपुरी)

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, भारौल (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार दुकानदारी का है।

गाँव-रामपुर (मैनपुरी)

ज्योतिप्रसाद जैन सुपुत्र राजाराम जैन, रामपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

भजनलाल जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, रामपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। दो वयस्क व्यक्ति अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

बिजयस्वरूप जैन सुपुत्र शिवप्रसाद जैन, रामपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है।

साहूकार जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, रामपुर (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र सम्पतराम जैन, रामपुर (मैनपुरी)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक वयस्क अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-रीमा (मैनपुरी)

कान्तिप्रसाद जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, रीमा (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, रीमा (मैनपुरी)

इस परिवार में एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है।

संतकुमार जैन सुपुत्र दरबारीलाल जैन, रीमा (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है।

गाँव-वल्टीगढ़ (मैनपुरी)

छक्कामल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, वल्टीगढ़ (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र जयलाल जैन, वल्टीगढ़ (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र शरदकुमार हाई-स्कूल पास है और सर्विस में है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-सरसागंज (मैनपुरी)

कामताप्रसाद जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, सरसागंज (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र शरदकुमार मैट्रिक है। परिवार प्रमुख स्वयं आयुर्वेदाचार्य और काव्यतीर्थ हैं। मूल निवासी पेगू (मैनपुरी) के हैं।

चन्द्रसेन जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, सरसागंज (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कोटला (आगरा) के हैं।

नाथूराम जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, सरसागंज (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। बहन सुशीला देवी विधवा हैं और प्रवेशिका पास हैं। स्थानीय कन्या पाठशाला में सर्विस में है। परिवार प्रमुख हिन्दी जानते हैं और व्यापार करते हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, सरसागंज (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। पुत्री कान्ता कुमारी हाईस्कूल पास है। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं नार्मल ट्रेण्ड हैं और घी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

रविलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, सरसागंज (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

रविलाल जैन सुपुत्र उल्फतराय जैन, सरसागंज (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। पुत्र सतीशचन्द इण्टर पास है और सरसागंज स्कूल में अध्यापक है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी जानते हैं और व्यापार करते हैं।

गाँव-सिरमई (मैनपुरी)

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, सिरमई (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है।

शिवप्रसाद जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, सिरमई (मैनपुरी)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है। मूल निवासी फरिहा के हैं।

गाँव-सुनाव (मैनपुरी)

सेवतीलाल जैन सुपुत्र परमसुखदास जैन, सुनाव (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। पुत्र भवनस्वरूप एम० ए०-एल० डी० एल-एल बी० है और प्रिंसपल हैं। परिवार प्रमुख चौथी कक्षा पास हैं और कृषिकार्य का व्यापार करते हैं। निःशुल्क दवाएँ भी देते हैं। सार्वजनिक कार्यकर्ता भी हैं।

गाँव-सौनई (मैनपुरी)

रामस्वरूप जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, सौनई (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, सौनई (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हजारीलाल जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, सौनई (मैनपुरी)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-शिकोहाबाद (मैनपुरी)

आनन्दकुमार जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी-अंग्रेजी पढ़े हैं और बुकिंग क्लर्क की सर्विस करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा खोमचा का है। मूल निवासी रिजावली के हैं।

इन्द्रसेन जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा घड़ीसाजी का है। मूल निवासी नाहरपुर के हैं।

कपूरचन्द जैन सुपुत्र अमोलकचन्द जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। मूल निवासी एत्मादपुर (आगरा) के हैं।

कम्पिलादास जैन सुपुत्र आसाराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। सात लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। पुत्र नेमीचन्द एम० ए० एल० एल० बी० एडवोकेट हैं, पुत्रवधू किरणकुमारी इण्टर, पुत्र मानिकचन्द एम० ए० बी० टी०, पुत्र वीरकुमार इण्टर, पौत्री-सरोजकुमारी हाईस्कूल है। अन्य लड़के लड़की विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख प्राइमरी कक्षा पास हैं और कृषिकार्य तथा व्यापार करते हैं।

किशोरीलाल जैन सुपुत्र हुंडीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार बूराबताशा का है। मूल निवासी एत्मादपुर के हैं।

कुँवरप्रसाद जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार परचून का है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

गौरीशंकर जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। भाई रमेशचन्द्र इन्टर में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा चाटका व्यापार है। मूल निवासी आलमपुर (आगरा) के हैं।

पं० चन्द्रसेन जैन शास्त्री सुपुत्र बुद्धसेन जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी कोटला के हैं।

छैलबिहारी जैन सुपुत्र चुन्नीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मिठाई की दुकान है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

जगन्नाथप्रसाद जैन सुपुत्र दिलेराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मिठाई का है।

जग्गीलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

जयन्तीलाल जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है।

जरदकुमार जैन सुपुत्र वीरवल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्गमें कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

जिनवरदास जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी फरिहा के हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र विद्यानन्द जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

धनपाल जैन सुपुत्र सोहनलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी एका के हैं।

धनसुखदास जैन सुपुत्र पातीराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा घी का व्यापार है। मूल निवासी फरुखाबाद के हैं।

नम्बरदार जैन सुपुत्र मौजीराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

निर्मलकुमार जैन सुपुत्र मनभावनलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सूत का व्यापार है।

नत्थीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

नैनामल जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

पुत्तूलाल जैन सुपुत्र जौहरीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार ठेकेदारी का है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

पुष्पेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं। पुत्र प्रभाचन्द्र अध्यापक हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और सर्विस करते हैं।

प्रेमसागर जैन सुपुत्र धनसुखदास जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी अंग्रेजी पढ़े हैं और आटा चक्की का व्यापार है। मूल निवासी फरुखाबाद के हैं।

फुलजारीलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार से छ पुरुष वर्ग में तथा ग्यारह स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। सात लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और गल्ले का व्यापार है। मूल निवासी पमारी के हैं।

फूलचन्द्र जैन सुपुत्र ख्यालीराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा परचून का व्यापार है।

बहोरीलाल जैन सुपुत्र ख्यालीराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। पुत्र सुरेशचन्द्र इण्टर हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और परचून का व्यापार करते हैं। मूल निवासी राजमल (एटा) के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चौदह पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल इक्कीस सदस्य हैं। छ लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। पुत्र महेशचन्द इंग्लिश पढ़ा है और कमलकुमार डाक्टरी पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय ही हैं।

भामण्डलदास जैन सुपुत्र मिट्ठनलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा खुदरा माल का व्यापार है।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र शेखरचन्द जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। पुत्र दामोदरदास और विनयकुमार हाईस्कूल पास हैं। अन्य लड़के विभिन्न कक्षाओं में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इण्ट्रेन्स हैं और जिला मैनपुरी व एटा के कूपर इंजक्स के डिस्टीब्यूटर्स और आटा चक्की का व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तेरह पुरुष वर्ग में तथा पन्द्रह स्त्री वर्ग में कुल अट्ठाईस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा आठ लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा घी का व्यापार है। मूल निवासी कौरारा बुजुर्ग के हैं।

मुरारीलाल जैन दत्तकपुत्र वंशीधर जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो वयस्क युवक अविवाहित हैं। एक सुभाषचन्द्र एम० बी० बी० एस०

डाक्टर हैं और दूसरा अशोकचन्द्र एम० काम० फाइनल हैं। परिवार प्रमुख स्वयं अंग्रेजी हिन्दी पढ़े हैं और तेल, चावल मिल और बरफ कारखानेके संचालक तथा मर्चेन्ट हैं। मूल निवासी खांडा (आगरा) के हैं।

रघुवरदयाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तेरह पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल तेईस सदस्य हैं। आठ लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा फुटकर दुकानदारी है। मूल निवासी कोटला (आगरा) के हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। पाँच लड़के अविवाहित हैं। पुत्र नरेन्द्रकुमार इण्टर हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और परचून का व्यापार करते हैं। मूल निवासी एतमादपुर के हैं।

राजनलाल जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र सुरेशचन्द्र बी० ए० हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और चाट का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आलमपुर के हैं।

राजबहादुर जैन सुपुत्र सांवलदास जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार दुकानदारी है।

राजकुमार जैन सुपुत्र वीरबलदास जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। आठ लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार (घी मर्चेन्ट) हैं।

राजेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी खांडा के हैं।

राजेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। पुत्र अशोककुमार बी० एस० सी०, अचलकुमार बी० एस० सी०, भतीजा सुबोधकुमार बी० एस० सी०, भतीजा प्रमोदकुमार बी० एस० सी०, अन्य लड़के इंगलिश हिन्दी पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और सर्राफे का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

रोशनलाल जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी रैमजा (आगरा) के हैं।

विजयचन्द जैन सुपुत्र विजयनंदन जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है।

सन्तोषीलाल जैन सुपुत्र बल्देवप्रसाद जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तेरह पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल तेईस सदस्य हैं। नौ लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं। पुत्र ओमप्रकाश हाईस्कूल पास हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी सदऊ (मैनपुरी) के हैं।

साहूलाल जैन सुपुत्र रघुवंशीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा फुटकर दुकानदारी का व्यापार है। मूल निवासी रामपुर (मैनपुरी) के हैं।

सुखनन्दनलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार मनिहारी का है।

सुखनन्दी जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मकान भाड़ा है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

सुनपतिलाल जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र सत्येन्द्रकुमार दसवीं

कक्षा में है। अन्य लड़के विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०ए० हैं और घी आदि का व्यापार करते हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र वासुदेवसहाय जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र रामप्रकाश को-आपरेटिव बैंक के मैनेजर हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वसुंधरा के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र मंगलसेन जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराना का है। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

सूरजभान जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी आलमपुर के हैं।

श्यामलाल जैन सुपुत्र लछमनदास जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी मिजराऊ (एटा) के हैं।

श्यामलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में तेरह पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल इक्कीस सदस्य हैं। आठ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार किराना और मिठाई का है। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

श्रीधरलाल जैन सुपुत्र राजाराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में एक व्यक्ति हैं। आप विधुर हैं और बी०एस०सी० वैयाकरणी हैं। प्रेस द्वारा छपाई का कारोबार है। मूल निवासी चावली (आगरा) के हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र बनारसीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

हरसुखराय जैन सुपुत्र लेखराज जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं।

दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार गल्ले का है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

हरिविलास जैन सुपुत्र बैजनाथ जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी का है। मूल निवासी चिरौली (आगरा) के हैं।

हुंडीलाल जैन सुपुत्र थानसिंह जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं।। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा गल्ले का व्यापार है।

हुंडीलाल जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। एक लड़का मिडिल पास है और एक आठवीं कक्षा में है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और स्टेशन पर चाय का स्टाल है।

गाँव-हातमन्त (मैनपुरी)

छोटेलाल जैन सुपुत्र हुंडीलाल जैन, हातमन्त (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं।

बाँकेलाल जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, हातमन्त (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के हैं।

●

जिला-लखनऊ

नगर-लखनऊ

प्रकाशचन्द्र जैन सुपुत्र सुनहरीलाल जैन, काला फाटक लखनऊ (लखनऊ)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं बी० ए० हैं और पेशा प्रिंटिंग प्रेस का कार्य है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र मक्खनलाल जैन, सेक्रेटरियट क्वार्टर्स महानगर लखनऊ (लखनऊ)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। कक्षा तीन से लेकर नौवीं तक के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी० काम० हैं और सरकारी सर्विस में हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

●

जिला-हरद्वार
नगर-हरद्वार

हजारीलाल जैन सुपुत्र जौहरीलाल जैन, मोती बाजार हरद्वार (हरद्वार)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और बिसातखाने के जनरल मर्चेण्ट हैं। मूल निवासी कोटला (आगरा) के हैं।

●

गुजरात प्रान्त

जिला-बड़ोदा

गाँव-करजन

बनारसीदास जैन सुपुत्र चंपाराम जैन, ११९६ सरदार चौक नयाबाजार करजन (बड़ोदा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी मर्थरा (एटा) के हैं।

महेन्द्रपाल जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, पुराना बाजार करजन (बड़ोदा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का मैट्रिक में पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी करजन के ही हैं।

सूर्यपाल जैन सुपुत्र सेवाराम जैन, नयाबाजार करजन (बड़ोदा)

इस परिवार में सोलह पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल पच्चीस सदस्य हैं। तेरह लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवार मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) का है।

गाँव-चांपानेर रोड (बड़ोदा)

सूरजभान जैन सुपुत्र वासुदेव जैन, चांपानेर रोड (बड़ोदा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और अनाज तथा किराने की दुकान करते हैं। मूल निवासी पानाधाती का नगला (मैनपुरी) के हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र वासुदेव जैन, चांपानेर रोड आदीनाथ स्टोर (बड़ोदा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और अनाज के व्यापारी हैं। मूल निवासी मानधाती का नगला के हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र वासुदेव जैन, चांपानेर रोड (बड़ोदा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमतीजी केवल दो सदस्य ही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और अनाज का व्यापार करते हैं। मूल निवासी मानधाती का नगला के हैं।

गाँव-मियोगाँव करजन (बड़ोदा)

तहसीलदार जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन , मियोगाँव करजन जूनाबाजार (बड़ोदा)
इस परिवार में यह सज्जन अकेले ही हैं और वृद्ध अवस्था में हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, जनता स्टोर मियोगाँव करजन (बड़ोदा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख रैस्टोरेण्ट का कार्य करते हैं। मूल निवासी आगरा के हैं।

वासुदेव जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, मियोगाँव करजन जूनाबाजार (बड़ोदा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख कटलेरी विक्रेता हैं। मूल निवासी ख्याली का नगला के हैं।

गाँव-बाघोड़िया (बड़ोदा)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, बाघोड़िया (बड़ोदा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं तथा विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और अनाज के व्यापारी हैं। मूल निवासी ख्याली का नगला के हैं।

जैनेन्द्रकिशोर जैन सुपुत्र जयकुमार जैन, श्याम सदन बाघोड़िया (बड़ोदा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और साइकिल की दुकान करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

धन्यकुमार जैन सुपुत्र भाजनलाल जैन, ठि० दीपक रेस्टोरेण्ट बाघोड़िया (बड़ोदा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी जलेसर (एटा) के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र मथुरादास जैन, बस स्टेण्ड के पास बाघोड़िया (बड़ोदा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी मानधाती का नगला (मैनपुरी) के हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, स्टेशन रोड बाघोड़िया (बड़ोदा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी ख्याली का नगला के हैं।

वंशीलाल जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, स्टेशन रोड बाघोड़िया (बड़ोदा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और रेस्टोरेण्ट का संचालन करते हैं। मूल निवासी ख्याली का नगला के हैं।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, बस स्टेण्ड बाघोड़िया (बड़ोदा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षित हैं और चूड़ी की दुकान करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर के हैं।

गाँव-भोया गाँव करजन (बड़ोदा)

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र छक्कामल जैन, भोया गाँव करजन (बड़ोदा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और होटल का कार्य करते हैं। मूल निवासी फरिहा के हैं।

●

जिला-भड़ोंच
गाँव-पालेज

बनारसीदास जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, पालेज (भडोंच)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल सत्तरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और रेस्टोरेन्ट का काम करते हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के हैं।

बृजकिशोर जैन सुपुत्र पुत्तूलाल जैन, स्टेशन के सामने पालेज (भडोंच)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एफ० वाई० ए० एस० टी० C. H. S. S. तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी नगला ख्याली के हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, पालेज (भडोंच)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के हैं।

●

देहली प्रान्त

●
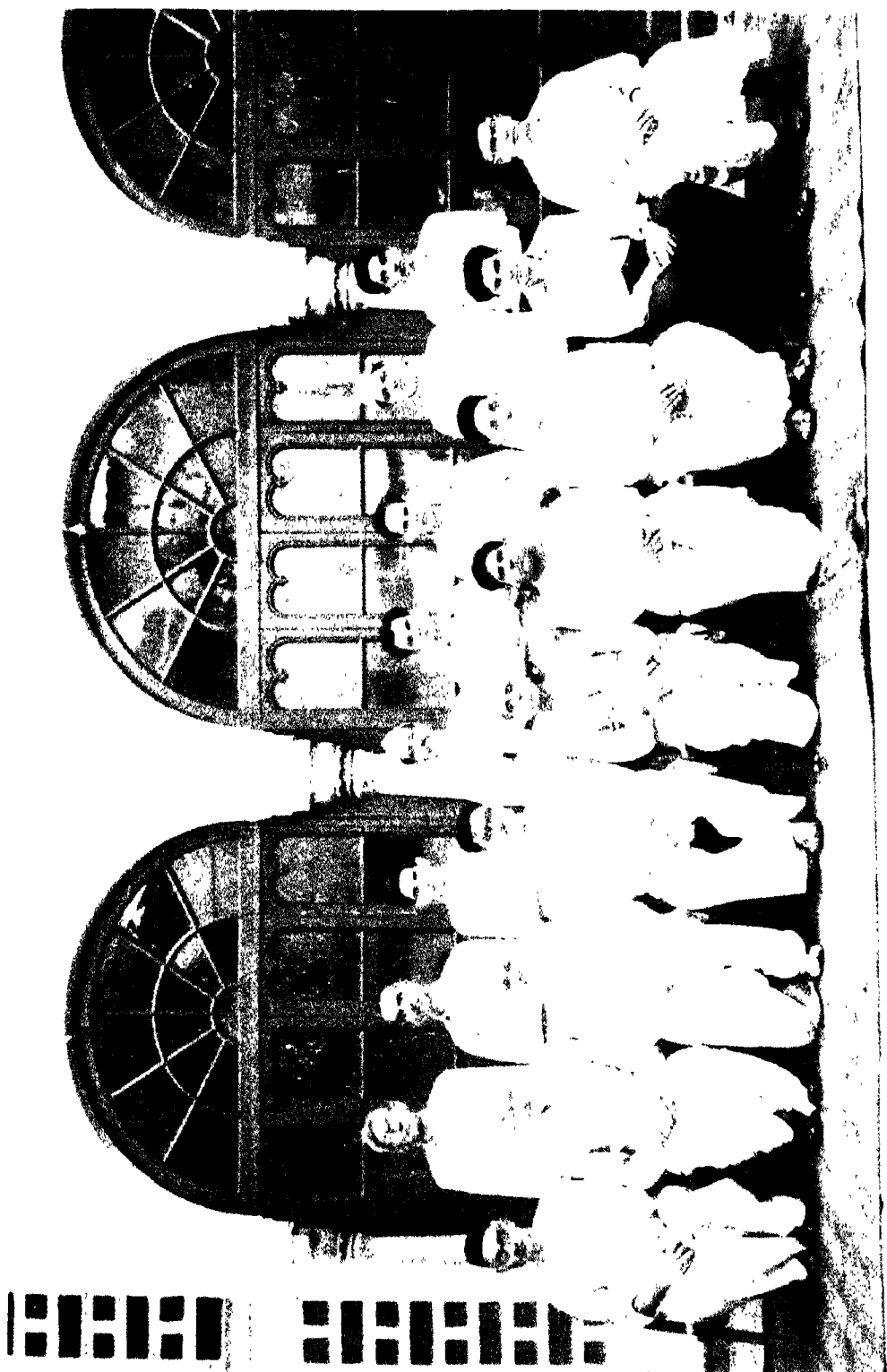
कार्यकारिणी—देहली पद्मावती पुरवाल पंचायत

देहली-पद्मावती पुरवाल-समाज
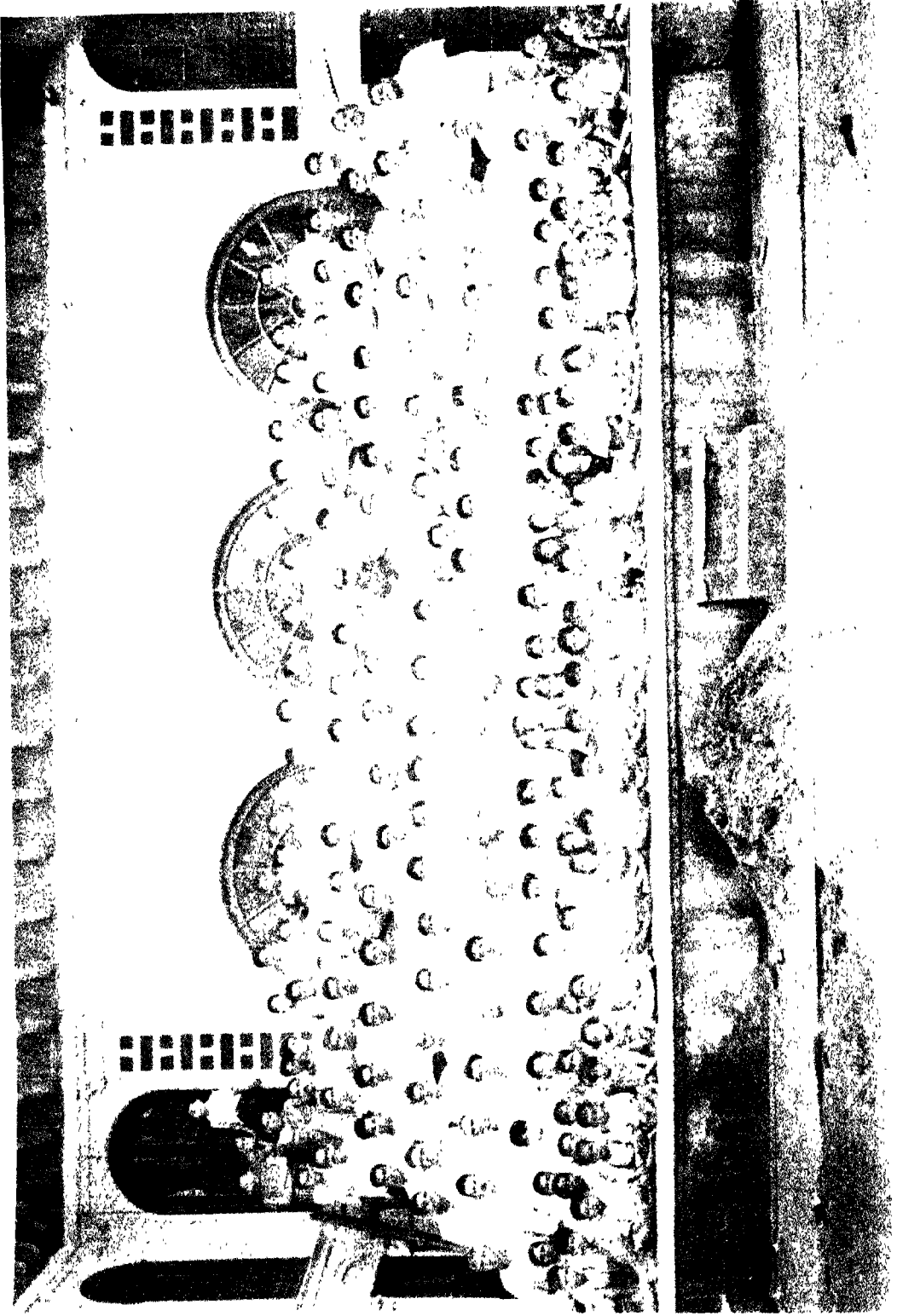
अजितकुमार जैन सुपुत्र उदयचन्द जैन, देहली (देहली)

इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का हायर सैकेण्ड्री में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। एक लड़की इण्टर में शिक्षा प्राप्त कर रही है। दोनों ही अविवाहित हैं। मूल निवासी चावली (आगरा) के हैं और प्रिण्टिग प्रेस का कार्य करते हैं। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री तक शिक्षित हैं। पूरा पता है- ४९७३ अहाता, केदारा पहाड़ी धीरज दिल्ली–६।

अटलचन्द जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, गली खजांची वाली, दरीबा कलाँ देहली (देहली)

इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में। पुत्र पद्मचन्द ग्यारहवीं कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है और विवाहित है। पुत्री कमलाकुमारी नवीं कक्षा में है और अविवाहित है। अन्य छ लड़की छ से बारह तक आयु की शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और सब अविवाहित हैं। मूल निवासी गढ़ीहरी (आगरा) के हैं।

अतरचन्द जैन सुपुत्र कमलकुमार जैन, ५३३।२८ डी० गांधीनगर देहली–३१ (देहली)

इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। साला प्रद्युम्नकुमार दसवीं कक्षा में है, उम्र १६ वर्ष अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं बी० काम हैं और पत्नी शशिप्रभा मिडिल हैं। एक लड़की ढाई वर्ष, और दो विधवायें हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

अतिवीर जैन सुपुत्र विमलदास जैन, २९२ ए, जैन मन्दिर गली रामनगर देहली (देहली)

इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। पुत्र सन्मतिकुमार एम०एस० सी० के छात्र हैं और अन्य छठी से आठवीं कक्षा तक में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०एस०सी० इन्जीनियर हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी चावली (आगरा) के हैं।

अनूपचन्द जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, रेलवे कार्टर नं० ८ नई देहली (देहली)

इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर पास हैं और सरकारी सर्विस में हैं। एक लड़का तथा एक लड़की छ और एक वर्ष को हैं। मूल निवासी कुरिगवाँ अहारन (आगरा) के हैं।

अमृतलाल जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, ३४६ कटरा तम्बाकू चावड़ी बाजार देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा तीन लड़की तीन से तेरह तक की आयु के अविवाहित हैं। पौत्र राजेन्द्रकुमार आठवीं कक्षा में है, उम्र तेरह वर्ष। अन्य सब तीसरी से छठवीं कक्षा तक पढ़ रहे हैं। व्यावसायिक पता है-जैन केमिकल वर्क्स, कटरा वाडियान, फतहपुरी (देहली-६) मूल निवासी सिकन्दर (आगरा) के हैं। व्यवसाय रंग-रोगन आदि का है।

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, २२६३ रघुवरपुरा गांधीनगर देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र ज्ञानचन्द उम्र १७ अविवाहित हैं, आठवीं तक की शिक्षा और सर्विस में हैं। अन्य एक से बारह तक की आयु के शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं सर्विस में हैं और पाँचवीं तक शिक्षित हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

ओमप्रकश जैन सुपुत्र लाला दरबारीलाल जैन, ४२१६ आर्यपुरा, सब्जीमण्डी देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। पुत्र आदीशकुमार उम्र १६, दसवीं कक्षा के छात्र हैं। पुत्री प्रेमलता व मंजुरानी १३, १२ आयु की नवीं और सातवीं कक्षा में हैं। बाकी तीन लड़के तथा एक लड़की एक से पाँचवीं कक्षा तक में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक हैं और नेशलन एण्ड ग्रिंडले बैंक में सर्विस में हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र लाला सेतीलाल जैन, ५९ गली खजांची, चाँदनी चौक, देहली (देहली)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। ८ वर्ष से ढाई माह तक की आयु के हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल तक शिक्षित हैं। पेशा पान का व्यवसाय है। मूल निवासी टूण्डला (आगरा) के हैं।

इन्द्रनारायण जैन सुपुत्र सुनहरीलाल जैन, ३०१६ मसजिद खजूर देहली (देहली)
इस परिवार नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार से ग्यारह तक आयु के चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास हैं और सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया में हैडकैशियर पद पर हैं। पद्मावती पुरवाल दि० जैन पंचायती मंदिर देहली के प्रबन्धक हैं। मूल निवासी मर्थरा (एटा) के हैं।

इन्द्रपाल जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, २४२१ छीपीवाड़ा कलां देहली (देहली)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख प्राइमरी तक शिक्षित

हैं और पेशा व्यवसाय का है। दुकान चूड़ी की है। मूल निवासी जरानी कलां के हैं। सार्वजनिक कार्यों में अभिरुचि रखते हैं। व्यावसायिक पता—२३० शान्ति जैन चूड़ी स्टोर, धर्मपुरा, दिल्ली-६।

इन्द्रसेन जैन सुपुत्र लाला मोतीलाल जैन, ५९ गली खजांची, चांदनी चौक, देहली (देहली)
इस परिवार में स्वयं परिवार प्रमुख ही हैं। प्राइमरी तक की शिक्षा है और पान का व्यवसाय करते हैं।

इन्द्रसेन जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, २२८५ गली पहाड़वाली, देहली (देहली)
इस परिवार में दो व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख प्राइमरी तक शिक्षित हैं और दलाली का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

कटोरीदेवी जैन, २२८५ गली पहाड़वाली धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में दो व्यक्ति स्त्री वर्ग में हैं। दोनों विधवा हैं।

कालीचरण जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, १२५९ गली गुलियान देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। उर्मिलादेवी १७ और रामबाबू १६ आयु के हायर सेकेण्डरी और ११ वीं कक्षा के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख ८ वीं कक्षा तक शिक्षित हैं और पेशा हलवाईगिरी का है। मूल निवासी नारखो (आगरा) के हैं।

कालीचरण जैन सुपुत्र मदनगोपाल जैन, ३३१० दिल्ली गेट, देहली (देहली)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। कुमारी सुशीला और चन्द्रकुमार दोनों बी०ए० हैं, मोहनलाल जैन बी० काम० हैं और सर्विस में हैं। परिवार प्रमुख डाक-तार विभाग में सर्विस करते हैं। मूल निवासी स्थानीय ही हैं।

किरोड़ीमल जैन सुपुत्र दरबारीलाल जैन, ४२१० आर्यपुरा, सब्जी मण्डी, देहली (देहली)
इस परिवार में तेरह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। सुपुत्र सुमतप्रकाश जैन विवाहित एम० ए० और पत्नी कान्तादेवी मिडिल पास हैं, अजितप्रकाश २३ वर्ष अविवाहित बी०ए० हैं, श्रीधनकुमार १८ वर्ष इण्टर हैं, पुत्री जैनवती १५ वर्ष अविवाहित आठवीं कक्षा में हैं, कुमारी आशारानी आठवीं में उम्र १२ अन्य सब पाँचवीं कक्षा तक। परिवार प्रमुख आढ़त का व्यापार करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

खेमचन्द जैन सुपुत्र बंगालीमल जैन, १२५९ गलीगुलियान, देहली (देहली)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र सतीशचन्द बी०ए०, रमेश-

चन्द दसवीं कक्षा में हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और रेलवे क्लीयरिंग एजेण्ट हैं। पुत्र प्रेमचन्द जैन बी० काम० और रेलवे कण्ट्रैक्टर हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं। सार्वजनिक कार्यकर्ता हैं।

गुलजारीलाल जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, दरीबा कलाँ देहली (देहली)

इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। पुत्र प्रभाचन्द २२ वर्ष दसवीं कक्षा, मुनेन्द्रकुमार १८ वर्ष बारहवीं कक्षा, सुरेन्द्रकुमार ग्यारहवीं कक्षा, १६ वर्ष, रवीन्द्रकुमार १४ वर्ष हिन्दी मिडल तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और हलवाईगिरी का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी गढ़ीहर्रा (आगरा) के हैं।

गोपीनाथ जैन सुपुत्र द्वारिकाप्रसाद जैन, २७१९ छत्ता प्रतापसिंह किनारीबाजार देहली (देहली)

इस परिवार में दो व्यक्ति पुरुष वर्ग में हैं। दोनों अविवाहित हैं। उम्र ६० और ४५ है। शिक्षा प्राइमरी तक है।

चन्द्रपाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, २८७९ गली चहलपुरी, किनारी बाजार देहली (देहली)

इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। पुत्र सुशीलकुमार आयु १३ कक्षा आठवीं, सुधीरकुमार ११ छठवीं कक्षा। परिवार प्रमुख स्वयं एम०ए० हैं और डी०ए०बी० हायर सेकेण्डरी स्कूल गांधीनगर में अध्यापन कार्य करते हैं। मूल निवासी पुनहरा (एटा) के हैं।

चन्द्रपाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, २२६ जैन मन्दिरवाली गली, शाहदरा, देहली (देहली)

इस परिवार में सात व्यक्ति हैं चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। पुत्र विमलभूषण, कुक्कू, बब्बू उम्र १५, १० और ८ की कक्षा दसवीं, पाँचवीं और तीसरी में हैं। पुत्री सरोजकुमारी १४ वर्ष और कक्षा आठवीं में है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक हैं और सरकारी सर्विस में हैं।

चन्दूलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, ३०२८ मसजिद खजूर, धर्मपुरा, देहली (देहली)

इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और व्यापार स्टेशनरी का है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

चम्पालाल जैन सुपुत्र नेकराम जैन, १४२ कटरा मशरू, दरीबा कलाँ, देहली (देहली)

इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और पेंशनर स्टेट्स बैंक आफ इण्डिया के हैं।

चन्द्रसेन जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, १७८२ कूंचालट्टूशाह दरीबाकलां, देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०ए० हैं और सेण्ट्रल बैंक आफ इण्डिया में सर्विस करते हैं। सब लड़के,लड़की पहली से लेकर दसवीं तक के छात्र हैं। मूल निवासी पुनहरा (एटा) के हैं।

छदामीलाल जैन सुपुत्र लालाराम जैन, ६५५ कटरा नील, महावीरगली, देहली (देहली)
इस परिवार में सोलह व्यक्ति हैं, दस पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। सात लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। सब लड़के पहली से लेकर इण्टर तक की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी जानते हैं ओर पेशा हलवाईगिरी का है। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

छोटेलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, ३४२८ गली मालियान, देहलीगेट देहली (देहली)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। कक्षा एक से लेकर छठवीं तक सब शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और जी०पी० ओ० दिल्ली में सर्विस करते हैं। मूल निवासी पानीगाँव (आगरा) के हैं।

जगरूपशाह जैन सुपुत्र प्रभुदयाल जैन, ५१३।११ गांधीनगर देहली-३१ (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। पाँच लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर हैं और पेपर मर्चेण्ट हैं। मूल निवासी देवखेड़ा (आगरा) के हैं।

जमुनादास जैन सुपुत्र नारायणदास जैन, ३३९७ देहलीगेट देहली (देहली)
इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी जानते हैं। मूल निवासी देवखेड़ा के हैं।

जम्बूदास जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, ३३१२ देहलीगेट देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पाँचवीं से आठवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख चौथी कक्षा तक शिक्षित हैं। कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निबासी खैरगढ़ (मैनपुरी) के हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, १६७ जवाहरगली, शाहदरा, देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। छठवीं तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं पाँचवीं कक्षा तक पढ़े हैं और कमीशन एजेण्ट का कार्य करते हैं। मूल निवासी चुर्थरा (एटा) के हैं।

जयप्रकाश जैन सुपुत्र गुणधरलाल जैन, १२९३ वकीलपुरा, देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। चौथी कक्षा से दसवीं तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर पास हैं और नार्दन रेलवे में सर्विस करते हैं। मूल निवासी कोटला (एटा) के हैं।

जयन्तीप्रसाद जैन शास्त्री सुपुत्र होतीलाल जैन, २१ ए० दरियागंज, देहली (देहली)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री और साहित्याचार्य हैं और अध्यापकी का कार्य करते हैं। मूल निवासी पोंढरी (एटा) के हैं।

जयन्तीप्रसाद जैन सुपुत्र लाला मुंशीलाल जैन, २८७८ गली चहलपुरी, देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। प्रथम कक्षा से लेकर नौवीं तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। आप जरी-गोटे के व्यापारी हैं।

जयचन्द जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, २७० गली जैन मन्दिर, शाहदरा देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं, दूसरी से सातवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर हैं और उत्तर रेलवे में सर्विस करते हैं। मूल निवासी सखावतपुर (आगरा) के हैं।

ज्वालाप्रसाद जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, देहली (देहली)
इस परिवार में केवल दो व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी शिकरा (मथुरा) के हैं।

जिनेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र राजबहादुर जैन, ७।३३ दरियागंज, देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। आप अविवाहित हैं और एम० काम० के छात्र हैं। अध्ययन कर रहे हैं।

जिनेन्द्रप्रकाश जैन सुपुत्र स्वर्गीय दयाशंकर जैन, ९४।७ तिमारपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। तीन लड़के अविवाहित हैं और पाँचवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०ए०एल-एल० बी० हैं और रेलवे सर्विस में हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

जुगुलकिशोर जैन सुपुत्र स्वर्गीय बनारसीदास जैन, ५७ जेड तिमारपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। दूसरी से लेकर छठवीं कक्षा

तक में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टरमीडिएट हैं और सरकारी सर्विस में हैं। मूल निवासी कुरगवां (आगरा) के हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र लाहौरीलाल जैन, २५७५ नं नीमवाली गली देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी राजमल (एटा) के हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र कल्यानदास जैन, नाई बाड़ा देहली (देहली)
इस परिवार में उन्नीस व्यक्ति हैं, ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

देवकुमार जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, १७ कैलाश नगर देहली (देहली)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। तीन लड़के अविवाहित हैं। प्रथम से चौथी तक की शिक्षा में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और मिष्ठान्न का व्यापार है। मूल निवासी दौहई (मथुरा) के हैं।

देवेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र डालचन्द जैन, दरीबा कलां, देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं अविवाहित हैं और दसवीं कक्षा तक की शिक्षा प्राप्त है। पेशा हलवाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी गढ़ीदर्रा (आगरा) के हैं।

देवेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, कूचासेठ देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०एल०टी० हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

धर्मेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, १२५१ (एफ ३९६) लक्ष्मीबाई नगर, देहली (देहली)
इस परिवार में आठ व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०ए०, प्रभाकर हैं और पत्नी मिडिल पास हैं। सब लड़के प्रथम कक्षा से लेकर आठवीं तक के छात्र हैं। पेशा सर्विस। मूल निवासी देहली के हैं।

नत्थूमल जैन सुपुत्र भीमनीराम जैन, छत्ता रोशनपुरा नईसड़क देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। शिक्षा हिन्दी और पेशा पुस्तकालय श्री वर्द्धवान जैन प्रेस धर्मपुरा नं०२३४४ देहली। मूल निवासी बरनी (एटा) के हैं।

नन्नूमल जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, २४९८ नाईवाड़ा, चावड़ी बाजार देहली (देहली)
इस परिवार में दो व्यक्ति पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा साधारण है और पेशा जनरल मरचेण्ट का है। मूल निवासी बावचा (एटा) के हैं।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, खजूरकी मसजिद देहली (देहली)
इस परिवार में एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी पैंडत (मैनपुरी) के हैं।

नेमचन्द जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, २२०७ गली भूतवाली मसजिद खजूर देहली (देहली)
इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति हैं, सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। दूसरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और हलवाई का व्यापार करते हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, दरीबा कलां देहली (देहली)
इस परिवार में पन्द्रह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी गढ़ीदर्रा (आगरा) के हैं।

नेमचन्द जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, १४९४ गली पीपलवाली नईसड़क देहली (देहली)
इस परिवार में तेरह व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में। सात लड़की अविवाहित हैं। तीसरी से लेकर दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख स्वयं ग्यारहवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और रेलवे बुक स्टाल कीपर हैं। मूल निवासी आगरा के हैं।

पदमसेन जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, ५९ गली खजांची चांदनी चौक, देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल तक शिक्षित हैं और बर्फ का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

पदमचन्द जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, ३०१६ बनारसी भवन धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और चश्मों के व्यापारी हैं। आप मुहल्ला कल्याण समितिके मंत्री हैं और भा० कोआपरेटिव आवन थ्रैक्ट एण्ड कैडिट सोसाइटी के भी मंत्री हैं। मूल निवासी रामगढ़ (एटा) के हैं।

पातीराम जैन सुपुत्र ला० बिहारीलाल जैन, २३४१ धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। साधारण शिक्षा और परचून की दुकानदारी का व्यापार है। मूल निवासी खंजर बुजुर्ग (आगरा) के हैं।

पारसदास जैन सुपुत्र स्व० ला० पट्टूलाल जैन, ४६ सी० न्यू राजेन्द्र नगर, नई देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर पास हैं और सरकारी सर्विस में हैं। मूल निवासी जसराना (मैनपुरी) के हैं।

पारसदास जैन सुपुत्र द्वारकादास जैन, ३६१६ जगत सिनेमा के पास देहली (देहली)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। तीन लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए० हैं। पेशा पत्रकारी का है। जैन साहित्य सम्बन्धी अनेक पुस्तकें लिखीं और अनूदित की हैं। मूल निवासी वेरनी (एटा) के हैं।

पुत्तूलाल जैन सुपुत्र बैजनाथ जैन, ३०१६ मसजिद खजूर, धर्मपुरा, देहली (देहली)
इस परिवार में तेरह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पारिवारिक शिक्षा प्राइमरी से लेकर बी० ए० तक की है। परिवार प्रमुख स्वयं साधारण हिन्दी पढ़े हैं और प्लास्टिक वस्तु निर्माण का व्यापार करते हैं। मूल निवासी उड़ेसर (मैनपुरी) के हैं।

प्रकाशचन्द्र जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, २३६७ छत्ताशाहजी चावड़ी बाजार देहली (देहली)
इस परिवार में बारह व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा दूसरी से आठवीं कक्षा तक की है। परिवार प्रमुख स्वयं नौवीं कक्षा पास हैं। आप पेपर मर्चेन्ट हैं। सार्वजनिक सेवा की अभिरुचि भी रखते हैं। मूल निवासी दिल्ली के हैं।

प्रभुदयाल जैन सुपुत्र वासुदेव जैन, धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी सल्लगढ़ी टेहू (आगरा) के हैं।

प्रभाषचन्द जैन सुपुत्र अविनाशचन्द जैन, देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख स्वयं साधारण हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

प्रमोदकुमार जैन सुपुत्र होरीलाल जैन, १५५७ नई सड़क देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा दसवीं कक्षा तक की है और आप अविवाहित हैं। ए०एम० इलेक्ट्रिक में सर्विस करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

प्रेमसागर जैन सुपुत्र हरमुखराय जैन, ४:५७ गली भैरों वाली, नईसड़क, देहली (देहली)
इस परिवार में दो व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख मैट्रिक पास हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी मरथरा (एटा) के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र दम्मीलाल जैन, एफ-२।२३ माडल टाउन, देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर हैं और पेशा सर्विस है। मूल निवासी एटा के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र कंचनलाल जैन, २५०६ धर्मपुरा, मसजिद खजूर, देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। दूसरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और स्टेशनरी निर्माण का व्यवसाय करते हैं। सार्वजनिक कार्यकर्ता हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, २२८५ गली पहाड़ वाली धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

बनवारीलाल जैन स्याद्वादी सुपुत्र सेवतीलाल जैन, २२०० गली भूतवाली, देहली (देहली)
इस परिवार में आठ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। कक्षा दूसरी से लेकर ग्यारहवीं तक के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०ए० हैं। आपकी सामाजिक सार्वजनिक और साहित्यिक बहुत बड़ी सेवायें हैं। मूल निवासी मरथरा (एटा) के हैं।

बलदेवप्रसाद जैन सुपुत्र रिखबदास जैन, १७८२ लट्टूशाह गली, दरीबाकलां, देहली (देहली)
इस परिवारमें आठ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और होटल का व्यापार करते हैं। मूल निवासी बांदा (उत्तरप्रदेश) के हैं।

बंगालीलाल जैन सुपुत्र चन्द्रसेन जैन, २४९८ नाईवाड़ा, चावड़ी बाजार, देहली (देहली)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। तीन लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास हैं और सेल्समैन का कार्य करते हैं। मूल निवासी कल्याणगढ़ी (आगरा) के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, २१८६ मसजिद खजूर देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। पहली कक्षा से लेकर पाँचवीं तक

बालक पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और खोमचे का व्यापार करते हैं। मूल निवासी सराय नूरमहल (आगरा) के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र लटूरीराम जैन, धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। परिवार प्रमुख प्राइमरी तक पढ़े हैं और हलवाईगिरी का कार्य करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

बिटोलादेवी जैन पत्नी रामचन्द्र जैन, २३४१ धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। चार लडके तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। तीसरी से लेकर आठवीं तक सब शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। पुत्र तिलोकचन्द्र उर्फ महावीरप्रसाद मिडिल तक शिक्षा प्राप्त हैं और जनरल मर्चेंट का व्यापार करते हैं। सार्वजनिक कार्यों में अभिरुचि रखते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

बिमलकिशोर जैन सुपुत्र वृन्दावनदास जैन, २२३९ धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा सातवीं तक है। परिवार प्रमुख स्वयं आठवीं तक शिक्षित हैं और गल्ला तथा परचून का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

भभूतीलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, गली दरजीवाली म० नं ३००५ देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा हलवाई का व्यापार है। मूल निवासी पैंढत (मैनपुरी) के हैं।

भागचन्द जैन सुपुत्र सोनपाल जैन, २४९८ नाई बाड़ा चावड़ी बाजार देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। दूसरी से छठवीं कक्षा तक शिक्षा पा रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक, शास्त्री, न्यायतीर्थ और साहित्यरत्न हैं। सर्विस में कैशियर के पद पर हैं। सार्वजिनक कार्यकर्त्ता हैं। मूल निवासी सरनऊ (एटा) के हैं।

भोलानाथ जैन सुपुत्र अयोध्याप्रसाद जैन, १५३४ कूंचा सेठ देहली (देहली)
इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा दूसरी से इण्टर तक की है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और बुकसेलर तथा प्रिण्टर हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

भोलानाथ जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, दरजीवाली गली २९९८ मसजिद खजूर देहली (देहली)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक

लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्री बीनाकुमारी एम०एल०टी० ट्रेनिंग में है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और दलाली का व्यापार करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

बटलमल जैन सुपुत्र लालाराम जैन, दरीबाकलां देहली (देहली)
इस परिवार में सोलह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। पुत्री सन्तोकुमारी दसवीं कक्षा में है और सब निम्न कक्षाओं में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और हलवाईगिरी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी तिखातर (एटा) के हैं।

मथुरादास जैन सुपुत्र रामलाल जैन, ३७ दरियागंज देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़की अविवाहित हैं। इस परिवार में एम०एस०सी,०बी०टी०, एम० ए०, बी०ए० और दसवीं तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं एम०ए० हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी वेरनी (एटा) के हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र वृन्दावनदास जैन, २२३९ धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा प्रथम से लेकर आठवीं कक्षा तक है। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल तक पढ़े हैं और दुकानदारी परचून की है। मूल निवासी दिल्ली के हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, २२४१ गली पहाड़वाली धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में तेरह व्यक्ति हैं, सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। प्राइमरी से लेकर सातवीं कक्षा तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और होटल का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र नैनसुखदास जैन, ३४२४ दिल्ली गेट, देहली (देहली)
इस परिवारमें बारह व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्गमें। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। चौथी से लेकर बी० ए० तक शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं। सराफे का व्यापार करते हैं। पद्मावती पुरवाल पंचायत और मंडल कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। मूल निवासी बेरनी के हैं।

महिपाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, २७२० छत्ताप्रतापसिंह, किनारी बाजार देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं। परिवार में दूसरी से लेकर बी० ए० तक

तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख प्राइमरी पास हैं और हलवाई का व्यापार करते हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, १७७४ कूचा लट्टूशाह दरीबाकलां देहली (देहली)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार में प्राइमरी से लेकर नौवीं कक्षा तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और बिजली के सामान के व्यापारी हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद (मैनपुरी) के हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र लक्ष्मणदास जैन, यूसुफ सराय देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण है। परिवार प्रमुख मिडिल पास हैं। पेशा दुकानदारी है और मूल निवासी बरहन (आगरा) के हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, ३३५ दिल्ली गेट, देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा प्राइमरी तक है। परिवार प्रमुख मिडिल तक पढ़े हैं और सर्विस करते हैं। सार्वजनिक कार्यकर्ता हैं। मूल निवासी हेरमी (एटा) के हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, ३३१२ देहली गेट, देहली (देहली)
इस परिवारमें नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पाँचवीं से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और कपड़े की दुकानदारी का व्यवसाय है। सार्वजनिक कार्यकर्ता हैं। मूल निवासी देवा (मैन-पुरी) के हैं।

महेशचन्द्र जैन सुपुत्र पुत्तूलाल जैन, २४९८ नाईबाड़ा चावड़ी बाजार देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। शिक्षा साधारण है। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और उत्तर रेलवे में सर्विस करते हैं।

माणिक्यचन्द्र जैन सुपुत्र बंगालीलाल जैन, दरियागंज देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। बी० एस० सी० तक की शिक्षा है और सरकारी सर्विस में हैं। मूल निवासी कोटला (फिरोजाबाद) के हैं।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र बेनीराम जैन, ३७६८ कूचा परमानन्द, फैज बाजार, देहली (देहली)
इस परिवार में तेरह व्यक्ति हैं, सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार में किंडरगार्डन से

लेकर बी० ए० तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख प्राइमरी तक शिक्षित हैं और हलवाई का व्यापार है। सार्वजनिक कार्यकर्ता हैं। मूल निवासी उड़ेसर (एटा) के हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र नैनसुखदास जैन, ३४२४ देहली गेट देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। शिक्षा आठवीं तक। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख मिडिल पास हैं और सराफे का व्यापार करते हैं। पद्मावती पुरवाल सभा, दिल्ली के सदस्य भी हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र फूलचन्द्र जैन, दरीबा कलाँ, देहली (देहली)
इस परिवार में आठ व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का प्रकाशचन्द्र बी० ए० फाइनल में है, अन्य प्राइमरी में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और हलवाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी गढ़ीहरी के हैं।

रमेशचन्द्र जैन सुपुत्र फकीरचन्द्र जैन, २५४० नाईबाड़ा चावड़ी बाजार, देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। छठवीं से लेकर ग्यारहवीं कक्षा तक पारिवारिक शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं दसवीं कक्षा पास हैं और किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

रमेशचन्द्र जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, १७८२ कूचा लट्टूशाह दरीबाकलाँ देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। पत्नी मिडिल हैं और परिवार प्रमुख बी० काम० सरकारी सर्विस में हैं। सार्वजनिक कार्यकर्ता हैं। मूल निवासी बाँदा के हैं।

रत्नचन्द्र जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, जेठमल का कूचा, दरीबा कलाँ देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख छठवीं कक्षा तक पढ़े हैं और साइकिल मरम्मत का व्यापार करते हैं। मूल निवासी (एटा) के हैं।

राजकिशोर जैन सुपुत्र जमुनादास जैन, दिल्ली गेट देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार में पाँचवीं से लेकर मैट्रिक तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और रेस्टारेन्ट का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

राजनलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, मसजिद खजूर देहली (देहली)
इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक

लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी वैत (मैनपुरी) के हैं।

राजबहादुर जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, ४४ सी० लाइन, दिल्ली क्लोथ मिल्स देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख नवीं कक्षा पास हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

राजबहादुर जैन सुपुत्र पातीराम जैन, ४३९ बी० भोलानाथ नगर, शाहदरा देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं बी. कॉम. हैं और उत्तर रेलवे में सर्विस करते हैं। मूल निवासी कुरगवाँ (आगरा) के हैं।

रामचन्द्र जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, २२५० गली पहाड़वाली धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और ठेकेदारी का व्यापार करते हैं। मूलनिवासी सखावतपुर (आगरा) के हैं।

रामचन्द्र जैन सुपुत्र बंगालीदास जैन, २३६७ चावड़ी बाजार, देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। चार लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और सर्विस करते हैं। सार्वजनिक, सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। मूलनिवासी स्थानीय हैं।

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र स्व० गनपतराय जैन, १७२८ चीराखाना देहली (देहली)
इस परिवार में आठ व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा आठवीं कक्षा तक है। परिवार प्रमुख स्वयं प्राइमरी तक शिक्षित हैं और जनरल मर्चेन्ट का व्यापार करते हैं। मूलनिवासी एत्मादपुर (आगरा) के हैं।

राजेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, २४१५ व्यास मार्ग शक्तिनगर देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़की तथा एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी एटा के हैं।

राजेशबहादुर जैन सुपुत्र लालबहादुर शास्त्री, बी० ८।८ कृष्णा नगर देहली (देहली)
इस परिवार में दो व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग तथा एक स्त्री वर्ग में। शिक्षा इण्टर और मिडिल तक की है। परिवार प्रमुख सर्विस में कोषाध्यक्ष के पद पर हैं। मूलनिवास पमारी (आगरा) के हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र कुँवरलाल जैन, गली पहाड़वाली देहली (देहली)
इस परिवार में तेरह व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है और पेशा सर्विस का है। मूल निवासी जिरखमी (एटा) के हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, २२०४ गली भूतवाली, मसजिद खजूर देहली (देहली)
इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। शिक्षा साधारण और पेशा खोमचागिरी का है। मूल निवासी अहारन के हैं।

रामप्रसाद जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, देहली (देहली)
इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी सरायनीम (एटा) के हैं।

लट्टूरीप्रसाद जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, गली भूतवाली म० नं० २२०३ देहली (देहली)
इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी सैमरा (आगरा) के हैं।

लक्ष्मीचन्द जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, २३६ जेड-तिमारपुर देहली (देहली)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा प्रथम से लेकर नवीं कक्षा और इंजीनियरिंग तक के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख स्वयं दसवीं कक्षा पास हैं और रेलवे सर्विस में हैं। मूल निवासी मर्थरा के हैं।

लालचन्द जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, ३३१२ दिल्लीगेट देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और दिल्ली नगर निगम में सर्विस करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

वज्रसेन जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, २८७८ गली चहलपुरी, किनारी बाजार देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और घी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद (मैनपुरी) के हैं।

विनोदीलाल सुपुत्र बोहरेलाल जैन, २५२३ धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। शिक्षा साधारण है और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी जोंधरी (आगरा) के हैं।

विनोदप्रकाश जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, बी० ४८ रघुवरपुरा गांधीनगर देहली (देहली)
इस परिवार में दो व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में।

परिवार प्रमुख छठीं कक्षा तक पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी अवागढ़ (एटा) के हैं।

वीरेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, प्रेमनिवास ९२३ दरियागंज देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। कक्षा एक से लेकर दसवीं तक के छात्र हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एफ०ए० हैं और घी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद (मैनपुरी) के हैं।

सतीशचन्द्र जैन सुपुत्र हरमुखराम जैन, ४०।१७ शक्तिनगर, देहली ६ (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। सातवीं से इण्टर तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं दसवीं कक्षा पास हैं और केन्द्रीय आकाशवाणी की सर्विस में हैं। मूल निवासी मर्थरा (एटा) के हैं।

सत्यन्धरकुमार जैन सुपुत्र शंकरलाल जैन, ६४ मोतीबाग सराय रोहिल्ला देहली (देहली)
इस परिवार में चौदह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा प्राइमरी से लेकर मैट्रिक तक है। परिवार प्रमुख स्वयं बी० ए०, बी० काम० हैं और रेलवे में सर्विस करते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। मूल निवासी कुरगवां (आगरा) के हैं।

सुखवासीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, नाईबाड़ा देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुखानन्द जैन सुपुत्र ला० उमरावसिंह जैन, १८।६३ मोतीबाग देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री हैं और सर्विस में हैं। सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। मूल निवासी कुरगवाँ (आगरा) के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र ला० श्यामलाल जैन, ३३१२ दिल्ली गेट देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। हलवाईगिरी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

डा० सुमतिचन्द जैन सुपुत्र पं० नृसिंहदास जैन, जे. ११।४१ राजोरी गार्डन, देहली (देहली)
इस परिवार में आठ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा छठवीं से लेकर इन्टर तक है। परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए० एल० टी० पी० एच० डी० हैं। सरकारी शिक्षा विभाग के अधिकारी हैं। मूल निवासी ज्यावली (आगरा) के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र ला० बुद्धसेन जैन, ब्लाक नं० ८६ म० १।१६ शक्तिनगर देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। दो भाई एम० ए० हैं और परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए०,बी० टी० हैं। कार्य अध्यापन का करते हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

सुलेखचन्द जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, २३१२ दिल्ली गेट देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। प्राइमरी से लेकर मिडिल तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और उत्तर रेलवे में सर्विस करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

सूरजप्रसाद जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, २४९८ नाई बाड़ा धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और दिल्ली नगर निगम की सर्विस में हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

सूरजभान जैन सुपुत्र उग्रसेन जैन, ९९५।२१६ ए० कैलाशनगर देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण है। परिवार प्रमुख स्वयं आठवीं कक्षा तक पढ़े हैं। सर्विसका कार्य करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

सन्तकुमार जैन सुपुत्र रामचन्द्र जैन, गुरुद्वारा रोड, गांधी नगर देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण है। परिवार प्रमुख छठवीं कक्षा तक पढ़े हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी पानी-गांव (आगरा) के हैं।

सन्तकुमार जैन सुपुत्र ला० चंपाराम जैन, ३३६८ गंदा नाला, मोरीगेट देहली (देहली)
इस परिवार में बारह व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। पूरे परिवार में प्राइमरी से लेकर मैट्रिक तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री हैं और सैंट्रल बैंक आफ इंडिया की सर्विस में हैं। सार्वजनिक कार्यकर्ता भी हैं। मूल निवासी सकरौली (एटा) हैं।

पं० शिखरचन्द जैन सुपुत्र सुखलाल जैन, २५१६ धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक व्यक्ति हैं। अविवाहित हैं और स्वयं शास्त्री हैं। सर्विस का कार्य करते हैं। मूल निवासी सखावतपुर (आगरा) के हैं।

शीतलप्रसाद जैन सुपुत्र द्वारिकादास जैन, १४१२ जामा मसजिद देहली (देहली)

इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार में प्राइमरी से मैट्रिक तक शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और हलवाई की दुकानदारी है। मूल निवासी जौंदरी (एटा) के हैं।

श्रीचन्द जैन सुपुत्र पं० कंचनलाल जैन, सतघरा देहली (देहली)

इस परिवार में सोलह व्यक्ति हैं, सात पुरुष वर्गमें तथा नौ स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा प्राथमिक से कर बी० ए० तक है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी मरसैना (आगरा) के हैं।

श्रीप्रकाश जैन सुपुत्र तहसीलदार जैन, १७२८ चीरा खाना देहली (देहली)

इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और साड़ियों का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, २२५२ गली पहाड़वाली देहली (देहली)

इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा प्रथम से लेकर छठीं तक है। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और जनरल मर्चेन्ट हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र कंचनलाल जैन, १७७४ कूचा लट्टूशाह दरीबा कलां देहली (देहली)

इस परिवार में आठ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। एफ० ए० तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख नवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और बिजली सामान के व्यापारी हैं। मूल निवासी मरसैना (आगरा) के हैं।

हरीशचन्द्र जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, देहली (देहली)

इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख मिडिल पास हैं और चूड़ी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

हीरालाल जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, २३७३ रघुवरपुरा गांधीनगर देहली (देहली)

इस परिवार में दो व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख स्वयं इन्टर पास हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

हुकुमचन्द जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, ३२० दिल्ली गेट देहली (देहली)
इस परिवार में तेरह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। प्रथम से लेकर बी० ए० तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं चौथी कक्षा तक पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, गली पहाड़वाली देहली (देहली)
इस परिवार में उनतीस व्यक्ति हैं, सोलह पुरुष वर्ग में तथा तेरह स्त्री वर्ग में। बारह लड़के तथा नौ लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और किराना मर्चेन्ट हैं। मूल निवासी सरायनोम (एटा) के हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र कल्याणदास जैन, ५३३।२३ ए० गांधीनगर देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं नवीं कक्षा पास हैं और रेडीमेड वस्त्रोंके व्यापारी हैं। मूल निवासी टीकरी (आगरा) के हैं।

होरीलाल जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, ९९५।२०८ गली नं० ६ कैलाशनगर देहली (देहली)
इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा छठी तक है। कपड़े का व्यापार होता है। मूल निवासी एटा के हैं।

श्री भगवत्स्वरूपजी जैन 'भगवत्' फरिहा

स्व० श्री ला० मुरारीलालजी जैन शिकोहाबाद

स्व० श्री पं० निवासजी शास्त्री
कलकत्ता

श्री पं० शिवमुखरायजी जैन शास्त्री,
मारोठ
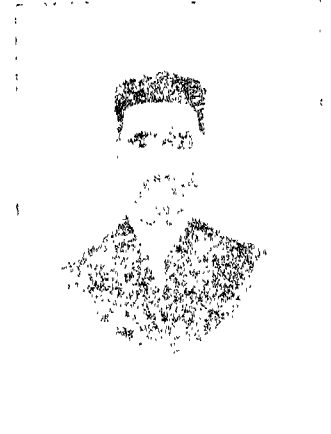
बिहार प्रान्त

●

जिला-धनवाद
गाँव-खरखरी

रवीन्द्रकुमार जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, पैट्रोल पम्प खरखरी (धनवाद)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। बारह कक्षा तक शिक्षा प्राप्त हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी पमारी के हैं।

●

जिला-पटना
नगर-पटना

गिरनारीलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, कदम कुआं पटना (पटना)
इस परिवार में दो सज्जन पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी घेर खोखल (फिरोजा बाद) के हैं।

●

जिला-पूर्णिया
गाँव-ठाकुरगंज

सूरजभान जैन सुपुत्र भूधरदास जैन, ठाकुरगंज (पूर्णिया)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

●

जिला-हजारीबाग
गाँव-ईसरी बाजार

अतिवीरचन्द जैन सुपुत्र लाहोरीलाल जैन, पारसनाथ स्कूल ईसरी बाजार (हजारीबाग)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख बी० ए० बी० टी० तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी टूण्डला (आगरा) के हैं।

अनिलकुमार जैन सुपुत्र मुन्शीलाल जैन, जैन हाईस्कूल ईसरी बाजार (हजारीबाग)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमतीजी केवल दो सदस्य ही हैं। परिवार प्रमुख इण्टरमीडियेट तक शिक्षित हैं और अध्यापनका कार्य करते हैं। मूल निवासी भोंडला (एटा) के हैं।

केलीदेवी जैन धर्मपत्नी श्यामबिहारी जैन, ईसरी बाजार (हजारीबाग)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवार मूल निवासी फिरोजाबाद का है।

चन्द्रमुखीदेवी जैन धर्मपत्नी चिरंजीलाल जैन, ईसरी बाजार (हजारीबाग)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में, कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

पूर्णचन्द्र जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, ईसरी बाजार (हजारीबाग)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और चूड़ी की दुकान करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र मिट्ठूलाल जैन, ईसरी बाजार (हजारीबाग)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और चूड़ी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र गोपीचन्द जैन, ईसरी बाजार (हजारीबाग)

इस परिवार में छ सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख बी० कॉम०तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं।

लक्ष्मीदेवी जैन धर्मपत्नी साहूकार जैन, ईसरी बाजार (हजारीबाग)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

सेतीलाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, दि०जैन हा० सैकेंडरी स्कूल ईसरी बाजार (हजारीबाग)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० तक शिक्षित हैं और कालेज में प्रधानाचार्य के पद पर नियुक्त हैं। मूल निवासी उदयपुर (आगरा) के हैं।

सोमप्रकाश जैन सुपुत्र जगदीशप्रसाद जैन, ईसरी बाजार (हजारीबाग)

इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख एम०ए० तक शिक्षित हैं और कालेज में उपाचार्य के पद पर नियुक्त हैं। मूल निवासी टूण्डला के हैं।

हरविलास जैन सुपुत्र पातीराम जैन, ईसरी बाजार (हजारीबाग)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। सात लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और चूड़ी के थोक व्यापारी हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

गाँव-झूमरीतलैया (हजारीबाग)

जयचन्द वैद्य सुपुत्र माणिकचन्द जैन, जैन धर्मार्थ औषधालय झूमरीतलैया (हजारीबाग)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख चिकित्सा करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

गाँव-मधुवन (हजारीबाग)

विमलप्रसाद जैन सुपुत्र छुट्टनलाल जैन, मधुवन (हजारीबाग)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी मधुवन के ही हैं।

●

बंगाल प्रान्त

●

जिला-कलकत्ता

नगर-कलकत्ता

अर्जुनदास जैन सुपुत्र राजबहादुर जैन, ११३ हरिसन रोड कलकत्ता (कलकत्ता)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और आढ़त का कार्य करते हैं। मूल निवासी खडौवा (एटा) के हैं।

आनन्दकुमार जैन सुपुत्र उग्रसैन जैन, कलकत्ता (कलकत्ता)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर (आगरा) के हैं।

उग्रसैन जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, ५६ अपर चितपुर रोड कलकत्ता (कलकत्ता)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और बरतनों की दुकान करते हैं। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

कपूरचन्द जैन सुपुत्र गुरदयाल जैन, ६१ अपर चितपुर रोड कलकत्ता (कलकत्ता)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और बरतनों की दुकान करते हैं। मूल निवासी बाबापुर (एटा) के हैं।

जुगमन्दिरदास जैन सुपुत्र स्व० मुन्नीलाल जैन, ११३ महात्मागांधी रोड कलकत्ता (कलकत्ता)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख लोह-पात्र निर्माता और बरतन व्यवसायी हैं। इस परिवार का मूल निवास स्थान पामरी (आगरा) है।

तेजपाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, ८५ बड़तल्ला स्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)

इस परिवार में यह सज्जन अकेले ही हैं और साधारण शिक्षित हैं तथा घी का कार्य करते हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के हैं।

धन्यकुमार जैन सुपुत्र हरदयाल जैन, पी० १५ कलाकार स्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साक्षर हैं और साहित्य-प्रकाशन का कार्य करते हैं। मूल निवासी फफूत (एटा) के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, ८५ बड़तल्ला स्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख घी का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी फरिहा के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र द्वारिकादास जैन, २।१ डी० गोबिन्द औदे रोड अलीपुर (कलकत्ता)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एल० एल० बी० ए० सी० ए० तक शिक्षित हैं और व्यापार एवं सर्विस करते हैं। मूल निवासी बेरनी (एटा) के हैं।

भगवानस्वरूप जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, ५९ कॉटन स्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और बरतनों की दुकान करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

भामण्डलदास जैन सुपुत्र तालेवरदास जैन, बाँसतल्ला स्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, १३४ कॉटनस्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा बरतनों की दुकान करते हैं। मूल निवासी सरायनीम (एटा) के हैं।

श्रीमन्दिरदास जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

मिश्रीलाल जैन, १।१ शिवकिशनदा लेन, जोड़ासाकू कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है तथा बी०ए० में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और जवाहरात का व्यापार करते हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र जानकीप्रसाद जैन, २७ नं० मलिक स्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के क्रमशः बी०ए० और आठवीं कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद (मैनपुरी) के हैं।

मोहनलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, ६३ बड़तल्ला स्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में एक पुरुष वर्गमें तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है और प्रारम्भिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और जवाहरात आदि का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कल्यानगढ़ी के हैं।

युधिष्ठिरप्रसाद जैन सुपुत्र तालेवर जैन, दि० जैन भवन कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी खडौवा (एटा) के हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, बाँसतल्ला स्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के बाल्यावस्था में हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी खडौवा (एटा) के हैं।

रमाकान्त जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, ९२६ डी. एम. ई. टी. होस्टल कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। अभी अविवाहित हैं और विद्याध्ययन कर रहे हैं। मूल निवासी इन्दौर (म० प्र०) के हैं।

राजेन्द्रनाथ जैन सुपुत्र सेठलाल जैन, पी. १५ कलाकार स्ट्रीट,कलकत्ता-७ (कलकत्ता)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

रामप्रकाश जैन सुपुत्र पाण्डेय गुरुदयाल जैन, १३४ कॉटनस्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के बाल्यावस्था में हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी बाबरपुर (एटा) हैं।

राममूर्ति जैन सुपुत्र मुंशीराम जैन, २७ नं० मल्लिक स्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा

प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी बिल्लीगढ़ मखनपुर (मैनपुरी) के हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, हंसपुकरिया २।१ कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी राजाकाताल (आगरा) के हैं।

वसन्तकुमार जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, २।१ हंसपुकरिया कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी चिरहुली (आगरा) के हैं।

विनयकुमार जैन सुपुत्र नरेन्द्रनाथ जैन, २२२-२२३ आ० प्रफुल्लचन्द्र रोड कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० कॉम० तक शिक्षा प्राप्त हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी फर्रुखाबाद के हैं।

शंकरलाल जैन सुपुत्र लल्लामल जैन, ५९ कॉटनस्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं, आप अविवाहित हैं। साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी जलेसर के हैं।

शान्तिप्रकाश जैन सुपुत्र मनीराम जैन, ११३ महात्मा गांधी रोड कलकत्ता-७ (कलकत्ता)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं।

शिवरतन जैन सुपुत्र जितवरदास जैन, ३७ बी० कलाकार स्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद के हैं।

सन्तोषकुमार जैन सुपुत्र नरेन्द्रनाथ जैन, १९३ नं० राजा दीनेन्द्र स्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी फर्रुखाबाद के हैं।

सुखदेवप्रसाद जैन सुपुत्र कुंवरसैन जैन, कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और बरतनों का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद के हैं।

हरसचन्द जैन सुपुत्र जगन्नाथप्रसाद जैन, ३६ बाँसतल्ला स्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दलाली का कार्य करते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र दौलतराम जैन, १२ नं० सिकन्दर पाड़ा लैन कलकत्ता (कलकत्ता)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी टेहू (आगरा) के हैं।

गाँव-खिदिरपुर (कलकत्ता)

नेमीचन्द जैन सुपुत्र दीपचन्द जैन, १५। बी० इब्राहीम रोड खिदिरपुर (कलकत्ता)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और वस्त्र का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सरायनीम के हैं।

●

जिला-चौबीस परगना

गाँव-गड्डरिया बाजार

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, गड्डरिया बाजार श्यामनगर (चौबीस परगना)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा वस्त्र का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के हैं।

गाँव-चित्तीगंज (चौबीस परगना)

श्रीनिवास जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, चित्तीगंज (चौबीस परगना)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी नगला सोंठ (आगरा) के हैं।

बनारसीलाल जैन सुपुत्र मिट्ठीलाल जैन, चित्तीगंज (चौबीस परगना)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख धार्मिक प्रवृत्ति के हैं। अपने निवास स्थान में मंदिर बनवाने में काफी सहयोग दिया है। इनके लड़के शिक्षाप्रेमी हैं। मूल निवासी नगला सोंठ (आगरा) के हैं।

बनारसीलाल जैन सुपुत्र गोवर्धनदास जैन, चित्तीगंज (चौबीस परगना)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की विवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

●

जिला-बर्धवान
गाँव-दुर्गापुर

धन्यकुमार जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, एफ. एल. ३।१२२ दुर्गापुर (बर्धवान)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी जारखी के हैं।

विमलकुमार जैन सुपुत्र सुरेन्द्रनाथ जैन, गुरुद्वारा रोड दुर्गापुर (बर्धमान)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सिलाई आदि का कार्य करते हैं। मूल निवासी फर्रुखाबाद के हैं।

मथुराप्रसाद जैन सुपुत्र रामलाल जैन, बैनाचट्टी दुर्गापुर (बर्धमान)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी टेहू (आगरा) के हैं।

मुरारीलाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, रानीगंज (बर्धवान)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद (आगरा) के हैं।

●

जिला-हावड़ा
गाँव-घुसड़ी

राजबहादुर जैन सुपुत्र मथुराप्रसाद जैन, घुसड़ी नं० १०८ (हावड़ा)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं तथा इनकी बाल्यावस्था में एक लड़की केवल दो ही सदस्य हैं। आप साधारण शिक्षित हैं और बरतनों के कारखाने में सर्विस करते हैं। मूल निवासी टेहू (आगरा) के हैं।

नरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र जयचन्द जैन, मोतीचन्द रोड घुसड़ी (हावड़ा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है और प्रारम्भिक कक्षामें शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और बरतन बनाने के कारखाने में हैं। मूल निवासी टेहू (आगरा) के हैं।

●

जिला-हुगली
गाँव-उत्तरपाड़ा

इन्द्रजित जैन सुपुत्र बस्तीराम जैन, ९९, शिवनरायण रोड उत्तरपाड़ा (हुगली)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल सतरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी राजाका ताल (आगरा) के हैं।

तिनकौड़ीलाल जैन सुपुत्र बस्तीराम जैन, ६ नं० शिवनरायण रोड़ उत्तरपाड़ा (हुगली)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी राजाका ताल के हैं।

नगेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र मनहोतीप्रसाद जैन, उत्तरपाड़ा (हुगली)
इस परिवार में तीन पुरुष में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सैमरा (आगरा) के हैं।

हजारीलाल जैन सुपुत्र दीपचन्द जैन, १५ शिवतल्ला स्ट्रीट उत्तरपाड़ा (हुगली)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और वस्त्र का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रीवाँ (मैनपुरी) के हैं।

गाँव-वंडील (हुगली)

खुशीलाल जैन सुपुत्र मंसाराम जैन, वंडील (हुगली)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और परचूनी की दुकान करते हैं। मूल निवासी उसायनी के हैं।

गाँव-वंडील बाजार (हुगली)

शाहकुमार जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, वंडील बाजार (हुगली)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मनिहारी की दुकान करते हैं। मूल निवासी सकरौली (एटा) के हैं।

गाँव-रिसड़ा (हुगली)

कैलाशचन्द्र जैन सुपुत्र शान्तिस्वरूप जैन, इन्जीनियरिंग प्रोडक्ट्स रिसड़ा (हुगली)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख बी० कॉम तक शिक्षा प्राप्त हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर (आगरा) के हैं।

अजितकुमार जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० कॉम० तक शिक्षित हैं और बैंक में सर्विस करते हैं। मूल निवासी सखावतपुर (आगरा) के हैं।

अण्णाजी जैन सुपुत्र नानाजी जैन रोडे, रामबाग इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख ग्यारह कक्षा तक शिक्षित हैं और एक कम्पनी के एजेन्ट हैं। मूल निवासी वर्धा (महाराष्ट्र) के हैं।

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र गुलाबचन्द जैन, इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं—सार्वजनिक कार्यों में भाग लेते हैं। मूल निवासी उड़ेसरा (मैनपुरी) के हैं।

अशरफीलाल जैन सुपुत्र लाला लाहौरीलाल जैन, ३० जूनापीठा इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। आठ लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी रीवाँ के हैं।

कमलकुमार जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, राजेन्द्रनगर इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख एल० एल० बी० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी इन्दौर के ही हैं।

कमलेशकान्त जैन सुपुत्र किशनस्वरूप जैन, १६१ महात्मागांधी मार्ग इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख बी० कॉम० तक शिक्षित हैं और स्टेशनरी की दुकान करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

कान्तीस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, १८ शीतला माता बाजार इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा चौदह स्त्री वर्ग में कुल पचीस सदस्य हैं। दो लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और पुस्तक विक्रेता हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

चन्द्रसैन जैन सुपुत्र लाहोरीलाल जैन, छोटी ग्वाल टोली इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी रीवाँ के हैं।

छोटेलाल जैन सुपुत्र नैनपाल जैन, मारोठिया बाजार इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सखावतपुर के हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, जँबरीबाग इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एफ० ए० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कुतकपुर (आगरा) के हैं।

जयमालादेवी जैन, इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में दो सदस्य स्त्री वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख मध्यमा मैट्रिक तक शिक्षित हैं और अध्यापिका हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद की हैं।

दिवाकर जैन, *सोंधी मुहल्ला ४ जेल रोड* इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख दस श्रेणी तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी नागपुर (महाराष्ट्र) के हैं।

देवचन्द्र जैन सुपुत्र सूरजमल जैन, भोपाल कम्पाउण्ड नसिया रोड इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी रीवाँ (आगरा) के हैं।

देवेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र मुन्शीलाल जैन, इन्द्रभवन इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य

हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कुतकपुर (आगरा) के हैं।

पारसदास जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, के० ई० एच० कम्पाउण्ड इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सीहोर छावनी के हैं।

प्रभाकरराव जैन सुपुत्र मोतीराव रोडे गान्धीरोड इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और टिम्बर मर्चेन्ट्स का कारोबार है। मूल निवासी वर्धा (महाराष्ट्र) के हैं।

बापूराव कायर सुपुत्र केशवराव कायर ठि० डॉ० मिसेस देशपाण्डे जेल रोड इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं तथा मोटर ड्राइवर हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र दुर्गाप्रसाद जैन, इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी चिरौली (आगरा) के हैं।

भासचन्द जैन सुपुत्र गणपतराय मुठमारे जेल रोड इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और कम्पाउण्डर हैं। मूल निवासी नागपुर (महाराष्ट्र) के हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, वेयर हाऊस रोड इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

माणिकचन्द जैन सुपुत्र माधवराव जैन, बोरखे सोंधी मुहल्ला इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में चौदह पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बीस सदस्य हैं। ग्यारह लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा

प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, भोपाल कम्पाउण्ड इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। अप रेल्वे विभाग द्वारा ससम्मान रिटायर्ड हैं। मूल निवासी कुतकपुर के हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, छोटी ग्वाल इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सकरौली के हैं।

लालबहादुर जैन शास्त्री सुपुत्र रामचरणलाल जैन, इन्द्रभवन तुकोगंज इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं तथा विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० ए०, शास्त्री, साहित्याचार्य तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

विजयकुमार जैन सुपुत्र नैनपाल जैन, ११ अहिल्यापुरा इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सखावतपुर के हैं।

विनयकान्त जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, विनय पुस्तक भण्डार इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल बीस सदस्य हैं। आठ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और पुस्तक की दुकान करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

शान्तिस्वरूप जैन सुपुत्र लाहोरीलाल जैन, १५२२ नन्दानगर इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी रीवा के हैं।

श्यामस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, ८६ शीतलामाता बाजार इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एफ०ए० तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

श्रीधर जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, गोरा कुण्ड इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं और छापाखाने का कार्य करते हैं।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, नसिया रोड इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साक्षर हैं।

साहूलाल जैन, इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है तथा प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं।

सुमेरचन्द जैन सुपुत्र सोनपाल जैन, भोपाल कम्पाउण्ड इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमतीजी दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सकरोली के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र यादवराव नाकड़े, वीरनिकेतन इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० तक शिक्षित हैं और फरनीचर का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भण्डारा (महाराष्ट्र) के हैं।

सूर्यपाल जैन सुपुत्र देवकुमार जैन, इन्द्रभवन तुकोगंज इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी बड़नगर के हैं।

सुशीलचन्द जैन, इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं तथा विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं।

हरिश्चन्द जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, ४० जूनापीठा इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा

प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

हरिश्चन्द्र जैन सुपुत्र भामण्डलदास जैन, ५८ मालगंज इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी रिसालका बास के हैं।

हुकमचन्द जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, तिजारी गली सियागंज इन्दौर (इन्दौर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी टूण्डला के हैं।

नगर-राऊ (इन्दौर)

ब्रजकिशोर जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, राऊ (इन्दौर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवावी एटा (उत्तर प्रदेश) के हैं।

●

जिला-उज्जैन
नगर-उज्जैन

जैनपाल जैन सुपुत्र राजमल जैन, खाराकुआँ उज्जन (उज्जैन)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी धामन्दा के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, विनोदालय, विनोदमिल्स उज्जैन (उज्जैन)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के बाल्यावस्था में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं तथा प्रिण्टिंग मास्टर हैं। मूल निवासी पालेज के हैं।

भानुकुमार जैन सुपुत्र श्री निवास जन, बैंगिल्स स्टोर उज्जैन (उज्जैन)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। छ लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षित हैं तथा चूड़ियों का व्यापार व्यवसाय करते है। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

माँगीमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, खाराकुआँ उज्जैन (उज्जैन)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी चाकरोद के हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र केसरीलाल जैन, खाराकुआँ उज्जैन (उज्जैन)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में और दस स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य है। दो लड़के तथा आठ लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा बरफ आदि का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी उज्जैन के ही हैं।

सतीशचन्द्र जैन सुपुत्र दरेमनलाल जैन, रामकुंज कोठी रोड उज्जैन (उज्जैन)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० तक शिक्षित हैं और कपड़े के मिल में सर्विस करते हैं। मूल निवासी रीवां के हैं।

हुकमचन्द जैन सुपुत्र शंकरलाल जैन, मुसद्दीपुरा उज्जैन (उज्जैन)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और टेलरिंग का कार्य करते हैं। मूल निवासी फुलेन के हैं।

●

जिला-ग्वालियर

नगर-लशकर (ग्वालियर)

कल्याणदास जैन सुपुत्र ईश्वरीप्रसाद जैन, गंज लशकर (ग्वालियर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई आदि का कार्य करते हैं। मूल निवासी पचमान के हैं।

कामताप्रसाद जैन सुपुत्र लालाराम जैन, नया बाजार लश्कर (ग्वालियर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और आयुर्वेद दवाखाना का कार्य करते हैं। मूल निवासी मैदामई (अलीगढ़) के हैं।

गाँव-माधोगंज (ग्वालियर)

चम्पालाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, माधोगंज (ग्वालियर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई आदि का कार्य करते हैं। मूल निवासी नगलासोंठ (आगरा) के हैं।

जगदीशचन्द जैन सुपुत्र राजकुमार जैन, लक्ष्मीबाई कालोनी ग्वालियर (ग्वालियर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की बाल्यावस्था में हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० कॉम० तक शिक्षा प्राप्त हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कुतकपुर के हैं।

रोशनलाल जैन सुपुत्र कल्याणदास जैन, पाटनकर बाजार ग्वालियर (ग्वालियर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी मैदामई (अलीगढ़) के हैं।

साहूकार जैन सुपुत्र खेतीप्रसाद जैन, ग्वालियर (ग्वालियर)
इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सदऊ के हैं।

हरदयाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, २३०।२३१ बिड़लानगर ग्वालियर (ग्वालियर)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तथा साहित्य भूषण तक शिक्षित हैं और विद्यालय में सर्विस करते हैं। मूल निवासी सखावतपुर के हैं।

हरीशचन्द जैन सुपुत्र भजनलाल जैन, मामा का बाजार लश्कर (ग्वालियर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छः स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सराय नूरमहल (आगरा) के हैं।

स्व० श्री दिलसुखरायजी जैन, जसराना

श्री कम्पिलादासजी जैन रईस, थरौआ

श्री होतीलालजी जैन, जसराना

स्व० श्री जगदीशप्रसादजी जैन, टूण्डला

श्री भगवानस्वरूपजी जैन, टूण्डला

श्री राजकुमारजी जैन, फिरोजाबाद

श्री पातीरामजी जैन शास्त्री, अहारन

श्री कपूरचन्दजी जैन 'इन्दु' चिरहौली

जिला-गुना
गाँव-रूढियाई

जगदीशप्रसाद जैन सुपुत्र स्वरूपचन्द जैन, रेलवे कालोनी रूढियाई गुना (गुना)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० कॉम० तक शिक्षित हैं और रेलवे में सर्विस करते हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद के हैं।

बजरंगलाल जैन सुपुत्र बसन्तीलाल जैन, ठि० पं० रामप्रसादजी का मकान रूढियाई (गुना)
इस परिवार में यह सज्जन अकेले ही हैं। साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

●

जिला-जबलपुर
नगर-जबलपुर

चन्द्रशेखर जैन सुपुत्र नेकीराम जैन, लाखाभवन पुरानी चरहाई जबलपुर (जबलपुर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है तथा मिडिल और विशारद तक शिक्षित है। परिवार प्रमुख आयुर्वेदाचार्य, न्यायतीर्थ तथा शास्त्री तक शिक्षित हैं और "आयुर्वेद चिकित्सक" मासिक पत्र का प्रकाशन करते हैं। मूल निवासी पाढम (मैनपुरी) के हैं।

●

जिला-भिण्ड
गाँव-भिण्ड

रघुवरदयाल जैन सुपुत्र बखेड़ीलाल जैन, भिण्ड (भिण्ड)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

●

जिला-भेलसा
नगर-विदिशा

छबीलाल जैन सुपुत्र लक्ष्मणदास जैन, माधवगंज विदिशा (भेलसा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं। मूल निवासी दिनोली मोरेना (मैनपुरी) के हैं।

[illegible] जैन सुपुत्र स्वरूपचन्द जैन, माधवगंज विदिशा (भेलसा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं। मूल निवासी टूण्डली के हैं।

भीमसैन जैन सुपुत्र हुलासराय जैन, विदिशा (भेलसा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जरौली (मैनपुरी) के हैं।

श्रीमन्दिरदास जैन सुपुत्र ज्वालाप्रसाद जैन, माधवगंज विदिशा (भेलसा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं तथा मिठाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी पृथ्वीपुरा (मैनपुरी) के हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र ज्वालाप्रसाद जैन, माधवगंज विदिशा (भेलसा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वतन्त्र व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी विदिशा के ही हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र रामचन्द्रदास जैन, विदिशा (भेलसा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वतन्त्र व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी विदिशा के ही हैं।

●

जिला-भोपाल
नगर-भोपाल

अजितकुमार जैन सुपुत्र पं० मोतीलाल जैन, सर्राफागली चौक बाजार भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमतीजी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख प्रभाकर तक उच्च शिक्षा प्राप्त हैं तथा बीड़ी माचिस का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

अजितकुमार जैन सुपुत्र बागमल जैन, सोमवारा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में यह सज्जन एवं इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख एम०ए० तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी सीहोर के हैं।

अनोखीलाल जैन सुपुत्र सूरजभान जैन, मंगलावारा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में यह सज्जन एवं इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी जावर के हैं।

अम्बालाल जैन सुपुत्र केसरीलाल जैन, मोतीलाल जैन का मकान इतवारा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख हायर सैकेण्डरी तक शिक्षित हैं तथा मुनीमी करते हैं। मूल निवासी कालापीपल मण्डी के हैं।

अमृतलाल जैन सुपुत्र मांगीलाल जैन, ठि० तेजराम फुन्नोलाल जैन भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी अरनीया के हैं।

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र दुर्गाप्रसाद जैन, हवामहल रोड भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित् हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी०ए० तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी वल (एत्मादपुर) के हैं।

अशोककुमार जैन सुपुत्र भैरूलाल जैन, कोतवाली रोड भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी अकोदिया मण्डी के हैं।

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, नीमवाली बाखल सोमवारा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी निशाना (शाजापुर) के हैं।

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र बूलचन्द जैन, सोमवारा मालीपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

कमलकुमार जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, बागमल जोशीकी बाखल भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम०ए० तक शिक्षित हैं तथा उच्च विद्यालय में अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी सीहोर के हैं।

कमलकुमार जैन सुपुत्र पं० कस्तूरचन्द्र जैन, सोमवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

कान्तिस्वरूप जैन सुपुत्र सेठ बाबूराम जैन, कान्तिकुंज ललवानी प्रेस रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक हैं और पुस्तक प्रकाशन तथा प्रेस का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी एटा (उत्तर प्रदेश) के हैं।

कुन्दनलाल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, कुन्दन कुटी ललवानी प्रेस रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिमार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा मकानों की दलाली का कार्य करते हैं। मूल निवासी इच्छावर (मध्य प्रदेश) के हैं।

केसरीमल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, श्वेताम्बर मन्दिर के सामने की गली भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी बेरछा के हैं।

केसरीमल जैन सुपुत्र उम्मेदमल जैन, दि० जैन मन्दिर के सामने चौक भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा

प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सीहोर (मध्य प्रदेश) के हैं।

कोमलचन्द जैन सुपुत्र गोपामल जैन, इतवारा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी पनसावद के हैं।

खुशीलाल जैन सुपुत्र देवदास जैन, इलाहाबाद बैंक के नजदीक भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी पांचानेर के हैं।

खुशीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, इतवारा चौक भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी इच्छावर (सीहोर) के हैं।

खुशीलाल जैन सुपुत्र देवचन्द जैन, सोमवारा बाजार भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी रनायल (शाजापुर) के हैं।

खेमचन्द जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, गोकलचन्द भोड़की बगिया भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और राजकीय सेवा में हैं। मूल निवासी सीहोर के हैं।

गजराजमल जैन सुपुत्र अमरचन्द जैन, ३ इब्राहिमपुरा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है तथा प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षा प्राप्त हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी रायपुर (शाजापुर) के हैं।

गनपतलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, ६९ माईवाली गली इतवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और परचून का व्यापार करते हैं। मूल निवासी मऊखेड़ी (सीहोर) के हैं।

गबरूलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, गुलराज बाबूलाल का मकान भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और पान की दुकान करते हैं। मूल निवासी करोंन के हैं।

गट्टूलाल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, चौक भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सराफा का व्यापार करते हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

गुणधरदास जैन सुपुत्र देवबक्स जैन, इतवारा बाजार भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी तिलावद (शाजापुर) के हैं।

गुलाबचन्द जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, मिश्रीलाल का मकान इतवारा रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना तथा गल्ला का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

गुलाबचन्द जन सुपुत्र केसरीमल जैन, मारवाड़ी रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी ननासा के हैं।

गुलाबचन्द जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, रामसिंह अहीर की गली गुजरशा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मसाला का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सीहोर के हैं।

गेंदालाल जैन सुपुत्र मूलचन्द जैन, सिंधी बाजार म० नं० १५ भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मुनीम हैं।

गेंदालाल जैन सुपुत्र श्रीराम जैन, मोहल्ला गुलियादाई भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यवसाय है।

गेंदालाल जैन सुपुत्र नेहालाल जैन, जैन मन्दिर के पास मंगलवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और चावल दाल की दुकान करते हैं। मूल निवासी कजोड़ा के हैं।

गोपालमल जैन सुपुत्र खुशीलाल जैन, जुमेराती बाजार भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी धामंद (सीहोर) के हैं।

गोपालमल जैन सुपुत्र चुन्नीलाल जैन, गोपालमल कलारी के पास भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख प्राइवेट सर्विस करते हैं।

गोपीलाल जैन सुपुत्र बंशीलाल जैन, नूरजी बोरा की गली भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं। मूल निवासी अकोदियामण्डी के हैं।

घेवरमल जैन सुपुत्र मन्नूलाल जैन, सोमवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और होजरी का कार्य करते हैं।

चाँदमल जैन सुपुत्र सूरजमल जैन, जैन मन्दिर रोड मंगलवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार व्यवसाय करते हैं।

छगनलाल जैन सुपुत्र झुन्नालाल जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकान करते हैं।

छगनलाल जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, जैन मन्दिर मार्ग भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी बअल्या के हैं।

छीतरमल जैन सुपुत्र केसरीमल जैन, घोड़ा नक्कास भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मुनीमी करते हैं। मूल निवासी इच्छावर (सीहोर) के हैं।

छोटेलाल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, बागमल जैन की बाखल इतवारा रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी लसुड़लिया के हैं।

जम्बूबाई जैन धर्मपत्नी अमृतलाल जैन, ललवानी सा गली चौक भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में यह महिला एवं एक इनकी बहिन का पुत्र केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख विधवा हैं। मूल निवासी आष्टा की हैं।

जैनपाल जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, बागमल की बाखल भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और नौवीं कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और सिलाई का काम करते हैं। मूल निवासी कालापीपल के हैं।

जेवरचन्द जैन सुपुत्र किशनलाल जैन, इतवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी कड़वाल के हैं।

डालचन्द जैन सुपुत्र राजमल जैन, श्वेताम्बर जैन मन्दिर के पीछे भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख ग्यारहवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी शुजालपुरमण्डी के हैं।

डालचन्द जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, जैन मन्दिर रोड चौक भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी भतीजी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और सराफे का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

देवकुमार जैन सुपुत्र बाबूलराम जैन, मंगलवारा मन्दिर के पास भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में यह सज्जन एवं इनकी माताजी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख बारह कक्षा तक शिक्षित हैं और राजकीय सर्विस में हैं। मूल निवासी जूनागढ़ (गुजरात) के हैं।

देवीलाल जैन सुपुत्र रामचन्द्र जैन, मारवाड़ी रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा मिठाई का कार्य करते हैं। मूल निवासी खातेगाँव के हैं।

देवेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र राजकुमार जैन, क्वाटर नं० २१८ गोविन्दपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी एटा (उत्तर प्रदेश) के हैं।

धनपाल जैन सुपुत्र गोपालमल जैन, गोपाल-भवन जुमेराती बाजार भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी०ए० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी धामन्दा के हैं।

नाथूराम जैन सुपुत्र छोगमल जैन, गली बीसाहजारी गुजरपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी रनायल के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, गुजरपुरा जुमेराती भीतर भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख दसवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी सीहोर के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र सागरमल जैन, सोमवारा नीमवाई की बाखल भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं।

एक लड़की प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी इच्छावर (सीहोर)के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, इतवारी भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी पत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी लसुड़िया गोठी के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, लखेरापुरा सइदिया मार्ग भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी केथलाय (शाजापुर) के हैं।

निर्मलकुमार जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, इब्राहीमपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, कृष्ण भवन काजीपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। मैट्रिक तक शिक्षित हैं तथा अविवाहित हैं। मूल निवासी अमलार निनोर के हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, जैन-मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और होजरी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी पाउलिया मताली के हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, "अजितभवन" सर्राफागली चौक भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी अहारन के हैं।

बदामीलाल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, गली डाकखाना चौक भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और किराने का व्यवसाय करते हैं। आप सार्वजनिक क्षेत्र में लोकप्रिय महानुभाव हैं

और पद्मावती जैन समाज के सम्माननीय प्रधान पदपर प्रतिष्ठित हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

बागमल सेठ सुपुत्र छोगमल जैन, चौक बाजार भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में यह सज्जन एवं इनकी श्रीमतीजी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सराफे का व्यापार व्यवसाय करते हैं। आप सौम्य प्रकृति के सर्वप्रिय महानुभाव हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

बागमल जैन सुपुत्र झुन्नालाल जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख नौवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और चिन्तन और मनन करते हैं। मूल निवासी मैना (सीहोर) के हैं।

बागमल जैन सुपुत्र मूलचन्द्र जैन, इतवारा रोड भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सन्दलपुर के हैं।

बागमल जैन सुपुत्र हेमराज जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और सेल्समैन पदपर नियुक्त हैं। मूल निवासी जामनेर के हैं।

बागमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, गूजरपूरा जुमेराती बाजार भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी फरड़ कोठरी के हैं।

बागमल जैन सुपुत्र हेमराज जैन, वस्त्र व्यवसायी भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े की दुकान करते हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र किशनलाल जैन, बागमलजी की बाखल भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र गुलराज जैन, गुलराज बाबूलालजी का मकान भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बेरछा के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र त्रिलोकचन्द जैन, इतवारी भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी निपानीया के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र राचेलाल जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में यह सज्जन एवं इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र ताराचन्द जैन, भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी खरसोदा के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र हेमराज जैन, इतवारा कोतवाली रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख व्यापार करते हैं। मूल निवासी दिवड़िया के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र किशनलाल जैन, चौक जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक एवं धर्म-विशारद तक शिक्षित हैं। मूल निवासी जामनेर के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र ताराचन्द जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी बरनावद (राजगढ़) के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, इतवारा रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर मण्डी के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, मधुसूदनमहाराज का मकान चौक भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बमूलिया के हैं।

भँवरलाल जैन सुपुत्र हेमराज जैन, चौक गली भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

भँवरलाल जैन सुपुत्र बाबलराम जैन, इतवारा रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी तलैन (राजगढ़) के हैं।

मगनलाल जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, हवामहल रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० एवं प्रभाकर तक शिक्षित हैं तथा राजकीय सर्विस में हैं। मूल निवासी इच्छावर (सीहोर) के हैं।

मदनलाल जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, शकूरखाँ की मस्जिद के पास भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की बाल्यावस्था में है और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी शुजालपुर मण्डी के हैं।

मन्नूलाल जैन, जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है तथा शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी कोठरी के हैं।

भानमल जैन सुपुत्र उम्मेदमल जैन, सोमवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी नरायल के हैं।

मानकचन्द जैन सुपुत्र रखबलाल जैन, विरामपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रनायल (शाजापुर) के हैं।

माँगीलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, बागमल जैन की बाखल इतवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और मसाले की दुकान करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के हैं।

माँगीलाल जैन सुपुत्र सेजमल जैन, बागमल की बाखल भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में यह सज्जन एवं इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी जावर के हैं।

माँगीलाल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, अशोक जैन भवन मंगलवारा रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी निशाना (निकट आकोदियामण्डी) के हैं।

माँगीलाल जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, गूजरपुरा गली नं.३ भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी सीहोर के हैं।

माँगीलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, पीरगेट भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी आष्टा (सीहोर) के हैं।

मिट्ठूलाल जैन सुपुत्र छगनलाल जैन, चिन्तामन का चौराहा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं।

एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा मनिहारी की दुकान करते हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

मिश्रीलाल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, इब्राहीमपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं तथा किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

मूलचन्द जैन सुपुत्र देवबक्स जैन, श्वेताम्बर जैन मन्दिर के पास इतवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी तिलावद (शाजापुर) के हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, श्वेताम्बर जैन मन्दिर रोड चौक भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र किशोरीलाल जैन, मारवाड़ी रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, चिन्तामन चौराहा मारवाड़ी रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी आरिया के हैं।

मोतीलाल जैन, सुपुत्र हीरालाल जैन, आमला भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के हैं।

मोहनलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं।

परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा ट्रान्सपोर्ट में सर्विस करते हैं। मूल निवासी सन्दलपुर (देवास) के हैं।

मोहनलाल जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, इतवारा रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी पड़ामाय के हैं।

रखबचन्द जैन सुपुत्र गप्पूलाल जैन, मंगलवारा थाने के सामने भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी तलैन (राजगढ़) के हैं।

रखबलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी धनखेड़ी के हैं।

रखबलाल जैन सुपुत्र नन्नूमल जैन, सराफा चौक भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं तथा परचून की दुकान करते हैं। मूल निवासी इच्छावर (सीहोर) के हैं।

रखबलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, इलाहाबाद बैंक के सामने भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी दीवड़िया (सीहोर) के हैं।

रतनबाई जैन धर्मपत्नी राजमल जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

रणवीरप्रसाद जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, काजीपुरा के मकान में भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा

प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सिकन्दरा राज (मैदामई) के हैं।

राजमल जैन सुपुत्र रतनलाल जैन, कृष्ण-भवन काजीपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कड़वाला के हैं।

राजमल जैन सुपुत्र कोदरमल जैन, इमलीवाली गली भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी भौंरा इलाईमाता (सीहोर) के हैं।

राजमल जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, सोमवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी घिरोर के हैं।

रूपचन्द जैन सुपुत्र कोदरमल जैन, जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और सर्राफा का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

लखमीचन्द जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, कृष्ण भवन, काजीपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्गमें कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्रथम से लेकर आठवीं तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख दसवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के हैं।

लाभमल जैन सुपुत्र गोपालमल जैन, गोपाल भवन, जुमेराती बाजार भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मैट्रीकुलेट हैं और व्यापार जनरलमर्चेन्ट का है। एक पुत्र अविवाहित है। मूल निवासी भोपाल के हैं।

लाभमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, इतवारा रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवारमें चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। शिक्षा साधारण है। तीन लड़के अविवाहित हैं। व्यापार दुकानदारी का है। मूल निवासी लसुडलिया धोलपुर के हैं।

लाभमल जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, घोड़ा नक्कास भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। शिक्षा प्राथमिक से लेकर नवीं कक्षा तक है। एक लड़का और चार लड़की अविवाहित हैं और सर्विस व्यवसाय है। मूल निवासी सन्दलपुर के हैं।

लाभमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, बागमल जैन की बाखल भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा साधारण है। एक पुत्री अविवाहित है। व्यवसाय मसाले का है। मूल निवासो तिलबाद के हैं।

बसन्तीलाल जैन सुपुत्र सागरमल जैन, इतवारा रोड, भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। शिक्षा प्रथम से पाँचवीं कक्षा तक की है। चार लड़के अविवाहित हैं। मूल निवासी इच्छावर के हैं। पद्मावती पुरवाल संस्था के सदस्य तथा आदर्श सहकारी समितिके सेक्रेटरी भी हैं।

विपिनचन्द्र जैन सुपुत्र विजयचन्द्र जैन, क्वार्टर नं० २७, पिपलानी भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में आप और आपकी धर्मपत्नी दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मैट्रीकुलेट (डिप्लोमा इन्स्ट्रूमेन्ट मेकनिकल) हैं और आपकी पत्नी भी मैट्रिकुलेट तथा विद्याविनोदिनी पास हैं। पेशा सर्विस (लीडिंग आर्टि-कल) का है। मूल निवासी कुतकपुर (आगरा) के हैं।

सज्जनकुमार जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, १।२० साउथ टी० टी० नगर भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख बी० ए० पास हैं। शासकीय सेवा में स्टेटिस्टिकल असिसेन्ट (सर्विस) हैं। मूल निवासी एत्मादपुर (आगरा) के हैं।

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, रमेश भवन मारवाड़ी रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। पुत्र रमेशकुमार ग्यारहवीं कक्षा पास हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। व्यापार किराना और गल्ले का है। मूल निवासी इच्छावर के हैं।

सुमतलाल जैन सुपुत्र पूनमचन्द जैन, रखबलालजी का मकान भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में आप और आपकी धर्मपत्नी कुल दो ही सदस्य हैं। शिक्षा साधारण और सर्विस का व्यवसाय है। मूल निवासी अमलार के हैं।

सुहागमल जैन सुपुत्र देवचन्द जैन, श्रीपाल जैन का मकान अड्डा सुजेवां भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुप वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा साधारण है। दो लड़के अविवाहित हैं। पेशा व्यापार का है। मूल निवासी सीहोर के हैं।

सुहागमल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, अड्डा सुजेवां शक्कर मण्डी भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण और पेशा व्यापार किराने का है।

सुहागमल जैन सुपुत्र उम्मेदमल जैन, ईशनारायण काजीपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में पाँच पुरुप वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। शिक्षा एक से लेकर पाँचवीं तक है। पेशा व्यापार है। चार लड़के और दो लड़की अविवाहित हैं। मूल निवासी सीहोर के हैं।

सुहागमल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुप वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा में एक पुत्र इण्टर है और पुत्र वधू सरोजकुमारी मैट्रिक पास हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल तथा अन्य विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। सामाजिक क्षेत्र के प्रमुख कार्य-कर्ता हैं। पद्मावती पुरवाल कमेटी के सभापति भी रह चुके हैं। पेशा किराने का व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र छीतरमल जैन, गूजरपुरा गली नं० ३ भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा एक से लेकर पाँचवीं तक है। परचून का व्यापार है। मूल निवासी कोठड़ी (सीहोर) के हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण और पेशा सर्विस का है। मूल निवासी दीवड़िया के हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र बालमुकुन्द जैन, अड्डा पंजेस श्रीपाल का मकान भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य

हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा आठवीं तक है। पेशा सर्विस तथा टेलरिंग का है। मूल निवासी गढ़वाल के हैं।

सेजमल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, ललवानी सा० की गली भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा प्रथम से लेकर छठवीं कक्षा तक की है। पेशा सर्विस का है। मूल निवासी निशाना के हैं।

सेजमल जैन सुपुत्र हजारीमल जैन, पीरगेट बाहर भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। पुत्र बाबूलाल इन्टर पास हैं अन्य छवीं कक्षा तक पढ़ रहे हैं। पेशा सर्विस है। मूल निवासी सतपीपल्या के हैं।

सेजमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा कुछ नहीं। धंधा शारीरिक श्रम है।

सौभाग्यमल जैन सुपुत्र डालचन्द जैन, जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा तीसरी से लेकर छठी तक की है। पेशा सर्विस का है। मूल निवासी बोरदी के हैं।

सौभाग्यमल जैन सुपुत्र देवचन्द जैन, गूजरपुरा, गली नं.३ भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा साधारण और पेशा दुकानदारी का है। मूल निवासी सीहोर के हैं।

सौभाग्यमल जैन सुपुत्र बालमुकुन्द जैन, सौभाग्यसदन ३६ भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा पाँचवीं से लेकर आठवीं तक की है। व्यापार ट्रान्सपोर्ट सर्विस का है। सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र छगनलाल जैन, बागमल जैन की बाखल भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक हैं, भाई बसन्तीलाल भी मैट्रिक हैं। अन्य विभिन्न कक्षाओं के छात्र छात्राएँ हैं। पेशा सर्विस का है। मूल निवासी बोड़ा के हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र राजमल जैन, इतवारा, मसजिद के सामने भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा साधारण और व्यापार परचून का है। मूल निवासी सीहोर के हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, चिन्तराम चौराहा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण और धंधा सर्विस का है। मूल निवासी इच्छावर के हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र भँवरलाल जैन, बागमल जैन की बाखल भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में पती-पत्नी दो ही सदस्य हैं। शिक्षा साधारण और धंधा सर्विस (मुनीमी) का है। मूल निवासी लोमन के हैं।

श्रीकमल जैन सुपुत्र सेजमल जैन, इन्कम टैक्स वकील जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए० बी० कॉम० एल० एल० बी० हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। भूत पूर्व मंत्री पद्मावती पुरवाल मित्र सभा वर्तमान दि० जैन पंचायत कमेटी के सदस्य हैं। मूल निवासी इच्छा-वर के हैं।

श्रीमल जैन सुपुत्र हजारीमल जैन, घोड़ा नक्कास रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण है और व्यापार किराने का है। मूल निवासी भोपाल के हैं।

श्रीमल जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, लोहा बाजार भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं। पेशा सर्विस है। मूल निवासी सीहोर के हैं।

सिरेमल जैन सुपुत्र केशरीमल जैन, रोसलेवाले ललवानी साहब की गढ़ी भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में केवल आप ही हैं और अविवाहित हैं तथा बी० काम० (सेकेण्ड ईयर) में हैं। मूल निवासी रोसला के हैं।

हजारीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, सोमवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण और व्यापार किराने का है। मूल निवासी जामनेर के हैं।

हस्तीमल जैन सुपुत्र मगनलाल जैन, ललवानी गली भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण और व्यापार किराने का है। मूल निवासी भोपाल के हैं।

हीरालाल जैन सुपुत्र मुन्नालाल जैन, जुमेराती गुड़ बाजार भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा प्रथम से लेकर सातवीं कक्षा तक है। व्यवसाय गुड़ का है। मूल निवासी खरदौन के हैं।

हेमराज जैन सुपुत्र गनपतलाल जैन, बागमल की बाखल, इतवारा रोड भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में आप स्वयं ही हैं। मूल निवासी दीवड़िया के हैं।

हेमराज जैन सुपुत्र छोगमल जैन, इतवारा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा साधारण और पेशा सर्विस का है। मूल निवासी अकोदियामण्डी के हैं।

हेमराज जैन सुपुत्र ताराचन्द जैन, मंगलवारा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा प्रथम से लेकर सातवीं कक्षा तक और पेशा सर्विस का है। मूल निवासी वरनावद (राजगढ़) के हैं।

●

जिला-रतलाम
नगर-रतलाम

गजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, तोपखाना रतलाम (रतलाम)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा चूड़ियों का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

जगदीशचन्द्र जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, चाँदनी चौक रतलाम (रतलाम)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्गमें कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इन्टर तक शिक्षा प्राप्त हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी मुहम्मदाबाद (आगरा) के हैं।

सन्तलाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, रतलाम (रतलाम)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और चूड़ियों का व्यवसाय करते हैं।

●

जिला-राजगढ़
गाँव-उदनखेड़ी

पन्नालाल जैन सुपुत्र केसरीमल जैन, उदनखेड़ी (राजगढ़)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-पाडल्या (राजगढ़)

चान्दमल जैन सुपुत्र गट्टूलाल जैन, पाडल्या (राजगढ़)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख भोजनालय का कारोबार करते हैं। मूल निवासी पाडल्या के हैं।

गाँव-मगराना (राजगढ़)

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, मगराना (राजगढ़)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है तथा प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी मगराना के ही हैं।

गाँव-ब्यावरा मांडू (राजगढ़)

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र भूरालाल जैन, ब्यावरा मांडू (राजगढ़ ब्यावरा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी ब्यावरा मांडू ही के हैं।

छगनलाल जैन सुपुत्र भूरालाल जैन, ब्यावरा मांडू (राजगढ़ ब्यावरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी ब्यावरा मांडू के हैं।

गाँव-सराली (राजगढ़ ब्यावरा)

भागीरथमल जैन सुपुत्र मुन्नालाल जैन, सराली (राजगढ़ ब्यावरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-सारंगपुर (राजगढ़)

कमलकुमार जैन सुपुत्र मुकुन्दराम जैन, सारंगपुर (राजगढ़)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षा प्राप्त हैं तथा अध्यापन कार्य करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

केसरीमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख आठवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

कोमलचन्द जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षा प्राप्त हैं और कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी मखावद के हैं।

गजराजमल जैन सुपुत्र गणपतराय जैन, सारंगपुर (राजगढ़)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और कटलरी की दुकान करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

छगनलाल जैन सुपुत्र गणपतराय जैन, गांधी चौक सारंगपुर (राजगढ़)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख वैद्यक करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

दुलीचन्द जैन सुपुत्र कस्तूरचन्द जैन, सर्राफ सारंगपुर (राजगढ़)
इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। आठ लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न

श्री शिवकुमार जी जैन, शिवपुरी

श्री प्रकाशचन्द्रजी जैन 'अमेय' बी.ए.एल.टी.
साहित्यरत्न, जलेसर

श्री जीवेन्द्रकुमारजी जैन
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट, फतेहपुर
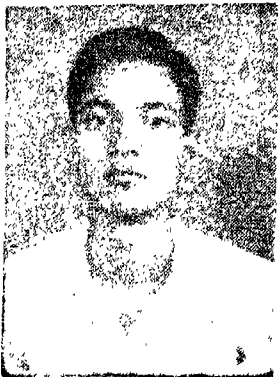
श्री मधु जैन एम.कॉम., एम.एस-सी
भोपाल

कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्राफा की दुकान करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षित हैं तथा किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

बागमल जैन सुपुत्र केसरीमल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र गजराजमल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सर्विस एवं कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी सीहोर के हैं।

मगरूलाल जैन सुपुत्र गणपतराय जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख पाँच कक्षा तक शिक्षा प्राप्त हैं और किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र मगनलाल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं तथा सर्राफा का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

माँगीलाल जैन सुपुत्र मथुरालाल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

राजमल जैन सुपुत्र गनपतराय जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा

प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं तथा किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

●

जिला-रायचूर
गाँव-मुनीराबाद

यशोधर जैन सुपुत्र बंशीधर जैन, मुनीराबाद (रायचूर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी बेरनी के हैं।

●

जिला-रायसैन
गाँव-रायसैन

लाभमल जैन सुपुत्र हेमराज जैन, रायसैन (रायसैन)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमतीजी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख बारह कक्षा तक शिक्षित हैं तथा स्टेट बैंक आफ इण्डिया में सर्विस करते हैं। मूल निवासी जामनेन के हैं।

●

जिला-सीहोर
गाँव-आरिया

छगनलाल जैन सुपुत्र शादीलाल जैन, आरिया (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आरिया के ही हैं।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, आरिया (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में

शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आरिया के ही हैं।

बागमल जैन सुपुत्र शादीलाल जैन, आरिया (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आरिया के ही हैं।

राजमल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, आरिया (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी यहीं के हैं।

गाँव-आष्टा (सीहोर)

अमृतलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, गांधी चौक आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख मैट्रिक, तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी घोसन्दर के हैं।

कल्लूलाल जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, नोसादर की बाखल आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र त्रिलोकचन्द जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

कन्हैयालाल जैन नोर सुपुत्र हुकुमचन्द जैन, सिकन्दर बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

केशरीमल जैन सुपुत्र बालचन्द जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं।

दो लड़के अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी मुहाई के हैं।

केशरीमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा बारह स्त्री वर्ग में कुल चौबीस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख किराने की दुकान करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

गुनधरलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख आठवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

गोपालमल जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, नोसादर की बाखल आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

चुन्नीलाल जैन सुपुत्र गप्पूलाल जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी डांबरी (आष्टा) के हैं।

छगनलाल जैन सुपुत्र मथुरामल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा (सीहोर) के हैं।

छोगमल जैन सुपुत्र मुन्नालाल जैन, कोटरी हाट आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कोटरी हाट के हैं।

डालचन्द जैन सुपुत्र सौभागमल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भाण्डखेड़ी के हैं।

डालचन्द जैन सुपुत्र हंसराज जैन, आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी हराजखेड़ी के हैं।

ताराचन्द जैन सुपुत्र हमीरमल जैन, बुधवारा आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

धनरूपमल जैन सुपुत्र उवारीमल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

नन्नूमल जैन सुपुत्र चन्द्रभान जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले के बड़े व्यापारी हैं और साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र गोपालमल जैन, नोसादर की बाखल आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

पन्नालाल जैन सुपुत्र सुकलाल जैन, बुधवारा आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं

में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख किराना के व्यापारी हैं। मूल निवासी भूपोड़ के हैं।

प्रेमीलाल जैन सुपुत्र गेंदालाल जैन, बुधवारा खारीकुण्डी आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े की दुकान करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

बसन्तीलाल जैन सुपुत्र नन्नूमल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल बीस सदस्य हैं। छ लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

बागमल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, बुधवारा आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

बालचन्द जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में यह स्वयं ही हैं। साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी छापर के हैं।

बसन्तीलाल जैन सुपुत्र मन्नूलाल जैन, थानारोड़ आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

भँवरलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई का कार्य करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

भागीरथ जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में इनके साथ इनकी सास निवास करती हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

भूरामल जैन सुपुत्र गेंदालाल जैन, बुधवारा खारीकुण्डी आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े की दुकान करते हैं।

मगनलाल जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्लेका व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

मन्नुमल जैन सुपुत्र चुन्नीलाल जैन, बड़ाबाजार क्लोथ मर्चेन्ट्स आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े की दुकान करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

मन्नूलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी माता जी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख सिलाई सैन्टर में कार्य करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

मागीलाल जैन सुपुत्र मूलचन्द जैन, बुधवारा आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी तलैन के हैं

मानमल जैन सुपुत्र गोपालमल जैन, बुधवारा खारीकुण्डी आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख कार्य करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

मिट्ठूलाल जैन सुपुत्र गेंदालाल जैन, बुधवारा खारीकुण्डी आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कपड़े की दुकान करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

माणिकलाल जैन सुपुत्र मन्नूलाल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं। और फ्लोर मिल का कार्य करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

मिट्ठूलाल जैन सुपुत्र मगनलाल जैन, आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी ससूरियाँपार के हैं।

मिश्रीलाल जैन सुपुत्र चन्द्रभान जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। मन्दिर जी की सेवा पूजा करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

मूलचन्द जैन सुपुत्र भागचन्द जैन, गंज आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने की दुकान करते हैं। मूल निवासी अम्लाहा के हैं।

मूलचन्द जैन सुपुत्र हमीरमल जैन, बुधवारा खारी कुण्डी आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साक्षर हैं तथा गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र मूलचन्द जैन, नोसादर की बाखल आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी भावुखेड़ी के हैं।

राजमल जैन सुपुत्र गोपालमल जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

राजमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, बुधवारा आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख किराने की दुकान करते हैं। मूल निवासी भवरां के हैं।

राजमल जैन सुपुत्र भीखचन्द जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

राजमल जैन सुपुत्र गोपालमल जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

लखमीचन्द जैन सुपुत्र गणपतराय जैन, बुधवारा आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

लाभमल जैन सुपुत्र मगनलाल जैन, आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

लाभमल जैन सुपुत्र मूलचन्द जैन, बुधवारा खारीकुण्डी आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, बड़ाबाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख गल्ले का कार्य करते हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र मन्नूलाल जैन, आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े की दुकान करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

शोभामल जैन सुपुत्र सूरजमल जैन, गांधी चौक आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा बारह स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। एक लड़का तथा छ लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और ग्रेनमर्चेन्ट्स हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

श्रीमल जैन सुपुत्र सूरजमल जैन, गांधी चौक आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और ग्रेन-मर्चेन्ट्स की दुकान करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

श्रीपाल जैन सुपुत्र गोरेलाल जैन, गाँधी चौक आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में यह और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं।

सरदारमल जैन सुपुत्र कोदरमल जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

सादीलाल जैन सुपुत्र गनपतराय जैन, बुधवारा आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रही है। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

सादीलाल जैन सुपुत्र सूबालाल जैन, बुधवारा आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं।

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र गेंदालाल जैन, किला आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र गेंदालाल जैन, बुधवारा खारीकुन्डी आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य

हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े की दुकान करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं। मूल निवासी लीलबड़ (आष्टा) के हैं।

सुवागमल जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का कारोबार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

सेजमल जैन सुपुत्र गोपालमल जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने का कारोबार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

सेजमल जैन सुपुत्र हंसराज जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी हरांज खेड़ी (आष्टा) के हैं।

सेजमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, बुधवारा बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

सौभागमल जैन सुपुत्र गोपालमल जैन, नोसादर की बाखल आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

हीरालाल जैन सुपुत्र मुकुन्दराम जैन, आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं।

एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी लसूरियापार के हैं।

गाँव-इच्छावर (सीहोर)

अमृतलाल जैन सुपुत्र शादीलाल जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सातवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और स्वतन्त्र व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के ही हैं।

छगनलाल जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। छ लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के ही हैं।

छोगमल जैन सुपुत्र भूरालाल जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के ही हैं।

देवचन्द जैन सुपुत्र परसराम जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के ही हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के ही हैं।

बेनीबाई जैन धर्मपत्नी भवानीराम जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में यह महिला अकेली हैं तथा कार्य कर जीवन-यापन करती हैं।

भानमल जैन सुपुत्र मूलचन्द जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य

हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के ही हैं।

मिश्रीलाल जैन सुपुत्र मूलचन्द जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के हैं।

मिश्रीलाल जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। मूल निवासी मगरदा के हैं।

मेघराज जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के ही हैं।

रखबलाल जैन सुपुत्र मन्नूलाल जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा पापड़ आदि का व्यापार करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के हैं।

रेशमबाई जैन सुपुत्री मन्नूलाल जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में यह देवी और इनके भ्राता केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साहित्य विशारद तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करती हैं। यह परिवार मूल निवासी इच्छावर का ही है।

सेजेमल जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्राफा और वस्त्र का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के हैं।

गाँव-कोटरीहाट (सीहोर)

अनोखीलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, कोटरीहाट (सीहोर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कोटरीहाट के हैं।

अमृतलाल जैन सुपुत्र किशोरीलाल जैन, कोटरीहाट (सीहोर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी कोटरीहाट के ही हैं।

छगनलाल जैन सुपुत्र जबरचन्द जैन, कोटरीहाट (सीहोर)

इस परिवार में चौदह पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल तेईस सदस्य हैं। नौ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कोटरी के ही हैं।

नथमल जैन सुपुत्र किशोरीलाल जैन, कोटरीहाट (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कोटरीहाट के ही हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र बालचन्द जैन, कोटरीहाट (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और स्टेशनरी की दुकान करते हैं। मूल निवासी सामरदा के हैं।

श्रीमल जैन सुपुत्र राजमल जैन, कोटरीहाट (सीहोर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कोटरी के ही हैं।

गाँव-जावर (सीहोर)

ताराचन्द जैन सुपुत्र छोगमल जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़की तथा एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख जरदा नमक की दुकान करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

नथमल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, जावर (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख हलवाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

बागमल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, जावर (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा गल्ले का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

बागमल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, जावर (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा तम्बाकू का कार्य करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

मेघराज जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, जावर (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मुनीमी करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

मेघराजकुमार जैन सुपुत्र कुंवर जैन, जावर (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख जरदा नमक की दुकान करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

राजूबाई जैन धर्मपत्नी रामलाल जैन, जावर (सीहोर)
इस परिवार में यह महिला स्वयं ही हैं और जरदा नमक की दुकान कर जीवन यापन करती हैं। मूल निवासी जावर की ही हैं।

राजूबाई जैन धर्मपत्नी भँवरलाल जैन, जावर (सीहोर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। यह परिवार मूल निवासी जावर का ही है।

राजमल जैन सुपुत्र कुंवर जैन, जावर (सीहोर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

राजमल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और नवीं क्लास में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

लाभमल जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख मिठाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा जरदा नमक का कार्य करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

सेजमल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

गाँव-दीवड़िया (सीहोर)

सेजमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, दीवड़िया (सीहोर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

गाँव-बावड़िया (सीहोर)

राजमल जैन, बावड़िया (सीहोर)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। साधारण शिक्षित हैं तथा वृद्धावस्था मे हैं। मूल निवासी बावड़िया के ही हैं।

मेहतवाड़ा (सीहोर)

इन्दरमल जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, मेहतवाड़ा (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी मेहतवाड़ा के ही हैं।

कस्तूरमल जैन सुपुत्र हजारीमल जैन, मेहतवाड़ा (सीहोर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी मेहतवाड़ा के ही हैं।

खुशीलाल जैन सुपुत्र सुखलाल जैन, मेहतवाड़ा (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा कृषिकार्य एवं वस्त्र व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी मेहतवाड़ा के ही हैं।

गेंदालाल जैन सुपुत्र गप्पूलाल जैन, मेहतवाड़ा (सीहोर)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी मेहतवाड़ा के ही हैं।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र बाबलराम जैन, मेहतवाड़ा (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी मेहतवाड़ा के ही हैं।

बागमल जैन सुपुत्र नानूराम जैन, मेहतवाड़ा (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा वस्त्र का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी मेहतवाड़ा के ही हैं।

मगनलाल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, मेहतवाड़ा (सीहोर)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। छ लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा

प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा गल्ले का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी मेहतवाड़ा के ही हैं।

मूलचन्द जैन सुपुत्र बालचन्द जैन, मेहतवाड़ा (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा कृषिकार्य और गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी मेहतवाड़ा के ही हैं।

राजमल जैन सुपुत्र श्री बाबलराम जैन, मेहतवाड़ा (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा स्वतन्त्र कार्य करते हैं। मूल निवासी मेहतवाड़ा के ही हैं।

राजमल जैन सुपुत्र बाबलचन्द जैन, मेहतवाड़ा (सीहोर)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र बाबलराम जैन, मेहतवाड़ा (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवार मूल निवासी मेहतवाड़ा का ही है।

श्रीलाल जैन सुपुत्र बाबलराम जैन, मेहतवाड़ा (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी मेहतवाड़ा के ही हैं।

गाँव-मूंदला (सीहोर)

सेजमल जैन सुपुत्र गुलराज जैन, मूंदला (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी मूंदला के ही हैं।

गाँव-सीहोर (सीहोर)

उमरावबाई जैन सुपुत्री दप्पूलाल जैन, मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवार मूल निवासी सीहोर का ही है।

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र सुखलाल जैन, सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी भूफोड़ तहसील के हैं।

खुशीलाल जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, भोपाल रोड सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी नामनेर के हैं।

घीसीलाल जैन सुपुत्र देवचन्द जैन, चरखा लाइन सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। मूल निवासी रनायल के हैं।

छगनमल जैन सुपुत्र मथुरालाल जैन, भोपाल रोड, सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और किराने का व्यापार करते हैं।

छीतरमल जैन सुपुत्र बाबलराम जैन, बड़ा बाजार मोती मार्ग सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी सीहोर के हैं।

छोगमल जैन सुपुत्र लक्ष्मण जैन, सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी खारपा के हैं।

छोगमल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, भोपाल रोड़ सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं।

तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जाखनी के हैं।

जमुनाप्रसाद जैन सुपुत्र सोहनलाल जैन, खजान्ची लाइन सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में यह और इनकी श्रीमतीजी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साक्षर हैं तथा चने का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सीहोर के हैं।

डालचन्द जैन, आष्टा रोड सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी धामना के है।

देवकुमार जैन सुपुत्र दिगम्बरदास जैन, चरखा लाइन सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्राफेका कार्य करते हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

नथमल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी भाऊखेडी के हैं।

नन्नूमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, कस्बा सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और जरदा सुपारी का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बड़वाते के हैं।

निर्मलकुमार जैन सुपुत्र भानमल जैन, चरखा लाइन सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

नेमिचन्द जैन सुपुत्र मूलचन्द जैन, चरखा लाइन सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित हैं और किरानेका व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सीहोर के हैं।

प्रेमीलाल जैन सुपुत्र गुलराज जैन, चरखा लाइन सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी तलेन के हैं।

बागमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, भोपाल रोड सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मुनीमी का कार्य करते हैं।

बागमल जैन सुपुत्र मूलचन्द जैन, मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र छगनलाल जैन, खजाञ्ची लाइन सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी ही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र बक्सीलाल जैन, बड़ा बाजार सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इन्टर तक शिक्षित हैं तथा किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र मन्नूलाल जैन, नमक चौराहा सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र बूलचन्द जैन, नमक चौराहा सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी माऊखेड़ी के हैं।

मगनलाल जैन सुपुत्र गणपतलाल जैन, भोपाल रोड़ सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा

प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी देवड़िया के हैं।

मन्नूलाल जैन सुपुत्र हरलाल जैन, नमक चौराहा सीहोर (सीहोर)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

मन्नूलाल जैन सुपुत्र देवचन्द जैन, आष्टा रोड़ सीहोर (सीहोर)

इस परिवार में इनके साथ इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख परचूनी का व्यापार करते हैं।

मानमल जैन सुपुत्र बक्सीलाल जैन, खजाञ्ची लाइन सीहोर (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख आयुर्वेद के ज्ञाता हैं और दवाओं का कार्य करते हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

रखबलाल जैन सुपुत्र गुलराज जैन, कस्बा सीहोर (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी रोलागाँव के हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, चरखा लाइन सीहोर (सीहोर)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

रंगलाल जैन सुपुत्र बक्शीलाल जैन, मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

राजमल जैन सुपुत्र बक्शीलाल जैन, चरखा लाइन सीहोर छावनी (सीहोर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में

शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

राजमल जैन सुपुत्र देवचन्द जैन, नमक चौराहा सीहोर (सीहोर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख किराने का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सतपीपलिया के हैं।

रामलाल जैन सुपुत्र फौजमल जैन, चरखा लाइन सीहोर (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख परचून की दुकान करते हैं। मूल निवासी जवड़िया (धरवास) के हैं।

लाभमल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, भोपाल रोड सीहोर (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्राफा का कार्य करते हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

सरदारमल जैन सुपुत्र सोहनलाल जैन, चरखा लाइन सीहोर (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। वृद्धावस्था के कारण कुछ करने में असमर्थ हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

सवाईमल जैन सुपुत्र गजराजमल जैन, मंगल करिया कस्बा सीहोर (सीहोर)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख पान की दुकान करते हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

सुगनचन्द जैन सुपुत्र बक्शीलाल जैन, मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर (सीहोर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख किराने का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

सुमतलाल जैन सुपुत्र छगनलाल जैन, बड़ा बाजार सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम.ए. तक शिक्षित हैं और राजकीय सेवाओं में हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र भूरामल जैन, मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और स्प्रोटमिल में सर्विस करते हैं। मूल निवासी धामन्दा के हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र बक्शीलाल जैन, भोपाल रोड सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने के व्यापारी हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र गजराजमल जैन, खजान्ची लाइन सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। यह परिवार मूल निवासी सीहोर का ही है।

सेजमल जैन सुपुत्र बूचराम जैन, चरखा लाइन सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख किराने के व्यापारी हैं। मूल निवासी भाऊखेड़ी के हैं।

सेजमल जैन सुपुत्र ओंकारीलाल जैन, मंगलवारिया कस्बा सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख ग्यारह श्रेणी तक शिक्षित हैं और शुगर फैक्टरी में सर्विस करते हैं। मूल निवासी सीहोर के ही हैं।

सोभागमल जैन सुपुत्र गणपतलाल जैन, भोपाल रोड सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा कपड़े के व्यवसायी हैं।

श्रीपाल जैन सुपुत्र चम्पालाल जैन, कस्बा सीहोर (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी भवरा के हैं।

श्री वैद्य पंचमलालजी जैन, महराजपुर

स्व० श्री बाबूरामजी जैन, सरायनूरमहल
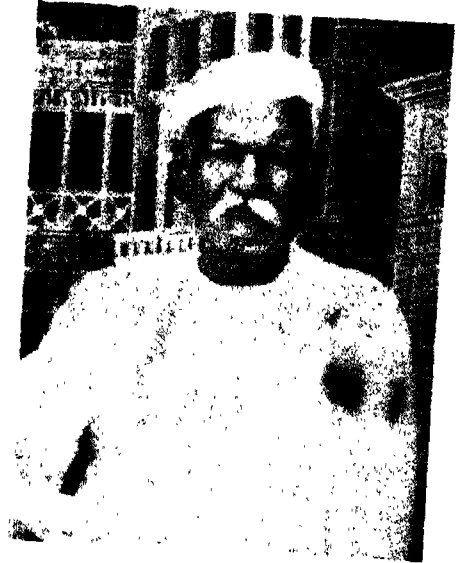
श्री मनीरामजी जैन, एत्मादपुर

श्री उमरावसिंहजी जैन, मझराऊ

श्री मगनमलजी जैन, शुजालपुर

स्व० श्री कस्तूरचन्दजी जैन, सारंगपुर
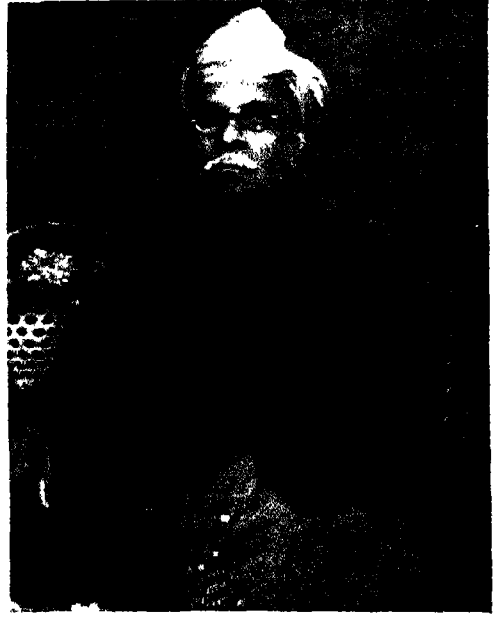
स्व० श्री सुरेन्द्रनाथजी जैन 'श्रीपाल', कायथा

श्री दुर्लीचन्दजी जैन सर्राफ, सारंगपुर

जिला-शाजापुर
गाँव-कालापीपल मण्डी

अमृतलाल जैन सुपुत्र सेवाराम जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा अनाज का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कालापीपल के हैं।

केशरीमल जैन सुपुत्र कालूराम जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कपड़े की दुकान करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के हैं।

केशरीमल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख किराने की दुकान करते हैं।

गप्पूलाल जैन सुपुत्र सेवाराम जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने की दुकान करते हैं। मूल निवासी कालापीपल के ही हैं।

गेंदमल जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, मांगी ४४ कालापीपल मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख किराने की दुकान करते हैं। मूल निवासी कोठरी के हैं।

नन्नूमल जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक

पूनमचन्द जैन सुपुत्र रामचन्द्र जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने की दुकान करते हैं।

कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और आढ़त की दुकान करते हैं। मूल निवासी कालापीपल मण्डी के ही हैं।

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़की बाल्यावस्था में हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने की दुकान करते हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी खेरछादातार के हैं।

गाँव-खरसौदा (शाजापुर)

ताराचन्द जैन, खरसौदा (शाजापुर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी खरसौदा के ही हैं।

भँवरलाल जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, खरसौदा (शाजापुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुछ छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी मालीखेड़ी के हैं।

गाँव-जावड़िया घरवास (शाजापुर)

बोंदरमल जैन सुपुत्र बालचन्द जैन, जावड़िया घरवास (शाजापुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी जावड़िया घरवास के ही हैं।

सांवलाल जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, जावड़िया घरवास (शाजापुर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख आठवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जावड़िया घरवास के ही हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र फौजमल जैन, जावड़िया घरवास (शाजापुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी जावड़िया घरवास के ही हैं।

गाँव-नलखेड़ा (शाजापुर)

श्रीधरलाल जैन सुपुत्र काम्पिलदास जैन, नलखेड़ा (शाजापुर)

इस परिवार में यह सज्जन अकेले ही हैं और साहित्य भूषण, सिद्धान्त-शास्त्री, भिषगाचार्य आदि शिक्षाओं से विभूषित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद (आगरा) के हैं।

गाँव-बुडलाय (शाजापुर)

मदनलाल जैन सुपुत्र सुखदेव जैन, बुडलाय (शाजापुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सातवीं कक्षा तक शिक्षित हैं तथा कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बुडलाय के ही हैं।

राजमल जैन सुपुत्र सुखदेव जैन, बुडलाय (शाजापुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बुडलाय के ही हैं।

सरदारमल जैन सुपुत्र बावलराम जैन, बुडलाय (शाजापुर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बुडलाय के ही हैं।

हेमराज जैन सुपुत्र सुखदेव जैन, बुडलाय (शाजापुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बुडलाय के ही हैं।

गाँव-बेडस्या (शाजापुर)

केसरीमल जैन सुपुत्र कालूराम जैन, बेडस्या (शाजापुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और अनाज का व्यापार करते हैं। मूल निवासी बेडस्या के ही हैं।

गाँव-बेरछादातार (शाजापुर)

गजराजमल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सातवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त हैं और कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

कस्तूरचन्द जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई के व्यापारी हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

केसरीमल जैन सुपुत्र कालूराम जैन, बेरछादातार (शाजापुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और वस्त्र तथा किराना के व्यवसायी हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

केसरीमल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कृषिकार्य तथा किराना का व्यापार करते हैं।

केसरीमल जैन सुपुत्र जेठमल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

तारावाई धर्मपत्नी हेमराज जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में यह महिला स्वयं ही हैं। कृषिकार्य करती हैं। मूल निवासी बेरछादातार की ही हैं।

देवालाल जैन सुपुत्र मुन्नालाल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र दौलतराम जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

पीरबक्श जैन सुपुत्र सेवाराम जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

पूर्णमल जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

पूनमचन्द जैन सुपुत्र रामचन्द्र जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख आठवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के हैं।

मन्नूलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

मांगीलाल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

राजमल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

रामलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

सुहागमल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र छीतरमल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और वस्त्र व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

शक्करबाई जैन सुपुत्री मन्नूलाल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में यह महिला अकेली ही हैं और श्रमपूर्वक अपना निर्वाह करती हैं। मूल निवासी बेरछादातार की ही हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, बेरछादातार (शाजापुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के ही हैं।

गाँव-मखावद (शाजापुर)

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, मखावद (शाजापुर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। पाँच लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं तथा कृषिकार्य और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी मखावद के ही हैं।

हीरालाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, मखावद (शाजापुर)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्गमें कुल पन्द्रह सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी मखावद के ही हैं।

गाँव-मोजामखावद (शाजापुर)

गेंदामल सुपुत्र केशरीमल जैन, मोजामखावद (शाजापुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मुनीमी करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के हैं।

भेरूलाल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, मोजामखावद (शाजापुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कृषिकार्य करते हैं।

मदनलाल जैन सुपुत्र केसरीमल जैन, मोजामखावद (शाजापुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के हैं।

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, मोजामखावद (शाजापुर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। पाँच लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख आठवी कक्षा तक शिक्षा प्राप्त हैं और कृषिकार्य करते हैं।

हीरालाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, मोजामखावद (शाजापुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार तथा कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी मखावद के ही हैं।

गाँव-रनायल (शाजापुर)

खुशीलाल जैन सुपुत्र मगनलाल जैन, रनायल (शाजापुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रनायल के ही हैं।

गोपालमल जैन सुपुत्र नानूराम जैन, रनायल (शाजापुर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रनायल के ही हैं।

देवचन्द जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, रनायल (शाजापुर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख सात कक्षा तक शिक्षित हैं तथा किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी रनायल के ही हैं।

डालचन्द जैन सुपुत्र देवचन्द जैन, रनायल (शाजापुर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी रनायल के ही हैं।

भंवरलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, रनायल (शाजापुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा हैं। परिवार प्रमुख व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रनायल के ही हैं।

मेघराज जैन सुपुत्र करणमल जैन, रनायल (शाजापुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में

शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी रनायल के ही हैं।

लखमीचन्द जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, रनायल (शाजापुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी रनायल के ही हैं।

सरदारमल जैन सुपुत्र गुलराजमल जैन, रनायल (शाजापुर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी रनायल के ही हैं।

गाँव-शुजालपुर (शाजापुर)

अमृतलाल जैन सुपुत्र राधेलाल जैन, शुजालपुर (शाजापुर)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के ही हैं।

इन्द्रमल जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, शुजालपुर मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और वाणिज्य करते हैं।

किरोड़ीमल जैन सुपुत्र नवाबीमल जैन, बी० डी० ओ० आफिस शुजालपुर (शाजापुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० तक शिक्षित हैं और शासकीय सेवा में हैं। मूल निवासी शुजालपुर के ही हैं।

गेंदमल जैन सुपुत्र भवानीराम जैन, छोटाबाजार शुजालपुर सिटी (शाजापुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

जम्बूकुमार जैन सुपुत्र मगनमल जैन, शुजालपुर मण्डी (शाजापुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और शासकीय सेवा में हैं।

बसन्तीलाल जैन सुपुत्र सूरजमल जैन, गाँधी चौक शुजालपुर मण्डी (शाजापुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और ग्रेन-मर्चेन्ट्स के व्यवसायी हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र गणपतराय जैन, गश्तीपुरा शुजालपुर (शाजापुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, छोटाबाजार शुजालपुर (शाजापुर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। चार लड़के तथा सात लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और अनाज का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के ही हैं।

भवानीराम जैन सुपुत्र कालूराम जैन, त्रिपोलिया बाजार शुजालपुर (शाजापुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यवसाय करते हैं।

भेरूलाल जैन सुपुत्र बाबलराम जैन, टिला शुजालपुर सिटी (शाजापुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और शासकीय सेवा में हैं। मूल निवासी शुजालपुर के ही हैं।

भेरूलाल जैन सुपुत्र जीतमल जैन, काजीपुरा शुजालपुर सिटी (शाजापुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के हैं।

मगनमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, त्रिपोलिया बाजार शुजालपुर सिटी (शाजापुर)

इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा बारह स्त्री वर्ग में कुल चौबीस

सदस्य हैं। आठ लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और कपड़ा, चाँदी तथा सोने के व्यापारी हैं। मूल निवासी शुजालपुर सिटी के ही हैं।

मगनलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, सिनेमा के पास शुजालपुर (शाजापुर)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और मिठाई का कारोबार करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के ही हैं।

मानमल जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, शुजालपुर (शाजापुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी शुजालपुर के ही हैं।

माँगीलाल जैन सुपुत्र झुन्नालाल जैन, शुजालपुर (शाजापुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख अनाज आदि का व्यापार करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के ही हैं।

मेघराज जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, शुजालपुर मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख आढ़त का कार्य करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के ही हैं।

मूलचन्द जैन सुपुत्र नानूराम जैन, बम्बोलीपुरा शुजालपुर सिटी (शाजापुर)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी माता केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख ग्रेनमर्चेन्ट्स हैं। मूल निवासी शुजालपुर के ही हैं।

राजमल जैन सुपुत्र जेठमल जैन, शुजालपुर (शाजापुर)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कार्य करते हैं।

लखमीचन्द जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, शुजालपुर मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और अनाज का व्यापार करते हैं।

शान्तीलाल जैन सुपुत्र सूरजमल जैन, गांधीचौक शुजालपुर मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में

शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख अनाज आदि का व्यापार करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के ही हैं।

श्रीमल जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, पटवासेरी शुजालपुर सिटी (शाजापुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर सिटी के ही हैं।

हरिनारायण जैन सुपुत्र नानूराम जैन, त्रिपोलिया बाजार शुजालपुर सिटी (शाजापुर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर सिटी के ही हैं।

हस्तमल जैन सुपुत्र बावलराम जैन, बम्बोलीपुरा शुजालपुर (शाजापुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और शासकीय सेवा में हैं।

●

महाराष्ट्र प्रान्त

●

जिला-नागपुर
गाँव-काटोल

प्रभाकर मुठमारे जैन सुपुत्र हीरासाव मुठमारे जैन, तहसील आफिस काटोल (नागपुर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

नगर-नागपुर (नागपुर)

अम्बादास जैन सुपुत्र गोविन्दराव नाकाडे जैन, झण्डा चौक नागपुर (नागपुर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और किराने की दुकान करते हैं। मूल निवासी नागपुर के ही हैं।

गणपतराव मुठमारे जैन सुपुत्र नत्थुसाव मुठमारे जैन, इतवारा नागपुर (नागपुर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और पेन्शनर हैं। मूल निवासी नागपुर के ही हैं।

केशवराव सिंगारे जैन सुपुत्र नत्थुसाव सिंगारे जैन, नवीनदत्त मन्दिर नागपुर (नागपुर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी केलवद के हैं।

दिवाकर कवडे जैन सुपुत्र अंतोबाजी कवडे जैन, रघोजी नगर नागपुर (नागपुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और बस चालक हैं।

देवचन्द्र बोकड़े जैन सुपुत्र तुकाराम बोकड़े जैन, चौक इतवारा नागपुर (नागपुर)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। यह परिवार मूल निवासी नागपुर का ही है।

दादासाहब मुठमारे जैन सुपुत्र नथ्थुसाव मुठमारे जैन, सन्ती रोड इतवारी नागपुर (नागपुर)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी ही हैं। आप साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी नागपुर के ही हैं।

प्रमोद डोंगरे जैन सुपुत्र गुलाबसाव डोंगरे जैन, हनुमान नगर नागपुर (नागपुर)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी माता जी केवल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख एम० कॉम० तक शिक्षित हैं और विद्याध्ययन कर रहे हैं। मूल निवासी अकोला के हैं।

बलवन्त नाकाडे जैन सुपुत्र गोविन्दराव नाकाडे जैन, इतवारी नागपुर (नागपुर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवार मूल निवासी नागपुर का ही है।

बाबूराव मुठमारे जैन सुपुत्र नागोबा मुठमारे जैन, गरुड़ खांब इतवारी नागपुर (नागपुर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और नर्सरी की दुकान है। मूल निवासी नागपुर के ही हैं।

भाडुराव लोखंडे जैन सुपुत्र मोतीसाव लोखंडे जैन, गरुड़ खांब इतवारी नागपुर (नागपुर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और साइकिलों का कार्य करते हैं। मूल निवासी नागपुर के ही हैं।

मधुकर रोड़े जैन सुपुत्र अनन्तराव रोड़े जैन, प्रायमरी स्कूल हनुमान नगर नागपुर (नागपुर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

मधुकर रोड़े जैन सुपुत्र सोनासाव रोड़े जैन, इतवारा नागपुर (नागपुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और समाचार पत्र विक्रेता हैं। मूल निवासी नागपुर के ही हैं।

बाबा लोखंडे जैन सुपुत्र महादेवराव लोखंडे जैन, गरुड़ खांब इतवारा नागपुर (नागपुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी नागपुर के ही हैं।

राजेन्द्र नाकाडे जैन सुपुत्र यादोराव नाकाडे जैन, मेडिकल कालेज नागपुर (नागपुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी भंडारा के हैं।

लक्ष्मणराव बोवड़े जैन सुपुत्र देवमनसाव बोवड़े जैन, लखमा का अखाड़ा नागपुर (नागपुर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सराफे की दुकान करते हैं। मूल निवासी नागपुर के ही हैं।

वामन कवड़े जैन सुपुत्र अंतोबाजी कवड़े जैन, निकालस मन्दिर इतवारी नागपुर (नागपुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं। मूल निवासी येली केली (वर्धा) के हैं।

सुदर्शन कवड़े जैन सुपुत्र रूखबसाव कवड़े जैन, झंडा चौक चिटणीस पुरा नागपुर (नागपुर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और मुनीमी करते हैं। मूल निवासी देवली के हैं।

सोनाबाई रोड़े जैन धर्मपत्नी भय्याजी रोड़े जैन, इतवारा नागपुर (नागपुर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवार मूल निवासी नागपुर का ही है।

जिला-बम्बई
नगर-बम्बई

आदीश्वरप्रसाद जैन सुपुत्र अजितप्रसाद जैन, १२।१८ विट्ठलभाई पटेल रोड बम्बई (बम्बई)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षित हैं और स्टेनलैस स्टील के बरतनों का व्यापार करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

प्रकाशचन्द जैन सुपुत्र गजाधरलाल शास्त्री जैन, १२ फूलमहल मंडपेश्वर बम्बई (बम्बई)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी.ए., एल.एल.बी. तक शिक्षित हैं और रेलवे में सर्विस करते हैं। मूल निवासी जटौआ (उत्तर प्रदेश) के हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, कौचिंग आफिस बम्बई बी.टी. (बम्बई)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी टूण्डला के हैं।

रतनचन्द जैन सुपुत्र सुरेन्द्रनाथ जैन, मोतीवाला जुबली बाग-तारदेव बम्बई-७ (बम्बई)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी.ए. तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कायथा (एटा) के हैं।

वीरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र राजेन्द्रलाल जैन, देवी भवन फ्लैट नं० ३ बम्बई-१६ (बम्बई)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इन्टर तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी नासिक के हैं।

●

जिला-भंडारा
गाँव-भंडारा

मायाबाई जैन धर्मपत्नी धन्नालाल नाकाड़े जैन, जैन मन्दिर के पास भंडारा (भंडारा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और उच्च कक्षा में शिक्षा प्राप्त हैं। यह परिवार मूल निवासी भंडारा का ही है।

शरदकुमार जैन सुपुत्र लक्ष्मणराव मुठमारे जैन, जैन मन्दिर के पास भंडारा (भंडारा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी भंडारा के ही हैं।

●

जिला-वर्धा
गाँव-वर्धा

कुलभूषण जैन सुपुत्र आत्माराम रोड़े जैन, वार्ड नं० २ सराफा लाइन वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० कॉम तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी वर्धा के ही हैं।

दादा जी रोड़े सुपुत्र गणपतराव रोड़े जैन, मन्दिर के पास वार्ड नं० ८ वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी दो ही सदस्य हैं। आप वृद्ध हैं और कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी वर्धा के ही हैं।

देवचन्द रोड़े सुपुत्र रामासाव रोड़े, वार्ड नं० २ जैनमन्दिर के नजदीक वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और मैट्रिक तक शिक्षित हैं। परिवार प्रमुख कपास की दलाली करते हैं। मूल निवासी वर्धा के ही हैं।

देवराव जैन सुपुत्र अन्तोषजी जैन, किराना दुकान यर्सकेसी वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में पाँच पुरुष हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और प्राइमरी स्कूल में शिक्षक हैं।

नानाजी कवड़े जैन सुपुत्र अंतोशजी कपड़े जैन, किराना का दुकान यर्सकेसी वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख दुकानदारी तथा व्यापार करते हैं।

नेमासाव जैन सुपुत्र रामचन्द्रराव कवड़े जैन, जैन मन्दिर के पास वार्ड नं० ८ वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी वर्धा के ही हैं।

प्रभाकर कवड़े जैन सुपुत्र अंतोशजी कवड़े जैन, किराना का दुकान यर्सकेसी वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मोटर वर्कशाप है।

बबन जैन कवड़े सुपुत्र अंतोष कवड़े जैन, यर्सकेसी वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

बाबा जैन सुपुत्र अंतोष जैन, यर्सकेसी वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख १० वीं कक्षा तक शिक्षित हैं।

पानाचन्द जैन सुपुत्र गुलाबसाव रोड़े जैन, रामनगर वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। छ लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

पासोबाजी चतुर जैन सुपुत्र मनाजी चतुर जैन, वार्ड नं० ७ वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

बबनराव दाणी जैन सुपुत्र अण्णाजी दाणी जैन, वार्ड नं० ८ वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के ही हैं।

बापूराव चतुर जैन सुपुत्र यादवराव चतुर जैन, वार्ड नं० ९ वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। दो लड़के तथा सात लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख तम्बाकू की दुकान करते हैं। मूल निवासी वर्धा के ही हैं।

बाबूराव रोड़े जैन सुपुत्र गुणधर रोड़े जैन, वार्ड नं० १० राजकला रोड़ वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख व्यापार एवं कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी वर्धा के ही हैं।

बापूराव बोवड़े जैन सुपुत्र केशवराव बोवड़े जैन, सेसुमार्ट वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है।

यशवन्तराव दाणी जैन सुपुत्र अण्णाजी दाणी जैन, वार्ड नं० ८ वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

रमेशचन्द्र जैन सुपुत्र हीरासाव जैन, कोमे वार्ड नं० ८ वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख बी० कॉम तक शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

रूपचन्द बोडखे सुपुत्र तुकाराम वोडखे, जैन मन्दिरके पास वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

वसन्तराव रोडे जैन सुपुत्र अनन्तराव रोडे जैन, वार्ड नं० ८ वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के ही हैं।

बलवन्तराव दाणी जैन सुपुत्र अण्णाजी दाणी जैन, वार्ड नं० ८ वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

शान्तीसास लसणे जैन सुपुत्र महादेव लसणे जैन, रामनगर वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

हीरासाव दाणी सुपुत्र अण्णाजी दाणी, वार्ड नं० ८ वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के ही हैं।

●

जिला-शोलापुर
नगर-शोलापुर

कान्तिलाल जैन सुपुत्र पं० वंशीधर जैन, श्रीधर प्रेस भवानी पेठ शोलापुर (शोलापुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्गमें तथा दो स्त्री वर्गमें कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बेरनी (एटा) के हैं।

●

श्री जयसैनजी जैन, आगरा

श्री फूलचन्दजी जैन, सोमदी

श्री मुनहरीलालजी जैन, अहारन
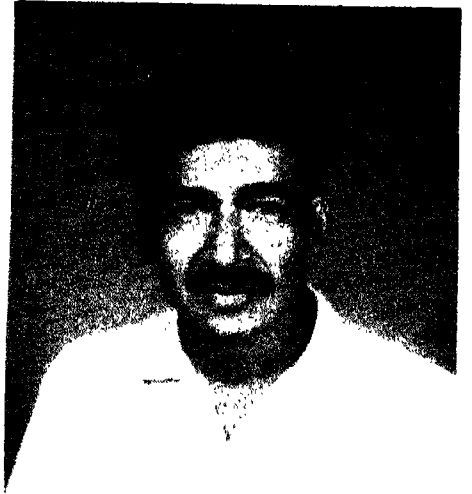
श्री श्यामस्वरूपजी जैन, इन्दौर

हकीम श्री प्रेमचन्दजी, जैन

श्री जुगमन्दिरदासजी जैन (अध्यापक)

श्री रमेशचन्द्रजी जैन एम० ए०. पिलुआ

श्री प्रमोदकुमारजी जैन, जलेसर

राजस्थान प्रान्त

●

चन्द्रसैन जैन सुपुत्र गोकुलचन्द जैन १।४२५ भाकड़वाली रोड, अजमेर (अजमेर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी भैंसा (एटा) के हैं।

थुमचन्द जैन कौन्डेय सुपुत्र डा० ताराचन्द जैन, अजमेर (अजमेर)

इस परिवार में इनके साथ इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख बी० एस-सी० तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

माणकचन्द जैन सुपुत्र सम्पतराम जैन, मकान नं० १२६ गंज मुहल्ला अजमेर (अजमेर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। यह परिवार मूल निवासी पाढ़म (मैनपुरी) का है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र सोहनलाल जैन, ठि० बालूराम भँवरलाल वर्मा अजमेर (अजमेर)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छः लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और राशन डिपो होल्डर हैं। मूल निवासी भैंसा (एटा) के हैं।

विजयचन्द जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, १।५९ हवेली गंगाधर नहर मुहल्ला अजमेर (अजमेर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छः सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० बी० टी० तक शिक्षित हैं और प्रधानाध्यापक पद पर कार्य करते हैं। मूल निवासी कुतकपुर के हैं।

हेमचन्द्र जैन सुपुत्र नरसिंहदास जैन, घी मण्डी नया बाजार अजमेर (अजमेर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छः सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

जिला-उदयपुर
गाँव-जावरमाइन्स

उत्तमचन्द जैन कौंदेय सुपुत्र नेमीचन्द जैन कौंदेय, जावरमाइन्स (उदयपुर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और माइन्स विभाग में कार्य करते हैं। मूल निवासी चावली (एत्मादपुर) के हैं।

प्रवीणचन्द जैन कौंदेय सुपुत्र नेमीचन्द्र जैन, जावरमाइन्स (उदयपुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की शिशु अवस्था में हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और माइका माइन्स में टाइमकीपर के पद पर हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

मोतीचन्द जैन कौंदेय सुपुत्र नेमीचन्द जैन, जावरमाइन्स (उदयपुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और अस्पताल में चिकित्सक हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

सुगनचन्द जैन कौंदेय सुपुत्र नेमीचन्द जैन, जावरमाइन्स (उदयपुर)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। इण्टर तक शिक्षित हैं और माइका माइन्स में ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं। अविवाहित हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

गाँव-भीम (उदयपुर)

पूरनचन्द जैन सुपुत्र शंकरलाल जैन, भीम (उदयपुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की बाल्यावस्था में हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भैंसा के हैं।

मोहनलाल जैन सुपुत्र शंकरलाल जैन, भीम (उदयपुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और अध्यापनका कार्य करते हैं। मूल निवासी भैंसा के हैं।

गाँव-बाँसा (उदयपुर)

सुदर्शनकुमार जैन सुपुत्र अशर्फीलाल जैन, बांसा (उदयपुर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख इन्टर तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सकरौली (एटा) के हैं।

●

जिला-जोधपुर
नगर-जोधपुर

राजकुमार जैन सुपुत्र पातीराम जैन, स्टेशन रोड जोधपुर (जोधपुर)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। सात लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भदाना (मैनपुरी) के हैं।

●

जिला-भरतपुर
गाँव-धौलपुर

रामचन्द्र जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, कायस्थपुरा धौलपुर (भरतपुर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और उच्च कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी बसई (टूण्डला) के हैं।

●

जिला-भीलवाड़ा
नगर-भीलवाड़ा

नेमीचन्द जैन कौन्देय सुपुत्र नरसिंहदास जैन शास्त्री, भूपालगंज भीलवाड़ा (भीलवाड़ा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं और माइनिंग डिपार्टमेण्ट में कार्य करते हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

नेमिचन्द्र जैन सुपुत्र नरसिंहदास जैन कौन्देय, भूपालगंज भीलवाड़ा (भीलवाड़ा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल बीस सदस्य हैं। चार लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री, मध्यमा एवं विशारद की शिक्षा से शिक्षित हैं और आयुर्वेद के जानकार भी हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं, मूल निवासी चावली (आगरा) के हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र मथुराप्रसाद जैन, शान्ति वीरनगर (सवाई माधोपुर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं और धर्म प्रचार करते हैं। मूल निवासी जमुनिया(भोपाल) के हैं।

●

जिला-नागोर
गाँव-मारोठ

शिवकुमार जैन सुपुत्र कंचनलाल जैन, पाटनी भवन मारोठ (नागोर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं एवं विद्याभूषण की पदवी से सुशोभित हैं। वर्तमान में आप सर्विस करते हैं। मूल निवासी कुतकपुर के ही हैं।

गाँव-सांभरलेक (राजस्थान)

रमेशचन्द्र जैन सुपुत्र झन्नूलाल जैन, दिगम्बर जैन पाठशाला सांभरलेक (राजस्थान)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी खरिकना (अहारन) के हैं।

●

श्री उग्रसैनजी जैन, एटा

श्री जुगमन्दिरदासजी जैन, एटा

श्री जियालालजी जैन, एटा

श्री सुनहरीलालजी जैन, एटा

श्री मुंशीलालजी जैन, एटा

श्री राजकुमारजी जैन, एटा

श्री क्षेमकरलालजी जैन, एटा

श्री अभिनन्दनलालजी जैन, एटा

श्री साहूलालजी जैन, एटा

श्री ला० देवेन्द्रकुमारजी जैन
जलेसर

श्री इन्द्रमुकुटजी जैन.बी.ए.बी.टी..
जलेसर

श्री घेवरमलजी जैन, एम.ए.जी-एड
आष्टा

श्री प्रकाशचन्द्रजी जैन, एम.एस-सी.
इलाहाबाद

श्री शान्तिलाल मन्नूलाल जैन
आष्टा

श्री राजेन्द्र पानाचन्दजी जैन गोंड
वर्धा

श्री मोहनलालजी जैन, देहली
सम्पादक-"सेवाग्राम"

श्री विमलकुमारजी जैन,बी.एस-सी.
अम्बाला

श्री देवेन्द्रकुमारजी जैन
बी० ई० मथुरा

जिला-अजमेर
नगर-अजमेर

चन्द्रसैन जैन सुपुत्र गोकुलचन्द जैन १।४२५ भाकड़वाली रोड, अजमेर (अजमेर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी भैंसा (एटा) के हैं।

शुभचन्द जैन कौन्देय सुपुत्र डा० ताराचन्द जैन, अजमेर (अजमेर)
इस परिवार में इनके साथ इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख बी० एस-सी० तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी बावली के हैं।

माणकचन्द जैन सुपुत्र सम्पतराम जैन, मकान नं० १२६ गंज मुहल्ला अजमेर (अजमेर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। यह परिवार मूल निवासी पाढ़म (मैनपुरी) का है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र सोहनलाल जैन, ठि० बालूराम भँवरलाल वर्मा अजमेर (अजमेर)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छः लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शिक्षित हैं और राशन डिपो होल्डर हैं। मूल निवासी भैंसा (एटा) के हैं।

विजयचन्द जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, १।५९ हवेली गंगाधर नहर मुहल्ला अजमेर (अजमेर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छः सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० बी० टी० तक शिक्षित हैं और प्रधानाध्यापक पद पर कार्य करते हैं। मूल निवासी कुतकपुर के हैं।

हेमचन्द्र जैन सुपुत्र नरसिंहदास जैन, घी मण्डी नया बाजार अजमेर (अजमेर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छः सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी बावली के हैं।

जिला-उदयपुर
गाँव-जावरमाइन्स

उत्तमचन्द जैन कौंदेय सुपुत्र नेमीचन्द जैन कौंदेय, जावरमाइन्स (उदयपुर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और माइन्स विभाग में कार्य करते हैं। मूल निवासी चावली (एत्मादपुर) के हैं।

प्रवीणचन्द जैन कौंदेय सुपुत्र नेमीचन्द्र जैन, जावरमाइन्स (उदयपुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की शिशु अवस्था में हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और माइका माइन्स में टाइमकीपर के पद पर हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

मोतीचन्द जैन कौंदेय सुपुत्र नेमीचन्द जैन, जावरमाइन्स (उदयपुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और अस्पताल में चिकित्सक हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

सुगनचन्द जैन कौंदेय सुपुत्र नेमीचन्द जैन, जावरमाइन्स (उदयपुर)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। इण्टर तक शिक्षित हैं और माइका माइन्स में ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं। अविवाहित हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

गाँव-भीम (उदयपुर)

पूरनचन्द जैन सुपुत्र शंकरलाल जैन, भीम (उदयपुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की बाल्यावस्था में हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भैंसा के हैं।

मोहनलाल जैन सुपुत्र शंकरलाल जैन, भीम (उदयपुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और अध्यापनका कार्य करते हैं। मूल निवासी भैंसा के हैं।

गाँव-बाँसा (उदयपुर)

सुदर्शनकुमार जैन सुपुत्र अशर्फीलाल जैन, बांसा (उदयपुर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख इन्टर तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सकरौली (एटा) के हैं।

●

जिला-जोधपुर
नगर-जोधपुर

राजकुमार जैन सुपुत्र पातीराम जैन, स्टेशन रोड जोधपुर (जोधपुर)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। सात लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भदाना (मैनपुरी) के हैं।

●

जिला-भरतपुर
गाँव-धौलपुर

रामचन्द्र जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, कायस्थपुरा धौलपुर (भरतपुर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और उच्च कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी बसई (टूण्डला) के हैं।

●

जिला-भीलवाड़ा
नगर-भीलवाड़ा

नेमीचन्द जैन कौन्देय सुपुत्र नरसिंहदास जैन शास्त्री, भूपालगंज भीलवाड़ा (भीलवाड़ा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं और माइनिंग डिपार्ट-मेण्ट में कार्य करते हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

नेमिचन्द्र जैन सुपुत्र नरसिंहदास जैन कौन्देय, भूपालगंज भीलवाड़ा (भीलवाड़ा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल बीस सदस्य हैं। चार लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री, मध्यमा एवं विशारद की शिक्षा से शिक्षित हैं और आयुर्वेद के जानकार भी हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं, मूल निवासी चावली (आगरा) के हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र मथुराप्रसाद जैन, शान्ति वीरनगर (सवाई माधोपुर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं और धर्म प्रचार करते हैं। मूल निवासी जमुनिया(भोपाल) के हैं।

●

जिला-नागोर
गाँव-मारोठ

शिवकुमार जैन सुपुत्र कंचनलाल जैन, पाटनी भवन मारोठ (नागोर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लडकी अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं एवं विद्याभूषण की पदवी से सुशोभित हैं। वर्तमान में आप सर्विस करते हैं। मूल निवासी कुतकपुर के ही हैं।

गाँव-सांभरलेक (राजस्थान)

रमेशचन्द्र जैन सुपुत्र **झन्नूलाल** जैन, **दिगम्बर** जैन पाठशाला सांभरलेक (राजस्थान)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शास्त्री तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी खरिकना (अहारन) के हैं।

●

श्री उग्रसैनजी जैन, एटा

श्री जुगमन्दिरदासजी जैन, एटा

श्री जियालालजी जैन, एटा

श्री सुनहरीलालजी जैन, एटा

श्री मुंशीलालजी जैन, एटा

श्री राजकुमारजी जैन, एटा

श्री क्षेमकरलालजी जैन, एटा

श्री अभिनन्दनलालजी जैन, एटा

श्री मोहनलालजी जैन, एटा

श्री ला० देवेन्द्रकुमारजी जैन
जलेसर

श्री इन्द्रमुकुटजी जैन, बी.ए.,बी.टी.,
जलेसर

श्री घेवरमलजी जैन, एम.ए.,जी-एड.
आष्टा

श्री प्रकाशचन्द्रजी जैन, एम.एस-सी.
इलाहाबाद

श्री शान्तिलाल मन्नूलाल जैन
आष्टा

श्री राजेन्द्र पानाचन्दजी जैन गोदे
वर्धा

श्री मोहनलालजी जैन, देहली
सम्पादक–"सेवाग्राम"

श्री विमलकुमारजी जैन, बी.एस-सी.
अम्बाला

श्री देवेन्द्रकुमारजी जैन
बी० ई० मथुरा

समाज-प्रतिभाओं का

स्वरूप-दर्शन

मन्दिर एवं चैत्यालय

●

जिला-आगरा

●

आलमपुर	श्री नेमनाथजी का जिनालय	प्राचीन
आँवल खेड़ा	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	३०० वर्ष प्राचीन
उलाऊ	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	
उसाइनी	,, महावीर स्वामी के नाम से प्रसिद्ध मन्दिर	१५०० वर्ष प्राचीन
एत्मादपुर	,, पार्श्वनाथजी का एक मन्दिर एवं ,, नेमनाथजी का एक मन्दिर कुल दो मन्दिर हैं	
कल्यानगढ़ी	,, नेमनाथजी का मन्दिर	२५० वर्ष प्राचीन
कुतकपुर	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
कुरगमा	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
कोटला	,, पंचायती श्री जैन मन्दिर	
कोटकी	,, मुनिसुव्रतनाथजी का मन्दिर	
खांडा	,, महावीर स्वामीका मन्दिर	प्राचीन
खेरी	,, नेमिनाथजी का मन्दिर	७० वर्ष प्राचीन
गढ़ी असरा	,, पार्श्वनाथजी का एक चैत्यालय	
गढ़ी दर्रा	,, नेमिनाथजी का मन्दिर	
गोह्लिा	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	
चन्दौरी	,, शान्तिनाथजी का मन्दिर	
चावली	,, आदिनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
चिरहुली	,, चन्द्रप्रभजी का मन्दिर	
चुल्हावली	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
जटई	,, नेमिनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
जाटऊ	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
जारखी	,, पद्मप्रभ का नवीन मन्दिर एवं श्री पार्श्वनाथजी का प्राचीन मन्दिर	
जोंधरी	,, पार्श्वनाथजीका मन्दिर	५०० वर्ष प्राचीन
टूण्डला	,, शिखरप्रसादजी द्वारा निर्मापित ८० वर्ष पुराना एक मन्दिर एवं दूसरा श्री आदिनाथ जिनालय—यह पंचायती है	
टूण्डली	,, महावीर स्वामी का एक मन्दिर—यह मन्दिर ख्यालीराम काशीराम का बनवाया हुआ है	

टेहू	श्री पार्श्वनाथजीका एक मन्दिर	
देवखेड़ा	,, चन्द्रप्रभ का मन्दिर	१०० वर्ष प्राचीन
नगला स्वरूप	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	
नगला सौंठ	,, चन्द्रप्रभ का मन्दिर	
नगला सिकन्दर	,, नेमिनाथजी का मन्दिर	१२५५ वर्ष प्राचीन
पंचमान	,, चन्द्रप्रभ का मन्दिर	
पचोखरा	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	३०० वर्ष प्राचीन
पमारी	,, मल्लिनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
मरसलगंज	,, आदिनाथजी का मन्दिर (यह मन्दिर श्रीबाबा ऋषभदासजी ने बनाया था) दूसरा श्रीआदीश्वर भगवान का मन्दिर है।	४५० वर्ष प्राचीन
मरसैना	,, नेमिनाथजी का मन्दिर	६०२ वर्ष प्राचीन
महाराजपुर	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	
मुहम्मदाबाद	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	
मौमदी	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	
राजपुर	एक श्री जैन मन्दिर	
लतीपुर	,, महावीर स्वामी का चैत्यालय	
वरहन	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	
वसई	,, नेमिनाथजी का मन्दिर	
वासरिसाल	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	
सखावतपुर	,, नेमिनाथजी का मन्दिर	१०० वर्ष प्राचीन
सराय जैराम	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	४०० वर्ष प्राचीन
सरायनूरमहल	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	
सेखपुरा	,, नेमिनाथजी का मन्दिर	
सैमरा	एक मन्दिर पद्मावती पुरवाल का यहाँ है।	

जिला-एटा

●

अवागढ़	श्री पार्श्वनाथ का मन्दिर	प्राचीन
अवागढ़	,, पुष्पदंतजी का मन्दिर	३०० वर्ष प्राचीन
इसलिया	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	३०० वर्ष प्राचीन
उमरगढ़	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	७०० वर्ष प्राचीन
एटा	,, शान्तिनाथजी का चैत्यालय	७५ वर्ष प्राचीन
एटा	,, जैन चैत्यालय	३१ वर्ष पूर्व नि०

खरौआ	श्री आदीश्वर स्वामी का मन्दिर	८० वर्ष प्राचीन
गेहतू	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
चमकरी	,, नेमिनाथ स्वामीजी का मन्दिर	प्राचीन
जरानीकलां	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	प्राचीन
जलेसर	,, चन्द्रप्रभ भगवान् का मन्दिर	६० वर्ष प्राचीन
जलेसर	,, शान्तिनाथजी का चैत्यालय	
जलेसर	,, चन्द्रप्रभ का चैत्यालय	
जिरसमी	,, शान्तिनाथजी का मन्दिर	
तिखातर	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	
धनिगा	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	
निधोली कलां	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	७६ वर्ष प्राचीन
निधोली छोटी	,, नेमिनाथजी का मन्दिर	३०० वर्ष प्राचीन
पवा	,, शान्तिनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
पिलुआ	,, जैन मन्दिर	
पुनहरा	,, चन्द्रप्रभ का मन्दिर	
पौंडरी	,, नेमिनाथजी का मन्दिर	२५० वर्ष प्राचीन
फफौंतू	,, नेमिनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
बड़ागाँव	,, जैन मन्दिर	
भोजपुर	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	६० वर्ष प्राचीन
मुडसमा	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	
यरा	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	
राजपुर	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
राजमल	,, पार्श्वनाथजी का अतिशय क्षेत्र (मन्दिर)	
रामगढ़	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	
रिजावली	,, नेमिनाथजी का मन्दिर	१५० वर्ष प्राचीन
रुस्तमगढ़	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
बछेपुरा	,, नेमचन्द जैन का मन्दिर	प्राचीन
बजहेरा	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	१०० वर्ष प्राचीन
बरही	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
बलेसर	,, पद्मप्रभ का मन्दिर	
वसुंधरा	,, नेमिनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
बारारामसपुर	,, प्राचीन जैन मन्दिर	
बावसा	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
बेरनी	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	३०० वर्ष प्राचीन
बोरीकलां	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	प्राचीन

सकरौली	श्री नेमिनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
सरानी	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
सरायनीम	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
हिम्मतनगर बजहेरा	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	प्राचीन
हिरौंदी	,, दि० जैन मन्दिर	प्राचीन

जिला-बड़ोदा

●

नया बाजार करजन	एक जैन मन्दिर	३२ वर्ष प्राचीन
पुराना बाजार करजन	एक जैन मन्दिर	नवीन

जिला-भडौंच

●

पालेज	एक जैन मन्दिर	

जिला-मथुरा

●

जलेसर रोड	श्री चन्द्रप्रभ का मन्दिर	
रसौंद	,, वर्द्धमान स्वामी का मन्दिर	

जिला-मैनपुरी

●

उड़ेसर	,, चन्द्रप्रभजी का मन्दिर	प्राचीन
खैरगढ़	,, चन्द्रप्रभजी का मन्दिर	८० वर्ष पुराना
फरिहा	,, चन्द्रप्रभजी का मन्दिर	प्राचीन
मैनपुरी	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	३०० वर्ष प्राचीन
थरौआ	,, पुष्पदन्तजी का मन्दिर	८० वर्ष प्राचीन
कौरारी सरहद	,, महावीरजी का मन्दिर	७० वर्ष प्राचीन

●

श्री जिनेन्द्रप्रकाशजी जैन बी.ए. एल-एल.बी., एटा

श्री सुरेशचन्द्रजी जैन, एम.ए. बी.एड., जलेसर

श्री मानिकचन्दजी जैन

श्री जैनेन्द्रकुमारजी जैन, फिरोजाबाद

श्री परमेश्वरीप्रसादजी जैन, अलीगढ़

शास्त्रज्ञ एवं साहित्यिक श्रेणी

●

जिला-आगरा

श्री उग्रसैन जैन	जयन्ती भवन टूण्डला	जैन शास्त्री
,, गजेन्द्रकुमार जैन	अहारन	जैन शास्त्री
,, जगरूप सहाय	चौकीगेट फिरोजाबाद	साहित्यरत्न
,, जैनेन्द्रकुमार जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	साहित्यसेवी
,, धनपतलाल जैन	फिरोजाबाद	विशारद
,, पन्नालाल जैन 'सरल'	गान्धीनगर फिरोजाबाद	साहित्य विशारद
,, पातीराम जैन	अहारन	शास्त्री, न्यायतीर्थ
,, प्रेमचन्द जैन	गंज फिरोजाबाद	विशारद
,, बाबूलाल जैन	नगला स्वरूप अहारन	शास्त्री
,, मन्दरदास जैन	कटरा सुनारान फिरोजाबाद	विशारद
,, महेन्द्रकुमार जैन	रेलवे कालोनी टूण्डला	जैन शास्त्री
,, मानिकचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	न्यायाचार्य
,, मानिकचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	विद्याविशारद
,, मुन्शीलाल जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	जैन शास्त्री
,, रघुवीरप्रसाद जैन	एत्मादपुर	विशारद
,, राजनलाल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	विशारद
,, रामप्रसाद जैन	बेलनगंज आगरा	संस्कृतज्ञ
,, रामशरण जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	जैन शास्त्री
,, सुमतप्रसाद जैन	गंज फिरोजाबाद	शास्त्री
,, सुरेन्द्रचन्द्र	चन्द्रवार गेट फिरोजाबाद	सम्पादक
,, श्यामसुन्दरलाल जैन	कृष्णा पाड़ा फिरोजाबाद	शास्त्री
,, श्रीनिवास जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	शास्त्री
,, श्रीलाल जैन	चावली	विशारद
,, हजारीलाल जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	साहित्य विशारद
,, हजारीलाल जैन	धूलियागंज आगरा	विशारद

जिला-इन्दौर

,, अमोलकचन्द जैन	जँवरीबाग इन्दौर	शास्त्री
,, लालबहादुर जैन	इन्द्रभवन तुकोगंज इन्दौर	एम.ए.साहि०आ० शास्त्री
,, श्रीधर जैन	गोराकुण्ड इन्दौर	शास्त्री

जिला-उदयपुर

श्री मोहनलाल जैन	भोम वाया ब्यावर	विशारद

जिला-एटा

,, धर्मप्रकाश जैन	सदरबाजार अवागढ़	शास्त्री, साहित्यरत्न
,, फूलचन्द जैन	पुनहरा	विशारद, न्यायाचार्य
,, मनोहरलाल जैन	सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा	शास्त्री
,, सतीशचन्द्र जैन	शेरगंज जलेसर	साहित्यरत्न

जिला-कलकत्ता

,, धन्यकुमार जैन	पी० १५ कलाकार स्ट्रीट कलकत्ता	साहित्यसेवी

जिला-ग्वालियर

,, हरदयाल जैन	२३०।२३१ बिड़लानगर ग्वालियर	साहित्यभूषण

जिला-जबलपुर

,, पं० चन्द्रशेखर जैन,	लाखाभवन पुरानी चरहाई जबलपुर	शास्त्री, आयुर्वेदाचार्य, न्यायतीर्थ

जिला-देहली

,, अजित कुमार जैन	४९७३ केदार, पहाड़ी धीरज देहली	शास्त्री
,, जयन्तीप्रसाद जैन	२१ ए दरियागंज देहली	शास्त्री
,, भागचन्द्र जैन	२४९८ नाईबाड़ा चावड़ी बाजार देहली	शास्त्री, साहित्यरत्न
,, शिखरचन्द जैन	२५२६ धर्मपुरा देहली	शास्त्री
,, संतकुमार जैन	३३६८ गंदानाला मोरीगेट देहली	शास्त्री
,, सुखानन्द जैन	देहली	शास्त्री

जिला-भीलवाड़ा

●

श्री नेमीचन्द जैन	मन्दिर के सामने भूपालगंज	शास्त्री

जिला-भोपाल

●

,, अजितकुमार जैन	सर्राफागली चौक बाजार भोपाल	रत्न, भूषण, प्रभाकर
,, पारसमल जैन	सोमवारा बाजार भोपाल	शास्त्री

जिला-मनिपुर

●

,, प्रेमचन्द्र जैन	डी० एम० कालेज इम्फाल	अध्यापनकार्य
,, रतनचन्द्र जैन	भंवरीलाल बाकलीवाल एण्ड कं०इम्फाल	विशारद

जिला-मेरठ

●

,, धर्मेन्द्रनाथ जैन	सदरबाजार मेरठ	साहित्यभूषण
,, महावीरप्रसाद जैन	सदरबाजार मेरठ	आयुर्वेदाचार्य

जिला-राजगढ़

●

,, कोमलचन्द जैन	त्रिपोलिया बाजार सारंगपुर	विशारद
,, बागमल जैन	गांधी चौक सारंगपुर	विशारद

जिला-शाजापुर

●

,, श्रीधरलाल जैन	नलखेड़ा	साहित्यभूषण सिद्धान्तशास्त्री

जिला-सवाई माधौपुर

●

पं० आनन्दकुमार जैन	शान्ति वीरनगर श्रीमहावीरजी	शास्त्री एवं शास्त्र शोधन
श्री सूरजमल जैन ब्र०	शान्ति वीरनगर श्रीमहावीरजी	शास्त्री एवं संघ नियन्ता

जिला-सीहौर

●

,, कन्हैयालाल जैन	सिकन्दर बाजार आष्टा	शास्त्री
,, छोटेलाल श्रीपाल शास्त्री	जनकपुरा मन्दसौर	शास्त्री

श्री बाबूलाल जैन	बड़ाबाजार आष्टा	वैद्यभूषण, आ० आ० साहित्य-सुधाकर
,, मानमल जैन	खजांची लाइन सीहोर	आयुर्वेद विशारद
,, राजमल जैन	कोठरीहाट	साहित्य विशारद
,, रमेशबाई जैन	कन्या माध्यमिक पाठशाला इच्छावर	साहित्य विशारद

जिला-हजारीबाग

●

,, ओमप्रकाश जैन	ईसरी बाजार	अर्थशास्त्री
,, सेतीलाल जैन	ईसरी बाजार	शास्त्री, साहित्यरत्न

●

शिक्षित महिलाएँ

●

जिला-अजमेर

श्री विमलेशकुमारी जैन	घी मण्डी नया बाजार अजमेर	मैट्रिक
,, सरोज जैन	ओसवाल हायर सेकेण्डरी स्कूल अजमेर	मैट्रिक

जिला-अलीगढ़

सुश्री सुधाकुमारी जैन	छिपैटी	इन्टर

जिला-आगरा

श्री अखयादेवी जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	प्रवेशिका
,, कान्ताकुमारी जैन	बड़ा मुहल्ला ,,	विद्या विनोदनी
,, किरणदेवी जैन	एत्मादपुर	एच० टी० सी०
,, कुन्दप्रभा जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	हाई स्कूल
,, चन्द्रकलादेवी जैन	धूलिआगंज आगरा	विद्या विनोदिनी
,, चन्द्रप्रभा जैन	एत्मादपुर	बी० ए०
,, जयमालादेवी जैन	घेर खोखल फिरोजाबाद	बी० ए०
,, देवकुमारी जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	विद्या विनोदनी
,, देवश्री जैन	गली जैनियान टूण्डला	विदुषी
,, निर्मलकुमारी जैन	वरहन	मिडिल
,, पार्वतीदेवी जैन	मुहल्ला जैनियान टूण्डला	मध्यमा
,, फूलवतीदेवी जैन	सैमरा	एम०आर०डी०एस० (लन्दन)
,, भगवतीदेवी जैन	मन्दिर गली टूण्डला	विद्या विनोदनी
,, मुन्नीदेवी जैन	वरहन	मिडिल
,, राजकुमारी जैन	टूण्डला	विद्या विनोदनी
,, रानी जैन	फिरोजाबाद	हाई स्कूल
,, विजयरानी जैन	कटरा फिरोजाबाद	विद्या विनोदनी
,, विमलकुमारी जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	साहित्यरत्न
,, विमलाकुमारी जैन	मुहल्ला दुली फिरोजाबाद	हाई स्कूल
,, विद्यावतीदेवी जैन	गली लोहियान, फिरोजाबाद	हाई स्कूल
,, शान्तारानी जैन	एम० डी० जैन इन्टर कालेज आगरा	मध्यमा

श्री शान्तीदेवी जैन	राजाकाताल आगरा	हिन्दी विशारद
,, सरलादेवी जैन	महावीर-भवन बलदेव रोड टूण्डला	विशारद
,, सरलादेवी जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	हाई स्कूल
,, सन्तोषकुमारी जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	हाई स्कूल
,, सरोजकुमारी जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	मिडिल
,, सुमनप्रभा जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	हाई स्कूल
,, सुशीलादेवी जैन	महावीर-भवन बलदेव रोड टूण्डला	इन्टर
,, सुशीलादेवी जैन	बलदेव मार्ग टूण्डला	इन्टर
,, सुशीलकुमारी जैन	चौराहा टूण्डला	विद्या विनोदनी

जिला-इटावा

●

श्रीमती स्नेहलता जैन	स्टेशन बाजार इटावा	मैट्रिक

जिला-इन्दौर

●

धर्मपत्नी अजितकुमार जैन	३३ दीतवारिया इन्दौर	इन्टर
श्री उर्मिलादेवी जैन	गोरा कुण्ड इन्दौर	बी० एस०-सी०
,, कमलादेवी जैन	१८७ शीतला माता बाजार इन्दौर	मिडिल
,, कुसुमकुमारी जैन	१८७ शीतला माता बाजार इन्दौर	मैट्रिक
,, जगमालादेवी जैन	इन्दौर	मैट्रिक, सं० मध्यमा
,, देवकुमारी जैन	१६१ महात्मा गान्धी मार्ग इन्दौर	मैट्रिक
,, बेबी जैन	गाँधी रोड, फणीस वाडी इन्दौर	मैट्रिक
,, मृदुलारानी जैन	एल० आई० ३ तिलक नगर इन्दौर	बी० ए०
,, रत्नप्रभा जैन	इन्द्रभवन तुकोगंज इन्दौर	एल० एल० बी०
,, राजदेवी जैन	एल० आई० ३ तिलक नगर इन्दौर	मिडिल
,, स्वयंप्रभा जैन	विनय पुस्तक भण्डार इन्दौर	इन्टर सा० रत्न
,, सरलादेवी जैन	१९ शीतला माता बाजार इन्दौर	हायर सेकेण्डरी
,, सरोजकुमारी जैन	१९ शीतला माता बाजार इन्दौर	मिडिल
,, शैलकुमारी जैन	१९ शीतला माता बाजार इन्दौर	मिडिल
,, शोभादेवी जैन	सोधी मुहल्ला ४० जेल रोड इन्दौर	मिडिल

जिला-एटा

●

श्रीमती आनन्दीदेवी जैन	शिवगंज	वैयाकरणी
श्रीमती कमलादेवी जैन	जलेसर	विद्या विनोदनी

श्री चन्द्रकान्ता जैन	सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा	एफ० ए० आनर्स
कुमारी प्रभादेवी जैन	जी० टी० रोड एटा	इन्टर
श्री मीरादेवी जैन	गहराना	हाईस्कूल

जिला-कलकत्ता

●

श्री चन्द्रादेवी जैन	२७ नं० मलिक स्ट्रीट कलकत्ता	मिडिल
,, पुष्पाबाई जैन	११ शिव किशन दा लेन कलकत्ता	बी० ए०
,, राजकुमारी जैन	२।१डी०गोविन्द अड्डी रोड अलीपुर कलकत्ता	एम० ए०
,, सरलादेवी जैन	२७ नं० मलिक स्ट्रीट कलकत्ता	विशारद
,, सुन्दरदेवी जैन	११३ महात्मा गान्धी रोड कलकत्ता	मैट्रिक
,, शीलाकुमारी जैन	पी० कलाकार स्ट्रीट कलकत्ता	मैट्रिक

जिला-कानपुर

●

कुमारी सुधा जैन	जैन सदन ११२।३४८ स्वरूप नगर कानपुर	एम० ए०

जिला-ग्वालियर

●

श्री गुनमालादेवी जैन	२३०।२३१ लाइन २ बिड़ला नगर ग्वालियर	मिडिल
,, मनोरमादेवी जैन	घनश्याम निवास ग्वालियर	मैट्रिक
,, विमलकुमारी जैन	२३०।२३१ लाइन २ बिड़ला नगर ग्वालियर	विद्या विनोदनी
,, सुलोचनादेवी जैन	२३०।२३१ लाइन २ बिड़ला नगर ग्वालियर	मिडिल

जिला-जबलपुर

●

श्री प्रकाशवती जैन	लाखा भवन चरहाई जबलपुर	विशारद

जिला-देहरादून

●

श्री प्रतिभाकुमारी जैन	देहरादून	इन्टर
,, शीलादेवी जैन	देहरादून	मैट्रिक

जिला-देहली

●

श्री इन्द्रावती जैन	३१८६ मसजिद खजूर देहली	मैट्रिक
,, चन्द्रकान्ता जैन	१४२ कटरा मशरू देहली	हिन्दी रत्न

श्री चन्द्रप्रभा जैन	३३९७ दिल्ली गेट देहली	मिडिल
,, चमेलीदेवी जैन	४९७३ पहाड़ी धीरज देहली	हिन्दी रत्न
,, नीलमादेवी जैन	५१३।११ गान्धीनगर देहली	मिडिल
,, बालादेवी जैन	३४६ कटरा तम्बाकू चावड़ी बाजार देहली	मिडिल
,, वीनाकुमारी जैन	२९९८ मस्जिद खजूर देहली	एम० एल० टी०
,, शशिप्रभादेवी जैन	५३३।२८ डी० गान्धीनगर देहली	मिडिल
,, सरस्वतीदेवी जैन	३७ दरियागंज देहली	बी० ए०
,, सुप्रभावती जैन	१४२ कटरा मशरू देहली	हिन्दी रत्न
,, सुशीलादेवी जैन	३७ दरियागंज देहली	एम० ए०
,, सुशीलाकुमारी जैन	१५३४ कूंचासेठ देहली	इण्टर मिडिएट, वि०
,, सुशीला जैन	३३१० दिल्लीगेट देहली	बी० ए०

जिला-नागपुर

श्री नलूबाई जैन बोवड़े	लखमा के अखाड़े के पास नागपुर	मैट्रिक
,, निर्मला जैन रोड़े	हनुमाननगर नागपुर	मैट्रिक
,, बिन्दुबाई जैन बोवड़े	लखमा के अखाड़े के पास नागपुर	मैट्रिक
,, सीथू जैन मुठमारे	तहसील आफिस के पास काटोल नागपुर	मैट्रिक
,, सुमन जैन मुठमारे	तहसील आफिस के पास नागपुर	मैट्रिक
,, सुशीलाबाई जैन बोडखे	गावरस बाड़ा चौक नागपुर	मैट्रिक
,, शैलजा जैन बोडखे	लखमा के अखाड़े के पास नागपुर	मैट्रिक
,, शोभा जैन नाकाडे	जुनेदत्त मन्दिरके पास नागपुर	मैट्रिक

जिला-बम्बई

श्री ज्योत्सना जैन	१२।१८ विट्ठलभाई पटेल रोड, बम्बई	बी० ए०
,, सरोजनी जैन	मोतीवाला जुबलीबाग तारदेव, बम्बई	बी० ए०

जिला-भण्डारा

श्री पुष्पादेवी जैन	जैनमन्दिर के पास भण्डारा	मैट्रिक

जिला-भरतपुर

श्री निर्मलकुमारी जैन	किशनस्वरूपका मकान कायस्थपुरा धौलपुर	इन्टर

जिला-भोपाल

●

श्री कमलाबाई जैन	सोमवारा भोपाल	मिडिल
,, कुसुमकुमारी जैन	कान्तिकुंज भवन ललवानी प्रेस रोड भोपाल	विद्याविनोदनी
,, चित्रप्रभा 'जिनेश'	हवामहल रोड भोपाल	एम० ए०
,, त्रिसलादेवी जैन	कार्टर नं० २०. पिपलानी	मैट्रिक,विद्याविनो०
,, ज्ञानमालादेवी जैन	नीमवाली बखाल सोमवारा भोपाल	विद्याविनोदनी
,, सरोजकुमारी जैन	जैन मन्दिर रोड भोपाल	मैट्रिक
,, सुशीलादेवी जैन	हवामहल रोड भोपाल	बी० ए०

जिला-मेरठ

●

श्री तारादेवी जैन	सदर बाजार मेरठ	एम० ए०
,, चन्द्रकान्ता जैन	सदर बाजार मेरठ	एफ० ए०, प्रभाकर

जिला-वर्धा

●

श्री कल्पनादेवी जैन	वार्ड नं० २ सराफी लाइन वर्धा	मैट्रिक
,, दरियादेवी जैन	जैन बोर्डिंगके पास वार्ड नं० २ वर्धा	मैट्रिक

जिला-वर्धमान

●

श्री इन्द्रकान्ता जैन	एल० ३।१२२ दुर्गापुर	मिडिल

जिला-सीहोर

●

श्री फूलवती जैन	मेहतवाड़ा	मैट्रिक

जिला-सांभरलेक

●

श्री भूदेवी जैन	दि० जैन पाठशाला सांभरलेक	विशारद
,, स्नेहलता जैन	दि० जैन पाठशाला सांभरलेक	मैट्रिक

जिला-हजारीबाग

श्री प्रभा जैन	ईसरी बाजार	बी० ए०
,, रमादेवी जैन	ईसरी बाजार	मैट्रिक, प्रभाकर
,, शारदाकुमारी जैन	ईसरी बाजार	मैट्रिक

जिला-हुगली

श्री कान्ताकुमारी जैन	श्री इन्जिनियरिंग प्रो०लि० रिसड़ा	विद्याविनोदनी
,, शकुन्तलादेवी जैन	शिवनारायण रोड उत्तरपाड़ा	इन्ट्रेन्स

श्री जिनेन्द्रप्रसादजी जैन फिरोजाबाद

श्री भोलानाथजी जैन, देहली

श्री मूलचन्दजी जैन, लाडकूई

स्व० श्री जगतिलकरावजी जैन
अवागढ

श्री श्रीपालजी जैन 'दिवा'
आष्टा

श्री स्वरूपकिशोरजी जैन
स० सम्पादक-अग्रवाल हितैषी

श्री पं० नरसिंहदासजी जैन शास्त्री
चावली
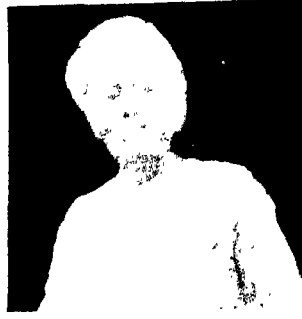
श्री ला० मुंशीलालजी जैन
अवागढ़
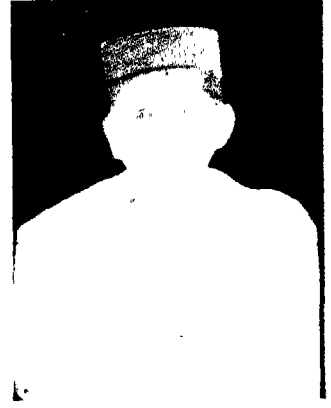
श्री ला० गुलजारीलालजी जैन
अवागढ़
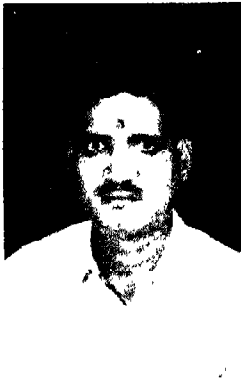
श्री रामस्वरूपजी जैन
एत्मादपुर
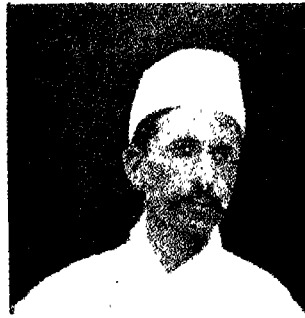
श्री ला० दिगम्बरदासजी जैन
सोहार

श्री मोहनलालजी जैन
नगलासिकन्दर

कृषिकर्मी महानुभाव

●

जिला-अलीगढ़

●

श्री अंग्रेजीलाल जैन	मैदामई	कृषिकर्मी
,, काश्मीरीलाल जैन	मैदामई	कृषिकर्मी
,, द्रोपदीकुमारी जैन	मैदामई	कृषिकर्मी
,, मक्खनलाल जैन	मैदामई	कृषिकर्मी
,, रघुनाथप्रसाद जैन	मैदामई	कृषिकर्मी

जिला-आगरा

●

श्री अमोलकचन्द जैन	अहारन	कृषिकर्मी
,, अशरफीलाल जैन	देवखेड़ा	कृषिकर्मी
,, श्रीमती अंगूरीदेवी जैन	जाटऊ	कृषिकर्मी
,, उल्फतराय जैन	सरायजयराम	कृषिकर्मी
,, कश्मीरीलाल जैन	अहारन	कृषिकर्मी
,, करनीसिंह जैन	वासरिसाल	कृषिकर्मी
,, कन्हैयालाल जैन	सेखपुरा	कृषिकर्मी
,, केशवदेव जैन	कायथा	कृषिकर्मी
,, खुशीलाल जैन	सैमरा	कृषिकर्मी
,, गोरेलाल जैन	खरिकना	कृषिकर्मी
,, घमंडीलाल जैन	सैमरा	कृषिकर्मी
,, चन्द्रभान जैन	जटई	कृषिकर्मी
,, चन्द्रसैन जैन	महाराजपुर	कृषिकर्मी
,, चुन्नीलाल जैन	जौंधरी	कृषिकर्मी
,, चुन्नीलाल जैन	पमारी	कृषिकर्मी
,, छोटेलाल जैन	गढ़ीलाल	कृषिकर्मी
,, जियालाल जैन	मरसैन	कृषिकर्मी
,, जैचन्द जैन	सैमरा	कृषिकर्मी
,, झब्बूलाल जैन	जाटऊ	कृषिकर्मी
,, दम्मीलाल जैन	भरसैना	कृषिकर्मी
,, दरबारीलाल जैन	कायथा	कृषिकर्मी
,, दरबारीलाल जैन	गढ़ीलाल	कृषिकर्मी
,, नेमीचन्द जैन	सैमरा	कृषिकर्मी

श्री पन्नालाल जैन	सैमरा	कृषिकर्मी
,, पंचमलाल जैन	महाराजपुर	कृषिकर्मी
,, बनवारीलाल जैन	जटई	कृषिकर्मी
,, बाबूराम जैन	सेखपुरा	कृषिकर्मी
,, बाबूलाल जैन	जहाजपुर	कृषिकर्मी
,, भगवानस्वरूप जैन	टूण्डला	कृषिकर्मी
,, भागचन्द जैन	गढ़ीदर्रा	कृषिकर्मी
,, मधुबनदास जैन	कुतकपुर	कृषिकर्मी
,, महेन्द्रकुमार जैन	भौंडेला	कृषिकर्मी
,, मुंशीलाल जैन	कुतकपुर	कृषिकर्मी
,, मुंशीलाल जैन	खेरिआ	कृषिकर्मी
,, युद्धसैन जैन	जटई	कृषिकर्मी
,, राजबहादुर जैन	कोटकी	कृषिकर्मी
,, रामस्वरूप जैन	भरसैना	कृषिकर्मी
,, लाहोरीलाल जैन	जटई	कृषिकर्मी
,, लटूरीमल जैन	गोहिला	कृषिकर्मी
,, सुखदेवप्रसाद जैन	कढ़ी कल्यान	कृषिकर्मी
,, सूरजभान जैन	राजपुर	कृषिकर्मी
,, सेतीलाल जैन	मौमदी	कृषिकर्मी
,, श्यामलाल जैन	कोटकी	कृषिकर्मी
,, शौकीलाल जैन	जटई	कृषिकर्मी
,, श्रीलाल जैन	गढ़ी असरा	कृषिकर्मी

जिला-एटा

श्री अमीरचन्द जैन	फफोत	कृषिकर्मी
,, अशर्फीलाल जैन	पुनहरा	कृषिकर्मी
,, उल्फतराय जैन	हिम्मत नगर वजेहरा	कृषिकर्मी
,, कन्हैयालाल जैन	रिजावली	कृषिकर्मी
,, कपूरचन्द जैन	वावसा	कृषिकर्मी
,, कुंवरलाल जैन	राजपुर	कृषिकर्मी
,, गुलजारीलाल जैन	तिखातर	कृषिकर्मी
,, चक्रपाल जैन	पुनहरा	कृषिकर्मी
,, चक्रभान जैन	बक्शीपुर	कृषिकर्मी
,, जम्बूप्रसाद जैन	जिरस्मी	कृषिकर्मी

श्री जयनारायण जैन	खरौआ	कृषिकर्मी
,, जयस्वरूप जैन	गहेतू	कृषिकर्मी
,, झम्मनलाल जैन	वलेसरा	कृषिकर्मी
,, तालेवर जैन	खरौआ	कृषिकर्मी
,, दामोदरदास जैन	हराना	कृषिकर्मी
,, नन्नेमल जैन	राजमल	कृषिकर्मी
,, प्यारेलाल जैन	फफोतू	कृषिकर्मी
,, प्यारेलाल जैन	पुनहरा	कृषिकर्मी
,, पातीराम जैन	तखावत	कृषिकर्मी
,, पुत्तूलाल जैन	सकरौली	कृषिकर्मी
,, पुत्तूलाल जैन	हिरौंदी	कृषिकर्मी
,, पृथ्वीराज जैन	राजमल	कृषिकर्मी
,, बनारसीदास जैन	फफोत	कृषिकर्मी
,, बाबूराम जैन	कुतकपुर	कृषिकर्मी
,, बांकेलाल जैन	खरौआ	कृषिकर्मी
,, बांकेलाल जैन	हिरौंदी	कृषिकर्मी
,, बृजनन्दनलाल जैन	यरा	कृषिकर्मी
,, भूधरदास जैन	नगला ख्याली	कृषिकर्मी
,, महेन्द्रपाल जन	इमलिया	कृषिकर्मी
,, मानिकचन्द जैन	हिरौंद	कृषिकर्मी
,, रघुवरदयाल जैन	चमकरी	कृषिकर्मी
,, रघुनाथप्रसाद जैन	तिखातर	कृषिकर्मी
,, राजनलाल जैन	नगला ख्याली	कृषिकर्मी
,, रामचन्द्र जैन	कुतकपुर	कृषिकर्मी
,, राजबहादुर जैन	गहेतू	कृषिकर्मी
,, रामप्रकाश जैन	तखावत	कृषिकर्मी
,, रामस्वरूप जैन	राजपुर	कृषिकर्मी
श्रीमती रामश्री जैन	सरानी	कृषिकर्मी
श्री लटूरीलाल जैन	जिरसमी	कृषिकर्मी
,, वासुदेव जैन	फफोतू	कृषिकर्मी
,, वासुदेव जैन	मझराऊ	कृषिकर्मी
,, वासुदेवप्रसाद जैन	राजपुरा	कृषिकर्मी
,, वासुदेव जैन	रुस्तमगढ़	कृषिकर्मी
,, सदनलाल जैन	वसुंधरा	कृषिकर्मी
,, सर्राफीलाल जैन	गढ़ी वेंदुला	कृषिकर्मी

श्री सेतीलाल जैन	दलसायपुर	कृषिकर्मी
,, सुरेशचन्द्र पातीराम जैन	तखावन	कृषिकर्मी
,, सोनपाल जैन	जिनावली	कृषिकर्मी
,, शंकरलाल जैन	फफोतू	कृषिकर्मी
,, शान्तीलाल जैन	पवा	कृषिकर्मी
,, शान्तीलाल जैन	मितरौल	कृषिकर्मी
,, शान्तीलाल जैन	वरौली	कृषिकर्मी
,, शाहकुमार जैन	पौंडरी	कृषिकर्मी
,, शिखरचन्द जैन	वसुंधरा	कृषिकर्मी
,, शिवचरनलाल जैन	जलेसर	कृषिकर्मी
,, श्रीनिवास जैन	हिरौंदी	कृषिकर्मी
,, हजारीलाल जैन	जमालपुर	कृषिकर्मी
,, हजारीलाल जैन	सौना	कृषिकर्मी
,, हरिश्चन्द्र जैन	वसुंधरा	कृषिकर्मी
,, हरमुखराय जैन	सकरौली	कृषिकर्मी
,, हुण्डीलाल जैन	राजपुर	कृषिकर्मी
,, हुण्डीलाल जैन	हिम्मतनगर वजहेरा	कृषिकर्मी
,, हुण्डीलाल जैन	तखावन	कृषिकर्मी
,, होतीलाल जैन	निधोली छोटी	कृषिकर्मी
,, होतीलाल जैन	पौंडरी	कृषिकर्मी

जिला-मैनपुरी

श्री ओमप्रकाश जैन	फाजिलपुर	कृषिकर्मी
,, ओंकारमल जैन	कौरारी सरहद	कृषिकर्मी
,, कम्पिलादास जैन	शिकोहाबाद	कृषिकर्मी
,, कान्तीप्रसाद जैन	मुश्तफाबाद	कृषिकर्मी
,, गजाधरलाल जैन	उड़ेसर	कृषिकर्मी
,, छक्कामल जैन	बल्टीगढ़	कृषिकर्मी
,, झण्डूलाल जैन	खैरगढ़	कृषिकर्मी
,, दरबारीलाल जैन	एका	कृषिकर्मी
,, नेमीचन्द्र जैन	पैंडत	कृषिकर्मी
,, नेमीचन्द जैन	रीमा	कृषिकर्मी
,, प्यारेलाल जैन	वल्टीगढ़	कृषिकर्मी
,, फुलजारीलाल जैन	खैरगढ़	कृषिकर्मी
,, बाबूराम जैन	उड़ेसर	कृषिकर्मी

श्री भजनलाल जैन	रामपुर	कृषिकर्मी
,, राजेन्द्रकुमार जैन	सिरमई	कृषिकर्मी
,, ललताप्रसाद जैन	थरौआ	कृषिकर्मी
,, वासुदेव जैन	उड़ेसर	कृषिकर्मी
,, विजयस्वरूप जैन	रामपुर	कृषिकर्मी
,, संतकुमार जैन	रीमा	कृषिकर्मी
,, सुकमाल जैन	फरिहा	कृषिकर्मी
,, सेवतीलाल जैन	सुनाव	कृषिकर्मी
,, श्योप्रसाद जैन	सिरमई	कृषिकर्मी

जिला-राजगढ़

●

श्री कन्हैयालाल जैन	ब्यावरा माण्डू	कृषिकर्मी
,, छगनलाल जैन	ब्यावरा माण्डू	कृषिकर्मी
,, भगीरथ जैन	सराली	कृषिकर्मी
,, रखबलाल जैन	ब्यावरा माण्डू	कृषिकर्मी

जिला-वर्धा

●

श्री दादाजी गणयवरायजी जैन रोड़े,	जैन मन्दिर के पास वर्धा	कृषिकर्मी
,, नेमासाव रामचन्द्रराव जैन कवर्ड,	जैन मन्दिर के पास वर्धा	कृषिकर्मी
,, नानाजी अंतोवाजी जैन कवर्ड	येलाकेली वर्धा	कृषिकर्मी
,, ववनजी अंतोवाजी जैन कवर्ड	येलाकेली वर्धा	कृषिकर्मी
,, बाबूराव गुणधर जैन रोड़े	वार्ड नं० १० राजकाज रोड़ वर्धा	कृषिकर्मी
,, बाबूराव केशवराव जैन कवर्ड	सेसुकार्ट	कृषिकर्मी

जिला-शाजापुर

●

श्री केशरीमल जैन	बेरछादातार	कृषिकर्मी
,, गजराज जैन	बेरछादातार	कृषिकर्मी
,, गेन्दामल जैन	भखावद	कृषिकर्मी
,, डालचन्द जैन	रनायल	कृषिकर्मी
,, ताराबाई जन	बेरछादातार	कृषिकर्मी
,, थेरूलाल जैन	भखावद	कृषिकर्मी
,, देवालाल जैन	बेरछादातार	कृषिकर्मी

श्री प्यारेलाल जैन	बेरछादातार	कृषिकर्मी
,, मगनलाल जैन	बुडलाय	कृषिकर्मी
,, मदनलाल जैन	भखावद	कृषिकर्मी
,, मन्नूलाल जैन	बेरछादातार	कृषिकर्मी
,, मूलचन्द्र जैन	बेरछादातार	कृषिकर्मी
,, मेघराज जैन	रनायल	कृषिकर्मी
,, मोतीलाल जैन	जावड़िया	कृषिकर्मी
,, राजमल जैन	बेरछादातार	कृषिकर्मी
,, राजमल जैन	बुडलाय	कृषिकर्मी
,, वसन्तीलाल जैन	बेरछादातार	कृषिकर्मी
,, सरदारमल जैन	बुडलाय	कृषिकर्मी
,, सरदारमल जैन	रनायल	कृषिकर्मी
,, सुन्दरलाल जैन	भखावद	कृषिकर्मी
,, सुवागमल जैन	बेरछादातार	कृषिकर्मी
,, सूरजमल जैन	बेरछादातार	कृषिकर्मी
,, शान्तिलाल जैन	बेरछादातार	कृषिकर्मी
,, हीरालाल जैन	भखावद	कृषिकर्मी
,, हीरालाल जैन	भखावद	कृषिकर्मी
,, हेमराज जैन	बुडलाय	कृषिकर्मी

जिला-सीहोर

श्री खुशीलाल जैन	मेहतवाड़ा	कृषिकर्मी
,, डालचन्द जैन	आष्टारोड	कृषिकर्मी
,, नथमल जैन	कोठरीहाट	कृषिकर्मी
,, मगनलाल जैन	मेहतवाड़ा	कृषिकर्मी
,, मूलचन्द जैन	मेहतवाड़ा	कृषिकर्मी
,, राजमल जैन	मेहतवाड़ा	कृषिकर्मी
,, राजमल जैन	जावर	कृषिकर्मी
,, राजमल जैन	बड़ा बाजार आष्टा	कृषिकर्मी

उद्योगपति

●

जिला-आगरा

●

श्री इन्द्रभान जैन	एत्मादपुर	तेलमिल
,, कैलाशचन्द्र जैन	फिरोजाबाद	कारखाना
,, नेमीचन्द जैन	एत्मादपुर	तेलमिल
,, पुत्तूलाल जैन	कोटला	फ्लोर मिल
,, पूर्णचन्द्र जैन	जीवनीमण्डी आगरा	मिल-मशीनरी
,, भागचन्द जैन	कोटला	फ्लोर मिल
,, भामण्डलदास जैन	फिरोजाबाद	साबुन-कारखाना

जिला-एटा

●

श्री प्रभाकरचन्द्र जैन	जलेसर	फ्लोर मिल
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	श्रावक मुहल्ला एटा	सोप फैक्टरी

जिला-कलकत्ता

●

श्री जुगमन्दिरदास जैन	११३ महात्मा गान्धी रोड कलकत्ता	बरतन उद्योग
,, मन्दिरदास जैन	३७ बी० कलाकार स्ट्रीट कलकत्ता	बरतन-उद्योग

जिला-देहली

●

श्री अजितप्रकाश जैन	४२१० आर्यपुरा, सब्जीमण्डी देहली	मोटर पार्ट्स निर्माता
,, पद्मचन्द जैन	३०१६ बनारसी-भवन धर्मपुरा देहली	चश्मों के लेन्स
,, पुत्तूलाल जैन	३०१६ मस्जिद खजूर, धर्मपुरा देहली	प्लास्टिक व्यापारी
,, भागचन्द जैन	३०१६ मस्जिद खजूर धर्मपुरा देहली	प्लास्टिक निर्माता
,, सुमतप्रकाश जैन	४२१० आर्यपुरा, सब्जीमण्डी देहली	मोटर पार्ट्स निर्माता

जिला-मैनपुरी

●

श्री धनपाल जैन	बड़ाबाजार शिकोहाबाद	साबुन कारखाना
,, मुरारीलाल जैन	शिकोहाबाद	तेलमिल

जिला-वर्धमान

•

श्री मुरारीलाल जैन	रानीगंज	जे. पी. ग्लास वर्क्स

जिला-हावड़ा

•

श्री नरेन्द्रचन्द्र जैन	मोतीचन्द रोड घुसड़ी	धातु-बरतन निर्माता
„ राजबहादुर जैन	१०८ नं० घुसड़ी	धातु बरतन निर्माता

•

श्री नन्नूमलजी जैन, कालापीपल

श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन, अवागढ़

स्व० श्री जयकुमारजी जैन, जसरथपुर
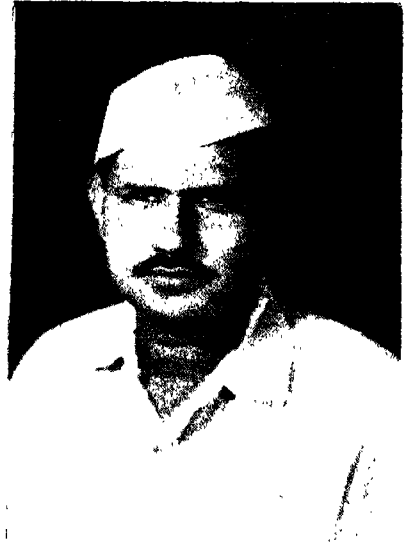
श्री प्रेमचन्द्रजी जैन, टूण्डला

श्री संरक्षकजी जैन

श्री मुन्शीलालजी जैन कागजी, देहली

श्री गेन्दालालजी जैन, आगरा
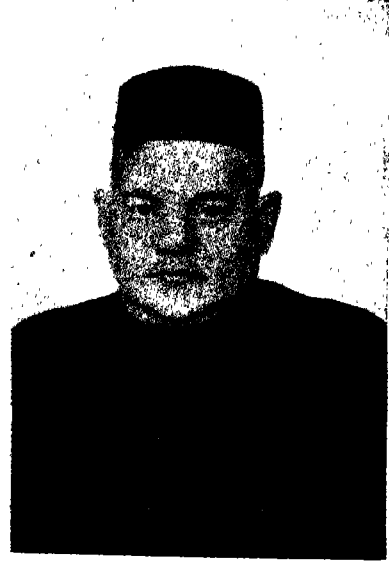
श्री सेठलालजी जैन, टूण्डला

प्रमुख व्यवसायी

●

जिला-अजमेर

●

श्री रामस्वरूप जैन	ठि० बाबूराम भंवरलाल वर्मा पट्टीकल अजमेर	व्यवसायी

जिला-अलीगढ़

●

श्री अमोलकचन्द जैन	अलीगढ़	व्यवसायी
,, ओमप्रकाश जैन	अलीगढ़	,,
,, चन्दालाल जैन	अलीगढ़	,,
,, जगरूपसहाय जैन	वरमाना	,,
,, नन्दलाल जैन	श्यामनगर अलीगढ़	,,
,, फुलजारीलाल जैन	मैदामई	,,
,, फूलचन्द जैन	मधुपुरा	,,
,, बुद्धसैन जैन	अलीगढ़	,,
,, बृजमोहनलाल जैन	छिपेटी अलीगढ़	,,
,, भीमसैन जैन	अलीगढ़	,,
,, भीमसैन जैन	मैदामई	,,
,, मोतीचन्द जैन	अलीगढ़	,,
,, रघुवंशीलाल जैन	रामघाट रोड अलीगढ़	,,
,, रामस्वरूप जैन	वरमाना	,,
,, रूपहरीलाल जैन	हाथरस	,,
,, लालचन्द जैन	विजयागढ़	,,
,, वासुदेवप्रसाद जैन	मैदामई	,,
,, सुनहरीलाल जैन	हाथरस	,,
,, सेतीलाल जैन	वरमाना	,,
,, श्यामस्वरूप जैन	हाथरस	,,

जिला-आसाम

●

श्री रघुवंशीलाल जैन	नलवाड़ी (कामरूप)	व्यवसायी

जिला-आगरा

●

श्री ठाकुरदास जैन	अहारन	मिठाई के व्या०
,, नन्नूमल जैन	अहारन	व्यवसायी

श्री मूलचन्द जैन	अहारन	व्यापार
,, रतनलाल जैन	अहारन	व्यापार
,, राजकुमार जैन	अहारन	घी के व्यापारी
,, श्रीलाल जैन	अहारन	व्यापार
,, अमीरचन्द जैन	आगरा नगर	चीनी के व्यापारी
,, अशर्फीलाल जैन	आगरा नगर	दूध के व्यापारी
,, कपूरचन्द जैन	फ्रीगंज आगरा	व्यापार
,, घमण्डीलाल जैन	आगरा नगर	व्यापार
,, जगभूषणराव जैन	आगरा नगर	आटा चक्की
,, जगदीशचन्द जैन	आगरा नगर	खुदरा दुकान
,, जयकुमार जैन	आगरा नगर	परचून की दुकान
,, तुलाराम जैन	आगरा नगर	घी के व्यापारी
,, देवकुमार जैन	आगरा नगर	चीनी के व्यापारी
,, दौलतराम जैन	आगरा नगर	गल्ले के व्यापारी
,, धनपतलाल जैन	आगरा नगर	परचून की दुकान
,, नेमीचन्द जैन	आगरा नगर	व्यापार
,, प्यारेलाल जैन	आगरा नगर	गल्ले के व्यापारी
,, बंशीधर जैन	ऊँटगली सदर दरवाजा आगरा	व्यापार
,, भागचन्द जैन	जीवनी मण्डी आगरा	दुकान
,, मटरूमल जैन	सेठ गली आगरा	घी के व्यापारी
,, मानिकचन्द जैन	जैन बागीची आगरा	व्यापार
,, मुन्नीलाल जैन	घटिया आजमखाँ आगरा	गल्ले के व्यापारी
,, विजयचन्द जैन	छिली ईंट घटिया	ठेकेदारी
,, सुखनन्दनलाल जैन	धूलियागंज जूतेवाली गली	हा०वे० व्यापारी
,, सुनहरीलाल जैन	घटिया आजमखाँ आगरा	व्यापार
,, सुनहरीलाल जैन	बेलनगंज आगरा	हा० मिल स्टोर
,, सुनहरीलाल जैन	जैन बगीची आगरा	बीड़ी व्यापारी
,, सेढ़मल जैन	मोती कटरा आगरा	घी के व्यापारी
,, श्यामबाबू जैन	२३६ पंजा मदरसा आगरा	निवार के व्यापारी
,, शंकरलाल जैन	जमना रोड आगरा	सूत व साबुन व्या०
,, हरमुखराय जैन	बेलनगंज आगरा	व्यापारी
,, गेंदालाल जैन	आलमपुर	अन्न के व्यापारी
,, नेमीचन्द जैन	आलमपुर	व्यापार
,, पन्नालाल जैन	आलमपुर	कृषि व्यवसाय

श्री बाबूलाल जैन	आलमपुर	व्यापार
,, बुद्धसैन जैन	आलमपुर	व्यापार
,, भोलानाथ जैन	आलमपुर	व्यापार
,, महेन्द्रकुमार जैन	आलमपुर	काइत व्यापारी
,, साहूलाल जैन	आवलखेड़ा	दुकानदारी
,, अमोलकचन्द जैन	उलाऊ	व्यापार
,, महीपाल जैन	उलाऊ	दुकानदार
,, रघुबरदयाल जैन	उलाऊ	दुकानदार
,, हुण्डीलाल जैन	उलाऊ	व्यापार
श्री अमृतलाल जैन	उसाइनी	व्यापार
,, अमृतलाल जैन	उसाइनी	व्यापार
,, प्रेमचन्द जैन	उसाइनी	साइकिल व्यापारी
,, फुलजारीलाल जैन	उसाइनी	घी के व्यापारी
,, हर्षकीर्ति जैन	उसाइनी	व्यापार
,, अमीरचन्द जैन	एत्मादपुर	वस्त्र व्यवसायी
,, अमोलकचन्द जैन	एत्मादपुर	व्यापार
,, अमृतलाल जैन	एत्मादपुर	व्यापार
,, उग्रसैन जैन	एत्मादपुर	व्यापार
,, कुसुमचन्द जैन	एत्मादपुर	गुड़, घी के व्या०
,, चन्दनलाल जैन	एत्मादपुर	व्यापार
,, चन्द्रभान जैन	एत्मादपुर	गल्ले के आढ़ती
,, जयकुमार जैन	एत्मादपुर	किराना व्यापारी
,, दरबारीलाल जैन	एत्मादपुर	बूरा के व्यापारी
,, देवेन्द्रकुमार जैन	एत्मादपुर	गल्ले के व्यापारी
,, धन्यकुमार जैन	एत्मादपुर	बूरा के व्यापारी
,, नारायणस्वरूप जैन	एत्मादपुर	गल्ले के व्यापारी
,, पातीराम जैन	एत्मादपुर	व्यापार
,, प्रेमचन्द जैन	एत्मादपुर	व्यापार
,, बाबूलाल जैन	एत्मादपुर	घी के व्यापारी
,, बैजनाथ जैन	एत्मादपुर	व्यापारी
,, भगवानस्वरूप जैन	एत्मादपुर	परचून व्यापारी
,, मनीराम जैन	एत्मादपुर	बिसातखाना
,, महेन्द्रकुमार जैन	एत्मादपुर	घी के व्यापारी

श्री मुन्नीलाल जैन	एत्मादपुर	गल्ले के आढ़ती
,, मुन्शीलाल जैन	एत्मादपुर	व्यापार
,, मोतीलाल जैन	एत्मादपुर	जनरल मर्चेन्ट
,, रघुवीरप्रसाद जैन	एत्मादपुर	व्यापार
,, रामस्वरूप जैन	एत्मादपुर	व्यापार
,, रोशनलाल जैन	एत्मादपुर	मिठाई व्यापारी
,, विद्याराम जैन	एत्मादपुर	चावल व्यापारी
,, सुखदेवप्रसाद जैन	एत्मादपुर	व्यापार
,, सुनहरीलाल जैन	एत्मादपुर	खुदरा दुकान
,, सूरजभान जैन	एत्मादपुर	गल्ले की दुकान
,, सौनपाल जैन	एत्मादपुर	व्यापार व्यवसाय
,, शान्तिस्वरूप जैन	एत्मादपुर	घी के व्यापारी
,, शिवरतनलाल जैन	एत्मादपुर	व्यापारी
,, शिखरचन्द जैन	एत्मादपुर	गल्ले के व्यापारी
,, श्रीलाल जैन	एत्मादपुर	फुटकर दुकान
श्री जयकुमार जैन	कल्यानगढ़ी	दुकान
श्री गुनमालादेवी जैन	कायथा	साहूकारी
श्री अमोलकचन्द जैन	कुरगवां	व्यापार
,, चन्द्रपाल जैन	कुरगवां	व्यापार
,, भामण्डलदास जैन	कुरगवां	व्यापार
,, मानिकचन्द जैन	कुरगवां	व्यापार
श्री कमलकुमार जैन	कोटला	किराना के व्या०
,, गोरेलाल जैन	कोटला	मिठाई की दुकान
श्री गयाप्रसाद जैन	कोटला	किराना के व्या०
,, नेमीचन्द जैन	कोटला	,,
,, बाबूराम जैन	कोटला	,,
,, बाबूराम जैन	कोटला	वस्त्र व्यवसायी
,, मानिकचन्द जैन	कोटला	मिठाई की दुकान
,, रघुवरदयाल जैन	कोटला	,,
,, लखपतिराय जैन	कोटला	किराने के व्या०
,, छोटेलाल जैन	कोटकी	व्यापार
,, नेमीचन्द जैन	कोटकी	कपड़ा-सिलाई
,, बुद्धसैन जैन	कोटकी	दुकानदारी

श्री राजेश्वरप्रसाद जैन	कोटकी	व्यापार
,, रोशनलाल जैन	कोटकी	,,
,, रामबाबू जैन	खरिमना	,,
,, रेवतीराम जैन	खरिमना	,,
,, मुन्शीलाल जैन	खांडा	दुकान
,, साहूकाल जैन	खांडा	मिठाई की दुकान
,, सेठमल जैन	खांडा	वस्त्र व्यवसाय
,, पन्नालाल जैन	खेरी	व्यापार
,, पातीराम जैन	खेरी	,,
,, पोतदार जैन	खेरी	,,
,, शान्तिस्वरूप जैन	खेरी	,,
,, सुमेरचन्द जैन	गढ़ी श्री राम की	,,
,, हुण्डीलाल जैन	गढ़ी श्री राम की	,,
,, मुन्नीलाल जैन	गढ़ी हंसराम	दुकान
,, होतीलाल जैन	गढ़ी हंसराम	,,
,, देवकुमार जैन	गांगनी	व्यापार
,, नाथूराम जैन	गांगनी	,,
,, नेमीचन्द जैन	गांगनी	,,
,, मुन्शीलाल जैन	गांगनी	,,
,, कुशलपाल जैन	गोहिला	,,
,, गजाधरलाल जैन	गोहिला	,,
,, जीवनलाल जैन	गोहिला	,,
,, बहोरीलाल जैन	गोहिला	,,
,, रामप्रसाद जैन	गोहिला	,,
,, लखमीचन्द जैन	गौंछ	,,
,, राजनलाल जैन	गौंछ	व्यापार
,, सुनहरीलाल जैन	गौंछ	परचून की दुकान
,, मुन्शीलाल जैन	चन्दौरा	व्यापार
,, अमृतलाल जैन	चावली	,,
,, नत्थाराम जैन	चावली	,,
,, प्रद्युम्नकुमार जैन	चावली	औषधि का व्या०
,, श्रीलाल जैन	चावली	व्यापार
,, जयदेवप्रसाद जैन	चिरहुली	,,

श्री दुर्गाप्रसाद जैन	चिरहुली	व्यापार
,, लक्ष्मीचन्द जैन	चिरहुली	,,
,, श्रीनिवास जैन	चिरहुली	,,
,, हुण्डीलाल जैन	चिरहुली	,,
,, छिंगामलजी जैन	चुल्हावली	परचून की दुकान
,, छेदालाल जैन	चुल्हावली	व्यापार
,, जमादार जैन	चुल्हावली	,,
,, मुन्शीलाल जैन	चुल्हावली	,,
,, साहूलाल जैन	चुल्हावली	,,
,, शिखरचन्द जैन	चुल्हावली	,,
,, नेमीचन्द जैन	चौराहा टूण्डला	मिठाई की दुकान
,, रघुनन्दनलाल जैन	चौराहा टूण्डला	गल्ले के व्यापारी
,, राजकुमार जैन	चौराहा टूण्डला	टी स्टाल
,, रामस्वरूप जैन	चौराहा टूण्डला	परचून के व्या०
,, बसन्तलाल जैन	चौराहा टूण्डला	आटा की दुकान
,, बाबूलाल जैन	चौराहा टूण्डला	गल्ले के आढ़ती
,, सुक्खीलाल जैन	चौराहा टूण्डला	साइकिल के व्या०
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	चौराहा टूण्डला	परचून के व्या०
,, शान्तीस्वरूप जैन	चौराहा टूण्डला	टी स्टाल
,, श्यामलाल जैन	छिकाऊ	व्यापार
,, सुखदेवप्रसाद जैन	छोटा एटा	,,
,, भागचन्द जैन	जाटई	,,
,, राजकिशोर जैन	जरौली कलां	,,
,, बनारसीदास जैन	जसरथपुर	किराना के व्या०
,, सन्तोषकुमार जैन	जसरथपुर	व्यापार
,, नेमीचन्द जैन	जहाजपुर	,,
,, वासुदेव जैन	जहाजपुर	,,
,, सुनहरीलाल जैन	जाटऊ	दुकान
,, इन्द्रसैन जैन	जारखी	व्यापार
,, कुलमण्डन जैन	,,	,,
,, घमण्डीलाल जैन	,,	,,
,, चन्द्रसैन जैन	,,	,,
,, दयाचन्द जैन	,,	,,
,, दयालाल जैन	,,	,,

श्री नन्दलाल जैन	जारखी	व्यापार
,, जैनामल जैन	जारखी	,,
,, बनारसीदास जैन	जारखी	,,
,, बैजनाथ जैन	जारखी	,,
,, बृजवासीलाल जैन	जारखी	,,
,, बंगालीलाल जैन	जारखी	,,
,, भगवानस्वरूप जैन	जारखी	,,
,, भागचन्द जैन	जारखी	किरानाके व्यापा०
,, भूधरदास जैन	जारखी	वस्त्र व्यवसायी
,, मंगलसेन जैन	जारखी	,,
,, मंगलस्वरूप जैन	जारखी	,,
,, मानिकचन्द जैन	जारखी	व्यापार
,, रघुवरदयाल जैन	जारखी	,,
,, रमेशचन्द्र जैन	जारखी	वस्त्र व्यवसायी
,, रामप्रसाद जैन	जारखी	व्यापार
,, रामसहाय जैन	जारखी	,,
,, रामचन्द्र जैन	जारखी	,,
,, विश्वम्भरदयाल जैन	जारखी	वस्त्र व्यवसायी
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	जारखी	गल्ले के व्यापारी
,, सुरेन्द्रकुमार जैन शास्त्री	जारखी	,,
,, हरमुखलाल जैन	जारखी	व्यापार
,, हुण्डीलाल जैन	जारखी	वस्त्र विक्रेता
,, इन्द्रसैन जैन	जोंधरी	व्यापार
,, कम्पिलदास जैन	जोंधरी	मिठाई के व्या०
,, केदारनाथ जैन	जोंधरी	व्यापार
,, चुन्नीलाल जैन	जोंधरी	,,
,, जयन्तीप्रसाद जैन	जोंधरी	,,
,, जयन्तीप्रसाद प्रेमचन्द जैन	जोंधरी	वस्त्र व्यवसायी
,, नारायणदास जैन	जोंधरी	व्यापार
,, नेमीचन्द जैन	जोंधरी	,,
,, नेमीचन्द जैन	जोंधरी	बूरा, बतासा की दुकान
,, फूलचन्द जैन	जोंधरी	व्यापार
,, मानिकचन्द जैन	जोंधरी	परचून की दुकान

श्री श्रीमती विद्योदेवी जैन	जोंधरी	व्यापार
,, विशनकुमारी जैन	जोंधरी	वस्त्र व्यवसायी
,, शान्तिलाल जैन	जोंधरी	मिठाई की दुकान
,, श्रीनिवास जैन	जोंधरी	व्यापार
,, श्रीलाल जैन	जोंधरी	,,
,, धनीराम जैन	टोकरी	,,
,, अमृतलाल जैन	टूण्डला	घी के व्यापारी
,, ईश्वरचन्द जैन	टूण्डला	चिकित्सक
,, उग्रसेन जैन	टूण्डला	ज्योतिष कार्य
,, उल्फतराय जैन	टूण्डला	व्यापार
,, कपूरचन्द जैन	टूण्डला	पान के व्यापारी
,, कलेक्टरकुमार जैन	टूण्डला	काश्त एवं व्यव०
,, खजांचीलाल जैन	टूण्डला	मिठाई का व्या०
,, गोरखमल जैन	टूण्डला	किराना के व्या०
,, गौरीशंकर जैन	टूण्डला	मिठाई के व्या०
,, चन्द्रसेन जैन	टूण्डला	वस्त्र व्यवसायी
,, चमनप्रकाश जैन	टूण्डला	पान के व्यापारी
,, चिन्तामणी	टूण्डला	वस्त्र व्यवसायी
,, चेतनस्वरूप जैन	टूण्डला	पुस्तक व्यवसायी
,, चन्द्रसैन जैन	टूण्डला	वस्त्र के व्यापारी
,, छक्कूमल जैन	टूण्डला	किराना के व्या०
,, छोटेलाल जैन	टूण्डला	गल्ले के व्यापारी
,, जयकुमार जैन	टूण्डला	पान के व्यापारी
,, जयन्तीप्रसाद जैन	टूण्डला	सीमेण्ट के व्यापारी
,, जिनेन्द्रप्रसाद जैन	टूण्डला	साहूकारी
,, जिनेन्द्रप्रसाद श्योप्रसाद जैन	टूण्डला	क्लाथ मर्चेन्ट्स
,, जुगमन्दिरदास जैन	टूण्डला	दवा-विक्रेता
,, दरबारीलाल जिनेश्वरदास जैन	टूण्डला	व्यापार
,, दरबारीलाल जैन	टूण्डला	व्यापार
,, धन्यकुमार जैन	टूण्डला	तम्बाकू के व्या०
,, धन्यकुमार मुन्शीलाल जैन	टूण्डला	जनरल मर्चेन्ट्स
,, नन्नूमल जैन	टूण्डला	पूड़ी परामठा
,, नरेन्द्रकुमार जैन	टूण्डला	किराना के व्या०
,, नानकचन्द जैन	टूण्डला	सरफा के व्यापार

श्री नेमीचन्द जैन	टूण्डला	वस्त्र के व्यापारी
,, पातीराम जैन	टूण्डला	व्यापार
,, प्यारेलाल जैन	टूण्डला	वस्त्र व्यवसायी
,, प्रेमबाबू जैन	टूण्डला	
,, फूलचन्द जैन	टूण्डला	गल्ले के व्यापारी
,, बादशाह जैन	टूण्डला	दुकान
,, बालचन्द जैन	टूण्डला	सर्राफा के व्यापारी
,, बनारसीदास जैन	टूण्डला	वस्त्र व्यवसायी
,, बनवारीलाल जैन	टूण्डला	सर्राफा के व्यापारी
,, बनवारीलाल जैन	टूण्डला	गल्ले के व्यापारी
,, बोहरेलाल जैन	टूण्डला	पंसारहट्ट
,, भगवानस्वरूप जैन	टूण्डला	व्यापार
,, भगवानदास जैन	टूण्डला	वस्त्र व्यवसायी
,, भगवानदास जैन	टूण्डला	सर्राफा के व्यापारी
,, महेशचन्द जैन	टूण्डला	साइकिल के व्या०
,, मंगलसैन जैन	टूण्डला	किराना के व्यव०
,, माणिकचन्द जैन	टूण्डला	व्यापार
,, मूलचन्द जैन	टूण्डला	किराना के व्यापारी
,, मोतीलाल जैन	टूण्डला	व्यापार
,, राजनलाल जैन	टूण्डला	घी के व्यापारी
,, राजनलाल जैन	टूण्डला	होजरी मर्चेन्ट्स
,, रामबाबू जैन	टूण्डला	साइकिल के व्या०
,, रामचन्द्र जैन	टूण्डला	गल्ले के व्यव०
,, ललताप्रसाद जैन	टूण्डला	गल्ले के व्यापारी
,, लालाराम जैन	टूण्डला	वस्त्र विक्रेता
,, लाहोरीमल जैन	टूण्डला	व्यापार
,, वासुदेवप्रसाद जैन	टूण्डला	व्यापार
,, सराफीलाल जैन	टूण्डला	किराना के व्या०
,, सेठलाल जैन	टूण्डला	ठेकेदारी
,, सुनहरीलाल जैन	टूण्डला	मिठाई के व्या०
,, सुनहरीलाल जैन	टूण्डला	किराना के व्या०
,, सुरेशचन्द्र जैन	टूण्डला	गल्ले के व्यापारी
,, सूरजभान जैन	टूण्डला	पान के व्यापारी
,, शान्तीस्वरूप जैन	टूण्डला	किराना के व्या०
,, श्रीराम जैन	टूण्डला	सर्राफा

श्री हजारीलाल जैन	टूण्डला	साइकिल व्यव०
,, हुण्डीलाल जैन	टूण्डला	चित्र व्यवसाय
,, हुण्डीलाल जैन	टूण्डला	मिठाई के व्यापारी
,, हुण्डीलाल जैन	टूण्डला	वस्त्र व्यवसायी
,, मानिकचन्द जैन	टूण्डली	दुकान
,, मुन्नीलाल जैन	टूण्डली	मिठाई की दुकान
,, रामप्रसाद जैन	टूण्डली	व्यापार
,, अजितवीर्य जैन	टेहू	दवा के व्यापारी
,, भगवानस्वरूप जैन	टेहू	व्यापार
,, कंचनलाल जैन	दिनहुली	व्यापार
,, फूलचन्द जैन	दिनहुली	,,
,, बनारसीलाल जैन	दिनहुली	,,
,, प्रभुदयाल जैन	देवखेड़ा	,,
,, मुरलीधर जैन	देवखेड़ा	,,
,, सेतीलाल जैन	देवखेड़ा	,,
,, चतुरीलाल जैन	नगला ताज	,,
,, छोटेलाल जैन	नगला स्वरूप	,,
,, वासुदेव जैन	नगला स्वरूप	,,
,, नेमीचन्द जैन	नगला स्वरूप	,,
,, लखमीचन्द जैन	नगला स्वरूप	,,
,, सूरजपाल जैन	नगला स्वरूप	,,
,, हजारीलाल जैन	नगला स्वरूप	,,
,, प्यारेलाल जैन	नगला सौंठ	दुकान
,, पूनमचन्द जैन	नगला सौंठ	दुकान
,, गौरीशंकर जैन	नगला सिकन्दर	व्यापार
,, जयकुमार जैन	नगला सिकन्दर	,,
,, नेमीचन्द जैन	नगला सिकन्दर	,,
,, राजकुमार जैन	नगला सिकन्दर	,,
,, लालाराम जैन	नगला सिकन्दर	,,
,, जंगपाल जैन	नारखी	दवा आदि
,, नेत्रपाल जैन	नारखी	दुकान
,, मटरूमल जैन	नारखी	,,

श्री सुखनन्दनलाल जैन	नारखी	दुकान
,, हुण्डीलाल जैन	नारखी	,,
,, आलमचन्द जैन	पंचमान	,,
,, रतनलाल जैन	पंचमान	व्यापार
,, उल्फतराय जैन	पचोखरा	परचून का व्यापार
,, मुन्नीलाल जैन	पचोखरा	व्यापार
,, राजनलाल जैन	पचोखरा	,,
,, सेतीलाल जैन	पचोखरा	,,
,, सौनपाल जैन	पचोखरा	,,
,, हरप्रसाद जैन	पचोखरा	,,
,, किरोड़ीमल जैन	पमारी	,,
,, मुन्शीलाल जैन	पमारी	,,
,, लखमीचन्द जैन	पमारी	,,
,, सौनपाल जैन	पमारी	,,
,, श्योप्रसाद जैन	पमारी	,,
,, अजितकुमार जैन	फिरोजाबाद	चूड़ी के व्यापारी
,, अभयकुमार जैन	फिरोजाबाद	व्यापार
,, अभयकुमार ज्योति प्रसाद,	गांधी नगर फिरोजाबाद	,,
,, अमोलकचन्द जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, अमोलकचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, अमोलक चन्द जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, अमोलकचन्द जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,
,, अमोलकचन्द जैन	गांधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, अमृतलाल जैन	मुहल्ला दुली फिरोजाबाद	,,
,, अशोककुमार जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	,,
,, इन्द्रकुमार जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	दुकानदारी
,, इन्द्रकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, इन्द्रसैन जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, उग्रसैन जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,
,, उग्रसैन जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजबाद	,,
,, उग्रसैन जैन	चौकीगेट फिरोजाबाद	,,
,, उग्रसैन जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	व्यापार
,, उमरावप्रसाद जैन	हनुमान गंज फिरोजाबाद	व्यापार

श्री बल्फतराय जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	दुकानदारी
,, ओमप्रकाश बनारसीदास जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	व्यापार
,, ओमप्रकाश जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, कपूरचन्द जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, कमलकुमार जैन	चौबेजी का फाटक फिरोजाबाद	,,
,, कमलकुमार जैन	गांधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, किशनमुरारी जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, कुन्दनलाल जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	,,
,, कुँवरलाल जैन	महावीरनगर फिरोजाबाद	दुकान
,, कंचनलाल जैन	मुहल्ला दुली फिरोजाबाद	व्यापार
,, खजाञ्चीलाल जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, खुशालचन्द जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, गयाप्रसाद जैन	कटरा सुनारान	,,
,, गुलाबचन्द जैन	महावीरनगर फिरोजाबाद	दुकानदारी
,, गेंदालाल जैन	महावीरनगर फिरोजाबाद	व्यापार
,, गौरीशंकर जैन	देवनगर फिरोजाबाद	व्यापार
,, चिरंजीलाल जैन	लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, चिरंजीलाल जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	,,
,, चैनसुखदास जैन	लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, चन्द्रसैन जैन	मुहल्ला चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद	,,
,, छदामीलाल जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	,,
,, छोटेलाल जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, छोटेलाल जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	,,
,, जगदीशचन्द्र जैन	गली लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, जम्बूप्रसाद जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, जयकुमार जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, जयकुमार जैन	मुहल्ला चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद	,,
,, जयकुमार मुन्शीलाल जैन	,, ,,	,,
,, जयकुमार बनारसीदास जैन	,, ,,	,,
,, जयन्तीप्रसाद जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	,,
,, जवाहरलाल जैन	,, ,,	,,
,, जवाहरलाल गुलजारीलाल जैन	फिरोजाबाद	,,
,, जेतीप्रसाद जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, डोरीलाल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, तेजपाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,

श्री तालेवरदास जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	चूड़ी के व्यापारी
,, देवीप्रसाद जैन	मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, देवकुमार जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	व्यापार
,, देवकुमार जैन	चौकी गेट फिरोजाबाद	,,
,, देवकुमार जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, देवकुमार जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, देवेन्द्रकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	किराना के व्या०
,, धनीराम जैन	चौकी गेट फिरोजाबाद	व्यापार
,, धर्मचन्द जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,
,, नत्थीलाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,
,, नन्नूमल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, नेमीचन्द जैन	लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, नेमीचन्द जैन	बड़ी छपेटी फिरोजाबाद	वस्त्र व्यवसायी
,, नेमीचन्द जैन	देवनगर फिरोजाबाद	व्यापार
,, नेमीचन्द जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	,,
,, नेमीचन्द धूरीलाल जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	,,
,, पन्नालाल जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, पुत्तूलाल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, पुष्पेन्द्रकुमार जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	वस्त्र व्यवसायी
,, प्रकाशचन्द्र जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	व्यापार
,, प्रकाशचन्द्र जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, प्रेमचन्द जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	दुकानदारी
,, पंचमाला जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	व्यापार
,, फूलचन्द जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	चूड़ी के व्यापारी
,, फूलचन्द जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	व्यापार
,, बनारसीदास जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,
,, बलभद्रप्रसाद जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, बाबूलाल जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	,,
,, बाबूराम जैन	गली लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, बालमुकुन्द जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,
,, बुद्धसेन जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	,,
,, बुद्धसैन जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, वृन्दावनदास जैन	मुहल्ला चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद	,,
,, भागचन्द जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, भानुकुमार जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,

श्री भामण्डलदास जैन	मुहल्ला चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद	,,
,, मटरूमल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, मनीराम जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, मनोहरलाल जैन	गंज फिरोजाबाद	दुकानदारी
,, महावीरप्रसाद जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	व्यापार
,, महीपाल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	वस्त्र व्यवसायी
,, महेन्द्रकुमार जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	व्यापार
,, मानमल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, मानिकचन्द जैन	लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, मानिकचन्द जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, मानिकचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, मानिकचन्द मुन्नीलाल जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, मुकुन्दीलाल जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,
,, मुन्शीलाल जैन	बड़ामुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, पं० मुन्शीलाल जैन	बड़ामुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, मुन्शीलाल जैन	महावीरनगर फिरोजाबाद	,,
,, मुन्शीलाल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	दुकानदारी
,, मोतीलाल जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	व्यापार
,, मोहनलाल जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, मोहनलाल जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, मोहनलाल जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	,,
,, मंजूलाल जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	रंग रोगनके व्या०
,, रघुनाथप्रसाद जैन	बड़ामुहल्ला फिरोजाबाद	व्यापार
,, रघुवरदयाल जैन	चौकीगेट फिरोजाबाद	,,
,, रघुवरदयाल जैन	जलेसररोड फिरोजाबाद	,,
,, रघुवीरप्रसाद जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	चूड़ी के व्यापारी
,, रघुवंशीलाल जैन	महावीरनगर फिरोजाबाद	मिठाई के व्या०
,, रतनलाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	व्यापार
,, रतनलाल जैन	मुहल्ला कोटला फिरोजाबाद	,,
,, रतनलाल जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,
,, राजकिशोर जैन	चौकीगेट फिरोजाबाद	,,
,, राजकिशोर जैन	बड़ामुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, राजकुमार जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, राजकुमार जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,
,, राजनलाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,

श्री राजनलाल जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	चूड़ी के व्यापारी
,, राजनलाल जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	व्यापार
,, राजबहादुर जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,
,, राजेन्द्रकुमार जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, राधामोहन जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,
,, रामप्रकाश जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,
,, रामस्वरूप जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,
,, रामस्वरूप जैन	कटरा सुनारान फिरोजाबाद	,,
,, रामशरण जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	पंसारट की दुकान
,, लखपतराय जैन	रामलीलामैदान फिरोजाबाद	व्यापार
,, लालकुमार जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	,,
,, वासुदेवप्रसाद जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, विजयकुमार जैन	गली लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, विजयभान जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	,,
,, विजयभान जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, विदनलाल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, विनोदीलाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,
,, विनोदीलाल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, विश्वम्भरदयाल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, वंगालीलाल जैन	हनुमान गंज फिरोजाबाद	,,
,, बंगालीलाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,
,, श्यामबाबू जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	,,
,, श्यामबाबू जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, श्यामसुन्दरलाल जैन	कृष्ण पाड़ा फिरोजाबाद	,,
,, शान्तीप्रसाद जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, शान्तीलाल जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, शान्तीस्वरूप जैन	गांधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, शान्तीस्वरूप जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,
,, साहूलाल जैन	गांधीगर फिरोजाबाद	,,
,, शिखरचन्द जैन	महावीरनगर फिरोजाबाद	,,
,, श्योप्रसाद जैन	मुहल्ला चन्द्राप्रभू फिरोजाबाद	,,
श्रीमती श्रीदेवी जैन	लोहियान फिरोजाबाद	,,
श्री श्रीनिवास जैन	देवनगर फिरोजाद	,,

श्री श्रीपाल जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	व्यापार
,, श्रीराम जैन	गांधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, श्रीलाल जैन	गली लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, श्रीलाल जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	,,
,, शाहकुमार जैन	गांधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, सन्नूमल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, सीताराम जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	,,
,, सुखदेवप्रसाद जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, सुखनन्दनलाल जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	,,
,, सुखलाल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	सर्राफा के व्यापारी
,, सुखवरदयाल जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	व्यापार
,, सुगनचन्द जैन	फिरोजाबाद	,,
,, सुदर्शन जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, सुनहरीलाल जैन	लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, सुनहरीलाल जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, सुनहरीलाल जैन	नई बस्ती फिराजाबाद	,,
,, सुनहरीलाल जैन	मुहल्ला चन्द्राप्रभ फिरोजाबाद	,,
,, सुनहरीलाल श्रीगोपाल जैन	मुहल्ला चन्द्राप्रभ फिरोजाबाद	,,
,, सुनहरीलाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,
,, सुनहरीलाल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, सुमनप्रसाद जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, सुमतिप्रकाश जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	फिरोजाबाद	,,
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	गली लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	गान्धी नगर फिरोजाबाद	,,
,, सुरेन्द्रचन्द्र जैन	चन्द्रवार गेट फिरोजाबाद	,,
,, सुरेशचन्द्र जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	,,
,, सूरजपाल जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	,,
,, सेतीलाल जैन	मुहल्ला दुली फिरोजाबाद	,,
,, सौनपाल जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	,,
,, सन्तकुमार जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,
,, हजारीलाल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, हजारीलाल जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	,,
,, हरसुखराय जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, हरसुखराय जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	,,

श्री हरिशंकर जैन	मुहल्ला चन्द्राप्रभू फिरोजाबाद	व्यापार
,, हुण्डीलाल जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	,,
,, हुण्डीलाल जैन	गान्धी नगर फिरोजाबाद	,,
,, त्रिलोकचन्द जैन	चौकी गेट फिरोजाबाद	,,
,, ज्ञानचन्द जैन	मुहल्ला दुली फिरोजाबाद	,,
,, छदामीलाल जैन	बड़ागाँव	व्यापार
,, छदामीलाल सुखनन्दन जैन	बड़ागाँव	,,
,, रामस्वरूप जैन	बड़ागाँव	,,
,, जवाहरलाल जैन	मदावली	व्यापार
,, पारसदास जैन	मदावली	,,
,, लखमीचन्द जैन	मदावली	,,
,, छदामीलाल जैन	मरसैना	वस्त्र व्यवसायी
,, भौंदामल जैन	मरसैना	व्यापार
,, मुन्शीलाल जैन	मरसैना	,,
,, लालाराम जैन	मरसैना	दुकानदारी
,, प्रेमचन्द जैन	भौंडेला	व्यापार
,, कालीचरण जैन	मुहम्मदाबाद	क्रीडा-वस्तु
,, छोटेलाल जैन	मुहम्मदाबाद	व्यापार
,, मुन्शीलाल जैन	मुहम्मदाबाद	व्यापार
,, दरबारीलाल जैन	मुहम्मदाबाद	परचून के व्यापार
,, बाबूलाल जैन	मुहम्मदाबाद	फुटकर व्यापार
,, उग्रसैन जैन	मौमदी	व्यापार
,, बंगालीलाल जैन	मौमदी	,,
,, मानिकचन्द जैन	मौमदी	,,
,, रतनलाल जैन	मौमदी	,,
,, राजनलाल जैन	मौमदी	,,
,, लखपतराय जैन	मौमदी	,,
,, हुण्डीलाल जैन	मौमदी	,,
,, प्रेमचन्द जैन	राजपुर	किराना के व्या०
,, साहूकार जैन	राजपुर	गल्ला के व्यापारी
,, गुरुदयाल जैन	राजा का ताल	व्यापार
,, देवेन्द्रकुमार जैन	राजा का ताल	,,
,, पातीराम जैन	राजा का ताल	,,

श्री बद्रीप्रसाद जैन	राजाका ताल	व्यापार
,, बनवारीलाल जैन	राजाका ताल	,,
,, बुद्धसैन जैन	राजाका ताल	,,
,, मुन्शीलाल जैन	राजाका ताल	गल्ले के व्यापारी
,, रतनलाल जैन	राजाका ताल	वस्त्र व्यवसायी
,, ब्रजनन्दन जैन	राजाका ताल	व्यापार
,, विजयकुमार जैन	राजाका ताल	वस्त्र सिलाई
,, साहूलाल जैन	राजाका ताल	व्यापार
,, श्रीनिवास जैन	राजाका ताल	,,
,, श्रीलाल जैन	राजाका ताल	,,
,, अमृतलाल जैन	रैपुरा	,,
,, घमण्डीलाल जैन	लतीपुर	,,
,, रामसिंह जैन	लतीपुर	,,
,, मुन्शीलाल जैन	लतीपुर	,,
,, अमीचन्द जैन	वरहन	दुकानदारी
,, उल्फतराय जैन	वरहन	वस्त्र व्यवसाय
,, कपूरचन्द जैन	वरहन	वस्त्र व्यवसाय
,, केदारनाथ जैन	वरहन	व्यापार
,, गुलजारीलाल जैन	वरहन	वस्त्र व्यवसायी
,, गौरीशंकर जैन	वरहन	वस्त्र व्यवसाय
,, छदामीलाल जैन	वरहन	व्यापार
,, जुगलकिशोर जैन	वरहन	,,
,, पद्मचन्द जैन	वरहन	,,
,, फूलचन्द जैन	वरहन	,,
,, बालमुकुन्द जैन	वरहन	,,
,, रामस्वरूप जैन	वरहन	,,
,, लखपतराय जैन	वरहन	,,
,, सुनहरीलाल जैन	वरहन	,,
,, कालीचरण जैन	वसई	,,
,, जियालाल जैन	वसई	,,
,, धन्यकुमार जैन	वसई	,,
,, मेघकुमार जैन	वसई	,,
,, गुलाबचन्द जैन	वासरिसाल	गल्ले के व्यापारी
,, नेमीचन्द जैन	वासरिसाल	,,

श्री सैमीचन्द जैन	वासरिसाल	कपड़े के व्यव०
,, लालाराम जैन	बाघाई	व्यापार
,, मुन्शीलाल जैन	बुजर्ग खंजर	दुकानदारी
,, नन्नूमल जैन	सखावतपुर	व्यापार
,, मुन्नीलाल जैन	सखावतपुर	,,
,, रामदयाल जैन	सखावतपुर	,,
,, सुखपाल जैन	सखावतपुर	,,
,, आजितप्रकाश जैन	सराय जयराम	,,
,, खेमराज जैन	सराय जयराम	,,
,, चन्द्रसेन जैन	सराय जयराम	,,
,, द्वारकाप्रसाद जैन	सराय जयराम	,,
,, नत्थीलाल जैन	सराय जयराम	,,
,, मनोहरलाल जैन	सराय जयराम	,,
,, राजेन्द्रकुमार जैन	सराय जयराम	,,
,, लखपतराय जैन	सराय जयराम	,,
,, श्रीलाल जैन	सराय जयराम	,,
,, ढुण्डीलाल जैन	सराय जयराम	,,
,, दुलीचन्द जैन	सराय नूरमहल	,,
,, बुद्धसैन जैन	सराय नूरमहल	,,
,, मुन्शीलाल जैन	सराय नूरमहल	,,
,, रामसिंह जैन	सराय नूरमहल	,,
,, मूलचन्द जैन	सिकतरा	,,
,, पन्नालाल जैन	सैमरा	,,
,, परसादीलाल जैन	सैमरा	,,
,, मुन्नीलाल जैन	सैमरा	दुकानदारी
,, लछमनप्रसाद जैन	सैमरा	,,
,, लालराम जैन	सैमरा	,,
,, विदनलाल जैन	सैमरा	,,
,, सराफीलाल जैन	सैमरा	,,
,, साहूकार जैन	सैमरा	,,
,, श्रीपाल जैन	सैमरा	,,
,, श्रीलाल जैन	सैमरा	,,
,, छोटेलाल जैन	हिम्मतपुर	गल्ले के व्यापारी

श्री रामकिशोर जैन	हिम्मतपुर	व्यापार
,, राजनलाल जैन	हिम्मतपुर	,,
,, शिखरचन्द जैन	हिम्मतपुर	मिठाई के व्या०

जिला-इटावा

●

श्री परसादीलाल जैन	फफूंद स्टेशन	मिठाई के व्यव०
,, मानिकचन्द जैन	स्टेशनबाजार इटावा	,,
,, राजनलाल जैन	रेलवे स्टेशन इटावा	,,

जिला-इन्दौर

●

श्री अशोककुमार जैन	३० जूनापीठ इन्दौर	व्यवसायी
,, इन्दौरीलाल जैन	छोटी ग्वालटोली इन्दौर	,,
,, ओमप्रकाश जैन	छोटी ग्वालटोली इन्दौर	,,
,, कमलेशकान्त जैन	१८ सीतलामाताबाजार इन्दौर	पुस्तक व्यवसायी
,, कान्तीस्वरूप जैन	१८ सीतलामाताबाजार इन्दौर	,,
,, चन्द्रकान्त जैन	१८ सीतलामाताबाजार इन्दौर	,,
,, चन्द्रसैन जैन	छोटीग्वालटोली इन्दौर	व्यवसायी
,, चिरंजीलाल जैन	नसियारोड इन्दौर	,,
,, देवेन्द्रकुमार जैन	इन्द्रभवन तुकोगंज इन्दौर	,,
,, श्रेयांशकुमार जैन	इन्द्रभवन तुकोगंज इन्दौर	,,
,, फूलचन्द जैन	इन्दौर	,,
,, महेन्द्रकुमार जैन	वेयरहाउसरोड इन्दौर	,,
,, साहूलाल जैन	१५२२ नन्दानगर इन्दौर	,,
,, सूर्यपाल जैन	इन्द्रभवन तुकोगंज इन्दौर	,,
,, श्यामस्वरूप जैन	८६ सीतलामाता बाजार इन्दौर	,,
,, शशिकान्त जैन	१८ सीतलामाताबाजार इन्दौर	पुस्तक विक्रेता
,, श्रीधर जैन	गोराकुण्ड इन्दौर	व्यवसायी
,, हुकुमचन्द जैन	तिजोरीगली इन्दौर	,,

जिला-इलाहाबाद

●

श्री गोपालदास जैन	जानसनगंज १३० इलाहाबाद	पुस्तक विक्रेता
,, चन्द्रपाल जैन	जानसनगंज १३० इलाहाबाद	,,
,, भगवानदास जैन	जानसनगंज १३० इलाहाबाद	,,

जिला-उज्जैन

श्री बाबूलाल जैन	खाराकूँआ उज्जैन	घृत-व्यवसायी
,, भानूकुमार जैन	आदीश्वर बैंगिल स्टोर नई सड़क उज्जैन	चूड़ी-व्यवसायी
,, शान्तिलाल जैन	खारा कूँआ उज्जैन	चाय-व्यवसायी
,, हुकुमचन्द जैन	मुसहरि पुरा उज्जैन	सिलाई-व्यवसायी

जिला-उदयपुर

श्री पूर्णचन्द्र जैन	भीमवाया व्यावर	व्यवसायी

जिला-एटा

श्री अजितकुमार जैन	अवागढ़	वस्त्र विक्रेता
,, अमोलकचन्द जैन	मैनगंज अवागढ़	लोहे के व्यवसायी
,, अमृतलाल जैन	मैनगंज अवागढ़	किराना के व्यापारी
,, अमृतलाल जैन	रिजावली	परचूनकी दुकान
,, अशरफीलाल जैन	जलेसर	परचून की दुकान
,, अशरफीलाल जैन	एटा	वस्त्र विक्रेता
,, इन्द्रकुमार जैन	एटा	वस्त्र विक्रेता
,, इन्द्रचन्द्र जैन	वासमण्डी एटा	गल्लेके आढ़ती
,, इन्द्ररतन जैन	कैलाशगंज एटा	वस्त्र व्यवसायी
,, ईशमलाल जैन	मु० बलदेव सहाय एटा	मिठाई के ठेकदार
,, उग्रसेन जैन	बाबूगंज एटा	वस्त्र व्यवसायी
,, कमलकुमार जैन	अवागढ़	वस्त्र व्यवसायी
,, करनसिंह जैन	एटा	घी के व्यापारी
,, किशनस्वरूप जैन	शेरगंज जलेसर	परचून की दुकान
,, कुंजीलाल जैन	बड़ी सड़क एटा	किरानाके व्यापारी
,, खुशालीराम जैन	सरायनीम	दुकान
,, गजाधरलाल जैन	वोरीकलां	व्यापार
,, गिरनारीलाल जैन	तखावन	परचून के व्यापारी
,, गुणधरलाल जैन	मैनगंज एटा	परचून की दुकान
,, गुरूदयाल जैन	मैनगंज एटा	किराना की दुकान
,, चन्द्रसेन जैन	मैनगंज एटा	किराना की दुकान

श्री चन्द्रसेन जैन	समसपुर	प्रिन्टिग प्रेस
,, चन्द्रसेन जैन	जलेसर	परचून की दुकान
,, चन्द्रसेन जैन	अवागढ़	वस्त्र व्यवसायी
,, चन्द्रप्रकाश जैन	सदर बाजार अवागढ़	वस्त्र व्यवसाय
,, छेदालाल जैन	शिवगंज एटा	वस्त्र व्यवसाय
,, छोटेलाल जेन	निधोली कला	वस्त्र व्यवसायी
,, क्षेमकरण जैन	मैनगंज एटा	वस्त्र व्यवसायी
,, ज्योतिप्रसाद जैन	मैनगंज एटा	किराना की दुकान
,, जमुनादास जैन	मलावन	किराना आदि
,, जमुनादास जैन	५५ नं० मुहल्ला मिसराना एटा	वस्त्र व्यवसाय
,, जयकुमार जैन	मण्डीजवाहर गंज जलेसर	किराना का दुकान
,, जयकुमार जैन	मैनगंज एटा	दवा विक्रेता
,, जयन्तीप्रसाद	मैनगंज एटा	किराना की दुकान
,, जयन्तीप्रसाद जैन	सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा	बिसातखाना
,, जिनवरदास जैन	मैनगंज एटा	सराफा की दुकान
,, जुगमन्दिरदास जैन	सुन्दरलाल स्ट्रीट	वस्त्र व्यवसायी
,, झण्डूलाल जैन	एटा	किराना की दुकान
,, डोरूलाल जैन	जलेसर	परचून का दुकान
,, दयाशंकर जैन	गलीचिरंजीलाल एटा	वस्त्र व्यवसायी
,, दरबारीलाल जैन	बड़ेमन्दिरके पास एटा	बिसातखाना
,, दरबारीलाल जैन	मैनगंज एटा	पुस्तकों की दुकान
,, दरबारीलाल जैन	श्रावक मुहल्ला एटा	वस्त्र व्यवसाय
,, दुर्गाप्रसाद जैन	समसपुर	दुकान
,, देवकुमार जैन	शेरगंज जलेसर	दुकान
,, देवीदयाल जैन	एटा	पंसारहट्ट
,, धन्यकुमार जैन	मैनगंज एटा	परचून की दुकान
,, धन्यकुमार जैन	अवागढ़	सर्राफा की दुकान
,, धर्मप्रकाश जैन	अवागढ़	वस्त्र व्यवसायी
,, नाथूराम जैन	जलेसर	जलपानगृह
,, नन्नूमल जैन	अवागढ़	किराना की दुकान
,, नरेन्द्रकुमार जैन	हिरौंदी	व्यापार-व्यवसाय
,, निरंजनलाल जैन	जलेसर	व्यापार
,, नेमीचन्द जैन	मण्डी जवाहरगंज	किराना की दुकान
,, नेमीचन्द जैन	अवागढ़	दवा विक्रेता
,, नेमीचन्द जैन	मुहल्ला श्रवकानएटा	मनिहारी की दुकान

श्री नेमीचन्द जैन	बनारसीकुंज जलेसर	किराना की दुकान
,, पन्नालाल जैन	समसपुर	दुकान
,, प्रभाकरचन्द जैन	शेरगंज जलेसर	फ्लौर मिल
,, प्रेमचन्द जैन	ठण्डीसड़क एटा	किराना के व्यापारी
,, प्रेमचन्द जैन	एटा	वस्त्र व्यवसायी
,, प्रेमचन्द जैन	शेरगंज जलेसर	कमीशन एजेन्ट
,, बंगालीदास जैन	मैनगंज एटा	बरतन व्यवसायी
,, बंगालीमल जैन	अवागढ़	घी के व्यवसायी
,, बंगालीलाल जैन	एटा	वस्त्र व्यवसायी
,, बनारसीदास जैन	रारपट्टी एटा	दुकान
,, बाबूराम जैन	अवागढ़	साहूकारी
,, बालकिशन जैन	अवागढ़	बरतन व्यवसायी
,, भामण्डलदास जैन	जलेसर	घुंघरू के व्यापारी
,, भूधरदास जैन	मैनगंज एटा	बरतन के व्यवसायी
,, मदारीलाल जैन	हलवाईखाना जलेसर	घी कपड़ा आदि
,, महेशचन्द जैन	श्रावकाना एटा	वस्त्र व्यवसायी
,, महीपाल जैन	मैनगंज एटा	वस्त्र व्यवसायी
,, महीपाल जैन	जलेसर	दुकान
,, महेन्द्रकुमार जैन	अवागढ़	वस्त्र व्यवसायी
,, मानिकचन्द जैन	श्रावकाना एटा	वस्त्र व्यवसायी
,, मातादीन जैन	भलावन	किराना तथा मनि०
,, मुन्नीलाल जैन	अवागढ़	किराना की दुकान
,, मुन्शीलाल जैन	अवागढ़	वस्त्र व्यवसायी
,, मुन्शीलाल जैन	एटा	साहूकारी
,, मुन्शीलाल जैन	मैनगंज एटा	वस्त्र व्यवसायी
,, मुन्शीलाल जैन	एटा	आढ़ती
,, मुन्शीलाल जैन	मैनगंज एटा	किराना की दुकान
,, मुन्शीलाल जैन	समसपुर	परचून की दुकान
,, मूलचन्द जैन	अवागढ़	वस्त्र व्यवसायी
,, मोतीलाल जैन	बड़ागांव पो० पिलुआ	गल्ले के व्यवसायी
,, मोरध्वज जैन	मैनगंज	सराफा
,, मोरध्वज जैन	शिवगंज एटा	किराना के व्यापारी
,, मोरमुकुट जैन	पुरानाबाजार एटा	,,
,, मोरमुकुट जैन	पुरानाबाजार एटा	बरतन के व्यापारी
,, रघुवरदयाल जैन	कैलाशगंज एटा	घी के व्यवसायी

५८

श्री रतनलाल जैन	हिनोना	व्यापार व्यवसाय
,, रतनलाल जैन	अवागढ़	किराना की दुकान
,, राजकिशोर जैन	शेरगंज जलेसर	घी के व्यापारी
,, राजकुमार जैन	श्रावकाना एटा	सर्राफा की दुकान
,, राजकुमार जैन	मैनगंज एटा	किराना की दुकान
,, राजकुमार जैन	पुलिआ एटा	सीमेन्ट की एजेन्सी
,, राजकुमार जैन	मैनगंज एटा	लोहेके व्यवसायी
,, राजकुमार जैन	शेरगंज जलेसर	घी के व्यापारी
,, राजकुमार जैन	जिरसमी	व्यापार
,, राजनलाल जैन	जलेसर	परचून की दुकान
,, राजपाल जैन	कैलाशगंज एटा	किराना की दुकान
,, राजवीर जैन	कैलशगंज एटा	किराना की दुकान
,, राजाराम जैन	रारपट्टी	दुकान
,, राजेन्द्रकुमार जैन	बिला रोड अवागढ़	वस्त्र व्यवसायी
,, राजेन्द्रकुमार जैन	पुराना बाजार एटा	बिसातखाना
,, राजेन्द्रकुमार जैन	बारहदरी अवागढ़	वस्त्र व्यवसायी
,, राजेन्द्रकुमार जैन	मैनगंज एटा	किराना की दुकान
,, रामदयाल जैन	बारा समसपुर	परचून की दुकान
,, रामप्रसाद जैन	सरावगियान एटा	वस्त्र व्यवसायी
,, रामस्वरूप जैन	कैलाशगंज एटा	ठेकेदारी
,, रामस्वरूप जैन	वेलनगंज एटा	किराना की दुकान
,, रामस्वरूप जैन	मैनगंज एटा	किराना की दुकान
,, रामस्वरूप जैन	सदरबाजार अवागढ़	जनरल मर्चेन्ट्स
,, लक्ष्मीधर जैन	अवागढ़	जमीन्दारी
,, लक्ष्मीनारायण जैन	मैनगंज एटा	किराना की दुकान
,, लालाराम जैन	कटरा मुहल्ला एटा	बिसातखाना
,, वहोरीलाल जैन	राजमल	व्यापार व्यवसाय
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	निधोलीकलां	वस्त्र व्यवसायी
,, सम्पतिलाल जैन	एटा	किराना की दुकान
,, सरनामसिंह जैन	तखावन	परचून की दुकान
,, साहूलाल जैन	बासमण्डी एटा	गल्लेकी आढ़त
,, सुखनन्दनलाल जैन	मझराऊ	व्यापार
,, सुनहरीलाल जैन	बारहदरी अवागढ़	किराना मर्चेन्ट्स
,, सुनहरीलाल जैन	सदरबाजार अवागढ़	वस्त्र व्यवसायी
,, सुनहरीलाल जैन	राजमल	व्यापार

श्री सुमतप्रसाद जैन	मैनगंज एटा	किराना की दुकान
,, सुरेशचन्द्र जैन	मैनगंज एटा	पुस्तक व्यवसाय
,, सुरेशचन्द जैन	मैनगंज एटा	व्यापार
,, सेतीलाल जैन	बारासमसपुर	व्यापार एवं दुकान
,, श्योप्रसाद जैन	बारहदरी अवागढ़	वस्त्र व्यवसायी
,, श्योप्रसाद जैन	मिश्रान एटा	बिसातखाना
,, शान्तीस्वरूप जैन	मैनगंज एटा	सब्जी की आढ़त
,, शान्तीस्वरूप जैन	मैनगंज एटा	वस्त्र व्यवसायी
,, शाहकुमार जैन	मैनगंज एटा	परचून की दुकान
,, शुकदेवप्रसाद जैन	पटयाली दरवाजा मैनगंज एटा	वस्त्र व्यवसायी
,, शुकदेवप्रसाद जैन	मैनगंज एटा	किराना की दुकान
,, श्रवणकुमार जैन	किला रोड अवागढ़	वस्त्र व्यवसायी
,, श्रीचन्द जैन	मैनगंज एटा	वस्त्र व्यवसायी
,, श्रीनन्दन जैन	पौंडरी	वस्त्र एवं घी के व्यव०
,, श्रीनिवास जैन	किला रोड अवागढ़	वस्त्र व्यवसायी
,, श्रीलाल जैन	बड़ागाँव	गल्ले के व्यापारी
,, श्रीलाल जैन	मैनगंज एटा	अत्तार खाना
,, हजारीलाल जैन	तखावन	दुकान
,, हजारीलाल जैन	मैनगंज एटा	किराना की दुकान
,, हजारीलाल जैन	एटा	आढ़त की दुकान
,, हरमुखराय जैन	एटा	औषध-व्यवसाय
,, हरमुखराय जैन	एटा	व्यापार
,, हरमुखराय जैन	सकरौली	व्यापार
,, हरिकेनप्रसाद जैन	एटा	व्यापार
,, हुण्डीलाल जैन	राजमल	व्यापार
,, हुण्डीलाल जैन	बड़ागाँव	घी गल्ले के व्यापारी
,, हुण्डीलाल	अवागढ़	किराना की दुकान
,, होतीलाल जैन	शिवगंज एटा	व्यापार
,, होतीलाल जैन	पौण्डरी	व्यापार
,, होरीलाल जैन	एटा	वस्त्र-व्यवसायी

जिला-कलकत्ता

●

श्री अर्जुनकुमार जैन	११३ महात्मा गान्धी रोड कलकत्ता	व्यवसायी
,, उग्रसेन जैन	५६ अपरचितपुर रोड कलकत्ता	व्यवसायी

श्री कपूरचन्द जैन पाण्डेय	६१ अपरचितपुर रोड कलकत्ता	व्यवसायी
,, जुगमन्दिर दास जैन	११३ महात्मा गान्धी रोड कलकत्ता	बरतन-व्यवसायी
,, तेजपाल जैन	८५ बड़तल्ला स्ट्रीट कलकत्ता	बरतन-व्यवसायी
,, नेमीचन्द जैन	८५ बड़तल्ला स्ट्रीट कलकत्ता	व्यवसायी
,, नेमीचन्द जैन	२।१ डी० गोविन्द अड्डी रोड कलकत्ता	व्यवसायी
,, नेमीचन्द जैन	१५।बी० इब्राहिमरोड खिदिरपुर कलकत्ता	वस्त्र व्यवसायी
,, भगवानस्वरूप जैन	५९ तुलापट्टी कलकत्ता	वर्तन व्यवसायी
,, भद्रसेन जैन	५६ अपरचितपुर रोड कलकत्ता	व्यवसायी
,, महेन्द्रकुमार जैन	१३४ तुलापट्टी कलकत्ता	बरतन व्यवसायी
,, मिश्रीलाल जैन	११ शिवकिशन दा लैन (जोड़ासांकू)	जवाहरात व्यव०
,, मोहनलाल जैन	६३ बड़तल्ला स्ट्रीट कलकत्ता	व्यवसायी
,, राजकुमार जैन	२।१ हंसपुखरिया कलकत्ता	व्यवसायी
,, विनयकुमार जैन	२२२।२२३ आचार्य प्रफुल्लचन्द्र रोड कल०	व्यवसायी
,, सुखदेवप्रसाद जैन	३९ बी० कलाकार स्ट्रीट कलकत्ता	व्यवसायी
,, सन्तोषकुमार जैन	१९३ राजादीनेन्द्र स्ट्रीट कलकत्ता	व्यवसायी
,, शान्तिप्रकाश जैन	११३ महात्मा गान्धी रोड कलकत्ता	व्यवसायी

जिला-कानपुर

श्री जयन्तीप्रसाद जैन	अनवरगंज कानपुर	मिठाई के व्या०
,, प्रकाशचन्द जैन	घाटमपुर चौराहा कानपुर	मिठाई के व्या०
,, भोलानाथ जैन	सब्जी मण्डी धनकुट्टी कानपुर	लोहे के व्यापारी
,, मुन्शीलाल जैन	हटिया कानपुर	लोहे के व्यापारी
,, राजकुमार जैन	अनवरगंज कानपुर	मिठाई के व्या०
,, स्वरूपचन्द जैन	घाटमपुर	मिठाई के व्यापारी
,, सन्तकुमार जैन	७०।४९ मथुरी मुहल्ला कानपुर	सीमेन्ट के व्या०
,, श्रीलाल जैन	घाटमपुर	मिठाई के व्यापारी
,, हुकुमचन्द जैन	घाटमपुर चौराहा	मिठाई के व्यापारी

जिला-ग्वालियर

श्री कल्याणदास जैन	माधवगंज लश्कर	व्यवसायी
,, कामताप्रसाद जैन	नयाबाजार लश्कर	,,
,, काश्मीरीलाल जैन	मामाकाबाजार लश्कर	,,
,, चम्पालाल जैन	माधवगंज लश्कर	,,

श्री रोशनलाल जैन	पाटनका बाजार लश्कर	व्यवसायी

जिला-गोवालपाड़ा

●

श्री चन्दनमल जैन	जुलियापट्टी धुबड़ी	व्यवसाय

जिला-चौबीस परगना

●

श्री बनारसीदास जैन	चित्तीगंज बजबज	व्यवसायी
,, मुन्शीलाल जैन	गाडुरियाबाजार, श्यामनगर	वस्त्र व्यवसायी

जिला-जोधपुर

●

श्री रामकुमार जैन	स्टेशनरोड जोधपुर	व्यवसायी

जिला-देहली

●

श्री अजितकुमार जैन शास्त्री	४९७३ आ०के० पहाड़ी धीरज देहली-६	प्रिन्टिग प्रेस
,, अटलचन्द जैन	गलीखजाञ्चीवाली दरीबा कलां देहली	दुकानदारी
,, अमृतलाल जैन	३४६ कटरा तम्बाकू चावड़ीबाजार दे०	व्यापारी
,, कालीचरण जैन	१२५९ गली गुलियान देहली-६	मिठाई की दुकान
,, करोड़ीमल जैन	४२१० आर्यपुरा सब्जीमण्डी देहली-६	आढ़त के व्यापारी
,, गुलजारीलाल जैन	दरीबाकलां देहली	मिठाई के व्यापारी
,, चन्दूलाल जैन	३०२८ मस्जिद खजूर धर्मपुरा देहली-६	स्टेशनर्स
,, छदामीलाल जैन	६५५ कटरानील महावीरगली देहली-६	मिठाई के व्यापारी
,, जगरूपशाह जैन	५१३।११ गान्धीनगर देहली-६	पेपर मर्चेन्ट्स
,, जम्बूदास जैन	३३१२ दिल्लीगेट देहली	वस्त्र व्यवसायी
,, जयन्तीप्रसाद जैन	२८७८ चहलपुरी किनारीबाजार दे०	व्यापारी
,, दरबारीलाल जैन	२५७५ नीमवाली गली	व्यापारी
,, देवकुमार जैन	९९५।४९ बी० कैलाशनगर देहली	मिठाई के व्यापारी
,, देवेन्द्रकुमार जैन	दरीबाकलां देहली	,,

श्री नन्नूमल जैन	२६९० रोशनपुरा नईसड़क देहली	प्रेस एवं पुस्तक
,, नेमचन्द जैन	२२०७ ग० भू० मस्जिद खजूर देहली-६	मिठाई के व्यापारी
,, नेमीचन्द जैन	दरीबाकलां देहली	,,
,, नेमीचन्द जैन	१४९४ ग० पी० नईसड़क देहली-६	बुकस्टाल
,, पद्मसैन जैन	५९ ग० ख० चान्दनीचौक देहली-६	बरफ व्यवसाय
,, पातीराम जैन	२३४१ धर्मपुरा देहली-६	परचून के व्यापारी
,, प्रकाशचन्द्र जैन	२३६७ छ० शा० चावड़ी बाजार दे०	पेपर मर्चेन्ट्स
,, प्रभुदयाल जैन	खारीबावली देहली	व्यापार
,, प्रेमचन्द जैन	२५०६ धर्मपुरा देहली-६	परचून के व्यापारी
,, भोलानाथ जैन	१५३४ कूंचासेठ देहली-६	पुस्तक प्रकाशक वि०
,, महावीरप्रसाद जैन	२२३९ धर्मपुरा देहली-६	गल्ले के व्यारी
,, महावीरप्रसाद जैन	३४२४ दिल्लीगेट देहली-६	सर्राफे के व्यापारी
,, महेन्द्रकुमार जैन	१७७४ कू० ल० दरीबाकलां देहली-६	इलेक्ट्रिक कम्पनी
,, महेन्द्रकुमार जैन	युसूफसराय देहली	परचून के व्यापारी
,, महेन्द्रकुमार जैन	३३१२ दिल्लीगेट देहली	वस्त्र व्यवसायी
,, मोतीलाल जैन	३४२४ दिल्लीगेट देहली	सर्राफा के व्यापारी
,, रमेशचन्द जैन	२५४० ना०बा० चावड़ीबाजार देहली-६	किराने के व्यापारी
,, राजनलाल जैन	खजूरी मस्जिद देहली-६	व्यापार
,, राजेन्द्रकुमार जैन	१७२८ चीराखाना देहली	,,
,, रामप्रसाद जैन	खारी बावली देहली	किराना के व्यापारी
,, लटूरीप्रसाद जैन	२२०३ गली भूतवाली देहली	व्यापार
,, वज्रसैन जैन	२८७८ चहलपुरी किनारीबाजार दे०	घी के व्यापारी
,, विनोदप्रकाश जैन	४८ वी रघुवरपुरा, गांधीनगर देहली	आटा चक्की
,, विमलकिशोर जैन	२२३९ धर्मपुरा देहली ६	गल्ले के व्यापारी
,, वीरेन्द्रप्रसाद जैन	२३ प्रेम निवास अंसारी रोड देहली	घी के व्यापारी
,, सन्तकुमार जैन	१९६ गुरुद्वारा रोड गांधीनगर देहली ६	वस्त्र व्यवसायी
,, श्रीनिवास जैन	खजूर की मस्जिद देहली	व्यापार
,, श्रीप्रकाश जैन	१७२८ चीरा खाना देहली	साड़ी के व्यापारी
,, श्रीलाल जैन	२२५३ गली पहाड़वाली, देहली ६	जनरल मर्चेन्ट्स

श्री हुण्डीलाल जैन	खारी बावली देहली	किराना के व्यापारी
,, हुण्डीलाल जैन	५३३।२३ ए, गान्धी नगर देहली ३१	वस्त्र विक्रेता

जिला-नागपुर

●

श्री अम्बादास गोविन्दासजैन नाकाडे,	झण्डा चौक नागपुर	व्यवसायी
,, बाबूराव नागोबा जैन मुठमारे	गरुड़ खांब इतवारी नागपुर	व्यवसाय
,, लक्ष्मणराव देवमनसाव जैन वोबड़े	लखमा-अखाड़े के पास नागपुर	सर्राफी

जिला-पटना

●

श्री उमेशचन्द्र जैन	पटना	सुन्डी व्यवसायी
,, गिरनारीलाल जैन	पटना	,,

जिला-पूर्णिया

●

श्री सूरजभान जैन	ठाकुरगंज	व्यवसायी

जिला-फतेहपुर

●

श्री कन्हैयालाल जैन	फतेहपुर	परचून के व्यवसायी
,, कुन्दनलाल जैन	लालूगंज कोड़ा जहानाबाद	मिठाई के व्यापारी
,, खजांचीलाल जैन	फतेहपुर	परचून के व्यापारी
,, चन्दनलाल जैन	रेलवे बाजार फतेहपुर	मिठाई के व्यापारी
,, छुट्टनलाल जैन	फतेहपुर	मिठाई के व्यापारी
,, जोरावरमल जैन	चौक बाजार कोड़ा जहानाबाद	मिठाई के व्यापारी
,, नन्दनलाल जैन	लालूगंज कोड़ा जहानाबाद	मिठाई के व्यापारी
,, नेमीचन्द जैन	बाकरगंज कोडा जहानाबाद	मिठाई के व्यापारी
,, बृजमोहनलाल जैन	रेलवे बाजार फतेहपुर	परचून के व्यापारी
,, महावीरप्रसाद जैन	कोडा जहानाबाद	मिठाई के व्यापारी
,, माणिकचन्द जैन	चौक बाजार कोडा जहानाबाद	परचून के व्यापारी
,, मोतीलाल जैन	लालूगंज कोडा जहानाबाद	मिठाई के व्यापारी
,, रामदुलारे जैन	बाकरगंज कोडा जहानाबाद	मिठाई के व्यापारी
,, रामस्वरूप जैन	मुहल्ला कोडा जहानाबाद	मिठाई के व्यापारी
,, विजयरानी जैन	देवीगंज फतेहपुर	मिठाई के व्यापारी
,, श्यामकिशोर जैन	बाकरगंज जहानाबाद	किराना के व्यापारी

जिला-बड़ौदा

श्री अमोलकचन्द जैन	बाघोडिया	अनाज के व्यापारी
,, चन्द्रसेन जैन	पुराना बाजार करजन	व्यापार
,, तहसीलदार जैन	मियागाँव जूनाबा० करजन	स्टोर
,, देवेन्द्रकुमार जैन	चांपानेर रोड़	वस्त्र व्यवसायी
,, धन्यकुमार जैन	बाघोड़िया	व्यापार
,, नेमीचन्द जैन	मियागाँव	व्यवसायी
,, बनारसीदास जैन	१११६ सरदार चौक करजन	वस्त्र व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	बाघोड़िया	व्यापार
,, महेन्द्रपाल जैन	पुराना बाजार करजन	व्यापार
,, मुन्शीलाल जैन	मियागाँव	व्यापार
,, राजकुमार जैन	बाघोड़िया	वस्त्र व्यवसायी
,, रामस्वरूप जैन	चापानेर रोड	अनाज के व्यापारी
,, वंशीलाल जैन	मियांगाँव	व्यापार
,, वासुदेव जैन	मियांगाँव करजन	कटलरी मर्चेन्ट्स
,, सुरेशचन्द्र जैन	बाघोड़िया	व्यापार
,, सूरजभान जैन	चांपानेर रोड	अनाज के व्यापारी
,, सूर्यपाल जैन	नया बाजार करजन	व्यापार
,, हुण्डीलाल जैन	चांपानेर रोड	अनाज के व्यापारी

जिला-बम्बई

श्री आदेश्वरप्रसाद जैन	१२।१८ विट्ठलभाई पटेल रोड बम्बई	स्टेनलेस स्टील व्या०
,, फूलचन्द जैन	कोचिंग आफिस बम्बई	गल्ला-व्यवसायी

जिला-बांदा

श्री इन्द्रपाल जैन	चौक बाजार बांदा	मिठाई के व्यवसायी
,, कन्हैयालाल जैन	जैन कटरा बांदा	,,
,, प्रेमचन्द जैन	चौक बाजार बांदा	,,
,, बाबूलाल जैन	चौक बाजार बांदा	,,
,, लालाराम जैन	छोटाबाजार बांदा	,,
,, शिवप्रसाद जैन	चौक बाजार बांदा	,,
,, श्रीचन्द जैन	छोटा बाजार बांदा	,,

श्री श्रीलाल जैन	मुहल्ला कटरा बाँदा	व्यापार
,, सेतीलाल जैन	गुसाईंगंज बाँदा	,,

जिला-भड़ौच

●

श्री बनारसीदास जैन	पालेज	व्यापार
,, मुकेशकुमार जैन	पालेज	,,
,, राजकुमार जैन	पालेज	,,
,, ज्ञानचन्द जैन	पालेज	,,

जिला-भिण्ड

●

श्री रघुवरदयाल जैन	गान्धी मार्केट भिण्ड	गल्ला व्यवसायी
,, शान्तिलाल जैन	गान्धी मार्केट भिण्ड	गल्ला व्यवसायी

जिला-भीलवाड़ा

●

श्री नेमीचन्द जैन कौन्देय	भूपालगंज भीलवाड़ा	व्यवसायी

जिला-भेलसा

●

श्री भीमसैन जैन	माधोगंज विदिशा	गल्ला व्यवसायी
,, मन्दिरदास जैन	माधोगंज विदिशा	,,

जिला-भोपाल

●

श्री अजितकुमार जैन	सर्राफा गली चौकबाजार भोपाल	सिगरेट व्यवसायी
,, अमृतलाल जैन	अड्डा मजीदसकूर खाँ भोपाल	गल्ला व्यवसायी
,, कन्हैयालाल जैन	नीमवाली बाखल सोमवारा भोपाल	किराना व्यवसायी
,, कान्तिस्वरूप जैन	ललवानी प्रेस रोड भोपाल	पुस्तक व्यवसायी
,, कुन्दनलाल जैन	३८ ललवानी प्रेस रोड भोपाल	व्यवसायी
,, केसरीमल जैन	दि० जैनमन्दिरके सामने चौकभोपाल	किराना व्यवसायी
,, खुशीलाल जैन	नजदीक इलाहाबाद बैंक भोपाल	व्यवसायी
,, खुशीलाल जैन	इतवारा चौक भोपाल	किराना व्यवसायी
,, गणपतलाल जैन	६९ नाईवाली गली इतवारा भोपाल	परचून व्यवसायी

श्री गबरूलाल जैन	गुलराज बाबूलाल जैन का म० भो०	पान व्यवसायी
,, गुट्टूलाल जैन	चौक भोपाल	सर्राफा व्यवसायी
,, गुलाबचन्द जैन	इतवारा रोड भोपाल	किराना व्यवसायी
,, गुलाबचन्द जैन	मारवाड़ी रोड भोपाल	व्यवसायी
,, गुलाबचन्द जैन	रामसिंहअहीरकी गली गुजरपुरा भो०	व्यवसायी
,, गेंदालाल जैन	मोहल्ला गुलियादाई भोपाल	व्यवसायी
,, गेंदालाल जैन	मंगलवारा भोपाल	,,
,, गोपालमल जैन	जुमेराती बाजार भोपाल	किराना व्यवसायी
,, घेवरमल जैन	सोमवारा बाजार भोपाल	होजरी व्यवसायी
,, चान्दमल जैन	जैनमन्दिर रोड भोपाल	गल्ला व्यवसायी
,, छगनलाल जैन	लखेरापुरा भोपाल	व्यवसायी
,, जैनपाल जैन	बागमल की बाखल भोपाल	,,
,, डालचन्द जैन	जैनमन्दिर रोड चौक भोपाल	सर्राफा व्यवसायी
,, देवीलाल जैन	मारवाड़ी रोड भोपाल	मिठाई ,,
,, निर्मलाकुमारी जैन	इब्राहीमपुरा भोपाल	किराना व्यवसायी
,, नेमीचन्द जैन	गुजरपुरा भोपाल	,,
,, नेमीचन्द जैन	लखेरापुरा भोपाल	गल्ला व्यवसायी
,, फूलचन्द जैन	जैनमन्दिर रोड भोपाल	होजरी ,,
,, बदामीलाल जैन	गलीडाकखाना चौक भोपाल	किराना व्यवसायी
,, बागमल जैन	लखेरापुरा भोपाल	व्यवसायी
,, बागमल जैन	चौकबाजार भोपाल	,,
,, बागमल जैन	इतवारा रोड भोपाल	वस्त्र व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	श्वेताम्बर जैन मन्दिर भोपाल	व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	तव्वेमिया के महल के पास भोपाल	,,
,, बाबूलाल जैन	कोतवाली रोड इतवारा भोपाल	,,
,, बाबूलाल जैन	घोड़ानक्कास भोपाल	,,
,, बाबूलाल जैन	मकसूदन महाराज का मकान भोपाल	किराना व्यवसायी
,, मन्नूलाल जैन	मन्दिर रोड भोपाल	व्यवसायी
,, मांगीलाल जैन	इतवारा रोड भोपाल	व्यवसायी
,, मांगीलाल जैन	कलरी के पास भोपाल	परचून व्यवसायी
,, माणिकचन्द जैन	मारवाड़ी रोड भोपाल	गुड़ व्यवसायी
,, माणिकचन्द जैन	विरामपुरा भोपाल	व्यवसायी
,, मिट्ठूलाल जैन	चिन्तामणी का चौराहा भोपाल	मनिहारी व्यवसायी

श्री मिश्रीलाल जैन	इब्राहीमपुरा भोपाल	किराना व्यवसायी
,, मोतीलाल जैन	श्वेताम्बर जैन ट्रस्ट भवन भोपाल	गुड़-शक्कर व्यवसायी
,, मोतीलाल जैन	आमलाविलकिस गंज भोपाल	किराना व्यवसायी
,, मोहनलाल जैन	लखेरपुरा भोपाल	ट्रान्सपोर्ट व्यवसायी
,, रखबलाल जैन	जैनमन्दिर रोड भोपाल	किराना व्यवसायी
,, रखबलाल जैन	ललवानी साहबकी गली भोपाल	परचून व्यवसायी
,, राजमल जैन	सोमवारा भोपाल	किराना व्यवसायी
,, रूपचन्द जैन	जैनमन्दिर रोड भोपाल	सर्राफा व्यवसायी
,, लाभमल जैन	जुमेराती मंगलवारा थानेके पास भो०	होजरी व्यवसायी
,, लाभमल जैन	गोपालभवन जुमेरातीबाजार भोपाल	जनरल मर्चे० व्यव०
,, लाभमल जैन	इतवारा रोड भोपाल	व्यवसायी
,, लाभमल जैन	बागमलकी बाखल भोपाल	व्यवसायी
,, सुन्दरलाल जैन	आजाद मार्केट मारवाड़ी रोड भोपाल	किराना व्यवसायी
,, सुहागमल जैन	शक्कुर बस्ती भोपाल	,,
,, सुहागमल जैन	काजीपुरा भोपाल	पान व्यवसायी
,, सुहागमल जैन	जैनमन्दिर रोड भोपाल	किराना व्यवसायी
,, सूरजमल जैन	१५ नं सिंधी बाजार भोपाल	किराना व्यवसायी
,, सूरजमल जैन	गुज्जरपुरा गली नं० ३ भोपाल	परचून व्यवसायी
,, सौभाग्यमल जैन	गुज्जरपुर गली नं ३ भोपाल	परचून व्यवसायी
,, सौभाग्यमल जैन	३६ ललवानी प्रेस रोड सौ०भ० भोपाल	ट्रान्सपोर्ट व्यवसायी
,, शान्तिलाल जैन	१५ नं० सिन्धी बाजार भोपाल	किराना व्यवसायी
,, शान्तिलाल जैन	इतवारा रोड, जामुन मस्जिद भोपाल	व्यवसायी
,, श्रीमल जैन	घोड़ा नक्कास भोपाल	किराना व्यवसायी
,, हजारीलाल जैन	सोमवारा भोपाल	किराना व्यवसायी
,, हस्तीमल जैन	ललवानी गली भोपाल	किराना व्यवसायी
,, हीरालाल जैन	जुमेराती गुड़ बाजार भोपाल	गुड़ के व्यवसायी

जिला-मथुरा

●

श्री चुन्नीलाल जैन	इसौंदा	मिठाई के व्यापारी
,, बाबूलाल जैन	शिखरा	व्यापार
,, मुरलीधर जैन	शिखरा	,,

श्री मुन्शीलाल जैन	शिखरा	व्यापार
,, राजकुमार जैन	दौंहई	,,

जिला-मनीपुर

●

श्री सुदर्शनलाल जैन	पोना बाजार इम्फाल	व्यवसायी

जिला-मैनपुरी

●

श्री अनोखेलाल जैन	अरॉंव	व्यापार
,, खजांचीलाल जैन	अरॉंव	,,
,, चन्द्रभान जैन	अरॉंव	,,
,, छोटेलाल जैन	अरॉंव	,,
,, दम्मीलाल जैन	अरॉंव	,,
,, नाथूराम जैन	अरॉंव	,,
,, फुलजारीलाल जैन	अरॉंव	,,
,, बनारसीदास जैन	अरॉंव	,,
,, बहोरीलाल जैन	अरॉंव	,,
,, बालीराम जैन	अरॉंव	,,
,, मुन्शीलाल जैन	अरॉंव	,,
,, रामकिशन जैन	अरॉंव	,,
,, रामप्रसाद जैन	अरॉंव	,,
,, सर्राफीलाल जैन	अरॉंव	,,
,, सुनहरीलाल जैन	अरॉंव	,,
,, गुलजारीलाल जैन	असुआ	,,
,, कुंजीलाल जैन	असुआ	,,
,, लालाराम जैन	असुआ	,,
,, सुनहरीलाल जैन	आसुर	,,
,, कुन्दनलाल जैन	उड़ेसर	,,
,, देवेन्द्रकुमार जैन	उड़ेसर	,,
,, महीपाल जैन	उड़ेसर	,,
,, रघुवरदयाल जैन	उड़ेसर	,,
,, रामस्वरूप जैन	उड़ेसर	,,
,, पूरनचन्द्र जैन	एका	,,
,, हजारीलाल जैन	एका	,,

श्री माणिकचन्द जैन	कैटना	व्यापार
,, श्यामलाल जैन	कुलकपुर	,,
,, राजपाल जैन	केशरी	,,
,, पन्नालाल जैन	कौरारा बुजर्ग	,,
,, परमानन्द जैन	कौरारा बुजर्ग	,,
,, प्यारेलाल जैन	कौरारा बुजर्ग	,,
,, राजकुमार जैन	कौरारा बुजर्ग	,,
,, बादशाह जैन	कौरारा बुजर्ग	,,
,, सुखमाल जैन	कौरारा बुजर्ग	,,
,, हुण्डीलाल जैन	कौरारा बुजर्ग	,,
,, हरसुखलाल जैन	कौरारी सरहद	,,
,, अमोलकचन्द जैन	कौरारी सरहद	,,
,, कन्हैयालाल जैन	खेरी	,,
,, बुद्धसैन जैन	खेरी	,,
,, कपूरचन्द जैन	खैरगढ़	,,
,, छेदालाल जैन	खैरगढ़	,,
,, रामस्वरूप जैन	खैरगढ़	,,
,, लखमीचन्द जैन	खैरगढ़	,,
,, अमृतलाल जैन	घिरोर	,,
,, अशरफीलाल जैन	घिरोर	,,
,, अंग्रेजीलाल जैन	घिरोर	,,
,, काशमीरीलाल जैन	घिरोर	,,
,, केदारनाथ जैन	घिरोर	,,
,, केशवदेव जैन	घिरोर	,,
,, चन्द्रभान जैन	घिरोर	,,
,, जगतनारायण जैन	घिरोर	,,
,, जयन्तीप्रसाद जैन	घिरोर	,,
,, दरबारीलाल जैन	घिरोर	,,
,, दयाचन्द जैन	घिरोर	,,
,, दीपचन्द जैन	घिरोर	,,
,, द्वारकाप्रसाद जैन	घिरोर	,,
,, नरेन्द्रकुमार जैन	घिरोर	,,
,, नेमीचन्द जैन	घिरोर	,,

श्री पूरनमल जैन	घिरोर	व्यापार
,, प्रेमचन्द जैन	घिरोर	,,
,, फुलजारीलाल जैन	घिरोर	,,
,, फूलचन्द जैन	घिरोर	,,
,, बनारसीदास जैन	घिरोर	,,
,, बहोरीलाल जैन	घिरोर	,,
,, बाबूराम जैन	घिरोर	,,
,, बाबूराम भोलानाथ जैन	घिरोर	,,
,, मुन्शीलाल जैन	घिरोर	,,
,, राधामन जैन	घिरोर	,,
,, रामस्वरूप जैन	घिरोर	,,
,, रामपूत जैन	घिरोर	,,
,, सदासुखलाल जैन	घिरोर	,,
,, सागरचन्द जैन	घिरोर	,,
,, शान्तीलाल जैन	घिरोर	,,
,, श्रीचन्द जैन	घिरोर	,,
,, श्रीचन्द जैन	घिरोर	,,
,, श्रीलाल जैन	घिरोर	,,
,, हजारीलाल जैन	घिरोर	,,
,, जगन्नाथप्रसाद जैन	जरामई	,,
,, अमृतलाल जैन	जरौली	,,
,, श्रीचन्द जैन	जरौली	,,
,, हरदयाल जैन	जरौली	,,
,, अमोलकचन्द जैन	जसराना	,,
,, अंग्रेजीलाल जैन	जसराना	,,
,, कश्मीरीलाल जैन	जसराना	,,
,, छोटेलाल जैन	जसराना	,,
,, दरबारीलाल जैन	जसराना	,,
,, राजदेव जैन	जसराना	,,
,, श्रीलाल जैन	जसराना	,,
,, होतीलाल जैन	जसराना	,,
,, रोशनलाल जैन	जोधपुर	,,
,, अमोलकचन्द जैन	थरौआ	,,
,, बाबूराम जैन	थरौआ	,,

श्री श्रीचन्द् जैन	दिनोली	व्यापार
,, मुन्शीलाल जैन	नसीरपुर	,,
,, मुन्शीलाल जैन	नगला सामती	व्यापार
,, खानचन्द् जैन	निकाऊ	व्यापार
,, चिरंजीलाल जैन	निकाऊ	व्यापार
,, गुलजारीलाल जैन	पचवा	व्यापार
,, अमोलकचन्द जैन	पाढ़म	,,
,, अमोलकचन्द् जैन	पाढ़म	,,
,, अशर्फीलाल जैन	पाढ़म	,,
,, अशर्फीलाल ब्रजनन्दनलाल जैन	पाढ़म	वस्त्र व्यवसाय
,, ओमप्रकाश जैन	पाढ़म	व्यापार
,, उग्रसेन जैन	पाढ़म	,,
,, छिंगामल जैन	पाढ़म	,,
,, जिनेश्वरदास जैन	पाढ़म	अनाज के व्यापारी
,, जयलाल जैन	पाढ़म	व्यापार
,, टेकचन्द् जैन	पाढ़म	,,
,, नेमीचन्द जैन	पाढ़म	कपड़े के व्यापारी
,, प्रेमचन्द् जैन	पाढ़म	व्यापार
,, बाबूराम जैन	पाढ़म	औषध व्यापार
,, भूधरदास जैन	पाढ़म	वस्त्र व्यवसाय
,, महेन्द्रकुमार जैन	पाढ़म	जनरल मर्चेन्ट्स
,, महेशचन्द्र जैन	पाढ़म	ठेकेदार
,, मुन्नीलाल जैन	पाढ़म	वस्त्र व्यवसाय
,, मुन्शीलाल जैन	पाढ़म	व्यापार
,, राजनलाल जैन	पाढ़म	,,
,, लखपतिचन्द्र जैन	पाढ़म	वस्त्र व्यवसाय
,, मोरश्री जैन	पाढ़म	व्यापार
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	पाढ़म	वस्त्र व्यवसाय
,, सत्येन्द्रकुमार जैन	पाढ़म	,,
,, सुखदेवदास जैन	पाढ़म	,,
,, हीरालाल जैन	पाढ़म	व्यापार
,, हुब्बलाल जैन	पाढ़म	,,
,, जयदेव जैन	पिलकतर फतह	,,
,, सोनपाल जैन	पिलकतर फतह	,,

श्री गप्पूलाल जैन	पैढ़त	व्यापार
,, खुन्नीलाल जैन	पृथीपुर	,,
,, चोखेलाल जैल	पृथीपुर	,,
,, नत्थूलाल जैन	पृथीपुर	,,
,, बद्रीप्रसाद जैन	पृथीपुर	,,
,, रामदयाल जैन	पृथीपुर	,,
,, साहूकाल जैन	पृथीपुर	,,
,, अमोलकचन्द जैन	फरिहा	,,
,, उल्फतराय जैन	फरिहा	मिठाई का व्यापार
,, किरोड़ीमल जैन	फरिहा	औषध व्यापार
,, ताराचन्द जैन	फरिहा	व्यापार
,, देवकुमार जैन	फरिहा	व्यापार
,, पन्नालाल जैन	फरिहा	वस्त्र व्यवसाय
,, प्रेमचन्द जैन	फरिहा	किराना व्यवसाय
,, फूलचन्द जैन	फरिहा	किराना व्यापार
,, फौजीलाल जैन	फरिहा	व्यापार
,, बाबूराम जैन	फरिहा	,,
,, बाँकेलाल जैन	फरिहा	,,
,, भगवानदास जैन	फरिहा	,,
,, भगवानस्वरूप जैन	फरिहा	,,
,, मानिकचन्द जैन	फरिहा	,,
,, मुन्शीलाल जैन	फरिहा	,,
,, रघुनन्दनप्रसाद जैन	फरिहा	,,
,, रमेशचन्द्र जैन	फरिहा	,,
,, राजनलाल जैन	फरिहा	,,
,, बंगालीदास जैन	फरिहा	,,
,, लक्ष्मणदास जैन	फरिहा	मिठाई के व्यवसायी
,, लक्ष्मीशंकर जैन	फरिहा	वस्त्र व्यवसायी
,, संतकुमार जैन	फरिहा	मिठाई के व्यापारी
,, सुनहरीलाल जैन	फरिहा	व्यापार
,, सुरेशचन्द्र जैन	फरिहा	सर्राफा व्यापारी
,, शाहकुमार जैन	फरिहा	व्यापार
,, शौकीलाल जैन	फरिहा	वस्त्र व्यवसायी
,, श्रीलाल जैन	फरिहा	व्यापार

श्री श्रीलालभोलानाथ जैन	फरिहा	व्यापार
,, ओमप्रकाश जैन	फाजिलपुर	,,
,, राजकुमार जैन	बड़ागाँव	,,
,, सुखनन्दनलाल जैन	बड़ागाँव	,,
,, अमोलकचन्द जैन	मुस्तफाबाद	,,
,, ओमप्रकाश जैन	मारौल	,,
,, ज्योतिप्रसाद जैन	रामपुर	,,
,, साहूकार जैन	रामपुर	,,
,, श्रीनिवास जैन	रामपुर	,,
,, नाथूराम जैन	सरसागंज	व्यवसायी
,, मोतीलाल जैन	सरसागंज	घी के व्यापारी
,, रविलाल जैन	सरसागंज	किराने के व्यापारी
,, रामस्वरूप जैन	सौनई	व्यापारी
,, श्रीनिवास जैन	सौनई	व्यापारी
,, हजारीलाल जैन	सौनई	व्यापारी
,, इन्द्रसेन जैन	शिकोहाबाद	व्यापारी
,, कपूरचन्द्र जैन	शिकोहाबाद	साबुन के व्यापारी
,, किम्पिलादास जैन	शिकोहाबाद	व्यापार
,, किशोरीलाल जैन	शिकोहाबाद	व्यापार
,, कुँवरप्रसाद जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	परचून के व्यापारी
,, गौरीशंकर जैन	शिकोहाबाद	व्यापार
,, छैलविहारी जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	,,
,, जगन्नाथप्रसाद जैन	इटावारोड़ शिकोहाबाद	,,
,, जग्गीलाल जैन	मुहल्ला मिसराना शिकोहाबाद	वस्त्र-व्यवसायी
,, जरदकुमार जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	व्यापार
,, दरबारीलाल जैन	कटरा बाजार शिकोहाबाद	,,
,, धनसुखदास जैन	मिसराना मोहल्ला शिकोहाबाद	घी के व्यापारी
,, निर्मलकुमार जैन	मण्डी शिकोहाबाद	सूत के व्यापारी
,, नैनामल जैन	बड़ा बाजार शिकोहाबाद	वस्त्र-व्यवसायी
,, प्रेमसागर जैन	गंजमण्डी शिकोहाबाद	व्यापार
,, फुलजारीलाल जैन	तिराहा इटावा रोड शिकोहाबाद	,,
,, फूलचन्द जैन	मिसराना मुहल्ला शिकोहाबाद	व्यापार
,, फूलचन्द ख्यालीराम जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	,,

श्री बहोरीलाल जैन	शिकोहाबाद	व्यापार
,, बाबूराम जैन	मुहम्मदमो० २१८ शिकोहाबाद	,,
,, भामण्डलदास जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	,,
,, महावीरसहाय पाण्डे	शिकोहाबाद	,,
,, दामोदरदास जैन	शिकोहाबाद	,,
,, मानिकचन्द जैन	कटराबाजार शिकोहाबाद	घी का व्यवसाय
,, रघुवरदयाल जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	फुटकर व्यापार
,, राजकुमार जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	परचून के व्यापारी
,, राजनलाल जैन	बड़ाबाजार शिकोहाबाद	व्यापार
,, राजबहादुर जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	,,
,, राजेन्द्रप्रसाद जैन	शिकोहाबाद	,,
,, रामस्वरूप जैन	शिकोहाबाद	,,
,, रोशनलाल जैन	शिकोहाबाद	,,
,, सन्तोकुमार जैन	कटराबाजार शिकोहाबाद	,,
,, सन्तोषीलाल जैन	जैन ट्रस्ट शिकोहाबाद	व्यापार
,, साहूलाल जैन	जैन ट्रस्ट शिकोहाबाद	व्यापार
,, सुखनन्दनलाल जैन	शिकोहाबाद	व्यापार
,, सुनपतिलाल जैन	बड़ाबाजार शिकोहाबाद	,,
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	मण्डी श्रीगंज शिकोहाबाद	,,
,, सूरजभान जैन	बड़ाबाजार शिकोहाबाद	,,
,, श्यामलाल जैन	बड़ाबाजार शिकोहाबाद	,,
,, श्रीधरलाल जैन	बड़ाबाजार शिकोहाबाद	,,
,, श्रीलाल जैन	शिकोहाबाद	,,
,, हरमुखराय जैन	शिकोहाबाद	गल्ले के व्यापारी
,, हरविलास जैन	शिकोहाबाद	फुटकर व्यापार
,, हुण्डीलाल जैन	शिकोहाबाद	गल्ले के व्यापारी
,, हुण्डीलाल खेतीराम जैन	जैनस्टेशन शिकोहाबाद	चाय के व्यवसायी
,, छोटेलाल जैन	हातमंत	व्यापार

जिला-रतलाम

●

श्री गजेन्द्रकुमार जैन पाण्डेय	तोपखाना रतलाम	चूड़ी व्यवसाय
,, सन्तलाल जैन	तोपखाना रतलाम	चूड़ी व्यवसाय

जिला-राजगढ़

श्री कन्हैयालाल जैन	ब्यावरा माण्डू पाडला	व्यवसायी
,, गजराजमल जैन	गांधी चौक सारंगपुर	व्यवसायी
,, चान्दमल जैन	पाडल्या	व्यवसायी
,, चान्दमल जैन	सारंगपुर	व्यवसायी
,, छगनलाल जैन	ब्यावरा माण्डू	किराना व्यवसायी
,, दुलीचन्द जैन	सर्राफ	सर्राफा-व्यवसायी
,, पन्नालाल जैन	अदन खेडी	व्यवसायी
,, प्यारेलाल जैन	सारंगपुर	व्यवसायी
,, प्रेमनारायण जैन	ऊदनखेडी	,,
,, मगनलाल जैन	गांधी चौक सारंगपुर	,,
,, महीपाल जैन	गांधी चौक सारंगपुर	,,
,, महेन्द्रकुमार जैन	सदर बाजार सारंगपुर	,,
,, मूलचन्द जैन	गांधी चौक सारंगपुर	,,
,, रखबलाल जैन	ब्यावरा माण्डू	,,
,, राजमल जैन	गांधी चोक सारंगपुर	,,
,, लाभमल जैन	सारंगपुर	,,

जिला-वर्धा

श्री कुलभूषण जैन	वार्ड नं २ वर्धा	सराफा-व्यवसाय
,, दर्वचन्द रामासाव जैन रोडे	वार्ड नं० २ जैन मन्दिर के पास वर्धा	कपास-व्यवसाय
,, नानाजी अंतोबाजी जैन कवर्डे	चेलाकेली वर्धा	किराना व्यवसाय
,, बाबूराव यादयराव जैन चतरे	वार्ड नं० ७ वर्धा	तम्बाकू-व्यवसाय
,, बाबूराव गुणधर जैन रोडे	वार्ड नं० १० राजकला रोड वर्धा	किराना-व्यवसाय
,, रमेशचन्द्र हीरासाव जैन	वार्ड नं० २ जैन बोर्डिंग के पास वर्धा	व्यवसाय

जिला-शाजापुर

श्री अमृतलाल जैन	काला पीपल मण्डी	गल्ला व्यवसायी
,, अमृतलाल जैन	शुजालपुर मण्डी	व्यवसायी

श्री इन्दरमल जैन	शुजालपुर मण्डी	व्यवसायी
,, कस्तूरमल जैन	बरेछादातार	मिठाई के व्यवसायी
,, केशरीमल-जैन	कालापीपल मण्डी	गल्ला व्यवसायी
,, केशरीमल जन	कालापीपल मण्डी	किराना व्यवसायी
,, केशरीमल जैन	बरेछादातार	किराना व्यवसायी
,, केशरीमल जैन	बेडस्या	व्यवसायी
,, खुशीलाल जैन	रनायल	किराना व्यवसायी
,, गेंदमल जैन	कालापीपल मण्डी	किराना व्यवसायी
,, गेंदमल जैन	शुजालपुर मण्डी	व्यवसायी
,, गेंदमल जैन	भखावद	व्यवसायी
,, गोपालमल जैन	रनायल	व्यवसायी
,, छीतरमल जैन	बरेछादातार	वस्त्र-व्यवसायी
,, जैनपाल जैन	कालापीपल मण्डी	गल्ला-व्यवसायी
,, ताराचन्द जैन	खरसौंदा	किराना व्यवसायी
,, थेरूलाल जैन	भखावद	व्यवसायी
,, देवचन्द जैन	रनायल	किराना व्यवसायी
,, देवालाल जैन	बरेछादातार	किराना व्यवसायी
,, नन्नूमल जैन	कालापीपल मण्डी	,,
,, पूनमचन्द जैन	कालापीपल मण्डी	,,
,, पूरनमल जैन	बरेछादातार	,,
,, बसन्तीलाल जैन	शुजालपुर मण्डी	व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	कालापीपल मण्डी	किराना व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	शुजालपुर मण्डी	गल्ला-व्यवसायी
,, बोंदरमल जैन	जावड़िया घरवास	किराना व्यवसायी
,, भवानीराम जैन	शुजालपुर मण्डी	गल्ला-व्यवसायी
,, भँवरलाल जैन	खरसौंदा	किराना व्यवसायी
,, भँवरलाल जैन	रनायल	व्यवसायी
,, भेरूमल जैन	शुजालपुर मण्डी	गल्ला-व्यवसायी
,, मगनलाल जैन	बुडलाय	किराना व्यवसायी
,, मगनमल जैन	शुजालपुर सीटी	वस्त्र व्यवसायी
,, मगनमल जैन	शुजालपुर सीटी	व्यवसायी
,, मांगीलाल जैन	बरेछादातार	गल्ला व्यवसायी
,, मांगीलाल जैन	शुजालपुर सीटी	व्यवसायी
,, मांगीलाल जैन	जड़ियाघरवास	किराना व्यवसायी
,,मूल चन्द जैन	तम्बोलीपुरा शुजालपुर सीटी	गल्ला-व्यवसायी

श्री मेघराज जैन	शुजालपुर मण्डी	व्यवसायी
,, रखबलाल जैन	कालापीपल मण्डी	किराना व्यवसायी
,, रघुलाल जैन	कालापीपल मण्डी	किराना व्यवसायी
,, राजमल जैन	बुडलाय	किराना व्यवसायी
,, राजमल जैन	बेरछादातार	किराना व्यवसायी
,, राजेन्द्रकुमार जैन	शुजालपुर मण्डी	व्यवसायी
,, रामलाल जैन	बेरछादातार	गल्ला व्यवसायी
,, लखमीचन्द जैन	शुजालपुर	,,
,, लक्ष्मीचन्द जैन	रनायल	व्यवसायी
,, सरदारमल जैन	बुड़लाय	किराना व्यवसायी
,, सरदारमल जैन	रनायल	व्यवसायी
,, सुन्दरलाल जैन	कालापीपल मण्डी	किराना व्यवसायी
,, सुन्दरलाल जैन	भखावद	व्यवसायी
,, सूरजमल जैन	कालापीपल मण्डी	किराना व्यवसायी
,, सेजमल जैन	बेरछादातार	,,
,, शंकरलाल जैन	कालापीपल मण्डी	गल्ला व्यवसायी
,, शान्तीलाल जैन	गान्धीचौक शुजालपुर	,,
,, श्रीमल जैन	शुजालपुर	,,
,, हरीनारायण जैन	त्रिपोलियाबाजार शुजालपुर	व्यवसायी
,, हस्तमल जैन	तम्बोलीपुरा शुजालपुर	,,
,, हीरालाल जैन	भखावद	,,
,, हेमराज जैन	बुड़लाय	,,

जिला-सीहोर

●

श्री अनोखीलाल जैन	कोठरी हाट	किराना व्यवसायी
,, अमृतलाल जैन	कोठरी हाट	,,
,, अमृतलाल जैन	इच्छावर	लेन-देन
,, इन्द्रमल जैन	मोतीलाल नेहरूमार्ग सीहोर	किराना व्यवसायी
,, इन्द्रमल जैन	मेहतवाड़ा	व्यवसायी
,, उमरावबाई जैन	मोतीलालनेहरूमार्ग सीहोर	किराना व्यवसायी
,, कन्नूलाल जैन	अटिया पो० इच्छावर	,,
,, कन्हैयालाल जैन	कस्बा सीहोर	,,
,, कस्तूरमल जैन	मेहतवाड़ा	,,

श्री केशरीमल जैन	आष्टा	व्यवसायी
,, खुशीलाल जैन	भोपालरोड सीहोर	किराना व्यवसायी
,, खुशीलाल जैन	मेहतवाड़ा	वस्त्र व्यवसायी
,, गुनधरलाल जैन	आष्टा	,,
,, गेंदालाल जैन	मेहतवाड़ा	किराना व्यवसायी
,, गोपालमल जैन	नोखादर के वापुल आष्टा	गल्ला व्यवसायी
,, घीसीलाल जैन	चरखालाइन सीहोर	परचून व्यवसायी
,, चुन्नीलाल जैन	अल्लीपुर आष्टा	गल्ले के व्यवसायी
,, छगनलाल जैन	बड़ाबाजार आष्टा	,,
,, छगनलाल जैन	किल्ला आष्टा	,,
,, छगनलाल जैन	इच्छावर	किराना व्यवसायी
,, छगनलाल जैन	भोपाल रोड सीहोर	,,
,, छोगमल जैन	इच्छावर	,,
,, छीतरमल जैन	बड़ाबाजार मोतीमार्ग सीहोर	वस्त्र व्यवसायी
,, छोगमल जैन	कोटरी हाट	गल्ले के व्यवसायी
,, छोगमल जैन	कस्बा सीहोर	किराना व्यवसायी
,, छोगमल जैन	भोपाल रोड सीहोर	,,
,, जैनलाल जैन	कस्बा सीहोर	,,
,, डालचन्द जैन	आष्टा	गल्ला व्यवसायी
,, ताराचन्द जैन	बुधवारा आष्टा	गल्ला व्यवसायी
,, ताराचन्द जैन	जावर	व्यवसायी
,, देवकुमार जैन	चरखालाइन सीहोर	सर्राफा व्यवसायी
,, देवचन्द जैन	इच्छावर	व्यापार
,, धनरूपमल जैन	बड़ाबाजार आष्टा	गल्ला व्यवसायी
,, नथमल जैन	जावर	मिठाई के व्यवसायी
,, नन्नूमल जैन	बड़ाबाजार आष्टा	गल्ला व्यवसायी
,, नन्नूमल जैन	कस्बा सीहोर	जर्दा सु० के व्यव०
,, निर्मलकुमार जैन	चरखालाइन सीहोर	औषध के व्यवसायी
,, नेमचन्द जैन	नोसादर का वपुल आष्टा	गल्ला व्यवसायी
,, नेमीचन्द जैन	चरखालाइन सीहोर	किराना व्यवसायी
,, नेमीचन्द जैन	नमक चौराहा सीहोर	परचून के व्यापारी
,, पन्नालाल जैन	बुधवारा आष्टा	किराना-व्यवसायी
,, प्यारेलाल जैन	इच्छावर	किराना-व्यवसायी
,, प्यारेलाल जैन	मेहतवाड़ा	किराना-व्यवसायी
,, प्रेमीलाल जैन	बुधवारा आष्टा	वस्त्र-व्यवसायी

श्री प्रेमीलाल जैन	चरखा लाइन सीहोर	गल्ला-व्यवसायी
,, फूलचन्द जैन	जावर	गल्ला-व्यवसायी
,, बसन्तीलाल जैन	बड़ा बाजार आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, बसन्तीलाल जैन	थानारोड आष्टा	वस्त्र-व्यवसायी
,, बागमल जैन	बुधवारा आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, बागमल जैन	इच्छावर	किराना-व्यवसायी
,, बागमल जैन	कोठरीहाट	किराना-व्यवसायी
,, बागमल जैन	जावर	गल्ला-व्यवसायी
,, बागमल जैन	मेहतवाड़ा	वस्त्र-व्यवसायी
,, बागमल जैन	मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर	किराना-व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	खजान्ची लाइन सीहोर	गल्ला-व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	बड़ा बाजार सीहोर	किराना-व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	कोठरीहाट	पुस्तक-विक्रेता
,, बाबूलाल जैन	किल्ला आष्टा	व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	बड़ा बाजार मोती मार्ग सीहोर	वस्त्र-व्यवसायी
,, भंवरलाल जैन	बड़ा बाजार आष्टा	मिठाई के व्यवसायी
,, भागीरथ जैन	बड़ा बाजार आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, भूरामल जैन	बुधवारा आष्टा	वस्त्र-व्यवसायी
,, मगनलाल जैन	अलीपुर आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, मगनलाल जैन	मेहतवाड़ा	किराना-व्यवसायी
,, मगनलाल जैन	मेहतवाड़ा	गल्ला-व्यवसायी
,, मगनमल जैन	भोपाल रोड सीहोर	वस्त्र-व्यवसायी
,, मगनलाल जैन	कोठरी	किराना-व्यवसायी
,, मन्नूलाल जैन	नमक चौराहा सीहोर	किराना-व्यवसायी
,, मन्नूलाल जैन	आष्टा रोड़ सीहोर	परचून के व्यवसायी
,, मन्नूलाल जैन	बड़ा बाजार आष्टा	वस्त्र-व्यवसायी
,, मानमल जैन	खजान्ची लाइन सीहोर	औषध-व्यवसायी
,, मानमल जैन	बुधवारा खारीकुण्डी आष्टा	व्यवसायी
,, मानमल जैन	इच्छावर	किराना-व्यवसायी
,, मानिकलाल जैन	बड़ा बाजार आष्टा	व्यवसायी
,, मिश्रीलाल जैन	इच्छावर	किराना-व्यवसायी
,, मिश्रीलाल जैन	कस्बा सीहोर	पापड़-व्यवसायी
,, मूलचन्द जैन	गंज आष्टा	किराना-व्यवसायी
,, मूलचन्द जैन	बुधवारा खारी कुण्डी आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, मूलचन्द जैन	बड़ा बाजार मोती मार्ग सीहोर	वस्त्र-व्यवसायी

श्री मूलचन्द जैन	मेहतवाड़ा	गल्ला-व्यवसायी
" मेघराज जैन	जावर	व्यवसायी
" मेघराज जैन	दीवाड़िया	किराना-व्यवसायी
" माँगीलाल जैन	बुधवारा आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
" रखबलाल जैन	इच्छावर	पापड़-व्यवसायी
" रखबलाल जैन	कस्बा सिहोर	किराना-व्यवसायी
,, रखबलाल जैन	मेहतवाड़ा	गल्ला-व्यवसायी
,, रतनलाल जैन	चरखा लाइन	किराना-व्यवसायी
,, राजमल जैन	बुधवारा आष्टा	किराना-व्यवसायी
,, राजमल जैन	आरिमा पो० इच्छावर	किराना-व्यवसायी
,, राजमल जैन	अल्लीपुर आष्टा	किराना-व्यवसायी
,, राजमल जैन	चर्खा लाइन	किराना-व्यवसायी
,, राजमल जैन	किल्ला आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, राजमल जैन	मेहतवाड़ा	किराना-व्यवसायी
,, राजमल जैन	कोठरी हाट	वस्त्र-व्यवसायी
,, राजमल जैन	जावर	गल्ला व्यवसायी
श्रीमती राजूबाई जैन	जावर	जर्दा नमक-व्यवसायी
श्री रंगलाल जैन	मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर	किराना-व्यवसायी
,, रामलाल जैन	चरखा लाइन सीहोर	परचून-व्यवसायी
,, लक्ष्मीचन्द जैन	बुधवारा आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, लखमीचन्द जैन	बुधवारा आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, लाभमल जैन	अल्लीपुर आष्टा	किराना-व्यवसायी
,, लाभमल जैन	बड़ाबाजार आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, लाभमल जैन	बुधवारा खारीकुण्डी आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, लाभमल जैन	जावर	मिठाई के व्यवसायी
,, लाभमल जैन	भोपाल रोड सीहोर	सर्राफा-व्यवसायी
,, लालजीराम जैन	जावर	किराना-व्यवसायी
,, सरदारमल जैन	अल्लीपुर आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, सवाईमल जैन	मंगलवारिया सीहोर	व्यवसायी
,, सादीलाल जैन	बुधवारा आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, सुगनचन्द जैन	मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर	किराना-व्यवसायी
,, सुन्दरलाल जैन	जावर	गल्ला-व्यवसायी
,, सुन्दरलाल जैन	बुधवारा खारी कुण्डी आष्टा	वस्त्र-व्यवसायी
,, सुमतलाल जैन	जावर	किराना-व्यवसायी
,, सुमनलाल जैन	जावर	घड़ी के व्यवसायी

श्री सुहागमल जैन	बड़ा बाजार आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, सूरजमल जैन	जावर	जर्दा नमक-व्यवसायी
,, सूरजमल जैन	भोपाल रोड	किराना-व्यवसायी
,, सेजमल जैन	अल्लीपुर आष्टा	किराना-व्यवसायी
,, सेजमल जैन	बड़ा बाजार आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, सेजमल जैन	बुधवारा आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, सेजमल जैन	दीवड़िया	किराना-व्यवसायी
,, सेजमल जैन	जावर	किराना-व्यवसायी
,, सेजमल जैन	चरखा लाइन सीहोर	किराना-व्यवसायी
,, सेजमल जैन	इच्छावर	वस्त्र-व्यवसायी
,, सौभागमल जैन	भोपाल रोड सीहोर	वस्त्र-व्यवसायी
,, सौभागमल जैन	नोसादर की बपुल आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, शान्तीलाल जैन	जावर	व्यवसायी
,, शान्तीलाल जैन	बड़ा बाजार आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, सौभागमल जैन	गान्धी चौक आष्टा	,,
,, श्रीपाल जैन	मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर	किराना-व्यवसायी
,, श्रीपाल जैन	बड़ा बाजार मोतीमार्ग सीहोर	वस्त्र-व्यवसायी
,, श्रीमल जैन	गान्धी चौक आष्टा	गल्ला-व्यवसायी
,, श्रीमल जैन	कोठरी हाट	किराना-व्यवसायी
,, श्रीमल जैन	जावर	किराना-व्यवसायी

जिला-हजारीबाग

●

श्री पूर्णचन्द्र जैन	ईसरी बाजार	व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	ईसरी बाजार	,,
,, रमेशचन्द्र जैन	ईसरी बाजार	,,
,, विमलप्रसाद जैन	मधुवन शिखरजी	,,
,, हरविलास जैन	ईसरी बाजार	,,

जिला-हावड़ा

●

श्री नरेन्द्रकुमार जैन	मोतीचन्द रोड हावड़ा	व्यवसायी
,, राजबहादुर जैन	१०८ पोस्ट घुसड़ी	व्यवसायी

जिला-हुगली

श्री इन्द्रजीत जैन	९९ शिवनारायण रोड उत्तरपाड़ा	व्यवसायी
,, खुशीलाल जैन	बंडिल	व्यवसायी
,, तिनकोड़ीलाल जैन	६ नं० शिवनारायण रोड उत्तरपाड़ा	व्यवसायी
,, नागेन्द्रकुमार जैन	२५० उत्तरपाड़ा जी० टी० रोड	व्यवसायी
,, शाहकुमार जैन	बंडिल	व्यवसायी
,, हजारीलाल जैन	१५ नं० शिवतल्ला स्ट्रीट उत्तरपाड़ा	व्यवसायी

श्री ला० मोरध्वजप्रसादजी जैन सर्राफ, एटा

श्री ला० अशर्फीलालजी जैन, एटा

श्री बा० अजितप्रसादजी जैन सर्राफ, एटा

श्री ला० मथुराप्रसादजी जैन, टेहू
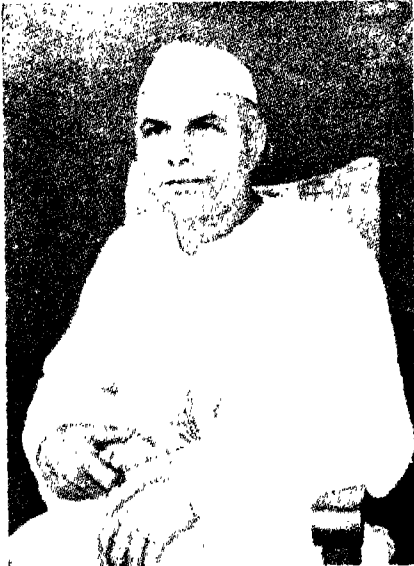
श्री ला० केशवदेवजी जैन, कायथा
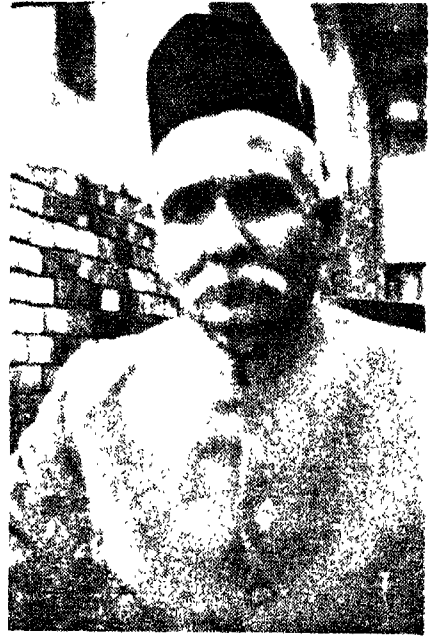
स्व० श्री ला० सुखदेवप्रसादजी जैन, एटा

श्री ला० बनारसीदासजी जैन, देहली

श्री ला० पातीरामजी जैन, देहली

स्नातकोत्तर वर्ग

●

जिला-अजमेर

श्री विजयचन्द्र जैन	१।५९ हवेली गंगाधर नहरमुहल्ला	एम० ए० बी० टी०
,, विजयचन्द्र जैन कौन्देय	घी मण्डी नयाबाजार अजमेर	एम० ए०

जिला-अलीगढ़

श्री पूरनमल जैन	सासनी	बी. ए. एल.एल.बी.
,, महीपाल जैन	मैदामई	एम० ए०

जिला-आगरा

श्री अजितवीर्य जैन	वरहन	आयुर्वेदाचार्य
,, अजितवीर्य जैन	टेहू	एम. ए. साहित्या०
,, अजितकुमार जैन	घेरखोखल फिरोजाबाद	बी० ए०
,, अनूपचन्द जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	बी.ए. एल. एल. बी.
,, अविनाशचन्द्र जैन	३।२३ चटघाट आगरा	बी० एस० सी०
,, अशोककुमार जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	एम० कॉम
,, अशोकुमार जैन	टेहू	शास्त्री
,, आनन्दकुमार जैन	मोमदी	बी० ए०
,, आनन्दप्रकाश जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	बी० एस० सी०
,, उग्रसेन जैन	राजा का ताल	बी० ए०
,, उमेशचन्द्र जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	बी० ए०
,, उदयभान जैन	५५ जौहरी बाजार आगरा	एम.ए., एल.एल.बी.
,, ओमप्रकाश जैन	महावीर भवन बलदेव मार्ग टूण्डला	बी. एस. सी. वाई.
,, ओमप्रकाश जैन	देवनगर फिरोजाबाद	बी० ए०
,, कमलकुमार जैन	छिली ईंट घटिया आगरा	बी० ए०
,, कमलकुमार जैन	राजा का ताल	बी० ए०
,, कमलकुमार जैन	राजा का ताल	बी० कॉम
,, कृष्णकुमार जैन	वरहन	बी. एस. सी.एल.टी.
,, कृष्णचन्द्र जैन	लोहियान	बी. ए.

श्री कुसुमचन्द्र जैन	म० शिवनारायण बरतनवाला आगरा	बी. ए. बी. टी.
,, कैलाशचन्द्र जैन	उसाइनी	बी. ए.
,, गजेन्द्रकुमार जैन	अहारन	शास्त्री
,, जगदीशचन्द्र जैन	बेलनगंज आगरा	बी. ए.
,, जगदीशचन्द्र जैन	गंज फिरोजाबाद आगरा	बी. एल. सी.
,, जगदीशचन्द्र जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	बी. एस. सी.
,, जगदीशचन्द्र जैन	चौकगेट फिरोजाबाद	एम.ए.एल.टी.सा. रत्न
,, जयन्तीप्रसाद जैन	बरहन	एम. एम. सी. ए.जी.
,, जिनेन्द्रप्रसाद जैन	टूण्डला	एम. एस. सी.
,, जिनेशचन्द्र जैन	मुहम्मदाबाद	एम.ए. एल. एल. बी.
,, जैनेन्द्रकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	बी. ए. सी. टी. सा. विशारद
,, त्रिलोकचन्द जैन	चौकी गेट फिरोजाबाद	बी. कॉम
,, दुहनबाबू जैन	राजा का ताल	बी. एस. सी.
,, धर्मचन्द जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	एम. कॉम
,, नरेन्द्रकुमार जैन	३।२३ चट्घाट आगरा	बी.कॉम-ए.बी.मै.शि.
,, नरेन्द्रकुमार जैन	घी मर्चेन्ट्स टूण्डला	बी० ए०
,, नागेन्द्रकुमार जैन	हनुमान गंज फिरोजाबाद	,,
,, निर्मलकुमार जैन	गली लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, निर्मलकुमार जैन	घेर खोखल फिरोजाबाद	एम० कॉम
,, निर्मलकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	एम.ए.एल.एल.बी.
,, निर्मलकुमार जैन	सुनहरीलाल दौलतराम बेलनगंज आ०	बी० कॉम
,, नेमकुमार जैन	गंज फिरोजाबाद	बी० ए०
,, नरेशचन्द्र जैन	११७० दालवाला गोदाम बेलनगंज आ०	बी. ए. एल. एल. बी.
,, पदमचन्द जैन	छिलीईंट घटिआ आगरा	बी.ए. एल. एल.बी.
,, पातीराम जैन	अहारन	शास्त्री
,, प्रकाशचन्द्र जैन	कोटला	बी. एस. सी. एल.टी.
,, प्रकाशचन्द्र जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	बी० ए०
,, प्रकाशचन्द्र जैन	घेर खोखल फिरोजाबाद	एम० कॉम
,, प्रद्युम्नकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	एम० कॉम
,, प्रमोदकुमार जैन	जमुना रोड आगरा	बी० एस० सी०
,, प्रेमकुमार जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	एम. ए. एल. टी.
,, प्रेमशंकर जैन	बरहन	बी. ए. एल. टी.
,, बच्चूलाल जैन	जौंधरी	एम० ए०
,, बनारसीदास जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	एच० एम० डी०

श्री बृजकिशोर जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	बी०ए० एल०टी०
,, भगवानस्वरूप जैन	६२०८।ए० कोटिया भवन छींपा टीला	बी० ए० एल० टी०
,, मदनकुमार जैन	भौण्डला	बी० एस० सी०
,, महावीरप्रसाद जैन	राजा का ताल	बी० कॉम
,, महावीरप्रसाद जैन	बेलनगंज आगरा	बी० कॉम
,, महावीरप्रसाद जैन	बेलनगंज आगरा	बी० ए०
,, महेन्द्रकुमार जैन	चौराहा टूण्डला आगरा	बी० ए०
,, महेशचन्द्र जैन	जौंधरी	बी० ए०
,, मोतीचन्द्र जैन	जैन मन्दिर के सामने चित्तिखाना	एम. ए. वकील
,, योगेशचन्द्र जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	बी० कॉम
,, रमेशचन्द्र जैन	मुहल्ला जैनियान टूण्डला	बी० ए०
,, रमेशचन्द्र जैन	फिरोजाबाद	बी० कॉम
,, रमेशचन्द्र जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	बी० एस० सी०
,, राजकुमार जैन	अहारन नई बस्ती फिरोजाबाद	बी० एस० सी०
,, राजदेव जैन	गंज फिरोजाबाद	बी० ए० टी०
,, राजेन्द्रकुमार जैन	एत्मादपुर	बी० ए०
,, राजेन्द्रकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	बी.ए.एल.एल.बी.
,, रामप्रताप जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	बी० कॉम
,, रामबाबू जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	एम.एस.सी.पी.
,, ललितप्रसाद जैन	मुहल्ला जैनियान टूण्डला	बी० ए०
,, विमलकुमार जैन	राजा का ताल	बी० एस० सी०
,, विमलकुमार जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	बी० एस० सी०
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	बी० ए०
,, वीरचन्द्र जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	बी. कॉम बी. टी.
,, वीरेन्द्रनाथ जैन	भाई थाना धूलियागंज आगरा	एम० कॉम
,, शचीन्द्रकुमार जैन	नारखी	एम० ए०
,, सतीशचन्द्र जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	बी. एस. सी.
,, शान्तकुमार जैन	३६१० नया बांस आगरा	एम० ए०
,, शान्तिस्वरूप जैन	जैन मुहल्ला जैनियान जैन मन्दिर के पास	आयुर्वेदाचार्य
,, सुखनन्दन जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	बी० ए०
,, सुदर्शनलाल जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	बी.ए.एल.एल.बी.
,, सुनहरीलाल जैन	मुहल्ला दुली फिरोजाबाद	बी० ए०
,, सुनहरीलाल जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	एल० एल० बी०
,, सुभाषचन्द्र जैन	गान्धी नगर फिरोजाबाद	बी० कॉम

श्री सुभाषचन्द्र जैन	मोती कटरा आगरा	बी.कॉम एल. एल. बी.
,, सुमेरचन्द जैन	सामलेप्रसाद रोड टूण्डला	बी० ए०
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	गली लोहियान आगरा	बी० ए०
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	टूण्डला	बी० ए०
,, सुरेशकुमार जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	बी० कॉम
,, सुरेशकुमार जैन	मुहल्ला दुली फिरोजाबाद	एम. ए. एल. टी.
,, सुरेशचन्द्र जैन	पचोखरा	एम० ए०
,, सुरेशचन्द्र जैन	सासनी	बी० एस० सी०
,, सुरेशचन्द्र जैन	जैन भवन टूण्डला	बी० कॉम
,, सोमकुमार जैन	बेलनगंज आगरा	एम० एस० सी०
,, श्रीनिवास जैन	उसायनी	बी० ए०
,, श्रेयान्सकुमार जैन	टेहू	बी० ए० मध्यमा
,, हजारीमल जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	बी.ए. एल.एल.बी.
,, हेमचन्द्र जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	बी० कॉम
,, ज्ञानेन्द्रकुमार जैन	घेर खोखल फिरोजाबाद	बी० एस० सी०

जिला-इटावा

●

श्री सुन्दरलाल जैन	स्टेशन बाजार इटावा	एम० ए०
" सुमतचन्द्र जैन	जी० आई० सी० इटावा	एम० ए० पी०एच०डी०

जिला-इन्दौर

●

श्री कमलकुमार जैन	राजेन्द्रनगर इन्दौर	बी. ए. एल.एल.बी.
" देवचन्द्र जैन	भोपाल कम्पाउण्ड इन्दौर	एम० ए०
" प्रकाशचन्द्र जैन	गौरा कुण्ड इन्दौर	बी. कॉम. एल-एल बी.
" रमेशचन्द्र जैन	गौरा कुण्ड इन्दौर	एम० कॉम
" लालबहादुर जैन	इन्द्र भवन इन्दौर	शास्त्री,एम.ए.,पी.एच.डी.
" सुरेशचन्द्र जैन	गौरा कुण्ड इन्दौर	एम. बी. बी. एस.
" शशीकान्त जैन	१२ सीतलमाता बाजार इन्दौर	एम० ए०
" शान्तिलाल जैन	के० ई० एच० कम्पाउण्ड इन्दौर	एम.ए.एल.एल.बी.

जिला-इम्फाल

●

श्री प्रेमचन्द जैन	डी० एम० कालेज इम्फाल	एम० कॉम

जिला-उज्जैन

●

श्री कमलेशकुमार जैन	रामकुंज कोठी रोड उज्जैन	इन्जिनियर
" सतीशचन्द्र जैन	रामकुंज कोठी रोड उज्जैन	एम० ए०

जिला-एटा

●

श्री अभयकुमार जैन	बाघई राजमल	बी० एस० सी०
,, अरविन्दकुमार जैन	अवागढ़	बी० ए०
,, अशोककुमार जैन	अवागढ़	एम० ए०
,, आनन्दकुमार जैन	जलेसर	शास्त्री
,, इन्द्रमुकुट जैन	जलेसर	शास्त्री
,, इन्द्रमुकुट जैन	इसौली	बी०ए०बी० टी०
,, उग्रसैन जैन	बलेसरा रेजुना	बी० ए०
,, जयचन्द जैन	मैनगंज एटा	एम० कॉम
,, जयप्रकाश जैन	पुरानीगली	बी० ए०
,, जिनवरदास जैन	मैनगंज एटा	बी० ए०
,, जिनेन्द्रकुमार जैन	मैनगंज एटा	बी. ए. एल-एल. बी.
,, जिनेन्द्रप्रकाश जैन	मैनगंज एटा	,,
,, ज्योतिषनाथ जैन	मैनगंज एटा	बी० ए०
,, दमनकुमार जैन	श्रावक मुहल्ला एटा	एम० कॉम०
,, दयाचन्द जैन	हिम्मत नगर बजहेरा	ए० एम० बी० एस०
,, दयाचन्द जैन	मैनगंज एटा	बी० एस० सी०
,, देवदास जैन	मैनगंज एटा	एम०बी०आर० एस०
,, धन्यकुमार जैन	अवागढ़	बी० ए०
,, नरेन्द्रपाल जैन	शिवगंज एटा	एम० ए० शास्त्री
,, निर्मलकुमार जैन	मैनगंज एटा	बी० ए०
,, नेमीचन्द जैन	बनारसी कुंज जलेसर	बी० ए०
,, पद्मेन्द्रचन्द जैन	एटा	एम० एस० सी०
,, प्रदीपकुमार जैन	मैनगंज एटा	१२ कक्षा
,, प्रेमचन्द जैन	मलावन	बी० एस० सी०
,, मनोहरलाल जैन	सुन्दरलाल स्ट्रीट	शास्त्री
,, महेशचन्द जैन	एटा	एम.ए. एल-एल. बी.
,, मुकेशचन्द जैन	एटा	बी० ए०

श्री रमेशचन्द्र जैन	बड़ागाँव पिलुआ	एम० ए० बिशारद
,, राजेन्द्रप्रसाद जैन	वीरपुर सरनस	बी० ए०
,, विनयकुमार जैन	जलेसर	बी० ए०
,, शान्तिस्वरूप जैन	कैलाशगंज एटा	एम.ए. एल-एल. बी.
,, सतीशचन्द्र जैन	शेरगंज जलेसर	बी० ए० बी० टी०
,, सुभाषचन्द्र जैन	अवागढ़ इसौली उमरगढ़	साहि.रत्न,बी.ए.बी.टी.
,, सुमतिचन्द जैन	इटावा शहर	एम० एम०
,, सुन्दरलाल जैन	इटावा शहर	एम० ए०
,, सुरेशचन्द्र जैन	मलावन	बी० ए०
,, सुशीलचन्द्र जैन	मैनगंज एटा	बी० एस० सी०
,, सोहनलाल जैन	अवागढ़	बी० ए०

जिला-कलकत्ता

श्री नेमीचन्द जैन	२११ गोबिन्द अड्डी अलीपुर कलकत्ता	बी.कॉम.एल.एल.सीए.
,, मदनचन्द्र जैन	२७ नं० मलिक स्ट्रीट कलकत्ता	बी. ए. एल. एल. बी.
,, रमाकान्त जैन	ई. डी. ९२६ डी.एम. ई. टी. होस्टल तारा तल्ला रोड कलकत्ता	इंजिनियरिंग

जिला-कानपुर

श्री मानकचन्द जैन	जैन सदन, स्वरूपनगर, कानपुर	एम० ए०

जिला-देहली

श्री अतीवीरचन्द्र जैन	२९२ ए० स्कूल मार्ग देहली-३१	बी० एस० सी०
,, अभयकुमार जैन	३७ दरियागंज देहली-६	एम० ए०
,, चन्द्रपाल जैन	२८७९ गली चहलपुरी, देहली-६	एम० ए०
,, जिनेन्द्रप्रकाश जैन	९४-y तिमारपुर देहली-६	बी० ए० बी० एल०
,, देवेन्द्रकुमार जैन	कूचा सेठ देहली	बी० एल० टी०
,, पारसदास जैन	३९१६ जैन भवन देहली	एम० ए०
,, पुष्पचन्द्र जैन	ब्लाक ८६ शक्ति नगर देहली	एम० ए०
,, प्रमोदकुमार जैन	२८७८ गली चहलपुरी देहली	बी० एस० सी०
,, भानुकुमार जैन	ब्लाक ८६ शक्तिनगर देहली	एम० ए०
,, मथुरादास जैन	३७ दरियागंज देहली-६	एम० ए०
,, मानिकचन्द जैन	दरियागंज देहली	बी० एस० सी०

श्री स्वदेशकुमार जैन	३४२४ दिल्ली गेट देहली	बी० ए० बी० एल०
,, सन्मतिकुमार जैन	९२ ए० स्कूल मार्ग देहली-३१	एम० एस० सी०
,, सुखवीरप्रसाद जैन	३४२४ दिल्ली गेट देहली	बी० ए० बी० एल०
,, सुमतप्रकाश जैन	४२१० आर्यपुरा, देहली-५	एम० ए०
,, सुमतिचन्द जैन	११।४१ राजोरी गार्डन देहली	एम० ए० एल० टी०
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	ब्लाक ८६ शक्तिनगर देहली	एम० ए० बी० टी०

जिला-नागपुर

●

श्री प्रभाकर लक्ष्मणराव जैन बोलड़े, लखमा अखाड़े के पास नागपुर	एम. एस. सी.
,, प्रमोद गुलाब साव जैन डोंगरे, हनुमान नगर नागपुर	एम. कॉम

जिला-नागौर

●

श्री मणीन्द्रकुमार जैन	पाटनी-भवन मारोठ	बी. कॉम एल.एल.बी. साहित्यरत्न

जिला-बम्बई

●

श्री प्रकाशचन्द्र जैन	१२ फूल महल बम्बई	बी. ए. एल.एल. बी.

जिला-भोपाल

●

श्री अजितकुमार जैन	सोमवारा भोपाल	एम. ए.
,, कमलकुमार जैन	बागमल जैन की बाखल भोपाल	एम. ए.
,, कमल जैन	जैन मन्दिर रोड भोपाल	मैट्रिक

जिला-मैनपुरी

●

श्री अशोकचन्द जैन	शिकोहाबाद	एम० कॉम०
,, नेमीचन्द जैन	शिकोहाबाद	एम.ए.एल.-एल.बी.
,, भगवानस्वरूप जैन	सुनाव	,,
,, भागचन्द जैन	पाढ़म	एम. ए. एल. टी.
,, मानिकचन्द जैन	शिकोहाबाद	एम. ए. बी. टी.
,, सुभाषचन्द्र जैन	शिकोहाबाद	एम. बी. बी. एस.

जिला-वर्धा

●

श्री राजेन्द्रकुमार पानाचन्द जैन रोड़े रामनगर वर्धा		एम० कॉम०
„ शान्तीलाल मोतीसाव जैन सिंगारे जैन मन्दिर के पास वर्धा		बी. ए. बी. टी.

जिला-शाजापुर

●

श्री किरोड़ीमल जैन	शुजालपुर	एम० ए०
„ नरेन्द्रकुमार जैन	कालापीपल मण्डी	एम० कॉम०

जिला-सीहोर

●

श्री अजितकुमार जैन	मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर	एम० ए०
„ घेवरमल जैन	किला आष्टा	एम. ए. बी. एड.
„ निर्मलकुमार जैन	भोपाल रोड सीहोर	एम० ए०
„ बाबूलाल जैन	मेहतवाड़ा	एम. एस. सी.
„ सुमेरलाल जैन	२३५ बड़ाबाजार सीहोर	एम० ए०

जिला-हजारीबाग

●

श्री अतिवीरचन्द जैन	ईसरी बाजार	बी. ए. बी. टी.
„ सेतीलाल जैन	ईसरी बाजार	एम० ए०
„ सोमप्रकाश जैन	ईसरी बाजार	अर्थशास्त्र एम० ए०

●

शिक्षित वर्ग

●

जिला-अजमेर

●

श्री पुष्पेन्द्रकुमार जैन	१।५९ हवेली गंगाधर अजमेर	मैट्रिक
,, विमलचन्द्र जैन	घी मण्डी नयाबाजार अजमेर	बी० कॉम०
,, शुभचन्द्र जैन	ओसवाल जैन हा० से० स्कूल अजमेर	(बी० एस० सी०)

जिला-अलीगढ़

●

श्री इन्द्रकुमार जैन	छपेरी अलीगढ़	इन्टर
,, उग्रसैन जैन	हाथरस	,,
,, ओमप्रकाश जैन	जैन स्ट्रीट अलीगढ़	,,
,, किशनस्वरूप जैन	अलीगढ़	,,
,, घमंडीलाल जैन	हलवाईखाना अलीगढ़	,,
,, महेशचन्द्र जैन	सासनी	बी० ए०
,, रघुवरदयाल जैन	मैदामई	इन्टर
,, विजेन्द्रकुमार जैन	मैदामई	,,
,, विशनस्वरूप जैन	१०७ सी० रेलवे क्वाटर्स अलीगढ़	,,
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	हाथरस	इन्टर
,, शान्तिस्वरूप जैन	श्यामनगर अलीगढ़	,,
,, सुरेशचन्द्र जैन	सासनी	(बी० एस० सी०)

जिला-आगरा

●

श्री अजितकुमार जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	इन्टर
,, अजितकुमार जैन	एत्मादपुर	,,
,, अनिलकुमार जैन	एत्मादपुर	,,
,, अनोखेलाल जैन	घेरखोखल फिरोजाबाद	,,
,, अभयकुमार जैन	एत्मादपुर	,,
,, अशोककुमार जैन	नगला सिकन्दर	,,
,, अशोककुमार जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, इन्द्रभान जैन	एत्मादपुर	एफ० ए०
,, इन्द्ररत्न जैन	बरहन	इन्टर

श्री इन्द्रसैन जैन	जैन भवन टूण्डला	आयुर्वेद विशारद
,, ईश्वरप्रसाद जैन	बलदेवमार्ग टूण्डला	इन्टर
,, ईश्वरप्रसाद जैन	महावीर भवन बलदेवमार्ग टूण्डला	,,
,, उग्रसैन जैन	बड़ामुहल्ला फिरोजाबाद	एफ० ए०
,, उमेशचन्द्र जैन	बड़ामुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, उमेशचन्द्र जैन	एत्मादपुर	इन्टर
,, कंचनलाल जैन पाण्डेय	सरायजयराम टूण्डला	प्रथमा
,, किशनमुरारी जैन	गंज फिरोजाबाद	इन्टर
,, कैलाशचन्द्र जैन	बलदेवरोड टूण्डला	विशारद
,, कृष्णचन्द्र जैन	गंज फिरोजाबाद	इन्टर
,, खुशालचन्द्र जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, चक्रेशकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, चन्द्रप्रकाश जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, चन्द्रप्रकाश जैन	सरायजयराम	,,
,, चन्द्रभान जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, चिन्तामणि जैन	टूण्डला	एफ० ए०
,, जगरूपसहाय जैन	देवखेड़ा	इन्टर
,, जयचन्द जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	,,
,, जयप्रकाश जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	एफ० ए०
,, जसवन्तप्रसाद जैन	टूण्डला	इन्टर
,, देवकुमार जैन	कोटला	,,
,, देवकुमार जैन	एत्मादपुर	,,
,, देवकुमार जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	इण्टर
,, देवस्वरूप जैन	खाण्डा	,,
,, धन्यकुमार जैन	कुरमाँ	,,
,, धन्यकुमार जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, धरणेन्द्रकुमार जैन	जमुना रोड आगरा	,,
,, धर्मेन्द्रकुमार जैन	एत्मादपुर	,,
,, नत्थीलाल जैन	गली जैनियान टूण्डला	एफ० ए०
,, पद्मचन्द्र जैन	वरहन	इन्टर
,, पूर्णचन्द्र जैन	फाटक सूरजभान बेलनगंज आगरा	,,
,, पूणचन्द जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, प्रकाशचन्द्र जन	जीवनीमण्डी आगरा	,,
,, प्रफुल्लितकुमार जैन	चौकी गेट फिरोजाबाद	,,
,, प्रद्युम्नकुमार जैन	टूण्डला	,,

श्री भालचन्द जैन	देवखेड़ा	इण्टर
,, महेन्द्रकुमार जैन	सैमरा	,,
,, माणिकचन्द जैन	टूण्डला	,,
,, मुन्नाबाबू जैन	चौकगेट फिरोजाबाद	,,
,, यतीन्द्रकुमार जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, योगेशचन्द्र जैन	एत्मादपुर	,,
,, रघुवीरप्रसाद जैन	एत्मादपुर	विशारद
,, रतनलाल जैन	आगरा	इण्टर
,, रतनप्रकाश जैन	जयनियान टूण्डला	,,
,, रमाशंकर जैन	बलदे रोड टूण्डला	,,
,, रवीन्द्रकुमार जैन	टूण्डला	,,
,, राजकुमार जैन	जैन मन्दिर की गली टूण्डला	(बी० एस० सी०)
,, राजबहादुर जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	इण्टर
,, रामबाबू जैन	राजा का ताल	,,
,, रामबाबू जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, ललितकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, लालचन्द जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, लोकेन्द्रपाल जैन	कृष्णपाड़ा फिरोजाबाद	,,
,, विजयकुमार जैन	टूण्डला	,,
,, विनयकुमार जैन	बरहन	,,
,, विनयकुमार जैन	मु० चन्द्रप्रभु फिरोजाबाद	,,
,, विमलकुमार जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, विमलकुमार जैन	फाटक सूरजभान वेलनगंज आगरा	,,
,, विमलस्वरूप जैन	पं० मोतीलाल नेहरू रोड आगरा	,,
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, स्नेहकुमार जैन	बरहन	,,
,, साहुकार जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	,,
,, सुबोधकुमार जैन	एत्मादपुर	,,
,, सुमतप्रकाश जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, सुनहरीलाल जैन	टूण्डला	,,
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	टूण्डला	,,
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	टूण्डला	एफ० ए०
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	सरायजयराम	इन्टर
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	राजा का ताल	,,
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	देवखेड़ा	,,

श्री सुरेन्द्रकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	इण्टर
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	,,
,, सुरेशचन्द्र जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	,,
,, सुरेशचन्द्र जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	एफ० ए०
,, सुरेशचन्द्र जैन	हनुमान गंज फिरोजाबाद	इन्टर
,, सुरेशचन्द्र जैन	एत्मादपुर	,,
,, सुशीलकुमार जैन	लोहियान आगरा	,,
,, सोमकुमार जैन	नगला स्वरूप आगरा	,,
,, श्यामबाबू जैन	पचोखरा	,,
,, शान्तकुमार जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	एफ० ए०
,, शान्तिलाल जैन	नगला सिकन्दर	इन्टर
,, शाहकुमार जैन	खेरी	,,
,, श्रीप्रकाश जैन	जोंधरी	,,
,, हजारीलाल जैन	धूलिआगंज आगरा	इण्टर, विशारद
,, हुण्डीलाल जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	इण्टर

जिला-इटावा

श्री अनिलकुमार जैन	जी० आई० सी० इटावा	इण्टर
,, अरविन्दकुमार जैन	जी० आई० सी० इटावा	मैट्रिक

जिला-इन्दौर

श्री अशर्फीलाल जैन	३० जूना पीठ इन्दौर	(बी० ए०)
,, कमलेशकान्त जैन	१८ सीतलामाता बाजार इन्दौर	(बी० कॉम०)
,, छोटेलाल जैन	इन्दौर	एफ० ए०
,, जयकुमार जैन	जबरी बाग इन्दौर	एफ० ए०
,, दिनेशबाबू जैन	इन्द्रभवन इन्दौर	(बी० ए०)
,, बसन्तकुमार जैन	जँबरी बाग इन्दौर	एफ० ए०
,, महेशचन्द्र जैन	गोरा कुण्ड इन्दौर	(बी० एस० सी०)
,, महेशचन्द जैन	जँबरी बाग इन्दौर	एफ० ए०
,, सुभाषचन्द्र जैन	गोरा कुण्ड इन्दौर	(बी० ए०)
,, सुशीलचन्द जैन	एल० आई० ३ तिलक नगर इन्दौर	मैट्रिक
,, सुमेरचन्द जैन	भोपाल कम्पाउण्ड इन्दौर	इण्टर
,, श्यामस्वरूप जैन	८६ सीतलामाता बाजार इन्दौर	एफ० ए०

श्री श्यामस्वरूप जैन	८६ सीतलामाता बाजार इन्दौर	एफ० ए०
,, हरिश्चन्द्र जैन	४० जूना पीठ इन्दौर	इण्टर
,, हर्षेन्द्रनाथ जैन	एल० आई० तिलकनगर इन्दौर	(बी० ए०)

जिला-इम्फाल

●

श्री श्रीपाल जैन	डी० एम० कालेज इम्फाल	इण्टर मिडियेट

जिला-उज्जैन

●

श्री परमेष्ठीदास जैन	आदिनाथ बैंगिल स्टोर्स उज्जैन	(बी० कॉम)
,, प्रेमचन्द जैन	विनोदालय विनोदमिल उज्जैन	(बी० एस० सी०)

जिला-उदयपुर

●

श्री उत्तमचन्द जैन कौंदेय	जावर माइन्स उदयपुर	मैट्रिक
,, प्रवीणचन्द्र जैन कौंदेय	जावर माइन्स उदयपुर	,,
,, मोतीचन्द्र जैन कौंदेय	जावर माइन्स उदयपुर	,,
,, सुमनचन्द्र जैन कौंदेय	जावर माइन्स उदयपुर	इण्टर

जिला-एटा

●

श्री अभिनन्दनलाल जैन	एटानगर	इण्टर
,, अमोलकचन्द जैन	एटा	,,
,, अशर्फीलाल जैन	एटा	मैट्रिक
,, आदेश्वरप्रसाद जैन	एटा	इण्टर
,, आनन्दप्रकाश जैन	मैनगंज एटा	,,
,, इन्द्रकुमार जैन	एटा	,,
,, ईश्वरदास जैन	एटा	,,
,, कुंवर बहादुर जैन	फफोत	,,
,, कुसुमकुमार जैन	मैनगंज एटा	,,
,, गुलाबचन्द जैन	मैनगंज एटा	मैट्रिक
,, जयप्रकाश जैन	इसोली-उमरगढ़	इण्टर
,, जैनप्रकाश जैन	राजमल	,,

श्री देवकुमार जैन	पौण्डरी	इन्टर
,, देवेन्द्रकुमार जैन	अवागढ़	इन्टर
,, नरेन्द्रचन्द्र जैन	मैनगंज एटा	इन्ट्रेन्स
,, निर्मलचन्द्र जैन	मैनगंज एटा	इन्टर
,, निर्मलनाथ जैन	मैनगंज एटा	इन्टर
,, पुष्पेन्द्रप्रकाश जैन	मैनगंज एटा	इन्टर
,, प्रकाशचन्द्र जैन	शेरगंज जलेसर	इन्टर
,, प्रकाशचन्द्र जैन	पुलिया एटा	इन्टर
,, प्रतापचन्द्र जैन	एटा	इन्टर
,, प्रेमकिशोर जैन	वेलसरा	इन्टर
,, प्रेमचन्द जैन	सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा	इन्टर
,, फूलचन्द जैन	अवागढ़	इन्टर
,, बालचन्द जैन	अवागढ़	इन्टर
,, भुवनेन्द्रकुमार जैन	अवागढ़	इन्टर
,, मक्खनलाल जैन	मैनगंज एटा	इन्टर
,, महावीरप्रकाश जैन	एटा	इन्टर
,, महावीरप्रसाद जैन	राजमहल	इन्टर
,, महेशचन्द्र जैन	श्रावक स्थान एटा	इन्टर
,, महेन्द्रप्रताप जैन	पुराना बाजार एटा	इन्टर
,, महेशचन्द्र जैन	वसुन्धरा	१२वीं कक्षा
,, मुन्नालाल जैन	मैनगंज एटा	इन्टर
,, यतीन्द्रकुमार जैन	एटा	मैट्रिक
,, रमेशचन्द्र जैन	अवागढ़	एफ. ए.
,, रमेशचन्द्र जैन	बोरखगली जलेसर	इन्टर
,, राजकिशोर जैन	जिरसमी	इन्टर
,, राजवीरसिंह जैन	हिम्मतनगर वजहेरा सरनऊ	इन्टर
,, राजवीरसिंह जैन	वावसर	११वीं कक्षा
,, राजेन्द्रकुमार जैन	चमकरी	इन्टर
,, विजयचन्द्र जैन	श्रावक मुहल्ला	इन्टर
,, विमलकुमार जैन	रुस्तमगढ़	मैट्रिक
,, विमलकुमार जैन	हलवाई खाना जलेसर	इन्टर
,, विमलकुमार जैन	सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा	इन्जीनियर
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	सरनऊ	इन्टर
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	मैनगंज एटा	इन्टर
,, शरदचन्द्र जैन	एटा	इन्टर

श्री शरदचन्द्र जैन	एटा	इन्टर
,, शिवप्रसाद जैन	दलसायपुर	इन्टर
,, शिवरतन जैन	जिरसमी	मैट्रिक
,, शिवदयाल जैन	एटा	इन्टर
,, शिवशंकर जैन	गली चिरंजीलाल, एटा	इन्टर
,, सनतकुमार जैन	सुन्दरलाल स्ट्रीट, एटा	इन्जीनियर
,, सुभाषचन्द्र जैन	पुलिया एटा	इन्टर
,, सुमतिप्रकाश जैन	मैनगंज एटा	इन्टर
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	जलेसर	इन्टर
,, सुरेशचन्द्र जैन	एटा	इन्टर
,, सुरेन्द्रचन्द्र	मैनगंज	बी० कॉम
,, सुरेशचन्द्र जैन	मैनगंज	इन्टर
,, सुरेशचन्द्र जैन	फफोत	इन्टर
,, सुरेशचन्द्र जैन	वसुंधरा	इन्टर
,, हरचरण जैन	ऊषा कम्पनी जी० टी० रोड, एटा	इन्टर

जिला-कलकत्ता

●

श्री अशोककुमार जैन	११३ महात्मागाँधी रोड, कलकत्ता	सेकेण्डइयर
,, नेमीचन्द जैन	८५ बड़तल्ला स्ट्रीट, कलकत्ता	बी० कॉम
,, विनयकुमार जैन	२२२।२२३ आ० प्रफुल्लचन्द्ररोड, कल०	बी० कॉम
,, सुरेशकुमार जैन	११३ महात्मा गाँधी रोड, कलकत्ता	मैट्रिक

जिला-कानपुर

●

श्री छक्कुलाल जैन	जैनसदन ११२।३४२स्वरूपनगर कानपुर	इन्टर

जिला-ग्वालियर

●

श्री जगदीशचन्द्र जैन	घनश्याम निवास ग्वालियर	(बी० कॉम)
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	२३०।२३१ लाइननं० २ बि० न० ,,	इन्टर
,, शिवकुमार जैन	नयाबाजार लश्कर	मैट्रिक
,, हरदयाल जैन	२३०।२३१लाइननं० २ बिड़लान० ,,	इन्टर

जिला-गुना

श्री जगदीशप्रसाद जैन	रेलवेकालोनी रुठियाई	(बी० कॉम)

जिला-जयपुर

श्री सुदर्शनकुमार जैन	राजकीय उ० मा० शाला बाँसा	इन्टर

जिला-जोधपुर

श्री अभयकुमार जैन	स्टेशनरोड जोधपुर	मैट्रिक
,, देवकुमार जैन	स्टेशनरोड जोधपुर	(बी० ए०)

जिला-देहली

श्री अजितप्रकाश जैन	४२१० आ० पु० सब्जीमण्डी देहली-६	(बी० ए०)
,, अतरचन्द जैन	५३३।२८ डी. मोहल्ला गा० देहली-३१	(बी० कॉम)
,, अमरकुमार जैन	१७७४ कूचा लट्टूशाह देहली	एफ० ए०
,, अरविन्दकुमार जैन	११।४१ कृष्णनगर देहली-३१	इन्टर
,, अनूपचन्द जैन	८नं० रेलवे क्वार्टर्स मोरसराय देहली	इन्टर
,, आदीश्वरकुमार जैन	१४१२कूंचा गुलियान जामामस्जिद ,,	मैट्रिक
,, ओमप्रकाश जैन	४२१६ कटरा त० चावड़ीबाजार देहली	,,
,, कालीचरण जैन	३३१० दिल्लीगेट देहली	(बी० ए०)
,, कैलाशचन्द्र जैन	३३९७ दिल्लीगेट देहली	मैट्रिक
,, चन्द्रकुमार जैन	३३१० दिल्लीगेट देहली	(बी० ए०)
,, चन्द्रपाल जैन	२२६ जैनमन्दिर शहादरा देहली	मैट्रिक
,, चन्द्रसैन जैन	१७८२ कूंचा लट्टूशाह देहली	(बी० ए०)
,, छोटेलाल जैन	३४२८ गली मा० दिल्लीगेट देहली	मैट्रिक, प्रभाकर
,, जगरूपशाह जैन	५१३।११ गाँधीनगर देहली-३१	इन्टर
,, जयप्रकाश जैन	१२९३ वकीलपुरा देहली-६	इन्टर
,, जयचन्द जैन	२७० गली जैनमन्दिर शहादरा देहली	इन्टर
,, दानकुमार जैन	३०१६ मस्जिद खजूरधर्मपुरा देहली	(बी० ए०)
,, देवसेन जैन	जैनमन्दिर के पास दिल्लीगेट देहली	मैट्रिक
,, धन्यकुमार जैन	३३९७ दिल्लीगेट देहली	मैट्रिक
,, धन्यकुमार जैन	४२१० आर्यपुरा सब्जीमण्डी देहली-६	इण्टर

श्री धर्मेन्द्रकुमार जैन	१२५१ (एफ. ३९६) लक्ष्मीबाई नई दे०	(बी. ए., प्रभाकर)
,, पद्मचन्द जैन	३०१६ बनारसी-भवन धर्मपुरा देहली	मैट्रिक
,, पारसदास जैन	४६ सी न्यू राजेन्द्रनगर-नई देहली	इण्टर
,, प्रकाशचन्द जैन	दरीबाकलाँ देहली	(बी० ए०)
,, प्रेमचन्द जैन	१२५९ गली गुलियान देहली-६	(बी० कॉम)
,, प्रेमचन्द जैन	एफ २।२३ माडल टाउन देहली	इण्टर
,, प्रेमसागर जैन	४३५, गली भैरोवाली, नई सड़क ,,	मैट्रिक
,, बनवारीलाल जैन	२२०० गली भूतवाली, म० ख० ,,	(बी० ए०)
,, भागचन्द जैन	२४९८ नाईवाड़ा, चावड़ी बा० ,,	मैट्रिक साहि० रत्न
,, भोलानाथ जैन	१५३४ कूंचा सेठ देहली-६	मैट्रिक
,, महावीरप्रसाद जैन	३४६ क० तम्बाकू चावड़ी बा० ,,	,,
,, महावीरप्रसाद जैन	२२४१ गली पहाड़वाली ध० देहली-६	,,
,, महेशकुमार जैन	६५५ कटरा नील, महावीर गली ,,	इण्टर
,, मोहनलाल जैन	३३१० दिल्ली गेट देहली	(बी० ए०)
,, रमेशचन्द्र जैन	१७८२ कूंचा लट्टूशाह, दरी० ,,	(बी०-कॉम)
,, राजबहादुर जैन	४३९ बी. भोलानाथ न० शहा० ,,	,,
,, राजेशबहादुर जैन	बी. ८।८ कृष्ण नगर-देहली-३१	इण्टर
,, विनयकुमार जैन	देहली	मैट्रिक
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	१५३४ कूंचा सेठ देहली-६	(बी० कॉम)
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	सतघरा देहली	(बी० ए०)
,, शीतलप्रसाद जैन	१४१२ कूंचा उ० ही० गुलि० ,,	मैट्रिक
,, सत्येन्द्रकुमार जैन	देहली	(बी० ए०)
,, सतीशचन्द्र जैन	१२५९ गली गुलियान देहली-६	(बी० कॉम)
,, सुभाषचन्द्र जैन	३७६८ कूंचा परमानन्द फै० बा० ,,	(बी० ए०)
,, सुन्दरसिंह जैन	२७२० छत्ता प्रतापसिंह कि० ,,	,,
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	१५३४ कूंचा सेठ देहली-६	(बी० कॉम)
,, सुशीलचन्द जैन	३७६८ कूंचा परमानन्द फै० देहली	(बी० ए०)
,, हीरालाल जैन	२३७।३ रघुवरपुरा देहली-३१	इण्टर

जिला-नागपुर

●

श्री अंबादास गोविन्द	झंडा चौक नागपुर	मैट्रिक
,, केशवराव नत्थूसाव सिंगारे	इतवारा नागपुर	,,
,, दिवाकर अंतोबाजी कुबड़े	१३३ राधोजी नगर नागपुर	,,
,, दीपक देवचन्द बोडखे	निकालस-मन्दिर चौक नागपुर	(बी० एस०-सी०)

श्री प्रभाकर हीरासाव मुठमारे	तहसील कोटला नागपुर	मैट्रिक
,, बाबूराव नागोबा मुठमारे	गरुड खांब इतवारी, नागपुर	,,
,, भाऊराव मोतीसाव लोखंडे	गरुड़ खांब इतवारा, नागपुर	,,
,, मधुकर अनन्तराव रोडे	हनुमान नगर, नागपुर	(बी० ए०)
,, मधुकर लक्ष्मणराव बोलडे	लखमा के अखाड़े के पास, नागपुर	मैट्रिक
,, मनोहर हीरासाव मुठमारे	तहसील के पास काटोल, नागपुर	,,
,, महादेवराव लोखंडे	गरुड़ खांब इतवारा, नागपुर	,,
,, राजेन्द्र यादवराव नाकाडे	मेडिकल कालेज हनुमाननगर, नागपुर	,,
,, लक्ष्मणराव देवमनसाव	लखमा के अखाड़े के पास, नागपुर	,,
,, सुदर्शन रुखबसाव कवड़े	झण्डा चौक चिरणीसपुरा, नागपुर	,,

जिला-बम्बई

●

श्री आदीश्वरप्रसाद जैन	१२।१८ विट्ठलभाई पटेल रोड, बम्बई	इण्टर
,, रतनचन्द सुरेन्द्रनाथ जैन	मोतीवाला जुबलीबाग तारदेव, बम्बई	(बी० ए०)
,, राजेन्द्रकुमार जैन	मोतीवाला जुबलीबाग तारदेव, बम्बई	प्रथम वर्ष
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	देवी-भवन, फ्लैट नं० ३, बम्बई	(बी० ए०)
,, सुमरेचन्द जैन	कोचिंग आफिस, बम्बई	(बी० ए०)

जि०-भडौंच

●

श्री प्रेमचन्द जैन	पालेज	मैट्रिक
,, ललताप्रसाद जैन	पालेज	मैट्रिक
,, ज्ञानचन्द जैन	पालेज	(बी० एस०-सी०)

जिला-भंडारा

●

श्री विजयकुमार जैन	जैनमन्दिर के पास, भंडारा	मैट्रिक
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	जैनमन्दिर के पास, भंडारा	,,
,, शारदकुमार लक्ष्मणराव मुठमारे	जैनमन्दिर के पास, भंडारा	,,

जिला-भरतपुर

●

श्री रामचन्द्र जैन	कायस्थपुरा भरतपुर	मैट्रिक
,, वीरेन्द्रनाथ जैन	कायस्थपुरा भरतपुर	इन्टर

श्री त्रिनेत्रकुमार जैन	कायस्थपुरा भरतपुर	(बी० ए०)
,, सुरेन्द्रनाथ जैन	कायस्थपुरा भरतपुर	(बी० एस० सी०)

जिला-भीलवाड़ा

श्री उत्तमचन्द जैन	भोपालगंज भीलवाड़ा	मैट्रिक
,, प्रवीणचन्द जैन	भोपालगंज भीलवाड़ा	,,
,, मोतीचन्द जैन	भोपालगंज भीलवाड़ा	,,
,, ज्ञानचन्द जैन	भोपालगंज ,,	,,
,, सुमनचन्द्र जैन	भोपालगंज ,,	इण्टर
,, ओमप्रकाश जैन	हवामहल रोड भोपाल	(बी० ए०)
,, इन्दरमल जैन	सिंधी बाजार ५ नं० भोपाल	मैट्रिक
,, इन्दरकुमार जैन	सोमवारा भोपाल	बी० कॉम
,, ऋषभलाल जैन	मांगीलाल कन्हैयालाल की बाखल ,,	१०वीं श्रेणी
,, कमलकुमार जैन	सोमवारा भोपाल	मैट्रिक
,, कान्तिस्वरूप जैन	ललवानी प्रेस रोड, भोपाल	मैट्रिक
,, खेमचन्द जैन	लोहा बाजार भोपाल	मैट्रिक
,, गजराजमल जैन	५ इब्राहीम पुरा भोपाल	इन्टर
,, चन्द्रकान्त जैन	ललवानी प्रेस रोड भोपाल	मैट्रिक
,, जैनपाल जैन	ललवानी सा० भोपाल	(बी० कॉम)
,, डालचन्द जैन	श्वेताम्बरी जैन-मन्दिर के पीछे भो०	१२वीं कक्षा
,, देवेन्द्रकुमार जैन	गोविन्दपुरा भोपाल	मैट्रिक
,, धनपाल जैन	मंगलवारा जैन-मन्दिर रोड भोपाल	(बी० कॉम)
,, धनपाल जैन	जुमेराती बाजार भोपाल	(बी० ए०)
,, नेमीचन्द जैन	सोमवारा बाजार भोपाल	११वीं कक्षा
,, नेमीचन्द जैन	गुज्जरपुरा जुमेराती के भीतर भोपाल	१०वीं कक्षा
,, निर्मलकुमार जैन	इब्राहिमपुरा भोपाल	मैट्रिक
,, प्रेमचन्द जैन	'कृष्ण-भवन' काजीपुरा भोपाल	मैट्रिक
,, फूलचन्द जैन	चौक जैन-मन्दिर मार्ग भोपाल	१०वीं कक्षा
,, बदामीलाल	गली डाकखाना चौक भोपाल	मैट्रिक
,, बसन्तिलाल जैन	इतवारा रोड भोपाल	मैट्रिक
,, बाबूलाल जैन	मुहल्ला गुलिया दाई भोपाल	(बी० ए०)
,, बाबूलाल जैन	लखेरापुरा भोपाल	(बी० ए०)
,, बाबूलाल जैन	चौक जैन मन्दिर रोड भोपाल	१० वीं श्रेणी
,, बाबूलाल जैन	इलाहाबाद बैंकके सामने भोपाल	इण्टर

श्री बाबूलाल जैन	इमलीवाली गली भोपाल	बी० ए०
,, बाबूलाल जैन	पीरगेट के बाहर भोपाल	इण्टर
,, मगनलाल जैन	हवामहल रोड भोपाल	बी० ए०, प्रभाकर
,, श्रीमल जैन	लोहाबाजार भोपाल	मैट्रिक
,, महेन्द्रकुमार जैन	सोमवारा भोपाल	(बी० कॉम)
,, मिश्रीलाल जैन	इब्राहिमपुरा भोपाल	मैट्रिक
,, मोहनलाल जैन	इतवारा रोड भोपाल	इण्टर
,, रणवीरप्रसाद जैन	काजीपुरा भोपाल	मैट्रिक
,, रमेशकुमार जैन	आजाद मार्केट भोपाल	१२ वीं श्रेणी
,, राजेन्द्रकुमार जैन	जैन मन्दिर रोड भोपाल	मैट्रिक
,, लखमीचन्द जैन	इतवारा रोड भोपाल	मैट्रिक
,, लखमीचन्द जैन	कृष्ण-भवन काजीपुरा भोपाल	१०वीं श्रेणी
,, लाभमल जैन	गोपाल-भवन जुमेराती-बाजार भोपाल	मैट्रिक
,, लाभमल जैन	गली बीस हजारी गुज्जरपुरा भोपाल	मैट्रिक
,, विपिनचन्द जैन	पिपलानी भोपाल	मैट्रिक
,, सज्जनकुमार जैन	साउथ टी० टी० नगर भोपाल	(बी० ए०)
,, सिरेमल जैन	रोसलवाले ललवानी सा० गली भोपाल	(बी० कॉम)
,, सुगनचन्द जैन	चिन्तामन का चौराहा भोपाल	१० वीं श्रेणी
,, शान्तिलाल जैन	इतवारा रोड भोपाल	मैट्रिक
,, हस्तीमल जैन	गुज्जरपुरा, जुमेराती भीतर भोपाल	हाईस्कूल

जिला-मैनपुरी

श्री अचलकुमार जैन	बड़ा बाजार शिकोहाबाद	(बी० एस-सी०)
,, अरविन्दकुमार जैन	घिरोर	(बी० ए०)
,, अशोककुमार जैन	बड़ा बाजार शिकोहाबाद	(बी० एस-सी०)
,, कमलेशचन्द्र जैन	पाढ़म	मैट्रिक
,, कामताप्रसाद जैन	सरसागंज	शास्त्री, आ० आचार्य
,, चन्द्रसेन जैन	जैन ट्रस्ट शिकोहाबाद	शास्त्री
,, प्रमोदकुमार जैन	खैरगढ़	मैट्रिक
,, प्रमोदकुमार जैन	बड़ा बाजार शिकोहाबाद	(बी० एस० सी०)
,, रामस्वरूप जैन	खैरगढ़	साहित्य विशारद
,, वीरकुमार जैन	शिकोहाबाद	इन्टर
,, शारदाकुमार जैन	सरसागंज	मैट्रिक
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	घिरोर	इन्टर

श्री सुरेशचन्द्र जैन	बड़ा बाजार शिकोहाबाद	(बी० ए०)
,, सुबोधकुमार जैन	बड़ा बाजार शिकोहाबाद	(बी० एस-सी०)

जिला-रतलाम

●

श्री जगदीशचन्द्र जैन	जीवन विश्राम गृह रतलाम	इन्टर

जिला-राजगढ़

●

श्री कमलकुमार जैन	सारंगपुर	इन्टर
,, चन्द्रमल जैन	सदर बाजार सारंगपुर	(बी० ए०)
,, चान्दमल जैन	सारंगपुर	(बी० ए०)
,, जम्बूकुमार जैन	सदर बाजार सारंगपुर	इन्टर
,, हस्तीमल जैन	गाँधी चौक सारंगपुर	मैट्रिक

जिला-वर्धा

●

श्री कुलभूषण आत्माराम जैन रोडे	वार्ड नं० २ जैन मन्दिर के पास वर्धा	बी० कॉम
,, पानाचन्द गुलाबराव जैन रोडे	रामनगर वर्धा	(बी० ए०)
,, ताराचन्द देशराव जैन	चेला केली वर्धा	मैट्रिक
,, नरेन्द्र कु० पानाचन्द जैन रोडे	रामनगर वर्धा	(बी० एस० सी०)
,, भाऊराव यादवराव जैन चतेर	वार्ड नं० ९ वर्धा	मैट्रिक
,, मनोहर बालवन्तराव जैन दामी	जैन मन्दिर के पास रामनगर वर्धा	मैट्रिक
,, रमेश नेमा साव जैन कवडे	वार्ड नं० २ जैन मन्दिर के पास वर्धा	मैट्रिक
,, रमेशचन्द हीरालाल जैन कोमे	जैन बोडिंग के पास वर्धा	(बी० कॉम)
,, शिवकुमार पानाचन्द जैन रोडे	रामनगर वर्धा	मैट्रिक
,, हीरासाव यादवराव जैन चतेर	वार्ड नं० ९ वर्धा	मैट्रिक
,, हीरासाव आण्याजी जैन दाणी	जैन मन्दिर के पास रामनगर वर्धा	मैट्रिक

जिला-वर्धमान

●

श्री धन्यकुमार जैन	एल ३।१२२ पी० ओ० दुर्गापुर-४	मैट्रिक

जिला-शाजापुर

●

श्री अम्बालाल जैन	काला पीपल	(बी० कॉम)
,, ज्योतिलाल जैन	बेरछादातार	(बी० कॉम)
,, जम्बूकुमार जैन	शुजालपुर	मैट्रिक
,, नेमीचन्द जैन	शुजालपुर सिटी	मैट्रिक
,, पद्मकुमार जैन	त्रिपोलिया बाजार शुजालपुर	(बी० एस० सी०)
,, प्रेमीलाल जैन बड़ेस्या	कालापीपल मण्डी	(बी० कॉम)
,, बसन्तीलाल जैन	शुजालपुर सिटी	इन्टर
,, बाबूलाल जैन	छोटा बाजार	मैट्रिक
,, मगनमल जैन	शुजालपुर सिटी	मैट्रिक
,, रवीलाल जैन	त्रिपोलिया बाजार	मैट्रिक
,, लाभमल जैन	त्रिपोलिया बाजार	मैट्रिक
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	शुजालपुर सिटी	इन्टर
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	त्रिपोलिया बाजार शुजालपुर	(बी. एस-सी.)
,, शान्तीलाल जैन	शुजालपुर सिटी	मैट्रिक

जिला-सवाईमाधोपुर

●

श्री शान्तिस्वरूप जैन	शान्ति वीर नगर पो० महावीर जी	मैट्रिक

जिला-सीहोर

●

श्री अमृतलाल जैन	गान्धी चौक आष्टा	इन्टर
,, गणेशप्रसाद जैन	भोपाल रोड सीहोर	मैट्रिक
,, चान्दमल जैन	आष्टा रोड सीहोर	(बी० ए०)
,, छगनलाल जैन	मोटर स्टैण्ड के पास इच्छावर	मैट्रिक
,, जैनपाल जैन	मोतीलालनेहरू मार्ग सीहोर	मैट्रिक
,, जैनपाल जैन	चरखा लाइन सीहोर	(बी० ए०)
,, जैनपाल जैन	काजीपुरा इच्छावर	मैट्रिक
,, देवेन्द्रकुमार जैन	क्वार्टर २१८ एस. सी. सेन्टर सीहोर	मैट्रिक
,, नेमीचन्द जैन	नमक चौराहा सीहोर	इन्टर
,, बदामीलाल जैन	बड़ाबाजार सीहोर	मैट्रिक
,, बाबूलाल जैन	बड़ाबाजार सीहोर	इन्टर

श्री महेन्द्रकुमार जैन	भोपाल रोड, सीहोर	(बी० ए०)
,, मानिकलाल जैन	बड़ाबाजार, आष्टा	मैट्रिक
,, मानिकचन्द जैन	मोतीलालनेहरू मार्ग, सीहोर	(बी० ए०)
,, मिश्रीलाल जैन	मेहतवाड़ा	इन्टर
,, मोतीलाल जैन	मेहतवाड़ा	मैट्रिक
,, लाभमल जैन	मोटर स्टैण्ड के पास, इच्छावर	,,
,, ज्ञानमल जैन	काजीपुरा, इच्छावर	,,
,, सवाईमल जैन	गान्धीचौक, आष्टा	,,
,, सवाईमल जैन	भोपाल रोड, भोपाल	(बी० ए०)
,, सुजानमल जैन	गान्धी चौक, आष्टा	इन्टर
,, श्रीपाल जैन	गान्धी चौक, आष्टा	मैट्रिक
,, श्रीपाल जैन	काजीपुर, इच्छावर	,,

●

श्री श्योप्रसादजी जैन
टूण्डला

श्री माणिकचन्द्रजी जैन एम.ए., बी.टी.
शिकोहाबाद
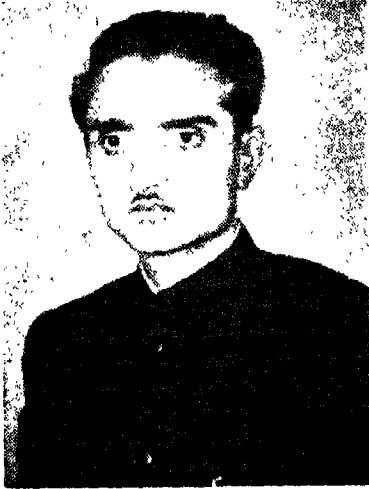
श्री नरेन्द्रप्रकाशजी जैन, साहित्यरत्न
एम.ए.एल.टी., फिरोजाबाद

श्री महेन्द्रकुमारजी जैन, 'महेश'
म० मन्त्री दि० जैन पंचायत, फरिहा
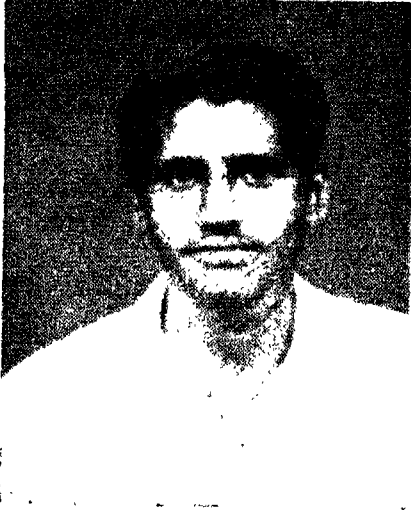
श्री पद्मचन्द्रजी जैन
अ० – श्री दि० जैन पुष्पदन्त सेवामण्डल,
अवागढ़

श्री महीपालजी जैन, साहित्यशास्त्री
गढ़ाकल्याण

श्री सत्येन्द्रकुमारजी जैन, उड़ेसर

श्री कमलेशकुमारजी जैन, फिरोजाबाद

वेतनभोगी बन्धुगण

●

जिला-अजमेर

श्री चन्द्रसेन जैन	१।४२९ माकड़वाली रोड अजमेर	सर्विस
,, शुभचन्द्र जैन	रा० ओसवाल जैन हायर से० ,,	,,
,, विजयकुमार जैन	१।५९ हवेली गंगाधर नहर मु० ,,	,,
,, श्रीलाल जैन	ठि० बाबूराम भंवरलाल वर्मा पट्टीकल ,,	,,
,, हेमचन्द्र जैन कौन्देय	घी मण्डी नयाबाजार अजमेर	,,

जिला-अलीगढ़

श्री उग्रसैन जैन	हाथरस	सर्विस
,, घमण्डीलाल जैन	हलवाई खाना हाथरस	,,
,, किरोड़ीमल जैन	सासनी	,,
,, चिरंजीलाल जैन	मैदामई	,,
,, पद्मचन्द्र जैन	हाथरस	,,
,, परमेश्वरीप्रसाद जैन	अलीगढ़	,,
,, पूरनमल जैन	सासनी	,,
,, बलवीरप्रसाद जैन	मैदामई	,,
,, बुद्धसैन जैन	१०७ सी० रेलवे क्वाटर्स अलीगढ़	,,
,, महावीरप्रसाद जैन	अलीगढ़	,,
,, महीपाल जैन	मैदामई	,,
,, रघुवरदयाल जैन	मैदामई	,,
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	मैदामई	,,
,, सनतकुमार जैन	अलीगढ़	,,
,, सुरेशकुमार जैन	खिरनीकी सराय	,,
,, शान्तीस्वरूप जैन	१७२ श्यामनगर अलीगढ़	,,

जिला-आगरा

श्री अजितकुमार जैन	धूलिआगंज आगरा	सर्विस
,, अतिवीर्यप्रसाद जैन	एत्मादपुर	कैशियर
,, अतिवीर्यप्रसाद जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	सर्विस
,, अनन्तस्वरूप जैन	पं० मोतीलाल नेहरू रोड आगरा	अध्यापन

श्री अभयकुमार जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	सर्विस
,, अमोलकचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, अशर्फीलाल जैन	महावीरनगर फिरोजाबाद	,,
,, आनन्दीलाल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, इन्द्रकुमार जैन	चौकीगेट फिरोजाबाद	,,
,, इन्द्रचन्द्र जैन	उसाइनी	,,
,, इन्द्रप्रकाश जैन	धूलियागंज आगरा	,,
,, इन्द्रभूषण जैन	वरहन	सर्विस स्कूल
,, ईश्वरप्रसाद जैन	महावीर-भवन बलदेव रोड़ टूण्डला	टिकिट कलैक्टर
,, उग्रसैन जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	
,, उग्रसैन जैन	टूण्डला	सर्विस रेलवे
,, उत्तमचन्द जैन	टूण्डला	सर्विस रेलवे
,, ओंकारप्रसाद जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	सर्विस
,, ओमप्रकाश जैन	बलदेव रोड़ टूण्डला	अध्यापन
,, ओमप्रकाश जैन	महावीर-भवन बलदेव रोड़ टूण्डला	सब डि० आफि०
,, कृष्णकुमार जैन	वरहन	सर्विस
,, कपूरचन्द जैन	जलेसर रोड, फिरोजाबाद	,,
,, कमलकुमार जैन	छिलीईंट घटिआ, आगरा	युनिवर्सिटी स०
,, कमलकुमार जैन	बड़ामुहल्ला, फिरोजाबाद	सर्विस
,, कमलकुमार जैन	चौराहा टूण्डला	अध्यापन
,, कामताप्रसाद जैन	धूलियागंज, आगरा	सर्विस
,, कामताप्रसाद जैन	राजा का ताल	,,
,, किशनदेवी जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, किशोरीलाल जैन	गोहिला	,,
,, कीर्तिकुमार जैन	जैनमन्दिर की गली टूण्डला	,,
,, कुलभूषणदास जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, कुसुमचन्द जैन	म० शि० बरतनवाले आगरा	अध्यापन
,, केशवदेव जैन	एत्मादपुर	मुनीमी
,, कैलाशचन्द्र जैन	धूलियागंज, आगरा	सर्विस स्टेट बैंक
,, कैलाशचन्द्र जैन	बलदेव रोड, टूण्डला	अध्यापन
,, गजेन्द्रकुमार जैन	अहारन	सर्विस
,, गणेशचन्द्र जैन	धोबीपाड़ा म. न. ५००६, आगरा	रोडवेज सर्विस
,, गयाप्रसाद जैन	बड़ामुहल्ला, फिरोजाबाद	अध्यापन
,, गुरुदयाल जैन	जैनकटरा, फिरोजाबाद	सर्विस
,, गुलाबचन्द जैन	बड़ामुहल्ला, फिरोजाबाद	,,

श्री गुरुदयाल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	अध्यापन
,, गुरुदयाल जैन	राजा का ताल	,,
,, गुरुदयाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,
,, गेंदालाल जैन	माईथान धूलियागंज, आगरा	सर्विस दीवानी
,, गोरेलाल जैन	जैनकटरा, फिरोजाबाद	,,
,, गोपालदास जैन	जैनकटरा, फिरोजाबाद	सर्विस
,, गौरीशंकर जैन	सुभाष कालोनी, आगरा	,,
,, गौरीशंकर जैन	मुहल्ला दुली, फिरोजाबाद	,,
,, ज्ञानचन्द्र जैन	फिरोजाबाद	,,
,, चन्द्रपाल जैन	बड़ामुहल्ला, फिरोजाबाद	,,
,, चन्द्रप्रकाश जैन	नईबस्ती, फिरोजाबाद	,,
,, चन्द्रभान जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, चन्द्रभानु जैन	चन्द्रप्रभ मुहल्ला, फिरोजाबाद	,,
,, चन्द्रसैन जैन	गान्धीनगर, फिरोजाबाद	,,
,, छुट्टनबाबू जैन	नारखी	रोडवेज सर्विस
,, छुट्टनलाल जैन	अंटगलीवास दरवाजा, आगरा	सर्विस
,, छोटेलाल जैन	जैनकटरा, फिरोजाबाद	,,
,, क्षेत्रपाल जैन	मु० चन्द्रप्रभ, फिरोजाबाद	,,
,, ज्वालाप्रसाद जैन	गान्धीनगर, फिरोजाबाद	,,
,, जगदीशप्रसाद जैन	नईबस्ती, फिरोजाबाद	,,
,, जगदीशचन्द्र जैन	वेलनगंज, आगरा	सर्विस बैंक
,, जगदीशचन्द्र जैन	नईबस्ती, फिरोजाबाद	सर्विस
,, जगरूपसहाय जैन	मरसलगंज आगरा	सर्विस आयलमिल
,, जगरूपसहाय जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	सर्विस
,, जनार्दन जैन	शीतलागली आगरा	सर्विस रोडवेज
,, जयसैन जैन	पलीगली आगरा	सर्विस
,, जयन्तीप्रसाद जैन	लोहा मण्डी, आगरा	अध्यापन
,, जयन्तीप्रसाद जैन	वरहन	सर्विस गवर्नमेंट
,, जियाबाबू जैन	चौराहा टूण्डला	सर्विस
,, जियालाल जैन	बसई	सर्विस
,, जैनेन्द्रकुमार जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	अध्यापन
,, त्रिभुवनकुमार जैन	अहारन	सर्विस मिलैट्री
,, दयाराम जैन	टूण्डला	सर्विस
,, दयाचन्द जैन	टूण्डला	सर्विस
,, देवकुमार जैन	नईबस्ती, फिरोजाबाद	सर्विस

श्री देवकुमार जैन	कोटला	अध्यापन
,, देवकुमार जैन	एत्मादपुर	सर्विससी.बी. ग्ला०
,, देवर्षि जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	सर्विस
,, देवस्वरूप जैन	खांडा	अध्यापन
,, दौलतराम जैन	फिलिपगंज, आगरा	सर्विस
,, द्वारकाप्रसाद जैन	रेलवे कोलोनी, टूण्डला	सर्विस रेलवे
,, धनवन्तसिंह जैन	घेर कोकल, फिरोजाबाद	सर्विस
,, धन्यकुमार जैन	कोटला	सर्विस पोस्ट आ०
,, धनपतलाल जैन	नईबस्ती, फिरोजाबाद	सर्विस
,, धनेशचन्द जैन	एत्मादपुर	,,
,, धनेन्द्रकुमार जैन	नाईकी मण्डी, आगरा	सर्विस न० पालिका
,, नत्थीलाल जैन	गली जीन्दियान, टूण्डला	सर्विस मालगोदाम
,, नरेन्द्रकुमार जैन	३।२३ चटघाट, आगरा	सर्विस
,, नरेन्द्रकुमार जैन	नईबस्ती, फिरोजाबाद	अध्यापन
,, नरेन्द्रनाथ जैन	माईथान धूलियागंज, आगरा	सर्विस युनिवर्सिटी
,, नागेन्द्रकुमार जैन	नाईकी मण्डी, आगरा	सर्विस मेटलव०
,, निर्मलकुमार जैन	बरहन	सर्विस रेलवे
, निर्मलकुमार जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	सर्विस
,, नेमीचन्द जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, नेमीचन्द जैन	चन्द्रप्रभ मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, नैनपाल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	सर्विस
,, प्यारेलाल जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, प्यारेलाल जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	,,
,, पंचमलाल जैन	गाँधी नगर फिरोजाबाद	,,
,, पद्दूमल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,
,, पातीराम जैन	राजा का ताल	,,
,, पातीराम जैन	अहारन	,,
,, पूर्णचन्द्र जैन	उसाइनी	रोजबेज
,, प्रकाशचन्द जैन	वारित्या बिल्डिंग बेलनगंज आगरा	सर्विस बैंक
,, प्रकाशचन्द जैन	जीवनी मण्डी आगरा	सर्विस
,, प्रकाशचन्द जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	,,
,, प्रकाशचन्द जैन	कोटला	अध्यापन
,, प्रभाचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, प्रेमचन्द जैन	जीवनी मण्डी आगरा	सर्विस जोन्स मिल
,, प्रेमचन्द जैन	जमुना ब्रज आगरा	सर्विस प्रेस

श्री प्रेमचन्द जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	सर्विस
,, प्रेमचन्द जैन	टूण्डला	,,
,, प्रेमचन्द जैन	लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, प्रेमचन्द जैन	मुहल्ला चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद	,,
,, प्रेमसागर जैन	मुहल्ला जैननियान टूण्डला	सर्विस रेलवे
,, फूलचन्द जैन	नाई की मण्डी आगरा	,,
,, प्रेमशंकर जैन	बरहन	सर्विस कालेज
,, फूलचन्द जैन	मु० दुली फिरोजाबाद	सर्विस
,, बनवारीलाल जैन	देवघर फिरोजाबाद	सर्विस
,, बनारसीदास जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, ब्रजकिशोर जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, भगवानस्वरूप जैन	६२०८।ए०कोटिया-भवन आगरा	अध्यापन
,, भगवानदास जैन	महावीर नगर आगरा	सर्विस
,, भागचन्द जैन	चौबेजी का फाटक फिरोजाबाद	,,
,, भानुकुमार जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, भामण्डलदास जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, भूलचन्द जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, मदनलाल जैन	लंगड़ा की चौकी आगरा	,,
,, मदनबाबू जैन	बरहन	,,
,, मदनबिहारीलाल जैन	जौंधरी	,,
,, मन्दिरदास जैन	कटरा सुनारान फिरोजाबाद	अध्यापन
,, मन्दिरदास जैन	कटरा सुनारान फिरोजाबाद	,,
,, मनोहरलाल जैन	हनुमागंज फिरोजाबाद	सर्विस
,, महावीरप्रसाद जैन	बेलनगंज आगरा	,,
,, महावीरप्रसाद जैन	बेलनगंज आगरा	,,
,, महावीरप्रसाद जैन	चिरहुली	सर्विस स्कूल
,, महावीरप्रसाद जैन	टूण्डला	सर्विस स्कूल
,, महावीरप्रसाद जैन	घेर खोखरान फिरोजाबाद	सर्विस
,, महावीरप्रसाद जैन	चिरहुली	,,
,, महीपाल जैन	मरसलगंज	,,
,, महेन्द्रकुमार जैन	रेलवे कालोनी टूण्डला	सर्विस रेलवे
,, महेशचन्द जैन	जौंधरी	सर्विस
,, मानिकचन्द जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	मुनीमी
,, मानिकचन्द जैन	भोमरी	सर्विस-स्कूल
,, मानिकचन्द जैन	गंज फिरोजाबाद	सर्विस

श्री मानिकचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	सर्विस
,, माणिकचन्द जैन	गंज फिरोजाबाद	सर्विस-मिलैटरी
,, माणिकचन्द जैन	धोबी पाड़ा पूर्णिया गंज आगरा	अध्यापन
,, मुरारीलाल जैन	जारखी	सर्विस
,, मुरारीलाल जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, मूलचन्द जैन	फंचौरा बाजार बेलनगंज आगरा	,,
,, यतीन्द्रकुमार जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, रघुवीरप्रसाद जैन	रेलवे कालोनी टूण्डला	,,
,, रतनलाल जैन	एम.डी. जैन इन्टर कालेज आगरा	,,
,, रतनलाल जैन	लँगड़ा की चौकी आगरा	,,
,, रमेशचन्द्र जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, रमाशंकर जैन	टूण्डला	,,
,, रवीचन्द्र जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, राजकिशोर जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, राजकुमार जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, राजनलाल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, राजबहादुर जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, राजेन्द्रकुमार जैन	चौक गेट फिरोजाबाद	,,
,, राजेन्द्रकुमार जैन	ठि० ताराचन्द अग्रवाल का म० आगरा	,,
,, राजेन्द्रकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	सर्विस
,, राजेन्द्रप्रसाद जैन	फिरोजाबाद	,,
,, राजेन्द्रश्री जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, राजेन्द्रकुमार जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, रामचन्द्र जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, रामदास जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	अध्यापन
,, रामबाबू जैन	जमुनाब्रज आगरा	सर्विस प्रेस
,, रामप्रताप जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	सर्विस
,, रामस्वरूप जैन	जारखी	,,
,, रामस्वरूप जैन	गाँधी नगर फिरोजाबाद	,,
,, रामबाबू जैन	जसरथपुर	,,
,, रामेश्वरदास जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, रूपकिशोर जैन	बेलनगंज आगरा	सर्विस-रोडवेज
,, विजयकुमार जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	सर्विस
,, विजयकुमार जैन	टूण्डला	,,
,, विजयकुमार जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,

श्री विजयचन्द जैन	छिलीईंट घटिया आगरा	सर्विस, पी.डब्लू.डी.
,, विजयचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	सर्विस
,, विनयकुमार जैन	मु० चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद	,,
,, विमलकुमार जैन	फाटक सूरजभान गंज आगरा	,,
,, विमलकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, विमलस्वरूप जैन	पं० मोतीलाल नेहरू रोड आगरा	अध्यापन
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	
,, वीरेन्द्रनाथ जैन	भाई थान धूलियागंज आगरा	सर्विस
,, वीरचन्द जैन	जमुनाब्रज आगरा	सर्विस रेलवे
,, स्वरूपचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	सर्विस
,, स्वरूपचन्द जैन	एत्मादपुर	,,
,, सज्जनकुमार जैन	एत्मादपुर	,,
,, सत्यप्रकाश जैन	बसई	,,
,, सतीशचन्द्र जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, सतीशचन्द्र जैन	राजाका ताल	सर्विस
,, सन्तकुमार जैन	फाटक सूरजभान गंज आगरा	सर्विस
,, सतीशचन्द्र जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, सन्तकुमार जैन	गाँधी नगर फिरोजाबाद	,,
,, सादीलाल जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, साहूकार जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	,,
,, साहूकार जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	,,
,, सुकमाल स्वरूप जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, सुकमालकुमार जैन	फाटक सूरजभान आगरा	सर्विस कचहरी
,, सुकमाल स्वरूप जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	सर्विस
,, सुखमल जैन	सरायजयराम	सर्विस कालेज
,, सुदर्शनलाल जैन	मु० दुली फिरोजाबाद	सर्विस
,, सुनहरीलाल जैन	मु० चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद	,,
,, सुनहरीलाल जैन	फिरोजाबाद	,,
,, सुनहरीलाल जैन	मु० दुली फिरोजाबाद	,,
,, सुनहरीलाल जैन	टूण्डला	,,
,, सुनहरीलाल जैन	लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, सुभाषचन्द्र जैन	मोती कटरा आगरा	सर्विस बैंक
,, सुमतप्रसाद जैन	बेलनगंज आगरा	सर्विस
,, सुमतिचन्द्र जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, सुमतिप्रकाश जैन	बसई	,,

श्री सुमेरचन्द्र जैन	मु० जैनियान टूण्डला	सर्विस
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	सरायजयराम	सर्विस एयरफोर्स
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	गंज फिरोजाबाद	सर्विस
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,
,, सुरेशचन्द्र जैन	पथवारी धुलियागंज आगरा	,,
,, सुरेशचन्द्र जैन	सासनी	अध्यापन
,, सुरेशचन्द्र जैन	सामलेप्रसाद रोड टूण्डला	सर्विस
,, सुरेशचन्द्र जैन	पचोखरा	सर्विस कालेज
,, सुरेशचन्द्र जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	सर्विस
,, सुरेशचन्द्र जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,
,, सुरेशचन्द्र जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, सूरजपाल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, सूरजभान जैन	इन्द्रमील लाइन नं० १ आगरा	,,
,, सोमप्रकाश जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, श्यामकुमार जैन	चौराहा टूण्डला	,,
,, शान्तकुमार जैन	३६१० नयाबाँस आगरा	सर्विस बीमाकम्पनी
,, शाहकुमार जैन	नारखी	सर्विस
,, हजारीलाल जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, हजारीलाल जैन	धूलियागंज आगरा	अध्यापन
,, हुब्बलाल जैन	गंज फिरोजाबाद	सर्विस
,, श्रीप्रकाश जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	,,
,, श्रीलाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,

जिला-इटावा

श्री सुमतिचन्द्र जैन	जी० आई० सी० इटावा	अध्यापन

जिला-इन्दौर

श्री जयकुमार जैन	जँवरी बाग इन्दौर	सर्विस
,, देवचन्द्र जैन	भोपाल क० नसिया रोड इन्दौर	,,
,, बसन्तकुमार जैन	जँवरी बाजार इन्दौर	सर्विस बैंक
,, बृजकिशोर जैन	स्टेशन के सामने (बीड़ीवाले) राऊ	सर्विस सेल्समैन

श्री राजेशबाबू जैन	इन्द्रभवन तुकोगंज इन्दौर	सर्विस बैंक
,, रामस्वरूप जैन	छोटीग्वाल टोली इन्दौर	सर्विस
,, लालबहादुर जैन	इन्द्रभवन तुकोगंज इन्दौर	,,
,, सुमेरचन्द जैन	भोपाल कम्पाउण्ड इन्दौर	,,
,, सुशीलचन्द्र जैन	एल० आई० ३ तिलकनगर इन्दौर	,,
,, हरिश्चन्द्र जैन	४० जूनापीठ इन्दौर	,,

जिला-इलाहाबाद

●

श्री जगदीशचन्द्र जैन	४३७ मनफोर्डगंज इलाहाबाद	सर्विस
,, जयकुमार जैन	४१४ बादशाही मण्डी इलाहाबाद	सर्विस

जिला-उदयपुर

●

श्री उत्तमचन्द्र जैन	जावरमाइंस उदयपुर	सर्विस
,, सोहनलाल जैन	भीमवाया व्यावर	अध्यापन कार्य

जिला-एटा

●

श्री अमोलक चन्द जैन	एटा	सर्विस
,, अविनाशचन्द्र जैन	एटा	,,
,, आनन्दकुमार जैन	जलेसर	,,
,, आनन्दकुमार जैन	जलेसर	,,
,, इन्द्रकुमार जैन	पिलुआ	दुकान मैनेजर
,, इन्द्रमुकुट जैन	शेरगंज जलेसर	प्रोफेसर
,, उग्रसेन जैन	वलेसरा रेजुवा	सर्विस
,, ओमप्रकाश जैन	निजामपुर	मिलेट्री सर्विस
,, कल्याणदास जैन	पौण्डरी	पटवारी
,, कुँवरबहादुर जैन	फफोत	आपरेटर
,, कान्तिप्रसाद जैन	शेरगंज जलेसर	सर्विस
,, श्रीकृष्ण जैन	पुरानी बस्ती एटा	,,
,, चन्द्रसेन जैन	एटा	,,
,, जयस्वरूप जैन	इमलिया	अध्यापक
,, जयप्रकाश जैन	पुरानी बस्ती एटा	कार्य-कर्ता स्कूल
,, जयन्तीप्रसाद जैन	शेरगंज जलेसर	सर्विस

श्री जिनेन्द्रप्रकाश जैन	मैनगंज एटा	रेलवे सर्विस
,, दमनकुमार जैन	श्रावकाना एटा	स्टेट बक सर्विस
,, दयाचन्द जैन	मु० कैलाशगंज एटा	अध्यापन
,, दयाचन्द जैन	हिम्मतनगर बजहेरा सरनउ	सर्विस
,, नरेन्द्रचन्द्र जैन	मैनगंज एटा	पुलिस सर्विस
,, नरेन्द्रपाल जैन	शिवगंज एटा	अध्यापन
,, नाथूराम जैन	मु० नरोई	अध्यापन
,, नेमीचन्द जैन	मु० नगला ख्याली	ई०पी०एफ० क्लर्क
,, नेमीचन्द जैन	रिजावली-राजमल	अध्यापन
,, नेमीचन्द जैन	बारा समसपुर	सर्विस
,, पद्मचन्द्र जैन	शेरगंज जलेसर	मैनेजर ऊषा कं०
,, पुष्पेन्द्रचन्द्र जैन	मैनगंज एटा	पुलिस-सर्विस
,, प्रकाशचन्द्र जैन	बनारसी कुंज जलेसर	अध्यापन
,, प्रकाशचन्द्र जैन	शेरगंज जलेसर	कालेज-सर्विस
,, श्रीप्रकाश जैन	राजमल	सर्विस
,, प्रतापचन्द्र जैन	एटा	सर्विस
,, प्रेमचन्द जैन	राजमल	रेलवे-सर्विस
,, प्रेमसागर जैन	एटा	सर्विस
,, बंगालीलाल जैन	पुराना बाजार एटा	सर्विस कमेटी
,, व्रजवल्लभदास जैन	शेरगंज जलेसर	सर्विस
,, मक्खनलाल जैन	मैनगंज एटा	पुलिस सर्विस
,, मनोहरलाल जैन	सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा	अध्यापन
,, महीपाल जैन	ग्राम-निजामपुर	मिलैट्री पेन्शनर
,, महेन्द्रकुमार जैन	ग्राम अवागढ़	अध्यापन
,, महेशचन्द्र जैन	एटा	सर्विस
,, महेन्द्रप्रताप जैन	पुराना बाजार एटा	अध्यापन
,, माणिकचन्द जैन	बलदेवसहाय एटा	सर्विस पटवार
,, रमेशचन्द्र जैन	ग्राम अवागढ़	सर्विस वि० क्षेत्र०
,, रमेशचन्द्र जैन	बड़ागाँव	अध्यापन
,, रमेशचन्द्र जैन	ग्राम वसुन्धरा	,,
,, राजबहादुर जैन	एटा	सर्विस
,, राजबहादुर जैन	ग्राम बड़ागाँव	अध्यापन
,, लक्ष्मीनारायण जैन	पुराना बाजार एटा	पेन्शनर डाक०
,, विनयकुमार जैन	ग्राम जलेसर	सर्विस
,, वीरेन्द्रसिंह जैन	सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा	,,

श्री सतीशचन्द्र जैन	शेरगंज जलेसर	अध्यापन
,, सतीशचन्द्र जैन	एटा	सर्विस
,, सुखपाल जैन	वेरूनगली चिरौंजीलाल एटा	,,
,, सुमतिप्रकाश जैन	एटा	,,
,, सुरेशचन्द्र जैन	एटा	,,
,, सुरेन्द्रचन्द्र जैन	मैनगंज एटा	,,
,, सुशीलकुमार जैन	ग्राम अवागढ़	इन्शोरेन्स कं० स०
,, शरद्चन्द्र जैन	मैनगंज एटा	सर्विस
,, शान्तिस्वरूप जैन	ग्राम निधौली छोटी	,,
,, शिवप्रसाद जैन	दलसायपुर	,,
,, शिवप्रसाद जैन	ग्राम सकीट	लेखपाल तहसील
,, शिवरतन जैन	ग्राम जिरसमी	सर्विस
,, हरचरण जैन	जी० टी० रोड एटा	सैल्समैन ऊषा म०
,, हरिश्चन्द्र जैन	मैनगंज एटा	सर्विस पोस्ट वि०

जिला-कलकत्ता

श्री आनन्दकुमार जैन	११३ महात्मा गान्धी रोड कलकत्ता	सर्विस
,, ओमप्रकाश जैन	१३४ तुलापट्टी कलकत्ता	,,
,, नेमीचन्द जैन	गोविन्द अड्डी रोड अलीपुर कलकत्ता	,,
,, भामण्लदास जैन	बाँसतल्ला स्ट्रीट कलकत्ता	,,
,, मदनचन्द्र जैन	२७ नं० मलिक स्ट्रीट कलकत्ता	,,
,, मुन्शीलाल जैन	२७ नं० मलिक स्ट्रीट कलकत्ता	,,
,, रतनलाल जैन	बाँसतल्ला स्ट्रीट कलकत्ता	,,
,, राजेन्द्रनाथ जैन	पी० १५ कलाकार स्ट्रीट कलकत्ता	,,
,, रामप्रकाश जैन	१३४ तुलापट्टी कलकत्ता	,,
,, राममूर्ति जैन	२७ मल्लिक स्ट्रीट कलकत्ता	,,
,, रामस्वरूप जैन	२।१ हंसपुखरिया कलकत्ता	,,
,, वसन्तकुमार जैन	२।१ हंसपुखरिया कलकत्ता	,,
,, शंकरलाल जैन	५९ काटन स्ट्रीट कलकत्ता	,,
,, शिवरतनलाल जैन	३७ बी० कलाकार स्ट्रीट कलकत्ता	,,
,, हरिश्चन्द्र जैन	२७ नं० मलिक स्ट्रीट कलकत्ता	,,
,, ढुण्ढीलाल जैन	१२ नं० सिकन्दरपाड़ा लेन कलकत्ता	,,

जिला-कानपुर

श्री छक्कूलाल जैन	जैनसदन ११२।३४० स्वरूपनगर कानपुर	सर्विस
,, प्रेमचन्द जैन	पड़रीलालपुर	,,
,, महेन्द्रपाल जैन	पड़रीलालपुर	,,
,, मानिकचन्द जैन	जैन सदन ११२।३४० स्वरूपनगर कान०	,,
,, शंकरराव जैन रोड़े	पड़रीलालपुर	,,
,, शंकरराव जैन	जैनसदन ११२।३४० स्वरूपनगर कान०	,,

जिला-ग्वालियर

श्री जगदीशचन्द्र जैन	डफरिन्स सरायके पीछे ग्वालियर	सर्विस
,, धनेन्द्रकुमार जैन	२३०।२३१ लाइन नं०२ बिड़ला० ग्वा०	,,
,, राजेन्द्रकुमार जैन	२३०।२३१ लाइन नं०२ बिड़ला० ग्वा०	,,
,, साहूकार जैन	१ गोशपुरा ग्वालियर	,,
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	२३०।२३१ लाइन नं०२ बिड़ला० ग्वा०	,,
,, हरदयाल जैन	२३०।२३१ लाइन बिड़ला० ग्वा०	,,
,, हरीशचन्द्र जैन	मामाका बाजार लश्कर	,,

जिला-गुना

श्री जगदीशप्रसाद जैन	रेलवे कालोनी रढ़ियाई	सर्विस
,, बजरंगलाल जैन	पं० गंगाप्रसादजीका मकान गुना	,,

जिला-गौंडा

श्री मगनस्वरूप जैन	गौंडा	सर्विस रेलवे

जिला-चौबीस परगना

श्री फूलचन्द जैन	चित्तीगंज (बजबज)	सर्विस
,, बनारसीलाल जैन	चित्तीगंज (बजबज)	,,
,, श्रीनिवास जैन	चित्तीगंज (बजबज)	,,

जिला-जयपुर

●

श्री सुदर्शनकुमार जैन	राज० उच्चतर माध्य० शाला बांसा	सर्विस

जिला-जोधपुर

●

श्री ओमप्रकाश जैन	स्टेशन रोड़ जोधपुर	सर्विस

जिला-झाँसी

●

श्री अभयकुमार जैन	सीपरी बाजार झाँसी	सर्विस रेलवे
,, कृष्णचन्द्र जैन	सीपरी बाजार झाँसी	अध्यापन
,, छोटेलाल जैन	सीपरी बाजार झाँसी	सर्विस रेलवे

जिला-देवरिया

●

श्री महावीरप्रसाद जैन	देवरिया	डि० कलेक्टर

जिला-देहरादून

●

श्री रतनलाल जैन	देहरादून	सर्विस
,, रूपकिशोर जैन	देहरादून	,,

जिला-देहली

●

श्री अजितप्रसाद जैन	१४२ कटरा मशरू दरीबाकलाँ देहली	सर्विस
,, अतरचन्द जैन	५३३।२८ डी० गान्धीनगर देहली ३१	,,
,, अतिवीर जैन	२९२ ए० जैन मन्दिर रा० देहली ३१	,,
,, अनूपचन्द जैन	८ नं० रेलवेक्वाटर्स मोरसराय देहली	सरकारी सर्विस
,, इन्द्रनारायण जैन	३०।६ मस्जिद खजूर देहली ६	सर्विस
,, ओमप्रकाश जैन	४२१६ आर्यपुरा सब्जीमण्डी देहली ६	,,
,, कालीचरण जैन	३३१० दिल्लीगेट देहली	सर्विस डाक तार
,, चन्द्रपाल जैन	२८७९ गली किनारीबाजार देहली	अध्यापन
,, चन्द्रपाल जैन	२२६ जैनमन्दिर शहादरा देहली	सरकारी सर्विस
,, चन्द्रसेन जैन	१७८९ कूंचा लट्टूशाह देहली	सर्विस बैंक

श्री छोटेलाल जैन	३४२८ गली मालियान दिल्लीगेट देहली	जी. पी. ओ. सर्विस
,, जयप्रकाश जैन	१२९३ वकीलपुरा देहली ६	सर्विस रेलवे
,, जयचन्द्र जैन	२७० जैनमन्दिर शहादरा देहली ३१	,,
,, जयन्तीप्रसाद जैन	२१ ए० दर्यागंज देहली ६	अध्यापन
,, जवाहरलाल जैन	३२० दिल्लीगेट देहली	सर्विस
,, जिनेन्द्रप्रकाश जैन	९४ वाई० देहली ७	सर्विस रेलवे
,, जुगलकिशोर जैन	५७ जेड तिमारपुरा देहली ६	सरकारी सर्विस
,, दानकुमार जैन	३०१६ मस्जिदखजूर धर्मपुरा देहली	सर्विस
,, देवेन्द्रकुमार जैन	कूंचासेठ देहली	सर्विस
,, देवेन्द्रकुमार जैन	सतघरा देहली	सर्विस बैंक
,, देवेन्द्रकुमार जैन	२२०० गली भूतवाली म० ख० देहली	सर्विस
,, धर्मेन्द्रकुमार जैन	१२५१ ल० न० नई देहली	सर्विस बैंक
,, नरेन्द्रकुमार जैन	३३६८ गन्दानाला मोरीगेट देहली-६	सर्विस
,, नेमकुमार जैन	३३६८ गन्दानाला मोरीगेट देहली-६	सर्विस
,, नरेन्द्रकुमार जैन	३३६८ गन्दानाला मोरीगेट देहली-६	सर्विस
,, पारसदास जैन	३९१६ जैन-भवन देहली	सबएडी. और लेखक
,, पारसदास जैन	४६-सी न्यू राजेन्द्र नगर नई देहली	सरकारी सर्विस
,, प्रतापचन्द जैन	४०१७ शक्तिनगर देहली-६	आकाश.वा.दिल्ली केन्द्र
,, प्रेमसागर जैन	४३५७ गली भैरोवाली, नईस० देहली	सर्विस
,, प्रेमचन्द जैन	२।२३ एफ माडल टाउन देहली	सर्विस कैशियर
,, प्रेमचन्द जैन	२२८५ गली पहाड़वाली धर्मपुरा दे०	सर्विस
,, प्रेमप्रकाश जैन	२२६३ रघुवरपुरा देहली-३१	सर्विस
,, बंगालीलाल जैन	५४९६ नाई वाड़ा चा० बा० देहली-६	सर्विस
,, भागचन्द जैन	२४९६ नाई बाड़ा चा० बा० देहली-६	सर्विस केशियर
,, भानुकुमार जैन	म०न० १६ ब्लाक न० ६८ श० देहली	अध्यापन
,, मथुरादास जैन	३७ दरियागंज देहली-६	अध्यापन
,, महेन्द्रकुमार जैन	३३५ कटरा बुधानराय दि० देहली	सर्विस
,, महेशचन्द्र जैन	२४९८ नाई बाड़ा चा० बा० देहली-६	सर्विस
,, मानिकचन्द जैन	दरियागंज देहली	सर्विस
मुकेशकुमार जैन	१७७४ कूंचा लट्टूशाह देहली ६	,,
मोहनलाल जैन	३३१० दिल्लीगेट देहली	पत्रकार
रमेशचन्द्र जैन	१७८२ कूंचा लट्टूशाह देहली	सर्विस
राजबहादुर जैन	४४ सी० लाइन दि० क्लौथ मिल देहली	,,
,, राजबहादुर जैन	४३९ बी० शहादरा देहली ६	,,
,, रामचन्द्र जैन	२३६७ छत्ताशाह चावड़ीबाजार देहली	,,

श्री राजेन्द्रप्रसाद जैन	२४।५ व्यासमार्ग शक्तिनगर देहली	सर्विस
,, राजेशबहादुर जैन	८।८ कृष्णानगर देहली ३१	,,
,, लक्ष्मीचन्द जैन	२३६ जेड तिमारपुर देहली	,,
,, लालचन्द जैन	३३१२ दिल्लीगेट देहली	,,
,, विचित्रप्रकाश जैन	९४ वाई० देहली ७	सर्विस रेलवे
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	१२९३ वकीलपुरा देहली ६	सर्विस
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	१५३४ कूंचासेठ देहली ६	सर्विस
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	सतघरा देहली	सर्विस ए.जी.सी.ई.
,, सत्येन्द्रकुमार जैन	देहली	सर्विस रेलवे
,, सुरेशचन्द जैन	३३१२ दिल्लीगेट देहली	सर्विस
,, सुरेशचन्द्र जैन	४०१७ शक्तिनगर देहली-६	सर्विस
,, सुखवीरप्रसाद जैन	३४२४ दिल्लीगेट देहली	सर्विस म्यू० कार्पो०
,, सुखानन्द जैन	देहली	सर्विस
,, सुमतिचन्द जैन	११।४१ जे० राजोरी गार्डन, देहली	अध्यापन
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	म०नं० १६ शक्तिनगर देहली	,,
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	१५३४ कूंचासेठ देहली-६	सर्विस
,, सुलेखचन्द जैन	२३१२ दिल्लीगेट देहली	सर्विस परि०मन्त्रा०
,, सुन्दरसिंह	२७२० छत्ता प्रतापसिंह देहली ६	सर्विस
,, सूरजभान जैन	शक्तिनगर देहली ३१	सर्विस
,, सूरजप्रसाद जैन	२४९८ नाईबाड़ा धर्मपुरा देहली ६	सर्विस नगर निगम
,, शिखरचन्द जैन	२५१६ धर्मपुरा देहली	सर्विस
,, श्रीचन्द जैन	सतघरा देहली	,,
,, हरिचन्द जैन	३३१२ दिल्लीगेट देहली	,,
,, हीरालाल जैन	२३७।३ गाँधीनगर देहली ३१	,,

जिला-धनवाद

●

श्री रवीन्द्रकुमार जैन	खरखरी	अध्यापन कार्य

जिला-नागपुर

●

श्री अशोक रोड़े जैन	इतवारा	सर्विस
,, केशवराव नत्थुसाव सिंगारे	नवीनदत्त मन्दिर इतवारी नागपुर	सर्विस प्रेस
,, गणपतराव नत्थुसाव जैन	इतवारा नागपुर	पैन्सन
,, दादासाहेब नत्थूसाव जैन	संतीरोड़ इतवारी नागपुर	सर्विस टैक्सकलैक्टर

श्री दिवाकर कवड़े जैन	ब्लाक नं० १३३ रघोजी नागपुर	सर्विस
,, प्रभाकर लक्ष्मणराव जैन	लखमा अखाड़ा के पास नागपुर	अध्यापन कार्य
,, प्रभाकर हीरासाव मुठमारे	तहशील आफिस काटोल नागपुर	सर्विस
,, भालचन्द्र मुठमारे जैन	इतवारा नागपुर	सर्विस
,, मधुकर तुकाराम जैन	गावरसवाड़ा इतवारा नागपुर	,,
,, मधुकर अनन्तराव जैन	प्राइ० स्कूल हनुमाननगर नागपुर	अध्यापन कार्य
,, मनोहरलाल मुठमारे जैन	तहसील आफिस काटोल	सर्विस
,, रमेश बलवन्त जैन	जुनेदत्त मन्दिर इतवारा नागपुर	,,
,, राजेन्द्रयादवराव नाकाडे	मैडिकल कालेज हनुमाननगर नागपुर	,,
,, वावन अंतोबाजी कवड़े जैन	निमालमन्दिर इतवारी नागपुर	,,
,, सुदर्शन रुखवसार कवड़े जैन	झण्डाचौक चिरणीसपुरा नागपुर	सर्विस
,, शरद मुठमारे जैन	इतवारा नागपुर	सर्विस

जिला-प्रतापगढ़

●

श्री जवाहरलाल जैन	पट्टी प्रतापगढ़	सर्विस

जिला-पुरी

●

श्री जशोधरलाल जैन	खण्डगिरि	सर्विस

जिला-फतेहपुर

●

श्री अशोककुमार जैन	फतेहपुर	सर्विस विजली
,, पद्मकुमार जैन	कोड़ा जहानाबाद	सर्विस
,, वासुदेव जैन	देवीगंज फतेहपुर	,,
,, सुरेशचन्द्र जैन	जैन मुहल्ला कोड़ा जहानाबाद	,,

जिला-फरुखाबाद

●

श्री पूनमचन्द जैन	फरुखाबाद	सर्विस

जिला-बड़ोदा

●

श्री राजबहादुर पुत्तूलाल जैन	१११६सरदारचौक नयाबाजार करजन	सर्विस

जिला-भड़ौच

श्री प्रेमचन्द जैन	पालेज	सर्विस
,, ब्रजकिशोर जैन	पालेज	,,

जिला-भरतपुर

श्री नरेन्द्रनाथ जैन	कायस्थपुरा धौलपुर	सर्विस
,, रामचन्द्र जैन	कायस्थपुरा धौलपुर	,,

जिला-भीलवाड़ा

श्री उत्तमचन्द्र जैन	भोपाल गंज भीलवाड़ा	सर्विस
,, नेमीचन्द जैन	दि० जैन मन्दिर भोपालगंज	,,
,, प्रवीणचन्द जैन	भोपालगंज भीलवाड़ा	,,
,, सुमनचन्द्र जैन कौन्देय	भोपालगंज ,,	,,

जिला-भेलसा

श्री छवीलाल जैन	माधवगंज विदिशा	सर्विस
,, दयानन्द जैन	माधवगंज विदिशा	,,

जिला-भोपाल

श्री अजितकुमार जैन	सोमवारा बाजार	सर्विस
,, अनोखीलाल जैन	मंगलवारा भोपाल	,,
,, अम्बालाल जैन	इतवारा बाजार भोपाल	,,
,, अशोककुमार जैन	कोतवाली रोड भोपाल	,,
,, इन्द्रमल जैन	१५ सिंधी बाजार भोपाल	,,
,, ऋषभदेव शरन जैन	हवामहल रोड भोपाल	,,
,, ऋषभचन्द जैन	मंगलवारा थाने के सामने भोपाल	,,
,, ऋषभलहल जैन	इलाहाबाद बैंक के सामने भोपाल	,,
,, ओमप्रकाश जैन	हवामहल रोड भोपाल	,,
,, कमलकुमार जैन	सोमवारा भोपाल	,,
,, कमलकुमार जैन	बागमल जैन की बाखल भोपाल	,,

श्री केशरीमल जैन	श्वेताम्बर-मन्दिर के पास भोपाल	,,
,, कोमलचन्द जैन	इतवारा तब्बेमियाँ के सामने भोपाल	,,
,, खुशीलाल जैन	सोमवारा भोपाल	,,
,, खेमचन्द जैन	लोहाबाजार भोपाल	,,
,, गजराजमल जैन	३ इब्राहीमपुरा भोपाल	,,
,, गुणधरलाल जैन	इतवारा भोपाल	,,
,, गेंदालाल जैन	१५ नं० सिंधी बाजार भोपाल	,,
,, गोपालमल जैन	कलारी के पास भोपाल	,,
,, गोपीलाल जैन	लखेरापुरा भोपाल	,,
,, चित्रप्रभा जैन	हवामहल रोड भोपाल	,,
,, छगनलाल जैन	जैन मन्दिर मार्ग भोपाल	,,
,, छीतरमल जैन	घोड़ा नक्कास भोपाल	,,
,, छोटेलाल जैन	इतवारा रोड भोपाल	,,
,, जेवरचन्द जैन	इतवारा रोड भोपाल	,,
,, जैनपाल जैन	श्रीपाल जैन का मकान भोपाल	,,
,, डालचन्द जैन	श्वेताम्बर जैन-मन्दिर के पास भोपाल	,,
,, देवकुमार जैन	मंगलवारा-मन्दिर के पास भोपाल	,,
,, धनपाल जैन	जुमेराती बाजार भोपाल	,,
,, धनपतराय जैन	मंगलवारा जैन-मन्दिर मार्ग भोपाल	,,
,, नाथूराम जैन सिंघई	गुज्जरपुरा भोपाल	,,
,, नेमीचन्द जैन	सोमवारा नीमवाली बाखल भोपाल	,,
,, नेमीचन्द जैन	सईदिया मार्ग भोपाल	,,
,, प्रेमचन्द जैन	मारवाड़ी रोड भोपाल	,,
,, फूलचन्द जैन	अजित-भवन चौक भोपाल	,,
,, बसन्तिलाल जैन	इतवारा रोड भोपाल	,,
,, बसन्तिलाल जैन	रीटा एजेन्सी के पास भोपाल	,,
,, बागमल जैन	इतवारा रोड भोपाल	,,
,, बागमल जैन	छगनलाल जैन का मकान भोपाल	,,
,, बागमल जैन	गुज्जरपुरा जुमेराती बाजार भोपाल	,,
,, बाथमल जैन	घोड़ा नक्कास भोपाल	,,
,, बाबूलाल जैन	बागमल जी की बाखल भोपाल	,,
,, बाबूलाल जैन	कोतवाली रोड भोपाल	,,
,, बाबूलाल जैन	तब्बेमियाँ के महल के पास भोपाल	,,
,, बाबूलाल जैन	लखेरापुरा भोपाल	,,
,, बाबूलाल जैन	लखेरापुरा भोपाल	,,

श्री बाबूलाल जैन	इमलीवाली लोहा बाजार भोपाल	सर्विस
,, बाबूलाल जैन	इलाहाबाद बैंक के सामने भोपाल	,,
,, बाबूलाल जैन	१५ नं० सिंधी बाजार भोपाल	,,
,, बाबूलाल जैन	मोहल्ला गुलियादाई भोपाल	,,
,, बाबूलाल जैन	पीरगेट बाहर भोपाल	,,
,, भँवरलाल जैन	इतवारा रोड भोपाल	,,
,, मगनलाल जैन	हवामहल रोड भोपाल	,,
,, मदनलाल जैन	शकूरखाँ की मसजिद भोपाल	,,
,, मानमल जैन	कन्हैयालालजी की बाखल भोपाल	,,
,, माँगीलाल जैन	कन्हैयालालजी की बाखल भोपाल	,,
,, माँगीलाल जैन	बागमलजी की बाखल भोपाल	,,
,, माँगीलाल जैन	अशोक जैन भवन मंगलवारा भोपाल	,,
,, माँगीलाल जन	गुज्जरपुरा गली नं० ३ भोपाल	,,
,, माँगीलाल जैन	पीरगेट भोपाल	,,
,, मूलचन्द जैन	इतवारा बाजार भोपाल	,,
,, मूलचन्द जैन	कृष्णभवन काजीपुरा भोपाल	,,
,, मूलचन्द जन	इतवारा भोपाल	,,
,, मोतीलाल जैन	मारवाड़ी रोड भोपाल	,,
,, मोतीलाल जैन	मारवाड़ी रोड भोपाल	,,
,, मोहनलाल जैन	इतवारा रोड भोपाल	,,
,, रणवीरप्रसाद जैन	काजीपुरा भोपाल	,,
,, रमेशकुमार जैन	श्रीपाल जैन का मकान भोपाल	,,
,, राजमल जैन	कृष्णभवन काजीपुरा भोपाल	,,
,, राजमल जैन	इमलीवाली गली लोहा बाजार भोपाल	,,
,, राजेन्द्रकुमार जैन	जैन मन्दिर रोड भोपाल	,,
,, लखमीचन्द जैन	कृष्णभवन काजीपुरा भोपाल	,,
,, लखमीचन्द जैन	इनवारा रोड भोपाल	,,
,, लाभमल जैन सिंघई	गुज्जरपुरा भोपाल	,,
,, विपिनचन्द जैन	क्वार्टर नं०२७ एन० २ टाइप से० भोपाल	,,
,, सज्जनकुमार जैन	१।२० साउथ टी० टी० नगर भोपाल	,,
,, सुन्दरलाल जैन	इलाहाबाद बैंक के सामने भोपाल	,,
,, सुमतलाल जैन	इलाहाबाद बैंक के सामने भोपाल	,,
,, सूरजमल जैन	इलाहाबाद बैंक के सामने भोपाल	,,
,, सूरजमल जैन	लखेरापुरा भोपाल	,,
,, सूरजमल जैन	श्रीपाल जैन का मकान भोपाल	,,

श्री सेजमल जैन	ललवानी सा० की गली भोपाल	सर्विस
,, सेजमल जैन	पीरगेट बाहर भोपाल	,,
,, सौभाग्यमल जैन	डालचन्दजी का मकान मन्दिररोड भो०	,,
,, शान्तिलाल जैन	इतवारा भोपाल	,,
,, शान्तिलाल जैन	चिन्तामन चौराहा भोपाल	,,
,, शान्तीलाल जैन	लखेरापुरा सईदिया मार्ग भोपाल	,,
,, शान्तिलाल जैन	कन्हैयालाल जी की बाखल भोपाल	,,
,, श्रीमल जैन	भाड़े की बगिया लोहा बाजार भोपाल	,,
,, हस्तीमल जैन	जुमेराती बाजार गुज्जरपुरा भोपाल	,,
,, हेमराज जैन	इतवारा भोपाल	,,
,, हेमराज जैन	मंगलवारा भोपाल	,,

जिला-मथुरा

●

श्री प्रभाचन्द जैन	महावन	सर्विस
,, बुद्धसेन जैन	दौहई	सर्विस

जिला-मनीपुर

●

श्री प्रेमचन्द्र जैन	डी०एम० कालेज इम्फाल	अध्यापन कार्य
,, रतनचन्द्र जैन	भँवरीलाल बाकलीवाल कं० इम्फाल	सर्विस

जिला-मारोठ

●

श्री मणीन्द्रकुमार जैन	पाटनी भवन मारोठ	सर्विस
,, शिवमुखराय जैन	पाटनी भवन मारोठ	,,

जिला-मेरठ

●

श्री रमेशचन्द्र जैन	९२।९६ स्वराज्य पथ मेरठ	सर्विस

जिला-मैनपुरी

●

श्री अशोककुमार जैन	पाढ़म	सर्विस
,, आनन्दकुमार जैन	शिकोहाबाद	,,
,, इन्द्रचन्द्र जैन	पाढ़म	,,

श्री कमलेशचन्द्र जैन	पाढ़म	सर्विस
,, चन्द्रवीर जैन	घिरोर	,,
,, चन्द्रसेन जैन	शिकोहाबाद	,,
,, जयन्तीप्रसाद जैन	जैन ट्रस्ट शिकोहाबाद	,,
,, जिनवरदास जैन	मुहल्ला मिसरान शिकोहाबाद	,,
,, देवेन्द्रकुमार जैन	शिकोहाबाद	,,
,, नत्थीलाल जैन	मिश्राना	,,
,, नम्बरदास जैन	बड़ा बाजार शिकोहाबाद	,,
,, बुद्धसेना जैन	कौरारा बुजुर्ग	,,
,, पुष्पेन्द्रकुमार जैन	जैन ट्रस्ट शिकोहाबाद	,,
,, प्रद्युम्नकुमार जैन	घिरोर	,,
,, भवनस्वरूप जैन	सुनाव	,,
,, भागचन्द जैन	पाढ़म	अध्ययन सर्विस
,, राजकुमार जैन	जसराना	सर्विस
,, रामस्वरूप जैन	फरिहा	,,
,, विजयचन्द जैन	शिकोहाबाद	,,
,, विमलकुमार जैन	पाढ़म	एम-ए-एल० टी०
,, श्यामलाल जैन	जैन ट्रस्ट शिकोहाबाद	सर्विस
,, शारदकुमार जैन	वल्टीगढ़	,,
,, सुखमाल जैन	कौरारा बुजुर्ग	पोस्टमास्टर सर्विस
,, सुनहरीलाल जैन	सुनहरीलाल खेड़ा शिकोहाबाद	सर्विस
,, सुभाषचन्द जैन	घिरोर	,,
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	घिरोर	,,
,, सुरेशचन्द्र जैन	जसराना	,,
,, श्रीचन्द जैन	सरसागंज	,,
,, ज्ञानचन्द्र जैन	बड़ा बाजार शिकोहाबाद	,,

जिला-रतलाम

श्री जगदीशचन्द्र जैन	चाँदनी चौक रतलाम	सर्विस

जिला-राजगढ़

श्री कमलकुमार जैन	मिडिल स्कूल सारंगपुर	सर्विस
,, केशरीमल जैन	बाक कूआं सारंगपुर	,,

श्री जम्बूकुमार जैन	सदर बाजार सारंगपुर	सर्विस
,, नेमीचन्द जैन	पाडल्या	,,
,, बागमल जैन	सदर बाजार सारंगपुर	,,
,, बाबूलाल जैन	धर्मशाला के सामने सारंगपुर	,,
,, महेन्द्रकुमार जैन	सदरबाजार सारंगपुर	,,
,, सूरजमल जैन	सदरबाजार दि० मन्दिर सारंगपुर	,,

जिला-रायचूर

●

श्री यशोधर जैन	सालारगंज सुगरमिल्स मुनीराबाद	सर्विस

जिला-वर्धमान

●

श्री धन्यकुमार जैन	एल ३।११२ पी० ओ० दुर्गापुर	सर्विस
,, मथुराप्रसाद जैन	बैना चट्टी दुर्गापुर ४	,,

जिला-शाजापुर

●

श्री गेंदमल जैन	मखावद	सर्विस
,, घोलीराम जैन	बेरछादातार	,,
,, मदनलाल जैन	मखावद	,,
,, राजमल जैन	शुजालपुर	,,
,, श्रीधरलाल जैन	नलखेड़ा	,,

जिला-सीहोर

●

श्री अजितकुमार जैन	मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर	सर्विस
,, अनोखीलाल जैन	जावर	,,
,, अमृतलाल जैन	गाँधीचौक आष्टा	,,
,, अमृतलाल जैन	चरखालाइन सीहोर	,,
,, कन्हैयालाल जैन	अल्लीपुर आष्टा	,,
,, खुशीलाल जैन	भोपालरोड सीहोर	,,
,, चेवरमल जैन	किला आष्टा	,,
,, चाँदमल जैन	आष्टा रोड सीहोर	,,
,, जीतमल जैन	मेहतवाड़ा	,,
,, जैनपाल जैन	चरखालाइन सीहोर	,,

श्री जैनपाल जैन	मोतीलालनेहरू रोड सीहोर	सर्विस
„ डालचन्द जैन	मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर	„
„ ताराचन्द जैन	बड़ाबाजार आष्टा	„
„ देवेन्द्रकुमार जैन	क्वार्टर नं० २१८ सी. गो० सीहोर	„
„ धनपाल जैन	मोतीलाल नेहरू रोड सीहोर	„
„ नथमल जैन	मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर	„
„ निर्मलकुमार जैन	भोपाल रोड सीहोर	„
„ फूलचन्द जैन	बड़ाबाजार आष्टा	„
„ फूलवती जैन	मेह्तवाड़ा	„
„ बसन्तीलाल जैन	चरखा लाइन सीहोर	„
„ बागमल जैन	भोपाल रोड सीहोर	„
„ बाबूलाल जैन	मोटरस्टैण्डके पास इच्छावर	„
„ बाबूलाल जैन	मेह्तवाड़ा	„
„ बाबूलाल जैन	नमक चौराहा सीहोर	„
„ बालचन्द जैन	आष्टा	„
„ मन्नूलाल जैन	आष्टा	„
„ महेन्द्रकुमार जैन	भोपाल रोड सीहोर	„
„ मानकचन्द जैन	मोतीलालनेहरू मार्ग सीहोर	„
„ मिट्ठूलाल जैन	आष्टा	„
„ माखनलाल जैन	बुधवारा आष्टा	„
„ मिश्रीलाल जैन	बड़ाबाजार आष्टा	„
„ मिश्रीलाल जैन	मोटरस्टैण्ड के पास इच्छावर	„
„ मिश्रीलाल जैन	मेह्तवाड़ा	„
„ मांगेलाल जैन	जावर	„
„ मेघराम जैन	जावर	„
„ रतनलाल जैन	मोसादर का वापुल आष्टा	„
„ राजमल जैन	अल्लीपुर आष्टा	„
„ रेशमबाई जैन	कन्या माध्यमिक पा० इच्छावर	„
„ लाभमल जैन	मोटर स्टैण्ड के पास इच्छावर	„
„ ज्ञानमल जैन	काजीपुर इच्छावर	„
„ सुन्दरलाल जैन	किला आष्टा	„
„ सुन्दरलाल जैन	बड़ाबाजार आष्टा	„
„ सुमतलाल जैन	बुधवारा बड़ाबजार आष्टा	„
„ सुमतलाल जैन	बड़ाबाजार सीहोर	„
„ सुहागमल जैन	भोपाल रोड सीहोर	„

श्री सूरजमल जैन	मोतीलाल नेहरू मार्ग सीहोर	सर्विस
,, सेजमल जैन	मंगलवारिया सीहोर	,,
,, शिखरचन्द जैन	मंगलवारिया कस्बा सीहोर	,,
,, श्रीपाल जैन	गंज गाँधीचौक आष्टा	,,
,, श्रीपाल जैन	कस्बा सीहोर	,,
,, हरीलाल जैन	मोटर स्टैन्ड के पास इच्छावर	,,
,, हीरालाल जैन	आष्टा	,,

जिला-हजारीबाग

श्री अतिवीरचन्द्र जैन	ईसरी बाजार	सर्विस
,, अनिलकुमार जैन	ईसरी बाजार	,,
,, जिनेन्द्रकुमार जैन	ईसरी बाजार	,,
,, देवेन्द्रकुमार जैन	ईसरी बाजार	,,
,, महावीरप्रसाद जैन	ईसरी बाजार	,,
,, महेन्द्रकुमार जैन	ईसरी बाजार	,,
,, सेतीलाल जैन	ईसरी बाजार	,,
,, सोमप्रकाश जैन	ईसरी बाजार	,,

जिला-हुगली

श्री कैलाशचन्द्र जैन	ठि०इंजिनियरिंग प्रोडक्सन लि० रिसड़ा	सर्विस

श्री पाण्डे ज्योतिप्रसादजी जैन, नगलास्वरूप
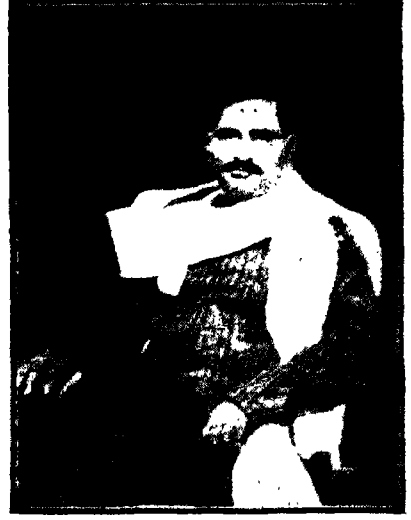
श्री बाबूलालजी जैन, अवागढ़

श्री रामप्रसादजी जैन, अवागढ़

श्री गुलजारीलालजी जैन, अवागढ़

श्री उलफतरायजी जैन, सरनऊ

श्री अँगरेजीलालजी जैन, मैदामई

श्री अमरचन्दजी जैन, सरनऊ

श्री दयाचन्दजी जैन, सरनऊ

समाज-नक्षत्रों का

संक्षिप्त परिचय

मुनि श्री ब्रह्मगुलालजी महाराज

मुनि श्री ब्रह्मगुलाल के पूर्वज प्राचीन पद्मावती नगरी (वर्तमान पवाया) के अधिवासी थे। वह किसी समय वहाँ से स्थानान्तरण करके गंगा-यमुना के मध्य टापू अथवा टापो नामक स्थान में आ बसे थे। यह वैश्य परिवार बड़ा ही विवेकशील और मर्यादापालक था। श्री ब्रह्मगुलालजी की जन्म तिथि का तो कोई निश्चित उल्लेख नहीं पाया जाता किन्तु इनके पिता श्री 'हल्ल' के शताब्दी काल का संकेत अवश्य ही मिलता है, जो कि इस प्रकार से है :—

सोलह सै के ऊपरे सत्रह सै के माय।
पांडिन ही में ऊपजे दिरग, हल्ल दो भाय ॥

अर्थात् १६ और १७ संवत् के बीच "दिरग और हल्ल" दोनों भाई पांडो नामक स्थान में उत्पन्न हुए थे। श्री हल्ल विशेष प्रभावशाली व्यक्ति हुए। अथच इन्हें सम्मानित राजाश्रय प्राप्त हुआ। कविवर 'छत्रपति' की रचनाओं से पता चलता है कि श्री हल्ल का भरा-पूरा परिवार था। किन्तु जिस समय वह घर से बाहर अपने खेत-बाग में थे, उसी समय घर में आग लगी और सारा परिवार भस्मसात् हो गया। इस आकस्मिक वज्रपात को इन्होंने बड़े ही धैर्य और साहस के साथ सहन किया। तत्कालीन राजा, जिनके यह दरबारी थे—ने बड़ी चेष्टा करके इनका पुनर्विवाह कराया।

इसी दूसरी पत्नी से श्री 'ब्रह्मगुलाल' का जन्म हुआ। शोधाचार्यों का ऐसा अभिमत है कि इनका जन्म संवत् १६४० के लगभग हुआ होगा। कविवर छत्रपति ने इनकी प्रशस्ति में जो ग्रन्थ प्रणयन किया है, उसकी परिसमाप्ति विक्रमीय संवत् १९०९ पूर्वाषाढ़ नक्षत्र, माघ वदी १२ शनिवार को सायंकाल हुई। श्री ब्रह्मगुलालजी के स्वर्गारोहण के प्रायः दो सौ वर्ष बाद इस ग्रन्थ की रचना हुई। इस ग्रन्थ के अनुसार श्री ब्रह्मगुलाल जी का जन्म 'टापे' नामक ग्राम में हुआ था, जो कि चन्द्रवार के समीप है। यह स्थान आगरा जिला के फिरोजाबाद नामक कस्बे के निकट है और यहाँ तत्कालीन भव्य भवनों के भग्नावशेष खण्डहर के रूप में अपनी विशालता का परिचय दे रहे हैं। श्री ब्रह्मगुलाल की माता प्रसिद्ध और सम्पन्न वैश्य श्री शाहन्शाह की सुन्दरी कन्या थीं।

श्री ब्रह्मगुलाल का स्वास्थ्य बड़ा ही सुन्दर और चित्ताकर्षक था। इनमें महापुरुषों के से लक्षण परिलक्षित होते थे। इनका लालन-पालन बड़े ही उत्तम ढंग से हुआ और शिक्षा एक अच्छे विद्वान् द्वारा दी गई। धर्मशास्त्र, गणित, व्याकरण, काव्य, साहित्य, छन्द, अलंकार, शिल्प, शकुन और वैद्यक आदि की शिक्षा इन्होंने अल्पकाल ही में प्राप्त कर ली थी।

ब्रह्मगुलाल कुमारणे पूर्व उपायो पुन्य।
याते बहुविद्या फुरीं कह्यो जगत ने धन्य ॥

इन्हें लावनी आदि गाने और स्वांग भरने का शौक लग गया था। वादकों के साथ गाने भी गाने लगे थे। माता-पिता और परिजनों के बहुत समझाने पर इन्होंने इस कार्य को

सीमित किया, किन्तु त्यौहार आदि विशेष अवसरों पर यह स्वांग भरते और सर्वसाधारण का मनोरंजन किया करते थे। उनकी इस कला की दूर-दूर तक ख्याति हुई और राजसभा में उनका समादर भी अधिक बढ़ने लगा। उनके सम्मान को बढ़ते देखकर राजमंत्री को ईर्ष्या होने लगी और वह इनकी कीर्ति कम करने के लिए तरह-तरह के षड़यंत्र भी रचने लगा। मंत्री ने राजकुमार को उकसाया कि तुम श्री ब्रह्मगुलालजी से सिंह का स्वांग भरकर लाने को कहो।

राजकुमार ने राजा के सामने उनसे सिंह का स्वांग भरकर लाने के लिए कहा। श्री ब्रह्मगुलाल ने स्वीकार तो किया किन्तु राजा से त्रुटि-मार्जनार्थ वचन ले लिया कि यदि कोई चूक हो जाय तो अपराध क्षमा किया जाय। राजा ने अभयदान दे दिया। मंत्री की चाल यह थी कि सिंह रूपधारी ब्रह्मगुलाल से हिंसा कराकर इनके बढ़ते हुए प्रभाव को कम किया जाय। यदि जीव बध करते हैं तो जैनी श्रावक पद से च्युत होते हैं और नहीं करने से सभा में सिंह के स्वांग की हँसी होती है। ब्रह्मगुलाल जी सिंह का स्वांग बना कर सभा में पहुँचे। सिंह की दहाड़, स्वभाव, आचरण और आकृति आदि से रूपक अच्छा बन पड़ा था।

जब सिंह राजसभा में पहुँचा तो उसकी परीक्षा के लिए एक मृग-शावक उसके सामने खड़ा कर दिया गया। क्योंकि मन्त्री का यह पूर्व नियोजित षड्यंत्र तो था ही। सभा में खड़ा सिंह दहाड़ता है और पूँछ हिलाता है किन्तु हिरन के बच्चे पर वह झपटता नहीं है। यदि सिंह मृगशावक का वध करता है तो हिंसा होती है और नहीं करता है तो सिंह के स्वभाव में बाधा आती है। सिंह रूपी ब्रह्मगुलाल के सामने विषम परिस्थिति थी। भइ गति सांप छछूंदरि केरी। कदाचित् पहले से इस षडयंत्र का पता होता तो बहुत ही सुन्दर और सामयिक उत्तर मंत्री और राजकुमार को यह दिया जा सकता था कि—सिंह क्षुधित होने पर ही हिंसा करता है; निरर्थक जीव वध नहीं करता है। क्योंकि वह मृगराज कहलाता है। दूसरी बात यह भी तो है कि—वनराजा और नरराजा का यह समागम है, यहाँ सभ्य मानवों की सभा भी है। अथच यहाँ इस प्रकार के अशोभन कार्य नहीं होने चाहिये। जिस प्रकार नरराजा उचितानुचित का विचार करके कदम उठाते हैं; अपनी प्रजा को व्यर्थ ही उत्पीड़ित नहीं करते, इसी प्रकार वनराजा भी स्थान और काल के अनुरूप ही कार्य करते हैं। नोचेत् सिंह को इतनी देर कब लगती।

यह एक ऐसी दलील थी कि राजा भी प्रसन्न हो जाता और मंत्री तथा राजकुमार भी निरुत्तर हो जाते। यह बात अवश्य थी कि सिंह नहीं बोल सकता था किन्तु सिंह के साथ जो लोग आये थे, वह ऐसा उत्तर सिंह की ओर से दे सकते थे।

अभी ब्रह्मगुलाल कुछ स्थिर भी न कर पाये थे कि मंत्री की प्रेरणा से राजकुमार ने सिंह से कहा —

> सिंह नहीं तू स्यार है, मारत नाहिं शिकार।
> वृथा जन्म जननी दियो, जीवन को धिक्कार॥

इतना सुनते ही सिंह के बदन में आग जैसी लग गई। ब्रह्मगुलाल की आत्मा विक्षुब्ध हो उठी। हिरण शिशु पर से दृष्टि हटी और क्रोधावेश में उछल कर राजकुमार के शीश पर

जाकर थाप मारी। इससे राजकुमार घायल होकर बेसुध जमीन पर गिर पड़ा। सभा में आतंक और भय व्याप्त हो गया। सिंह सभा से चला गया। इस आकस्मिक और घातक आक्रमण से राजकुमार के प्राण पखेरू शरीर रूपी पिंजड़े को छोड़ कर उड़ गए। राजा को अपार दुःख हुआ। किन्तु वचनबद्ध होने के कारण ब्रह्मगुलाल से कुछ कह नहीं सके थे। वनराजा ने अपने स्वाभाविक कर्तव्य का पालन किया तो नरराजा ने अपने वचन का पालन किया। राजा की सहिष्णुता कुछ अधिक वजनदार और प्रशंसनीय है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि श्रवणकुमार के माता पिता ने, कोशलाधीश दशरथ ने और कुरु-पांडव गुरु द्रोणाचार्य प्रभृति व्यक्तियों ने पुत्र शोक में अपने-अपने प्राण विसर्जित किये थे। किन्तु राजा ने बड़े धैर्य के साथ इस आघात को सहा।

इस अहिंसा कार्य से ब्रह्मगुलाल को बहुत दुःख हुआ, वह बड़े ही व्याकुल थे। पश्चात्ताप की प्रचण्डाग्नि से उसकी अन्तरात्मा झुलस रही थी। भूख, प्यास और नींद समाप्त सी हो गई थी। मंत्री ने जब देखा कि हम पर कोई कलंक नहीं आया है, तो उसने पुनः राजा के कान फूँकने आरम्भ किए। मंत्री ने राजा से कहा कि जिसके कारण आपको इतना कष्ट हुआ, उस ब्रह्मगुलाल से कहिए कि वह दिगम्बर जैन मुनि का स्वांग भर कर सभा में आयें। यदि वह ऐसा नहीं करते तो उनकी अपकीर्ति होती है और राज्य छोड़ कर अन्यत्र चले जाँयगे और दिगम्बर मुनि का भेष धारण करके फिर उसे छोड़ दिया या गृहस्थ हो गये तो समाज में प्रतिष्ठा नहीं रहेगी। राजा की ओर से उन्हें दिगम्बर मुनि का भेष बना कर सभा में आने का आदेश मिला। ब्रह्मगुलाल ने अपने परम मित्र मथुरा मल्ल और पत्नी आदि से परामर्श किया। इसके बाद वह जैन मुनि का दिगम्बर भेष धारण कर राजसभा में जा पहुँचे। अचानक ब्रह्मगुलाल को मुनि भेष में देख कर समस्त सभासद आश्चर्य चकित रह गये। मंत्री ने कहा—'आप अपने सदुपदेश से राजा के शोक का शमन कीजिये। उन्होंने उस समय राजा को जो उपदेश किया, उससे उनके शोक का शमन हो गया और राजा ने ब्रह्मगुलाल की बड़ी प्रशंसा की।

श्री ब्रह्मगुलाल जी राजसभा से निकल कर घर नहीं गये अपितु सीधे वन की ओर चले गये। इससे नगर के नर-नारियों में हाहाकार मच गया। उनकी पत्नी पर तो वज्राघात ही हो गया। नगर की स्त्रियाँ उनकी पत्नी को लेकर उनके पास वन में पहुँची और पुनः घर आने के लिए विविध प्रार्थनाएँ कीं। किन्तु जो असल वस्तु का स्वाद पा गया था, उसे कृत्रिम कैसे तुष्टि प्रदान कर सकती थी। अब उन्हें आत्मानन्द की अनुभूति हो चुकी थी और चारों ओर से घेरे हुए पूर्वजन्मार्जित पाप भस्मसात् हो गये थे। अब तत्त्वज्ञान का समुज्वल प्रकाश उनके सामने था। मथुरा मल्ल ने उन्हें समझा कर पुनः घर लाने की बड़ी चेष्टा की, किन्तु उल्टे मल्ल जी पर ही उनका रंग चढ़ गया और वह भी अपने परम मित्र ब्रह्मगुलाल जी के अनुयायी हो गए।

जैन साहित्य का सृजन

श्री ब्रह्मगुलाल जी अच्छे कवि थे और काव्य शास्त्र का अनुशीलन भी किया था। अब काव्य सृजन का समय आ गया था और वन में कठोरतम साधनारत रहने पर भी परोपकारार्थ साहित्य का सृजन आरम्भ किया।

उस समय आज जैसा गद्य-प्रधान हिन्दी साहित्य नहीं था। उस समय गद्य-पद्यमय साहित्य की रचना होती थी। अधिकांश लोग पद्य में ही लिखते थे, कोई कोई गद्य में लिखते थे, सो भी उसी पुरानी भाषा में। वह अकबर और जहाँगीर का युग था। उर्दू, फारसी के साथ हिन्दी कविता का प्रचलन अधिक था। अवधी, शौरसेनी, कैथी और डिंगल आदि बोलियाँ अपने अपने क्षेत्र में लिखी और बोली जाती थीं। आपने भी छप्पय, गीत, दोहा, कवित्त, सवैया, चौपाई और सोरठा छन्दों में रचना की।

श्री ब्रह्मगुलाल रचित कविता ग्रन्थ

कविवर ब्रह्मगुलाल रचित ग्रन्थों में ८ कविता ग्रन्थ पाये जाते हैं। इनमें एक 'त्रेपन क्रिया' नामक ग्रन्थ आमेर के प्राचीन जैन ग्रन्थों के भण्डार में पाया गया था। उन ग्रन्थों के नाम इस प्रकार हैं—

१—त्रेपन क्रिया
२—कृपण जगावन चरित्र
३—शमोशरण
४—जलगालन विधि
५—मथुरावाद पचीसी
६—विवेक चोपाई
७—नित्य नियम पूजा के अनूठे छंद
८—हिन्दी अष्टक

इनमें त्रेपन क्रिया नामक ग्रन्थ विक्रमीय संवत् १६६५ में श्री ब्रह्मगुलाल द्वारा रचा गया था। इस ग्रन्थ का मंगलाचरण इस प्रकार से है।

राग सारंग—प्रथम परम मंगुल जिन चर्चनु दुरित तरित तजि भाजे हो।
कोटि विघन नाशन अभिनन्दन लोक शिखरि सुखराजे हो॥
सुमिरि सरस्वति श्री जिन उद्‌भव सिद्ध कवित्त सुभवानी हो।
गत गंधर्व जरथ मुनि ढूंढनि तीनि भुवन जन मानी हो॥
गुरुपद सेह परम निरंगथनि जिन मारग उपदेशी हो।
दरशन ज्ञान चरण आभूषित मुक्ति भुवन परवेशी हो॥
देवशास्त्र गुरु में आधारित करउं कवित कछु आगे हो।
श्रावनव्रत त्रेपनविधि वरनों पंच सुरनु अनुरागे हो।

अन्तिम भाग—वसुगुन मूल कहे जिनस्वामी को कोऊ जिय जाने हो।।
द्वादशव्रत अनजान न को गनि कहत सुनत पहिचाने हो॥
बारह तप छह अभ्यन्तर वाहिज जतन जुगति परिपाले हो।
समजलगालन ग्यारह प्रतिमा जीव को नित्य सुखालै हो॥
दानस चहुँविधि रयनि अभोजी रत्नत्रय व्रत पूरे हो।
ये त्रेपन विधि करह कृपाभवि पाप समूहनि चूरै हो॥

ग्रन्थ की अन्तिम प्रशस्ति में लिखा है :—

सोरह सौ पैंसठि संवच्छर कार्तिक तीज अंधियारी हो।
भट्टारक जगभूषण चेला ब्रह्मगुलाल विचारी हो॥

ब्रह्मगुलाल विचार बनाई गढ़ गोपाचल थाने।
छत्रपती चहुँछत्र विराजे साहि सलेम मुगलाने॥

इससे यह स्पष्ट होता है कि कविवर ब्रह्मगुलाल ने इस ग्रन्थ की रचना ग्वालियर में विक्रमीय संवत् १६६५ कार्तिक वदी ३ को पूरी की। आपने आपने को ग्वालियर के भट्टारक श्री जगभूषण का चेला बताया है। तत्कालीन शासन का परिचय देते हुए आपने बताया है कि अकबर के पुत्र सलीम अर्थात् जहाँगीर का राजत्वकाल था।

कृपण जगावन

यह ग्रन्थ संवत् १६७१ में रचा गया। यह भी पद्यमय है और इसमें तीन सौ कविताएँ हैं। दोहा, चौपाई आदि छन्दों में है। यथा

सुनि राजा सूमनि की बात। नाम लेत पापहि परभात॥

स्त्रियों को सर्वगुणसम्पन्ना बतलाते हुए आपने लिखा है कि :—

कार्येषु मन्त्री, करणेषु दासी, स्नेहेषु मित्रः शयनेषु रम्भा।
धर्मानुकूलस्य क्षमया धरित्री षड्गुणा पुण्यवधूरिहे च॥

शमोशरण और जलगालन विधि आदि अन्य ग्रन्थ भी इसी सरल शिष्ट भाषा में पद्यमय हैं।

राजा कीर्तिसिन्धु

राजा कीर्तिसिन्धु उत्तर प्रदेश के रपड़ी चन्द्रवार नामक स्थान के राजा थे। टापे गाँव में भी इनका राजत्व था और श्री ब्रह्मगुलाल के पिता श्री हल्ल इन्हीं राजा के सभासद थे। इन्होंने कौसम के किले को विजय किया था। इन्होंने अपने समस्त राज्य मण्डल में गौरक्षा का महान् व्रत चलाया था। उस समय मुगलिया शासन काल था और राजा कीर्तिसिन्धु का राज्य भी उसी शासन के अन्तर्गत था; जिसका गो वध करना प्रधान धर्म था। तथापि राजा कीर्तिसिन्धु ने गो रक्षा का महान् व्रत चलाया।

प्रधान सचिव

राजा कीर्तिसिन्धु का दूसरा नाम चन्द्रकीर्ति था। ग्रन्थकार ने राजा के इस मंत्री का कोई नाम ग्राम नहीं बताया है।

मथुरा मल्ल

यह श्री ब्रह्मगुलाल के बालापन के मित्र थे। मल्ल जो जारकी ग्राम के महिमंडल सिरमौर के पुत्र थे। जारकी और टापे गाँव में बहुत थोड़ी सी दूरी थी। गुलाल जी प्रत्येक कार्य में इनसे सलाह लिया करते थे।

आचार्य श्री महावीरकीर्ति जी महाराज

आप का जन्मस्थान काँच की चूड़ियों का प्रमुख व्यवसायी केन्द्र फिरोजाबाद है। आपका जन्म पद्मावती पुरवाल जाति के प्रसिद्ध व्यक्ति लाला रतनलालजी के घर श्रीमती बूँदादेवी की कोख से बैसाख वदी ९ को विक्रमीय संवत् १९६७ में हुआ। रतनलाल जी बिनौले का व्यापार करते थे। यह पति पत्नी सात्विक प्रकृति के साधु; अतिथि सेवी प्राणी थे। इनके ५ पुत्र १. कन्हैयालाल २. धर्मेंद्रनाथ ३. महेन्द्रकुमार ४. सनतकुमार और ५. राजकुमार हुए। कन्हैयालाल फतेहपुर में कपड़े के अच्छे व्यवसायी हैं और इनके पुत्र श्री जगदीशप्रसाद एम. कॉम. एल. एल. बी. इलाहाबाद में हैं। धर्मेन्द्रनाथ जी शास्त्री भिषगाचार्य सुखदा फार्मेसी के प्रस्थापक मेरठ हैं। सनतकुमार जी कानपुर में सीमेंट और टाइल का काम करते हैं। राजकुमार जी बम्बई में डाक्टरी करते हैं। तीसरे पुत्र महेन्द्रकुमार जी ही वर्तमान आचार्य श्री महावीरकीर्ति जी महाराज हैं। ८ वर्ष की आयु तक आपने अपने नगर में ही शिक्षा प्राप्त की। माता के स्वर्गवास के बाद आप बाहर निकले। अनेक प्रख्यात विद्यागारों में संस्कृत व्याकरण, साहित्य, न्याय, सिद्धान्त, आयुर्वेद आदि विषयों में विद्वत्ता प्राप्त की।

१६ वर्ष की ही आयु से आप का विचार मुनि दीक्षा का हो गया। अनेक व्रतों का पालन करते हुए आप अपने तन और मन को कसते रहे। २९ वर्ष की आयु में आपने श्री चन्द्रसागर जी महाराज से सप्तम प्रतिमा ग्रहण की। ७ वर्ष बाद क्षुल्लक और ३२ वर्ष की आयु में आचार्य आदिसागर जी से जैनेन्द्री दिगम्बर दीक्षा ली। आप का दीक्षित नाम महावीर जी रखा गया। आप में साधु-मुनि के समस्त लक्षण पाये जाते हैं। कीर्ति जी महाराज ने दक्षिण कन्नड़, महाराष्ट्र, गुजरात, मारवाड़, मालवा, मध्यभारत, मध्यप्रदेश, बिहार, बंगाल, उड़ीसा तथा उत्तरप्रदेश में पैदल विहार किया है। मार्गस्थ तीर्थों की वन्दना और नगरों में धर्म प्रचार आप के द्वारा यथार्थ रूप से हुआ।

विहार के समय आप के ऊपर अनेक उपसर्ग हुए। किन्तु आपने समस्त उपसर्गों का बड़ी शान्ति और आत्म संयम के साथ सामना किया। मारवाड़ में भ्रमण करते समय एक यवन ने आप पर बड़े जोर से लाठी का प्रहार किया। प्रहार बड़ा ही सांघातिक था। साधारण व्यक्ति इस आघात से यदि मरता नहीं, तो बेहोश तो अवश्य ही हो जाता, किन्तु आप किंचित् भी व्यग्र नहीं हुए। पुलिस ने उस मुसलमान को पकड़ लिया। जांच पड़ताल के लिए जब वह महाराज के सामने लाया गया तो आपने उसे क्षमा कर दिया। किन्तु कानून ने उसे छः मास के कारावास का दण्ड दिया।

> अरि, मित्र, महल, मसान, कंचन, कांच, निन्दन, थुतिकरन।
> अर्घावतारण, असिप्रहारण में सदा समता धरण ॥

अर्थात् मुनि महाराज शत्रु-मित्र, भवन-श्मशान, कांच-कंचन, निन्दा-स्तुति, पूजा और प्रहार में सदा ही समता धारण करते हैं।

मुनि चर्या की क्षमता और सहिष्णुता का एक चमत्कारपूर्ण उदाहरण आपके द्वारा इस प्रकार देखने को मिला—

एक बार बड़वानी क्षेत्र में जब आप ध्यानस्थ थे तो उसी पर्वत के ऊपरी भाग में मधुमक्खियों का एक बहुत बड़ा छत्ता था। एक दुष्ट मनुष्य आपके ध्यान की परीक्षा लेने के लिए मक्खियों के छत्ते में एक ढेला मार कर भाग गया। पत्थर लगने से क्रुद्ध मक्खियों का समूह महाराज के शरीर में चारों ओर से चिपट गया। उन मक्खियों ने कब तक काटा, किसी को पता नहीं चला। मुनिश्री ध्यान में तद्वत् ही बैठे रहे। न तो हिलेडुले और न किसी प्रकार का प्रतिकार ही किया। तीन दिन तक निश्चल रूप से उसी आसन और मुद्रा में ध्यानस्थ बने रहे। चौथे दिन जब भक्त श्रावकों को इस का पता चला तो इन्होंने उपचार किया।

तीसरा कठोर उपसर्ग आपके ऊपर पुरलिया (बिहार) के निकट उस समय हुआ, जबकि आप खण्डगिरि, उदयगिरि की यात्रा के लिए विहार कर रहे थे।

भारत सरकार की ओर से सीमा निर्धारणार्थ एक आयोग (कमीशन) नियुक्त किया गया था। उस कमीशन में ३ सदस्य थे और वह इस क्षेत्र का निरीक्षण करने के लिए आने वाले थे, क्योंकि यह क्षेत्र बिहार में पड़ता था और बंगाल इसकी मांग अपने क्षेत्र में मिलाने के लिए करता था। यह विवादग्रस्त योजना निर्णयार्थ विचाराधीन थी। अतः बिहार के ५०, ६० हजार आदमी इसका विरोध करने के लिए सड़क के दोनों ओर छ-सात मील तक एकत्र हो गए थे। उसी अवसर पर आचार्यश्री विहार करते हुए खण्डगिरि की ओर जा रहे थे। संघ के अन्य स्त्री, पुरुष लारी द्वारा आगे चले आए थे। आपके साथ केवल श्री सेठ चांदमल जी बड़जात्या नागौर निवासी ही थे। आचार्य श्री चलते हुए सड़क के दोनों ओर खड़े हुए मनुष्यों को उपदेश देते जा रहे थे कि मांस खाना मनुष्य के लिए अच्छा नहीं है, शराब पीना बुरा है, जुआ खेलने से बरबादी होती है आदि आदि। जनता द्वारा स्वागत समादर और जय जयकार भी होता जा रहा था। पुरलिया के २, ३ मील बाकी थे कि कुछ शराबियों ने शोर मचाया। इस नंगे फकीर को पकड़ लो, मार डालो, यह यहाँ कहाँ से आगया। आचार्य तथा सेठ चांदमल ने उन्हें बहुत समझाने की कोशिश की किन्तु उन्होंने कुछ नहीं सुना। चांदमल की पगड़ी उतार ली और आचार्यश्री पर लाठियाँ बरसने लगीं। तब आचार्य ने अपने ऊपर उपसर्ग आया देखकर अचल आसन लगा दिया और ध्यानारूढ़ हो गए। ऊपर से लाठियाँ पड़ रह थीं। आचार्यश्री को बचाने के लिए चांदमल जी अपने हाथों पर, पीठ पर, सिर पर डंडों के प्रहार सह रहे थे।

सौभाग्य से उसी समय पुलिस सुपरिन्टेन्डेन्ट की कार वहां आगई। उसने दुष्टों को ललकारा। पुलिस अधिकारी को देखते ही आततायी वहां से पलायित हो गये। सुपरिन्टेन्डेन्ट ने आचार्य श्री के चरणों में नत होकर क्षमा मांगी। थोड़ी देर बाद आपने अपना ध्यान भंग किया। पुलिस की संरक्षता में सुपरिन्टेन्डेन्ट ने आचार्य श्री को पुरुलिया भेजवाने की बड़ी प्रार्थना की, पर वह जिस प्रकार जारहे थे, उसी तरह जाने की इच्छा प्रकट की और पैदल ही चलकर पुरुलिया जा पहुँचे।

चौथा उपसर्ग आप पर सन् १९५६ में हुआ, जबकि आप सम्मेदशिखर की टोंकों की वंदना करने गए थे। उस समय सर्दी बड़े कड़ाके की पड़ रही थी। आप वहां के जल-

मंदिर में ठहर गये। किन्तु रात को आपको वहाँ से निकाल बाहर कर दिया गया। एक तो ऐसे ही खून जमा देने वाली सर्दी, पुनः पर्वत की चोटी और खुला आकाश। शीत के कारण आपका शरीर अकड़ गया। किन्तु आपका ध्यान शिथिल न हुआ।

आप ज्योतिष से अनेक बार ऐसी भविष्य वाणी कर देते हैं, जो कि अक्षरशः सत्य होती हैं। मंत्रों की व्याकरण आपको कंठस्थ है। ब्रह्मचर्य का तेज आपके मुखमण्डल पर झलकता है। आप समाज की दर्शनीय विभूति हैं।

●

आचार्य श्री विमलसागरजी महाराज

आचार्य श्री का जन्म संवत् १९७३ में आश्विन के कृष्ण पक्ष में उत्तर प्रदेशीय जिला एटा के कोसमा नामक ग्राम में हुआ। आपका जन्मजात नाम नेमीचन्द्र था और गृहस्थावस्था तक वही नाम रहा। आपके बाबा श्री ठाकुरदास जी जैन तखावन निवासी थे, बाद को कोसमा आये। आपके पिता श्री का नाम श्री बिहारीलालजी और मातु-श्री कटोरी बाई के नाम से प्रसिद्ध साध्वी महिला थीं। लाला चोखेलाल जी आपके नाना थे। आपका लालन-पालन आपकी बुआ श्रीमती दुर्गाबाई द्वारा बड़े स्नेह के साथ हुआ।

आपकी प्रारम्भिक शिक्षा स्थानीय पाठशाला में ही हुई तदुपरान्त उच्च शिक्षा श्री गोपाल दिगम्बर जैन सिद्धान्त विद्यालय मोरेना में हुई। शिक्षा प्राप्त करने के बाद आपने अपनी जीवन यात्रा अध्यापक के रूप में आरम्भ की। जयपुर में कुछ काल तक अध्यापन कार्य किया और तत्पश्चात् नेमिनाथ विद्यालय कुचामन रोड अजमेर में प्रधानाध्यापक पद पर आसीन हुए।

आपकी प्रवृत्ति त्यागपथानुगामिनी थी और तीर्थ यात्रा की भावना उत्तरोत्तर दृढ़तर होती गई। परिणाम यह हुआ कि आपने साइकिल द्वारा सिद्धक्षेत्र सोनागिर की कई बार साहसिक यात्रा की। एक बार सम्मेद शिखर जी तीर्थराज भी साइकिल द्वारा ही गये। ब्रह्मचर्यावस्था में भी आपका नाम नेमीचन्द ही रहा। इसके बाद आषाढ़ कृष्ण ५ विक्रमीय संवत् २००७ में आपने परमपूज्य आचार्य श्री १०८ महावीरकीर्ति जी महाराज द्वारा शुभस्थान बडवानी सिद्धक्षेत्र में क्षुल्लक दीक्षा ग्रहण की।

आपकी क्षुल्लकावस्था का नाम पूज्य श्री विषमसागर जी हुआ। माघ शुक्ल त्रयो-दशी संवत् २००७ को धर्मपुरा में ऐलक दीक्षा प्राप्त की। इस ऐलकावस्था का आपका नाम सुधर्मसागर जी हुआ। मुनिदीक्षा आपने फाल्गुन शुक्ला १३ विक्रमीय २००९ परमपूज्य आचार्य श्री १०८ महावीरकीर्ति जी महाराज द्वारा सिद्धक्षेत्र सोनागिर में ग्रहण की और २०१७ संवत् मार्गशीर्ष कृष्ण २ को टूण्डला में आचार्य दीक्षा लेकर प्रभावक साधु आगम के दृढ़पोषक एवं अनुयायी बने।

आपकी धर्म प्रभावना इतनी सुदृढ़ एवं प्रभावशालिनी हो गई कि हजारों व्यक्तियों को शूद्र जल का परित्याग कराया और दो-ढाई सौ त्यागी भी बनाये। आप पर कई बार बड़े-बड़े घातक उपसर्ग आये, किन्तु तपश्चर्या के प्रभाव से आपने सबका उपशमन किया।

●

आचार्य श्री धर्मसागरजी महाराज

गृहस्थावस्था में आपका नाम श्री नन्दनलाल जी जैन शास्त्री था। आप पद्मावती पुरवाल जैन थे। आपके दो भाई थे (१) श्री लालारामजी जैन शास्त्री और (२) श्री मक्खनलालजी शास्त्री मुरैना निवासी। आप संस्कृत के विशिष्ट ज्ञाता थे और क्षेत्रीय भाषाओं में हिन्दी, गुजराती, मराठी, बंगला और इंगलिश आदि अन्य भाषाओं का भी व्यावहारिक ज्ञान कम न था। अथच ज्यौतिष व वैद्यक ग्रन्थों का गंभीर अध्ययन था।

आपने संस्कृत ग्रन्थों का भी नवनिर्माण किया था, जिनमें प्रमुख ग्रन्थ सुधर्म ध्यान प्रदीप, चतुर्विंशति तीर्थंकर स्तवन, सुधर्म श्रावकाचार आदि उच्चकोटि के ग्रन्थ हैं। यह ग्रन्थ श्रावक एवं मुनिवर्ग उभय पक्ष के हेतु परमोपयोगी हैं। इन ग्रन्थों की हिन्दी टीकाएं पाण्डे श्री लालाराम जी कृत प्रकाशित हैं। आप द्वारा प्रणीत अन्य रचनायें भी हिन्दी, संस्कृत तथा गुजराती आदि भाषाओं में प्रकाशित हैं जो अत्यन्त भावपूर्ण एवं रोचक हैं।

संस्कृत के अच्छे मर्मज्ञ और शास्त्रवेत्ता होने के कारण आपने अनेक साधुओं को भी संस्कृत का अच्छा ज्ञान करवाया था, जिनमें श्री कुंथुसागर जी, मुनि श्री चन्द्रसागर जी, मुनि श्री नेमिसागर जी, आचार्य श्री वीरसागर जी आदि विद्वत्प्रवर हुए। आपका स्वर्गारोहण समाधिमरणपूर्वक पवित्र स्थान कुशलगढ़ (राजस्थान) नदी तट पर सुरम्य वाटिका में हुआ, जिसमें छतरी है और आपकी चरणपादुकाएं विराजमान हैं।

•

आचार्य श्री माघचन्दजी महाराज

आप १३ वर्ष तक गृहस्थ रहे, २० वर्ष तक दीक्षाकाल में, ३२ वर्ष २४ दिन तक आचार्य पद पर और आपकी पूर्ण आयु ६५ वर्ष २४ दिन की हुई। आप विक्रमीय संवत् ९९० में माघ शुक्ल १४ को हुए थे। आप महान् तपस्वी, व्याख्यानदाता, ग्रन्थकार और दिग्गज विद्वान् थे। आपकी ज्ञान गरिमा अपरिसीम थी।

•

आचार्य श्री प्रभाचन्दजी महाराज

आपकी गृहस्थावस्था १२ वर्ष, दीक्षाकाल १२ वर्ष ११ महीना, आचार्य पद ७४ वर्ष १५ दिन और ९८ वर्ष ११ महीना १५ दिन की पूर्ण आयु थी। विक्रमीय सं० १३१० की पौष सुदी १४ को आपका जन्म हुआ था। इतने दिन की पूर्ण आयु पाकर आपने लोक का परम कल्याण साधन किया था। १२ वर्ष की आयु में आप दिगम्बर साधु बन गये थे।

•

आचार्य श्री पद्मनन्दीजी महाराज

आप १० वर्ष ७ महीना गृहस्थ रहे, २३ वर्ष ५ महीना दीक्षाकाल में, ६५ वर्ष ८ दिन आचार्य पद पर और ९९ वर्ष ८ दिन की पूर्ण आयु में स्वर्गस्थ हुए थे। वि० सं० १३८५ में पौष सुदी ७ को आपका जन्म हुआ था। घोर संयम का पालन करने के बाद आप संघपति बने। आपकी विद्वत्ता प्रखर थी।

●

स्व० श्री २०८ दिगम्बराचार्य जी महाराज

श्री १०८ आचार्य पूज्यपाद जी नाम, गृहस्थावस्था १५ वर्ष, दीक्षाकाल ११ वर्ष सात महीना, आचार्य पद ४५ वर्ष और आपकी पूर्ण आयु ७१ वर्ष सात महीना थी। आप विक्रम संवत् ३०८ में हुए थे। आपके द्वारा अनेक ग्रन्थों की रचना हुई थी। दिग्गज विद्वान् और तपस्वी और आप महान् आचार्य हुए।

●

आचार्य श्री लक्ष्मीचन्दजी महाराज

आप ११ वर्ष तक गृहस्थ रहे, २५ वर्ष तक दीक्षाकाल में, १४ वर्ष ४ महीना ६ दिन तक आचार्य पद पर और ५० वर्ष चार महीना ३ दिन की पूर्ण आयु में स्वर्गस्थ हुए। वि० सं० १०३३ की जेठ वदी १२ को आपका जन्म हुआ था। आप निर्भीक वक्ता और महान् तपस्वी थे। आपने अपने परम तत्त्वोपदेश से जगत का बड़ा उपकार किया। उपरोक्त पांचों आचार्य पद्मावती पुरवाल जाति के सर्वमान्य धर्माचार्य एवं सुगुरु थे। यह सब त्रयोगत वन्दनीय हुए।

●

मुनि श्री सन्मतिसागरजी महाराज

उत्तर प्रदेशीय एटा जिला के फफोतू नामक ग्राम में आपका जन्म हुआ था। आपके पिता श्री का नाम लाला प्यारेलालजी जैन था। आप दो भाई थे। एटा में आप अपने बहनोई के पास कपड़े का काम करते थे। २० वर्ष की ही अवस्था में आप एटा से सीधे मेरठ पहुँचे। यहाँ परम पूज्य श्री आचार्य विमलसागरजी महाराज संघ सहित विराजमान

थे। उन्हीं से प्रथम ब्रह्मचारी और बाद को क्षुल्लक पद धारण कर गुरुचरणों में ही लीन रहने लगे। १ वर्ष बाद सम्मेदशिखर पर पूज्य आचार्य जी से आपने मुनि दीक्षा ली। तीन वर्ष तक आप अपने सुगुरु संघ में रहे। गत वर्ष बड़बानी में पूज्यपाद श्री आचार्य महावीरकीर्तिजी महाराज तथा परम पूज्य श्री विमलसागरजी महाराज दोनों गुरु-चेला का चतुर्मास हुआ, बाद को आप बड़े आचार्य के संघ में विहार कर गये। अब आप उन्हीं के संघ में हैं। आपकी तपश्चर्या तथा अध्ययनशीलता सराहनीय है। उभय गुरु और आप तीनों ही बालब्रह्मचारी हैं। अतः त्रयोगत बन्दनीय हैं।

●

श्री बाबा जानकीदासजी [ऐलक]

आप उत्तर प्रदेशीय मैनपुरी जिले के पाढ़म नामक ग्राम में उत्पन्न हुए थे। पाढ़म एक बहुत प्राचीन बस्ती है। यहाँ पर दो जिनालय हैं। आज से ४० वर्ष पूर्व आप हमारे समक्ष थे। उस समय दि० जैन साधु इधर कम थे आप ठिगने कद के साधु थे। आपने अपने सदुपदेश से अनेक धार्मिक पाठशालायें स्थापित कराई थीं। समाज के अनेक ग्रामों, नगरों और कस्बों में विहार कर अनेकों को सुचरित्र के पथ पर चलाया। आप एक उच्चकोटि के तपस्वी थे। आपका समाधिमरण टूण्डला में हुआ था। टूण्डला के समाज ने आपके समाधि-स्थल पर एक छतरी का निर्माण कराया।

●

श्री बाहुबली जी महाराज (क्षुल्लक)

आगरा जिलान्तर्गत कोटला नामक ग्राम में आपका जन्म हुआ था। आपके पिता श्री का नाम श्री रामस्वरूपजी जैन था और आपका जन्म नाम राजेन्द्रकुमार जी था। बाल्यकाल में ही आपके समस्त लक्षण तपस्वियों के से थे। पद्मावती पुरवाल समाज के आप एक होनहार बालक जान पड़ते थे। आपकी माता का नाम श्रीमती जानकीदेवी जैन था। पढ़ लिखकर आप जब कार्य क्षेत्र में उतरे तो सांसारिक कार्यों की अपेक्षा धार्मिक कार्यों की ओर अभिरुचि उत्तरोत्तर बढ़ती ही गई।

गृहस्थाश्रम के पश्चात् आपने ब्रह्मचर्य की दीक्षा ली और श्रीपार्श्वकीर्ति जी महाराज के नाम से सुशोभित हुए। यह दीक्षा आपको पन्ना में हुई। तत्पश्चात् आपने क्षुल्लक दीक्षा सोनागिरि में ली। इसके उपरान्त आपको मुनि पद प्राप्त हुआ और मुनि श्री पार्श्व-सागर जी महाराज के नाम से प्रसिद्ध हुए।

●

ब्रह्मचारी श्री शान्तिकुमार जी महाराज

गृहस्थावस्था में आप का नाम श्री लालू जी जैन था। ग्राम रेमजा जिला आगरा के आप निवासी थे और पद्मावती पुरवाल जाति के थे। आपके पिता श्री का नाम श्री पन्नालाल जी जैन था और माता का नाम श्रीमती दुर्गाबाई।

आपने ब्रह्मचर्य की दीक्षा मिर्जापुर में ली और ब्रह्मचर्यावस्था का नाम श्री शान्तिकुमार हुआ। तत्पश्चात् आपने मुनिपद प्राप्त किया और मुनि श्री सम्भवसागर जी महाराज के नाम से सुशोभित हुए।

स्व० ब्रह्मचारी श्री वासुदेव जी जैन, पिलुआ

आपका जन्म सन् १८९५ में पिलुआ ग्राम में हुआ था। आपके पिता स्व० श्री लखमीचन्द जी जैन अपने समय के प्रतिष्ठित व्यापारी तथा सुप्रसिद्ध ठेकेदार थे। इन्हें आयुर्वेद का भी अच्छा ज्ञान था।

श्री ब्रह्मचारी जी बाल्यकाल से ही सेवा-भावी तथा सुकोमल स्वभाव के होनहार बालक थे। आपका विवाह १० वर्ष की अवस्था में ही श्री चम्पालाल जी की गुणवती सुपुत्री श्रीमती गुणमाला जैन के साथ हो गया था। ३२ वर्ष की अवस्था में आपको सहधर्मिणी एक विवाहित पुत्री तथा एक दो वर्षीय पुत्री और एक सात वर्षीय बालक को छोड़ कर सदा के लिए आपसे बिछुड़ गई। इस असामयिक वियोग से आपके हृदय में सोया वैराग्य जाग उठा और आपने समाज के पुनर्विवाह के आग्रह को स्वीकार न किया। कलकत्ता निवासी श्री पं० लीलाधर जी शास्त्री के सांनिध्य में कलकत्ता में आपने आयुर्वेद शास्त्र का विधिवत् अध्ययन किया। कलकत्ता की मारवाड़ी समिति ने आपको बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में अन्न वस्त्र, तथा औषधि वितरण के कार्यों का नेतृत्व सौंपा। सेवा के इस सुयोग का आपने बड़ी निपुणता से संवरण किया।

इस प्रकार आप कई वर्षों तक बुगड़ा (बंगाल) तथा मदारीपुर (बंगाल) में औषधि दान देकर जन-साधारण की सेवा करते रहे। औषधि दान तथा व्रती सेवा आपका ध्येय बन गया था। मदारीपुर निवास काल में आपको साधु सत्संग का बहुत चाव बढ़ गया था। इसीलिये प्रतिवर्ष कहीं न कहीं साधु वन्दनार्थ चले जाया करते थे। श्री सम्मेद-शिखरराज की वन्दनीय यात्रा के समय आप ३-४ मास के लिये योगियों की सेवार्थ वहाँ जाते ही रहते थे। इस प्रकार आपको साधु-समागम, औषध-दान एवं गिरिराज की वन्दना का लाभ एक साथ ही मिल जाया करता था।

४५ वर्ष की अवस्था में आपने मुनि श्री चन्द्रसागर जी महाराज के सांनिध्य में ब्रह्मचर्य व्रत (सप्तम प्रतिमा) ग्रहण किया। आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज,

आचार्य श्री वीरसागर जी महाराज तथा मुनि श्री चन्द्रसागर जी महाराज आदि के समाधि-साधन में आपने प्रमुख भाग लिया।

यद्यपि आप पूर्ण गृह—विरत त्यागी नहीं थे, फिर भी अपना अधिकांश समय तीर्थ-वन्दना, साधु-संगत तथा तत्त्व चर्चा में ही व्यतीत किया करते थे। प्रत्येक तीर्थ की आप द्वारा कई बार वन्दना हुई है। श्री सम्मेदशिखरजी की वन्दना तो आपने लगभग २०० बार की होगी।

इस प्रकार धर्म-साधना के साथ साथ समाज तथा साधु और त्यागी वर्ग की सेवा में आपने अपना अधिकतम जीवन लगाया। विशेष अस्वस्थता वश आप धुवड़ी (आसाम) में अपने पुत्र श्री रतनचन्द्रजी के पास आ गये थे। यद्यपि अन्त समय में आपको रोग जनित असाधारण कष्ट था, फिर भी परिणामों में व्याकुलता लेशमात्र भी नहीं थी। आपका चित्त शान्त और प्रसन्न था। आपने अन्त समय में निर्वस्त्र चटाई पर आसन लगाकर णमोकार मन्त्र का जाप करते हुए—आषाढ़ कृ० २ सन् १९६१ में निर्वाण प्राप्त किया।

आपकी मृत्यु पर शोक प्रकट करते हुए स्थानीय जैन-समाज ने अपना पूर्ण व्यापार बन्द कर आपके शव का जलूस विशाल रूप में निकाला।

आपका त्यागपूर्ण एवं वैराग्यमय जीवन सदैव समाज का पथ प्रदर्शन करता रहेगा और समाज के महान पुरुषों में आपकी गणना होती रहेगी।

●

ब्रह्मचारी श्री पाण्डे श्रीनिवास जी जैन, फिरोजाबाद

आप समाज की आदर्श आत्माओं में से हैं। आपका सारा ही जीवन समाज-सेवा तथा स्वजाति हित के लिये अर्पण है। आपके पावन जीवन से समाज को महती सेवा हुई है। आपकी मुँह बोलती सेवाओं से समाज की दिशाएँ चिरकाल तक गूंजती रहेंगी।

आप न्यायदिवाकर श्री पण्डित पन्नालाल जी के शिष्य हैं। आपने सातवीं प्रतिमा श्री गणेशप्रसाद जी वर्णी द्वारा ईसरी में ग्रहण की थी। आप एक संस्कारी प्राणी हैं। आठ वर्ष की बाल्यावस्था से ही आपका खान-पान शुद्ध तथा व्यवहार निर्मल रहा है। १०८ आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज के आशीर्वाद का पूर्ण रीत्यानुसार आपने पालन किया है। आपकी प्रवचन शैली एवं धर्मका सम्यक्ज्ञान आपकी अद्भुत प्रतिभा में चमक उठा है। रतलाम एवं उजैन आदि अनेक प्रमुख नगरों में आपके धर्मोपदेशों से जैन-अजैन कितने ही मानवों ने अपने जीवन को सात्विक बना, परम शान्ति प्राप्त की है। आपके जीवन का अधिक भाग स्वाध्याय एवं धर्म-ज्ञान प्राप्त करने में लगा है। धर्म के सम्बन्ध में आपका दृष्टिकोण उदार होते हुए भी स्व परम्पराओं में दृढ़ आस्थावान है।

आपने अपने जीवन में समाज-हित के अनेकों रचनात्मक कार्य किये हैं। वर्तमान में भी आप श्री पी० डी० जैन कालेज फिरोजाबाद के अधिष्ठाता पद पर हैं। आपके इस सेवा-काल में कालेज ने प्रशंसनीय उन्नति की है तथा कठिन समस्याओं का समाधान आसानी से निकाला है। आप उदार मन के महान् विचारक तथा सुबुद्धि शील महापुरुष हैं। फिरोजाबाद में नसियाजी व कालेज तथा मन्दिर जी आदि आपके परिश्रम तथा शुभसंकल्पों का सफल परिणाम है। आपके सहयोग से अनेकों संस्थायें लाभान्वित एवं अग्रेसर हुई हैं। मृत संस्थाओं में प्राण डाल देना, यह आपकी दूरदर्शिता एवं सुयोग्यता का ज्वलन्त प्रमाण है। आप सेवा-व्रती धर्मनिष्ठ, साधु-सेवी समाज के गौरवशील पुरुष हैं।

ब्र० श्री सुरेन्द्रनाथ जी जैन कलकत्ता

आप स्वर्गीय श्री बनारसीदास जी जैन के सुपुत्र हैं। बाल्यकाल से ही आप चिन्तन-शील प्रकृति के रहे हैं। साधारण शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् आपने व्यवसायिक क्षेत्र में प्रवेश किया। आपका कर्मक्षेत्र कलकत्ता रहा है। लगभग १९२५ में आप कलकत्ता आए और वस्त्र आदि का व्यवसाय आरम्भ किया। आपने अपनी बुद्धि तथा सच्चाई के बल से आशातीत सफलता प्राप्त की, किन्तु आपका लक्ष्य जीवन में केवल अर्थोपार्जन मात्र ही नहीं था। आप जीवन की वास्तविकता को समझते हुए गृहस्थी की पूर्ति मात्र के लिए व्यवसाय करते थे। आपकी वैराग्यपूर्ण भावना आरम्भकाल से ही आपके साथ रही है। आपका धर्मशास्त्रों के प्रति सदैव आकर्षण रहा है। जैन शास्त्र के आप प्रकाण्ड पंडितों में माने जाते हैं। आपकी सरल एवं सफल लेखनी द्वारा धर्म विवेचन बराबर होता रहा है।

आपका विवाह टूण्डला निवासी श्री शिखरचन्दजी जैन श्री सुपुत्री स्व० विजयादेवी के साथ हुआ था। यह महिला भी धार्मिक वृत्ति की अतिथि सेविका और पूर्ण पतिपरायण थी। इनका स्वर्गवास १९४५ में हो गया।

आपके दो लड़के विमलकुमार जैन तथा निर्मलकुमार जैन हैं। दोनों ही गवर्नमेंट सप्लायर हैं। अपने पिता तुल्य शुद्ध चरित्र के उत्तम स्वभावी कर्मठ युवक हैं।

वर्तमान में श्री ब्रह्मचारी जी उदासीन आश्रम शान्ति निकेतन ईसरी बाजार में सेवा कार्य कर रहे हैं। आपने सन् १९५१ में ब्रह्मचर्य व्रत धारण कर लिया था। आश्रम में शिक्षा दान तथा स्वाध्याय में ही आपका समय लगता है। आपका जीवन अत्यन्त शान्त तथा उत्तम भावनाओं से पूर्ण और स्वधर्मका दृढ़ अनुयायी है।

●

स्व० श्री खूबचन्दजी जैन, वेरनी

एटा जिले के वेरनी नामक ग्राम में सन् १८८९ के आसपास आपका जन्म हुआ था। आपके पिताश्री का नाम पं० उदयराज जी था। खूबचन्दजी के बाल्यकाल में ही बड़े भाई पं० प्यारेलाल का देहावसान हो गया था। पिता ने कपड़े का बहुत बड़ा व्यवसाय बन्द कर दिया और छ महीने बाद स्वयं भी स्वर्ग सिधार गये। व्यापार की सारी रकम डूब गई। पिताजी के तीन महीने बाद बहन सुशीला का जन्म हुआ। एक बहन, चार भाई मातजी और दो विधवा स्त्रियाँ। इतना बड़ा परिवार विधवा माता पर ही निर्भर था। इनके पिता की तेरहीं के दिन अन्य व्यक्तियों के साथ लाला वंशीधर जी भी शिकोहाबाद से आये थे। उन्हें बालक खूबचन्द बड़ा प्रिय लगा। उनके कोई पुत्र नहीं था। अतः उन्होंने इस बालक को गोद लेने की अभिलाषा व्यक्त की। माता ने किसी भी बालक को किसी को देने से स्पष्ट मना कर दिया किन्तु शिक्षित बनाने के लिए किसी भी लड़के को ले जा सकते हैं। ला० वंशीधरजी खूबचन्द को शिकोहाबाद ले गये। पांच वर्ष में इन्होंने वहाँ की शिक्षा समाप्त करली। खूबचन्द ने खुर्जा में पढ़ने के बाद बनारस विश्वविद्यालय की प्रथमा परीक्षा सन् १९०४ में पास की।

उन्हीं दिनों पं० धन्नालालजी और पं० गोपालदासजी बरैया के सतत प्रयत्न से सेठ माणिकचन्दजी जे० पी० ने एक संस्कृत पाठशाला खोली और बोर्डिंग हाल में मेधावी छात्रों के लिए कुछ कमरे सुरक्षित कर दिए। मेधावी छात्रों में खूबचन्दजी की ख्याति थी। अतः इन्हें बम्बई पढ़ने को बुलाया गया, जहाँ इन्होंने सिद्धान्त कौमुदी, सपरिष्कार पूरी की। वहाँ इन्होंने दो परिक्षायें एक साथ दी और दोनों में सर्व प्रथम आये। सन् १९०८ में कुण्डलपुर में दि० जैन महासभा का अधिवेशन हुआ, जिमें पं० धन्नालालजी के साथ पं० खूबचन्दजी भी गये। वही खूबचन्द बालक कालान्तर में पं० खूबचन्द बन गये। पं० गोपालदासजी इनके व्यक्तित्व, वाग्चातुर्य और तर्कशैली से अत्यन्त प्रभावित हुए। खूबचन्दजी को वह अपने साथ मोरैना पढ़ने के लिए ले गये। खूबचन्दजी को स्कालर शिप बम्बई बोर्डिंग से मिलती थी।

जैन विद्वन्मण्डल खूबचन्दजी की विद्वत्ता से प्रभावित था। पं० गोपालदासजी इन्हें अपने साथ ही रखते थे। पं० गोपालदासजी को ऐसा दृढ़ विश्वास हो गया कि यदि यह छात्र ब्रह्मचारी रहकर विद्या और धर्मका प्रसार करे तो समाज का बड़ा कल्याण हो। पं० गोपालदासजी भिण्ड से वेरनी ग्राम जा पहुँचे और खूबचन्दजी की माता से बोले—"मैं आपसे एक वस्तु मांगने आया हूँ ?" माता ने कहा—"मेरे यहाँ ऐसी कोई वस्तु नहीं है, जो आपको अदेय हो।" पं० गोपालदास ने कहा—"मुझे खूबचन्द चाहिये। मैं चाहता हूँ कि वह विवाह न करे और मेरे पास रहकर पूर्ण ज्ञान प्राप्त करके साधु बन जाये।" माता कांपगई, बाद को संयत होकर बोली—"समाज कल्याण के लिए मेरे तीनों बेटे आपके हैं, आपको देने में मुझे कोई आपत्ति नहीं है।" पं० गोपालदासजी का मनोरथ पूर्ण हुआ। प्रसन्न मुद्रा में अपनी भिण्ड की दूकान पर चले गये। खूबचन्द जब दूकान पर आये, तो पं० गोपालदास कुछ गुन-

गुना रहे थे। इन्हें रसिया बनाने और गाने का बड़ा शौक था। पं० जी प्रसन्न मुद्रा में गा रहे थे :—

खूबा तू हैजा बैरागी, तेरे घर के सब राजी।
मैया राजी, मैया राजी, अब तो तू हैजा राजी ॥
खूबा तू हैजा बैरागी····

खूबचन्द ने पं० जी को एक पत्नीव्रत का आश्वासन दिया। उन्हीं दिनों छतरपुर महाराज ने गुरु गोपालदासजी को प्रवचन सुनने के लिए अपने यहाँ बुलाया। साथ में खूबचन्द जी भी गये। प्रवचन से महाराज बड़े प्रसन्न हुए और भेंट स्वरूप चांदी के एक बड़े थाल में एक सहस्र रुपया, एक दुशाला और एक पगड़ी रखकर गुरुजी को समर्पित की। इतनी बड़ी भेंट और समादर पूर्वक, इसके प्रलोभन से विरला ही व्यक्ति विरत हो सकता है। यह लोभ संवरण आसाधारण त्याग कहलाता है। दूसरी ओर राज-अपमान का भी दोष हो जाता है, जिससे राजा का कोप भाजन भी बनने का भय रहता है। तथापि पं० गोपालदास ने चातुर्य पूर्ण विनम्र शब्दों में कहा—"महाराज ! भेंट स्वीकार करने का अधिकारी ब्राह्मण ही होता है, मैं तो वैश्य हूँ। यदि मैं भेंट ले लेता हूँ तो यह मेरा कार्य शास्त्र मर्यादा के विपरीत होगा और मैं पाप का भागी हो जाऊंगा। राजा प्रसन्न हो गये। घर आने पर जब खर्च का हिसाब लगाया गया, तो कुछ रुपया बढ़ा मिला। पता लगाने पर ज्ञात हुआ कि एक लड़के का आधा टिकेट नहीं खरीदा गया है, उसी से यह रुपया बचा है। उस लड़के की उम्र आधे टिकेट से दो-तीन महीने अधिक हो चुकी थी और उसका टिकट लेना उचित था। इस पर गुरुजी बड़े अप्रसन्न हुए और मनीआर्डर द्वारा आधी टिकेट का रुपया रेलवे बोर्ड को बम्बई भेजवा दिया।

उपरोक्त दोनों घटनाओं का प्रभाव पं० खूबचन्द के जीवन पर आजीवन परिलक्षित होता रहा। सन् १९०९ व १० के मध्य खूबचन्दजी ने गुरु गोपालदास के आदेश से न्याय-दीपिका का अनुवाद किया। यह उनका सर्व प्रथम अनुवाद था। सन् १९१० के समय पं० खूबचन्द का विवाह जाविची देवी के साथ हो गया। तत्पश्चात् वह कुछ दिन मोरेना और बनारस में रहकर बम्बई चले गये। शिक्षा प्राप्ति के बाद उन्होंने यह प्रतिज्ञा की कि किसी भी सार्वजनिक संस्था में नौकरी नहीं करेंगे। इस प्रतिज्ञा को उन्होंने आजीवन सजीव रखा। बम्बई में उन्होंने रुई और चांदी की दलाली पं० धन्नालालजी की सम्मति से आरम्भ की जिसमें उन्हें आशातीत सफलता मिली। उन्हीं दिनों उन्होंने गोम्मटसार जीवकाण्ड की बड़ी सरल हिन्दी में व्याख्या की। यह अनुवाद आज भी छात्रों के उपयोग में आ रहा है।

"सत्यवादी" नामका उन्होंने एक मासिक पत्र भी निकाला, जिसकी मुहावरेदार और सर्व-साधारण के बोधगम्य हिन्दी की पं० नाथूरामजी प्रेमी मुक्त कंठ से प्रशंसा किया करते थे।

सन् १९१८ में गुरु गोपालदास का स्वर्गारोहण हो गया। इस समय तक मोरेना में विद्यालय स्थापित हो अच्छी ख्याति अर्जित कर चुका था। जैन समाज में इसकी विद्वत्ता का प्रमाण पत्र सर्वोपरि मान्य समझा जाता था। इस विद्यालय को शोलापुर के नगर सेठ हरी-भाई देवकरण ने ३८ हजार और सर सेठ हुकुमचन्दजी ने दस हजार रुपये प्रदान किए थे, जो उन्हीं के यहाँ जमा रहा करते थे और उक्त पूंजी का व्याज विद्यालय को मिला करता था। गुरु गोपालदास के मरने के उपरान्त उभय स्रोतों का व्याज बन्द हो गया। मोरेना विद्यालय का अधिवेशन इन्दौर में हुआ और उसमें पं० खूबचन्दजी भी गए। अधि-वेशन में उक्त रकम का प्रश्न उठा तो दातारों ने कहा कि गुरुजी के जीवन पर्यन्त ही व्याज देने की बात थी। दूसरे दाता ने कहा—जब एक ने बन्द कर दिया तो हम ही क्यों दें? बहुत तर्क वितर्क के पश्चात् सेठ हरी भाई ने एक आड़ (शर्त) कि विद्यालय को हाईस्कूल बना दिया जाय—देना स्वीकार किया। किन्तु यह बात स्वीकार न की गई। पुनः अन्य आड़ यह लगाई कि—यदि गोपालदासजी के प्रिय शिष्य श्री खूबचन्दजी विद्यालय को संभालें तो पुनः व्याज दिया जा सकता है। खूबचन्दजी प्रतिज्ञा बद्ध थे कि सार्वजनिक संस्था में रहकर वेतन नहीं लेंगे। अनेक व्यक्तियों के साग्रह अनुरोध को पं० खूबचन्द अवहेलित न कर सके और अन्ततः अवैतनिक मंत्रित्व स्वीकार करना ही पड़ा।

आप पांच वर्ष तक मोरेना रहे। उभय सेठों की सहायता चालू कराई, विद्यालय के व्यवस्थाकारी के लिए मकान बनवाया, छात्रों को कृषि सिखाने के हेतु १२ बीघा जमीन ग्वालियर शासन से प्राप्त की, कुआँ बनवाया, एक लाख से अधिक ध्रुव फण्ड एकत्र किया, विद्यालय का आन्तरिक मनोमालिन्य दूर किया, विद्यालय के साथ गुरु गोपालदास का नाम जोड़ा गया, विद्यालय में उच्चकक्षाओं के लिये १०० से अधिक बाहर के छात्रों का प्रबन्ध कराया। सन् १९२३ या २४ में आप पुनः बम्बई चले गए। वहाँ घी, शक्कर और चावल की दूकान की। कई वर्ष बाद दूकान बन्द करके इन्दौर चले गये और सन् १९३० में सर सेठ हुकुमचन्द के यहाँ नौकरी कर ली। यहाँ पर आपने महान् सिद्धान्त ग्रन्थ धवलादि का संशोधन किया और नागरी लिपि में ताम्रपत्रों पर अंकित कराया। सन् १९५० के करीब आप पुनः इन्दौर गये। और वहीं स्थाई रूप से बस गये तथा अन्त तक वहीं रहे।

आपको अनेक उपाधियां मिली थीं, जिनमें कुछ इस प्रकार हैं—(१) विद्यावारिधि की उपाधि जयपुर से (२) स्याद्वाद वाचस्पति की उपाधि, बाहुबली कुंभोज से, धर्म दिवाकर

की उपाधि निवाई राजस्थान से प्राप्त हुई। इस देश का समस्त जैन समाज आपको बड़ी ऊंची दृष्टि से देखता था। बम्बई-छात्रावस्था में वहाँ के चैत्यालय में आपने अष्टमूलक गुण और यज्ञोपवीत धारण किया था (१) पर्यूषणपर्व के अवसर पर आपने एक पत्नीव्रत लिया (२) महासभा कोसी के अधिवेशन में आपने त्रिकाल सामायिक करने का नियम लिया (३) सन् १९५७ में आपने सप्तम प्रतिमा और आपकी पत्नी ने पंचम प्रतिमा का व्रत लिया।

स्वर्गवास के दिन आपने प्रातः काल ही सामायिक की और हाथ कुर्सी पर बैठकर मंदिरजी गये, दोपहर को आपने अपने पास से सबको हटा दिया। शाम की सामायिक की। उनकी परिचर्या में केवल देहली निवासी पं० सुखानन्द जी ही रहे। एकबार लघुशंका के लिये उन्हीं के सहारे मोरी तक गये। शुद्धि की और धोती बदली, गद्दे इत्यादि सब हटवा दिए। एक बार वेहोशी आई, होश में आनेपर वक्ष पर पड़ी हुई माला टटोल कर उठाई और फेरने लगे। एक बार तो "अरहंत सिद्ध" शब्द सुनाई दिया और तत्काल ही "अरहम" के मकार के साथ ही ऐहिक पर्याय समाप्त हो गई। आपको अपने स्वर्गारोहण की बात पहले ही ज्ञात हो गई थी।

खूबचन्द्र जी की कुछ कृतियाँ इस प्रकार हैं :—(१) न्याय दीपिका—यह ग्रंथ सन् सन् १९१३ में प्रकाशित हुआ था। (२) गोम्मटसार जीव काण्ड—सन् १९१६ में प्रकाशित हो चुका है और छात्रों के काम में आ रहा है। (३) अशग कविकृत-महावीर पुराण—हिन्दी अनुवाद कथा रूप में सूरत से प्रकाशित हुआ है। (४) रत्नत्रय चन्द्रिका—प्रथम भाग खूबचन्द जी की यह महान कृति है। प्रवेशिका में पढ़ाये जानेवाले श्रावकाचार के प्रथम ४० श्लोकों का यह महान् भाष्य है। ४१४ पृष्ठों में यह महावीर जी से प्रकाशित हुआ है। (५) सम्यग्दर्शन स्तोत्रम्—इसमें सम्यग्दर्शन स्तुति हैं और संस्कृत के छन्दों में हैं। रत्नत्रय चन्द्रिका के आदि भाग में ही इसे जोड़ दिया गया है। (६) रत्नत्रय चन्द्रिका द्वितीय भाग—यह अधूरा ग्रन्थ हस्त लिखित है। प्रेस कापी पं० खूबचन्द्र जी की लायब्रेरी में सुरक्षित है। (७) आदि पुराण समीक्षा—इसमें आदि पुराण की सैद्धान्तिक समीक्षा की गई है। यह अप्रकाशित है। (८) आध्यात्मिक भजनों का संग्रह—यह चन्द्रनाम से लिखे गये हैं और अप्रकाशित हैं। (९) अनगार धर्मामृत आदि ग्रन्थों के हिन्दी अनुवाद। इनके अतिरिक्त दो मासिक पत्रिकाएँ भी निकाली जो इस प्रकार से हैं। (१) सत्यवादी और (२) श्रेयोमार्ग।

यदि इनकी विशेषताएँ विस्तृत रूप से लिखी जातीं तो एक अनुकरणीय उपादेय ग्रन्थ हो जाता।

स्व० श्री पं० गौरीलालजी जैन सिद्धान्तशास्त्री, वेरनी

एटा जिले की जलेसर तहसील में "वेरनी" नामक एक छोटा सा ग्राम है। उन्नीसवीं शताब्दी में वहाँ शिवलाल नामक एक सदाचारी गृहस्थ रहा करते थे। उनके घर से सटा हुआ ही जैन मंदिर था। देव-दर्शन, पूजन-प्रक्षालन और स्वाध्याय करना उनके प्रतिदिन के कर्तव्य थे। प्रत्येक अष्टमी, चतुर्दशी, अष्टान्हिका व दशलक्षण पर्व पर बाहर से आये हुए और स्थानीय जैनियों को शास्त्र सुनाया करते थे। इसलिए उन्हें पंडित कहा जाता था। उनके घर में कण्डे व उपले नहीं जलाये जाते थे। लकड़ियाँ धोकर और सुखाकर जलाई जाती थीं। जमीकंद या बैगन नहीं खाया करते थे। चौके में धार बांध कर पानी नहीं दिया जाता था। जो स्त्री चौके में भोजन बनाने जाती थी, उसी दिन की धुली हुई धोती पहन कर चौके में जाती थी और जब तक पं० गौरीलाल भोजन नहीं कर जाते थे, चौके के बाहर नहीं आ पाती थी। कदाचित किसी कारणवश उसे बाहर आना भी होता था तो दुबारा धोती धोकर गीली ही पहन कर चौके में जाना होता था।

आजकल का युवक इन बातों को डिम्भ और पाखण्ड बतलायेगा, किन्तु उस युग में ब्राह्मण-वैश्य समाज में बड़ी ही पवित्रता बरती जाती थी। घर में इतना शुद्ध भोजन बनता था कि कोई व्रती-मुनि तक अकस्मात् आजाने पर जाति के हर घर में भोजन कर सकता था। उसके लिये चौकी की विशेष व्यवस्था नहीं करनी पड़ती थी।

ऐसे धर्मात्मा सद्‌गृहस्थ पं० शिवलाल के दो पुत्र हुए। बड़े पुत्र का नाम रामलाल जी और छोटे पुत्र का नाम उदयराज जी। इन दोनों भाइयों के समय में भी इस घर में पूरी धार्मिक मर्यादा अक्षुण्ण बनी रही। दोनों ही भाई धार्मिक क्रियाओं को करते हुए कपड़े का व्यवसाय करते रहे। श्री रामलाल जी के दो पुत्र और तीन पुत्रियाँ उत्पन्न हुईं। बड़े का मनीराम और छोटे का गौरीलाल नाम था। श्री उदयराज जी के पाँच प्यारेलाल, सोनपाल, बंशीधर, खूबचन्द और नेमचन्द नामक के पुत्र हुए। पहले प्यारेलाल और उनके शोक में कुछ ही समय बाद उदयराज जी स्वर्गस्थ हुए। श्री गौरीलाल जी का जन्म सात ही महीने में हुआ था। रूई के गालों पर पाले जाते थे। इन्हें हाथ से कोई नहीं उठा सकता था, इतने कमजोर थे। परन्तु आयुर्बल बहुत बड़ा था।

जब कुछ वयस्क हुए तो यह वेरनी के शासकीय स्कूल में शिक्षा के लिए भेजे गये। उसके बाद अलीगढ़ में पढ़े। परन्तु यहाँ न्याय, व्याकरण और साहित्य आदि विषयों की उच्च शिक्षा का कोई प्रबन्ध नहीं था। गौरीलाल जी समस्त वाङ्मय हृदयंगम करना चाहते थे। अतः इन्हें बनारस अध्ययनार्थ भेजा गया। यहाँ इन्होंने सभी विषयों-खासकर व्याकरण का गंभीर अध्ययन किया। उसके बाद आपने दिल्ली में रहना प्रारम्भ किया और यहीं कपड़े का व्यवसाय किया। कुछ दिन तक जवाहरात का भी कार्य किया। स्टेशनरी की भी दूकान की, वह अपने भतीजे को दे दी। उसके बाद जलेसर में आकर एक सूत की दूकान खोली और खादी का भी काम किया। आपको दो तीन बच्चे हुए, पर जिये नहीं।

पत्नी भी आपके जीवनकाल में ही स्वर्गस्थ हो गई थीं। बाद को दिल्ली में एक प्रिंटिंग प्रेस भी खोला गया था।

आप अपनी दूकान पर ही अनेक गृहस्थों को धर्मशास्त्र पढ़ाया करते थे। उन्होंने भा० व० दि० जैन परीक्षालय का मंत्रिपद २४ वर्ष तक संभाला और भा० व० दि० जैन महाविद्यालय के मंत्री भी रहे। संवत् १९७२ में आपने पद्मावती पुरवाल जाति की जन-गणना भी कराई और स्त्री, पुरुष, बालक, वृद्ध, पढ़े, अपढ़, विधवा, सधवा, विवाहित, अविवाहित आदि सबका पूरा विवरण तैयार किया। इस जनगणना को पुस्तकाकार में भी प्रकाशित कराया गया।

आप खण्डेलवाल और अग्रवालों के सम्पर्क में अधिक रहा करते थे। इन जातियों में गोत्र व्यवस्था है। यह बात गौरीलाल जी को बहुत खटकी कि हमारी जाति में गोत्र व्यवस्था नहीं है। यह कार्य बड़ा श्रम और और व्यय साध्य था तथापि आपने इसे पूरा किया। पहले इस जाति में भी गोत्र व्यवस्था थी और वर्धा, नागपुर, भोपाल आदि के पुरवालों में अभी भी है। उत्तर प्रदेशीय पुरवालों में यह व्यवस्था विशृंखलित हो गई थी, जिसे गौरीलाल जी ने पुनः प्रचलित किया। नोचेन् यह जाति अपने गोत्र ही भूल जाती। तथापि उत्तर और दक्षिण वाले पुरवालों में वैवाहिक सम्बन्ध गोत्रादि बाधा के कारण नहीं हो पाते।

आप मुनि संघ में अधिक रहा करते थे। आपने देहली में एक ला विभाग भी खोला था, जिसके द्वारा इंगलिश में जैन लॉ लिखवा कर प्रकाशित कराया। उससे जैनियों के उत्तराधिकार के मुकदमों में काफी मदद मिलती है। आपको "जाति भूषण" "सिद्धान्त शास्त्री" और धर्म दिवाकर आदि की पदवियां भी मिली थीं। आचार्य शान्तिसागर जी महाराज से आपने सप्तम प्रतिमा का व्रत लिया था। आपने रत्नकरण्डश्रावकाचार का हिन्दी अनुवाद किया। उसके साथ आचार्य प्रभाचन्द्र जी महाराज की संस्कृति टीका भी जोड़ी गई और श्लोक के सभी शब्दों की संस्कृत भाषा में आपने स्वयं निरुक्ति लिखी। आप एक अच्छे लेखक भी थे। "जैन सिद्धान्त" नामक एक पत्र भी आपके सम्पादकत्व में प्रकाशित हुआ था। आप बड़े विनोदी प्रकृति के व्यक्ति थे। बच्चों में बच्चे और विद्वानों में विद्वान् थे। आपका जीवन बड़ा परोपकारी था।

●

न्यायदिवाकर स्व० श्री पन्नालाल जी जैन, जारखी

आपका जन्म ग्राम जारखी तहसील एत्मादपुर जिला आगरा में हुआ था। आपके पिता श्री का नाम झरंगदलाल जैन था। मध्यमवर्ग का पवित्र परिवार था। आपके पिता अपने व्यवसाय के साथ साथ पंडिताई भी करते थे। जन साधारण को लग्न, मुहूर्त, तिथि, वार आदि शुभाशुभ बता दिया करते थे। यह बात उस समय की है, जब कि ग्रामों में शिक्षा के साधन बहुत अल्प थे। यातायात के परिवहन बहुत सीमित और व्यवसायिक क्रम विकास का आरम्भकाल था। पंडित जी को भाषा का ज्ञान था और उसी के साथ धार्मिक श्रद्धान भी। अल्पायु में ही श्री पन्नालाल जी का व्याह हो गया था। वयस्क होने पर पिता को गृहकार्य में सहायता की आशा स्वाभाविक ही थी। किन्तु पन्नालाल जी इस ओर से उदासीन थे।

एक दिन आपके पिता जी आप पर क्रोधित हो गये। इस पर आप रुष्ट होकर घर से भाग गये। उन दिनों वाराणसी में ऐसे अनेक विद्यापीठ थे, जहाँ निःशुल्क शिक्षा दी जाती थी और धर्म परायण लोग विद्यार्थियों को भोजन भी दिया करते थे। यह संस्थायें अजैन, अर्थात् शैव किंवा वैष्णव हुआ करती थीं। जैन सिद्धांत और दर्शन यहाँ नहीं पढ़ाये जाते थे। ऐसे ही एक गुरुकुल में आप प्रवेश पा गये। कुशाग्र बुद्धि तो थे ही, मनोयोग पूर्वक आपने खूब अध्ययन किया। अल्प समय में ही साहित्य व्याकरण, न्याय और ज्योतिष में प्रवीण हो गये। इनकी प्रतिभा से गुरुजी बड़े प्रसन्न रहते थे। यदा कदा इनसे सम्मति भी लिया करते थे।

एक बार इनके गुरुजी का जैनियों के साथ शास्त्रार्थ होना था। इसके लिए गुरुजी ने एक प्रवचन तैयार किया था। प्रवचन पन्नालाल जी को देकर उन्होंने इनकी सम्मति मांगी। इस समय तक यह धारा प्रवाह संस्कृत बोलने लगे थे। जैनधर्म का आपको प्रगाढ़ ज्ञान था ही। उस लेख को पढ़कर इन्होंने गुरुजी से कहा कि इन तर्कों में कोई आधारभूत तथ्य नहीं है। किये गये प्रश्नों के उत्तर बहुत सरल और साधारण हैं, जिनके प्रत्युत्तर नहीं हैं। गुरुजी के पूछने पर इन्होंने जब तर्क बतलये, तो गुरुजी आश्चर्य चकित होकर बोले—"पन्ना, तू जैनी जान पड़ता है?" इन्होंने बड़ी नम्रता पूर्वक गुरुजी के चरण छूकर जैनी होना स्वीकार कर लिया।

गुरुजी कुपित होकर बोले—"तूने मेरे साथ कपट किया है। यहाँ से इसी क्षण चला जा।" अगले दिन आपने गुरुजी से विदा ली। गुरुजी को अपने प्रिय शिष्य से विलग होने का महान् दुःख था। किन्तु उस वातावरण में न गुरुजी रख सकते थे और न यह रह ही सकते थे। गुरुजी ने गद्‌गद हृदय से बिदाई दी और आशीर्वाद दिया। विदा देते हुए आदेश दिया कि—किसी ब्राह्मण से कभी भी तर्क या शास्त्रार्थ मत करना।" गुरुजी के इस आदेश को पं० पन्नालालजी ने आजन्म निभाया। वहाँ से विदा लेकर पं० पन्नालालजी घर लौटे। दीर्घकालीन विछोह के बाद परिवार से सम्मिलन हुआ, तो परिवार प्रसन्न हो उठा।

कुछ दिन बाद किसी ने आकर इनसे मुहूर्त पूछा, तो आपने मौखिक ही बतला दिया। पिताजी ने कहा कि पंचांग बिना देखे ही मुहूर्त बता दिया, अशुद्ध हो तो ? इन्होंने उत्तर दिया कि—किंचित् मात्र अन्तर नहीं आ सकता।" पिता ने जब पंचाङ्ग देखा, तो मुहूर्त बिल्कुल ठीक था।

इन्हीं दिनों हाथरस का मेला हुआ। उसमें चारोंओर के जैन परिवार सम्मिलित हुए। इनका भी परिवार गया था। योजनानुसार एक दिन आर्य समाज के विद्वानों से शास्त्रार्थ का भी कार्यक्रम था। एक विशाल मंच पर कुछ आर्यसमाजी विद्वान् उपस्थित थे। उनसे वाग्ययुद्ध के लिए कुछ जैन गृहस्थ भी एकत्र हुए थे। जैन गृहस्थों को धर्म का ज्ञान तो था किन्तु संस्कृत के ज्ञान का अभाव था। शास्त्रार्थ आरम्भ हुआ। दर्शकों की आपार भीड़ को पार करके पं० पन्नालालजी भी मंच पर पहुँच गये। दिव्य शरीर, प्रतिभा सम्पन्न व्यक्तित्व देखकर सब लोग चकित थे कि यह कौन है ? जैन विद्वान् बहुत सोच समझ कर समाजियों के उत्तर दे पाते थे। किन्तु पंडितजी ने पहुँचकर धारा प्रवाह संस्कृत में तर्कों का उत्तर देना आरम्भ किया। जहां प्रश्न हुआ कि पंडितजी ने उसका तत्काल सप्रमाण उत्तर दिया और अपना प्रश्न उनके सामने रख दिया।

पढ़े अनपढ़े यह सभी लोग भांप लेते थे कि किसका प्रश्न और उत्तर ठीक है। अन्त में समाजी लोग निरुत्तर होकर चले गये। अब भीड़ ने पंडितजी को घेर लिया। परिवार और ग्राम वालों को अपार हर्ष हुआ। पिता के आनन्द का तो कहना ही क्या था। अब सेठों में होड़ लग गई कि पंडितजी को कौन अपने यहाँ ले जाय। इस समस्या का समाधान पंडित जी ने तत्काल ही कर दिया। उन्होंने कहा कि जो सेठ मुझे पालकी में बैठा कर स्वयं अपना कन्धा लगाकर ले जा सके, ले जाय। इस कठिन परीक्षा में सेठ जम्बूप्रसाद सहारनपुर ही सफल हो सके।

अब पंडितजी का निवास स्थान सहारनपुर हो गया और यहीं से उनकी प्रतिभा का प्रकाश फैला। आज दिन सहारनपुर में जो धर्म की प्रभावना है, उसके मूल में पंडित पन्नालाल न्यायदिवाकर की बहुत बड़ी देन है। अन्तिम दिनों में पंडितजी फिरोजाबाद आकर बस गये जहाँ उनकी विशाल हवेली आज भी खड़ी है। इनके तीन पुत्र और एक पुत्री हुई। केवल बड़े पुत्र के ही सन्तान है।

पंडितजी को एक बार किसी मुकदमें में जैनधर्म के प्रमाण के निमित्त अदालत में जाना पड़ा। न्यायाधीश ने प्रमाण के ग्रन्थों को न्यायालय में मंगाया तो पंडितजी ने कहा

कि जब सम्माननीय व्यक्ति का बयान कमीशन से होता है तो जैनधर्म के ग्रन्थ तो महान् पूजनीय हैं, उनको न्यायालय में कैसे लाया जा सकता है।

एक बार अन्य किसी विद्वान् ने पंडितजी से शास्त्रार्थ करने की इच्छा व्यक्त थी। उन्होंने एक श्लोक पढ़ा, जिसका अर्थ यह था कि—साहित्य, व्याकरण, न्याय और ज्यौतिष इनमें से किस विषय पर आप शास्त्रार्थ करना चाहते हैं ? उनकी बात सुनकर उस विद्वान् ने कहा—बस महाराज ! जैसा आपको सुनते थे, आप उससे भी अधिक विद्वान् हैं। बादको आपको "न्याय दिवाकर" की उपाधि से विभूषित किया गया। एक बार एक अन्य व्यक्ति ने उनसे प्रश्न किया कि महाराज ! सिद्ध शिला तो परिमेय, परिमाणित है, उसमें अपरिमेय अनन्तानन्त सिद्ध कैसे रह रहे हैं ? पंडितजी ने कहा—"लगातार बातें सुनते रहे हो और सुनते भी रहोगे तथापि तुम्हारे कान खाली के खाली ही बने रहते हैं। इस युक्ति से विद्वान् बड़ा प्रसन्न हुआ।

फिरोजाबाद के जैन मेले में फिर एक बार आर्य समाजियों ने पंडितजी से शास्त्रार्थ करने की सूचना दी। विषय मूर्ति पूजा का रखा था। समाजी लोग मूर्ति पूजा के विरोधी थे। उन दिनों मथुरा से दयानन्दजी सरस्वती की तस्वीर के छपे हुए दुपट्टे बहुत बिका करते थे और आर्य समाजी लोग सन्ध्या वन्दन के समय उन दुपट्टों को ओढ़ लिया करते थे। यह बात पंडितजी को मालूम थी कि—

ओढ़ दुपट्टा पूजा करते विद्वद्वर आर्यसमाजी।
देवी देव मूर्ति पूजा पर नित करते हैं एतराजी॥

पंडिजी को ज्ञात हुआ कि फिरोजाबाद में श्री बाबूरामजी पल्लीवाल बजाज के यहाँ ऐसे दुपट्टों की एक गांठ आई हुई हैं। पंडितजी ने बहुत से दुपट्टे मंगाये और कुछ तो मंच पर बिछवा दिये, जहाँ कि विद्वान् लोग शास्त्रार्थ के लिए बैठेंगे और कुछ बीच के रास्ते में जहाँ से होकर लोग मञ्च पर जायंगे, वहाँ कपड़ों की तरह बिछवा दिये। दोनों ओर पंक्ति बद्ध लोगों को खड़ाकर दिया स्वागत के लिए। जैसे ही आर्यसमाजी विद्वान् लोग पधारे कि लोगों ने बड़ी विनम्र अगवानी करते हुए वही दुपट्टों वाला मार्ग बता दिया। उनका ध्यान दुपट्टों पर पड़ा तो विचारे बड़े असमञ्जस में पड़ गये। शास्त्रार्थ के प्रश्न का मूर्तिमान उत्तर पाकर तत्काल पश्चात्पद लौट गये। पंडितजी वस्तुत :—

विद्वान थे, गुरुज्ञान थे, सम्मान, ध्यान, महान थे।
कल्यान प्रान सुजान थे, शुभ धर्म के अवदान थे॥

श्री बाबू नेमीचन्दजी गुप्ता, मोरेना

समाज के वयोवृद्ध नेता माननीय श्री बा० नेमीचन्दजी गुप्तका जन्म आज से ७३ वर्ष पूर्व श्री उदयराजजी जैन बेरनी के घर हुआ। स्व० श्री उदयराजजी जैन अपने समय के आदर्श जन सेवक हो चुके हैं। श्री नेमीचन्दजी जैसे मेधावी बालक को पुत्र रूप में प्राप्त कर आपने अपार हर्ष मनाया और इनकी शिक्षाका समुचित प्रबन्ध किया। श्री नेमीचन्दजी ने भी अपनी तीक्ष्ण बुद्धि और अनुपम स्मरण-शक्ति के कारण शिक्षा-क्षेत्र में आश्चर्य जनक सफलता प्राप्त की और शीघ्र ही बी० ए० एल० एल० बी० की उच्च शिक्षा से विभूषित हो गए।

आपकी सारी शिक्षा अँग्रेजी के माध्यम से होने पर भी आपका अपनी संस्कृति के प्रति अनुराग यथावत् बना हुआ है। वकालत को आपने जीविका के रूप में स्वीकार किया, किन्तु अपने निजी जीवन में आप शुद्ध और सात्विक तथा सत्यप्रिय बने रहे। आपका सेवाभावी जीवन व्यस्त रहने पर भी समाज-सेवा के लिए सदैव तत्पर रहा है। बाल्यावस्था से ही आपमें स्व समाज को उन्नत तथा समृद्ध देखने की लालसा है। समाज से निरक्षरता को मिटाने का प्रयास आपके जीवन में बराबर बना रहा। समाज के होनहार बालकों को छात्रवृत्ति बांटने का क्रम आप बराबर अपनाए हुए हैं तथा उसके लिए प्रतिक्षण प्रयास करते रहते हैं। आपने दुःख भरे क्षणों में भी समाज-सेवा के व्रत को अक्षुण्ण रखा है।

समाज-सेवा में दत्तचित्त अनेकों संस्थाओं के आप प्रधान तथा मन्त्री और सदस्य रहे हैं। पद्मावती पुरवाल महासभा के आप प्रधान मन्त्री भी रह चुके हैं। आपने अनेकों संस्थाओं का पोषण कर उनको दीर्घ जीवी बनाया है।

आप दहेज प्रथा के पूर्ण विरोधी हैं। दहेज की दावानल को शान्त करने के लिए आपने अनेकों बार उत्तम सुझाव दिए तथा सारगर्भित और सामयिक लेख भी लिखे हैं।

आपकी धर्मपत्नी सुश्री प्रभावी गुप्ता, धार्मिक विचार युक्त आदर्श गृहणी हैं। आप भी अपने पतिदेव की भांति शान्त और गम्भीर तथा कष्ट सहिष्णु साहसी महिला हैं। आपके दो सुपुत्र चिरंजीवी जगदीशचन्द्र गुप्ता तथा चिरंजीवी शरतचन्द्र गुप्ता क्रमशः इन्टर और मैट्रिक तक शिक्षित हैं तथा "गुप्तास्टोर" और "गुप्ता ब्रदर्स" फर्मों का संचालन कर रहे हैं।

श्री लालबहादुरजी जैन शास्त्री एम. ए., पी. एच. डी., इन्दौर

श्री लालबहादुरजी शास्त्री जैन समाज के शीर्षस्थ विद्वानों में से हैं। आप एक सफल लेखक, कुशल कवि एवं प्रभावशाली वक्ता है।

आपके पितामह श्री लाला शिखरचन्दजी पमारी (आगरा) निवासी थे। श्री शिखरचन्दजी के पुत्र हुये-श्री रामचरणलाल एवं हरचरणलाल। शास्त्रीजी श्री रामचरणलालजी के सुयोग्य सुपुत्र हैं। श्री शास्त्रीजी का जन्म "लालरू" (कालका के पास पंजाब) में हुआ। उन दिनों आपके पिता लालरू में स्टेशन मास्टर थे। अतः लालरू में जन्म होने से ही आपके पितामह ने आपका नाम 'लालबहादुर' रक्खा और तब से आप इसी नाम से विख्यात हैं। लगभग पाँच वर्ष की आयु में आपको अपनी माता का वियोग सहना पड़ा था। अभी माता की यादें मिटी भी न थीं कि तीन वर्ष बाद ही आपके पिताश्री भी चल बसे। निराश्रित बालक केवल हिन्दी पढ़ लिख सकता था। आपकी बड़ी बहिन श्री विद्यावती जी पिताजी के देहान्त से पूर्व ही विधवा हो चुकी थी। अब केवल भाई-बहिन ही एक दूसरे के अवलम्ब थे। आपकी बहिन ने जो वर्तमान में अजमेर में सर सेठ भागचन्दजी सा० की सौभाग्या मातेश्वरी की स्मृति स्वरूप चलने वाले कन्यापाठशाला की प्राधानाध्यापिका हैं, पं० श्रीलालजी काव्यतीर्थ की मदद से आपको महासभा के महाविद्यालय में पढ़ने भेजा। वहाँ आप छः वर्ष पढ़े। उसके बाद आप मोरेना आगये। आपकी गणना प्रतिभाशाली छात्रों में की जाती थी। आप वर्षों वहाँ जैन सिद्धान्त प्रचारिणी-सभा के मन्त्री तथा जैन सिद्धान्त पत्रिका के सम्पादक रहे। कविता करने की प्रतिभा आपमें वहीं से प्रस्फुटित हुई। उन दिनों मोरेना के तत्कालीन तहसीलदार श्री भालेराव भास्कर आपकी प्रतिभा से प्रभावित होकर आपको एक बार ग्वालियर कवि सम्मेलन में ले गये। वहाँ आपने तालियों की गड़गड़ाहट में समस्या पूर्तियाँ पढ़ीं और अपनी कवित्त-प्रतिभा की अनूठी छाप छोड़ी!

मोरेना विद्यालय से सिद्धान्तशास्त्री और न्यायतीर्थ परीक्षा पास करने के बाद आप कार्यक्षेत्र में आ गये। सन् १९३७ में आपने शास्त्रार्थ संघ के माध्यम से समाज-सेवा का कार्य प्रारम्भ किया। वहाँ आप "जैन सन्देश" के सम्पादक भी रहे। तत्कालीन 'पद्मावती पुरवाल' पाक्षिक पत्र एवं 'वीर भारत' का सम्पादन भी किया। फिरोजाबाद में वार्षिक अधिवेशन के समय आपको पद्मावती पुरवाल महासभा का उप सभापति चुना गया।

सन् १९२४ में आपने मैट्रिक एवं १९४६ में इन्टर मीडियेट की परिक्षायें पास कीं। इसके बाद आप क्षयरोग से पीड़ित हो गये। अतः सन् १९४८ में इन्दौर में आपने उपचार कराया और वर्ष भर उपचार के बाद आप स्वस्थ्य हो गये।

सर सेठ हुकुमचन्दजी की निजी शास्त्र सभा में आप यदाकदा जाने लगे। आपके शास्त्रीय ज्ञान से प्रभावित होकर १९४९ में आपको सर सेठ हुकुमचन्दजी ने अपने यहाँ रख लिया। उन दिनों समाज के प्रसिद्ध विद्वान् पं० खूबन्दजी सिद्धान्तशास्त्री, पं० देवकीनन्दनजी सिद्धान्तशास्त्री, पं० जीवनधर जी न्यायतीर्थ, पं० बन्शीधरजी न्यायालंकार के साथ आप भी सेठ सा० की सभा में शास्त्र चर्चा करते थे। आप लगभग दस वर्ष सेठ सा० के पास रहे। यहीं आपने अतिरिक्त समय में इंगलिश लिटरेचर लेकर बी० ए० तथा संस्कृत में एम० ए० किया। बनारस से सम्पूर्ण शास्त्री तथा आचार्य के दो खण्ड किये। सन् १९५८ में आप समन्तभद्र संस्कृत विद्यालय के प्रिंसिपल होकर चले गये। सर सेठ सा० नहीं चाहते थे कि आप उन्हें छोड़कर अन्यत्र जावें, लेकिन आपके बहुत आग्रह करने पर सेठ सा० ने आपको विदा दी। देहली में आपका बहुत सम्मान रहा। प्रसिद्ध उद्योगपति लाला राजेन्द्रकुमारजी को उनकी प्रार्थना पर आप उन्हें नियमित स्वाध्याय कराने लगे। वहीं आपने पी० एच० डी० के लिये उपक्रम किया तथा अत्यन्त व्यस्त रहते हुये भी आचार्य का अन्तिम खण्ड दिया। सन् १९६३ में आप सेठ राजकुमारसिंह जी एम० ए० एल० एल० बी०, के आग्रह से उनकी पारमार्थिक संस्थाओं के संयुक्त मन्त्री नियुक्त हुये।

इन दिनों आप भा० व० सि० सभा के मुख पत्र 'जैन दर्शन' के प्रधान सम्पादक हैं। एवं भारतवर्षीय दि० जैन महासभा के मुख पत्र 'जैन गजट' के सहायक सम्पादक हैं। उक्त दोनों सभाओं के साथ शास्त्री परिषद, विद्वत् परिषद, भा० व० दि० जैन परिषद एवं अखिल भारतीय पद्मावती पुरवाल पंचायत की प्रबन्ध कारिणी के सदस्य हैं।

इन्दौर में रहकर आपने "आचार्य कुन्द कुन्द और उनके समयसार" पर शोध कार्य किया, फलस्वरूप आगरा विश्वविद्यालय ने आपको "डाक्टर आफ फिलासफी" की उपाधि से सम्मानित किया है। वर्तमान में आप इन्दौर में अपने मुद्रणालय (Printing Press) का संचालन कर रहे हैं।

आपके दो सुपुत्र क्रमशः चि० दिनेशकुमार, राजेशबहादुर सर्विस कर रहे हैं। तथा तृतीय अध्ययन कर रहे हैं।

●

स्व० श्री मुन्शी हरदेवप्रसादजी जैन, जलेसर

जलेसर के विख्यात हुण्डीवालों के प्रभावशाली परिवार में श्री हुलासीरायजी जैन के यहाँ "जाति भूषण" श्री मुन्शी हरदेवप्रसादजी ने जन्म लिया। आपके पिता श्री हुलासीरायजी जैन लेन-देन और हुण्डी आदि का कार्य बड़े स्तर पर करते थे। आपको बाल्यावस्था से ह तीव्र ज्ञान-पिपासा थी। आपके पिताजी आपको बलवान(पहलवान)देखाना चाहते थे, इसलिए वह आपको ढाई सेर दूध नित्य पिलाते थे। आपका झुकाव शिक्षा-संग्रह की ओर बराबर रहा। फलस्वरूप एक मौलवी से शिक्षा प्राप्त की और एक सुप्रसिद्ध कायस्थ वकील से कानूनीज्ञान प्राप्त कर मुन्शी बने।

आपका गृहस्थ जीवन सुखी था। आपके एक सुपुत्र श्री बनारसीदासजी जैन एवं दो कन्याएं श्रीमती ज्ञानमाला एवं श्रीमती रतनमाला थी। आपके नाती रायसाहेब श्री बा० नेमीचन्द्रजी जैन भू० पू० अध्यक्ष नगरपालिका जलेसर बर्तमान में समाज नायक है।

श्री मुन्शी हरदेवप्रसादजी बड़े ही अध्यवसायी, परिश्रमशील, परोपकारी एवं धर्मनिष्ठ महापुरुष थे। जमींदारी के कार्य में आपने अहिंसा, परोपकार, दया एवं ईमानदारी को व्यवहारिकता का जामा पहनाया था। अपने जीवन काल में आपने प्रायः सभी जैन तीर्थों की बन्दना की थी। मरसलगंज के १६वें अधिवेशन में आपको "जाति-भूषण" की उपाधि से विभूषित किया गया था।

आप उर्दू और फारसी के विद्वान् थे, पर "श्री भक्तामर" का अध्ययन करने के लिए आपने सत्तर वर्ष की आयु में संस्कृत का अध्ययन प्रारम्भ किया। आपका स्वर्गवास २५ अक्तूबर सन् १९३३ को हुआ।

श्री पाण्डेय कंचनलालजी जैन, टूण्डला

पद्मावती पुरवाल समाज में पाण्डेय वर्ग का स्थान अत्यन्त सम्माननीय एवं श्रद्धापूर्ण रहा है। पाण्डेय वर्ग हमारी जातीय-मर्यादाओं का संरक्षक एवं निर्देशक है। अतः प्रत्येक पाण्डेय-पुत्र समाज का श्रद्धास्पद और पूज्य हैं।

श्री पाण्डेय कंचनलालजी से समाज का प्रत्येक सदस्य भलीभांति परिचित है। पाण्डेय जी का सारा ही जीवन समाज की सेवा एवं निर्माण में लगा है। आपके पूर्वज श्रद्धेय श्री हीरालालजी जैन पाण्डेय अपने मूल निवास स्थान फिरोजाबाद में विराजते थे। नगला-स्वरूप ग्राम का श्रद्धालु समाज उन्हें अपने यहाँ ले आया। तब से यह वंश यहीं निवास करता है। इसी वंश के स्वर्गीय श्री बिहारीलालजी जैन पाण्डेय को श्री कंचनलालजी के पिता श्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रतिभाशाली बालक "कंचन" की शिक्षा का समुचित प्रबन्ध किया गया। किन्तु, विधि का विधान कुछ और ही था। अभी बालक "कंचन" ने किशोरावस्था में प्रवेश पाया ही था कि इन पर से पिता का स्नेह भरा हाथ सदैव के लिए उठ गया। बालक ने साहस और धैर्य से काम लिया, किन्तु शिक्षा-क्रम संस्कृत की प्रथमा के पश्चात् रुक गया। तभी से आप समाज-सेवा के पुनीत संकल्प को बड़ी दृढ़ता के साथ निभाते आ रहे हैं।

आपने अपने कुल परम्परागत कार्य को बड़ी निपुणता से पुगाया है। स्वधर्म के उत्त-मोत्तम ग्रन्थों को आपने पढ़ा एवं मनन किया है। आपकी विवाह-पठन पद्धति तो अपनी निराली ही विशेषता रखती है। आपके आचार्यत्व में सम्पन्न होनेवाला विवाह-संस्कार केवल एक संस्कार-समारोह ही नहीं होता है, अपितु स्वजातीय नियम एवं शास्त्रों के गूढ़-ज्ञान को समझने का बहुमूल्य अवसर भी होता है। आपका अपने शास्त्रों के प्रति दृढ़ निश्चय एवं अटूट विश्वास है। सामाजिक नियम और मर्यादाओं में आप कभी उपेक्षा नहीं बरतते। विवाह आदि संस्कारों की प्राचीन-विशुद्ध प्रणाली ही आपको प्रिय है तथा समाज को उसी पर चलने की प्रेरणा देते रहते हैं।

आपके द्वारा समाज-सेवा भी पर्याप्त मात्रा में हुई है। "पाण्डेय संगठन कमेटी" का गठन आपकी दूरदर्शिता एवं सुव्यवस्था का ज्वलित प्रमाण है। अ० भा० जीवदया प्रचारिणी सभा में भी वर्षों सेवा-कार्य किया है। समाज के अनाथ बालक एवं निराश्रित विधवा और असमर्थ वृद्धों की जानकारी रखना तथा समाज के समर्थ और सम्पन्न महानुभावों को उनकी सहायता के लिए प्रेरित करते रहना—आपकी मौन सेवाओं में से एक है। आपने अनेकों अभावग्रस्त विद्यार्थियों को शिक्षित बनाने में अपना सराहनीय योग दिया है।

राजनीति के क्षेत्र में भी आपका अपना स्थान है। ग्राम पंचायत के प्रधान पद को आप १२ वर्ष तक सुशोभित कर चुके हैं। आपने अपने प्रधानत्व में प्राइमरी पाठशाला, धर्मशाला तथा कुंआ आदि का निर्माण करवा ग्राम की बहुमुखी उन्नति की है। पशुपालन, वृक्षारोपण तथा ग्राम की सीमाओं में शिकार पर प्रतिबन्ध लगाने जैसे महत्व पूर्ण कार्य कर समाज में अपना

सम्मान का स्थान बनाया है। आप अपनी तहसील के आदर्श प्रधानों में माने जाते रहे हैं। शासन में भी आपका सम्माननीय स्थान हैं। ब्रिटिश काल में आप ३८ गाँवों की अत्याचार निरोध समिति के प्रधान मन्त्री थे। उस समय आपने अत्याचार के विरोध में जनता में एक नवीन भावना और साहस का संचार किया था।

समाज-सेवा की बृहद् भावना को लेकर आजकल आप टूण्डला में निवास कर रहे हैं। श्री पी० डी० जैन इण्टर कालेज के संस्थापकों में आपका नाम बड़े आदर के साथ लिया जाता है। इस संस्था के प्रचार मन्त्री भी आप रहे हैं। वर्तमान समय में आपकी दिन चर्या का विशेष भाग पूजन एवं शास्त्र प्रवचन में लग रहा है।

आप विनम्र स्वभावी एवं शान्त प्रकृति के सदैव प्रसन्न रहनेवाले धर्म निष्ठ महानुभाव हैं। आदर्श-समाज सेवी और सन्तोषपूर्ण वृत्ति के परोपकारी सज्जनों में आपकी गणना की जाती है। आप कर्मठ और सत्य प्रिय सफल राजनीतिज्ञ हैं।

अतः उपरोक्त सभी गुणों का संगम श्री पाण्डेयजी को सर्वप्रिय और श्रद्धास्पद बनाए हुए है। श्री पाण्डेयजी जैसी विभूति से समाज भारी आशा रखता हुआ, गौरव अनुभव करता है। ●

श्री पांडेय उग्रसैन जी जैन शास्त्री, टूंडला

आप श्रद्धेय मुनि श्री ब्रह्मगुलाल जी के वंशज हैं। आपके इस पवित्र कुल में श्री पाण्डेय रूपचन्द जी जैन, पाण्डेय केशरी श्री शिवलालजी जैन आदि उच्च कोटि के विद्वान् तथा समाज-निर्माता हो चुके हैं। आपके पूज्य पिता श्री सुखनन्दनलाल जी भी ऐसी ही एक विभूति थे।

श्री शास्त्री जी का जन्म ६ नवम्बर १९२१ में नगला स्वरूप जिला में हुआ। जब आप अपनी माताजी के गर्भ में थे, उसी समय आपके पिताजी का स्वर्गवास हो गया। यहीं से आपकी अपने भाग्य के साथ प्रतिस्पर्धा आरम्भ होती है। दुर्भाग्य ने अपनी प्रबल शक्ति का परिचय देते हुए आपको जन्म से नौ माह पश्चात् माता की दुलार भरी गोंद से खेंच लिया। अब आप माता-पिता के असह्य वियोग को सहन करते हुए शनै-शनै स्नेही चाचा और दयालु ताऊ की छाया में पलने लगे। बाल्यावस्था से किशोरावस्था तक आपकी शिक्षा-मर्थर, अहारन, टेहू तथा सहारनपुर में ही होती रही, तत्पश्चात् आपका ध्यान अपने पारिवारिक कर्म की ओर गया—और आपने धर्म, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड का अध्ययन प्रारम्भ कर दिया। आप तीक्ष्ण बुद्धि तो थे ही पुनः जीवन-निर्माण और धर्म तथा समाज-सेवा की अभिरुचि ने आपको कर्मठ और लगनशील भी बना दिया, फलस्वरूप थोड़े ही समय में आपने अनेकों गुण एवं चमत्कारिक विद्याओं का संग्रह कर लिया। प्रतिष्ठा, हवन, मुहूर्त तथा ज्यौतिष सम्बन्धी कार्य और विवाह-कर्म में निपुणता प्राप्त करते हुए समाज-सेवा का पावन व्रत लेकर बड़ी तत्परता से कार्य करना आरम्भ कर दिया।

आप प्रौढ़ शिक्षा के प्रबल हिमायती ही नहीं है, बल्कि इस दिशा में आप रचनात्मक कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाते हैं। आप कुछ समय से नियमित रूप से रात्रि को एक घण्टा प्रौढ़ पाठशाला चलाते हैं। आपके द्वारा धर्म प्रचार तथा धर्म-शिक्षण का कार्य भी बराबर चलाया जा रहा है। श्री ब्रह्मचारी सुरेन्द्रनाथ जी द्वारा संस्थापित मुमुक्षु-समिति के सदस्यों को धर्म-शिक्षा का कार्य एवं श्री दि० जैन महावीर विद्यालय की सम्पूर्ण व्यवस्था आपकी देख-रेख में है। श्री दि० जैन म० वि० टूण्डला के मैनेजर एवं पा० स० कमेटी के कोषाध्यक्ष पद को सम्भाले आप समाज की सच्ची सेवा में लगे हुए हैं।

अनाथ, विधवा तथा लाचार व्यक्तियों को आप सदैव सहारा देते रहे हैं। श्री दि० जैन पद्मावती पुरवाल समाज के आप महान् शुभचिन्तक एवं समाजकी उन्नति के लिये दत्तचित्त कर्मशील महानुभाव हैं। आपमें मानव-मात्र की सेवा-भावना निवास करती है। विनम्रता और सरलता आपके अपने जन्म जात गुण हैं। इन्हीं अमूल्य गुणों के आधार पर समाज आपको आदर की दृष्टि से देखता है। आपके द्वारा कितने ही ऐसे विवाद आसानी से सुलझाए जा चुके हैं, जिनका हल अदालतें भी नहीं निकाल पाई थीं। आपके निर्णयों की प्रशंसा उदाहरण के रूप में समय-समय पर स्मरण की जाती रहती हैं।

आपके अनुरूप ही आपकी गुणवती धर्मपत्नी श्री विमलादेवी हैं। आप भी धर्मानुरूप जीवन की तथा अपने धर्म के प्रति पूर्ण निष्ठावान उत्तम कुल एवं शुद्ध विचार धारा की आदर्श महिला हैं। आपकी चार सुयोग्य सन्तानें शिक्षा प्राप्त कर रही हैं।

●

कैप्टिन श्री माणिकचन्द्र जी जैन, फिरोजाबाद

श्री कैप्टिन साहेब समाज के वीर पुरुषों में से एक हैं। ६० वर्ष की आयु के पश्चात् भी आप में युवकों जैसा साहस तथा उत्साह विद्यमान है। जिला आगरान्तर्गत "कोटला ग्राम" आपकी जन्म भूमि है। यहीं आप अपने पिता स्वर्गीय श्री बंगालीलाल जी जैन की मोदभरी गोद में पले। आपके इस वंश में श्री सुखनन्दनलाल जी, श्री बाबूराम जी रईस आदि विभूतियाँ हुईं जो समाज-सेवा तथा जाति-हितैषी कार्यों में अपना मौलिक स्थान रखती हैं।

कैप्टिन साहेब बाल्यकाल से ही तीक्ष्ण बुद्धि रहे हैं। थोड़े ही समय में आपने आगरा विश्व विद्यालय से बी०ए० की शिक्षा समाप्त कर ली थी। विद्यार्थी जीवन में आप खेल-कूद के भी शौकीन रहे हैं। प्रायः सभी खेलों में आप उमंग के साथ भाग लिया करते थे। आपकी जोश भरी युवावस्था ने सैनिक जीवन अपनाया—फलस्वरूप आप अपनी योग्यता, चातुर्य एवं पराक्रम के कारण कैप्टिन जैसे उच्च पद पर आसीन हुए। जैनी जब जुल्म के

खिलाफ संग्राम में उतरता है, तब वह विजयश्री वरण करके ही लौटता है। आपका विजयी-जीवन इसका ज्वलन्त प्रमाण है। आपने कई युद्धों में भाग लिया और हर मोर्चे पर विजय प्राप्त की। आप अपने सैनिकों एवं उच्चधिकारियों में अत्यन्त प्रिय रहे हैं। आपने सैनिक क्षेत्र में जितनी सफलता एवं लोक प्रियता प्राप्त की है, उतनी ही समाज में भी आपकी प्रतिष्ठा है। आप स्वजाति जनों की आजीविका तथा सुख समृद्धि का प्रयास बराबर करते रहते हैं। पूर्वाचार्यों के अनुसार धर्म पर चलना तथा प्रत्येक स्थिति में धर्म का पालन एवं अनुसरण करना,इसका आप निरन्तर ध्यान रखते हैं। आपके विचारानुसार धर्म आत्मा है। अतः आत्मा द्वारा प्रत्येक समय एवं स्थान पर धर्म साधा जा सकता है। आप वीरता, दया तथा निर्मलता की प्रतिमूर्ति हैं। आप प्रत्येक व्यक्ति से अपने स्वजनों जैसा व्यवहार करते हैं। आपकी भाषा अत्यन्त मधुर तथा विनोदपूर्ण है। आप उच्च विचार युक्त आत्म-विश्वासी पुरुष हैं।

आप समय समय पर खुले दिल से दान-धर्म करते हैं। कोटला श्री मन्दिर जी को आपने अपनी जमीन देकर मन्दिर जी में सौ रुपया मासिक की स्थाई आमद का प्रबन्ध कर दिया। अब वहाँ धर्मशाला भी बन गई है।

आपका स्नेह एवं प्रेमपूर्ण व्यवहार अकस्मात् मानव को अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। अभिमान आपको छू तक नहीं सका है। आप स्पष्टवादी तथा उदारमना सुसंस्कृतज्ञ पुरुष हैं। समय निकाल कर स्वधर्म-ग्रन्थों का बराबर अध्ययन करते रहते हैं। आपका जीवन राष्ट्र का गौरव तथा स्वसमाज का आभूषण है। समाज के सर्वप्रिय विवेकी व्यक्तियों में आपकी गणना होती है।

आपकी श्रीमति पुत्तोरानी जी भी आपके अनुरुप ही वीराङ्गना और समाज की आदर्श महिला हैं। कौटुम्ब-कुशलता, व्यवहार निपुणता एवं स्नेह शीलता आपके स्वाभाविक गुण हैं। समाज-सेवा, धर्मनिष्ठा आपके अपने मौलिक व्रत हैं।

आपके दो सुपुत्र श्री सुरेशचन्द्र जी जैन तथा श्री कृष्णचन्द्र जी जैन हैं। श्री कृष्णचन्द्र जी डी० सी० एम० के वस्त्रों के व्यवसायी हैं तथा दूसरे श्री सुरेशचन्द्र जी पैट्रोल पम्प का कार्य सम्भालते हैं। दोनों युवक अपने पिता तुल्य सज्जन तथा नम्र और वंश परम्परागत शुद्ध आचार-विचार के स्वधर्म पालक हैं।

●

स्व० श्री बनारसीदासजी जैन वकील, जलेसर

स्व० श्री बनारसीदासजी जैन समाज के महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों में से एक थे। आपके पूज्य पिता श्री मुन्शी हरदेवप्रसादजी अपने समय के ख्यातनामा महापुरुष थे। इन्हीं के घर में आपका जन्म ६ जून १८७८ को जलेसर में हुआ था। श्री बनारसीदासजी बाल्यावस्था से ही प्रतिभापूर्ण व्यक्तित्व के भाग्यशाली पुरुष थे। आपने सन १९०० में श्रेष्ठ श्रेणी में इलाहाबाद से बी० ए० किया। १९०८ में वकालत पास की और १९१७ में सरकारी वकील नियुक्त हुए।

आप जीवन पर्यन्त अवागढ़ राज्य के कानूनी सलाहकार रहे और राज्य के प्रतिनिधि के रूप में महाराजा दरभंगा, महाराजा कूंच, महाराजा ग्वालियर, महाराजा करौली, बीकानेर आदि भारतीय राजाओं एवं अनेक राजकीय पदाधिकारियों आदि से आपका निरंतर सम्पर्क रहा, एक रूप में वे सब आप के मित्र रहे। आप अपने समय के अत्यन्त प्रसिद्ध वकील थे।

ज्ञान एवं प्रतिष्ठा के सर्वोच्च शिखर पर पहुँच जाने पर भी आपकी अपने धर्म में अटूट श्रद्धा थी। सन् १९१९ में आप श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन परिषद् के महामन्त्री के पद पर आसीन हुए थे। आप जैन गजट के सम्पादक भी रह चुके हैं इन पदों पर रहते हुए आपने जैन जाति की अनिर्वचनीय सेवायें की हैं।

कार्य में अत्यन्त व्यस्त रहने पर भी आप प्रातःकाल चार बजे उठकर स्वाध्याय एवं सामायिक करते थे। राजसी-सम्पर्क में रहने पर भी आप में निशि भोजन त्याग, शाकाहार एवं शुद्धाहार जैसे सात्विक गुण बने रहे। आपने कभी किसी व्यक्ति को मांस और मदिरा का भोजन नहीं दिया। एक बार अपनी शादी के अवसर पर अवागढ़ के राजा ने शेर का शिकार किया तब इस खुशी में दरबार लगा—सभी दरबारियों ने विभिन्न प्रकार की भेटें समर्पण की, किन्तु प्रमुख दरबारी होने पर भी आप उस समारोह में सम्मिलित नहीं हुए और कहला भेजा कि हिंसा में हम किसी प्रकार की खुशी नहीं मनाते।

जब आपने अपनी एकमात्र सन्तान रायसाहेब श्री नेमीचन्द्रजी को उच्च शिक्षा हेतु बाहर भेजना पड़ा, तो उनके साथ एक जैन रसोइया और एक नौकर भेजा तथा एक छात्र के निवास वाला कमरा दिलाया। इन सब कार्यों की मूलभूत भावना यही थी कि पुत्र पर जैन संस्कारों को यथाविधि बनाये रखा जा सके।

अपकी धर्मपत्नी श्रीमती जयदेवी बड़ी ही सीधी-साधी और सरल स्वभाव की महिला थीं। ये पाक शास्त्र में बड़ी निपुण थीं। इनकी धर्म-भावना परिपुष्ट एवं हृदय निर्मल था।

श्री बनारसीदासजी का निधन अप्रैल सन् १९२० में अल्प आयु में ही हो गया। आपका शोक सारे ही समाज को शोकातुर एवं दुखी बना गया।

●

स्व० श्री लाला वासुदेवप्रसादजी जैन रईस, टूण्डला

आप स्व० श्री ला० भाऊमलजी जैन नौसेरा (मैनपुरी) के वंशधरों में से थे। आपके पिता श्री ला० शिखरप्रसाद जी जैन समाज के जाने-माने सज्जन थे। आप अपने भ्राताओं श्री भगवानस्वरूपजी जैन भू० पू० चेयरमैन टाउन ऐरिया कमेटी श्री श्रीरामजी जैन और श्री सुनहरीलालजी में सब से ज्येष्ठ थे।

आपका सार्वजनिक जीवन अत्यन्त सम्मानित और आदर्श रहा है। आप अनेक वर्षों तक विद्या संवर्धिनी समिति टूण्डला के प्रधान रहे। इस संस्था के अन्तर्गत धर्मशाला, पुस्तकालय एवं पाठशालाएं स्थापित हुईं। आपकी सतत् लगन एवं श्रम के कारण पाठशाला-ठा० बीरीसिंह हाईस्कूल के रूप में तथा कन्या पाठशाला राजकीय कन्या विद्यालय के रूप में परिणत हो गई। इन दोनों ही संस्थाओं का शिक्षा-क्षेत्र में प्रशंसनीय योग रहा है आप द्वारा लगाए गए यह छोटे छोटे पौधे आज विस्तृत-वृक्ष के रूप में प्रफुल्लित हैं। महावीर दिगम्बर जैन विद्यालय, जिनेन्द्रकला केन्द्र एवं अन्य अनेकों जैन मन्दिरों आदि के आप संस्थापक तथा संचालक थे। आपके सहयोग से अनेकों सामाजिक सस्थाएँ उन्नति के शिखर पर पहुँची। श्री दि० जैन अतिशय क्षेत्र ऋषभनगर (मरसलगंज) कमेटी के आप सभापति रहे। इस क्षेत्र पर आपने अपने कार्यकाल में दो बार पञ्चकल्याणक बिम्ब प्रतिष्ठाएं कराईं। धर्म रक्षक एवं समाज-सुधार सम्बधी अनेक संस्थाएं जैसे अ० भा० दि० जैन धर्म संरक्षिणी महासभा एवं अ० विश्व जैन मिशन आदि को धर्मप्रचार में पूर्ण सहयोग प्रदान किया। आप सार्वजनिक जीवन में अत्यन्त लोक प्रिय प्रतिभा के श्रेष्ठ पुरुष सिद्ध हुए। आपका व्यक्तित्व आकर्षक और मोहक था। आपका सरल स्वभाव और मधुर-व्यवहार आपकी अपनी विशेषता थी।

आप अ० भा० पद्मावती पुरवाल महासभा के अनेक वर्षों तक सम्माननीय सभापति रहे। आपके इस सेवाकाल में सभा ने सुधार-दिशा में अच्छी प्रगति की और संगठन की दृष्टि से भी सराहनीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया। आपका सफल एवं महत्वपूर्ण निर्णय समाज के लिए परमोपयोगी होता था। समाज को सर्वतोभावेन उन्नत करने की कामनाएँ आपने अपने हृदय में संजो रखी थीं। समाज-सेवा के लिए आप प्रतिक्षण तथा प्रत्येक परिस्थिति में उद्यत रहते थे। समाज के महान् तथा अग्रसर पुरुषों में आपकी गणना की जाती है।

आपके क्रमशः दो विवाह हुए प्रथम जामवती देवी के साथ एटा में तथा दूसरा महादेवी के साथ हिम्मतपुर में। यह दोनों महिलाएं धर्म में पूर्ण आस्थावान तथा आदर्श महिला रत्न थी।

●

राय साहेब श्री बा० नेमीचन्दजी जैन, जलेसर

श्री बा० नेमीचन्द्रजी जैन पद्मावती पुरवाल समाज के सुदृढ़ स्तम्भ, पथ-प्रदर्शक, समाज-सुधारक एवं धर्म-धुरन्धर कर्णधार हैं।

आप स्वर्गीय श्री बनारसीदास जी जैन की एक मात्र सुयोग्य सन्तान हैं। आपका जन्म सितम्बर १९०६ में जलेसर में हुआ। आपके जन्म के साथ ही परिवार में सम्पत्ति एवं ऐश्वर्य की अजस्र धारा प्रवाहित होने लगी। पिता की असामयिक मृत्यु एवं बाबा के प्यार ने आपको शिक्षा-क्षेत्र में इन्टरमीडिएट तक ही सीमित रखा।

आप अपनी सर्व प्रियता के कारण युवावस्था में ही नगरपालिका के सदस्य बन गये थे। सार्वजनिक पुस्तकालय, सुभाष पार्क, गान्धी शिक्षा-सदन, जलेसर कुटीर उद्योग प्रदर्शनी आदि कुछ ऐसे कीर्ति-स्तम्भ हैं जिन्हें समय की आंधी कभी पराजित न कर सकेगी। सन् १९४३ में आपको राय साहेब की मान्य उपाधि से विभूषित किया गया था। सम्प्रदायिक दंगों के अवसर पर आपके द्वारा किये गये शान्ति प्रयासों के फलस्वरूप तत्कालीन शासन द्वारा आपको मजिस्ट्रेट की सम्मानित शक्ति प्रदान की गई और आपने नगर एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व से शान्ति स्थापित की।

आपकी अभिरुचि पत्रकारिता एवं हिन्दी साहित्य में विशेष है। इसीलिये जैन-विचार धारा से अनुप्राणित सप्ताहिक 'वीरभारत' का स्थापन, संचालन, सम्पादन तथा प्रबन्ध किये हुये हैं।

धार्मिक संस्कार आपको उत्तराधिकार में मिले हैं। यही कारण है कि आपके जीवन का अधिकांश भाग धर्म-ध्यान में व्यतीत हुआ है। आज तक आपने किसी होटल में भोजन नहीं किया है और शुद्ध, सात्विक एवं मर्यादित खान-पान पर विशेष बल देते हैं।

धार्मिक क्रिया-काण्ड के सुचारूरूपसे सम्पादन हेतु आपने अपने विशाल भवन के एक कक्ष में श्री शान्तिनाथ जिनालय की स्थापना कराई है। आचार्य श्री शान्तिसागरजी महाराज, आचार्य श्री महावीरकीर्तिजी महाराज तथा आचार्य श्री विमलसागरजी महाराज के चरणों में आप महीनों रहे हैं।

परोपकार आपको प्राणों के समान प्रिय है इसका साक्षी है—महात्मागांधी मेमोरियल इन्टर कालेज, जलेसर। आपने अनेकों इच्छुक छात्रों को शिक्षा दिलाने में सहायता की है। सन् १९५० में श्री पद्मावती दिगम्बर जैन धर्मार्थ ट्रस्ट (रजिस्टर्ड) की स्थापना अपने द्रव्य से की है। ट्रस्ट के कार्य-संचालन में आप स्वयं समय भी देते हैं। गरीबों में औषधि

वितरण करना तथा विधवाओं को आर्थिक सहायता देना आपके पवित्र दैनिक कार्यों का अंग है। आप अखिल भारतीय दि० जैन पद्मावती पुरवाल महासभा व अखिल भारतीय दिगम्बर जैन पद्मावती पुरवाल पंचायत के यशस्वी सभापति भी रहे हैं।

आपके दो विवाह हुए। प्रथम श्रीमती राजकुमारी देवी सुपुत्री श्री बाबूलाल जी जैन रईस वीरपुर से और द्वितीय श्रीमती सुशीला देवी जैन सुपुत्री श्री बनारसीदास जी जैन देहली से। यह दोनों ही महिलाएं धार्मिक प्रकृति-पूर्ण और मधुर स्वभाव के लिए प्रसिद्ध रहीं। आपकी विशाल हृदयता "वसुधैव कुटुम्बकम्" भावपूर्ण रही है।

राय साहेब समाज के कीर्तिपुञ्ज तथा प्रकाशमान रत्न और सुयोग्य नेता हैं। आप समाज की गौरवशाली विभूति हैं। समाज को आपसे भारी आशाएँ बनी हुई हैं। समाज का प्रत्येक बालक आपकी चिरायु की कामना करता है।

●

श्री रामस्वरूप जी जैन 'भारतीय' जारकी

श्री भारतीयजी का जीवन बाल्यकाल से ही प्रतिभाशाली एवं समाज-सेवी रहा है। वैसे आपके सामाजिक जीवन का प्रारम्भ जैन-महासभा के लखनऊ अधिवेशन से माना जाता है। इस ऐतिहासिक अधिवेशन के सभापति थे माननीय सेठ चम्पतराय जी जैन। देहली पंच कल्याणक प्रतिष्ठा के अवसर पर महासभा का एक बृहद् सम्मेलन हुआ, किन्तु कुछ मतभेदों के कारण वैरिस्टर साहेब श्री चम्पतरायजी के साथ कुछ लोग महासभा के कार्यक्रम से अलग हो गये और उन्होंने झालरापाटन के रायसाहेब श्री ला० लालचन्दजी सेठी के कैम्प में दि० जैन परिषद की स्थापना की। इस कार्य में श्री भारतीयजी का प्रमुख हाथ था। इसी समारोह में "पद्मावती परिषद्" का जलसा ला० वासुदेवप्रसादजी जैन की अध्यक्षता में हुआ। इस परिषद् के मन्त्री पद पर श्री भारतीयजी को निर्विरोध चुना गया। तत्पश्चात् इस परिषद् का एक बृहद् अधिवेशन जारकी में हुआ था। इस अधिवेशन में लगभग ८४ गाँवों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य जातीय संगठन करना था। इस दिशा में आशातीत सफलता भी प्राप्त हुई। जारकी के सुप्रसिद्ध जागीरदार ठा० भगवानसिंहजी ने भी इस अधिवेशन में विशेष रूप से भाग लिया था।

तत्कालीन जीवदया प्रचारिणी सभा के मन्त्री ने अन्तर्जातीय विवाह कर लिया था। अतः इसी प्रश्न को लेकर समाज में एक आन्दोलन चल पड़ा। समाज का एक बड़ा वर्ग

इनको जाति से बहिष्कृत करने पर तुला हुआ था। इस विकट समस्या के समाधान के लिए श्री हजारीलालजी जैन आगरा के निवास स्थान पर एक सभा बुलायी गई। सभा ने निश्चय किया कि—अगर श्री बाबूरामजी जैन समाज के लिए उपयोगी हैं, तो उनकी रक्षा की जाए, उनके पक्षका समर्थन किया जाए और "पद्मावती-महासभा" की स्थापना कर दी गई। इस सभा के सभापति चुने गए श्री भूधरदासजी एटा। साथ ही "पद्मावती-संदेश" नामक पत्र भी निकाला गया, जिसके सम्पादन का भार श्री भारतीय जी को सौंपा गया। पत्र जारकी तथा बेसवां से काफी समय तक प्रकाशित हुआ। श्री भारतीयजी की संगठन शक्ति एवं सुलझे हुए विचारों के सद् प्रयास से फिरोजाबाद में जैन-मेले के अवसर पर परिषद् एवं महासभा का सौहार्द पूर्ण एकीकरण हो गया।

समाज-सेवक, राष्ट्र-भक्त, तथा प्रभावशाली वक्ता होते हुए भी आप मौलिक रूप से साहित्यिक श्रेणी के महानुभाव हैं। जिस समय आप चतुर्थ श्रेणी के विद्यार्थी थे, उस समय श्री रघुवरदयालजी भट्ट जो कानपुर जा रहे थे, उनके साथ टूण्डला स्टेशन पर एक निन्दनीय घटना घटी, उसकी जानकारी आपने प्रकाशनार्थ "प्रताप" में भेजी थी। जिसे स्व० श्री गणेशशंकरजी विद्यार्थी ने अपनी टिप्पणी के साथ प्रकाशित किया था। तत्कालीन प्रान्तीय सरकार ने इसका प्रतिकार भी किया, किन्तु जन-भावना सत्यता की ओर ही बनी रही। आप सर्व प्रथम लखनऊ से प्रकाशित "लखनऊ महासभा-समाचार" पत्र में सहयोगी के रूप में रहे। पुनः "देवेन्द्र" साप्ताहिक में एक वर्ष कार्य किया। तत्पश्चात् आपका जीवन पत्रकारितामय ही बन गया। सन् १९३८ से "वीर भारत" साप्ताहिक रूप में बेसवां से प्रकाशित होता रहा है और सन् ४२ तक पद्मावती सभा तथा "वीर भारत" के प्रकाशन में रा० सा० श्री नेमीचन्द जी जलेसर एवं श्री पन्नालालजी "सरल" के सम्पर्क में—सामाजिक प्रगति में भारी योग दिया है। देहरादून से प्रकाशित होनेवाले "नवभारत" साप्ताहिक के आप एक वर्ष तक सम्पादक पद पर रहे। इसके पश्चात् तो "जैन मार्तण्ड" हाथरस, "महावीर" विजयगढ़ तथा "ग्राम्य जीवन" आगरा आदि कई पत्रों का सम्पादन आप द्वारा हुआ है।

सन् ४२ के पश्चात् से आपका समय व्यक्तिगत कार्यों में अधिक लगा, किन्तु "वीरभारत" का सम्पादन तथा अन्य सामाजिक कार्य भी बराबर होते रहे हैं। आपके पास ज्ञान एवं नवीन-योजनाओं का विपुल भण्डार है। समाज आपको अपने नेताओं में प्रतिष्ठित स्थान देता है। प्रत्येक पंचायत एवं उलझे और विवादास्पद विषयों में आपकी राय महत्वपूर्ण मानी जाती है। आप निष्पक्ष दृष्टि के सत्यवादी तथा निर्भीक नेता हैं। समाज को आपसे महान् आशाएँ हैं। यह और भी प्रसन्नता एवं गौरव की बात है कि—आप अपना शेष समय साहित्य-सेवा में लगाना चाहते हैं। राष्ट्र-भाषा हिन्दी तथा गो माता के प्रति आपकी श्रद्धा अनुकरणीय एवं प्रशंसनीय है।

●

श्री पन्नालालजी जैन "सरल", नारखी

"यथा नाम तथा गुणः" आपकी गणना समाज के चुने हुए रत्नों में की जाती है। आपका पवित्र जीवन समाज की उपकृति के लिए ही बना है। साधारण परिस्थितियों में रहते हुए, सीमित साधनों के सहारे आप जितनी समाज-सेवा कर पाये हैं वह वास्तव में स्तुत्य है—सराहनीय है। "सादा जीवन उच्च विचार" तथा "संघर्ष ही जीवन है" इस सिद्धान्त को आदर्श मानकर आप जन-सेवा के व्रत में संलग्न हैं।

आज से ४५ वर्ष पूर्व सन् १९२० में आपका जन्म "गढ़ी हंसराम" नामक ग्राम में श्री बाबूलालजी जैन के घर हुआ था। आपके पिता श्री बाबूलालजी जैन उस समय वस्त्र-व्यवसाय करते थे और समाज में प्रतिष्ठा पूर्ण स्थान बनाए हुए थे। आप अपने सुपुत्र "पन्ना" को साधारण व्यवसायिक ज्ञान कराकर व्यापार में लगा देना चाहते थे। किन्तु उन्हें इस कार्य में सफ-सलता न मिल सकी। इसका प्रधान कारण था श्री पन्नालालजी की सेवा-पूर्ण भावना। आपकी भावना समाज-सेवा तथा राष्ट्र-सेवा की ओर झुकती थी जब कि आपके पिता आपको बड़े व्यवसायी के रूप में देखना चाहते थे। इसी दुविधा में आपका बाल्यकाल शिक्षा-संग्रह न कर पाया। अतः आगे चलकर तो आपने हिन्दी की सर्वोत्कृष्ट परीक्षा "साहित्य रत्न" पास कर ली।

राजनीतिक क्षेत्र में जब आपने दृढ़ पुरुष की भांति प्रवेश किया, तो सन् ४२ के आन्दोलन में सक्रिय भाग लेने पर तत्कालीन सरकार ने आपको बन्दी बना लिया। सजा समाप्त हो जाने पर जब आप कारावास से बाहर आए, तो और भी कर्मठता तथा लगन के साथ एक सच्चे कांग्रेस कर्मी की भांति स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लेने लगे। सन् ४५ में कपड़े पर ब्लेक आरम्भ हो जाने के कारण आपने अपने पैतृक वस्त्र-व्यवसाय एवं लाइसेन्स को ठुकरा कर, देश-भक्ति का परिचय दिया। आप लम्बे समय तक मण्डल-कांग्रेस के मन्त्री, प्रधान तथा जिला कमेटी के सदस्य के रूप में देश-सेवा करते रहे हैं।

आपने अपने जीवन में साहित्य-सेवा का पावन-व्रत भी अक्षुण्ण बनाए रखा है और आज तक उसकी साधना में एक सच्चे साधक की भाँति जुटे हुए हैं। सन् १९४७ में "ग्राम्य जीवन" साप्ताहिक पत्र का सम्पादन तथा प्रकाशन किया। "वीर भारत" का कार्यालय जब नारखी आगया, तब उसके सम्पादन का कार्य भी आपकी ही सफल लेखनी को सौंपा गया। आप कई पत्रों के स्थाई लेखक एवं संवाददाता भी हैं।

सामाजिक संस्थाओं को भी आपका योग बराबर मिलता है। लगभग १० वर्ष से श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मरसलगंज ट्रस्ट कमेटी के प्रधान मन्त्री के रूप में कार्य-भार सम्भाले क्षेत्र की उन्नति में दत्तचित हैं।

सन् ५२ से अपने क्षेत्र के गाँवों के निर्माण कार्य में लगे हुए हैं। ग्राम पंचायत नारखी के पाँच वर्ष तक कार्य वाहक प्रधान तथा सात वर्ष तक प्रधान पद पर रह स्थानीय जनता के

भौतिक विकास के लिए भरपूर प्रयत्न किया है। फिरोजाबाद तहसील में आनेवाली बाढ़ों को रोकने एवं उससे प्रभावित जनता की सहायता के लिए "बाढ़ पीड़ित-सहायक समिति" की स्थापना करके भारी जन-सेवा की है। आप फिरोजाबाद तहसील के उत्तरी क्षेत्र कोटला-विकास क्षेत्र के वरिष्ठ उप प्रमुख तथा क्रय-विक्रय सहकारी समिति फिरोजाबाद के डायरेक्टर और उपमण्डल कांग्रेस कमेटी ओखरा के अध्यक्ष तथा तहसील बाढ़ पीड़ित सहायक समिति के मन्त्री के रूप में सेवा रत हैं।

आप गाँवों के उत्थान एवं सम्पन्नता के लिए प्रयत्नशील हैं। नगर और गाँवों की भारी असमानता को समाप्त कर सभी को उन्नति का अवसर मिले एवं ग्रामीण जनता में से अशिक्षा तथा अभाव दूर हो और सभी सुखी-सम्पन्न बनें, इसी भावना को मूर्त रूप देने के लिए आप अहर्निष प्रयत्नशील हैं।

●

स्व० श्री रामस्वरूपजी जैन, इन्दौर

आप स्व० श्री बाबूरामजी जैन के सुपुत्र थे। आपका जन्म वि० सं० १९६५ पौष सुदी १० को हुआ था। आपके श्री पूज्य पिताजी भी समाज के श्रेष्ठ कार्य कर्ताओं में से थे। उनका समाज में अपरिमित प्रभाव था। एक रूप में समाज उन्हें अपना प्रतिनिधि मानता था।

आप शिशु अवस्था से ही तीक्ष्ण बुद्धि थे। अतः आपने आश्चर्य पूर्ण गति से शिक्षा का संग्रह किया और शीघ्र ही बी० ए०, एल० एल० बी०, तक उच्च शिक्षा प्राप्त कर वकील बन गये। समाज आपको अपने गौरव शाली पुरुषों में देखता था। आपका प्रेम साहित्य के प्रति बराबर रहा आपने कई एक पुस्तकों का प्रकाशन तथा मुद्रण भी किया है। हिन्दी साहित्य के प्रति आपका अनुराग प्रशंसनीय था। हिन्दी-साहित्य के भण्डार को आपकी स्तुत्य देन है। आपकी गणना उत्तम शिक्षों में की जाती थी।

भारत प्रसिद्ध सर सेठ हुकुमचन्दजी जैन पारमार्थिक संस्था इन्दौर के मन्त्री पद को भी आपने सुशोभित किया था। आपके इस सेवा काल में संस्था की शाखाओं ने बड़ी वृद्धि प्राप्त की। आपके मूल्यवान सुझाव तथा सुनिश्चित योजनायें एवं सुव्यवस्थित कार्यक्रमों के कारण संस्था में नवीन जागृति आगई थी। आप श्री दि० जैन पद्ममावती पुरवाल संघ इन्दौर के संस्थापक तथा सभापति थे। इस दिशा में भी आप द्वारा प्रशंसनीय जाति-सेवा हुई है।

आपकी श्रीमती विश्वेश्वरी देवी जैन को भी आदर्श नारियों में गिना जाता रहा है। विनयकान्त जैन, कमलकान्त जैन बी० ए०, कलाकान्त जैन M. Com. रविकान्त जैन बी० ए० तथा रमाकान्त जैन आदि सुपुत्र एवं उर्मिलादेवी तथा शोभादेवी जैन सुपुत्रियाँ आपके कुल परम्परागत धर्मों का भलि भाँति पालन करते हुए आपके सुयश को बढ़ा रहे हैं।

आपका स्वर्गवास सन् १९६२ में मोटर दुर्घटना से हो गया। आपकी मृत्यु से समाज शोक सन्तप्त हो उठा। अतः आप द्वारा की गई समाज-सेवाएँ चिरकाल तक स्मरणीय रहेंगी।

●

श्री पं० बनवारीलालजी जैन स्याद्वादी, मर्थरा

स्वर्गीय श्री सेवतीलालजी जैन मर्थरा श्री पं० बनवारीलालजी स्याद्वादी के पूज्य पिता थे। श्रीबनवारीलालजी का जन्म मर्थरा ग्राम में सन् १९०४ में हुआ था। आप बाल्य-काल से ही विलक्षण प्रतिभा और शिक्षा संग्रह के लग्नशील विद्यार्थी रहे हैं। आप प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् मोरेना चले गये, यहाँ पर आपने संस्कृत, धर्म साहित्य और न्याय में शास्त्री तक शिक्षा प्राप्त की। इसके पश्चात् आपने देहली विश्व विद्यालय से अंग्रेजी में बी० ए० पास किया। शिक्षा समाप्ति के पश्चात् आपने देहली में "जैन-गजट" नामक पत्र के मैनेजर पद का भार सँभाला। समाज सेवा की डगर में यह आपका पदार्पण था। पत्र के माध्यम से आपने एक वर्ष तक बड़ी योग्यता पूर्वक समाज सेवा की। इसके पश्चात् आपने "भागीरथ" नामक पत्र का प्रकाशन भी किया, किन्तु आपका अधिक रूझान शिक्षा-क्षेत्र की ओर ही रहा। फलस्वरूप लगभग २० वर्ष तक आप जैन संस्कृत कमर्शियल हायर हैकेण्डरी स्कूल देहली में अध्यापन करते रहे। इतने समय के पश्चात् आप एक बार पुनः साहित्य की ओर मुड़े और हिन्दी के प्रमुख दैनिक समाचार पत्र—"नवभारत टाइम्स" में १५ वर्ष तक "व्यापार-सम्पादक (Commercial Editor) के पद पर कार्य किया। सन् १९४४ से 'वीर' पत्र का सम्पादन करते हुये आ रहे हैं।

आप आरम्भ काल से ही साहित्य प्रेमी रहे हैं। विद्यार्थी जीवन में ही आपको "जैन काव्यों की महत्ता" पर श्री दिगम्बर जैन सभा के लखनऊ अधिवेशन के समय सर्वोत्तम पारितोषिक से विभूषित किया गया था। साहित्य सृजन में भी आपने प्रशंसनीय सफलता प्राप्त की है। आपकी सफल लेखनी द्वारा अभी तक "मोक्षशास्त्र की टीका" "गुड़िया का घर" "ब्रह्मगुलाल चरित्र" आदि उपयोगी ग्रन्थों की रचना हो चुकी है।

आप जहाँ कुशल लेखक हैं, वहाँ आपकी गणना ओजस्वी और प्रभाव शाली वक्ताओं में भी की जाती है। जैनधर्म और जैन-दर्शन पर आपका धाराबाही विद्वत्तापूर्ण भाषण होता है। आपकी प्रतिभा केवल लेखन और भाषण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आपकी धर्म-श्रद्धा भी दर्शनीय और अनुकरणीय है।

स्वर्गीय श्री पं० गोरीलाल जी जैन द्वारा संस्थापित श्री पद्मावती-पुरवाल जैन पंचायत देहली के मन्त्री पद का भार भी आपको ही सौंपा गया था। इस प्रतिष्ठित पद पर आप लगभग ३२ वर्ष तक बने रहे। आपके इस मन्त्रित्व काल में श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन मन्दिर तथा श्री पद्मावती पुरवाल जैन धर्मशाला का निर्माण हुआ है।

आपके तीन सुपुत्र हैं। ज्येष्ठ पुत्र चि० देवेन्द्र कुमार जैन देहली में मिनिस्ट्री आफ डिफेन्स में Electrical Engineer के पद पर कार्य करते हैं। श्री पण्डित जी वर्तमान समय में शान्तिपूर्ण जीवन के साथ आत्मचिन्तन एवं साहित्य-सेवा में संलग्न रहते हैं।

स्व० श्री हजारीलाल जी जैन, फिरोजाबाद

रचनात्मक कार्यकर्ताओं में स्व. श्री हजारीलालजी जैन का नाम बड़े ही आदर के साथ लिया जाता है। आपका सारा ही जीवन जनसेवा के पुनीत कार्य में लगा रहा। आपने अपनी विलक्षण प्रतिभा के बल पर बी. ए., एल. एल. बी. की उच्च शिक्षा शीघ्र ही प्राप्त कर ली थी। आप अपने समय के कुशल एवं सफल वकील माने जाते थे। जहाँ आप समाज के श्रद्धा-पात्र थे वहाँ आप अपने पिता स्व० श्री बा. ज्योतिप्रसादजी जैन में श्रवणकुमार-सी श्रद्धा रखते थे। आपने अपने पिता जी की साधारण इच्छा पर अपनी भारी आय की वकालत को ठोकर मार दी थी। आप अपने पिता जी के अनुरूप ही शुद्ध और सच्ची कमाई पर विश्वास करने वाले सहृदयी व्यक्ति थे। आपकी निःस्वार्थ-सेवा की छाप केवल समाज पर ही नहीं थी, बल्कि शासन भी आपकी ईमानदारी और सच्चाई से प्रभावित था। फलस्वरूप शासन की ओर से आप को कईबार बैंच-मजिस्ट्रेट व स्पेशल मजिस्ट्रेट आदि के सम्मानित पद पेश किये गये, किन्तु आपने इनको कभी स्वीकार नहीं किया।

फिरोजाबाद की प्रशंसनीय जन-स्वास्थ्य सेवा संस्था 'श्रीमती सरोजनी नायडू अस्पताल' आपके द्वारा की गई समाज-सेवा की मुखर-स्मृति बनी हुई है। इस संस्था पर लगभग २ लाख रुपया व्यय हुआ है। इस विपुल धनराशि को चन्दा-रूप से जुटाने में श्री हजारीलालजी ने अकथनीय एवं प्रशंसनीय योग्यता तथा श्रम का परिचय दिया था।

सन् १९३९ से १९४४ तक फिरोजाबाद नगरपालिका के आप सम्मानित सदस्य रहे। लगभग ८ साल तक शिक्षा-चेयरमैन का पद भार भी आपने कुशलतापूर्वक सम्भाला था। गांधी-सेवा संघ के आप संयुक्त मन्त्री भी रह चुके थे। जिला नियोजन समिति एवं भ्रष्टाचार निरोध समिति के सदस्य रह कर आपने इस क्षेत्र की चिर स्मरणीय सेवायें की हैं। शिक्षा प्रधान संस्था "पी. डी. जैन इण्टर कालेज" के संस्थापकों में आपका महत्वपूर्ण स्थान है। इस कालेज के भी आप प्रबन्धक व अध्यक्ष रहे थे। इस कालेज का मुख्य द्वार आपने अपने पिता जी की पुण्य स्मृति में निर्माण करवाया है। आपने अपना पुस्तकालय भी इस संस्था को दान में दिया है।

जीवन में 'व्यक्तिगत उत्थान' के महत्व एवं उसकी उपयोगिता को दृष्टि में रखते हुए आपने 'पारख-मण्डल' की स्थापना की। यह संस्था भी बहुत ही उपयोगी सिद्ध हुई। इसके माध्यम से अनेकों व्यक्तियों ने आत्मचिन्तन की दिशा में अच्छी प्रगति की है। आप दलगत राजनीति से सदैव दूर रहते थे। आपके जीवन से समाज की महती सेवा तथा प्रशंसनीय कार्य हुए हैं। आपमें जितनी उच्च शिक्षा थी उतनी ही नम्रता भी थी। आप जिस कार्य को आरम्भ कर देते थे उसकी सम्पूर्ति तक पूरी लगन के साथ उसमें जुटे रहते थे। अभिमान शून्य और समाज के अग्रगण्य महानुभावों में आपका स्मरण किया जाता है।

●

श्री पं० अमोलकचन्दजी जैन उड़ेसरीय, इन्दौर

आपका जन्म सन् १८९३ में हुआ। आपकी जन्मभूमि उड़ेसर है। आपके पिता श्री का नाम श्री गुलाबचन्दजी जैन है। स्व० श्री गुलाबचन्दजी अपने समय के सुप्रसिद्ध समाज सेवी एवं त्यागी वृत्तिके पुरुष थे।

श्री अमोलकचन्दजी ने प्राथमिक शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् कार्य क्षेत्र में पदार्पण किया। आपकी जन्मजात सर्वतोमुखी प्रतिभा ने प्रत्येक दिशा में सफलता प्राप्त की। पुनः प्रबन्ध कार्य के तो आप कुशल आचार्य माने जाते हैं।

आपने अपना जीवन श्री दि० जैन पाठशाला फिरोजपुर छावनी से आरम्भ किया। पाठशाला में कार्य करते हुए आपने यहाँ जीवदया प्रचारक सभा की स्थापना की। इस सभा के माध्यम से आपने अनेकों स्थानों पर बलि-प्रथायें बन्द करने का सफल प्रयत्न किया। मांसाहार न करने एवं जीव दया करने का प्रचार किया। उपरोक्त सिद्धान्तों की परिपुष्टि में कई भाषाओं में साहित्य का प्रकाशन भी करवाया गया।

आप १९१४ में जैन-जाति भूषण श्री भगवानदासजी की प्रेरणा से इन्दौर आगये। आपकी सुयोग्यता एवं प्रबन्ध-पटुता की ख्याति के फलस्वरूप सर सेठ श्री हुकुमचन्दजी द्वारा संस्थापित "सर सेठ हुकुमचन्द दि० जैन बोर्डिंग हाऊस जेबरीबाग" का कार्यभार सम्भला दिया। इस विशाल संस्था के इस कठिन पद को आपने बड़ी ही योग्यता पूर्वक दीर्घकाल तक निभाया ही नहीं अपितु ख्याति भी अर्जित की। बोर्डिंग में रहनेवाला प्रत्येक छात्र आपसे पिता तुल्य स्नेह पाकर सश्रद्धा नतमस्तक हो जाता था। यहाँ से जो भी छात्र शिक्षा सम्पूर्ण कर विदा होता—वह जीवन पर्यन्त आपके प्रति श्रद्धावान रहता। कुछ समय पूर्व इस बोर्डिंग के पूर्व-स्नातकों ने आपके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए आपको एक महती सभा में अभिनन्दन पत्र भेंट किया है। अतः आपकी उदार और ममत्व पूर्ण भावना सभी को आकर्षित करने-वाली विशेषता है। आप सदैव समाज का शुभचिन्तन करनेवाले आदर्श नररत्न हैं।

श्री दि० जैन मालवा प्रांतिक सभा के सरस्वती भंडार और परीक्षालय के मन्त्रित्व के कार्य का सफलता पूर्वक संचालन करते हुए उसकी प्रबन्ध कारिणी की सदस्यता द्वारा सभा के कार्य में सराहनीय योग देते रहे हैं।

आप मध्य भारत हिन्दी-साहित्य समिति के सदस्य रहे और भारतीय दिगम्बर जैन पद्मावती परिषद् के मन्त्री रहते हुए 'पद्मावती पुरवाल' पत्र के सम्पादक मण्डल में भी रहे। श्री पन्नालाल दि० जैन विद्यालय फिरोजाबाद की व्यवस्थापक समिति के सदस्य रहे। श्री भारतवर्षीय दि० जैन महासभा के सभा विभाग के मन्त्रित्व का भार भी आपके ही सबल बाहुओं में सौंपा गया था।

आप शान्त प्रकृति के प्रसन्नमन एवं दूरदर्शी दृष्टि के अनुभवी विद्वान् हैं। समाज की उन्नति और निर्माण में आपका भारी योग रहा है। आपमें अतिथि-सत्कार की महान् भावना निवास करती है। आपकी ममत्व प्रकृति सारे ही समाज की पावन श्रद्धा का केन्द्र बनी हुई है। आपका स्थान समाज के वयोवृद्ध पूज्य महापुरुषों में है।

श्री कान्तिस्वरूपजी जैन, इन्दौर

समाज के मौन और लगनशील कार्यकर्ताओं में श्री कान्तिस्वरूपजी का नाम आदर के साथ लिया जाता है। आप के हृदय में समाज-सेवा की अखण्ड ज्योति प्रतिक्षण प्रज्ज्वलित रहती है।

आपका शुभ अवतरण १९१६ ई० में हुआ। आप के श्री पूज्य पिताजी का नाम श्री बाबूरामजी जैन है। आप का लालन-पालन एवं प्रारम्भिक शिक्षा आपकी जन्म भूमि एटा (उ० प्र०) में बड़े हर्ष पूर्ण वातावरण में हुई। मैट्रिक, मोक्ष-शास्त्र, जैन-सिद्धान्त प्रवेशिका आदि तक शिक्षा प्राप्त कर आपने कर्म-क्षेत्र में पदार्पण किया और आशातीत सफलता प्राप्त की।

साहित्य में रुचि होने के कारण आपने पुस्तक लेखन, प्रकाशन एवं मुद्रण का व्यवसाय अपनाया। इस दिशा में आपने साहित्य-सेवा के साथ-साथ यश भी प्राप्त किया है। मध्य प्रदेश के प्रमुख नगर इन्दौर में 'स्वरूप ब्रदर्स' एवं 'जैन मुद्रण तथा प्रकाशन' शीर्षक से स्टेशनरी का भारी कारोबार होता है। भोपाल में आपका 'कान्ति कुंज' बहुत ही आकर्षक भवन है। इस भवन में आपने पुस्तकों की बहुत बड़ी दूकान भी खोली है। आपके यहाँ से कई पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है तथा कई महत्वपूर्ण ग्रन्थों का प्रकाशन होने जा रहा है।

आप राष्ट्रभाषा हिन्दी के अनन्य सेवक तथा वरद पुत्र हैं। आपके द्वारा हिन्दी की प्रशंसनीय सेवायें हुई हैं तथा आप आज भी उसकी साधना में अहर्निश प्रयत्न शील हैं। आप द्वारा रचित उपदेशात्मक पद्य तथा लेख प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में उपयोग की सामग्री है। आप द्वारा अर्जित धार्मिक-ज्ञान तथा उदार-भावना आपकी अपनी अमूल्य निधि है।

आप द्वारा संस्थाओं के माध्यम से समाज की बहुत बड़ी अर्चना हो रही है। इन्दौर दि० जैन पद्मावती पुरवाल-संघ के आप कोषाध्यक्ष हैं। इन्दौर पुस्तक-विक्रेता एवं प्रकाशन-संघ के संस्थापक और सभापति हैं। और अनेकों संस्थाओं ने आपको अपने सदस्य पद पर प्रतिष्ठित कर रखा है। कई एक संस्थाओं के टूटते संगठन को आपने अपनी बुद्धि-चतुरता एवं सौम्य-स्वभाव से पुनः दृढ़ किया है।

आप अपनी धुन के धनी हैं। 'सीमित शब्द और महान् कार्य' की आप प्रत्यक्ष मूर्ति हैं। आप शान्त प्रकृति के गम्भीर विचारक तथा भावना पूर्ण स्वच्छ हृदय के प्रेमी-जन हैं।

समाज-कल्याण की भावना आपके प्रत्येक श्वास में समाई है। समाज के प्रत्येक बन्धु में आप स्व-आत्मा के दर्शन करते हैं। समाज की उन्नति और समृद्धि के लिये समय-समय पर आपके प्रभावशाली सुझाव अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं अभिनन्दनीय होते हैं। समाज द्वारा स्वीकृत मर्यादाओं का आप बड़ी आस्था के साथ पालन करते हैं। आपका जीवन सीधा-सादा शुद्ध-सात्विक एवं प्रत्येक पहलू में भारतीय है। बनावट एवं दिखावट आपसे कोसों दूर है। आप जैसे समाज-साधना में लीन तपस्वी से समाज को भारी आशायें हैं। आपकी सर्वप्रियता आपके प्रति मंगल कामना की शुभ-वृष्टि करती रहेगी।

आपके समान ही सर्वगुणसम्पन्ना आपकी श्रीमती सुश्री जयमाला देवी हैं। आप आदर्श विचार धारा की सौभाग्य शालिनी महिला हैं। आप अतिथि-सत्कार में दक्ष हैं। आप विनम्र स्वभाव की धर्म वृत्ति की विचारशील भारतीय नारी हैं। मधुरवाणी और उदार भावना—यह गुण आपको श्रद्धा का पात्र बनाये हुए हैं। आपके श्रीकान्त जैन, शशिकान्त जैन एम० ए०,एल०एल०बी०, चन्द्रकान्त जैन तथा अनेकान्त जैन और कमला, सरला, तथा मृदुला आदि पुत्र पुत्रियाँ सरल स्वभाव के सुशिक्षित बालक हैं।

●

श्री हकीम प्रेमचन्दजी जैन, फिरोजाबाद

आप स्वर्गीय हकीम श्री बाबूरामजी जैन के सुपुत्र हैं। श्री प्रेमचन्दजी हकीम-परिवार के उज्ज्वल रत्न हैं। आपने अपने स्वाभाविक गुणों से समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त की है। फिरोजाबाद के नागरिक जीवन में आपका अपना विशेष स्थान है। आप सम्पन्न परिवार के उदारवृत्तियुक्त पुरुष हैं। आप सदैव अपनी हानि उठाकर दूसरों के कार्य सम्पन्न करते हैं। विशेषकर फिरोजाबाद का कोई भी सामाजिक कार्य आपके सहयोग के बिना पूर्ण सफलता प्राप्त नहीं कर पाता।

आप श्री पी० डी० जैन इण्टर कालेज फिरोजाबाद के सुयोग्य प्रबन्धक हैं। इससे पूर्व इसके अध्यक्ष भी रह चुके हैं। श्री मुन्शी बन्शीधर धर्मशाला के ट्रस्टी तथा वर्षों तक इसके प्रबन्धक भी रहे हैं। श्री पद्मावती पुरवाल-फण्ड तथा दि० जैन पद्मावती पुरवाल पंचायत के अध्यक्ष हैं। फिरोजाबाद के ऐतिहासिक मेले के भी आप अध्यक्ष रहे हैं।

राजनैतिक क्षेत्र में भी आपका प्रशंसनीय कार्य है। नगर एवं तहसील के प्रजा समाजवादी दल के मन्त्री एवं कोषाध्यक्ष आप रह चुके हैं। फिरोजाबाद नगर पालिका के वर्षों सदस्य रहे हैं। आपके समय में हुई नगर की प्रगति को फिरोजाबाद का नागरिक सदैव स्मरण करता है। आप रचनात्मक कार्यकर्ता हैं। आलोचना-प्रत्यालोचनाओं से आप को घृणा है। आपका ध्यान सदैव प्रगति की ओर रहता है।

वर्तमान में आप समाज-सेवा के साथ-साथ अपनी व्यावसायिक उन्नति में संलग्न हैं। आप में संगठन-शक्ति भी अपूर्व है। आप की सफल कल्पना शक्ति ही आपकी सफलताओं का रहस्य है। सार्वजनिक कार्यों में आप बड़े उत्साह एवं लगन के साथ योग देते हैं।

आपके तीन पुत्र एवं पाँच पुत्रियाँ हैं। इनमें एक पुत्र तथा दो पुत्रियों का विवाह-संस्कार हो चुका है। आपका पूरा परिवार आस्तिक विचारधारा युक्त स्वधर्म के प्रति पूर्ण आस्थावान है।

●

स्व० श्री श्योप्रसादजी जैन रईस, टूण्डला

स्व० श्री श्योप्रसादजी जैन स्व० श्री ला० तोतारामजी जैन के सुपुत्र थे। आपका परिवार जिला मैनपुरी के अन्तर्गत कुट्टी कटैना का मूल निवासी है। स्व० श्री ला० तोताराम जी जैन बहुत काल से टूण्डला आगए थे। अतः आपकी जन्मभूमि टूण्डला ही है। आपने अपनी सभी जुम्मेवारियों को १६ वर्ष की सुकुमार अवस्था में ही सम्भाल लिया था। आपको आरम्भ काल से ही जमीन-जायदाद का बड़ा शौक रहा है, फलस्वरूप आपने इस दिशा में अच्छी प्रगति की है। आप इस क्षेत्र के प्रधान जमींदार माने जाते थे। धार्मिक मामलों में जहाँ आप उदार थे वहाँ पारस्परिक व्यवहार में भी निपुण थे।

टूण्डला का 'दिगम्बर जैन महावीर विद्यालय' आपकी ही उदार वृत्ति का ज्वलन्त उदाहरण है। इस विद्यालय की विस्तृत भूमि आपकी ही दी हुई है। विद्यालय का वर्तमान भव्य स्वरूप आपकी ही कर्मठता का प्रतीक है। आप शिक्षा-संस्थाओं को समाज के लिए अत्यन्त उपयोगी मानते थे तथा आपने अपने जीवन में शिक्षा संस्थाओं को विशेष महत्व दिया है। श्री दिगम्बर जैन पी. डी. जैन कालेज फिरोजाबाद के उपसभापति तथा ठा० वीर-सिंह हायर सैकेन्डरी कालेज के आजीवन सदस्य एवं श्री दिगम्बर जैन एम. डी. कालेज आगरा के सदस्य, इस प्रकार कई एक संस्थाओं के आप सम्माननीय सदस्य तथा पदाधिकारी रह चुके थे।

आप अपने ग्रामीण स्वजाति बन्धुओं को नगरों तक ले जाना चाहते थे। अपनी इस भावना में स्वजाति जनों को उन्नत करने का विचार छिपा था। आप सदैव कहा करते थे कि स्वजातिबन्धुओं को अपनी 'अधवार' नगरों में भी बना लेनी चाहिए।"

आप अदालती कार्यों में भी निपुण थे। अदालत सम्बन्धी कार्यों में आपकी राय बड़े बड़े कानूनवेत्ताओं के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जाती थी। जिन विवादों का निपटारा बड़ी बड़ी अदालतें न कर पाती थीं उनका निपटारा आप बात की बात में कर देते थे। अतः अनेकों मामलों में आपको पंच बनाया जाता था। आपकी सूझ-बूझ भी बड़ी ही अनूठी होती थी। एक रूप में आप सच्चे भविष्य द्रष्टा थे।

आपमें गुरु श्रद्धा भी अनुकरणीय एवं प्रेरणा प्रद थी। जिस समय १०८ आचार्य श्री शान्तिसागरजी महाराज का चातुर्मास टूण्डलामें होने जारहा था, उस कार्य की जिम्मेवारी लेने के लिए जब कोई आगे नहीं आया, तो श्री श्योप्रसादजी ने ही इस कार्य को सम्भाला था। किन्तु काल की गति निराली है। श्री आचार्य चरण के विहार से पांच दिन पूर्व श्री श्योप्रसादजी का एक सप्ताह की बीमारी के पश्चात् स्वर्गवास हो गया।

आपके आकस्मिक निधन से समाज का एक बहुमूल्य रत्न विलुप्त हो गया। आपका अभाव समाज के लिए चिर समय तक शोक पूर्ण बना रहेगा।

श्री राजकुमार जी जैन, फिरोजाबाद

आपका जन्म सन् १९१० में हुआ है। आप अपने छः भाइयों में सबसे बड़े हैं। आपके पिताश्री कलकत्ता में वस्त्र-व्यवसाय करते थे। आप भी व्यापार का प्राथमिक ज्ञान प्राप्त करके उनके पास कलकत्ता ही आगए। वस्त्र-व्यवसाय में आप दक्षता प्राप्त कर ही रहे थे कि १९४२ में आपके पिताजी का देहान्त हो गया। अब घर-बार की जिम्मेवारी एवं लघु भ्राताओं की शिक्षा आदि का सभी भार आपके कन्धों पर आगया। आपने अपने कर्तव्य-पालन का दृढ़ संकल्प किया। १९४४ में आप कुछ दिन दिल्ली भी रहे, किन्तु वहाँ व्यापारिक सुविधा न मिलने के कारण १९४८ में फिरोजाबाद चले आए और यहाँ व्यवसाय आरम्भ किया।

आप त्याग पूर्ण, संयमी जीवन के ब्रह्मचर्य व्रत के अनुयायी आदर्श पुरुष हैं। आप में भ्रातृ प्रेम का सागर हिलोरें लेता रहा है। पिताजी की मृत्यु के पश्चात् जब आपने अपने छोटे छोटे भ्राताओं की ओर देखा, तो आपकी ममता जागृत हो उठी और उनको पितृ-स्नेह प्रदान करने के लिए आजन्म अविवाहित रहकर उनके पोषण की प्रतिज्ञा की। उस प्रतिज्ञा को आजतक निभाते हुए आ रहे हैं। माताजी के निधन के पश्चात् तो आपने अपने छोटे भाइयों को और भी अधिक दुलार से अपनाया। आज ५५ वर्ष की अवस्था में भी आप अपने कर्तव्य में यथावत जुटे हैं। आपका सभी कार्य अपने भाइयों की सुख-सुविधा के अनुकूल होता है। घृत एवं तेल आदि का व्यवसाय करते हुए अपने जीवन को धर्मानुरूप बनाये हुए हैं।

आपके निःश्छल प्रेम में पले आपके छोटे भ्राता भी आपके प्रति महान् सम्मान रखते हैं। आपकी आज्ञा ही उनके लिए सर्वोपरि है। आपका परिवार भ्रातृ-प्रेम का आनन्द-पूर्ण संगठन है। इस संगठन की नींव आपकी उदारता एवं त्याग के जल से सिंचित है एवं पोषित है।

आप धर्म एवं सामाजिक कार्यों में बराबर हिस्सा लेते रहते हैं। महाराजपुर स्थित जिन-मन्दिरजी के निर्माण-कार्य में आपका सहयोग एवं द्रव्य-दान आदरणीय है। आपको स्थानीय समाज बड़ी श्रद्धा की दृष्टि से देखता है। आपका निर्मल एवं सात्विक जीवन अनु-करणीय और आदर्श है।

●

स्व० श्री गुलजारीलालजी जैन रईस, अवागढ़

आपका जन्म श्री सेतीलालजी जैन के यहाँ सन् १८४७ में हुआ था। आपके यहाँ सराफा, साहूकारी तथा जमींदारी थी। आपका परिवार धन एवं मान सम्पन्न रहा है। तत्कालीन राजा साहब की आपके परिवार पर अनन्य कृपा थी। आपके परिवार को राजदरबार में आदर का स्थान दिया जाता था। आपको राजदरबार की ओर से 'नगर सेठ' की पदवी से सम्मानित किया गया था।

आपकी शिक्षा साधारण रूप में हुई थी, किन्तु आपकी ज्ञानगरिमा आश्चर्य पूर्ण थी। उस समयके स्वधर्मी विद्वान् आपका समादर करते थे। धर्म-विषय पर आपका मत महत्वपूर्ण माना जाता था। शास्त्र चर्चा तथा शास्त्र स्वाध्याय में आपको विशेष आनन्द मिलता था। आप विद्वानों का हृदय से सत्कार करते थे। आपने अपने जीवन में पर्याप्त मात्रा में दान दिया है। अवागढ़ के पंचायती बड़े मन्दिरजी के जीर्णोद्धार में सहयोगी बने। श्री जैन-पाठशाला अवागढ़ की स्थापना में भी अपने योग दिया है। अवागढ़ में पंचकल्याणक तथा पाँच दिन का मेला करवाया। विधवाओं एवं असहायों की सहायता करना आपका प्रमुख संकल्प था।

आपकी श्रीमती श्री ठकुरोदेवी भी धर्मशीला तथा समाजसेवी आदर्श महिला थीं। जैन महिला-समाज में आपको श्रद्धा की दृष्टि से देखा जाता था। आप भी अपने पतिदेव का अनुसरण करती हुई समाज की सेवा तथा अन्न-धन का दान देती रहती थीं। आपके सुपुत्र श्री लक्ष्मीधर जैन उर्फ देवकीनन्दनजी जैन भी अपने समाज के सम्मानित पुरुषों में रहे हैं।

●

स्व० श्री मुन्शीलालजी जैन, कोटकी

आप श्री रामप्रसादजी जैन के सुपुत्र थे। आपका जन्म सन् १८८७ ई० में हुआ था। आपके ज्येष्ठ भ्राता श्री बाबूलालजी जैन एवं श्री गुलजारीलालजी जैन थे। आपका परिवार समाज-सेवा के लिये प्रसिद्ध है।

आपने साधारण शिक्षा ही प्राप्त की, किन्तु आपका धर्मज्ञान विशेष था। आप धर्म-ग्रन्थों का अध्ययन एक श्रद्धालु जिज्ञासु की भाँति करते थे। अनेकों ग्रन्थों का आपने भली प्रकार मनन किया है। धर्म के विषय में आपका दृष्टिकोण स्पष्ट तथा सन्देह रहित था।

आपका ईमानदारी तथा सचाई के कारण व्यापारी जगत में भी बहुत सम्मान था। आप अपने समय के बड़े व्यापारियों में से एक थे। आपके यहाँ सर्राफा तथा जमींदारी का विशेष कार्य था। आप बैंकर्स भी थे।

आप स्थानीय सेवा-समिति के उपाध्यक्ष तथा टाउनएरिया के भी उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष रह चुके थे। अवागढ़ राज्य के चेरिटी विभाग के भी आप अध्यक्ष थे। इस

पद पर रहते हुए आपने इस क्षेत्र की प्रशंसनीय सेवायें की हैं। डिस्ट्रिक्टबोर्ड एटा के सदस्य भी आप चुने गए थे। अवागढ़ राज दरबार में नगर-सेठ के स्वरूप में आपका सम्मान किया जाता था। स्थानीय जैन पाठशाला के कई वर्ष तक अध्यक्ष रहे। आपकी अध्यक्षता में पाठशाला ने आशातीत उन्नति की। एक रूप में आपको ही इस पाठशाला का जीवन-दाता माना जाता है।

आप दूरदर्शी तथा पुनीत संकल्प के उत्तम विचारधारा के महानुभाव थे। आपका स्वर्गवास २४-१-५८ को अवागढ़ में हो गया। आपका अभाव समाज को चिरकाल तक खटकता रहेगा।

आपकी धर्मपत्नी श्रीमती भगवतीदेवी जैन भी जैनधर्म के प्रति पूर्ण आस्थावान और आस्तिक महिलारत्न थीं आपके सुपुत्र श्री लक्ष्मीधरजी जैन, श्री देवकुमारजी जैन, श्री सोमकुमारजी जैन, श्री मूलचन्दजी जैन और श्री महेन्द्रकुमारजी जैन आदि समस्त परिजन स्वधर्मानुयायी तथा वंश परम्परागत आचारनिष्ठ महानुभाव हैं।

श्री महावीरप्रसादजी जैन सर्राफ, देहली

श्री महावीरप्रसादजी समाज के गौरवशाली पुरुष हैं। आप बाल्यकाल से ही राज-नीति एवं समाज-सेवा में रुचि लेते रहे हैं। आपके पिता श्री लाला नैनसुखदासजी जैन सर्राफ देहली के ख्याति प्राप्त व्यवसायी रहे। सर्राफाबाजार में आपकी ईमानदारी और सत्यता की धाक रही है।

श्री महावीरप्रसादजी ने जहाँ व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छी प्रगति की, वहाँ राजनैतिक क्षेत्र में भी ऊंची मान-प्रतिष्ठा प्राप्त की है। मानव-मात्र की निःस्वार्थ सेवा करते हुए स्वराष्ट्र के प्रति पूर्ण निष्ठा तथा भक्ति रखना, यह आपके मौलिक गुण हैं। देहली स्वीवा-लान मण्डल कांग्रेस के आप वर्षों अध्यक्ष रहे। आप महात्मा गान्धी में पूर्ण श्रद्धा रखने वाले, कांग्रेस सिद्धान्तों के प्रति आस्थावान और देशभक्ति से ओत-प्रोत सराहनीय महानु-भाव हैं। श्री पद्मावती पुरवाल पंचायत देहली के भू. पू. कोषाध्यक्ष एवं वर्तमान सभापति हैं। देहली में पद्मावती पुरवाल धर्मशाला एवं मन्दिर तथा विधवा सहायक फण्ड आदि का सुचारु-संचालन आपकी सुयोग्यता एवं सर्वप्रियता का प्रमाण है। श्री पी० डी० जैन इण्टर कालेज फिरोजाबाद के आप उपसभापति तथा मरसलगंज क्षेत्र के प्रचार मन्त्री हैं। इनसे इतर अन्य कई एक संस्थाओं को आप विभिन्न रूप में सहयोग देते रहते हैं।

आप सौम्य प्रकृति और गम्भीर विचार-धारा के चिन्तनशील पुरुष हैं। जन-सेवा के लिए प्रतिक्षण तैयार रहते हैं। आप प्रत्येक व्यक्ति का हृदय से हितचिन्तन करने-वाले, नम्र स्वभावी, मधुरभाषी और मौन कार्यकर्ता हैं। समाज आपको अपने दूरदर्शी एवं बुद्धिमान नेता के रूप में देखता है।

श्री बाबूरामजी बजाज, नगलास्वरूप

उत्तर प्रदेशस्थ ग्राम-नगलास्वरूप जिला आगरा निवासी लाला रघुनाथदासजी जैन के यहाँ श्रावण शुक्ला ५ सं० १९४७ को प्रथम पुत्र का जन्म हुआ। कुलरीत्यानुसार समारोह पूर्वक नामकरण हुआ और बालक का नाम 'बाबूराम' रखा गया। कुछ वर्ष तक विधिवत् लालन-पालन के बाद बालक को शिक्षा प्राप्ति की ओर अग्रसर किया गया। अहारन, फिरोजाबाद और स्या० वि० काशी आदि स्थानों में बाबूराम ने शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद आपने अपने पैत्रिक व्यवसाय बजाजी का कार्य संभाला और साथ ही जयपुर में जवाहरात का भी काम सीखा। इस कार्य में दक्षता प्राप्त करने के बाद जवाहरात का भी व्यवसाय बड़ी योग्यता के साथ किया और काफी अर्थोर्जन किया। आपका विवाह अवागढ़ में एक संभ्रान्त परिवार में हुआ।

इसके बाद युवक बाबूराम की प्रवृत्ति धर्म और समाज सेवा की ओर बढ़ी। आपके क्षेत्र अहारन और नगलास्वरूप में चामुण्डा देवी के स्थान में पशु-बलि की बड़ी क्रूर प्रथा बढ़ रही थी। इस जीव हिंसा को बन्द कराने की बात आपने सोची और कृतसंकल्प होकर आपने इसके विरुद्ध आवाज उठायी और कुछ समय तक श्रम करने के बाद जीव हिंसा को बन्द करा के ही दम लिया। तदुपरान्त आपने भारत के विभिन्न स्थानों में होनेवाली हिंसा के विषय में सोचा। यह कार्य बहुत बड़ा और व्यापक था। इसलिए आप महात्मा गांधी के पास इस प्रश्न को लेकर गये। गांधी जी ने आपका उत्साह बढ़ाया एतदर्थ ही "जीव दया, प्रचार सभा" नामक संस्था की प्रस्थापना की। इस संस्था के संरक्षक स्वयं महात्माजी बने और जगद्गुरु श्रीशंकराचार्य को बनाया। सभापति श्रीआनन्दजी और मन्त्री श्री बाबूरामजी को चुना गया।

श्री बाबूरामजी के सतत उद्योग से अनेक स्थानों में जीव हिंसा बन्द हुई और अहारन में पशुशाला, गोशाला की भी नींव पड़ी। इसके भी मन्त्री आप ही चुने गये। जीव दया का भारत व्यापी कार्य बढ़ जाने से आगरे में सेठ अचलसिंहजी के सभापतित्व में बहुत बड़ा जीव दया का अधिवेशन हुआ। इसका प्रधान कार्यालय भी आगरे में ही स्थाई रूप से रहा। कानपुर कांग्रेस के अवसर पर कांग्रेस पंडाल में ही गांधीजी के नेतृत्व में जीवदया सभा का अधिवेशन होने से इस संस्था का व्यापक रूप बन गया। इन सब कार्यों से प्रसन्न होकर हिन्दूमहासभा ने आपको 'दयासागर' की पदवी प्रदान की।

कितने ही राज्यों में आपने हिंसा बन्दी के कानून भी बनवाये। देवास, दिवली, पेंडत, पाकबीर, शिमला, नैनीताल, कांगड़ा, कोलुआ आदि भारत के बड़े-बड़े स्थानों के कसाईखानों में होनेवाली २११ जगहों की घोर हिंसा बन्द कराई। अमेरिका, इंगलैण्ड तक से हजारों रुपयों की सहायता मंगवाई। प्रतिवर्ष छपनेवाली जीवदया सभा में ४५ वर्षों की रिपोर्ट देखने से इसकी विशालता का पता चलता है। इस अवधि में प्रायः एक लाख रुपया व्यय किया गया। दयासागरजी ने तीस वर्ष पहले ही अपनी वसीयत में आवश्यक व्यय

के लिए कुछ रकम निर्धारित की है। १९६५ की ११-१२ मई को जीवदया सभा का ४५ वां अधिवेशन श्री महावीरजी में हुआ था। उसमें दयासागरजी को संस्थापक, श्री महावीर-प्रसाद एडवोकेट-हिसार को सभापति, श्री भागचन्दजी को मन्त्री तथा श्री सेठ हजारीलालजी आगरा को कोषाध्यक्ष चुना गया।

कैलादेवी करौली की हिंसा बंदी और आय का ट्रस्ट बनाने तथा हजरतपुर (आगरा) में कसाईखाना बनने से रोकने आदि हिंसा बन्दी के अनेक प्रस्ताव पास हुए। आपने प० पुरवाल जाति, श्री पद्मावती परिषद, प० पुरवाल महासभा के प्रमुख पदों पर रहकर अनेक कार्य किए। दयासागरजी ने २५१ रु० का प्रथम दान देकर जारकी में प० पुरवाल जैन विद्यालय खुलवाया और उसका उद्घाटन वा० वि० वैरिस्टर चम्पतरायजी और श्री सेठ प्रद्युम्नकुमार जी के करकमलों से करवाया। वह आज फिरोजाबाद में प० पुरवाल जैन कालेज के रूप में चल रहा है। पद्मावती पुरवाल तथा पद्मावती संदेश, दोनों जैन अखबार भी आपके ही सहयोग से चले। जीवन की वृद्धावस्था में भी पद्मावती पुरवाल भाइयों की सेवा में आपका पूर्ण सहयोग है।

स्व० श्री नरेन्द्रनाथजी जैन, कलकत्ता

आप स्व० श्री ला० बनारसीदास जी के सुपुत्र थे। आपकी शिक्षा साधारण रूप से हुई थी, किन्तु आपका व्यापारिक ज्ञान अत्यन्त आश्चर्य पूर्ण था। आप अपनी प्रतिभाओं के लिए विस्तृत क्षेत्र खोजते थे और सन् १९२६ में फरूखाबाद से कलकत्ता चले आए। यहाँ आपने व्यापारी जगत में सफलताओं के साथ-साथ सम्मान तथा नाम भी प्राप्त किया। कपड़ा, मेटल और तम्बाकू के आप ऊँचे व्यापारी थे। आपके व्यापार में ईमानदारी और सचाई विशेष रूप से होती थी। आप अपनी जन्मभूमि फरूखाबाद से विशेष प्रेम करते थे। समाज-सेवा और धर्म प्रभावना की ओर आपका सदैव ध्यान रहता था। आप अपने समय का एक पूरा भाग धार्मिक क्रिया में व्यतीत करते थे। आप सरल स्वभाव, निर्भिमानी और उदार बुद्धि के विशाल हृदयी सज्जन थे। ३ सितम्बर १९४९ को आपका स्वर्गवास हो गया।

आपका विवाह अवागढ़ निवासी श्री रघुवरदयाल जी की सुपुत्री श्री इन्दुमति जैन के साथ हुआ। आपकी श्रीमतीजी आपके सदृश ही उदार बुद्धि की धर्म भावना युक्त आदर्श महिला हैं। आपकी अपने धर्म-कर्म में पूर्ण निष्ठा है। आपके दो सुपुत्र क्रमशः श्री विनयकुमार और श्री सन्तोषकुमार हैं। दोनों ही युवक विनय युक्त तथा मिलनसार प्रकृति के हँसमुख और उत्साही है। "सुरेन्द्रनाथ नरेन्द्रनाथ" नाम से तम्बाकू आदिका व्यवसाय कर रहे हैं।

श्री भगवतस्वरूपजी जैन 'भगवत्', फरिहा

आपका जन्म सम्वत् १९६७ में श्री चौबेलालजी जैन के घर हुआ। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा साधारण रूप में हुई है, किन्तु आपकी विलक्षण प्रतिभा एक निपुण साहित्यकार के रूप में प्रकट हुई। जहाँ आपकी बुद्धि संस्थाओं के उत्थान में अपनी निराली कल्पना लेकर चलती है—वहाँ वह साहित्य-निर्माण में भी मौलिक विचार-धारा को जन्म देती है। आपका मस्तिष्क न्यायप्रिय एवं हृदय शुद्ध-सरल और निष्पक्ष है। समाज की उन्नति एवं उसके शुद्ध-स्वरूपको बनाये रखने में आप प्रयत्नशील हैं। आपको "धर्माचारी" की संज्ञा दी जाये तो कोई अत्युक्ति न होगी। स्वधर्म की उपादेय मर्यादाओं को अक्षुण्ण बनाये रखना-आपका पवित्र संकल्प एवं व्रत है। धर्म विरुद्ध कार्य से आपको पीड़ा होती है।

स्व० श्री पं० रत्नेन्दुजी आपके निकटस्थ साथियों में से थे। आप दोनों ने मरसलगंज के ऐतिहासिक जैन-मन्दिरकी बिखरी हुई ईंटों को पुनः संग्रह कर-मन्दिर को नव-जीवन प्रदान किया है। बाढ़ आदि विपत्तियों के कारण जब मन्दिर का अस्तित्व मिटता हुआ जा रहा था, तब आपने बड़ी वीरता से इसके स्वरूप को बचाया ही नहीं, अपितु इसका जीर्णोद्धार करवा धर्म की रचनात्मक सेवा की है। आपके निःस्वार्थ सद् प्रयत्नों के कारण इस सुविशाल जैन-क्षेत्र ने आज पुनः गौरवशाली बन अपने प्राचीन स्वरूप को प्राप्त किया है। यहाँ संस्थापित आदि प्रभु १००८ श्री भगवान् ऋषभदेवजी की सुविशाल भव्य प्रतिमा भारत वर्ष की अद्वितीय एवं दर्शनीय प्रतिमा है। आप अहर्निष क्षेत्र की उन्नति एवं निर्माण के चिन्तन में संलग्न रहते हैं। क्षेत्र में दर्शनार्थ पहुँचने वाले यात्रियों को जितनी शान्ति क्षेत्र के दर्शन कर होती है उतनी ही प्रसन्नता एवं आनन्द श्री भगवत-स्वरूपजी द्वारा किये गये सत्कार से होता है। आप प्रत्येक यात्रीको वह भ्रातृत्व स्नेह देते हैं, जिसे वह जीवन पर्यन्त भूल नहीं पाता। आपका अतिथि सत्कार सत्युग की स्मृति है।

आपकी सेवाओं के उपलक्ष्य में भारतवर्ष दि० जैन सिद्धान्त रक्षिणी सभा ने मरसलगंज अधिवेशन में आपको "धर्मभूषण" की उपाधि से समलंकृत किया है। आप समाज के चन्द रत्नों में से एक है। धर्म एवं समाज सेवा की दर्शनीय भावना आपमें निवास करती है।

आप साहित्य क्षेत्र में भी सफलता प्राप्त कर रहे हैं। अभी तक आपकी फुटकर रचनाओं के अतिरिक्त "सुकुमाल महामुनी चरित्र" (तीन भागों में) "सुखानन्द मनोरमा चरित्र" (दो भागों में) तथा "भगवत् लावनी शतक संग्रह" और "भगवान पार्श्वनाथ जी का पूजन" आदि पठनीय ग्रन्थ भी प्रकाशित हो चुके हैं। आपकी लेखन शैली सरल तथा शब्द-संग्रह अनूठा और मधुर भावों से ओत-प्रोत होता है।

आपका संपूर्ण जीवन ही राष्ट्र एवं समाज-सेवा के लिये है। राष्ट्र-नायक एवं धर्म-भक्त के रूप में समाज आपको आदर एवं गौरव की दृष्टि से देखता है।

स्व० श्री पं० श्रीनिवास जी शास्त्री, कलकत्ता

श्री शास्त्री जी का मूल निवास स्थान चिरहोली था। किन्तु, श्री शास्त्री जी का कार्यक्षेत्र था कलकत्ता नगर। समाज सदैव आपको गौरव की दृष्टि से देखता रहा है। जहाँ आप चोटी के विद्वान् थे, वहाँ आप बड़े ही सरल-स्वभावी, निर्भिमानी तथा मिलनसार थे। आपने अपने गुणों के कारण विशेष कर कलकत्ता समाज में सर्वप्रियता प्राप्त कर, यहाँ के सम्मानित अग्रणी समाज में अपना स्थान बना लिया था।

आपको बड़ी-बड़ी सभाओं में व्याख्यान के लिए आमन्त्रित किया जाता था। सन् १९६२ की भाद्रपद कृष्णा एकादशी के दिन श्री पर्युषण-पर्व पर व्याख्यान माला-सभा में आपको भाषण देने के लिए जाना था, निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आप भाषण देने चलने पड़े, उसी समय आपको हृद-पीड़ा हुई और कुछ ही समय-पश्चात् आपने शरीर त्याग कर दिया।

आपके सम्मान में कलकत्ता समाज ने आपके परिवार को दस हजार रुपये की अर्थ-राशि भेंट करने का निश्चय किया, किन्तु आपके सुयोग्य सुपुत्रों ने इस राशि को कृतज्ञता पूर्वक अस्वीकार कर दिया।

वर्तमान में आपकी पत्नी एवं दो पुत्र हैं। एक पुत्र का सम्बन्ध फिरोजाबाद निवासी श्री लाला राधामोहनजी के यहाँ तथा दूसरे का सम्बन्ध देहली निवासी श्री लाला कालीचरण जी के यहाँ हुआ है।

आपके सभी पुत्र सुशिक्षित और मिलनसार हैं। सबसे छोटे पुत्र कलकत्ता विश्व-विद्यालय में एम० ए० तथा कानून के विद्यार्थी हैं। अतः कलकत्ता का धार्मिक समाज श्री श्रीनिवासजी शास्त्री का चिरऋणी है। उनकी सेवाएँ अक्षुण्ण हैं। आपकी उच्च भाव-नाओं तथा सरल और शुद्ध विचारधारा के कारण आपको सारा ही समाज सम्मान से स्मरण करता है।

श्री महिपालजी जैन, चित्रीगंज (बज़बज़)

आप श्री बनारसीदासजी जैन के सुपुत्र हैं। श्री बनारसीदासजी नंगलासोंठ (आगरा) के निवासी हैं। यह सन् १९३० के लगभग बंगाल पधारे और अपना जीवन साधारण व्यापारी के रूप में आरम्भ किया तथा आगे चलकर आशातीत उन्नति प्राप्त की। आपको अपनी जन्मभूमि नगलासोंठ से विशेष प्रेम रहा है, तथा वहाँ के मन्दिर का जीर्णोद्धार भी आप द्वारा करवाया जा चुका है। आप धार्मिक वृत्ति के कर्मशील पुरुष हैं। धार्मिक कार्यों में आपकी अभिरुचि और सामाजिक कार्यों में सदैव लगन बनी रहती है। आप परोपकारी वृत्ति के साधु स्वभावी तथा स्पष्टवादी एवं समाज के श्रद्धेय पुरुषों में से एक हैं।

श्री महिपालजी जैन ने साधारण शिक्षा प्राप्त कर व्यवसायिक क्षेत्र में पदार्पण किया और अपनी लगन तथा ईमानदारी के कारण उच्च व्यापारियों में अपना स्थान बनाया। स्थानीय कपड़े के व्यापारियों में आपका पूर्ण सम्मान तथा विशिष्ट स्थान है। आपके यहाँ बैंकर का कार्य भी बड़ी उत्तम रीति से होता है। आप विनम्र स्वभाव के स्वाभिमानी पुरुष हैं। आपके इस स्वाभिमान में गरीब एवं प्राणी मात्र के लिए दया भी छिपी है। अभावग्रस्त एवं आवश्यकता युक्त मानवों की सेवा के लिए आप सदैव तत्पर रहते हैं। आपके द्वार पर सभी आगन्तुक यथास्वरूप सम्मान पाते हैं।

आप केवल व्यापारी जगत में ही सफल नहीं हुए, अपितु धार्मिक समाज में भी आदरणीय हैं। आप धर्म का जीवन में प्रमुख स्थान स्वीकार करते हैं। आपने अपने यहाँ चित्रीगंज में चैत्यालय की स्थापना भी की है और आपका धार्मिक नित्यकर्म सुचारु रूप से चलता है। शिक्षा के प्रति आप सदैव निष्ठावान तथा आस्थावान रहे हैं। अतः इसी भावनानुसार आपने अपने समस्त परिवार को शिक्षा की ओर आकर्षित किया है। आपका एक सुपुत्र चि० सुमतचन्द्र एवं तीन कन्यायें शिक्षा प्राप्त कर रही हैं—दो कन्यायें शिशु अवस्था में हैं।

आपका शुभ विवाह श्री होतीलालजी जैन की सुपुत्री सुश्री चरनदेवी के साथ सन् १९४२ में हुआ। यह महिला भी धार्मिक प्रकृति की तथा उदार स्वभाव युक्त शिक्षा-प्रिय हैं। आप गृहलक्ष्मी के रूप में केवल सद्गृहणी ही नहीं हैं, अपितु एक श्रेष्ठ सलाहकार भी हैं। धार्मिक, सामाजिक एवं व्यवसायिक कार्यों के सम्बन्ध में आप समय-समय पर अपनी उपयोगी राय देती रहती हैं। आप शुभ लक्षण-युक्त, गृह-कार्य में पटु और शान्त स्वभाव की प्रसन्नचित्त साहसी महिला हैं।

स्व० पाण्डेय श्री ज्योतिप्रसादजी जैन, नगलास्वरूप

आप स्व० श्री शिवलालजी जैन पाण्डेय के सुपुत्र थे। आप आरम्भ कालसे ही धार्मिक वृत्ति के तथा दीनों पर दया करने वाले थे। जब आप किसी गरीब को दुःखी एवं लाचार देखते थे, तो तत्काल उसकी सहायता को तैयार हो जाते थे। आपने अनेकों बार अपने घरेलू वस्त्रों को गरीबों में बाँट दिया था।

आपकी धार्मिक वृत्ति भी अनुकरणीय थी। प्रतिवर्ष तथा तीसरे वर्ष पाठ कराके आहारदान करते थे। आप नित्य प्रति मन्दिरजी में पधारते थे, पूजन, प्रक्षालन करके ही दुकान जाते थे।

आप शिक्षा प्रिय भी थे। आपने अपने जीवन में टेहू तथा नगलास्वरूप में धार्मिक जैन पाठशालाओं की स्थापना की थी। इन पाठशालाओं में निःशुल्क शिक्षा देने की व्यवस्था की गई थी। आपकी ज्योतिष शास्त्र में भी रुचि थी। पर्व के समय समीपवर्ती स्थानों में आप पूजन करने भी जाते थे। आप सिद्धान्तवादी एवं दृढ़ संकल्पी थे। आप अपनी दुकान पर बीड़ी सिगरेट तथा तम्बाकू नहीं बेचते थे। और इसकी बिक्री करने वाले जैन बन्धुओं को इस व्यवसाय को छोड़ देने की प्रेरणा देते रहते थे।

संयम-नियम से रहने के कारण आपका स्वास्थ्य अच्छा रहा और ७२ वर्ष की आयु तक आप निरोग और शक्तिपूर्ण रहे। आपका स्वर्गवास गत १९५२ में हो गया।

●

श्री कमलकुमार जी जैन, कोटकी

आपका जन्म सन् १९१३ का है। आप श्री बाबूलाल जी जैन के दत्तक पुत्र हैं। आपने मिडिल तक शिक्षा प्राप्त कर व्यापार में प्रवेश किया। आपके यहाँ सर्राफा तथा बैंकर्स का कारोबार है। आप केवल व्यापारी ही नहीं हैं, अपितु एक धर्मज्ञ भी हैं। धर्मशास्त्रों में आपकी अत्यधिक रुचि है। शास्त्र प्रवचन तथा शास्त्र श्रवण और शास्त्र-अध्ययन में आप सदैव भारी उत्साह दिखाते हैं।

श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मन्दिर अटारी में दो प्रतिमाजी की स्थापना की। सुविख्यात सोनागिरि, सिद्धक्षेत्र स्थित धर्मशाला में कक्ष निर्माणार्थ दान दिया। पार्श्वनाथ मन्दिर अटारी के जीर्णोद्धार एवं फर्श के लिये भी दान दिया है।

आप राष्ट्र-भावनाओं से ओत-प्रोत हैं। भारत-सेवक दल में बड़ी लगन के साथ कार्य किया एवं दान दिया। स्थानीय श्री दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष, राइफल संस्था के अध्यक्ष, नगरपालिका के उपाध्यक्ष एवं सदस्य रहे। कांग्रेस मण्डल के अध्यक्ष तथा डी० सी० सी० के सदस्य रहे। नगर संयोजक तथा जिला अपराध-निरोध समिति के सदस्य और जनता इन्टर कॉलेज के आजीवन सदस्य हैं। एम० जी० एम० ई० का० जलेसर के सदस्य हैं। इस

प्रकार आप अनेकों संस्थाओं के मान्य पदाधिकारी तथा सदस्य रह विविध प्रकार से समाज-सेवा का लाभ अर्जित करते हैं। आप विनम्रस्वभाव के तथा लग्नशील मानव-सेवक हैं। आप की मधुर वाणी अत्यन्त आकर्षक तथा सत्यनिष्ठ है।

आपने सन् १९५४ई० एटा नगर में बारहबोरकी गन शूटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। आप उत्साही मन के सज्जन प्रकृति के महानुभाव हैं।

आपकी श्रीमती भी दानशील महिला हैं। आपके सुपुत्र जीयालाल, कल्याणचन्द्र, यतेन्द्रकुमार तथा सुपुत्री निर्मलकुमारी, हीरामणी और प्रवीणकुमारी सभी आस्तिक भावना के स्वधर्म सेवी और कुल-परम्परागत मानमर्यादाओं के अनुकूल चलने वाले परिजन हैं। ●

श्री धन्यकुमार जी जैन, अवागढ़

आपका जन्म सन् १९२३ कोटकी जि० आगरा में हुआ। आप श्री गुलराज जी जैन के सुपुत्र हैं। आपने हाई स्कूल तक की शिक्षा प्राप्त कर कार्यक्षेत्र में पदार्पण किया। विशेष कर आपका कार्यक्षेत्र अवागढ़ ही रहा है। आपके यहाँ सर्राफा, बैंकर्स एवं जैन काटेज इण्ड-स्ट्रीज के नाम से कारोबार होता है। आप अध्ययनशील वृत्ति के विवेकी पुरुष हैं। जैन धर्म एवं वैष्णव धर्म के आप श्रद्धालु पाठक रहे हैं। गीता-रामायण का अध्ययन आपने विशेष रूप से किया है। आपने उदाता पूर्वक दान देते हुए जैन एवं वैष्णव मन्दिरों के जीर्णोद्धार में प्रशंसनीय योग दिया है।

राजनीति में भी आप कुशल हैं। अपने ज्ञान एवं मधुर व्यवहार के कारण ही आपने अल्प समय में आशातीत सर्वप्रियता एवं उन्नति प्राप्त की है। आप "भारत-सेवक समाज" तथा कांग्रेस के आस्थावान सदस्य हैं। टाऊन एरिया कमेटी अवागढ़ के सम्माननीय अध्यक्ष पद पर आप सुशोभित हैं। "भूमि प्रबन्ध कमेटी" तथा "मण्डल कांग्रेस" के अध्यक्ष पदों पर रहते हुए जनता की सेवा में दत्तचित्त हैं। जनता इण्टर कालेज के उपाध्यक्ष और श्री पार्श्वनाथ मन्दिर अटारी के प्रबन्धक तथा भारत-सेवक समाज के ब्लाक संयोजक और भ्रष्टाचार निरोध समिति के सदस्य, साथ ही एम० जी० एम० इण्टर कालेज जलेसर के सदस्य हैं। जनता विद्यालय अवागढ़ की नींव को चिरस्थायी बनाने के लिये आपने अपने प्रभाव से लगभग ६० हजार रुपया एकत्रित करवाया है।

आपमें कार्य करने की अद्भुत क्षमता है। आप उदार और विचारवान् तथा निर्मल हृदय के वीर पुरुष हैं। युवक समाज आपको अपने निपुण नेता के रूप में देखता है। आपके संरक्षण में टाऊन एरिया अन्तर्गत अभूत पूर्व उन्नति हुई है। आप निस्वार्थ-सेवक, गम्भीर विचारधारा के कुशल वक्ता तथा कार्यपटु जन-सेवक हैं।

आपके ही अनुरूप आपकी श्रीमती कान्तादेवी उर्फ कुन्थादेवी हैं। यह धर्मशीला एवं आस्तिक विचार युक्त आदर्श देवी हैं। आपके विपिनेशकुमार, राजीवकुमार तथा चैतन्य-कुमार तीन पुत्र एवं गुड्डोदेवी एक पुत्री है। ●

स्व० श्री रघुवरदयाल जी जैन, एटा

आपका जन्म सन् १९०१ में स्वर्गीय श्री ला० ठाकुरदास जी जैन के घर हुआ था। आपके पिता श्री ठाकुरदास जी का स्वर्गवास सन् १९१६ में हो गया था। अतः आपकी शिक्षा साधारण रूप में ही हो सकी। किन्तु, व्यापारिक क्षेत्र में आप पूर्ण सफल रहे। आपके यहाँ घी, गल्ला के व्यवसाय के साथ साथ दाल मिल भी है। आपके दो विवाह क्रमशः जसराना एवं पृथ्वीपुर में हुए।

आप उदार प्रकृति के दानी पुरुष थे। आपकी सेवा-भावना तथा संस्था-संचालन योग्यता से प्रभावित होकर समाज आपको सदैव उच्च पदों पर प्रतिष्ठित करता रहा। स्थानीय गान्धी स्मारक कालेज के सभापति पद पर आप चिरकाल तक प्रतिष्ठित रहे। श्री दिगम्बर जैन कन्या पाठशाला पर आपका वरदहस्त सदैव बना रहा और इस संस्था की सभी प्रकार से आप द्वारा सहायता की जाती रही। अविनाश विद्यालय के विचार शील सदस्यों में आपका अपना विशेष स्थान रहा है। समाज एवं राष्ट्र-हितैषी कार्यों में आप प्रमुख रूप से भाग लेते रहे। समाज-निर्माण की ओर जहाँ आपका ध्यान रहता था वहाँआप धर्म चिन्तन एवं शास्त्र-श्रवण में भी समय देते रहते थे। आपकी धर्य शक्ति और महानता का विशेष दर्शन उस समय हुआ जब आपने एक सप्ताह पूर्व अपनी मृत्यु की सूचना दी। मृत्यु से दो दिन पूर्व आपने परिग्रह की मात्रा बिल्कुल अल्प करदी थी। व्याधि रुप में आपको डाय-बिटीज की बोमारी थी। बीमार अवस्था में भी आप तीर्थ यात्रा का लाभ बराबर लेते रहते थे। स्वर्गवास से कुछ दिन पूर्व ही आप श्री महावीर जी की यात्रा पर गए थे और उसके पश्चात आपका स्वास्थ्य गिरता ही चला गया। गत् २० अप्रेल १९६६ को प्रातः सवा दस बजे आपने अपनी ऐहिक लीला समाप्त कर महाप्रयाण किया।

आप अपने पीछे अपनी धर्मपत्नी एवं दो सुपुत्र, तीन सुपुत्रियें तथा नाती, नातिन आदियों से भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

आपके प्रथम सुपुत्र श्री महिपाल जी जैन का विवाह जसवन्त नगर निवासी श्री प्यारे-लाल जी जैन की सुपुत्री के साथ हुआ है। दूसरे सुपुत्र श्री लालचन्द जी जैन का विवाह मैदामई निवासी श्री मक्खनलाल जी जैन की सुपुत्री के साथ हुआ है।

आपकी तीन सुपुत्रियें सुश्री बिमलादेवी जसवन्त नगर, सुश्री कमलादेवी कानपुर और सुश्री सरलादेवी देहली विवाही हैं।

●

श्री जिनेन्द्रप्रसादजी जैन, टूण्डला

आपका जन्म सन् १९३१ में हुआ। आप श्री श्योप्रसादजी जैन के सुपुत्र हैं। आप बाल्यकाल से ही तीक्ष्ण बुद्धि एवं सजग मस्तिष्क हैं। शिक्षा-संग्रह की ओर आपकी बाल्यकाल से ही अभिरुचि रही है। फलस्वरूप आपने एम० एस० सी० तक उच्च शिक्षा अल्पकाल में ही प्राप्त कर ली। आपने यह शिक्षा भौतिक-विज्ञान में ग्रहण की है।

आप सफल लेखक एवं उत्तम नाटककार हैं। "शान्तिदूत" "भगवान महावीर" "अग्नि परीक्षा" तथा "विराग की ओर" आदि उत्तम कोटि के नाटक आप द्वारा लिखे गये हैं। आप सुयोग्य निर्देशक भी हैं। सुप्रसिद्ध संस्था जिनेन्द्र कला-केन्द्र टूण्डला की प्रगति में आपका भारी योग रहा है। आप "ऋषभ छाया सदन टूण्डला" के संस्थापक और कुशलवक्ता तथा प्रभावशाली कवि भी हैं।

आप जीवन में कांग्रेस विचार-धारा को धारण करके चलते हैं। कांग्रेसदल के विचारशील सदस्य एवं कर्मठ कार्यकर्ता हैं। कांग्रेस के रचनात्मक कार्यों में आपका विश्वास एवं आस्था है।

समाज के कार्यों में आप पूरी रुचि लेते हैं। जैन मात्र का एकीकरण तथा जैन-जाति का सर्वांगीण विकास आपके जीवन के परम-पावन आदर्श संकल्प है। आप जैनधर्म का आधुनिक लोकप्रिय ढंग से प्रचार एवं प्रसार करना चाहते हैं। सुरुचिपूर्ण कला के माध्यम से देश एवं विदेश में जैनत्व की प्रभावना करने में आपका विश्वास है।

समाज के नवयुवकों में आपका विशेष स्थान है। आपकी नम्रभावना एवं मधुर भाषा में एक विशेष आकर्षण छुपा है। अतः साहित्य-कला एवं उच्च भावनाओं का संगम आपमें प्रत्यक्ष हिलोरें ले रहा है।

आपकी श्रीमती त्रिसलादेवी जैन धर्म के प्रति अनन्य भक्तिपूर्ण महिला हैं। आप इन्हें अपनी कला-प्रेरणा मानते हैं। आपके तीन पुत्र एवं दो पुत्रियाँ हैं।

श्री पं० शिवमुखरायजी जैन शास्त्री, जारखी

आप आगरा मंडलान्तर्गत तहसील एत्मादपुर-कुतुकपुर, जारखी के निवासी हैं। आपके बाबा श्री हीरालालजी मूलतः जारखी निवासी थे उन्होंने कुतुकपुर आकर जमींदारी खरीदी और घर-बाग-बगीचे कुएँ आदि बनवाये। आप बड़े प्रतापी, धर्मात्मा और सज्जन पुरुष थे।

आपके पिता श्री लाला कंचनलालजी जैन गाँव के लब्ध प्रतिष्ठ नम्बरदार थे, जिनका अभी आठ वर्ष पूर्व ही स्वर्गवास हुआ है। वे क्षत्रियोचित शूर-वीर, उदार, कुशलशासक, धर्मनिष्ठ व कर्तव्यपरायण पुरुष थे एवं चतुर्दिक दूर-दूर तक यशोगरिमा मंडित थे। एक बार आपके घर पर बड़ा भारी डाका पड़ा। आपने एकाकी डाकुओं का जो सामना किया कि डाकुओं को भागते ही बना। अपने बड़े भारी लट्ठ से ललकार कर डाकुओं को हताहत करते हुए अपने पिता, ताऊ और सम्पत्ति की रक्षा की। इससे अपके शौर्य की धाक जम गयी। ग्रामपति के नाते आप दीन दुखियों के स्वामी एवं सहायक थे। रोगियों को निःशुल्क औषधियाँ भी आपके यहाँ से दी जाती थीं। गाँव के पारस्परिक झगड़ों को भी आप निपटाते थे और आपके निर्णय को सब लोग मान लिया करते थे।

पं० शिवमुखरायजी का जन्म आश्विन कृष्ण प्रतिपदा गुरुवार को संवत् १९५९ में कुतुकपुर में हुआ। आप की माता का नाम श्री दुर्गादेवी था, जो कि एक धर्मात्मा और महिलारत्न थीं। मेघमाला नाम की एक सुशीला कन्या भी हुई, जिसका बड़े अच्छे घर में विवाह हुआ। आपके पूर्वजों द्वारा प्रस्थापित एक भव्य जिन मंदिर भी कुतुकपुर में है, जिसके प्रबन्धार्थ कुछ भूभाग समर्पित कर दिया गया है, जिसकी आय तथा इनके परिवार द्वारा प्रदत्त द्रव्य से जिनालय में प्रतिदिन पूजन, आरती आदि धार्मिक कृत्य सम्पन्न होते रहते हैं। छोटे से छटा बच्चा भी प्रतिदिन दर्शन करके ही भोजन करता है पं० शिवमुखराय जी मारोठ समाज के आग्रह से प्रायः २८ वर्ष से यहाँ धार्मिक शिक्षा देकर समाज को सुसंस्कृत बना रहे हैं। यहाँ के समाज की धार्मिक प्रवृत्ति कुछ मलिन और धूमिल सी हो रही थी, उसमें आपने अपनी विद्वत्ता और अनुभव से एक चमत्कार पूर्ण नवीन तितिक्षा और उत्कण्ठा जागृत कर दी है। आपके प्रयत्न से यहाँ अनेक संस्थायें खोली गई हैं।

यहाँ के श्रीमंत सेठ राज्यभूषण रायबहादुर मगनमल जी हीरालाल पाटनी ने एक पारमार्थिक ट्रस्ट की स्थापना की और आपको उक्त ट्रस्ट का सदस्य एवं मैनेजर नियुक्त किया। ट्रस्ट के अन्तर्गत चलने वाली अनेक संस्थाओं यथा-पाटनी जैन औषधालय, बोर्डिंग हाउस, लायब्रेरी, ग्रन्थालय, मगनबाई कन्या पाठशाला मारोठ, कलावतीबाई कन्या पाठशाला आगरा व कामां, पाटनी जैन औषधालय कामां, और असहाय सहायक फंड, छात्रवृत्ति फण्ड, मगनबाई धर्मादाफंड, जीवदया फण्ड, जीर्णोद्धार फण्ड, धर्मप्रचार फण्ड, औषधिदान फंड, जनरल फण्ड आदि का बड़ा सुन्दर प्रबन्ध करके सम्मान प्राप्त किया। जनगणना के समय

अनेक भाषाओं में लाखों की संख्या में—"अपने को जैन लिखाओ"—पम्फलेट छपवा कर प्रचार किया। आल इण्डिया रेडियो के अनेक स्टेशनों से महावीर जयन्ती तथा अन्य अवसरों पर भी विशेष प्रचार किया। भारत के केन्द्रीय व राज्यों के नेता एवं मन्त्री आदि अनेक राजपुरुषों एवं राजनेताओं के धन्यवादपत्र आपको प्राप्त हुए हैं। अनेक मन्दिरों में चढ़ने वाली वलि बन्द कराई। पशुओं के पीने के लिए अनेक स्थानों पर जल की व्यवस्था कराई।

आपमें तो यह बहुमुखी विशेष विशेषताएँ हैं ही, आपकी धर्मपत्नी श्रीमती फूलमाला देवी धार्मिक सक्रियता में आपसे भी दो पग आगे ही हैं। प्रकृति पुरुष जब दोनों एकमना हो जाते हैं तो जीवनरूपी संसार स्वर्गोपम हो जाता है। आपके एक सुपुत्र और पाँच सुपुत्रियाँ हैं। तीन नाती भी हैं। "यश, दूध, पूत, परिवार सुखी है, युत धर्म,कर्म, संसार सुखी है"। पुण्यवान पुरुष के लिए यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। चन्दन स्वयं तो शीतल और सुगन्धित रहता ही है, अपने आसपास के बबूल करीलादि को भी सुगन्धित करते रहता है।

आपके सुपुत्र का नाम बा० मुनीन्द्रकुमार जी जैन है। मुनीन्द्रबाबू बी० कॉम, एल० एल० बी०, साहित्यरत्न, धर्मरत्न, प्रभाकर (आनर्स) और जैनधर्म विशारद हैं। "यथा बाप तस सुत किन होई" वाली कहावत चरितार्थ करते हैं। आप केन्द्रीय सरकार की ओर से रेलवे वर्कशाप अजमेर में आडीटर के पद पर हैं और बड़ी योग्यता से कार्य सम्पादन कर रहे हैं। आपकी पुत्रियों में सर्व सुश्री चन्द्रकान्तादेवी, मनोरमादेवी, ज्योतिर्माला जैनधर्म विशारदा, शान्तिदेवी जैनधर्म विशारदा और पुष्पादेवी हैं। इनमें तीन के वैवाहिक कार्य उत्तम घरों में सम्पन्न हो चुके हैं, शेष दो अध्ययनशीला हैं। पुत्र वधू सौ० शारदादेवी सर्वगुणसम्पन्न, धर्मनिरता, पिता, पति दोनों कुलों को प्रकाशित किए हुए हैं।

विवाहादि मांगलिक कार्यों के अवसर पर शास्त्री जी के पास केन्द्रीय तथा राजकीय प्रायः सभी प्रमुख राजनेताओं की शुभकामनाएँ आती हैं। आपके तीन नाती चि० वीरंजयकुमार, भरतेशकुमार और चक्रेशकुमार हैं।

●

श्री महावीरप्रसादजी जैन, अहारन

इनके बाबा श्री लालाराम जी जैन ने अपना ग्राम अहारन छोड़कर सहारनपुर में कारबार शुरू किया था। बाबा के साथ उनके पुत्र, अर्थात् महावीर जी के पिता श्री छुट्टनलाल जी भी बाल्यावस्था में थे। छुट्टनलाल जी ने वहीं शिक्षा प्राप्त की और फिर रेलवे सर्विस में गये। कुछ समय बाद स्टेशन मास्टर के पद पर नियुक्त हुए। जिस समय छुट्टनलाल जी पानीपत में थे, उसी समय छुट्टनलाल जी के यहाँ श्री महावीरप्रसाद का जन्म हुआ। शैशवावस्था के बाद आपकी शिक्षा का प्रबन्ध हुआ और शिक्षा प्राप्त करने के उपरान्त जलेसर वाले आढ़तिया लाला बाबूरामजी की सुपुत्री श्रीमती मोतीमाला के साथ १७-१-२५ को विवाह बड़े समारोह के साथ सम्पन्न हुआ। इन्होंने भी अपना पुराना पुश्तैनी पेशा अपनाया। अर्थात् २० रु० मासिक वेतन पर रेलवे में कानपुर में मालबाबू नियुक्त हुए। आपकी रेलवे सर्विस ३०-३-२५ सन् में प्रारम्भ हुई। कुछ समय तक इसी पद पर काम करने के बाद सन् २९ की १ जून को आपकी नियुक्ति रेल के गार्ड पद पर हुई। उस पद के अनुसार इनके वेतन में भी काफी वृद्धि हुई।

कार्य सन्तोषप्रद होनेके कारण १७-५-३२ को इन्हें ट्रेन कन्ट्रोलर के पद पर नियुक्त किया गया और सन् १९४४ के अप्रैल महीने में आप स्टेशन मास्टर बनाये गये और टूण्डला जंकशन (स्टेशन) पर नियुक्ति हुई। तत्पश्चात् शीघ्र ही गजटेड आफिसर (राजपत्रित अधिकारी) बनाया गया। चिरकाल तक आप इसी पद पर रहे और बाद में स्टेशन सुपरिण्टेण्डेण्ट नियुक्त हुए और दिल्ली जंकशन पर नियुक्ति हुई। इस प्रकार रेलवे यातायात की बहुमुखी सेवाएँ करने के उपरान्त आप सन् ६१ में अवकाश प्राप्त हुए। किन्तु १ माह पश्चात् पुनः उसी पद पर सुरक्षा विभाग के आर्मी हेड क्वाटर्स में भेज दिये गये।

इतनी महती सेवाएँ करने के बाद को उत्तर प्रदेश सरकार के कलकत्ता कार्यालय में मुख्य सम्पर्क अधिकारी के पद पर आसीन किए गये और तब से अबतक इसी पद के गुरुतर कार्य को बड़ी मुस्तैदी के साथ सँभाले हुए हैं।

यों तो रेलवे के माध्यम से आप सर्वदा ही जनता की सेवा करते आ रहे थे किन्तु इसके अतिरिक्त कुछ विशेष अवसरों पर जनता की विशेष सेवा का समय भी प्राप्त हुआ है। यथा—१९२६-२७ में बटेश्वर का मेला शिकोहाबाद (१) माघ मेला इलाहाबाद सन् २७-२८ (२) कुम्भ मेला इलाहाबाद सन् ४२ और ५४ (३) कुम्भ मेला सन् १९३८ और १९५० में।

सन् १९६० को श्री जगजीवनराम तत्कालीन रेल मंत्री ने आपके कार्यों से प्रसन्न होकर एक चाँदी का पदक तथा ५००) का राष्ट्रीय बचत पत्र आपको प्रदान किया था। आपके तीन पुत्र श्री ईश्वरप्रसाद टिकट कलेक्टर टूंडला, श्री ओमप्रकाश, सहायक अभियन्ता संचार विभाग उत्तर प्रदेश इलाहाबाद और छोटा पुत्र श्री सुशीलकुमार अभी पढ़ रहा है। बड़े पुत्र का विवाह श्री जग्गीलाल जी बजाज शिकोहाबाद की पुत्री सौ० इन्द्राणी के साथ और

मझले का श्री दामोदरदास जी जैन जलेसर निवासी की सौ० ललिता के साथ हुआ है। आपके तीन पुत्रियाँ भी हैं। बड़ी पुत्री कान्तादेवी का व्याह मर्थरा निवासी श्री हरमुखराय जी सरपंच के सुपुत्र श्री प्रेमसागर के साथ, दूसरी पुत्री सावित्री का व्याह श्री मानिकचन्द्र बी० कॉम० (लघुभ्राता श्री छक्कूलाल जी ब्रांच मैनेजर, बीमा कम्पनी कानपुर) खचांची रिजर्व बैंक के साथ हुआ और छोटी पुत्री सुशीला अभी बी० ए० में पढ़ रही हैं।

●

श्री पं० राजकुमारजी जैन शास्त्री, निवाई

श्री शास्त्रीजी इस क्षेत्र के जाने-माने सफल वैद्य एवं उत्तम समाज-सेवी हैं। आप स्थानीय नगरपालिका के कई वर्ष तक प्रधान रहे। गत १५ वर्ष से कांग्रेस के विभिन्न सम्माननीय पदों पर रहते हुए आशातीत लोकप्रियता प्राप्त की है। वर्तमान में आप मण्डल-कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। आप साहित्य में भी पूरी रुचि रखते हैं। आधुनिक शैली में जैन-रामायण की रचना करके आपने समाज में श्रद्धा का स्थान बनाया है। "अहिंसा वाणी" "अहिंसा" आदि पत्रों के संयुक्त सम्पादन के साथ ही साथ आपने दर्जनों पुस्तकों की रचना की है।

आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्य में पूर्ण उत्साह के साथ भाग लेते हैं। राजस्थान प्रान्तीय-जैन मिशन के सुयोग्य संचालक एवं उसके माध्यम से आपने समाज की भरपूर सेवा की है। आपकी सेवाओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कितनी ही बार आपका सार्वजनिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया जा चुका है।

समाज में आपको पूर्ण आदर का स्थान प्राप्त है। आपके पाँच सुपुत्र हैं। यह सभी उच्च कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। सभी सुपुत्र होनहार एवं समाज हितैषी हैं।

●

श्री अतिवीरचन्द्रजी जैन बी० ए० बी० टी०, टूण्डला

आपका जन्म १ जून १९४० में हुआ। आपके पिता श्री लाहोरीलाल जी जैन, एवं भ्राता श्री वीरेन्द्रकुमार जी टूण्डला में ही व्यापार-व्यवसाय करते हैं। आप मूल निवासी नाहरपुर जिला एटा के हैं।

आपने साधारण परिस्थितियों में रहकर अपने श्रम एवं लगन के सहारे बी० ए० बी० टी० तक उच्च शिक्षा प्राप्त की है। आपकी शिक्षा इण्टरमीडिएट तक टूण्डला में हुई, तत्पश्चात् फिरोजाबाद से बी० ए० किया और शिकोहाबाद से बी० टी० परीक्षा उत्तीर्ण की। आप शिक्षा-संग्रह में इतने चतुर थे कि जीवन में किसी भी कक्षा में असफल नहीं हुए।

आप विद्यार्थी जीवन से ही समाज-सेवा करते आ रहे हैं। लेखन कला की ओर भी आपकी रुचि रहती है। जैन युवक-संघ टूण्डला के आप कप्तान भी रह चुके हैं। आपका विवाह श्री लाला सुखलाल जी जैन दखिनारा की सुपुत्री श्रीमती कस्तूरदेवी जैन के साथ हुआ है। वर्तमान में आप जैन कालेज ईसरी बाजार में सहायक अध्यापक के पद पर कार्य कर रहे हैं। आशा है आप द्वारा समाज की ओर भी अधिक सेवा होगी।

●

श्री डा० महवीरप्रसादजी जैन, खन्दौली

आपका जन्म सैमरा नामक ग्राम में कार्तिक कृष्ण १३ सं० १९९४ को हुआ। आपके पिता श्री कपूरचन्द जी वैद्य समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों में माने जाते हैं। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा स्थानीय पाठशाला में हुई थी तत्पश्चात् श्री महावीर दिगम्बर जैन इण्टर कालेज आगरा से माध्यमिक शिक्षा समाप्त कर, बुन्देलखण्ड आयुर्वेद कालेज झांसी में शिक्षा पाने लगे। यहाँ का पाँचवर्षीय डिग्री कोर्स समाप्त करके आपने A.B.M.S. (आयुर्वेदाचार्य) की उपाधि लखनऊ से प्राप्त की।

आपने आयुर्वेद का ज्ञान भली प्रकार प्राप्त कर चिकित्सा कार्य आरम्भ किया। आपके सद्व्यवहार और सफलतापूर्ण चिकित्सा की कीर्ति तेजी के साथ फैलने लगी। आपकी रोग-निदान पद्धति सर्वथा नवीन एवं उत्तम है। इतनी कम आयु में इतनी अधिक सफलता आपकी महान् प्रतिभा का द्योतक है। इस समय आप श्री महावीर जैन औषधालय सैमरा एवं स्याद्वाद मेडिकल हाल खन्दौली दोनों स्थानों पर चिकित्सा-सेवा में रत हैं।

केवल चिकित्सा क्षेत्र में ही नहीं साहित्य क्षेत्र में भी आपकी भारी रुचि है। जैन मूल-ग्रन्थों के अध्ययन एवं जैन सिद्धान्तों के वैज्ञानिक विश्लेषण में भी आप पर्याप्त समय देते हैं। जैन धर्म-ग्रन्थों के अध्ययन के साथ ही साथ आप अन्य धर्मों के ग्रन्थों का भी अवलोकन करते हैं।

धार्मिक कार्यों में आपकी अत्यधिक रुचि होने के कारण अपनी दादी गुन-मालादेवी की स्मृति में एक प्याऊ तथा एक धर्मशाला निर्माण कराने का लक्ष्य भी आपने निश्चित किया है।

आपकी धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पलता जैन भी धार्मिक विचार-धारा की सुशिक्षिता महिला हैं। और यह भी आयुर्वेद के अध्ययन में रुचि रखती हैं। आपके एक पुत्री एवं चार पुत्र हैं।

आपमें धैर्य, दृढ़ता तथा अध्यवसाय आदि प्रशंसनीय गुण समाये हुए हैं। आप द्वारा प्रारम्भ किया गया कार्य सुन्दर रूप में सम्पूर्ण होता है। स्वाभिमान, मिलनसारिता आदि आपके गुण आपको समाज में भारी प्रतिष्ठा दिलाते आ रहे हैं।

स्व० श्री भगवतस्वरूपजी जैन, एत्मादपुर

श्री भगवतस्वरूप जी का स्थान समाज की गौरवशाली विभूतियों में है। आपका जन्म सं० १९६८ कार्तिक सुदी ६ को एत्मादपुर में हुआ था। आपकी शिक्षा किसी विद्यालय अथवा विश्वविद्यालय में नहीं हुई थी, अपितु घरके चौक में ही बैठकर आपने अक्षर-ज्ञान प्राप्त किया था। विद्या की यह लगन और साहित्य-साधना की अटल भावना ने आपको अल्पकाल में ही एक प्रभावशाली लेखक बना दिया। एक छोटे से साधनहीन कस्बे में जन्म लेनेवाला यह बालक इतना प्रतिभाशाली और उत्तम साहित्यकार होगा, इसकी किसी को कल्पना भी न थी। एक रूप में भगवत जी की यह विलक्षण प्रतिभा उनके पूर्व जन्मों की ही देन थी। उनके मस्तिष्क की अनूठी कल्पना और शब्द-भण्डार तथा ज्ञान की सुस्पष्ट धारा, उनमें पुरुषोत्तम-गुण थे।

एक ओर निर्बल शरीर, दूसरी ओर कठिन साहित्य-सेवा का अखण्ड व्रत—एक दूसरे की प्रतिस्पर्धा में जुटे हुए थे। अन्तिम विजय साहित्य-सेवा की हुई और भगवत जी ने आखिरी श्वास तक साहित्य-ज्योतिका सिंचन किया। आप युवावस्था पाते-पाते ही साहित्य-क्षेत्र में बहुत आगे निकल चुके थे। ३० साल की तरुणाई में आपकी लगभग २० पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी थीं और इतनी ही हस्त-लिखित रखी थीं। आपकी प्रत्येक पुस्तक में विषयानुरूप ही भाषा, भाव एवं शब्द देखे जाते हैं। इन प्रकाशनों के अतिरिक्त आप "झनकार" "जैन मार्तण्ड" "सरस्वती" "अनेकान्त" "विचार" "अभ्युदय" "जैनगजट" और "जैन सन्देश" आदि पत्र-पत्रिकाओं के चुने हुये लेखकों में अपना स्थान बना चुके थे।

निःसन्देह आप ने अपनी कृतियों में जैन-धर्म का स्तवन अधिक किया है। किन्तु आपका विशाल दृष्टिकोण मनुष्य मात्र को मानवता का मार्ग बताना था। आपकी रचनाओं में धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय भावनाओं की त्रिवेणी है। बहतो आपकी आत्मा मनुष्य के नैतिक पतन से तिलमिला उठती थी। सम्भवतः इसीलिए आपने परतन्त्रता, पूंजीवाद, शोषण आदि के विरुद्ध अपने हृदय के भाव व्यक्त किये हैं।

आपकी सरस एवं तथ्यपूर्ण रचनाओं को देख कर आपकी योग्यता और कुशलता पर अतीव आश्चर्य होता है। युग का प्रतिनिधित्व करने की पूर्ण क्षमता आपमें विद्यमान थी। चाहे आज आपका पंचभौतिक शरीर विद्यमान नहीं है, किन्तु यशःशरीर आज भी विद्यमान है। प्रत्येक पंक्ति में आपकी निर्मल आत्मा के दर्शन होते हैं। आपका साहित्य सुधारवादी, प्रेरणाप्रद तथा पठनीय है।

●

श्री माणिकचन्दजी जैन हकीम, फिरोजाबाद

आप श्री मुन्नीलाल जी जैन के सुपुत्र हैं। आपके पिता जी जब अपने मूल निवास स्थान जटौआ से फिरोजाबाद पधारे थे, तब आप केवल दो माह के शिशु थे। अतः आपका लालन-पालन एवं शिक्षा आदि फिरोजाबाद में ही हुई है। अपनी सरल प्रकृति एवं निरभिमानिता के कारण आज आप इस क्षेत्र के सम्मानित पुरुषों में अपना स्थान बनाए हुये हैं। आपने २२ वर्ष की आयु में ही अपने पिता जी के संरक्षण में चिकित्सा कार्य प्रारम्भ कर दिया था। चिकित्सा क्षेत्र में आपको आशातीत सफलता मिल रही थी कि—आपकी रुचि व्यापार की ओर मुड़ गई। फलस्वरूप सन् ४८ में आप स्थानीय चूड़ियों के कारखाने में साझी हो गए। तत्पश्चात् तो आपने इस कार्य को पूरे दिल और दिमाग से आरम्भ कर दिया। कुछ समय पश्चात्-एडवान्स ग्लास, ओरियण्ट ग्लास, महावीर ग्लास, एवं गुप्ता कैमिकल आदि उद्योगों में आप साझीदार हो गए। वर्तमान में आपने "उमेश कैमिकल कारपोरेशन" के नाम से अपना निजी उद्योग भी स्थापित किया है।

जहाँ आपने चिकित्सा और व्यापार में अपना विशेष स्थान रखा है—वहाँ आप एक कुशल राजनीतिज्ञ भी हैं। सन १९४२ में आपने देश के लिए जेल-यात्रा भी की थी।

इस क्षेत्र के प्रत्येक सार्वजनिक कार्य में आपका सक्रिय योगदान रहता है। श्री पी०डी० जैन इण्टर कालेज, कन्यापाठशाला तथा श्री पद्मावती-पुरवाल-फण्ड के आप प्रारम्भ से ही सदस्य रहे हैं। श्री पद्मावती पुरवाल-छात्रवृत्ति फण्ड के लिए आपने १०० मासिक देने का संकल्प किया है।

आप सज्जन प्रकृति के उत्साही और कुशल पुरुष हैं। आपमें समाज-सेवा की भारी अभिलाषा है। समाज भी आपका एक कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में स्वागत करता है।

●

श्री पं० नन्नूमलजी जैन, कालापीपल

आपका जन्म कार्तिक वदी १ संवत् १९६० में शुजालपुर जिला शाजापुर में हुआ। आपकी शिक्षा अपने नाना श्री आलमचन्द-हरकचन्द के यहाँ हुई। शिक्षा समाप्त कर आपने अपना जीवन सर्विस से आरम्भ किया। सर्विस में आप लगभग १५-२० वर्ष तक रहे, तत्पश्चात सन् १९४५ में आपने नौकरी छोड़ दी और अपना निजी व्यवसाय कालापीपल (म० प्र०) में प्रारम्भ किया। आपकी दुकान "मोतीलाल नन्नूमल" के नाम से कार्य करती है। इस दुकान पर आढ़त, कपड़ा तथा घासलेट का व्यापार होता है। आप संस्कृतज्ञ भी हैं। जैन शास्त्रों का अच्छा ज्ञान रखते हैं। बचपन से ही सामाजिक तथा धार्मिक कार्यों में आपकी विशेष रुचि रही है। प्रातःकाल पूजन तथा सन्ध्या समय वर्षों से लगातार शास्त्र-प्रवचन करना, आपकी धार्मिक वृत्ति का सजीव उदाहरण है।

६० वर्ष की आयु में भी आप सामाजिक कार्यों में भाग लेते रहते हैं। आपका अधिकांश समय रुग्ण एवं व्याधिग्रस्त मानवों की सेवा सुश्रूषा में व्यतीत होता है। शरीर-पीड़ा से व्याकुल मानवों के साथ आप इन्दौर, उज्जैन आदि नगरों के अस्पतालों में जाकर उनकी सेवा करते रहते हैं। आपके इस प्रशंसनीय सेवा-भाव से कितने ही व्यक्तियों को नव-जीवन प्राप्त हुआ है।

आप साहित्य में भी रुचि रखते हैं। साहित्य गोष्ठियों में अपने निजी कार्यों को छोड़कर भी सम्मिलित होते हैं और नवीन कार्यकर्ताओं को सदैव प्रोत्साहन देते रहते हैं। आपकी उपस्थिति से सभा में एक नवीन वातावरण उत्पन्न हो जाता है। आप विनोदप्रिय और जीवन को एक कलाकार की भाँति चलाते हुए यदाकदा बड़े जोम में यह शेर दोहराते हैं।

"जिन्दगी के हर चरण में एक उलझन ही मिली है।
ईसलिए अय दोस्तो यह जिन्दगी जिन्दादिली है॥"

स्व० श्री श्रीमन्दिरदासजी जैन, कलकत्ता

आपका जन्म सम्वत् १९७१ में जन्माष्टमी के दिन हुआ था। आप स्वर्गीय श्री मुन्नी-लालजी जैन के द्वितीय सुपुत्र थे। आप बाल्यावस्था से ही उत्साही तथा सत्यप्रिय व्यक्ति थे। आपका कर्म-क्षेत्र यद्यपि कलकत्ता था, किन्तु आपको अपनी जन्म भूमि एटा से सदैव मोह बना रहा।

आपकी शिक्षा साधारण होते हुए भी आपमें योग्यता और बुद्धिमत्ता का अभाव नहीं था। व्यवसाय में आपकी बुद्धि निरन्तर सफल रहती थी। समाज आपको जहाँ सफल व्यवसायी के रूप में देखता था वहाँ आपकी ईमानदारी की धाक भी उसपर निर-न्तर बनी रही। मेटल, बरतन आदि व्यवसायों में आपने आशातीत उन्नति प्राप्त की है।

आपकी धर्म भावना भी बड़ी पुष्ट थी। अपने धर्म के प्रति आप पूर्ण निष्ठावान तथा आस्थावान थे। धर्म-कर्म में आप समय भी लगाते रहते थे। सामाजिक कार्यों में तथा स्वजातीय सेवाओं में आप निरन्तर भाग लेते रहते थे।

युवावस्था में ही आपका स्वास्थ्य बिगड़ जाने के कारण हार्ट कमजोर हो गया और सम्वत् २०२१ में इसी रोग के आक्रमण ने आपको हमसे सदैव के लिए विलग कर दिया। आपकी असामयिक मृत्यु से सारे समाज में शोक की लहर-सी दौड़ गई और अनेकों स्थानों पर आपकी आत्मशान्ति के लिए शोक सभाएँ कर आपको श्रद्धाञ्जलि अर्पित की गई।

आप अपने पीछे अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कनकलतादेवी एवं पाँच लड़की और एक लड़का छोड़ गए हैं। आपकी श्रीमती आपके अनुरूप ही धर्म परायणा और शान्त प्रकृति की महिला हैं। आपका सुपुत्र चि० तरुणकुमार होनहार युवक है।

स्व० श्री जयकुमारजी जैन, जसरथपुर

आपका जन्म ३० अगस्त १९१० में हुआ था। आपके पिता श्री प्यारेलालजी जैन रईस थे। आपका लालन-पालन बड़े लाड़चाव एवं अमीरी ठाठ-बाठ से हुआ था। आप जैन शास्त्रों में रुचि एवं श्रद्धा रखते थे। आपका विवाह कुतकपुर निवासी श्री कंचनलालजी जैन जमींदार की सुपुत्री श्रीमती मेघमाला देवी के साथ हुआ था। आपके उदार हृदय में दान देने की भावना हिलोरे लेती रहती थी। आपने अपने जीवन में प्रचुर मात्रा में दान दिया है। आपका धार्मिक नित्यकर्म भी सुचारू रूप से चलता था। आप प्रतिदिन मन्दिर में पूजन एवं शास्त्र स्वाध्याय करने पधारते थे। आप गरीब एवं अनाथों की सेवा के लिए प्रतिक्षण तत्पर रहा करते थे। समाज में आपको निर्भीक प्रकृति का सम्मानित पुरुष समझा जाता था।

आपका निधन १५ जून १९५१ को हो गया। आपके दुःखद वियोग से सारा ही समाज दुःखी है। आप अपने पीछे अपनी पत्नी तीन पुत्र छोड़कर गए हैं। बड़े सुपुत्र श्री रामबाबू जैन टूण्डला में निवास करते हैं और रेलवे में बैंच इन्सपैक्टर के सम्मानित पद पर हैं। दूसरे सुपुत्र श्री प्रेमचन्दजी जैन अपने ग्राम में ही निवास करते हैं। आप राजनीति में भी भाग लेते हैं तथा वर्तमान में ग्राम-सभा के प्रधान पद पर हैं। तीसरे सुपुत्र श्री गिरीशचन्द्र जैन शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। आपके सभी चिरंजीव सुयोग्य, नम्र एवं आपकी भाँति ही उदार और समाज-सेवी हैं।

●

श्री मगनलालजी जैन, शुजालपुर

आपका जन्म आश्विन सुदी सप्तमी वि० सं० १९४९ का है। आपके पिता श्री छोगमलजी जैन संस्कृत एवं जैन दर्शन के अच्छे विद्वान् थे। उनके समय के अनेकों हस्त लिखित गोमटसार एवं अमरकोष आदि उपयोगी ग्रन्थ स्थानीय दिगम्बर जैन-मन्दिर के शास्त्र-भण्डार में सुरक्षित हैं।

आपको सात वर्ष की आयु में मातृ वियोग तथा चौदह वर्ष की आयु में पितृ वियोग सहन करना पड़ा। अतः आपकी प्रारम्भिक शिक्षा अपने मामा श्री गुलराज जी के यहाँ हुई। किन्तु आपको अपना शिक्षाक्रम स्थगित कर शीघ्र ही अपने पितामह श्री हरकचन्द जी जैन के संरक्षण में अपना पारिवारिक व्यवसाय सम्भालना पड़ा। शिक्षाकाल में आपको जो छात्रवृत्ति मिलि, आपने वह निर्धन छात्रों में वितरण कर दी। आप लगनशील और बुद्धिमान छात्रों में से एक थे।

आपका विवाह सं० १९६६ में सीहोर निवासी श्री सरदारमल जी जैन की सुपुत्री सुश्री राजुलबाई के साथ सम्पन्न हुआ। आपके सम्पन्न परिवार में तीन पुत्र, आठ पौत्र और नौ पौत्रियाँ हैं।

आपके यहाँ कपड़े का व्यापार होता है। इस व्यवसाय में आपने अच्छी सफलता प्राप्त की है। पुत्रों के योगदान के पश्चात् कारोबार में उत्तरोत्तर वृद्धि होती गई और आपने वस्त्र व्यवसाय के साथ साथ चादी-सोने का व्यापार भी प्रारम्भ कर दिया।

एक सुयोग्य नागरिक व कर्मठ कार्यकर्ता होने के नाते आप नगर पालिका, पूर्व ग्वालियर राज्य में जिला बोर्ड, परगना बोर्ड, विर्जानेन्स कमेटी आदि के महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित कर चुके हैं। सम्वत् १९७६ में श्री दिगम्बर जैन पद्मावती पुरवाल-सभा की स्थापना हुई, जिसके आप महा मन्त्री नियुक्त किये गये।

आपको बाल्यकाल से ही धर्म में अत्यधिक रूचि रही है। सं० १९९५ में आपने स्थानीय दिगम्बर जैन-मन्दिर में अपने पूज्य पिता जी के स्मरणार्थ वेदी निर्मित कराके—प्रतिष्ठा करवाई थी। इस से पूर्व लगभग ७० वर्ष से इस नगर में जैन-मूर्ति का विहार नहीं हुआ था। यह बात आप को बाल्यकाल से ही खटकती थी। आपके १४ वर्षों के भागीरथ प्रयत्नों के पश्चात् शासन ने मूर्तिविहार का आदेश प्रदान कर दिया। समाज ने आपके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए आपको "जातिभूषण" की उपाधि से विभूषित किया है।

प्रारम्भ से ही आपका विचार था कि—श्री पद्मावती पुरवाल समाज के बन्धु जो विभिन्न प्रान्तों में स्थाई रूप से बस गए हैं—उनके परस्पर में पुनः सम्बन्ध होने चाहिए और इसी विचारधारा को मूर्त रूप देते हुए आपने अपनी द्वितीय पौत्री सुश्री तेजकुंवरबाई का विवाह स्वर्गीय श्री रामस्वरूपजी जैन इन्दौर निवासी के सुपुत्र श्री कमलकान्तजी जैन के साथ सम्पन्न किया।

स्थानीय श्री दिगम्बर जैन-मन्दिर अत्यन्त जीर्ण हो गया था। जिसका पुनः निर्माण अनिवार्य था। अतः आप द्वारा यह पूण्यकार्य सम्पन्न हो रहा है। मन्दिर का निर्माण अति भव्य और विशालरूप से किया जा रहा है। इस शुभ कार्य में आप मुक्त हस्त से व्यय कर रहे हैं।

आप समाज के अत्यन्त शुभचिन्तक और चिन्तनशील वयोवृद्ध महानुभाव हैं।

स्व० श्री पंचमलालजी जैन, महाराजपुर

आपका जन्म आलमपुर निवासी श्री सोनपालजी जैन के परिवार में वैशाख शुक्ला प्रतिपदा सम्वत् १९४४ में हुआ था। ६-७ वर्ष की आयु में ही आप पर से पिता जी का स्नेह-हाथ उठ गया। माता जी की देख-रेख में ही आपकी शिक्षा-दीक्षा हुई। आपकी अभिरुचि चिकित्सा शास्त्र की ओर होने से आपने आयुर्वेद शास्त्र का अध्ययन किया और उसमें निपुणता का प्रमाणपत्र प्राप्त किया। आपकी रोग-परीक्षण विधि अत्यन्त आश्चर्य जनक एवं अद्भुत थी। आपकी नाड़ी-परीक्षा की सर्वत्र प्रशंसा की जाती है।

आपने पीड़ित मानव-समाज की सेवा का व्रत धारण करते हुवे आजन्म अविवाहित रहने की प्रतिज्ञा की। रुग्ण-मानव समाज की सेवा में आप अहर्निश तल्लीन रहते थे। आप द्वारा यह सेवा निस्वार्थ भाव से होती थी। आप रोगी के घर पर जाकर देखते थे और औषधि के साथ अपने सान्त्वनापूर्ण शब्दों से उसको धैर्य बन्धाते थे। आपका संयम एवं प्रतिभापूर्ण व्यक्तित्व रोगी के लिए भारी आश्रय बनता था। आपके प्रति आभार प्रकट करने वाले समाज ने समय-समय पर आपको घोड़ी, भैंस तथा गौ, बैल आदि देकर आपका सम्मान किया है। आप अपनी सम्पत्ति का अधिक भाग अभावग्रस्त रोगियों पर ही व्यय कर दिया करते थे, वैसे आपका स्नेह अपने भाई के सुपुत्र श्री ज्ञानस्वरूपजी जैन पर भी बहुत अधिक था। श्री वैद्यजी ने अपने भतीजे ज्ञानस्वरूपजी को भी आयुर्वेद का पर्याप्त ज्ञान करा दिया था। आपने अपनी गुप्त विद्या का अधिकतर भाग इन्हीको प्रदान किया है।

आपका जीवन एक सफल वैद्य का जीवन तो कहा ही जाएगा, वैसे धर्म-कार्यों में भी आपको अग्रसर माना जाता है। महाराजपुर में जैन मन्दिर का निर्माण आपके ही सतत् प्रयत्न का प्रमाण है। आपके नित्यकर्म में धर्म-साधना का समय भी निश्चित था। शास्त्र चर्चा, धर्म-विचार यह आपके जीवन में अनवरत बना रहा।

आपका देहावसान ७८ वर्ष की आयु में हुआ। इतनी आयु प्राप्त कर लेने पर भी आपकी वाणी में ओज और दृष्टि में प्रकाश यथावत् बना रहा। आप समाज के निर्माता तथा संरक्षकों में माने जाते हैं।

श्री जैनेन्द्रकुमारजी जैन, फिरोजाबाद

आपका जन्म महाराजपुर निवासी श्री सुन्दरलालजी जैन के परिवार में १९३६ में हुआ। आपके पिता जी का निधन आपकी बाल्यावस्था में ही हो गया था। अतः आपको शिक्षा-संग्रह के लिए मोरेना (म० प्र०) जाना पड़ा। यहाँ विशारद तक शिक्षा प्राप्त कर लेने पर आपने अंग्रेजी का अध्ययन आरम्भ किया। आपकी प्रवृत्ति शिक्षा की ओर आरम्भ काल से ही रही है। ईसरी स्थित विद्यालय में आपने शिक्षक का कार्यभार संभाल एक सुयोग्य शिक्षक होने का प्रमाण दिया है। वर्तमान में आप प्रधानाध्यापक पद पर कार्य कर रहे हैं।

आप जहाँ उत्तम अध्यापक हैं वहाँ श्रेष्ट सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। समाज-सेवी संस्थाओं में आपका योगदान बराबर बना रहता है। आप कई एक सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी हैं। आदर्श अध्यापक एवं विनम्री, समाज सेवी और चरित्रवान पुरुष हैं। आप अपने विद्यार्थियों को पुस्तक-ज्ञान के साथ साथ जीवन-ज्ञान, सामाजिक-ज्ञान एव धर्मज्ञान और मानव-ज्ञान आदि अमूल्य प्रतिभाएँ प्रदान करते रहते हैं। समाज और विद्यार्थी वर्ग में आपका पूर्ण सम्मान तथा प्रतिष्ठा है। ●

श्री पं० नरासहदासजी जैन शास्त्री, चावली

श्री शास्त्री जी का स्थान समाज के विद्वत् मण्डल में है। आप बाल्यकाल से ही समाज के उत्थान एवं निर्माण में लगे हैं। समाज का शुभ चिन्तन करते हुए उसमें धार्मिक शिक्षा का प्रसार एवं प्रचार करना, यह आपके जीवन का लक्ष्य रहा है।

आपका जन्म जिला आगरा अन्तर्गत चावली नामक ग्राम में हुआ। आरम्भ कालसे ही आपकी अभिरुचि धर्मग्रन्थों की ओर बनी रही। फलस्वरूप आपने बड़ी लगन के साथ शास्त्राध्ययन किया और एक रूप में आप जैन-धर्म के तत्ववेत्ता बनें। आपने अपने कर कमलों द्वारा अनेकों मन्दिरों में जैन-शास्त्रानुसार जिन प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा करवाई है। सहारनपुर, दुर्ग तथा देवगढ़ आदि स्थानों की सुप्रसिद्ध प्रतिमायें आप द्वारा ही प्रतिष्ठित हैं। आप की सभी क्रियायें जैन-शास्त्रानुरूप एवं जैनधर्मानुसार ही होती हैं।

आप अपने समय के ईमानदार व्यवसायी माने जाते हैं। गल्ला, कपड़ा तथा सोना और चान्दी का व्यवसाय आप कुशलता पूर्वक करते थे। व्यापार-दिशा में भी आपने अच्छी सफलता प्राप्त की है। आप व्यापार में भी धर्म को स्थान देते थे। धर्मानुरूप-व्यापार तथा उचित मुनाफा ही आपका व्यवसायी-लक्ष्य था।

आपकी सहधर्मिणी श्री फूलमालादेवी जी भी आपके अनुरूप ही धर्ममती की महिला हैं। जैन-धर्म में इनका भी पूर्ण विश्वास और निष्ठा है। आपके सुपुत्र श्री नेमीचन्द जी, श्री ताराचन्द्र जी आयुर्वेदाचार्य, श्री हेमचन्द्र एम. ए., शास्त्री, तथा श्री सुमतिचन्द जी एम. ए., पी. एच. डी., व्याकरणतीर्थ आदि सभी उच्च शिक्षा से विभूषित, धर्म संस्कारों से संस्कारित-आस्तिक विचारधारा के पूर्ण सम्मानित युवक हैं। समाज-सेवा की भावना भी आप में देखी जाती है। अतः श्री शास्त्री जी के सुसंस्कारित और शिक्षित परिवार पर समाज को गौरव एवं स्वाभिमान है। ●

स्व० श्री कस्तूरचन्दजी जैन, सारंगपुर

आपका जन्म सं० १९३६ में हुआ था। आप अपने समाज में प्रतिष्ठित व्यक्ति माने जाते थे। आपने अपने अर्थ बल से जैनधर्म का बहुत अधिक प्रचार व प्रसार कर पाये हैं। आपकी गणना मध्यप्रदेश के जैन-रत्नों में की जाती थी। आपने अपने व्यवसाय सर्राफा में अच्छी सफलता प्राप्त की थी। आपकी दुकान सत्य-प्रियता के कारण सर्वप्रिय थी। आप साधारण शिक्षित होते हुए भी महान् विचारक तथा सुसंस्कृतज्ञ थे। आपका व्यवसायिक अनुभव एवं धर्म-ज्ञान अनूठा था।

आपका स्वर्गवास सं० २००१ में हुआ। आपकी पावन स्मृति में एक धर्मशाला का स्थापन हुआ है। आपकी श्रीमती श्री कस्तूरीदेवी जी भी आपके समान ही धर्म-भावना की उदार महिला थीं। आप के एक मात्र सुपुत्र श्री दुलीचन्दजी जैन हैं। आप जीवन पर्यन्त अपने समाज को उन्नत और समृद्ध देखने का प्रयास करते रहे।

●

श्री दुलीचन्दजी जैन, सारंगपुर

मध्यप्रदेश के जाने-माने समाज सेवी एवं स्वधर्मानुरागी श्री दुलीचन्दजी का जन्म सं० १९५९ में हुआ है। आपके पिता श्री सेठ कस्तूरचन्द जी जैन सर्राफ अपने समय के ख्याति प्राप्त व्यापारी तथा ऊँचे समाज सेवी थे।

श्री दुलीचन्द जी सार्वजनिक कार्यों में बड़े उत्साह से भाग लेते हैं। सारंगपुर एवं उसके आस-पास का जैन-समाज आपको अपने सम्माननीय नेता के रूप में देखता है। आप भी अपने निजी कार्यों की अपेक्षा सार्वजनिक कार्यों को अधिक महत्व देते हैं। आपके यहाँ चान्दी-सोना एवं गल्ले का बड़े रूप में व्यापार होता है। सचाई एवं ईमानदारी आपके व्यापार की मूल नीति है। सारंगपुर में आपका अपना भव्य-भवन एवं कई एक दुकानें हैं। आपने अपने स्वर्गीय पिता श्री की स्मृति में एक धर्मशाला का निर्माण करवा प्रशंसनीय जन-सेवा की है। स्थानीय जैन-मन्दिर में दोनों ओर की वेदी की रचना करवा मूर्ति-स्थापन करवाया है। आपकी धर्म-भावना परिपुष्ट एवं अनुकरणीय है।

आप कई एक संस्थाओं के पोषक एवं पदाधिकारी भी हैं। मध्यप्रदेश तीर्थरक्षा कमेटी जिला राजगढ़ के अध्यक्ष पद पर आपको आसीन किया गया है।

आपकी धर्मपत्नी श्रीमती कुंवरबाई भी धर्मशीला एवं पति-परायण महिला हैं। आपका अतिथि-सत्कार भी प्रशंसनीय हैं। आपके भरे पूरे परिवार में सुपुत्र एवं सुपुत्रियें क्रमशः इस प्रकार हैं—श्री लाभमलजी जैन, श्री चान्दमलजी जैन, श्री निर्मल-कुमारजी जैन, श्री श्रीपालजी जैन, श्रीगुन्धरकुमारजी जैन 'श्री सुमतकुमारजी जैन एवं श्री सन्तोषकुमारजी जैन सौ० हीरामनी बाई, चान्दाबाई, पुष्पाबाई और रेखाबाई। यह सभी भाई-बहिन आपकी आज्ञा में रहते हुए स्वधर्म के प्रति पूर्ण आस्था रखते हैं।

आप बहुत ही शान्त प्रकृति के मृदुभाषी और गम्भीर विचारक हैं। आपका जीवन आनन्दित और पूर्ण सम्मानित है।

●

श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन, अवागढ़

आपका जन्म ५ जनवरी १९२० का है। आपके पितामह श्री झण्डूलालजी जैन समाज के लब्धप्रतिष्ठ पुरुष हो चुके हैं। जैन धर्म के विशेष स्तंभो में इनकी गणना होती थी। श्री ला० उलफतरायजी को आपके पिता श्री होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आप द्वारा भी स्वधर्म की सेवा तथा समाज-कल्याण के कार्य हुए हैं।

श्री राजेन्द्रकुमारजी की शिक्षा हिन्दी मिडिल तक ही हुई, किन्तु आपका शब्द-भण्डार और भाषा-ज्ञान किसी भी 'स्नातक से कम नहीं है। आपने अपने समय का अधिक भाग अध्ययन, मनन एवं ज्ञानार्जन में ही लगाया है। अतः स्वधर्म के कई ग्रन्थ आपको भली प्रकार स्मरण है। आपकी रुचि ऐतिहासिक ग्रन्थों के अध्ययन की ओर भी बराबर रही है। आपका ध्यान विद्यादान की ओर भी रहा है। अतः पाठशाला-निर्माण भी आपके सफल प्रयत्नों में से एक है। कन्या विद्यालयों एवं राष्ट्रीय स्मारकों की स्थापनाओं में आप तन-मन-धन से पूर्ण सहयोग देते रहते है।

आप शुद्ध राजनीति के उपासक हैं। कांग्रेस विचार धारा के प्रबल समर्थक एवं प्रसारक है। अवागढ़ मण्डल कांग्रेस के मन्त्री भी रहे हैं। जिला अपराध निरोध-समिति के सदस्य तथा श्री दि० जैन समिति पार्श्वनाथ-मन्दिर अटारी के भी सदस्य है। स्थानीय कन्या पाठशाला के भूतपूर्व मन्त्री भी रह चुके हैं। अवागढ़ की क्लौथ एसोसियेशन के मन्त्री पद पर भी आप रहे हैं।

आपकी श्रीमती श्री कनकमाला देवी भी आपकी भाँति ही राष्ट्रीय विचारधारा की बहुगुणा महिला हैं। तीन सुपुत्र श्री देवेन्द्रकुमार, श्री नरेन्द्रकुमार तथा श्री रवीन्द्रकुमार प्रतिभाशाली युवक हैं। कमलेशकुमारी, विमलेशकुमारी तथा राकेशकुमारी अति सुशील स्वभाव की धर्म भावना पूर्ण तीन कन्यायें हैं।

आपका परिवार सुशिक्षित तथा सुसंगठित और स्वधर्मानुयायी है। आप अपने क्षेत्र में एक कर्मठ कार्यकर्ता की सम्माननीय दृष्टि से देखे जाते हैं।

●

स्व० श्री सुरेन्द्रनाथजी "श्रीपाल" जैन, कायथा

आज से ६५ वर्ष पूर्व सन् १९०० में आपका जन्म जि० आगरा के कायथा नामक स्थान में हुआ था। परिवार वित्तीय दृष्टि से मध्यम श्रेणी का था। आपके पिता श्री विशेष शिक्षित नहीं थे। आपके हृदय में बाल्यकाल से ही शिक्षा-संग्रह की भावना जागृत हो चुकी थी केवल भावना ही नहीं आपकी प्रतिभा भी अनूठी थी। जिस समय आप हस्तिनापुर-आश्रम में पढ़ रहे थे, तो एक दिन संस्कृत श्लोक याद न होने के कारण आपको अपने अध्यापक महोदय का कोप भाजन तो बनना पड़ा ही साथ ही एक तमाचा भी खाना पड़ा। आत्मसम्मानी बालक का गौरव जाग उठा—और इन्होंने रात भर जाग कर पूरी पुस्तक को कण्ठस्थ कर डाला। प्रातः अध्यापक महोदय बालक की इस अपूर्व प्रतिभा और लगन से बहुत प्रभावित हुवे और बालक सुरेन्द्रनाथ के उज्ज्वल भविष्य की घोषणा की।

निःसन्देह जब आप केवल दो वर्ष की अल्पायु में थे आपके पिता श्री का स्नेह हाथ आप परसे सदैव के लिए उठ चुका था, किन्तु आपकी माता जी आपको पूर्ण शिक्षित तथा सुयोग्य देखना चाहती थीं—और उनके ही सद् प्रयत्नों के कारण तथा अपनी लग्नशीलता के सहारे आपने मैट्रिक तक शिक्षा बहुत शीघ्रता से सम्पूर्ण कर ली। आप अपने इस शिक्षा-क्रम को यथावत् बनाये रखना चाहते थे, किन्तु ऊँची कक्षाओं का खर्च भी ऊँचा होता है। अतः इस कठिन समस्या का समाधान करने के ही उद्देश्य से आपने रेलवे में सर्विस कर ली। सर्विस के पश्चात् भी आपका अध्ययन बराबर आरम्भ रहा। सन् १९२४ में आप बम्बई रवाना हो गए और गवर्नमेण्ट प्रेस में काम करने लगे। इस समय के बीच आपने हिन्दी की सर्वोपरी परीक्षा साहित्यरत्न एवं अंग्रेजी की इण्टर तक शिक्षा संग्रह कर ली। अब आपने अपना कुछ समय समाज-सेवा में लगाना भी आरम्भ किया और इसी भावना के कारण बम्बई के श्राविकाश्रम में विधवाओं को निःशुल्क पढ़ाते रहे।

आप डिग्रियों को कोई महत्त्व नहीं देते थे, क्रियात्मक ज्ञान को ही सच्ची शिक्षा मानते थे। इसी सिद्धान्त के आधार पर आपने इंगलिश, गुजराती, मराठी, हिन्दी, संस्कृत आदि भाषाओं का यथेष्ठ ज्ञान प्राप्त कर लिया था। कुछ समय कलकत्ता में भी आपने सम्पादन कार्य किया था।

आपने अपने जीवन में परमार्थिक भावनाओं को ही अधिक महत्त्व दिया। इसी भावना को मूर्तरूप देने के विचार से स्वयं दक्षिण के श्रवणबेलगोला स्थानों की यात्रा पर गए थे। इन स्थानों के दर्शन करने के पश्चात् आपके मन में कुछ लिखने की भावना जागृत हुई। मैसूर क्षेत्र को सभी प्रकार से अपने अनुकूल पाकर यहाँ आपने तीन पुस्तकों की रचना की और उनका प्रकाशन भी करवाया। आपके कुछ ग्रन्थों के नाम इस प्रकार हैं।

(१) Colossys of Shrvanbelgola and other Jain Shines of Decon.
(२) जैन बद्री के बाहुबली तथा दक्षिण भारत के अन्य जैन तीर्थ।
(३) चित्रमयी जैन बद्री।
(४) बाहुबली की पूजा।
(५) दक्षिण के जैन-वीर।

इस प्रकार आपने अपने संघर्षशील जीवन में बड़े परिश्रम के साथ जैन धर्म-ग्रन्थों को अपनी सेवायें समर्पित की है।

आपने साधारण आय होने पर भी अपने परिवार को शिक्षा की ओर बराबर अग्रसर रखा। आपका पूरा परिवार शिक्षित है।

मैसूर में जहाँ आप साहित्य साधना कर रहे थे सन् १९५८ में अचानक हृदय गति रुक जाने के कारण आपका स्वर्गवास होगया और समाज का एक कर्मठ कार्यकर्ता तथा साहित्यसेवी सदैव के लिए अपना स्थान रिक्त कर गया।

श्री कपूरचन्दजी जैन, "इन्दु" चिरहोली

आप स्वर्गीय श्री नन्नूमलजी जैन के सुयोग्य सुपुत्र हैं। आपका जन्म सन् १९१५ में आपके अपने ग्राम चिरहोली में हुआ था। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा चिरहोली, एत्मादपुर तथा आगरा में हुई है। आपने हाई स्कूल तक शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् प्रयाग विश्व विद्यालय से हिन्दी की विशेष योग्यता "हिन्दी कोविद" प्राप्त की। आप अपने समय के मेधावी छात्रों में रहे हैं। आपने सभी परीक्षाएँ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की हैं। आपकी रुचि प्रारम्भ से ही साहित्य की ओर रही है। आप में कवित्व शक्ति भी प्रशंसनीय है। 'इन्दु जैन' नाम से आपकी कविताएँ समय-समय पर प्रकाशित होती रहती हैं।

आपने एत्मादपुर में अपने पिताजी के नाम पर 'नन्नूमल स्कूल' की स्थापना कर उसका सफल संचालन किया है। वर्तमान में आप जिले के नज़ुल पर्यवेक्षक व सर्वेयर सरकारी पद पर कार्य करते हैं।

धार्मिक एवं सामाजिक कार्य में भी आपका सहयोग रहता है। इस समय आप एत्मादपुर जैन-समाज के उपमन्त्री तथा जैन युवक परिषद तथा जैन सेवा-संघ के भी पदाधिकारी हैं।

आध्यात्मिक स्वाध्याय में आपकी विशेष रुचि है। सार्वजनिक साहित्य के साथ जैन शास्त्रों का अध्ययन भी अच्छा है। समाज के सार्वजनिक कार्यकर्ता एवं साहित्यिकों में आपका नाम आदर के साथ लिया जाता है।

●

स्व० श्री जगदीशप्रसादजी जैन, अहारन

आपके पिता श्री छुट्टनलालजी जैन भी समाज के जाने-माने व्यक्ति थे। श्री जगदीश-प्रसाद जी का जन्म सन १८९८ में सहारनपुर नगर में हुआ था। आप बचपन से ही बड़े परिश्रमी तथा लग्नशील प्रकृति के महानुभाव थे। सन् १९१४ में आप १० रुपये मासिक पर रेलवे में भर्ती हुए थे और अपनी मेहनत तथा ईमानदारी के कारण स्टेशन मास्टर के पद तक पहुँचे। अधिक श्रम करने के कारण आपको क्षय रोग ने घेर लिया था और ४३ वर्ष की अल्पायु में ही आपका स्वर्गवास हो गया।

आप धार्मिक प्रकृति के व्यक्ति थे। आपने सपरिवार प्रायः सभी तीर्थों की वन्दना की है। आप शिक्षाप्रेमी भी थे। सन् १९२३ में टूण्डला में जैन पाठशाला के निर्माण में आपने पूर्ण सहयोग दिया था। आप समाज सुधारक भी थे। आप अपने पुत्र एवं पुत्रियों तथा भगिनी के विवाह और अपनी धर्मपत्नी के निधन के समय विशेष आडम्बर न कर सुधार पूर्ण कार्य तथा साधारण कार्य-क्रम रखे। आप समाज-सेवा के कार्य में सदैव उत्साह से भाग लेते थे। मृत्यु के समय आपने १००१ रुपया श्री महावीर जी के लिए दान किया

था। आपके प्रेमी एवं विशेष स्नेहियों में श्री पाण्डे लालचन्द जी शिकोहाबाद निवासी का नाम आता है। श्री पाण्डे जी तीर्थ-यात्रा आदि के समय आपके साथ ही जाते थे। सम्मेद-शिखर जी के पंचकल्याण के मेले (सन् १९२७ ई०) के समय आप डाकगाड़ी में गार्ड की जगह पर नियुक्त थे। अतः आपने मेले में आने-जानेवाले तीर्थयात्रियों की प्रशंसनीय एवं चिरस्मरणीय सेवा की थी। आप पहले हिन्दुस्तानी थे, जिनको रेलवे अधिकारियों ने डाक-गाड़ी में गार्ड की जगह पर नियुक्त किया था।

आपके तीन सुपुत्र श्री रघुवीरप्रसादजी टी० टी० ई० टूण्डला, श्री परमेश्वरीप्रसाद जी वैलफेयर इन्सपेक्टर अलीगढ़ तथा श्री सोमप्रकाश जी एम० ए० वाईस प्रिन्सिपल जैन कालेज ईसरी में हैं। यह तीनों सज्जन अपने पिता तुल्य उदार एवं सेवा वृत्ति के हैं।

●

श्री पं० छोटेलालजी जैन शास्त्री, मन्दसौर जनकपुरा

आप मालवा (मध्य प्रान्त) के अन्तर्गत मंदसौर जनकपुरा ग्राम के निवासी हैं। आप मूल निवासी उडेसर जिला मैनपुरी के हैं, किन्तु मन्दसौर के जनकपुरा में बहुत वर्षों से रह रहे हैं। इस क्षेत्र में आपको अति सम्मान से देखा जाता है। सत्य शब्दों में यह स्थान आपका सेवा प्रधान स्थान रहा है। इस इलाके की गरीब जनता आपको अपने रक्षक एवं प्रमुख सहयोगी के रूप में देखती है। "श्री ठोस जीवन औषधालय" के आप प्रतिष्ठापक एवं संचालक हैं।

सामाजिक कार्यों में भी आप बड़े उत्साह के साथ भाग लेते रहते है। वर्तमान में आप लगभग ६५ वर्ष के वयोवृद्ध होने के पश्चात् भी सामाजिक संगठन एवं समाज सेवा के कार्य में बड़े उत्साह के साथ भाग लेते हैं। आप जितने सफल चिकित्सक हैं। उतने ही अपने धर्म के प्रति श्रद्धालु भी हैं। आप निर्लोभ प्रवृत्ति के सेवाभावी महानुभाव हैं। आप शास्त्री, वैद्यभूषण, आयुर्वेदाचार्य, आयुर्वेद बाचस्पति आदि श्रेष्ठ उपाधियों से विभूषित हैं। समाज के प्रमुख व्यक्तियों में आपका नाम ससम्मान लिया जाता है।

●

श्री देवचन्दजी जैन एम. ए., सा. विशारद, इन्दौर

आपका जन्म उत्तर प्रदेश के जिला मैनपुरी के ग्राम रीवाँ में सन् १९२२ की २४ जनवरी को हुआ। आपकी शिक्षा एस० आर० सी० बी० हाईस्कूल फिरोजाबाद, त्रिलोकचन्द जैन हाईस्कूल इन्दौर और क्रिश्चियन कालेज इन्दौर में हुई। उसके बाद एम० ए० समाज शास्त्र विक्रम विश्व विद्यालय से द्वितीय श्रेणी में पास किया। छात्रावस्था में आप वालीबाल, फुटबाल और हाकी के कुशल खेलाड़ियों में रहे हैं। बोर्डिंग हाउस और कालेज की टीमों के आप कैप्टन भी रहे हैं। सन् १९४४ से ४६ तक लगवहार इन्दौर क्रिश्चियन कालेज में अपनी कक्षा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

आपकी धर्मपत्नी का नाम सुशीला बाई विदुषी है। पिता का नाम बद्रीप्रसादजी जैन है। इन्होंने आठवीं तक शिक्षा प्राप्त की है। आगरा जिला के गोहिला नामक ग्राम में सन् १९३२ को इनका जन्म हुआ। आप इन्दौर नगर कांग्रेस कमेटी की सक्रिय सदस्या हैं तथा महिला कांग्रेस इन्दौर, दि० इन्दौर स्वदेशी कोआपरेटिव स्टोर्स लि० इन्दौर, तीर्थ क्षेत्र कमेटी इन्दौर नगर आदि संस्थाओं की कार्यकारिणी की सदस्या हैं।

देवचन्दजी सर्व प्रथम जीवन यात्रा क्षेत्र में क्लर्क के रूप में उतरे। अपनी योग्यता और क्षमता के आधार पर दि कल्याणमल मिल्स लि० इन्दौर के श्रम कल्याण अधिकारी के पद पर आज कार्य कर रहे हैं। आपकी तीन पुत्रियाँ क्रमशः १४, १२ और १० वर्ष की हैं। दो कक्षा ८वीं में अध्ययनरत हैं। आप सन् १९४९ से लेकर ६४ तक मंडल कांग्रेस के मन्त्री और अध्यक्ष के पद पर रहे। सन् ६५ में कांग्रेस टिकट से इन्दौर नगरपालिका के पार्षद चुने गये। आप कांग्रेस के सक्रिय सदस्योंमें हैं।

●

स्व० श्री पं० रामप्रसादजी जैन शास्त्री, बम्बई

आपका जन्म आगरा जिला के जटौआ ग्राम में सुगन्ध दशमी को सन् १८८९ ई० में श्री लाला चुन्नीलालजी के यहाँ हुआ था। आप अपने पिता के तृतीय पुत्र थे। आपका प्रारम्भिक अध्ययन अहारन में हुआ और बाद में मथुरा तथा खुर्जा में। बाद में आप बम्बई गये और अध्ययन के बाद आढ़त एवं दलाली का कार्य आरम्भ किया। इसी समय आपका विवाह चावली निवासी श्री लाला रामलालजी की सर्वगुणसम्पन्ना सुपुत्री सुश्री देवी से सन् १९१२ में हुआ। आपने अपने अनुज श्री गजाधरलाल को बनारस से न्यायतीर्थ परीक्षा पास कराई। बादको वह कलकत्ता आये और मकरध्वज पराजय, हरिवंश पुराण का अनुवाद तथा राजवार्तिक का सम्पादन बड़ी योग्यता से किया। दोनों भाइयों में बड़ा स्नेह था। पं० रामप्रसादजी शास्त्री के एक पुत्री और पुत्र ही हुए।

बम्बई के आढ़त के कार्य में सफलता नहीं मिली, तो आपने श्री चन्द्रप्रभ दि० जैन पाठशाला भूलेश्वर (बम्बई) में अध्यापन का कार्य किया। बाद में श्री १०८ ऐलक पन्नालाल दि० जैन सरस्वती भवन में व्यवस्थापक का कार्य अन्त समय तक करते रहे। यहाँ आपने नियमित रूप से अध्ययन किया। कवि गुण आप में पूर्ण रूप से थे। संस्कृत के विदेह क्षेत्रविंशति तीर्थंकर पूजा की रचना आपकी कवित्व श्रेष्ठता का प्रमाण है। चौबीस भगवान की स्तुति ४८ विभिन्न श्लोकों में रचने का आपने संकल्प किया, जिसमें १२, १४ भगवानों की स्तुति दुगुने छन्दों में की, सो भी बम्बई छोड़ते समय कहीं गुम हो गई। धार्मिक विषयों पर निरन्तर लेख भी लिखते रहे।

धवल ग्रन्थ में 'संजद' शब्द भूल से दो बार प्रयुक्त कर गये, इसके लिए आपको बहुत ही क्लेशित होना पड़ा। बड़े-बड़े विद्वानों की गोष्ठियाँ भी कीं पर कोई निर्णय आपको रुचा नहीं। धवल ग्रन्थ का ताम्रपत्र पर छपाई का कार्य चल रहा था। संजद शब्द के निर्णय के लिए आप चरित्र चक्रवर्ती श्री १०८ आचार्य श्री शान्तिसागरजी महाराज के पास गये। किन्तु उन्होंने इसे विद्वानों का विषय कहकर टाल दिया। दुबारा संजद शब्द के व्यवहार से आपको भय था कि इससे समाज का अनिष्ट होगा। अन्त में वह शब्द ताम्रपत्र से निकाला ही गया। बम्बई के दि० जैन समाज की आपने बड़ी सेवा की। आपके अनुज श्री गजाधरलाल जी शास्त्री न्यायतीर्थ कलकत्ता की मृत्यु सन् १९३९ में बम्बई में हो गई। यह आघात आप न सह सके और हृद् रोग से पीड़ित हो गये।

वीर शासन जयन्ती के अवसर पर आप कलकत्ता पधारे थे। श्री सम्मेदशिखर की वन्दना करते हुए वापिसी के समय अचानक ही बनारस में बीमार पड़ गए। चिकित्सा के हेतु फिरोजाबाद अपने भाई श्री मुन्नीलालजी वैद्य के पास गये। रोग का उचित निदान न हो सकने के कारण आप पुनः बम्बई चले गये। वहाँ आपकी पथरी का आपरेशन डाक्टरों द्वारा किया गया। उसमें उन्हें सफलता मिली। किन्तु हृद्रोग की ओर उन्होंने उचित ध्यान नहीं दिया। रोग का भीषण आक्रमण चैत्र बदी ३० सं १९४८ को हुआ। कई डाक्टरों की उपस्थिति में एक योगी की तरह अन्तिम समय तक सचेष्ट नमस्कार मंत्र का जप करते हुए चैत सुदी २ सं० १९४८ को आपने इस नश्वर शरीर का त्याग किया।

●

श्री लाला गौरीशंकरजी जैन, फिरोजाबाद

आप अपने क्षेत्र में लाला जी के नाम से प्रसिद्ध हैं। आपका पूरा नाम लाला गौरीशंकरजी जैन है। लाला जी आगरा जिलान्तर्गत कुतकपुर ग्राम के निवासी हैं और आजकल फिरोजाबाद में प्रवास कर रहे हैं। वर्तमान समय में आपकी आयु ७५ वर्ष की है। आपका विवाह राजाताल (आगरा) निवासी लाला तिकौड़ीमल जी की बहन से हुआ था जो कि सन् १९६० ई० में स्वर्गवासिनी हो चुकी हैं। यह एक अत्यन्त धर्मशील महिला थीं और अपने धर्म पर अटूट श्रद्धा और भक्ति रखती थीं। वह एक बार परम तीर्थ श्री महावीर जी भी गईं थीं। जप करते समय आपको किसी आकस्मिक भय का आघात लगा और वही आपकी ऐहिक लीला संवरण का कारण बना।

लालाजी के आठ बच्चे हुए जिनमें पाँच तो अल्पायु में ही कालकवलित हो गए थे। २० वर्ष पूर्व लाला जी के १६ वर्षीय पुत्र प्रकाशबाबू की मृत्यु हो गयी। इनके विवाह की पूरी तैयारी हो चुकी थी। लगन के ही दिन इनका स्वर्गवास हो गया था। अभी यह घाव भर भी न पाया था कि लाला जी के दूसरे पुत्र श्री अलख जी का भी स्वर्गवास हो गया। इनकी आयु इस समय ३२ वर्ष की थी। अलख जी के ४ अबोध बच्चे हैं, जिनमें तीन लड़की और एक लड़का है। भगवान को सारा मानव-वर्ग इस बात का उलाहना दे रहा है कि इतना बड़ा परिवार देकर पालन करनेवाले को युवावस्था में उठा लिया। अब वृद्ध पिता, अबोध बालक और युवा स्त्री का अवलम्बन कौन बनेगा ?

लाला जी का धैर्य, कर्मशीलता और अनुभव हम सबको सबक सिखा रहा है कि धैर्य से महान् से महान् विपत्ति नितान्त लघु बन जाती है। लाला जी इतनी बड़ी अवस्था में भी १२ घण्टे परिश्रम करते हैं। वह अपनी कर्मशीलता के कारण इतने बड़े परिवार का बड़े अच्छे ढंग से पालन कर रहे हैं। आपकी धर्मनिष्ठा भी स्तुत्य है। धर्म की बहुत-सी पूजायें आपको कंठस्थ हैं और प्रातः ब्रह्ममुहूर्त में आप इनका पाठ करते हैं। लाला जी आयुर्वेद शास्त्र के भी ज्ञाता हैं और आपको एतद्विषयक अच्छा अनुभव भी है। विपत्तियाँ मनुष्य को बनाती हैं; यह कहावत लाला जी के जीवन में अक्षरशः घटित होती है।

●

श्री भगवानस्वरूपजी जैन, टूण्डला

आपका जन्म जनवरी १९०१ में हुआ है। आप बाल्यावस्था से ही सजग मस्तिष्क थे। हिन्दी तथा इंगलिश में अच्छी योग्यता प्राप्त कर जब आपने कार्य क्षेत्र में पदार्पण किया, तो सफलता ने चारों ओर आपका स्वागत किया। आपमें व्यापारिक निपुणता के साथ-साथ नेतृत्व चतुरता भी प्रचुर मात्रा में थी। फलस्वरूप जनता ने आपकी सुयोग्यता से प्रभावित होकर आपके हाथों में नेतृत्व सौंपा और आपको टाउनएरिया टूण्डला का

चेयरमैन बनाया गया। इस पद पर रहते हुए आपने बड़ी निपुणता का परिचय दिया। आपमें समाज-सेवा एवं नगर-उत्थान की दृढ़ भावनाएँ भरी हुई हैं। आपकी दूरदर्शिता एवं कल्पना शक्ति अत्यन्त प्रशंसनीय है।

आप स्थानीय श्री महावीर विद्यालय के अध्यक्ष एवं नागरिक जूनियर हाई स्कूल के कोषाध्यक्ष और कई एक संस्थाओं के मान्य पदाधिकारी हैं। मानव-मात्र की निःस्वार्थ सेवा-भावना को लेकर आपने एक धर्मशाला का निर्माण भी करवाया है।

आप स्वजाति जनों की सेवा करने के लिए सदैव प्रस्तुत रहते हैं। आपको सामाजिक कार्यों में बड़ा आनन्द आता है।

आपको प्रत्येक व्यक्ति अपना निजी शुभचिन्तक मानता है। आपके मधुर एवं नम्र स्वभाव ने समाज में अपना विशेष स्थान बनाया है। दीन दुःखी प्राणी आपको अपने सहायक के रूप में देखते हैं। मानव-मात्र की निःस्वार्थ सेवा ही आपके पवित्र जीवन का उद्देश्य बना हुआ है। वर्तमान में भी आप उपरोक्त चेयरमैन पद पर प्रतिष्ठित हैं। आपका स्थान समाज के नायकों में है।

●

श्री केशवदेवजी जैन, कायथा

श्री केशवदेवजी सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री लाहोरीमलजी जैन के सुपुत्र हैं। आप आरम्भकाल से ही राष्ट्रीय विचारधारा के रहे हैं। सन् ३०-३२ के आन्दोलनों में आपने प्रमुख रूप से भाग लिया था। स्वतन्त्रता संग्राम के वीर सैनिकों में आपका नाम श्रद्धा सहित लिया जाता है। आपने अपनी बुद्धिमत्ता से जेल से बाहर रहकर देश की आजादी की लड़ाई में भारी योग दिया है।

आप ग्रामसभा कायथा के प्रधान रह चुके हैं। आपने अपने प्रधानत्व काल में ग्राम की आशातीत उन्नति की है। आपने जनमार्गों पर १४ पुलियों का निर्माण कराया, स्कूल एवं पंचायत-भवन तथा बाग आदि का स्थापन कराया। आपने ग्रामोन्नति के लिए विभिन्न योजनाओं को कार्यान्वित किया, फलस्वरूप आपके छोटे से ग्राम कायथा ने अन्य ग्रामों से शीघ्र उन्नति की है।

आपके ग्राम से लगभग दो मिल की दूरी पर सुप्रसिद्ध जैन क्षेत्र श्री दि० जैन अतिशय क्षेत्र मरसलगंज है। इस क्षेत्र की सेवा आप आरम्भ से ही करते आ रहे हैं। क्षेत्र के सम्बन्ध में आपकी योजनायें बड़ी महत्वपूर्ण होती हैं और उनपर कार्य भी किया जाता रहा है। आपने संस्कृत-विद्यालय की योजना के लिए एक हजार रुपये देने की घोषणा की है।

सामाजिक कार्यों में आप तन-मन-धन से सहयोग देते रहते हैं। समाज में आपको उत्तम सलाहकार तथा दूरदर्शी विचारक के रूप में देखा जाता है।

●

श्री जगरूपसहायजी जैन, फिरोजाबाद

आपका जन्म अमरगढ़ जिला एटा में हुआ। आप के पिता श्री बोहरेलाल जी जैन समाज के सुप्रसिद्ध कार्यकर्ता थे। आपके द्वारा समाज की अच्छी सेवा हुई है।

श्री जगरूपसहायजी का स्थायी निवास स्थान फिरोजाबाद है। यहीं सुप्रसिद्ध संस्था पी० डी० जैन इण्टर कालेज में अंग्रेजी प्रवक्ता के पदपर कार्य करते हैं। आप केवल उत्तम शिक्षक ही नहीं हैं बल्कि सफल लेखक और आदर्श साहित्य-निर्माता भी हैं। आप कई संस्थाओं के सुयोग्य पदाधिकारी भी रहे हैं। १९४७-४८ में वीरसमिति उज्जैन के मन्त्री तथा वर्धमान जैन मण्डल नसिया इन्दौर के मन्त्री भी रहे हैं। विद्या-भवन इण्टर कालेज सासनी की कालेज-पत्रिका का सम्पादन भी आप द्वारा हुआ है। पी० डी० जैन इण्टर कालेज फिरोजाबाद की कालेज-पत्रिका का सम्पादन भी आप ने किया है। स्थानीय पद्मावती पुरवाल जैन पंचायत शाखा बड़ा मुहल्ला के मन्त्री के रूप में आप सेवा लाभ ले रहे हैं। आप बाल्यकाल से ही सेवाभावी रहे हैं। आप समाज के विद्वानों में अपना स्थान रखते हैं। आपके द्वारा शिक्षा-क्षेत्र में नवीन प्रयोग किये गये हैं। शिक्षा-प्रसार एवं इसकी उपयोगिता के सम्बन्ध में आपके लेख प्रकाशित होते रहते हैं। समाज की उन्नति के प्रति भी आप प्रयत्नशील रहते हुए रचनात्मक कार्यों में जुटे रहते हैं। आपकी मिलनसारिता तथा उदार वृत्ति अत्यन्त प्रशंसनीय तथा अनुकरणीय है। समाज को आपसे भारी आशायें हैं।

●

श्री नरेन्द्रप्रकाशजी जैन, फिरोजाबाद

आप श्रीपण्डित रामस्वरूप जी जैन शास्त्री के सुपुत्र हैं। आप एम० ए० एल० टी० की उच्च शिक्षा से विभूषित हैं। आप अपने समय के मेधावी छात्रों में माने जाते थे। आपकी रुचि प्रारम्भ से ही शिक्षा-संग्रह की ओर रही है। शिक्षा-समाप्त कर आपने कार्य क्षेत्र में प्रवेश किया, अपने प्रभाव तथा सुयोग्यता और मिलन सारिता के कारण आपको स्थान पाने में कठिनाई नहीं हुई। वर्तमान में आप श्री पी० डी० जैन इण्टर कालेज में हिन्दी-प्रवक्ता के पदपर कार्य कर रहे हैं। आपका झुकाव हिन्दी साहित्य की समृद्धि की ओर बराबर रहता है। आपने नूतन व्याकरण प्रदीप, रचना-रश्मि, हिन्दी दिग्दर्शन, हिन्दी रचना कल्पद्रुम, आचार्य विमल-सागर परिचय आदि पुस्तकों का सम्पादन तथा प्रकाशन किया है। आप द्वारा प्रकाशित साहित्य उत्तम, उपयोगी और सरल है। लेखनी पर आपका पूर्ण अधिकार है। आपकी गणना अच्छे साहित्यकरों में की जाती है। आपके सामायिक विषयों पर उपयोगी लेख प्रकाशित होते रहते हैं। हिन्दी भाषा के अनन्य सेवकों में आपका आदरणीय स्थान रहा है।

आप १९५२ में अ० भा० छात्र-परिषद् की स्थानीय शाखा के प्रधान तथा एस० आर० के० कालेज के छात्र-संघ के अध्यक्ष रहे हैं। १९५५ में श्री महावीर जयन्ती सभा के अध्यक्ष बनें। गत दस वर्षों से कालेज पत्रिका का सम्पादन करते हुए आरहे हैं। अ० भा० जैन परिषद् परीक्षा-बोर्ड द्वारा प्रकाश्य जैन शिक्षा संस्थाओं की डायरेक्टरी का सम्पादन भी आप द्वारा ही सम्पूर्ण हुआ है। स्थानीय श्री पद्मावती पुरवाल जैन पंचायत के मन्त्री पद पर रहते हुए समाज-सेवा का पुन्यार्जन करते आ रहे हैं। आप द्वारा की गई समाज-सेवा सदैव स्मरणीय बनी रहेगी।

●

स्व० श्री श्यामस्वरूपजी जैन, इन्दौर

आप श्री बाबूराम जी जैन के सुपुत्र थे। आपके सुपरिवार द्वारा समाज की महती सेवायें हुई हैं। श्री शोभाचन्द जी जैन श्री श्रीचन्द जी जैन, श्री चम्पाराम जी जैन आदि प्रसिद्ध विभूतियाँ इसी वंश में उत्पन्न हुई थीं।

आपकी जन्म भूमि एटा नगर है। अपका लालन-पालन बड़े ही रईसाना ढंग से हुआ था। आपकी शिक्षा इण्टरमिडिएट तक थी। आप केवल किताबी शिक्षा के ही विद्यार्थी नहीं थे, अपितु व्यावहारिक ज्ञान के भी पण्डित थे। आपका मधुर स्वभाव एवं दयाभाव सभीको अपनी ओर आकर्षित करनेवाला गुण था। आप स्वधर्म के प्रति पूर्ण आस्थावान तथा उसके कट्टर अनुयायियों में से थे। अनेकों आध्यात्मिक पद आपको कण्ठस्थ थे। अपने धर्म की सभी मर्यादाओं का नियमबद्ध पालन करना आपका पवित्र संकल्प था।

समाज-सेवा के प्रति आप सदैव जागरूक रहते थे। श्री दि० जैन पद्मावती पुरवाल संघ इंदौर के सभापति पद से आप द्वारा स्वजाति की अनुपम सेवायें हो चुकी हैं। आप कई संस्थाओं के पदाधिकारी तथा सदस्य थे। आपके सहयोग से अनेकों संस्थाओं ने आशातीत उन्नति की है। सामाजिक कार्यों में आपका उत्साह सदैव नवीन रहता था। आप अपनी पुस्तकों की दुकान से समय निकाल कर समाज-सेवा में भाग लेते रहते थे। आपका स्व० सन १९६० में हो गया।

आपकी श्रीमती प्रकाशवती जैन भी आपके अनुरूप ही उदार स्वभाव की महिला है। आप अतिथि-सत्कार अपना परमधर्म मानती रही हैं। आपके सुपुत्र श्री रमेशकान्त जैन बी० ए०, श्री महेशकान्त जैन एवं सुशीला एम० ए०, बेबी, मुन्नी आदि सभी शिक्षाप्रिय एवं शुद्ध सात्विक जीवन के परिजन हैं। सभी आपकी भाँति सन्तोषी, सेवाभावी मिलनसार तथा परिश्रमी हैं।

●

स्व० श्री बाबूलालजी जैन, कोटकी

आपका जन्म सन् १८८२ ई० में हुआ था। आपके पिताश्री का नाम था श्री रामप्रसादजी जैन। आपकी जन्मभूमि जिला आगरा अन्तर्गत कोटकी है। आपकी शिक्षा-साधारण रूप में हुई थी। आपका झुकाव धर्म की ओर विशेष था। अतः बाल्यावस्था से ही आप धर्मग्रन्थों का अध्ययन करने लगे थे। आपका धर्मज्ञान इतना गहन और पुष्ट हो गया था कि बड़े-बड़े विद्वान् लोग आपकी बात को समझने की चेष्टा करते थे। आपने न्यायतीर्थ एवं शास्त्री पाठ्यक्रम का अध्ययन विधिवत् किया था।

आपके यहाँ सर्राफा तथा जमींदारी का प्रमुख व्यवसाय था। आप सच्चे व्यापारी तथा ईमानदार व्यवसायी थे। आपका विश्वास दान प्रणाली में विशेष था। अतः आपने भारी मात्रा में गुप्तदान किया है। आप गद्दी पर शास्त्र प्रवचन करते थे। "जैन-तिथि दर्पण" के प्रकाशन की नींव डाली, जो अवागढ़ में आज भी विकसित अवस्था में चली आ रही है। कोटकी में आपने रथयात्रा कराकर धर्म-प्रचार में भारी योग दिया है। आप श्री वीर जयन्ती-उत्सव के प्रेसीडेन्ट भी रहे। आपने अपने जीवन में प्रमुख तीर्थों की यात्रायें भी की थी। श्रीमान् राजा साहेब के सत्संग की अध्यक्षता आप ही किया करते थे। इस पद पर आप द्वारा अहिंसा का विस्तृत रूप से प्रचार हुआ है। एक रूप में आप जैनधर्म के कर्मठ प्रचारक तथा उत्तम प्रसारक थे।

अक्टूबर १९४२ ई० में अवागढ़ में आपका देहावसान हो गया। आपके निधन का शोक सारे ही समाज को सन्ताप देने वाला था। अतः समाज का प्रत्येक बालक आपके वियोग में शोक-सन्तप्त होगया था।

आपकी श्रीमती बिटोला देवी जैन भी धर्मबुद्धि की महिला थीं। आपके सुपुत्र श्री कमलकुमार जी जैन भी आपकी भाँति ही धर्म एवं समाज-सेवी भावना के मिलनसार सुधारवादी महानुभाव हैं।

●

स्व० श्री गुलजारीलालजी जैन, कोटकी

आपके पिताजी का नाम श्री रामप्रसादजी जैन था। आपका जन्म कोटकी में सन् १८८४ में हुआ था। आप धर्मशास्त्रों में रुचि रखते थे। आपने अपनी ज्ञानवृद्धि के लिए बहुत से ग्रन्थों का अध्ययन किया था।

आपको रथ-यात्रा करवाने का बहुत शौक था। आपने एक विशाल धर्मशाला का निर्माण भी कराया है। यह धर्मशाला बहुत ही सुविधा पूर्ण एवं साधन-सम्पन्न है। आपने इस धर्मशाला के साथ कुछ जमीन भी लगा दी है। ५०) सालाना स्थाई रूप से कोटकी-दिगम्बर जैन मन्दिरजी को वहीं के आम के बाग की आमदनी से दान दिया जाता है।

आप बड़े ही दयालु स्वभाव के दूसरों की विपति में काम आनेवाले सेवा-भावी महानुभाव थे। आप कांग्रेस के भी सक्रिय सदस्य थे। आपको कई बार मुखिया बनाया गया, किन्तु आपने त्याग-पत्र दे दिया।

आपको तीर्थयात्रा का बड़ा शौक था। सम्मेदशिखरजी की यात्रा आपने कई बार की थी। जैनबद्री तथा मूडबद्री की यात्रा भी आपने की थी।

आगस्त सन् १९५१ में अवागढ़ में आपका स्वर्गवास हो गया। आपके देहावसान से समस्त समाज को एक अभाव-सा प्रतीत हुआ।

आपकी श्रमती श्रीदेवी जैन भी सुन्दर विचार धारा युक्त महिलारत्न थी। इनके विचार सदैव आपके अनुकूल रहे। आपके कमलकुमार, श्रवणकुमार, धन्यकुमार, प्रद्युम्न-कुमार तथा नन्नीदेवी और ज्ञानदेवी आदि सुपुत्र एवं सुपुत्रियाँ हैं। यह सब पूर्ण रूप से स्वधर्मानुयायी हैं।

●

स्व० श्री रामस्वरूपजी जैन, कोटकी

आप स्वर्गीय श्री सुखलालजी जैन के सुपुत्र थे। आपका जन्म सन् १८५६ में हुआ था। आपकी शिक्षा केवल चार कक्षा तक ही हुई थी, किन्तु आपका धर्म-ज्ञान एक विद्वान् के तुल्य था। आपके धर्म सम्बन्धी उपदेशों से तथा साहित्य प्रसार से समाज को महान् लाभ हुआ है। धर्म के विषय में आपकी जानकारी असीम थी। आपने कोटकी के मन्दिरजी में एक प्रतिमा विराजमान कराने में सबसे अधिक योग दिया था। आप बैलगाड़ियों द्वारा श्री सिद्धक्षेत्र सम्मेदशिखरजी की संघ ले गये जो छ मास में वापिस आया। वहीं पहुँचकर रथ-यात्रा महोत्सव कराया तथा प्रीतिभोज भी दिया था। आपको यात्रिओं में बड़ा आनन्द मिलता था। यात्रा में आपके साथ पूरा संघ चलता था। आप तीर्थ स्थानों में पूरे नियम एवं मर्यादाओं का पालन करते थे। आपकी प्रत्येक तीर्थयात्रा धर्म-प्रचार का सुअवसर होती थी।

आप डिस्ट्रिक बोर्ड आगरा के सदस्य भी थे। आपको एक बार मुखिया भी चुना गया, किन्तु आपने शीघ्र ही त्यागपत्र दे दिया। आपके द्वारा धर्म-सेवा के साथ ही साथ समाज-सेवा भी हो चुकी है। समाज का उत्थान एवं निर्माण यही विषय आपको सर्वभावेन प्रसन्न रखता था। आपने बचपन में ही नियमित पूजन स्वाध्याय अपना लिया था। आपने जैनबिद्री, मूडबिद्री की यात्रायें भी की थीं। आप धार्मिक स्वभाव युक्त धनधान्य पूर्ण जीवन के समाज के आदर्श रत्न थे।

जून १९४१ में आपका स्वर्गवास हो गया। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती लाडोदेवी भी आपके साथ प्रत्येक तीर्थ पर जाती थीं। यह धार्मिक स्वभाव की सुलक्षणा महिला थी। श्री बाबूलालजी, श्री गुलजारीलालजी, श्री मुन्शीलालजी आपके तीनों ही पुत्र समाज के अग्रगण्य पुरुष माने जाते हैं।

●

श्री रामस्वरूपजी जैन, एत्मादपुर

आपका जन्म सम्वत् १९७२ में हिम्मतपुर में हुआ। आपके पिता जी का नाम श्री हुण्डीलालजी जैन है। जब आप लगभग ८ वर्ष के थे उस समय आपके पिताजी का स्वर्गवास हो गया था। आपका शिक्षा क्रम यथावत् आरम्भ रहा। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा हिम्मतपुर में हुई और इसके पश्चात् ब्यावर आदि स्थानों से विशारद तक शिक्षा का संग्रह किया। अध्ययन समाप्त कर आपने गाँव में ही व्यापारिक कार्य किया। कुछ समय पश्चात् आप गुड़ और चावल के थोक व्यापारियों में गिने जाने लगे। बाद में पीतल के बरतन व हार्ड-वेयर का कार्य आरम्भ किया और यह कार्य अभी भी अच्छे पैमाने पर चल रहा है।

आरम्भ काल से ही आप सामाजिक व राजनैतिक कार्यों में रुचि लेते आ रहे हैं। एत्माद-पुर में जैन युवक परिषद का संगठन कर सामाजिक व धार्मिक कार्यों में योग देते रहे और इसके सभापति पद को संभाले इसका सफल संचालन करते रहे। आप सदैव राष्ट्रीय विचार-धारा को अपनाते रहे हैं। स्वतन्त्रता के पश्चात् कांग्रेस से आपका सैद्धान्तिक मतभेद होगया और आपने जनसंघ की सदस्यता ग्रहण करली। इसके साथ ही आप जनता विद्यालय एत्मादपुर के कोषाध्यक्ष तथा नगर-कल्याण समिति के कोषाध्यक्ष और पशुवध निषेध समितिके प्रधान हैं। स्थानीय श्मशान घाट पर बरसात से रक्षा के लिए सार्वजनिक हितार्थ अपने अर्थ से एक बिल्डिंग बनवाई है। अपनी जन्म भूमि में एक कन्या पाठशाला के निर्माण का संकल्प भी है। पूजन से शान्ति प्राप्त करने के लिये आपने दो हजार की लागत से विशाल पार्श्वनाथ जी की प्रतिमा एत्मादपुर के पंचायती मन्दिर में स्थापित करवाई है।

इधर तीन साल से जब से आपको एक मात्र पुत्र का शोक सहन करना पड़ा है, तब से आप धर्म की ओर और भी अधिक लगन से बढ़े है। आपकी धर्मपत्नी का पुत्र शोक में स्वर्गवास हो गया। अतः आप समाज के विरक्त पुरुषों में से एक हैं। आपका विचार उच्च एवं धार्मिकता से परिपूर्ण है। सभी के प्रति आपके हृदय में प्रेम भाव बना रहता है। सत्य शब्द और शुद्ध वाणी आपका आभूषण है। आप त्याग वृत्ति के उत्तम जाति रत्न हैं।

डॉ० महावीरप्रसादजी जैन, मेरठ

आयुर्वेदाचार्य डॉ० महावीरप्रसाद जैन, संचालक सुखदा फार्मेसी सदर मेरठ का जन्म चरित्रचक्रचूड़ामणि श्री १०८ महावीरकीर्तिजी महाराज वालों के यहाँ मेवाड़ प्रान्तस्थ ऋषभदेव श्री केसरिया जी में हुआ।

यह वाल्यकाल से ही विद्याव्यसनी बालक थे। दो-दो कक्षाओं की एक साथ ही परीक्षायें देते हुए थोड़े समय में ही वाराणसी से संस्कृत प्रथमा, मैट्रिक, एम० ए० और आयुर्वेदाचार्य, बी० आई० एम० एस० आदि परीक्षाएं मेरठ, पीलीभीत, हरिद्वार और लखनऊ आदि स्थानों से उच्च श्रेणी में पास की और गवर्नमेन्ट रजिस्टर्ड होकर सुखदा फार्मेसी की स्थापना की। इस प्रतिष्ठान द्वारा आप जनता को लागत मूल्य पर औषधियां देकर लोक सेवा करते आ रहे हैं।

आप साधु, सन्त, महात्माओं की सेवा में सदैव तत्पर रहते हैं। आपके माता-पिता दोनों ही विद्वान हैं। आपकी माता जी श्री प्रेमकान्तादेवीभूषण, विशारद हैं और पिता जी भिषगाचार्य, सिद्धान्त आयुर्वेदाचार्य, रत्नभूषण पंडित धर्मेन्द्र नाथ जी वैद्य हैं। सुखदा फार्मेसी आपकी देन है, जो कि एक कल्याणकारी संस्था के रुप में लोकालय की सेवा कर रही है।

गवर्नमेन्ट ने कोढ़ जैसी कठिन बीमारी की चिकित्सा के लिए ८ चिकित्सकों में छठा नम्बर आपका लिखा है। आप नेशनल मेडिकल एसोसियेशन आफ इण्डिया के मेम्बर भी हैं। आप परोपकारमूलक कार्यों में सर्वदा तत्पर रहते हैं। मेरठ की बिम्बप्रतिष्ठा में आपने जनता जनार्दन की अच्छी सेवा की थी। आप एक कुशल लेखक भी हैं और अच्छे पुरस्कार भी प्राप्त किए हैं। स्वास्थ्य सुधार, नारी सुधार तथा समाज सम्बन्धी अनेक लेख आपने लिखे हैं। ल्यूकोडरमा नामक चर्मरोग सम्बन्धी परमोपयोगी पुस्तक आपही के प्रयास का प्रतिफल है।

स्व० श्री हुण्डीलालजी जैन, [भगतजी] अवागढ़

आपका जन्म सं० १९५३ में हुआ था। आपके पिता जी का नाम श्री श्रीपाल जी जैन था। आप भी पूर्ण धर्मनिष्ठ महानुभाव थे। स्वर्गीय श्री हुन्डीलाल जी जैन की भावभरी भक्ति से प्रभावित समाज ने आपको "भगत" जी की सुमान्य उपाधि से सम्बोधित करना आरम्भ कर दिया और आपको मृत्यु पर्यन्त इसी नाम से जाना जाता रहा है।

आप के पिताश्री का स्वर्गवास आपकी बाल्यावस्था के समय ही हो गया था। आप ने अपने ही पुरुषार्थ से अपना निर्माण किया। आप कठोर परिश्रमी तथा उच्च विचार वाले महानुभाव थे। आप कार्य के पूर्वापर को विचार कर ही उसे आरम्भ करते थे। आप प्रायः अपनी योजनाओं एवं कार्यों में सफल ही होते थे। आपके दो विवाह हुए और दोनों ही पत्नियाँ निःसन्तान स्वर्गगामी हो गईं। अतः इन दारुण वियोगों ने आपके जीवन की धारा को ही मोड़ दिया और आप "वसुधैव कुटुम्बकम्" के सिद्धान्त को अपनाते हुए समाज-सेवा में जुट गए। आप अत्यन्त निर्भिमानी, सरल तथा शान्त स्वभाव के महानुभाव थे। किसी भी दीन-दुःखी का कार्य आप पूरी लगन तथा उत्साह के साथ वात्सल्य भावनापूर्वक ऐसी गुप्त रीति से करते थे कि जैसे इन्हें कुछ पता ही न हो। आप मन्दिर जी में प्रातः काल ही पहुँच जाते थे तथा जैसे भी लोगों को सुविधा पहुँच सके वह साधन जुटाते रहते थे। आपने स्थानीय जैन-बड़े मन्दिर जी में एक वेदी का निर्माण भी कराया है। आपकी दिन चर्या का अधिक भाग आत्म-कल्याण एवं धर्म-ग्रन्थों के मनन में व्यतीत होता था।

आपको पूर्व कर्म के उदय से जीवन के अन्तिम भाग में अत्यन्त भयंकर कैन्सर रोग का सामना करना पड़ा। इस रोग पीड़ा को सहन करने का आपका ढंग भी निराला ही था। जो व्यक्ति आपका हाल पूछने आता था उसे आप बड़े प्रेम से कहते थे कि—"भैया मेरे तो कहीं रोग और पीड़ा है नहीं, केवल इस शरीर को रोग है-सो श्मशान में जल जायेगा। मेरी आत्मा में तो महान् शान्ति तथा सुख विद्यमान है"। आनेवाला व्यक्ति कुछ ज्ञान लेकर ही लौटता था। आप अन्त समय में बड़े मंदिर जी के ध्रुवफण्ड में २००० रुपया भी देगये हैं।

आपका स्वर्गवास सम्वत् २०१७ में अवागढ़ में हो गया। आपके समान त्यागी तथा सेवा-भावी व्यक्ति कम ही अवतरित होते हैं।

श्री सुरेशचन्द्रजी जैन, जलसेर

आप समाज के सुशिक्षित कार्यकर्ता हैं। आप बाल्यावस्था से ही शिक्षा की ओर विशेष आकर्षित हैं। अतः आपने बहुत ही शीघ्रता से M.A.,B.ED. तक उच्च शिक्षा प्राप्त कर ली।

आपके स्व० पिताश्री श्रीलाल जी जैन भी सम्माननीय जन-सेवक थे। आप भी समाज-सेवा में अपने जीवन का अधिकतर भाग लगा गये हैं।

श्री सुरेशचन्द्र जी वर्तमान में राजकीय उच्चतर माध्यमिक पाठशाला शाहपुरा (जि० मण्डल) मध्यप्रदेश में अध्यापक हैं। आप सर्विस करते हुए भी अपने सामाज की उन्नति एवं निर्माण में भारी योग देते रहते हैं। आप उच्चभावना के विचारवान तथा जैन धर्म-ग्रन्थों के सुविज्ञपाठक तथा स्वधर्मानुयायी पुरुष हैं। आप शिक्षा को राष्ट्र की परमावश्यकता समझ अपने विद्यार्थियों को किताबी शिक्षा के साथ साथ जीवन-सम्बन्धी शिक्षा भी देते रहते हैं। आप शिक्षा को जीवन के लिए मान कर चलते हैं। आप जीवन में वास्तविकता एवं सत्यता को स्थान देकर चलते हैं। आपकी भावना स्तुत्य एवं ज्ञान प्रशंसनीय है। आप समाज के निर्माताओं में से एक हैं।

आपकी धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पादेवी भी आदर्श विचारधाराकी, सुशील स्वभाव युक्त महिला हैं। आपके तीन पुत्र एवं दो पुत्रियाँ हैं।

●

श्री फूलचन्दजी जैन, मौमदी

आप श्री हुण्डीलालजी जैन के सुपुत्र हैं। आपका जन्म सन् १९२३ में हुआ। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा अपनी जन्मभूमि मौमदी में ही हुई। आप मिडिल तक शिक्षा प्राप्त हैं। शिक्षा समाप्त कर आपने व्यापार में प्रवेश किया। आप विशेष कर ईंटों के निर्माता हैं। व्यापारी जगत में आपकी भारी प्रतिष्ठा है। आप अपनी ईमानदारी के कारण काफी लोकप्रिय हैं।

आप सामाजिक कार्योंमें भारी रुचि लेते हैं। तीर्थक्षेत्र कमेटी के सदस्य तथा कांग्रेस के कर्मठ कार्यकर्ता और भारत-सेवक-समाज के ब्लाक संयोजक हैं। जिला अपराध निरोधक समिति के सदस्य हैं। मौमदी पंचायत के सरपंच भी रहे हैं।

आपका सार्वजनिक जीवन अत्यन्त सम्माननीय तथा सफल रहा है। आप में कार्य करने की अद्भुत क्षमता तथा अपूर्व कर्मठता है। आपका जीवन अत्यन्त शुद्ध तथा सात्त्विक है। जन-जीवन में आपको पूर्ण सम्मान का स्थान प्राप्त है। आप सरलस्वभावी, धार्मिक आचार-विचारयुक्त सादे एवं शान्त जीवन के पुरुष हैं।

आपके जीवन का बहुत बड़ा भाग सार्वजनिक सेवा में बीता है। आप समाज में संगठन एवं जागृति की पूरी-पूरी चेष्टा करते रहते हैं। आप उच्च विचारयुक्त समाज के कुशल कार्यकर्ता हैं।

●

श्री सेठलालजी जैन, मोमदाबाद

आपका जन्म सन् १९०० के लगभग का है। आपके पिता का नाम स्वर्गीय श्री जवाहरलालजी जैन था। यह भी अपने समय के आदर्श जन-सेवक थे।

श्री सेठलालजी भी अपने पिताजी की भाँति ही सर्व प्रिय एवं कर्मठ समाज-सेवक हैं। आप अपने धर्म के प्रचार एवं प्रसार की भरसक चेष्टा करते रहते हैं। आपको धर्म-स्थान स्थापन की रुचि बनी रहती है। इसी भावना से एक मन्दिर चौराहा पर निर्माण करवाया है। मन्दिर की व्यवस्था एवं प्रबन्ध के प्रति आप जागरूक रहते हैं। समाज की सेवा-सम्बन्धी योजनाओं में आपका प्रमुख स्थान रहता है। आपने धर्मार्थ औषधालय को भूमि भी दान दी है। सार्वजनिक भलाई के कार्य को आप अपने निजी कार्यों से अधिक मानते हैं।

आपको भवन-निर्माण का अत्यधिक शोक है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है चौराहा का पुनरुत्थान, भवन-निर्माण कला में आपका सद् परामर्श लेने के लिये अच्छे-अच्छे बुद्धिमान आते हैं। आपकी योजना एवं कल्पनानुसार निर्मित भवन उपयोग एवं कला की दृष्टि से उत्तम तथा आकर्षक होते हैं।

आपकी श्रीमती चन्द्रप्रभादेवी भी धर्म बुद्धि की उदारमना तथा सेवा भावी महिला हैं। आपके तीन पुत्र एवं तीन पुत्रियाँ हैं। सभी परिजन धर्मबुद्धि तथा उदार प्रकृति के हैं।

●

श्री शिवकुमारजी जैन, जसराना

आपका जन्म श्री होतीलालजी जैन जसराना के घर हुआ है। आपके पितामह स्व० श्री दिलसुखरायजी जैन अपने समयके प्रख्यात समाजसेवी तथा उत्तम व्यवसायी थे। आपके पिता श्री होतीलालजी जैन, श्री दरबारीलालजी जैन तथा श्री श्रीलालजी जैन तीन भ्राता हैं। आपके परिवार में जमींदारी प्रथा के अतिरिक्त वस्त्र-व्यवसाय भी बड़े रूप में होता रहा है।

आपके सहोदर श्री महेन्द्रकुमार जी जैन बी. ए., बी. टी. वर्तमान में भी अपने निवास स्थान जसराना में कपड़े का व्यवसाय कर रहे हैं।

श्री शिवकुमार जी ने इण्टर तक शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात राजकीय (पुलिस) विभाग में सर्विस कर ली और अपनी लगन तथा चातुर्य के कारण इस विभाग में अच्छी प्रतिष्ठा प्राप्त की है। वर्तमान में आप स्पेशल ब्रांच में कार्य कर रहे हैं। आप उत्साही तथा निरभिमानी और मिलनसार प्रकृति के युवक हैं। आपका स्वभाव अत्यन्त नम्र तथा सात्विक है।

आपका शुभ विवाह घिरोर के श्री रामपूत जी की भगनी के साथ हुआ है। यह महिला भी सुशील स्वभाव एवं धार्मिक वृत्ति की हैं। आपके एक सुपुत्र तथा तीन सुपुत्रियाँ हैं। आपका सुपुत्र चि० नरेन्द्रकुमार जैन हायर सेकेंडरी परीक्षा में प्रविष्ट हो रहा है। यह बालक भी अपने पिता तुल्य स्वभाव का ही है।

आप की पांच बहिनें सुश्री भगवानदेवी, सुश्री चरनदेवी, सुश्री ब्रह्मादेवी, सुश्री पुष्पादेवी एवं सुश्री सुशीलादेवी सभी विवाहिता हैं एवं स्वधर्म रुचि की उत्तम ललनायें हैं।

●

श्री वैद्य रामप्रसादजी जैन शास्त्री, आगरा

श्री वैद्य रामप्रसाद जी जैन समाज के सम्मानित पुरुष हैं। आपका निवास स्थान रिसालकावास (आगरा) है। आपके पिता श्री लाला श्रीपालजी जैन के चार पुत्र क्रमशः श्री भीष्मचन्द्र जी, श्री मुन्शीलालजी श्री हजारीलालजी एवं श्री रामप्रसादजी जैन हुए। इनमें प्रथम दो बन्धुओं का स्वर्गवास हो गया और श्री रामप्रसादजी वर्तमान में आगरा में वैद्यक करते हैं। अब आप स्थाई रूपसे यहीं के निवासी बन गए हैं। यहाँ पर आप चिकित्सा के साथ ही साथ सामाजिक कार्यों में भी भाग लेते रहते हैं। यहाँ के समाज में आपने अच्छा स्थान बनाया है। चिकित्सा क्षेत्र में भी आपने अच्छी सफलता प्राप्त की है। आप द्वारा निर्माणित औषधियाँ हिन्दुस्तान और हिन्दुस्तान से बाहर ईष्ट अफ्रीका, साउथ अफ्रीका, अमेरिका तथा सिंगापुर, वर्मा, ईरान और इंगलैण्ड आदि तक में लोकप्रियता प्राप्त कर रही हैं। आपकी एक फर्म "वीर इण्डिया ट्रेडर्स" नाम से भी कार्य कर रही है। यह फर्म जनरल आर्डर सप्लाई का कार्य करती है।

सामाजिक कार्य तथा आयुर्वेद सेवा के साथ ही साथ आप साहित्य-साधना भी करते हैं। "घरेलू व्यापार पत्रिका" के नाम से एक मासिक पत्रिका का भी प्रकाशन कर रहे हैं। इस पत्रिका में मानव-जीवन को स्वावलम्बी एवं कला निपुण बनाने की अच्छी सामग्री प्रकाशित की जाती है। साधारण श्रेणी के और अल्प आय वाले व्यक्तियों के लिए अर्थ संग्रह के अच्छे २ सुझाव इसमें देखे गए हैं।

अतः रामप्रसादजी शास्त्री, एक सुशिक्षित और समाज-सेवी तथा सहृदयी सज्जन है। आपको निपुण वैद्य, निःस्वार्थ समाज सेवी और दूरदर्शी सज्जन के रूप में पहचाना जाता है।

●

श्री राजकुमारजी जैन शास्त्री, निवाई

श्री शास्त्री जी राजस्थान के जाने-माने नेता तथा सफल चिकित्सक हैं। लगभग ३० वर्षों से आप राजस्थान की राजनीति और समाज-सेवा में सक्रिय भाग ले रहे हैं। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली और वक्तव्य ओज पूर्ण है। आप महात्मा गान्धी जी के कट्टर अनुयायियों में से हैं। काँग्रेस के पूर्ण समर्थक तथा इस क्षेत्र में कांग्रेस के प्राण माने जाते हैं। काँग्रेस संगठन के सम्मानित पदों को आप बराबर सुशोभित करते रहे हैं। नगरपालिका निवाई के कई वर्ष तक अध्यक्ष पद पर आसीन रहे।

आप साहित्यसेवी भी हैं। अभी तक आप दर्जनों पुस्तकों का स. सम्पादन कर चुके हैं। अहिंसावाणी, अलीगंज, और अहिंसा नामक साहित्य ने तो बहुत लोकप्रियता प्राप्त की है। आप जैन-धर्म में पूर्ण आस्था एवं विश्वास रखते हैं। विश्व-जैन मिशन की राजस्थान शाखा के मुख्य संयोजक के रूप में आपको प्रतिष्ठित किया गया है। जैन विद्यालय के प्रधानाचार्य, छात्रावास के प्रमुख संचालक एवं वीर-मण्डल के संस्थापक के रूप में आपका समादर है। आपकी सेवाओं के उपलक्ष्य में एक विशाल मेले का आयोजन कर जैन-समाज द्वारा आपका अभिनन्दन किया जा चुका है। इस अवसर पर आपको एक सम्मान-पत्र भी भेंट किया था। "आप सादा जीवन उच्च विचार" के समर्थक और सुधारवादी नेता हैं।

आपके दो सुपुत्र क्रमशः श्री प्रकाशचन्द्र जैन तथा श्री रमेशचन्द्र जैन आपके सदृश ही विनम्र और सज्जन प्रकृति के युवक हैं। आपके ज्येष्ठ सुपुत्र श्री प्रकाशचन्द्र जैन तो हास्यरस के सुन्दर कवि एवं लेखक हैं। कनिष्ठ पुत्र श्री रमेशचन्द्र जैन एम० एस० सी० एवं बी० आई० एम० एस० तक शिक्षा प्राप्त हैं और नेत्र विशेषज्ञ हैं। आप दोनों युवक मिलनसार तथा होनहार हैं। समाज-सेवा की भावना एवं साहित्य-साधना की लगन आपमें प्रचुर मात्रा में समाई हुई है।

●

श्री नेमीचन्दजी जैन, अवागढ़

श्री नेमीचन्द जी का जन्म वि० स० १९५१ में कस्बा अवागढ़ जिला एटा में हुआ था। आपके पिता खेरी निवासी स्व० श्री श्रीपालजी जैन थे। श्री नेमीचन्दजी बाल्यावस्था से ही अत्यन्त धार्मिक विचार-धारा के हैं। निःसन्देह आपकी शिक्षा साधारण थी, किन्तु जैन ग्रन्थों के स्वाध्याय से आपको अच्छा ज्ञान प्राप्त हो गया है। आप जैनधर्म के अनन्य श्रद्धालुओं में से हैं। धार्मिक और सामाजिक कार्य में आप सदैव भाग लेते रहते हैं। आप दान में विशेष रुचि रखते हैं। आपने सन् १९३६ ई० में धार्मिक प्रभावना के निमित्त एक विशाल रथोत्सव कराया था। इस उत्सव मेले का सारा व्यय आपने स्वयं ही वहन किया

था और मेले द्वारा जो आय हुई वह सब श्री दि० जैन पंचायती पार्श्वनाथ मन्दिर अटारी को प्रदान कर दी थी। इस विशाल मेले में समाज ने आपकी सेवाओं के प्रति आभार प्रदर्शित करते हुए आपको "जाति-भूषण" की सम्मानित उपाधि से विभूषित किया था।

वीर सं० २४६८ में आपने श्री दि० जैन पंचायती पार्श्वनाथ मन्दिर अटारी की संगमरमर की विशाल वेदी को स्वर्ण-चित्रों से चित्रित करवाया। आपकी धर्मपत्नी स्व० श्री शिवदेवी ने भी मन्दिर में प्रशंसनीय सेवा की हैं।

आपने अपनी धर्मपत्नी की पूण्य स्मृति में एक विशाल धर्मशाला तथा वाचनालय का निर्माण कराकर उसके पूर्ण अधिकार स्थानीय जैन-समाज को सौंप दिये। आपने अपने द्रव्य का अधिक भाग पूण्य कार्य में लगाया है। आपके दत्तक पुत्र श्री प्रेमचन्द जैन भी आपके सदृश ही धर्मवृत्ति एवं सेवाभावी युवक हैं।

●

स्व० श्री रत्नेन्दुजी जैन शास्त्री, फरिहा

आप ज्योतिर्विद पं० जोखीराम जी जैन शास्त्री के एकमात्र सुपुत्र थे। आपका जन्म विक्रमीय सं० १९७१ में और सं० २००६ में स्वर्गारोहण समाधिपूर्वक हुआ था। आपमें विशेषता यह थी कि आपने किसी भी विद्यालय में ज्ञानार्जन नहीं किया था। अपने पिता जी से ही विद्या प्राप्त की थी। ज्ञानावर्णी कर्म के क्षयोपशम के कारण ही आपकी बुद्धि बड़ी प्रखर हो गयी थी। अतः आप जिस ग्रन्थ को दो-चार बार ध्यानपूर्वक पढ़ लेते थे, वह पूर्ण याद हो जाता था। आप जैन दर्शन के साथ-साथ षट्दर्शन के भी विद्वान् थे। ज्योतिषविद्या के तो आप धनी थे ही, प्रतिष्ठाचार्य भी थे। आप कपड़े का स्वतन्त्र व्यापार करते थे और ग्राहक से एक ही दाम कहते थे। काँग्रेस मण्डल के प्रमुख भी थे। अनेक अजैन विद्वान भी आपसे तत्व चर्चा करने आते थे और सुन्दर समाधान पाते थे। कस्बा फरिहा की समस्त जनता ने आपको निर्विरोध टाउन एरिया का चेयरमैन चुना था।

आपने यह कहकर उसे ठुकरा दिया था कि—किसी पद पर रहकर कोई भी मनुष्य जनता की पर्याप्त सेवा नहीं कर सकता। मरसलगंज अतिशय क्षेत्र के प्रति आपकी महती सेवाएँ हैं।

●

स्व० श्री बाबूरामजी जैन, सराय नूरमहल

आपका जन्म आलमपुर निवासी श्री ला० जोहरीलाल जी जैन के परिवार में हुआ है। आपने साधारण शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात्, व्यापार में रूचि लेना आरम्भ कर दिया था और युवावस्था में आपने अच्छे व्यापारियों में अपना स्थान बना लिया था व्यापार में आपकी चतुर बुद्धि खूब चलती थी। आपने अपना व्यापार केन्द्र सरायनूरमहल ही बनाया। जब आप व्यापार में दिनोंदिन मान प्रतिष्ठा एवं अर्थ में वृद्धि प्राप्त करते हुए जा रहे थे, तभी आप पर पुत्र शोक का वज्रघात हुआ। अपने इकलोते होनहार सुपुत्र के इस प्रकार बिछड़ जाने पर आप को संसार से भारी निराशा हो गई। फलस्वरूप आप व्यापार के प्रति भी उदास हो गए और जीवन में वैराग्य भावनाओं का आह्वान करना आरम्भ कर दिया।

आप बहुत ही नम्र स्वभाव के तथा सारे ही समाज को अपनी आत्मा तुल्य देख कर चलनेवाले श्रद्धेय पुरुष थे, आपने अपनी मधुर और सन्तुलित वाणी से सारे ही समाज को प्रेम-पास में बाध लिया था। आपने अपना सारा ही जीवन सादगी एवं शान्ति के साथ व्यतीत किया। सभी धर्मकार्यों में आप बराबर भाग लेते थे। आपने नूरमहल स्थित मन्दिर को विशेष योग दिया है। धर्म कार्य के प्रति आप बड़े ही उदार एवं कर्मठ कार्यकर्ता थे आपका स्वर्गवास ७५ वर्ष की आयु में हुआ था।

स्व० श्री रामप्रसादजी जैन, वाराशमसपुर

श्री रामप्रसाद जी जैन का जन्म सन् १९७० में हुआ था। आप के पिता श्री का नाम श्री गुलजारीलाल जी जैन था। आप की शिक्षा मिडिल तक हुई थी। आप संस्कृत तथा हिन्दी के अच्छे ज्ञाता थे। जैन ग्रन्थों का आपने पर्याप्त मात्रा में अध्ययन किया था और थोड़े ही समय में आपने अपने धर्म का बहुत कुछ सार समझ लिया था। आप जीवन पर्यन्त स्वधर्म के प्रसार का प्रयास करते रहे।

आपने व्यापारिक क्षेत्र में अच्छी प्रगति की थी। कलकत्ता भी आपका व्यापारिक-क्षेत्र था। आपके ही नाम से वाराशमसपुर में दि० जैन मन्दिर का निर्माण किया गया है। स्थानीय दि० जैन पंचायत के आप मन्त्री भी रहे थे। आप बड़े ही श्रमशील स्वभाव के तथा कमठ पुरुष थे आप जीवन भर समाज-सेवा में लगे रहे। सामाजिक कार्यों में आप सदैव अग्रसर रहते थे। आपकी दुःखद् मृत्यु सन् १९६४ में हुई।

श्री मनीरामजी जैन, एत्मादपुर

आपका जन्म वि० स० १९४९ में अगहन सुदी १३ को हुआ। आप के पिता जी का नाम श्री ला० कल्लूमल जी जैन है। आपका विवाह फिरोजाबाद निवासी श्री नन्नूमल जी जैन की सुपुत्री श्रीमती विटोलादेवी के साथ हुआ है। आप सात भाई और दो बहिनों के बीच द्वितीय सन्तान हैं। आपके पिता जी ने एत्मादपुर में एक शिखरबन्द मन्दिर का निर्माण करवाया है। आपका परिवार सदैव से धार्मिक वृत्ति का और शास्त्रानुकूल चलने वाला है। आपके तीन पुत्र और तीन पुत्रियों ने जन्म लिया—इनमें सबसे बड़े थे स्वर्गीय श्री भगवतस्वरूप जी। भगवतस्वरूप जी से समाज कहानीकार और नाटककार के रूप में भली प्रकार परिचित है।

आपने स्कूल आदि में विशेष शिक्षा प्राप्त नहीं की। घर में ही हिन्दी व संस्कृत का अध्ययन किया है। आपकी धर्मशास्त्र स्वाध्याय में विशेष रूचि है। अब भी आपका विशेष समय अध्ययन में ही व्यतीत होता है। अनेकों जैन-धर्म-ग्रन्थों का आपने पठन-पाठन एवं मनन किया है।

आपने अपना व्यवसायिक जीवन वस्त्र व्यवसाय से आरम्भ किया और व्यापार में ईमानदारी ही आपका नियम है। घी, गल्ला, कपड़ा एवं कपास, गुड़, तेल आदि का व्यवसाय भी आपके यहाँ होता रहा है। आपके भ्राता श्री जुगलकिशोर जी अपने समय के सफल व्यवसायी थे।

श्री किरोड़ीमलजी जैन, खंडोआ

आपका जन्म ५ जनवरी १९२८ में हुआ। आपकी शिक्षा खंडोआ में ही आरम्भ हुई। आप शिक्षा ग्रहण में अत्यन्त कुशल रहे हैं। बाल्यावस्था में आप की रुचि शिक्षा-संग्रह की ओर पूरे रूप से बनी रही। फलस्वरूप आपने शीघ्र ही आगरा युनिवर्सिटी से बी. एस० सी० एवं एम० ए० पास कर लिया। शिक्षा प्राप्त करलेने के पश्चात् आप कार्य क्षेत्र में उतरे और सरकारी सेवाकाल में कार्यकुशलता एवं निपुणता के कारण दस साल के अल्पकाल में चार बार पदोन्नति प्राप्त की है।

आप मध्यप्रान्तर्गत शुजालपुर ब्लाक में डवलपमेन्ट आफिसर के पद पर आये और लगभग तीन साल तक यहाँ कार्य किया। इस कार्यकाल में आपने अपनी सज्जनता एवं माधुर्यता के कारण यहाँ के समाज में सम्मान का स्थान बना लिया। आप अपने कार्य में पूर्ण निपुण एवं दक्ष हैं। शुजालपुर के पश्चात् एग्रीकल्चर उप डायरेक्टर के पद पर आपका भोपाल में स्थानान्तर हो गया। यहाँ की जनता भी आपको बड़े ही प्रेमकी दृष्टि से देखती है। आप अपने कार्य में पूर्ण ईमानदारी तथा सचाई बरतते हैं। आप अपना कार्य राष्ट्र-सेवा की भावना से करते हैं। आप अत्यन्त विनम्रभाव के तथा समाज-सेवा की इच्छा रखने वाले दयालु प्रकृति के पुरुष हैं। उच्च शिक्षा तथा उच्चपद प्राप्त करने के पश्चात् भी आपकी प्रकृति में किसी प्रकार का अभिमान नहीं आया। आशा है आप शीघ्र ही और भी उन्नति कर लेगें।

स्व० श्री सतीशचन्द्रजी जैन, मोरेना

आप श्री बा० नेमीचन्द जी जैन मोरेना निवासी के सुपुत्र थे। आपका जन्म चैत्र सुदी १५, सन् १९२९ में हुआ था। बाल्यावस्था से ही आप चतुर एवं उन्नतिशील स्वभाव के कलाप्रिय थे। चित्रकला में आपकी विशेष रुचि थी। अतः मोरेना में आपने अपना स्वतन्त्र स्टूडियो स्थापित किया और चित्रकला की साधना में दत्तचित्त हो गए। शिक्षा की दृष्टि से आपने इन्टर तक शिक्षा प्राप्त की थी। आप समाजिक कार्यों में भी बड़े उत्साह एवं लगन के साथ भाग लेते रहे और स्थानीय युवक-मण्डली आपको अपने नायक के रूप में देखती थी। आप ३६ साल की तरूणाई में प्रवेश पाही रहे थे कि क्रूरकाल की कठोर नजर आपकी होन हारिता पर ईर्ष्या करने लगी और २७ अप्रैल १९६५ को उसने आपको अपनी बाहुपाश में बांध लिया। आपके इस असामयिक वियोग ने समाज के हृदय को हिला डाला।

आप अपने पीछे अपनी धर्मपत्नी एवं एक सुपुत्र चि० बसन्तकुमार तथा दो कन्यायें छोड़ गए हैं।

●

स्व० श्री जगतिलकरावजी जैन, जिरसमी

आपका जन्म सम्वत् १९७३ भादवा सुदी ८ बुधवार को श्री जिनेश्वरदास जी जैन के यहाँ हुआ था। आपके जन्म की खुशी में सारे ही गाँव ने उत्सव-सा मनाया था। गरीब एवं इच्छुक व्यक्तियों को दान आदि भी दिये गये थे। आपकी शिक्षा एफ० ए० तक हुई थी। पढ़ने लिखने में आपकी बुद्धि अत्यन्त तीक्ष्ण थी।

आपका परिवार सदैव ही सम्मानित रहा है। मुखिया एवं पंचायत के प्रधान पद लम्बे अर्से से आपके परिवार के पास रहते आए हैं।

आपका शुभ विवाह श्रीमती जैनमति जैन के साथ हुआ था। आपके तीन पुत्र तथा तीन पुत्रियाँ हैं। एक पुत्र सर्विस कर रहा है और दूसरा मैट्रिक में शिक्षा प्राप्त कर रहा हैं।

आप गरीबों के सच्चे साथी तथा उनको मुसीबतों के समय आप अपनी पूरी शक्ति के साथ उनकी रक्षा करते थे गरीब आदमियों पर अत्याचार करनेवाले से आप सदैव घृणा करते थे और उनका खुला विरोध करते थे।

आपका स्वर्गवास ता०२५-११-५९ को विशेष दुर्घटना में हो गया।

●

स्व० श्री लक्ष्मणस्वरूपजी जैन, फरिहा

इनका जन्म फरिहा के श्री लाला चौबेलाल जी जैन के यहाँ विक्रमीय सं० १९७२ में हुआ था और स्वर्गारोहण वि० सं० १९९९ में हुआ। आचार्य शान्तिसागर जी महाराज के फरिहा पधारने पर सं० १९८७ में आपने शूद्रजल, अभक्ष्य भक्षण और सप्त व्यसन का त्याग अल्प वय में ही किया था। आप बच्चों के इलाज में विशेष दक्ष थे। श्री भगवतस्वरूप जैन के आप कनिष्ठ सहोदर थे। आप एक होनहार, कर्मठ पुरुष थे जो दुर्भाग्य से अल्पवयस में ही स्वर्गवासी हो गये।

●

स्व० श्री बृन्दाबनदासजी जैन, फरिहा

लाला बृन्दाबनदास जी यहाँ की पंचायत के मान्य पुरुष थे। आपकी बात छोटे-बड़े सभी लोग मानते थे। इस अतिशय क्षेत्र मरसलगंज का निकास स्व० लाला हीरालाल जैन सर्राफ एटा, स्व० लाला गोपालदास जी जैन बजाज एटा, स्व० लाला चेतराम जी जैन जरानी तथा लाला वृन्दावनदास जी इसी चतुष्टय के एक सर्वमान्य विशिष्ट व्यक्ति थे। लाला वृन्दावनदास जी के परोपकारी धार्मिक गुणों की आज भी सब लोग प्रशंसा किया करते हैं।

आज भी इनके पुत्र-प्रपौत्र गुजरात के पालेज नामक शहर में निवास करते हैं। और श्री बनारसीदास राजकुमार प्रसिद्ध फर्म है।

●

श्री सोहनलालजी जैन, नगलासिकन्दर

आपका जन्म जनवरी सन् १९३७ को ग्राम नगलासिकन्दर में हुआ। आपके पिता श्री गौरीशंकर जी जैन हैं। आपका लालन-पालन बड़े चाव से हुआ है। आपके ऊपर आपके धार्मिक माता-पिता के सुसंस्कार अमिट रूप से पड़े हैं। अतः धर्म में आपकी अगाध श्रद्धा है। आपने प्राइमरी तक शिक्षा अपने गाँव के स्कूल में प्राप्त की और हाई स्कूल की परीक्षा सन् १९५३ में श्री पी० डी० जैन इण्टर कालेज फिरोजाबाद से पास की है। आप पढ़ने में भी रुचि रखते थे।

समाज की उन्नति की पावन भावना तथा समाज-सेवा की अनूठी लगन के परिणाम-स्वरूप आपका समाज में भी सम्मान है। जिन भक्ति के आप पक्के पुजारी हैं।

वर्तमान में आप नगलासिकन्दर में ही अपना व्यापार व्यवसाय करते हैं। व्यापारी वर्ग भी आपकी ईमानदारी तथा सज्जनता के कारण आपका सम्मान करता है। आप धार्मिकता में जितने कट्टर हैं, व्यवहारिकता में भी उतने ही पटु हैं।

आपका विवाह एटा निवासी माननीय श्री सुखदेवप्रसाद जी जैन की सुपुत्री के साथ हुआ है। यह धार्मिक विचारधारा की सुमति महिला हैं।

●

श्री सेतीलालजी जैन, वाराशमसपुर

आपका जन्म सन् १९२० के लगभग श्री लाला लालाराम जी जैन के यहाँ वाराशमसपुर में हुआ। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा साधारण रूप में अपने गाँव में ही हुई। हिन्दी और संस्कृत का ज्ञान प्राप्त कर लेने के पश्चात् आप व्यापार व्यवसाय में रुचि लेने लगे। आप अपने निजी व्यवसाय में दिनों-दिन उन्नति करते रहे और शीघ्र ही आपकी गणना अच्छे व्यवसाइयों में होने लगी। व्यापारिक सफलता का प्रमुख कारण था आपकी सत्य-प्रियता। आपका जन-सम्पर्क सराहनीय एवं सम्मोहक है।

आप साहित्य क्षेत्र में भी रुचि लेते रहते हैं। मन्दिर आदि निर्माण में आप सदैव भाग लेते रहते हैं। धर्म-कार्यों में आप बराबर योगदान करते रहते हैं। श्री दि० जैन पंचायत वाराशमसपुर के माननीय सभापति तथा साधन सहकारी समिति लि० वाराशमसपुर के सरपंच हैं।

आपकी श्रीमती श्रीगुणमालादेवी भी धर्मशीला महिला हैं। आपके चार पुत्र एवं तीन पुत्रियाँ है। आपकी भावना राष्ट्र के प्रति भक्तिपूर्ण है।

श्री चन्द्रसेनजी जैन, वाराशमसपुर

आपका जन्म १ जनवरी १९४३ में हुआ। आप श्री सेतीलाल जी जैन के सुपुत्र हैं। आपने हाईस्कूल तक शिक्षा प्राप्त की है। वर्तमान में आप अध्यापन का कार्य करते हैं। आपको आदर्श अध्यापक के रूप में देखा जाता है। आप केवल शिक्षक ही नहीं है, अपितु आप आदर्श मानव भी हैं। आप अपने छात्रों में पुस्तक-ज्ञान के साथ साथ आत्म-विश्वास तथा उच्चमनोबल का संचार भी करते हैं।

आप स्थानीय श्री दि० जैन पंचायत के मन्त्री एवं दि० जैन-मन्दिर के व्यवस्थापक हैं। आप पूजन-पाठ आदि कर्मों में पूरा समय देते हैं। स्वधर्म के प्रति आपकी भावना परिपुष्ट एवं प्रशंसनीय है। आपकी विचारधारा बहुत ऊँची तथा राष्ट्रभक्ति पूर्ण हैं। आप कर्तव्य-निष्ठ मानव हैं। आपका जीवन राष्ट्र सेवी, समाज सेवी तथा धर्म सेवी है। सामाजिक कार्यों में आप पूरा-पूरा सहयोग देते हैं।

श्री बिहारीलालजी जैन शास्त्री, खुर्जा

आपका जन्म वि० सम्वत् १९६३ में खेरी जिला आगरा में हुआ। आपके पिता का नाम श्री मोहनलाल जी जैन था। आपने श्री ऋषभ ब्रह्मचर्याश्रम हस्तिनापुर, स्याद्वाद महाविद्यालय बनारस तथा जम्बू विद्यालय सहारनपुर एवं कलकत्ता, इन्दौर आदि नगरों में शिक्षार्जन किया। इसके पश्चात् अलीगढ़ अम्बाला छावनी, मेरठ, बम्बई आदि नगरों में अध्यापन का कार्य किया। सहजानन्द शास्त्र माला में पुस्तक सम्पादन का कार्य भी किया है। आचार्य श्री महावीरकीर्ति जी महाराज के मुनिसंघ में त्यागियों के अध्यापन का कार्य भी किया है।

आचार्य श्री महावीरकीर्ति जी महाराज से सन् १९६० में छठी प्रतिमा तथा ब्रह्मचर्य का व्रत लिया।

आपके सम्पन्न परिवार में आपकी माता जी, श्री मती जी एवं दो सुपुत्री और एक सुपुत्र है। आपकी एक सुपुत्री बालब्रह्मचारिणी एवं चिन्तन शील महिला है।

आप में जितनी विद्वत्ता है उतनी ही नम्रता है। आप समाज कल्याण में समय समय पर वैज्ञानिक सहयोग प्रदान करते रहते हैं। आप स्वधर्म ग्रन्थों पर अच्छा लिखते हैं। आपका ज्ञान एवं अध्ययन प्रशंसनीय और संग्रहणीय है।

●

श्री प्रकाशचन्द्रजी जैन, निवाई

श्री प्रकाशचन्द्र जी समाज के श्रेष्ठ साहित्यकारों में से हैं। आप हास्य रस के सफल कवि हैं। प्रत्येक साहित्य-गोष्ठी में आपको सादर आमन्त्रित किया जाता है। आप जिस सभा में सम्मलित हो जाते हैं-वहाँ प्रसन्नता एवं हास्य की एक लहर-सी दौड़ जाती है। आप ग्रेजुएट हैं और एकाउन्ट-विशेषज्ञ माने जाते हैं। वर्तमान में आप आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष पद पर आसीन हैं। समाज आपको अपने प्रमुख कार्यकर्ता के रूप में देखता है।

●

श्री रमेशचन्द्रजी जैन, निवाई

आप मेडिकल-ग्रेजुएट और नेत्र विशेषज्ञ हैं। आप जहाँ चिकित्सा क्षेत्र में अपना सम्माननीय स्थान रखते हैं, वहाँ राजनीति में भी आपका विशेष स्थान है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता के आप अनन्यतम उपासक तथा उसकी साधन में संलग्न हैं। स्थानीय जन संघ के प्रधान पद पर प्रतिष्ठित हैं। आप स्वभाव से बड़े सभ्य एवं विनम्र हैं। आपकी विचारधारा बहुत ऊँची एवं ग्रहणीय हैं। आप गरीब एवं दीन-समाज की हृदय से सेवा करनेवाले प्रशंसनीय युवक है।

●

स्व० श्री छेदालालजी जैन, मरसलगंज

स्व० श्री लाला छेदालाल जी जैन मरसलगंज (आगरा) के निवासी थे। आप यहाँ के प्राचीन निवासी थे। लाला जी नियमित रूप से बड़ी श्रद्धाभक्ति पूर्वक मन्दिर जी की सेवा किया करते थे। इस क्षेत्र का सारा भार आप ही पर न्यस्त था और किसी को क्षेत्र की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं होती थी। आप प्रत्येक यात्री का अच्छा स्वागत समादर किया करते थे। आपकी उम्र जब ७० वर्ष की हुई और शरीर अशक्त हुआ, तो समाज के नाम आपने एक मुद्रित अपील निकाली, जिसे ध्यान में रखकर एक विधिवत कमेटी का निर्माण सन् १९४० में हुआ। कमेटी निर्माण हो जाने के कुछ ही काल बाद आपका स्वर्गवास हो गया।

श्री उल्फतरायजी जैन, सरनऊ

आप इस क्षेत्र के सुप्रसिद्ध कार्यकर्ता हैं। आपने लगभग ३० साल तक उत्तर प्रदेश सरकार की सेवा में लेखपाल रहकर कार्य किया है। आप अपनी ईमानदारी एवं सज्जनता के लिए प्रसिद्ध हैं। वर्तमान में आप स्थाई अवकाश प्राप्त हैं। अपनी बुद्धि द्वारा जनता को आज भी आप आवश्यक एवं उपयोगी सुझाव देते रहते हैं। आपका अधिक समय धर्म-ध्यान में ही व्यतीत होता है। समाज एवं जाति की भलाई के लिए आप प्रतिक्षण तैयार रहते हैं। आपने छोटी-सी नौकरी में अपने परिवार को सुशिक्षित बनाकर प्रशंसनीय कार्य किया है।

श्री अमरचन्दजी जैन, सरनऊ

आप श्री उल्फतराय जी जैन के ज्येष्ठ सुपुत्र हैं। आपने अपने पिताश्री के कर्मठ जीवन से प्रेरणा प्राप्त करते हुए बड़े श्रम से शिक्षा-संग्रह किया है। आप इन्टर मीडिएट एवं आयुर्वेद भिषग तक शिक्षा प्राप्त हैं। आप एक कुशल चिकित्सक तथा सत्यनिष्ठ राजनीतिज्ञ हैं। अपने क्षेत्र की न्याय पंचायत के बैंच अध्यक्ष पद पर आपने कुशलतापूर्वक कार्य किया है। राजनीति में आपने अच्छी सफलता प्राप्त की है। समाज-सेवा में भी आप बराबर भाग लेते रहते हैं। समाज के उत्साही एवं कार्यशील युवकों में आपका स्थान है।

श्री दयाचन्दजी जैन, सरनऊ

आप भी श्री उल्फतराय जी जैन के सुपुत्र हैं। आप आयुर्वेद की ए० एम०, बी० एस० तक की शिक्षा से सुशोभित हैं। आप तीक्ष्ण बुद्धि के व्यवहार निपुण तथा सहृदयी व्यक्ति हैं। वर्तमान में आप अकोली जिला जालौर में राजकीय औषधालय में अधिकारी के रूप में प्रतिष्ठित है। आपकी सेवा भावनाओं से वहाँ का समाज पूर्ण प्रभावित तथा सन्तुष्ट है। आपको आदर मान की दृष्टि से देखा जाता है। आप भी अपने कार्य में मन लगा कर दयाभाव युक्त मन से जन सेवा में संलग्न हैं। समाज के प्रति आपकी सेवा-भावना सराहनीय एवं आदरणीय है।

●

श्री जयसैनजी जैन, आगरा

आप आगरा समाज के उत्साही कार्यकर्ताओं में से हैं। आपने मरसल गंज में होने वाले पंच कल्याणक मेले के अवसर पर एक कर्मठ कार्यकर्त्ता के रूप में भाग लिया था। आपको आगरा समाज ने इस अवसर पर श्री दि० जैन पद्मावती पुरवाल सेवक-संघ के सेनापति (कैप्टिन) के रूप में भेजा था। मेले की प्रबन्ध व्यवस्था एवं साज सज्जा में आपका भी प्रमुख भाग था। आने वाले यात्रियों की सेवा-सुश्रुषा में आपने अथक परिश्रम कर सम्मान का स्थान प्राप्त किया है। आप कर्तव्य परायण, लगनशील, उत्साही और साहसी प्रकृति के प्रशंसनीय व्यक्ति हैं।

●

श्री निर्मलचन्द्रजी जैन, एम. ए., एल. एल. बी.

आप श्री रामशरण जी जैन पंसारी के सुपुत्र हैं। आप बाल्य-काल से ही तीक्ष्ण बुद्धि एवं शिक्षा के प्रति आकर्षित रहे हैं। फल-स्वरूप आपने थोड़े समय में ही एल. एल. बी. जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त कर ली है। अभी आप २५ वर्ष के ही हैं। आप सरल प्रकृति एवं परिश्रमी स्वभाव के सीधे सादे युवक हैं। आप निर्भिमानी, बनावट से दूर रहने वाले उत्तम प्रकृति के व्यक्ति हैं। आप वकालत के अभ्यास के साथ ही साथ अपने पिता श्री के कार्य में भी सहयोग देते रहते हैं। आप समाज के होनहारों में से एक नक्षत्र हैं।

●

श्री महिपालजी जैन, ऋषभनगर मरसलगंज

आप गढ़ीकल्याण जिला आगरा के निवासी हैं और वहाँ की ग्राम पंचायत के प्रधान हैं। सहकारी समिति के सरपंच भी हैं। आप श्री दि. जैन अतिशय क्षेत्र ऋषभनगर मरसलगंज के प्रबन्धक मैनेजर पद पर सफलता पूर्वक सेवा कर रहे हैं। आप रजिस्टड वैद्य हैं। अतः इस दिशा में भी अच्छी प्रगति की है। आप समाज के सेवा-भावी युवकों में माने जाते हैं।

●

श्री महेशकुमारजी जैन, फरिहा

आप फरिहा जिला मैनपुरी के निवासी हैं। श्री दि० जैन पंचायत फरिहा के सहायक मन्त्री है। श्री ऋषभ नगर ग्रामोद्योग विकास परिषद रजिस्टर्ड कमेटी के सदस्य हैं। आप स्वसमाज एवं इतर समाज-सेवा के कार्यों में बराबर भाग लेते रहते हैं। आप उत्साही तथा लगन शील शुद्ध विचार धारा के युवक हैं। समाज में आपको स्नेह से "महेश" नाम से पुकारा जाता है।

●

श्री अविनाशचन्द्रजी जैन, बी. एस. सी.

आप श्री श्रीचन्द जी जैन वाहा के सुपुत्र हैं। श्री नरेन्द्रकुमार जी जैन आपके ज्येष्ठ भ्राता हैं। आपके विचार अत्यन्त सराहनीय एवं समाज के लिये हितकारी हैं। समाज के स्वस्थ एवं सुन्दर व्यक्तित्व वाले युवकों में आपका स्थान अग्रगणी है। आप तीक्ष्ण बुद्धि के विचारशील तथा शान्त प्रकृति के उत्साही सज्जन है। आपका शिक्षा के प्रतिभारी अनुराग है।

●

श्री राजकुमारजी जैन, भदाना

आप भदाना के सम्मानित महानुभाव हैं। जोधपुर में आपकी "जैन साईकिल कम्पनी" है। आपका समाज सेवा की ओर काफी ध्यान है। जोधपुर श्री दि० जैन मन्दिर एवं क्वाटर कमेटी आदि संस्थाओं के आप सम्माननीय पदाधिकारी हैं। आपने अपनी जाति के अनेकों भाइयों को कार्य में लगाया है। आप बड़े परिश्रमी तथा होशियार व्यक्ति हैं।

●

श्री जिनेन्द्रप्रकाशजी जैन, एटा

आप स्वर्गीय श्री दयाशंकर जी जैन एटा निवासी के सुपुत्र हैं। आप समाज के मेधावी पुरुषों में से एक हैं। शिक्षा के प्रति आप सदैव अनुरागी रहे हैं। अतः अल्प समय में ही आपने बी० ए०, एल० एल० बी० तक शिक्षा प्राप्त कर ली। आप उच्च शिक्षा से विभूषित अत्यन्त नम्र युवक हैं। समाज की प्रगति एवं संगठन के लिए आप सदैव प्रयत्नशील रहते हैं। स्थानीय सामाजिक कार्यों में आपका बराबर योग रहता है।

●

स्व० श्री मुरारीलालजी जैन, शिकोहाबाद

स्व० श्री ला० मुरारीलाल जी जैन शिकोहाबाद समाज के मान्य पुरुषों में से थे। आपका जीवन जहाँ व्यापारिक क्षेत्र में सफल रहा, वहाँ आप समाज-सेवा में भी पीछे नहीं थे। आप निरभिमानी मृदुभाषी तथा प्रसन्न प्रकृति के पुरुष थे। आप "सादा जीवन और उच्च विचार" के दर्शनीय उदाहरण थे। आप सम्पन्न उद्योगपति तथा पूर्ण सम्मान युक्त होने पर भी अभिमान से कोसों दूर थे। आप स्वधर्म के प्रति पूर्ण आस्थावान और धर्म प्रसारक माने जाते थे। आपके स्वास्थ्य ने जब तक साथ दिया तब तक आप देव पूजन तथा स्वाध्याय आदि नित्यकर्म बराबर करते रहे।

आपका निधन गत ३० दिसम्बर १९६५ को हो गया। आपका वियोग सारे ही समाज के लिए कष्ट प्रद एवं दुःख पूर्ण है।

●

श्री डा० त्रिलोकचन्दजी जैन, लखनऊ

आपके पिता श्री का नाम श्री सुनहरीलाल जी जैन हैं। आप लखनऊ के निवासी हैं। डा० त्रिलोकचन्द्र जी साहित्य शास्त्री (वाराणसी) तथा सिद्धान्तशास्त्री (बम्बई) से हैं। आप ए० एम० एम० एस० (बी० एच० यू०) प्रधान चिकित्सक तथा आप शरीर आयुर्वेदान्वेषण एवं प्रशिक्षण केन्द्र जामनगर के प्रोफेसर तथा विभागीय प्रधान हैं। आपकी आयु वर्तमान में ४१वें वर्ष में चल रही है। आपके २ बालिका तथा ४ बालक हैं। आपमें धार्मिक और सामाजिक भावनाएँ हैं। शिक्षा क्षेत्र में आपने सराहनीय प्रगति की है। तथा सार्वजनिक सेवा-क्षेत्र में भी आप पूर्ण मनोयोग से भाग लेते हैं। आपका मूल निवास स्थान एटा है।

●

श्री अंगरेजीलाल जी जैन, मैदामई

आपका जन्म श्री बद्रीप्रसाद जी जैन के घर सन् १९०५ में हुआ। आपके पितामह श्री रामजी साह समाज के आदरणीय पुरुष हो चुके हैं। इन्होंने मथुरा के मेले के समय माल की बोली दस हजार को ली थी और बैलगाड़ियों में शिखर जी की यात्रा की थी, वापिस आने पर मेला भी करवाया था। इसी मेले में आपने १। सेर का लड्डू बाटा था।

श्री अंगरेजीलाल जी की शिक्षा हिन्दी मिडिल तक ही हुई है, वैसे आपने साहित्य में अच्छी सफलता प्राप्त की है। फारसी एवं ऊर्दू के भी अच्छे ज्ञाता हैं। आप पुस्तैनी जमींदार थे, किसी समय आपका घराना बहुत धनी एवं सम्मानपूर्ण था। आज भी आपके परिवार की अच्छी प्रतिष्ठा एवं मान है और कार्य भी मुख्यतया कृषि का ही हैं। स्थानीय दि० जैन मन्दिर का जो कि आपके पूर्वजों द्वारा बनवाया गया था आपने जीर्णोद्धार करवाया है। आपकी धर्म-भावना एवं समाज-प्रेम प्रशंसनीय है।

आपकी धर्म पत्नी श्री सूर्यकान्तादेवी जैन भी आपके अनुरूप ही धर्म-भावना की श्रेष्ठ महिला हैं। आपके पाँच पुत्र हैं। यह सब उच्च शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न विभागों में कार्य कर रहे हैं। टूण्डला में आपकी दो किराने की दुकानें भी हैं।

आपका पूरा परिवार धर्म-भावना से युक्त तथा सुसंगठित और और आदर्श परिवार है। आप वर्तमान में अपना समय धर्म चिन्तन एवं समाज सेवा तथा धर्म ग्रन्थों के अवलोकन में लगा रहे हैं। समाज में आपको वयोवृद्ध अनुभवी के रूप में देखा जाता है।

●

श्री गौरीशंकरजी जैन, कुतकपुर

श्रीमान् लाला गौरीशंकरजी कुतकपुर (आगरा) के लब्ध प्रतिष्ठित स्व० श्री० लाला लाहोरीमलजी के भतीजे एवं श्री० लाला गुलजारीलाल जी के सुपुत्र हैं।

गाँव में आपके घर पर घी एवं गल्ले का अच्छा व्यवसाय होता था और आप जमींदार भी थे। व्यापार में आप बड़े दक्ष एवं कार्यकुशल व्यक्ति हैं। देवपूजा एवं स्वाध्याय में आप सदैव से प्रेम रखते आये हैं और गाँव में आप सदैव गरीबों के शुभ चिंतक रहे। काँग्रेस सरकार ने जब से जमींदारी प्रथा उठा दी है तभी से आप गाँव (कुतकपुर) का सारा अपना कारोबार बन्द करके फीरोजाबाद में आकर रहने लगे हैं। आपके सुपुत्र श्री निरंजनलालजी भी आपके पास ही काम कर रहे हैं। आप भी धार्मिक एवं सरल परिणामी हैं प्रतिदिन 'चन्द्रप्रभ मंदिर' में श्री भगवंत का पूजन करते हैं। और समय समय पर धार्मिक कार्यों में भाग लेते रहते हैं।

वर्तमान में आपके एक पुत्र तथा एक सुपुत्री एवं पुत्रवधू और एक पोता (नाती) व दो पोतियाँ (नातिन) हैं।

●

श्रीमती कुन्तीदेवी जैन, नगलास्वरूप

आपका जन्म सन् १९०४ का है। आप स्वर्गीय श्री गुलजारीलाल जी जैन की सुपुत्री तथा स्वर्गीय श्री श्रीलालजी जैन नगलास्वरूप की धर्मपत्नी हैं। आपका जन्म स्थान मझराऊ जिला एटा है। आपकी गणना समाज की शिक्षित महिलाओं में की जाती है। आप प्रभाकर जैसी हिन्दी की उच्च शिक्षा प्राप्त हैं। हाई स्कूल भी आपने पास किया है। आपका धर्मज्ञान भी बहुत हैं। धार्मिक परीक्षाओं में भी आप सदैव सम्मान का स्थान प्राप्त करती रही हैं। आपका जीवन सदैव स्वावलम्बी रहा है। श्री दि० जैन कन्या पाठशाला में आप गत वर्ष तक प्रधानाध्यापिका के पद पर सेवा करती थी। आपकी शिक्षा देने की शैली अपने आपमें निराली थी। आप द्वारा अनेकों कन्याओं ने किताबी शिक्षा के साथ-साथ गृहस्थ जीवन की भी आदर्श शिक्षा ग्रहण की है। आप शुद्ध जीवन की धर्मनिष्ठ तथा सात्विक महिला हैं।

आप स्वधर्म के प्रति पूर्ण आस्थावान रहती हुई सभी धर्माज्ञाओं का विधिवत पालन करती रही हैं। अभी आपका छठी प्रतिमा का व्रत चल रहा है। आप त्यागपूर्ण जीवन की महिला रत्न हैं।

●

कुमारी तारादेवी जैन, एम० ए० मेरठ

कुमारी तारादेवी का स्थान समाज की शिक्षित महिलाओं में है। आप मेरठ निवासी भिषगाचार्य श्री पं धर्मेन्द्रनाथ जी वैद्य शास्त्री की सुपुत्री हैं। आपने छोटी आयु में ही एम० ए० तक शिक्षा प्राप्त कर समाज की बालिकाओं के सम्मुख एक अनुकरणीय उदाहरण रखा है। बनारस से संस्कृत प्रथमा, हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट आदि परीक्षायें द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की। आपकी प्रखर बुद्धि जिस विषय का एक बार अध्ययन कर गई, मानो वह विषय आपको सदैव के लिए कण्ठस्थ हो गया। मिडिल कक्षा में आप विद्यालय भर में सर्व प्रथम रही थी। इसके पश्चात् तो आपने एक वर्ष में दो-दो कक्षायें तय की और इसी क्रम से आप एम० ए० तक प्रगति करती रही। आपने एम० ए० संस्कृत विषय से की है। संस्कृत का आपको अच्छा ज्ञान है। आपने संस्कृत के उत्तमोत्तम ग्रन्थों का अध्ययन किया है, जिसका प्रमाण आपका ज्ञान-भण्डार एवं संस्कृत साहित्य पर विवेचन करने की आपकी प्रभावशाली शैली है।

आप पद्मावती-पुरवाल समाज की व्युत्पत्ति एवं इसके प्रामाणिक इतिहास की जानकारी के प्रति भारी इच्छुक हैं। जैनधर्म को आप सदैव श्रद्धा की दृष्टि से देखती रही हैं। आपमें अभिमान नाम मात्र को भी नहीं है। "विद्याददाति विनयम्" की आप प्रतिमूर्ति हैं। आपका जीवन मर्यादा पूर्ण और भारतीय संस्कृति का अनुयायी है। समाज को आप जैसी सुशिक्षित और विनम्र ललनाओं पर गौरव है। साथ ही आशा है कि—आप आगे आकर अपनी इस उच्च शिक्षा द्वारा समाज की महती सेवा कर पायेगी।

●

श्री पी० डी० जैन इण्टर कालेज, फिरोजाबाद

शिक्षा संस्था के रूप में श्री पी० डी० जैन इण्टर कालेज का नाम समस्त पद्मावती पुरवाल समाज के लिए सर्वाधिक प्रतिष्ठा का विषय है। इस शिक्षा-संस्था की गणना उत्तर-प्रदेश के प्रथम पंक्तिके कालेजों में की जाती है।

स्वनाम धन्य स्वर्गीय पण्डित पन्नालाल जी न्यायदिवाकर की पुण्य स्मृति को स्थायित्व प्रदान करने के लिए जैन समाज के कुछ उत्साही बन्धुओं ने जारखी नामक ग्राम में आज से ३९ वर्ष पूर्व श्री पन्नालाल दिगम्बर जैन विद्यालय की स्थापना की थी, किन्तु दो-चार वर्ष बाद आर्थिक विषमता ने संस्था को लड़खड़ा दिया। कुछ समय पश्चात् फिरोजाबाद के कुछ उत्साही बन्धुओं ने—जिनमें स्वर्गीय ला० ज्योतिप्रसाद जी, मा० सन्तलालजी, पाण्डेय श्रीनिवासजी, बाबू सुनहरीलाल जी मुख्तार, ला० रामशरण जी एवं ला० धनपाल आदि प्रमुख थे—उक्त विद्यालय को फिरोजाबाद में पुनः संस्थापित किया। प्रारम्भ में धार्मिक शिक्षा के साथ साथ प्राइमरी कक्षाओं तक शिक्षा देने का कार्यक्रम अपनाया गया और इसी रूप में यह विद्यालय लगभग बीस वर्षों तक कार्य करता रहा। इस प्रसंग में स्व० मास्टर हरिप्रसाद जी की सेवाएँ विशेषरूप से उल्लेखनीय हैं, जिन्होंने अनेक बाधायें उपस्थित होने पर भी अपनी लगन और उत्साह से इस संस्था को जीवित रक्खा है।

स्थानीय दि० जैन समाज संस्था के इस रूप से सन्तुष्ट न था। फलतः उनके उत्साह वर्धक सत्प्रयत्नों से जुलाई १९५० में उत्तरप्रदेश प्रशासन द्वारा इसे जूनियर हाईस्कूल के रूप में मान्यता प्रदान की गई। इसकी आशातीत उन्नति से प्रभावित होकर १९५२ में हायर सैके-ण्डरी स्कूल और १९५४ में इण्टर मीडिएट कालेज के रूप में इसे मान्यता प्राप्त हुई। आज यह विद्यालय लगभग १७०० विद्यार्थी और ४५ अध्यापकों के सम्मिलित परिवार के रूप में चल रहा है। राज्य की अग्रगण्य संस्थाओं में इसका विशिष्ट स्थान है। लगभग डेढ़ लाख का अपना भवन और ५० बीघा अपनी भूमि विद्यालय के पास है। इस भूमि पर कई बार ऐतिहासिक मेले और सभायें सम्पन्न हो चुकी हैं। परम पूज्य आचार्य श्री १०८ महावीरकीर्ति जी महाराज, परम पूज्य आचार्य श्री १०८ विमलसागर जी महाराज, स्वनामधन्य परम पूज्य श्री वर्णी जी महाराज आदि अनेक महान् विभूतियों की चरण-रज से यह प्रतिष्ठान पवित्र हो चुका है।

प्राइमरी स्कूल से इण्टर मीडिएट कालेज तक में विकास की कहानी में श्रीमान् पण्डित श्यामसुन्दरलाल जी शास्त्री का नाम शीर्षस्थ स्थान पर है। कालेज के सुयोग्य मन्त्री के रूप में प्रारम्भ से लेकर आजतक वे संस्था की उल्लेखनीय सेवा करते आ रहे हैं।

जैन आगम और संस्कृत वाङ्मय के अपने प्रखर पाण्डित्य, सुमधुर एवं ओजपूर्ण वक्तृत्व शक्ति तथा प्रभावपूर्ण कार्य-कौशल के कारण तो वे समाज में सुविख्यात हैं ही, कालेज के प्रति किए गये अपने कार्यों के माध्यम से अब वे स्वयं इस संस्था के पर्यायवाची भी बन गये हैं। दि० जैन समाज के सुप्रतिष्ठित गणमान्य श्रीसम्पन्न सेठ साहूकारों से हजारों लाखों का दान ले आना हर किसी के वश का नहीं था। आज भी वे कालेज के काम के लिए अपना सब कार्य व्यापार छोड़कर रात-दिन जुटे रहते हैं। निश्चय ही संस्था को आप पर स्वाभिमान

है। श्री पाण्डेय श्रीनिवास जी भी संस्था के परम शुभचिन्तक एवं कर्मठ कार्यकर्ता हैं। श्री बा० हजारीलाल जी के नाम से पूर्व स्वर्गीय शब्द जोड़ते हुए आज हृदय विदीर्ण हो रहा है। आपने अपने समाज-सेवा के व्यापक क्षेत्रों में से समय निकाल कर संस्था को समुन्नत बनाने के लिए जो कार्य किये हैं, वह सदैव स्मरणीय रहेंगे। आप वर्षों तक कालेज के मैनेजर रहे तथा वर्तमान में सभापति थे। इसी प्रकार लगभग सौ संरक्षकों एवं आजीवन सदस्यों का वात्सल्य पूर्ण आशीर्वाद प्राप्त करते हुए वर्तमान प्रबन्धक श्री बाबू देवीप्रसाद जी तथा प्रबन्धक समिति के अन्य सदस्य श्री हकीम प्रेमचन्द जी, स्व० श्री बा० सुनहरीलाल जी मुख्तार, वैद्य माणिकचन्द जी, लाला जयकुमार जी, ला० रामशरण जी पाण्डेय तथा राजनलाल जी प्रभृति समाजसेवियों का योगदान भी कभी भुलाया नहीं जा सकता। वैयक्तिक सुख-सुविधाओं को तिलाञ्जलि देकर सबने जिस लगन से कार्य किया है, संस्था का वर्तमान समुन्नत रूप उसीका परिणाम है।

इस समय इस विद्यालय में धर्म-सदाचार की अनिवार्य शिक्षा के साथ-साथ हाईस्कूल और इण्टर मीडिएट के कला (Arts) वाणिज्य (Commerce) तथा विज्ञान (Science) के सभी विषयों के अध्ययन का पूर्ण प्रबन्ध है। विद्यार्थियों की पठन-पाठन सम्बन्धी सभी प्रकार की सज्जा जुटाई गई है। श्रीमान् पण्डित माणिकचन्द्र जी न्यायचार्य सरीखे विद्वानों द्वारा धर्माध्ययन का सुयोग यहाँ के छात्रों को मिलता रहा है। भौतिक विज्ञान की प्रयोगशाला में अनेकानेक आधुनिक मशीनें, उत्तमोत्तम तुलायें, गैसप्लाण्ट एवं अन्य औटोमैटिक मशीनों के साथ साथ रसायन प्रयोगशाला भी अत्यन्त व्ययसाध्य सज्जा द्वारा सम्पन्न है। इस विद्यालय में अध्ययन करनेवाले छात्रों की विज्ञानविषयक व्युत्पत्ति, अधिकारियों द्वारा भी प्रशंसनीय रही है।

विद्यालय में एक अनुभवी सैन्य शिक्षा विशारद की देख-रेख में छात्रों को N.C.C और A.C.C का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। अभी हाल में एक नवीन सैन्य विज्ञान भवन का भी निर्माण हुआ है, जहाँ पर पाँच गारद सदैव तैनात रहते हैं। विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के लिए खेल-कूदों का पूर्ण प्रबन्ध है। हर वर्ष हाकी, क्रिकेट, कबड्डी, फुटबाल, बालीबाल और बास्केट बाल के टूर्नामेण्ट्स होते हैं। समाज-सेवा के क्षेत्र में अनेक बार सर्वोच्च पुरस्कार भी प्राप्त किये हैं।

विद्यालय का पुस्तकालय पूर्णरीत्या सम्पन्न और अनुपम है। इसमें विविध भाषाओं की सात हजार से भी अधिक पुस्तकें हैं। बृहत् इन्साइक्लोपीडिया एवं डा० केशवदेव के निजी पुस्तकालय के १५०० महत्वपूर्ण ग्रन्थ इस भारती-मन्दिर की श्रीसमृद्धि कर रहे हैं। वाचनालय में हिन्दी-अंग्रेजी के लगभग २५-३० मासिक, साप्ताहिक तथा दैनिक पत्र आते हैं। विद्यार्थियों को संसदीय-शासन पद्धति का ज्ञान कराने के लिए उनकी संसद भी है। लेखन-कार्य के परिमार्जनार्थ एक "अमृत" नामक कालेज पत्रिका भी प्रतिवर्ष प्रकाशित होती है जो एकाधिक बार जिला प्रतियोगिताओं में अपनी विषय-वस्तु और रूप-सज्जा के लिए सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर चुकी है। विद्यालय के प्रांगण में एक उत्तुंग शिखर सम्पन्न जिनमन्दिर भी सुशोभित है। जिसकी मूल वेदी पर प्रतिष्ठित भगवान श्री

शीतलनाथ जी की अतिभव्य सातिशय पद्मासन मूर्ति के अन्तः आलोक को सदैव जाग्रत रखती है।

संस्था निरन्तर विकासोन्मुख है। स्थान व कमरों आदिका विस्तार होता जा रहा है। शासकीय सहायता में आशातीत वृद्धि हो रही है। वह दिन दूर नहीं जब यह आदर्श संस्था डिग्री कालेज के रूप में मान्यता प्राप्त कर देश और समाज की सेवा करते हुए नये-नये कीर्तिमान निर्माण करेगी।

प्राचीनतम अतिशय क्षेत्र ऋषभ नगर [मरसलगंज]

यह महामनोहर पाँचसौ वर्ष प्राचीन चमत्कारी अतिशय क्षेत्र उत्तर प्रदेश के एटा, आगरा और मैनपुरी, इन तीनों मण्डलों (जिलों) की अभिसंधि भूमि पर स्थित है। इन्हीं तीनों जिलों में विशेषतया पद्मावती पुरवाल जाति के सज्जन पुराकाल में बसते थे और वर्तमान समय में भी हैं। आज जो गुजरात, बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्यभारत और राजस्थानादि सुदूर क्षेत्रों में पद्मावती पुरवाल जातीय बन्धुओं का निवास है, वह प्रायः इन्हीं जिलों के निवासी हैं, जो अपनी-अपनी सुविधानुसार आजीविका हेतु यत्र तत्र जा बसे हैं। आज से सौ सवासौ वर्ष पूर्व इस मरसलगंज ग्राम में एक सौ से अधिक घर जैन जातीय बन्धुओं के थे। यहाँ नील, कपास और रुई का व्यापार था और अभी नील की पक्की कोठियों के अवशेष हैं, जिनपर अब इण्टर कालेज बन गया है। यहाँ से दो फर्लांग के फासले पर कस्बा फरिहा है, जो कि किसी समय में जिला मैनपुरी का सबसे बड़ा कस्बा था। सौ वर्ष पहले यहाँ भी पाँच सौ घर पद्मावती पुरवालों के और पच्चीस घर अग्रवाल जैनों के थे। यहाँ का विशाल जिनालय दर्शनीय है।

इस मरसलगंज अतिशय क्षेत्र के निर्माता दक्षिण दिशावासी विप्रवर्ण दि० जैन धर्मानुयायी, महान तपस्वी यन्त्र, तन्त्र, मन्त्र विद्या के ज्ञाता क्षुल्लकवेषधारी पूज्य श्री १०५ बाबा ऋषभदास जी एक पुरुष पुंगव थे। वह अनेक नगरों में विहार करते हुए इस पुण्य भूमि पर पधारे थे। आप उक्त गाँव स्थित जिनालय में ठहर गए। कुछ ही समय में उनके तपोबल का प्रकाश प्रकाशित हो उठा। वह एक खण्ड वस्त्र और लंगोटी मात्र परिग्रहधारी थे। अनेक चमत्कारपूर्ण घटनाओं द्वारा आपने इस क्षेत्र का निर्माण कराया। इस विशाल जिनालय के निर्माण में जो चमत्कार हुए इन सब में बड़ा चमत्कार निर्माणकारी श्रमिकों के वेतन का था, जो उन्हें अनायास ही प्राप्त होता था। वह कमण्डल से ही धन निकाल कर देते थे लेकिन जब लोग कमण्डल को उलट-पलट कर देखते तो उसमें कुछ न मिलता। मन्दिर निर्माण के बाद बाबा जी न जाने कहाँ से एक हजार वर्ष प्राचीन महामनोहर अतिशय युक्त चमत्कारी श्री महदेवाधिदेव श्री ऋषभदेव जी की प्रतिमा ले आये और विधिवत् प्रस्थापना की। स्थापना के समय भी जनता को अनेक चमत्कार देखने को मिले।

मन्दिर जो छोटी ईंट और कंकड़ के चूने से पुराने ढंग का बना हुआ है। बाबा जी

की गुफा एक शान्तिप्रद निराकुल स्थान है। यहाँ प्रायः चमत्कार होते ही रहते हैं। श्री १०८ आचार्य शान्तिसागर जी को, स्व० श्री लाला मुन्नीलाल जी एटा वालों को प्रत्यक्ष चमत्कार दिखाई दिया और उन्होंने यहाँ एक कमरा निर्माण कराया। यहाँ आने वाले असंख्य व्यक्तियों का साक्षात् चमत्कार हुआ है। मन्दिरजी की सांकल धो कर पी लेने से व्यंतर बाधा दूर हो जाती है। यहाँ के कुएँ का जल औषध का काम करता है। कुआँ बाबा ऋषभदास जी के मन्त्र बल से मन्त्रपूत है। इस क्षेत्र पर पाँच महान् उत्तुंग गेट बने हुए हैं। क्षेत्र का प्रबन्ध सरकार द्वारा एक रजिस्टर्ड कमेटी के हाथों में है। यह क्षेत्र आगरा से ४० मील, मैनपुरी से ४० मील, शिकोहाबाद से २४ मील, टूण्डला से २४ मील, फिरोजाबाद से १४ मील और फरिहा से दो फर्लांग के फासले पर है। यहाँ आने वाले यात्री को उत्तर प्रदेशीय शिकोहाबाद जंकशन पर उतरकर मोटर बस द्वारा शिकोहाबाद-एटा रोड से चलकर जसराना नामक स्थान पर उतरना चाहिये और वहाँ से दूसरी बस फरिहा को मिलती है, उस पर आना चाहिए। फरिहा से दो फर्लांग अतिशय क्षेत्र है। सब समय सवारियाँ मिला करती हैं। धर्मभावापन्न जनों को अवश्य दर्शन करना चाहिये।

श्री ऋषभ-छाया-सदन टूण्डला

समाज के रचनात्मक कार्य करने वालों में "ऋषभ छाया सदन" का अपना एक प्रमुख स्थान है। इस आदर्श संस्था के माध्यम से समाज के महान् पुरुषों के जीवन चरित्र सदैव प्रेरणापूर्ण प्रकार से प्रदर्शित किये जाते रहे हैं।

संस्था का जन्म सन् १९५० के अक्टूबर मास में टूण्डला में हुआ था। यहाँ लगने वाले विशाल मेले के अवसर पर समाज के कतिपय नवयुवकों के मन में इस प्रकार की संस्था के निर्माण की प्रेरणा जगी थी और श्री ला० श्योप्रसाद जी जैन की अध्यक्षता में इसकी स्थापना कर दी गई। इस संस्था के माध्यम से प्रथम बार जैन छाया चित्र प्रदर्शित किये गये। प्रदर्शनी का छोर "विराग की ओर" छाया चित्र से आरम्भ होता है। इस चित्र में श्री भगवान् नेमीनाथ जी के विवाह तथा वैराग्य के कथानक पर आधारित अनेकों चित्रों का प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन इतना भव्य था कि दर्शकगण मन्त्रमुग्ध हो देखते ही रह गये। इसके सफल प्रदर्शन के पश्चात् तो सदन ने अनेक छाया-चित्रों जैसे—"शान्ति दूत", "अग्नि परीक्षा", "भगवान् महावीर" तथा "भारत माँ की लोरी" आदि के प्रदर्शन कर समाज को नवीनतम पाठ पढ़ाया।

प्रायः देखा जाता है कि नाटकों में कोई एक-दो दृश्य ही छाया चित्र पर दिखाये जाते हैं, पर सम्पूर्ण कथानक को छायाचित्रों पर चलाना ऋषभ-छाया सदन का ही प्रशंसनीय प्रयास था। इस संस्था की उन्नति एवं समृद्धि का श्रेय मुख्यतः श्री सोमप्रकाश जी जैन एम० ए० तथा श्री जिनेन्द्रप्रसाद जी जैन एम० एस० सी० को ही है, जिन्होंने उन दिनों रात-दिन परिश्रम करके इस अभिनव प्रणाली को सफल बनाया।

छाया नाट्य लेखन तथा टैकनीक निर्देशन श्री जिनेन्द्र प्रसाद जी करते रहे हैं। संगीत तथा कामेन्ट्री श्री सोमप्रकाश जी के जिम्मे है। निर्देशक हैं—श्री परमेश्वरी प्रसाद जी वेल्फेयर इन्सपेक्टर। स्टूडियो व्यवस्थापक श्री रतनप्रकाश जी जैन हैं। सैट्स तथा दृश्यों का कार्य श्री कन्हैयालाल जी जैन के द्वारा सम्पूर्ण होता है। इसकी सफलता के प्रमुख आधार पात्र वर्ग में सर्वश्री सनतकुमार जी, सूर्यप्रकाश जी, प्रद्युम्नकुमार जी, नरेन्द्रकुमार जी आदि का नाम उल्लेखनीय है।

●

श्री दि० जैन नेमनाथ अतिशय क्षेत्र राजमल

यह क्षेत्र श्री १००८ नेमनाथ भगवान् की मूर्ति के चमत्कारपूर्ण अतिशय के कारण प्रसिद्ध है। यह मूर्ति पद्मासन ढाई फुट ऊँची, श्यामवर्ण, अतिशय संयुक्त है। इस मूर्ति के सम्बन्ध में यह प्रसिद्ध है कि एक बार बालाबाई को एक स्वप्न हुआ कि नेमनाथ भगवान की रथयात्रा होनी चाहिये। उन्हें वह स्वप्न तद्वत याद रहा और प्रातः उन्होंने सभी स्थानीय जैनी भाइयों से कहा। बालाबाई ने यह भी कहा कि भादों सुदी १५ की रथयात्रा प्राचीनकाल से होती चली आई है। उसी समय भगवान की रथयात्रा हो जायगी। सबने इस बात को स्वीकार कर लिया। कुछ दिन बाद १५ का दिन आया। रथ सजाया गया और उसपर पधारने के लिए भगवान नेमनाथ जी की मूर्ति को चार पुजारी मिल कर उठाने लगे किन्तु मूर्ति नहीं उठी। यह घटना तत्काल चारों ओर फैल गई। कुछ और पुजारी मिलकर मूर्ति को उठाने लगे। तथापि मूर्ति टस से मस न हुई। यह देख कर सबको महान आश्चर्य हुआ और भगवान नेमनाथ की जय-जयकार के साथ सभी जैन बन्धु लगे प्रार्थना करने। बालाबाई ने एक छत्र चढ़ाने की मान्यता की। भक्ति के प्रभाव से अबकी बार दो ही पुजारियों ने मूर्ति को फूल के समान उठाकर रथ में विराजमान करा दिया।

तभी से सबको इस बात का पता चला कि मूर्ति अतिशय संयुक्त है। तभी से स्थानीय तथा बाहर के जैन भाई इस मूर्ति की श्रद्धा व पूजा बड़े प्रेम से करने लगे। बाहर के भी अनेक व्यक्ति इस क्षेत्र में आकर नेमप्रभु के दर्शन करके पुण्य लाभ करते हैं। अन्य एक घटना इस प्रकार है कि विक्रमीय संवत् १९९३ के मगसर वदी में एक रात को एक स्वप्न दिखाई दिया कि मन्दिर का आदमी नेम प्रभु की ओर पैर करके सोता है। प्रातः उस व्यक्ति को देखा गया बात सत्य निकली। उस व्यक्ति को बतलाया गया कि तुम बहुत बड़ा अपराध करते हो। उस व्यक्ति ने नेम प्रभु की बड़ी प्रार्थना की और अपनी भूल के लिए प्रभु से क्षमा मांगी। यह घटना भी दूर-दूर तक प्रसिद्ध हो गई। इसके बाद संवत् १९९७ में वैसाख वदी १४ से लेकर सुदी ३ तक श्री जिन बिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ, जिसमें बहुत दूर-दूर के कई हजार यात्री एकत्र हुए थे। इस क्षेत्र पर प्रति वर्ष दीपावली के बाद तीन दिन का मेला होता है, जिसमें दूर-दूर के यात्री एकत्र होकर अतिशय संयुक्त श्री नेम प्रभु के दर्शन कर पुण्य अर्जित करते हैं। ऐसे इस क्षेत्र पर सभी अवसरों पर यात्री अपनी मनोकामना लेकर आते हैं और अपना मनोरथ प्राप्त करते हैं।

माह सुदी ७ में २०१३ में श्री १०८ आचार्य महावीरकीर्ति जी महाराज ससंघ पधारे। क्षेत्र पर संघ छह दिन ठहरा। आचार्य जी नेम प्रभु के दर्शन कर विशेष प्रभावित हुए। उपदेश के समय उन्होंने जैन समाज को आदेश दिया कि जिस प्रकार चांदनपुर के श्री १००८ महावीर जी के दर्शन करने से पुण्य होता है, उसी प्रकार यहाँ पर नेम प्रभु के दर्शन व पूजन करने से पुण्य होता है। अतः अधिक से अधिक लोगों को पुण्यार्जन करते हुए इस क्षेत्र की उन्नति करनी चाहिये।

आचार्यश्री पर नेम प्रभु का ऐसा प्रभाव पड़ा कि दूसरी बार फाल्गुण वदी११संत्२०१३ को पुनः क्षेत्र पर पधारे। दर्शन करने के बाद आचार्य श्री की इच्छा हुई कि यहाँ केशलोंच करेंगे। किन्तु किसी कारण से यहाँ केशलोंच न हो सका। इस पर उन्होंने कहा कि मेरी दो बन्दनाएँ हो चुकी हैं। यदि आयु रही तो तीसरी बन्दना फिर करूँगा। यहाँ से आप ससंघ टूण्डला को चले गए और वहीं केशलोंच हुआ। उसी रात को श्री १०८ आचार्य वर्द्धमानसागर जी को स्वप्न हुआ कि तुम राजमल जाकर श्री नेमनाथ भगवान के दर्शन करो अन्यथा बीमार हो जाओगे। वह दर्शन को नहीं आ सके और बीमार हो गए।

संवत् २०१७ के मगसर वदी ११ को श्री १०८ आचार्य विमल सागर जी महाराज ससंघ क्षेत्र पधारे। उन्होंने नेम प्रभु के सामने अखण्ड दीपक और ऊपरी शिखर निर्माण के लिए आदेश दिया। तब से अखण्ड दीपक जलता है और शिखर भी बनकर पूर्ण हो गया है। केवल कलश चढ़ना बाक़ी है। इसके लिए द्रव्य की आवश्यकता है। इस मूर्ति का ऐसा ही प्रभाव है कि जो कोई नर नारी सच्चे हृदय से पूजन, बन्दन करता है, उसके लौकिक कार्य ठीक हो जाते हैं। प्रभु की बन्दना से रोगी रोग मुक्त हो जाते है, भूत प्रेत की बाधा नहीं रहती है। अन्य प्रकार के जो भी क्लेश होते हैं,उनसे भी मुक्ति मिल जाती है। इस प्रकार के अनेक चमत्कार देखने को मिले हैं।

●

जिनेन्द्र कला-केन्द्र, टूण्डला

संस्थापक—श्री वासुदेव सहाय जी जैन।

संरक्षक—

(१) श्री ब्र० सुरेन्द्रनाथ जी, ईसरी बाजार,

(२) श्री बा० नेमीचन्द जी एडवोकेट मौरेना,

(३) श्री सुनहरीलाल जी जैन, आगरा,

(४) श्रीमती रमा जैन, कलकत्ता,

(५) श्री छदामीलाल जी जैन, फिरोजाबाद,

(६) श्री जुगमंदिरदास जैन, कलकत्ता।

"जिनेन्द्रकला केन्द्र" समाज की गौरवशाली संस्था है। इस संस्था द्वारा अपनी अभिनय कला के माध्यम से जैन तीर्थंकरों तथा महान पुरुषों के कल्याणकारी पावन चरित्र

जनसाधारण तक बड़े ही सरलतापूर्वक पहुँचाये जाते हैं। काव्य के दृश्य-काव्य और श्रव्य काव्य यह दो रूप हैं। अतः इस संस्था ने दोनों ही रूपों से अपने उद्देश्य में सफलता प्राप्त की है। संस्था के स्थापन तथा नामकरण का भी एक रहस्य है।

९ जुलाई १९६३ को जैन जाति का एक उज्ज्वल नक्षत्र एक अनोखी झलक दिखाकर सदैव के लिए अनन्त में विलीन हो गया—नाम था जिनेन्द्र। श्री सुनहरीलाल जी जैन की दुलारभरी गोद का आनन्द प्राप्त करते हुए इस प्रतिभावान किशोर ने जब बीसवें वर्ष में प्रवेश किया, तो मृत्यु इस पर दृष्टि करने लगी और देखते ही देखते कराल काल ने इस युवक को अपनी कठोर बाहुओं में कस लिया। टूण्डला के सारे ही समाज ने इस कठोर वज्राघात को सहन करते हुए—जिनेन्द्र की भावनाओं को ही उसका शरीर मानकर धैर्य धारण किया और उस बाल-कलाकार की कलाओं एवं इच्छाओं को मूर्तरूप देने के लिए २९ सितम्बर १९६३ को "जिनेन्द्र कला-केन्द्र" की स्थापना कर दी। देश और विदेशों में जैन-धर्म के प्रसार और प्रचार की इच्छा की जो ज्योति जिनेन्द्र के हृदय में अखण्ड रूप से प्रज्वलित थी वही ज्योति इस संस्था के प्रधान उद्देश्यों में प्रकाशित है।

इसका उद्‌घाटन श्री परमेश्वरीप्रसाद जी जैन (वेलफेयर इन्सपेक्टर उत्तर रेलवे) द्वारा किया गया। यह संस्था धन-संग्रह तथा किसी प्रकार के व्यक्तिगत लाभ के उद्देश्य को लेकर जीवित नहीं है। अपितु इसका लक्ष्य महान् और उद्देश्य उत्तम है। इसकी मान्य कलाकार कला के व्यवसायी नहीं, अपितु कला के साधक हैं। कला की इस साधना में धर्म-प्रभावना भी एक संकल्प है। संस्था के कलाकारों का समूह उच्च शिक्षा से विभूषित तथा कुलीन बन्धुओं का एक आनन्दपूर्ण मण्डल है। सभी कलाकार जहाँ अपनी कला में निपुण एवं पारंगत हैं वहाँ चरित्र भी इनकी अपनी मूल पूँजी है। संस्था की उन्नति एवं प्रगति के लिए प्रत्येक कलाकार तन-मन-धन से प्रतिक्षण तैयार रहता है।

संस्था ने हस्तिनागपुर, आगरा, नुनिहाई, श्री सम्मेदशिखर, मरसलगंज, फिरोजाबाद, देहली, सरधना, देहरादून, श्री महावीर जी, केकड़ी (अजमेर), बड़ौत, गाजियाबाद, कामा, जयपुर, रोहतक (पञ्जाब), गोहाटी (आसाम), मुजफ्फरनगर तथा अयोध्या आदि प्रमुख स्थानों पर अपनी प्रभावशाली कला का सफल प्रदर्शन किया है। अनेकों स्थानों पर इन कलाकारों का हार्दिक स्वागत तथा अभिनन्दन किया गया है।

अतः संस्था द्वारा जैन-धर्म एवं सिद्धान्तों का आशातीत प्रसार हो रहा है। समाज का धर्मानुरागी कलाप्रिय वर्ग संस्था की प्रगति की कामना करता है।

"जिनेन्द्र कला-केन्द्र टूण्डला" के नियम

(१) हम सिर्फ आने-जाने का मार्ग-व्यय ही लेते हैं।

(२) हमारे अभिनय में जो न्यौछावर व धन प्राप्त होता है, वह अभिनय के स्थान के मन्दिर जी को भेंट स्वरूप दे दिया जाता है।

(३) हमारे ठहरने आदि की उचित व्यवस्था।

(४) हम केवल १६ कलाकार हैं, सब व्यवसायी प्रोफेसर तथा विद्यार्थी हैं।

(५) बैठक में निर्णय होने पर हम आपके यहाँ केवल दो दिन ही अभिनय दे सकेंगे।

(६) हमारा उद्देश्य धर्मप्रचार है।

(७) हमको दो मास पूर्व सूचित करना अनिवार्य है।

●

श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन पंचायत देहली

भारतवर्ष की राजधानी देहली में निवास करने वाले स्व जाति जन अपने समाज-संगठन एवं कर्तव्य पालन के प्रति पूर्ण रूप से जागरूक हैं। धर्मसेवा तथा समाज-प्रगति की महती भावनाओं की ध्वनि ही है 'श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन पंचायत देहली'। इस संस्था का पंजीकरण हो चुका है। इस संस्था का स्थापन एवं जन्म बड़े उत्साह के साथ किया गया है। संस्था अपने आप में स्वावलम्बी है। संस्था अपने मन्दिर एवं धर्मशाला की पूर्ण व्यवस्था बनाये हुए है। उपरोक्त स्थानों की उन्नति तथा समृद्धि के लिए संस्था प्रयत्नशील रहती है। सेवा-फण्ड, बर्तन-भण्डार आदि विषयों पर भी संस्था में विचार किया है। संस्था के विचारशील पदाधिकारी तथा उत्साही सदस्य पुस्तकालय एवं औषधालय आदि की स्थापना का भी प्रयास कर रहे हैं।

संस्था के सभी सदस्य पूर्णरूप से संगठित तथा समाज-सेवा के प्रति दृढ़प्रतिज्ञ हैं। सामयिक समस्याओं पर विचार-विमर्ष करने के लिए पंचायत मासिक सभाओं का आयोजन करती रहती है। धर्म-प्रभावना भी संस्था के मुख्य उद्देश्यों में है। संस्था की अब तक की प्रगति सन्तोषजनक तथा प्रेरणापूर्ण है। संस्था द्वारा जहाँ सामाजिक कार्यों की पूर्ति होती है वहाँ वह राष्ट्र-हितैषी कार्यों में भी एक देशभक्त संगठन की भाँति योगदान देती रहती है। संस्था का कार्यालय २१४५ धर्मपुरा देहली ६ में स्थापित है।

●

श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन पंचायती मन्दिर, धर्मपुरा देहली
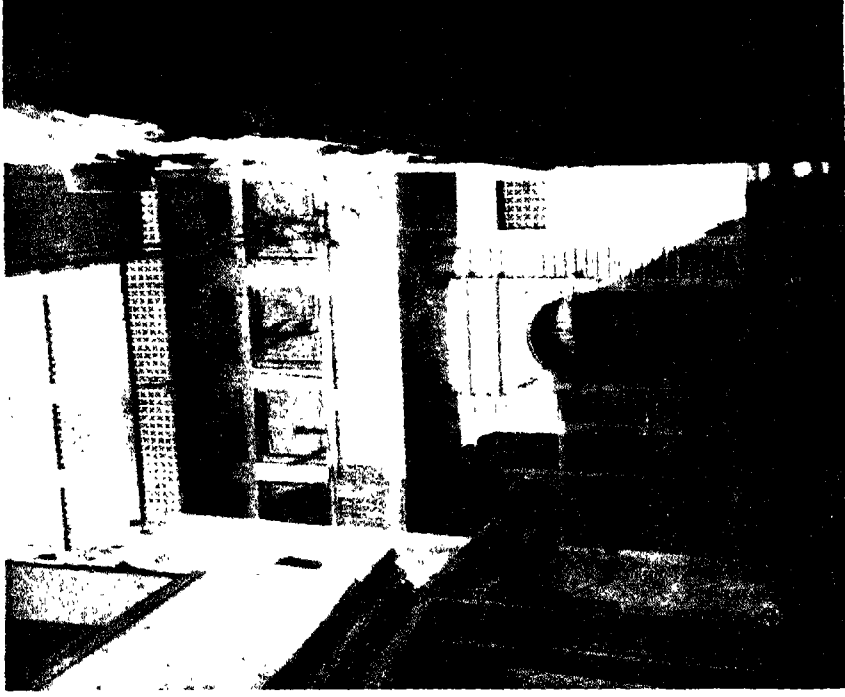
श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन पंचायती धर्मशाला, धर्मपुरा देहली

श्री जिनेन्द्र कला केन्द्र टूण्डला के कलाकार

श्री पी० डी० जैन इण्टर कालेज, फिरोजाबाद

समाजोपयोगी

स्मरणीय

संकेत
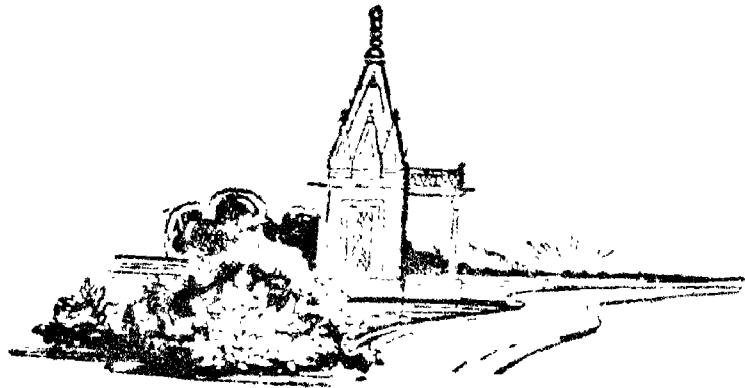
स्व० श्रीमती फूलमालादेवी जैन, टूण्डला

श्रीमती मोतीमालादेवी जैन, टूण्डला

श्रीमती इन्दुमती जैन, कलकत्ता

सुश्री सुशीलादेवी जैन, 'विदुषी'

सुश्री निर्मलादेवी जैन, देहली

समाज की आदर्श मर्यादायें

एवं

प्रचलित प्रथाएँ

[लेखक—पाण्डे कंचनलाल जैन, टूण्डला]

भारतवर्ष के विशाल भू-मण्डल पर कोटिशः जन-निवास करते हैं। विभिन्न संस्कृति एवं सभ्यता वाले इस प्राचीन देश में आरम्भ काल से ही आत्म-कल्याण एवं मानव जीवन को सभ्य और सुव्यवस्थित बनाने के प्रयास किये जाते रहे हैं। भारतवर्ष की पावन भूमि पर अनेक अवतारों का अवतरण हुआ है। इन्हीं पवित्र आत्माओं ने धर्म संस्थापनार्थ व्यथित और अव्यवस्थित मानव समूह के चारों ओर मर्यादा एवं सभ्यता की रेखाएँ खींचते हुए अपने आत्म ज्ञान से उन्हें प्रकाशित किया है। तत्वदर्शी इन महात्माओं के सदुपदेशों एवं सांकेतिक मार्गों (धर्मों) को जिस समाज ने धारण किया—वह पीढ़ी-दर-पीढ़ी उन्हीं के अनुयायी कहलाता आ रहा है।

सभी भारतीय-धर्म अपने में कुछ न कुछ विशेषता लिये हुए हैं। किन्तु मानव जीवन को चिर शान्ति एवं सह-अस्तित्व का जितना सुखद और आनन्दपूर्ण पाठ जैनधर्म पढ़ाता है, वह उसकी अपनी मौलिकता है। सत्य, अहिंसा, उदारता और संयम का जितना मण्डन जैन-शास्त्रों में किया गया है, उतना अन्यत्र नहीं। जैन धर्म की एक-एक धारा में निश्चल शान्ति हिलोरें लेती है। इसका बृहत् दृष्टिकोण प्राणीमात्र को स्नेह और समता की समान दृष्टि से निहारता हुआ चलता है। एक रूप में भगवान् महावीर जी सहित चौबीसों तीर्थंकरों ने जैन धर्म को किसी एक समूह के लिए नहीं, अपितु जीव मात्र के कल्याण को भावना से प्रचारित किया है।

जैन धर्म का अनुयायी पद्मावती पुरवाल समाज जहाँ आज आध्यात्मिक प्रगति की ओर अग्रसर हो रहा है—वहाँ वह सांसारिक जीवन का अनुसंधान कर अपनी सामाजिक मर्यादायें भी निर्माण करता जा रहा है। इन मर्यादाओं में प्राचीन और अर्वाचीन विचार-धाराओं का समन्वय भी देखा जा रहा है। समय और सदियों के साथ समाज को भी करवटें बदलनी पड़ती हैं। जो समाज समय की गति के साथ नहीं चल सकता, वह पिछड़ जाया करता है, किन्तु उस समाज का तो अस्तित्व ही मिट जाता है, जो 'प्रगति' और 'क्रान्ति' के नाम पर अपने मूल धर्म की हत्या कर बैठता है। समय और कर्तव्य दोनों का समादर कर बढ़ने वाला समाज ही अजर, अमर तथा शाश्वत कहलाता है।

हमारे पद्मावती पुरवाल समाज के विद्वानों, समाज-सेवियों तथा धर्मात्माओं ने स्वधर्मानुरूप जन्म, विवाह तथा मृत संस्कारों का शास्त्रोक्त-रूप ग्रहण करते हुए समय-समय पर कुछ नियमों को स्वीकार किया है। देश-काल एवं परिस्थितियों के अनुसार नीचे लिखे रीति-रिवाजों में कुछ अन्तर होना स्वाभाविक है, किन्तु समाज का एक बड़ा भाग इन्हीं मर्यादाओं के अन्तर्गत अपने जातीय संस्कार सम्पूर्ण करता है।

संस्कार सोलह माने जाते हैं। इनमें प्रथम है जन्म-संस्कार। जैन जाति में सूतक का अर्थ शुद्धि से है न कि खाने से। अन्य मतों में तो यह रिवाज है कि जब पण्डित जी धागा बाँध गये, जब चाहे दस दिन बाद या सात दिन बाद आकर खा गये और शुद्धि हो गई। परन्तु अपने यहाँ प्रसूता स्त्री ४५ दिन में शुद्ध होकर मन्दिरजी में धर्म, पूजन, दान करसकती है। पुरुष दस दिन में पूजन-दानादि करने के योग्य हो जाता है। दस इसीलिए वह दस ठोन आदि के कार्य जुटाकर दस ठोन कर सकता है।

जन्म के समय चरूया (सतिया) रखे जाते हैं। यह सतिया स्वस्ति का चिह्न माना जाता है। इसका अर्थ है—अपना अस्तित्व बना रहे। शास्त्रानुसार संसार का जब प्रलयकाल आता है, तब पुण्यात्मा जीवों को देव ले जाते हैं। जब देव अयोध्या नगरी या सिद्धभूमियों की रचना करते हैं, तब पृथ्वी पर जहाँ स्वाभाविक सतिये बने रहते हैं, वहाँ वह पुण्य स्थानों की रचना करते हैं। अतः हमारे वंश का अस्तित्व बना रहे, इसी उद्देश्य से हम सतिये का चिह्न बनाते हैं। हमें सतिया कभी नहीं भूलना चाहिए।

●

स्वसमाज के कुछ उपयोगी नियमः—

१—रात्रि भोजन तथा बिना छाना जल ग्रहण न करना और जिन दर्शन के उपरान्त अन्न ग्रहण करना।
२—मांस, मधु, मदिरा और सप्त व्यसन का त्याग।
३—जिन शास्त्र स्वाध्याय, सामायिक करना।
४—स्वजाति में ही विवाह आदि सम्बन्ध स्थापित करना।
५—प्रत्येक को अपनी आय के अनुरूप धर्मार्थ में दान देना।
६—पुत्र न होने पर दत्तक पुत्र ले लेना।
७—विवाह आदि मांगलिक कार्यों में व्यर्थ खर्च न करना और विवाह संस्कार से पूर्व मन्दिर में दान प्रथा को बनाये रखना।
८—धर्म में दृढ़ रखने एवं रहने के लिए प्रायश्चित्त दण्ड विधान निश्चित करना।
९—५० वर्ष से ऊपर आयु वाले की तेरहवीं करना। त्रयोदशाह शुद्धि अनिवार्य है।

जन्म-सूतकः—

गृह में नव शिशु के जन्म के साथ ही सूतक आरम्भ हो जाता है। सूतक काल में देव, शास्त्र तथा गुरु की पूजा-प्रक्षालादि और मन्दिरजी के शास्त्र आदि वस्तुओं का स्पर्श वर्जित है।

१—जन्म का सूतक दश दिन तक माना जाता है।
२—यदि स्त्री का गर्भपात पाँच या ६ महीने का हो, तो जितने माह का गर्भ हो, उतने ही दिन का सूतक माना जाता है।
३—प्रसूत स्त्री को पैंतालीस या चालीस दिन के पश्चात् ही शुद्ध माना जाता है।
४—प्रसूत स्थान भी एक मास तक पवित्र नहीं माना जाता।

५—गौ, भैंस आदि घरेलू पशु घर में बच्चा जनें, तो एक दिन का सूतक माना जाता है और घर के बाहर जने तो सूतक नहीं माना जाता।

छठी उत्सवः—

यह छः दिन या सात दिन का होता है। इस दिन शुभ घड़ी में एक नवीन प्राणी को नवीन वस्त्र पहना, आखों में काजल लगाया जाता है। हाथों और पावों में नीले धागों की करधनी पहनाई जाती है। प्रसव स्थान में एक कोने में अग्नि अवश्य रखनी चाहिए ताकि वायु मण्डल स्वच्छ रहे।

स्त्री को अपने शरीर को साधकर निकलना चाहिये। किसी दीवार आदि का सहारा न लेकर चलना चाहिए। छठी के दिन ही संसार के काम में उसका पहला पदार्पण समझा जाता है। बालक का मुँह कौर छठवें महीने होना चाहिए—छठे महीने से पहले दांत भी नहीं निकलते।

प्रसव से ४५ दिन बाद पति-पत्नी दोनों को घर में हवन करना चाहिए। दोनों हाथों में कलावे का सूत्र कोई न हो तो कुंवारी कन्या से भी बंधवाया जा सकता है। इसके पश्चात् मन्दिरजी जावे, दर्शन, दान तथा पूजादि करे।

मासिक धर्मः—

रजस्वला स्त्री चौथे दिन पति भोजन आदि कर्म के लिए शुद्ध मानी जाती है तथा देव-पूजन, पात्र दान आदि के लिए पाँचवे दिन शुद्ध मानी जाती है। रजस्वला काल में स्त्री को घर के भोजन आदि शुद्ध पदार्थों को स्पर्श नहीं करना चाहिए एवं अबोध बालकों के अलावा अन्यों को स्पर्श भी नहीं करना चाहिए। देव दर्शन के लिए दूर से जिनमंदिर की टोंक को देखकर दर्शन की पुष्टि करे।

मृत्यु-पातकः—

परिवार के प्राणी की मृत्यु के साथ ही पातक आरम्भ हो जाता है। पातक तीन पीढ़ी में बारह दिन, चौथी पीढ़ी तक छः दिन, पाँचवी व छठी पीढ़ी तक चार दिन, सात तक तीन दिन, आठवीं पीढ़ी में एक दिन-एक रात और नवमी में स्नान-मात्र से पातक दूर हो जाता है। सूतक दोष गोत्र के मनुष्य को पांच दिन का माना जाता है।

१—अपने कुल का कोई व्यक्ति देशान्तर में मरण करे और बारह दिन से पूर्व खबर मिले, तो शेष दिन का ही पातक मानना चाहिए। बारह दिन पूरे हो जाने पर स्नान मात्र से शुद्ध हो जाता है।

२—कुल के किसी गृह त्यागी व संन्यासी का मरण हो जाये या कोई कुटुम्बी संग्राम में मारा जाये, तो एक दिन का ही पातक माना जाता है। पातक काल में मन्दिरजी की किसी पवित्र वस्तु को न छुए और न ही इस अवधि में कोई शुभ कार्य आरम्भ करे।

परम्परानुगत वैवाहिक पद्धति एवं मांगलिक द्रव्य प्रसाधन

सभ्य सुशिक्षित समाजों की तो बात ही कुछ और है, वनवासी कोल-भील आदि जातियों में भी वैवाहिक प्रथायें हैं और वह भी अपनी प्राचीन मर्यादाओं के अनुसार ही विवाहादि मांगलिक कार्यों में अपने पूर्वजों के पदचिह्नों पर चलते हैं। जैन एक विशेष धर्म-प्रभावना सम्पन्न समाज है और पूर्वाचार्यों द्वारा बाँधी हुई मर्यादाओं के अनुसार ही खान-पान से लेकर मरणपर्यन्त प्रत्येक कार्य में गतानुगत परिपाटी का दृढ़ता के साथ परिपालन का अभ्यासी है। यहाँ कुछ वैवाहिक प्रथा पर इस आशय से प्रकाश डाला जा रहा है कि जिससे सर्वसाधारण वैवाहिक आवश्यकताओं से अवगत हो जाय और कार्य के पूर्व ही उन वस्तुओं का संग्रह कर ले और सरलतापूर्वक उन कार्यों का सम्पादन करता जाय। इस लेख में वर और कन्या दोनों पक्षों के निमित्त संक्षिप्त संकेत दिये जा रहे हैं।

यह बात अवश्य है कि जैन-धर्म का विपुल साहित्य है और धर्म के प्रत्येक विषय पर बड़े-बड़े ग्रन्थ भी हैं। किन्तु सब समय, सभी स्थानों पर सबको न तो वह ग्रन्थ ही उपलब्ध होते हैं और कदाच ग्रन्थ भी प्राप्य हुए तो उन्हें समझने की सर्वसाधारण में न क्षमता ही होती है। इसीलिए गृहस्थाचार्यों की अपेक्षा की जाती है। क्योंकि वह उस पद्धति, परिपाटी के पंडित होते हैं। अथच सरल हिन्दी में यदि यह अनिवार्य बातें आ जाती हैं तो इसके संकेतानुसार साधारण गृहस्थ भी अपनी पूर्व की तैयारी तो कर ही सकता है। एतदर्थ ही यहाँ उन बातों को लिपिबद्ध किया जा रहा है।

वैवाहिक समारोह के लिए कन्या और वर, दोनों ही पक्ष वाले गृहस्थ अपनी-अपनी सामर्थ्य के अनुसार सामग्री संग्रह करते हैं। इसलिए उभय पक्ष के हेतु निर्देश होना उचित है। प्रथम कन्या पक्ष के लिए और फिर वर पक्ष के निमित्त वर्णन किया जा रहा है।

कन्या पक्ष के लिए—

सर्व प्रथम भगवान के मंगल गीत होते हैं।

(१) प्रथम बात नौग लेने की आती है।

(अ) नौग में सद्गृहस्थ खाद्यपदार्थ आदि आवश्यक द्रव्य संग्रह करता है और उनका शुद्धि संस्कार करता है। जैसे साफ करना, पिसवाना आदि।

(आ) नौग लेने की क्रिया को विवाह का आरम्भ समझा जाता है। इसमें नाम उतरवाया जाता है और अपने कौटुम्बिकों को पत्र आदि भेजे जाते हैं। इससे यह पता चल जाता है कि विवाह पक्का हो गया है।

(२) (अ) पीत-पत्रिका भेजना। इसमें विवाह की मिति निश्चित होती है। यह पत्रिका लगन के साथ भी भेजी जाती है।

(आ) लगन दो लिखवाना। एक संकेत के लिए भेज देना और एक नारियल १) रुपया तथा उसमें संकेत बताने के पूर्व लिखित भेजना =), ।), ।।) रुपया आदि पीत-पत्रिका के साथ भेजे तो भेजे नहीं तो लगन के साथ नहीं।

गुण रखनाः—

(३) भात न्योतने जावे तो ४) रुपया नगद २४ पान गुण बताशे ले जावे और वह कन्या के मामा के यहाँ दे आवे। जिससे वह भी यथाशक्ति तैयारी करेगा।

(४) निमन्त्रण अपने सम्बन्धियों को यथाशक्ति भेजवावे।

(५) लिखित समय तेल, कंकण बँधवाना। उस समय एक कलश जल भर कर स्थापित करवावे। मँड़वा गड़वावे और मँड़वे में ५ सुपारी, ५ हल्दी की गाँठें और ५ पैसा भी डालना चाहिये। तेल चढ़वावे, दो पटुली बनवाके रखे, घण्टी बैठावे। इस क्रिया को स्त्रियाँ जानती हैं। काजल लगवावे, आरती करवावे। सम्पूर्ण अङ्ग में तेल स्वयं मर्दन करना चाहिये।

(६) वर-आगमन व मण्डप लगन।

चार साड़ी, ब्लाउज, एक थान, एक नारियल और उसके साथ मट्ठे-मिष्टान्न व नमकीन एक वरोलिया, जो एक लोटा में चावल ।।) या १) रुपया डालकर पीले कपड़े से बाँध दे। मट्ठों पर पीले चावल, घी और दो पैसा रख दे और जितने रुपये देने हों दे। रुपया १) रुपये से ५५) रुपये तक ही दे सकता है जो लगन संकेत से जानें। फिर भ्रात के लाए हुए वस्त्र व जेवर आदि लेवे। उसके अनुसार जिसको जो वस्त्रादि दे। बहिन भाई का टीका गोला और मिष्टान्न देकर करे। उस समय भाई बहिन को एक वस्त्र अवश्य दे और चाहे कुछ दे या न दे।

दरवाजाः—

(७) जेवर अपनी सामर्थ्य के अनुसार दे। एक जंजीर, अँगूठी और नगद रुपया ४१) ही दे। वर को पहिनने के लिये एक पट्टी व रूमाल अवश्य हो। जो ज्यादा से ज्यादा है, कम से कम १) तक दे सकता है और उस समय एक अँगूठी भी देता है। बर्तनों में कलशा या कोठी भी दे सकता है जो चार ही होनें चाहिये। वैसे पूरा सूट दे सकता है। समय के अनुसार जैसी सामर्थ्य हो दे। आवश्यकतानुसार दरवाजे पर आगन्तुकों के लिए पेय पदार्थ प्रस्तुत करे।

सम्प्रदानः—

(८) जल, दूध, चाय आदि पेय पदार्थ देवे। मण्डप में चाँदनी आदि लगवा दे। एक गृहस्थाचार्य वरपक्ष के गृहस्थाचार्य के समक्ष दोनों पक्ष के बुजुर्ग साखोच्चार के लिए कहे और उसके अनुसार दोनों पक्ष के बुजुर्ग एक स्थान पर बैठकर साथ-साथ नमस्कार मन्त्र पढ़ें। सात सुपारी, सात हल्दी की गाँठें लेकर बैठे। मन्त्र पूर्ण होने पर उसे माली को दे देवे। सात जोग यहाँ इसलिए हैं कि हमारी भगवान् सात साख तक इज्जत बनाये रखे। तब कन्या को जेवर पहनवावे।

(९) प्रातः सचेतना संकेत के बाजे बजते ही बारात के स्वागत समादर के कार्यों में जुट जाना चाहिये।

(१०) देवदर्शन—देवदर्शन के बाद जलपान का नम्बर आता ही है। इसलिए दो थाली तैयार रखे। बारात के माँगने पर तत्काल ही जलपान पहुँचा दे।

(११) सज्जन-मिलाप—सज्जन-मिलाप में १ वस्त्र, १ बर्तन और २१) नगद से अधिक नहीं होवे। यह सामान लेकर साथ में भतेत, सवासी, सम्बन्धी, रिश्तेदार और परिवारवालों को लेकर बारात मे जावे और दावत का निमन्त्रण देवे। बारात न्योतनी करे। दो थाली तैयार करके बारात को भेज देवे। बारात के आने पर उसे उचित स्थान पर बैठावे और इत्र व पान सुपारी आदि से उसका सम्मान करे। अपनी तैयारी कर ले। उसके बाद सब लोगों को अन्दर ले जावे। प्रीति पूर्वक भोजन करावे। वर को एक अँगूठी या रूमाल, गोला, फेंटा, टोपी, वस्त्र आदि देवे और वर को टीका करके सम्मान करे। भोजन के पश्चात् पान आदि दे।

पाणिग्रहण संस्कार (कन्यादान):-

(१२) वर पक्ष वाले सात बर्तन खाली मँगावें तो उन्हें दे देवें, जिसमें कि वह पूर्ववत् सतपुर का सामान तथा कोरे वस्त्र रखकर लावेंगे। यह वस्त्र विवाह के समय कन्या को पहनाये जावेंगे। पीली मिट्टी, एक लोटा शुद्ध जल, चावल साफ चुने हुए, गुड़, रुई, दियासलाई, चौमुख दीपक, पटला ३, काठ की पटली २, चौकी १, शुद्ध घी, १ चम्मच, तेल १ तोला, लड्डू ४, कलावा, चकला व वेदी का पात्र (परात) आदि। आम्र के पत्तों की झालर अवश्य लगवा देवे। कन्यादान में केवल १७) रुपये)॥ पैसा ही दे सकते हैं। सामाजिक पद्धति के अनुसार नियम इतना ही देने का है। इसके बाद अपनी-अपनी इच्छा।

रहस्य बधावा (कोरा कागज):-

(१३) वर-कन्या बारात में जावें और वहाँ से शीघ्र ही मय शुष्क मेवा या मिष्टान्न के वापस आवें और आते ही कोरा कागज लेकर बारात में भेज देवे। (विदायगी संदेश)।

पलंग:-

(१४) विदाई के लिए आये हुए बारातीजनों को यथास्थान बैठावे। अपने घर में लड़के को पैरावनी बागा आदि पलंग पर रखे। ओढ़ने-बिछाने के कपड़े, देने के बर्तन जिसे पंचहड़ कहते हैं, वह भी रखें। एक सूप व धान आदि वस्तुओं को यथारीति सँजो ले। फिर वर को घर के अन्दर बुलाकर गृहस्थाचार्य तथा वयोवृद्धों द्वारा आशीर्वाद दिलावे। लड़की लड़के का मुँह जुठरवा दे अर्थात् दोनों को कुछ खिला दे और फिर वर को सीक परसने का दस्तूर करायाजाये वह सासू का जमाई को आशीर्वाद देना है उसमें वर को कुछ दे।

वरपक्ष के लिए पालनीय नियम

भगवान् के मंगलमय गीत:-

(१) नौग लेना—खाद्य-पदार्थ एकत्र करना और उन्हें साफ शुद्ध करके यथाविधि पिसवाना और एतत्सम्बन्धी सामग्री संग्रह करने को नौग लेना कहते हैं।

(२) कन्या पक्ष से आए हुए पत्र के अनुसार कृष्णपक्ष में वंश के नाम उतार कर भेजना चाहिए, जिससे किसी प्रकार का संशय न रहे। अर्थात् अपनी स्वीकृति देना।

(३) शुभ दिन में आई हुई लगन-पत्रिका को अपने व्यवहारी, कुटुम्बियों और पंचायतियों के समक्ष पढ़वावे। लाने वाले को संकेत के अनुसार वस्त्र व रुपया देवे और उसका मुख मीठा करा देवे और आगन्तुकों को यथाशक्ति पान, बताशे आदि वितरण करे।

(४) पीत पत्रिका वाला रुपया संकेत के मुताबिक उसी को देवे। तेल, कंकण बन्धन और गीत मंगल आदि करावे।

(५) भ्रात न्योतने में—वर के मामा के यहाँ २४ पान, ४) रुपया नगद, गुड़, बताशे आदि दे आवे, जिससे कि वह भी यथाशक्ति तैयारी करे।

(६) यथाशक्ति अपने सम्बन्धियों को निमन्त्रित करे। निमन्त्रण-पत्र भिजवाये।

(७) लगनानुसार तेल, कंकण बँधवाये। मँड़वा गड़वाये और एक कलश जल भर घट की स्थापना करे। उसमें ५ सुपारी, ५ हल्दी और ५ पैसा डलवाये। पटुली तैयार करवाये। कड़ा आदि डालकर घंटी आदि बनवाये। काजल लगवाये, आरती करवाये, पूर्ण अंग पर तेल मर्दन करवाये।

भात, बरयात्रा :-

(८) भात के लाए हुए कपड़े व जेवर लेना और वर के कुल वागा आदि पहनने के वस्त्र बनवाये। एक पनत्थ भी बनाये, जिसमें वर-वधू की गांठ जोड़ी जाती है वह लाल या पीले वस्त्र। अपने गृहस्थाचार्य के लिए भी वस्त्र बनवाये और सुपारी, पान, कलावा के साथ भेंट करे। स्वेत लगुन-आई हुई लगुन वर के हाथ पर रखे। जिस पात्र में लगुन आई हो उसमें २४ पान और २४ सुपारी रखे। एक लाल वस्त्र कन्या को भेजे और आई हुई वस्तु द्रव्य संभाल कर ले लेवे।

दरवाजा:-

(९) दरवाजे के लिए वर की सवारी और रोशनी का पूरा साधन रखे। तसवीरे २ होनी चाहिए, जो घोड़ों पर सवार होवें। नगदी पुरस्कार स्वरुप वितरण करे। समयानुसार पेय वस्तु ही लेवे, अन्य नहीं।

(१०) सम्प्रदान—कन्या के लिए जो जेवर लाये हों, वह कन्या को पहनावे। मंडप पर चाँदनी के रुप में लगाने के लिए एक वस्त्र ले जावे। धोती और सतपुर सात थालियों में जो

कि नियत हैं मांगलिक द्रव्य तथा (झोरी) के लिए कुछ सूखा हुआ मिष्टान्न बाँध कर (चमैनी) कन्या को देवे। मान्य से आरता करवावे। आरता में २ रु० से अधिक नहीं और आठ आने से कम नहीं देवे, जिस स्थिति का विवाह हो, उसी के अनुसार कार्य करें। कन्या पक्ष के बुजुर्ग आचार्य के समक्ष साखोच्चार नमस्कार मंत्र पढ़े। वर पक्ष के साथ बैठ कर उच्चारण करें।

(११) प्रातः बाजेवालों को भेज कर कन्या पक्ष के दरवाजे पर बाजे बजवावे, जिससे कि उत्साह चेतना और शुभ सूचना फैले।

जिन देव-दर्शन:-

(१२) धर्मार्थ दान और लगुन दरवाजे से अधिक ही होना चाहिए नगदी से कम नहीं। जो लगुन दरवाजे पर मिले, अधिक की छूट है। इसके साथ पुजारी के लिए धोती, दुपट्टा, बेसन, छन्ना सामग्री देना अति आवश्यक है और फिर अपनी इच्छानुसार जैसा चाहे दान देना चाहिये।

(१३) सज्जन मिलाप—इसमें कन्या पक्षवालों को सम्मानपूर्वक स्थान दे और पाण्डे जी के कथनानुसार यथावत सब से मिले मिलावे, इत्र पान से सत्कार करे। पाण्डे जी उभय पक्ष का पारस्परिक परिचय करावें। बरात में चमैनी बंटवा देवें। कन्या पक्ष के भी बच्चे बुला लेवे और उन्हें भी चमैनी देवे।

(१४) कन्या पक्ष से दो पात्र आए हुए को बुलावा समझ कर दावत को जावे। उन पात्रों में चावल लड्डू ४ खूजा २ रखकर ले जावे फिर वहां नियत स्थान पर बैठे। जब भोजन के लिए प्रार्थना की जावे तो यथा स्थान पर बैठ कर भोजन करे। पान आने पर दावत समाप्त समझ कर चले आवे। वर को वहाँ थोड़ा ठहर कर अपना टीका करवाना चाहिए। वस्त्रादि जो सामान मिले, लेकर जनवासे चले आवे।

पाणिग्रहण संस्कार (विवाह):-

(१५) कन्या पक्ष से मगाई गई सतपुर को सात थाली जिसमें पूर्ववत सामान कन्या के कपड़े, मुहरी, किमोरी आदि शामिल हैं लेकर के लगुन के समय को देखते हुए, वर को साथ लेकर बेटी वाले के यहाँ जावे। कन्या पक्ष के निवेदन करने पर गृह में प्रवेश करे। गृहस्थाचार्य द्वारा निर्देशित विधि से आरतापूर्वक विवाह संस्कार करावे। कार्य पूर्ण होने पर अपने स्थान पर वापस आवे।

स्व० श्रीमती उमादेवी जैन, टूण्डला

श्रीमती करुणादेवी जैन, फिरोजाबाद

कुमारी तारादेवी जैन, एम. ए.
मेरठ

श्रीमती चन्द्रा जैन

कुमारी मंजना जैन, बम्बई

श्रीमती चन्द्रकान्ता जैन प्रभाकर, एम. ए.
मेरठ

श्रीमती भूदेवी जैन, विशारद
सांभरलेक

रहस्य बधावा न्योताः-

वर-कन्या के ऊपर न्योछावर करवावे, नाई का दुपट्टा बिछवाये, उस पर न्योछावर डाल दे। कन्या से घी के पात्र पर हाथ रखवा कर "भरा है" ऐसा शुभसूचक शब्द कहलावे तथा थैली भरी रेजगारी कन्या के हाथ में देकर उससे गिनवाये, एक शेष रहता है तो उत्तम है। गांठें खुलवा देवे, मुहर मुहरी उतरवा देवे। नाई को उसकी मेहनत के अनुसार उसके बिछे हुए कपड़े पर द्रव्य डाल दे। शुष्क मिष्टान्न की झोरी देकर कन्या को उसके घर में आनेवालों के साथ भेज दे। थैली में हाथ लगवाना सम्पत्ति में उस कन्या का हक देना है।

बारात विदायगी सन्देशः-

कोरा कागज आते ही बारात में आये हुए सभी रिश्तेदार व आगन्तुकों की एक सूची तैयार करे और विदायगी का संदेश समझकर चलने की तैयारी करे।

पलंगः-

वहाँ के नियमित कर्मचारियों को ८ धोती मय जनाने ब्लाउज के देनी होती है। तथा अन्य भृत्यों को जो वहां दिलावें, दिया जाय। झोली में शुष्क मिष्टान्न लेकर कन्या पक्ष के यहाँ पहुँचे। संकेत मिलने पर गृह में प्रवेश करे। गृहस्थाचार्य का तिलक करके अपने साथियों की सूची के अनुसार तिलक कराने के लिए एक-एक करके उठाते जायँ। जब आरता इत्यादि सब नेगचारों की प्रतिभेंट हो जाय तो गृहस्थाचार्य का आशीर्वाद प्राप्त करे। इसके बाद अपना सामान लेकर जनवासे आवे।

तदुपरान्त "माथना" भेजे। यह विदा का संकेत है। इसमें एक कपड़ा, मीठा शुष्क चमैनी और १० आने पैसे होते हैं। फिर लड़कीवाले के घर पर सवारी लेकर वयोवृद्ध व्यक्ति जाय और विदा करा कर ले आवे। दसई की विदा भी वहां ही ठीक करके तै कर लेवें।

●

वाग्दान (सगाई)

[ले० पाण्डे उग्रसैन जैन शास्त्री, टूण्डला]

पद्मावती पुरवाल जाति सदैव से सच्चरित्र एवं कट्टर धार्मिक रही है। देवदर्शन, छानकर पानी पीना, रात्रि-भोजनत्याग, अष्टमूलगुणपालन, शुद्धतापूर्वक चौके में भोजन करना तथा अतिथि सत्कार को भी धर्म का ही एक अङ्ग मानना इसका लक्ष्य रहा है। धार्मिक विचारों के साथ-साथ यह जाति अपने पूर्वजों द्वारा निःस्वार्थ निर्मित व्यावहारिक नियमों पर भी दृढ़ता से चलती रही है।

षोडश संस्कारों में विवाह संस्कार को ही मुख्यता देना इस जाति के लिये विशेष महत्व की बात है। क्योंकि सद्गृहस्थ के भले प्रकार निर्माण किये बिना चतुर्थ मोक्ष असंभव है। सुसंस्कृत सच्चरित्र माता-पिता की सन्तान ही इस दुर्गम मार्ग पर दृढ़ता से बढ़ सकती है। सुसंस्कार बिना योग्य माता-पिता के दुर्लभ हैं। अच्छे संस्कारों से युक्त सन्तान की प्राप्ति हो, धर्म कर्म चलें इस हेतु विवाह-संस्कार के अङ्गों की ओर ध्यान देना अत्यावश्यक है। विवाह के लिए लड़का लड़की में स्वस्थता, सुन्दरता ही होना जरूरी नहीं है अपितु लड़का लड़की का अच्छे घराने का होना भी आवश्यक है।

विवाह के अङ्गों में मुख्य वाग्दान (सगाई) है। अच्छे घराने के सुन्दर स्वस्थ लड़का लड़की का योग्य चुनाव करके सम्बन्ध पक्के का वचन देना "वाग्दान" कहलाता है। इसके पाँच अङ्ग हैं—देहरी, स्वस्थता, सुन्दरता, शिक्षा चातुर्य, धन-सम्पन्नता। इन पाँचों बातों का होना वर और कन्या में आवश्यक है। किन्तु प्रथम देहरी और पञ्चम धन-वैभव (दहेज) युक्तपना इसका क्रम भङ्ग न होगा तभी इन दोनों का जीवन स्वर्ग बनेगा। अच्छी देहरी में हुआ और अच्छी देहरी का हुआ सम्बन्ध वाग्दान होने पर दस वर्ष में भी नहीं छूटेगा।

देहरी—सज्जन, सुशील दुर्व्यसन रहित धार्मिक घराने की चौखट को कहते हैं। ददसार, ननसाल की देहरी शुद्ध होना सबसे पहले आवश्यक है। अच्छी देहरी की बहू बनकर आई लड़की सास-स्वसुर एवं पति-सेवा से घर को स्वर्ग बना देती है और अच्छी देहरी में व्याही लड़की कभी दुःख नहीं पाती। मैं करीब २० वर्ष का था, तब एक दिन फिरोजाबाद में स्वर्गीय हकीम श्री बाबूराम जी से बातें हुई थीं तब उन्होंने मुझे ये पाँच बातें बताई और इनमें देहरी की मुख्यता को तो उन्होंने स्वानुभूत पुरानी सच्ची घटनाओं के

कथानकों द्वारा सिद्ध कर दिया था कि इसके बिना, अन्य सभी बातें रहते हुए भी जीवन सुखी नहीं बन सकता और कहा था धन-वैभव का दहेज की दृष्टि से देखना अथवा लड़की सुखी रहने के लिए धनी परिवार में बिना देहरी देखे कन्या देना भी मूर्खता है। लड़का लड़की अच्छी देहरी के हों, स्वस्थ और कार्य-कुशल हों तो लक्ष्मी सदैव बनी रहेगी और यदि योग्य परिवार के सुशिक्षित, धनी घर के वर-कन्या हों तो कहना ही क्या है।

दहेज उसे कहते हैं जो हेज अर्थात् हृदय से दिया जावे। लड़की वाले दहेज सदैव से देते आये हैं, देते हैं और शक्ति के अनुसार देते भी रहेंगे। कन्या देने वाला कभी भी दहेज की इच्छा का संवरण नहीं कर सकता। पैसा होते हुए खूब देता है किन्तु लड़के वालों के दिल में से माँगने की भावना निकल जानी चाहिये, माँगना ही पाप है। दहेज देना पाप नहीं लोभ की वासना पाप है।

जब आप छाया की तरफ दौड़ेंगे तो छाया आगे भागेगी और जब आप छाया को पीछे छोड़ेंगे तो छाया पीछे पड़ेगी। वर-पक्ष अपनी माँग पर कभी-कभी टोटे में भी रहता है। योग्य सज्जन परिवार के माता-पिता माँग नहीं करते जो भी कन्या-पक्ष से मिलता है उसे आदरपूर्वक स्वीकार कर सवाया-ड्योढ़ा बखान करते हैं। इस दैन दहेज के कुचक्र में फँसकर लड़के वाले घर को सुखद बनाने वाली योग्य कन्याओं से हाथ धो बैठते हैं। शुभोदय के बिना न कुछ मिलता है और न टिक ही पाता है।

अतः अपने पूर्वजों के वाग्दान के क्रम में मुख्य देहरी देखें। दान-दहेज को विशेष महत्त्व न दें। अच्छे घर के स्वस्थ, सुन्दर, शिक्षित लड़का लड़की का चुनाव करें और वंश-परम्परा के अनुसार दान की प्रथा को न मेटे तभी जाति परम्परागत महान् जाति रहेगी क्योंकि सोम श्रेयांस ने प्रथम आदिनाथ भगवान् को दान देकर ही प्रधानता ली है।

●

पद्मावती पुरवाल जैन भाइयों का इन्दौर प्रवेश

[ले० राजकुमार जैन]

इन्दौर के पद्मावती पुरवाल जैन भाइयों की खोज करने से ज्ञात हुआ कि यहाँ सबसे पहिले स्व० श्री श्रीनिवास जी व उनकी माता जी आये थे, उनका निश्चित समय ज्ञात नहीं हो सका और अब उनका स्वर्गवास हो चुका है। पं० अमोलकचन्द जी उड़ेसरीय यहाँ १९१३ में स्वर्गीय सर सेठ हुकुमचन्द जी की पारमार्थिक संस्थाओं के अन्तर्गत छात्रावास के सुप्रिटेन्डेन्ट होकर आये और इस स्थान पर लगभग ४० वर्ष तक आसीन रहे। अब वयोवृद्ध पंडित जी अवकाश प्राप्त कर विश्राम ले रहे हैं।

तत् पश्चात् बाबू सांवलदास जी जैन कुतुकपुर (आगरा) निवासी को लाला हजारीलाल जी मंत्री, पारमार्थिक संस्था पं० गौरीलाल जी सिद्धान्तशास्त्री द्वारा हीरालाल जैन विद्यालय से संस्थाओं के मैनेजर के पद पर सन् १९१७ में लाये--उक्त बाबू साहब ने मैनेजर के पद पर १२ वर्ष बड़ी योग्यता से संस्थाओं की सेवा की। इस अवधि में बाबू साहब ने पं० अमोलकचन्द जी के सहयोग से उत्तर प्रान्त के पद्मावती पुरवाल विद्यार्थियों को संस्थाओं की शिक्षा की दिशा में प्रेरणा देकर अनेक विद्यार्थियों को छात्रावास में आश्रय दिलाया जिनमें से स्वर्गीय रामस्वरूप जी, श्री बाबू देवचन्द जी श्री अशर्फीलाल जी उल्लेखनीय हैं।

मास्टर रामस्वरूप जी ने कानून की परीक्षा पास करके स्वर्गीय सेठ साहब के यहाँ सर्विस करली, अपना निजी पुस्तकों और स्टेशनरी का व्यापार जमाया। अपने सब भाइयों को एटा से लाकर व्यापार में लगाया और इन्दौर के स्थाई निवासी बन गये--इन सब भाइयों का मुख्य व्यवसाय पुस्तक विक्रय, प्रकाशन और मुद्रण है।

बाबू देवचन्द जी ने एम० ए० तक अध्ययन के बाद कल्याणमल मिल में सर्विस की। आजकल आप मिल में लेबर आफिसर और इन्दौर निगम के कांउसिलर हैं। बाबू अशर्फीलाल जी भी मिल में महत्त्वपूर्ण पद पर काम कर रहे हैं। इनका निजी सराफे का व्यवसाय भी है जिसे इनके पुत्र संभाल रहे हैं।

शोलापुर निवासी, (मूल निवासी वेरनी, एटा) के पं० वंशीधर जी शास्त्री के सुपुत्र श्री पं० श्रीधर जी शास्त्री ने १९४४ में इन्दौर में अपना निजी प्रेस "चिन्तामणि प्रिंटिंग प्रेस" के नाम से चालू किया, जिसमें बहुधा मध्य प्रदेश गवर्नमेंट का ही काम छपता है—पं० जी

ने अपने पाँचों पुत्रों को उच्च शिक्षा दी है जिनमें एक इंजीनियर हैं और एक मेडिकल कोर्स में चौथे वर्ष में अध्ययन कर रहे हैं। पं० श्रीधर जी अब इन्दौर के स्थाई निवासियों में हैं।

बाबू साँवलदास जी के सन् १९२८ से निधन के बाद भाई जयकुमार जी जो उस समय तिलोकचन्द जैन हाई स्कूल में अध्यापक थे स्वर्गीय बाबू जी के स्थान पर संस्थाओं में नियुक्त हुए। जब से अब तक उसी पद पर लगन के साथ संस्थाओं की सेवा कर रहे हैं। आपके तीन पुत्र हैं—सबसे बड़े स्टेट बैंक इण्डिया में कैशियर हैं, अन्य छोटे कालेज में अध्ययन कर रहे हैं।

बाबू जयकुमार जी के छोटे भाई श्री रामकुमार जैन रेलवे सर्विस से अवकाश प्राप्त कर स्थाई रूप से इन्दौर में ही रह रहे हैं।

श्री देवेन्द्रकुमार जी जैन स्वर्गीय पं० खूबचन्द जी शास्त्री की सुपुत्री के साथ विवाह होने के बाद सन् १९४५ के लगभग इन्दौर में आ गये थे। शुरू में अपना निजी व्यापार किया, बाद में पारमार्थिक संस्थाओं में सर्विस कर ली, जिसे वह सुचारु रूप से निवाह रहे हैं। आपके दो पुत्रों में बड़ा मिलिटरी सर्विस में है, छोटा हाई स्कूल में अध्ययन कर रहा है।

पं० लालबहादुर जी शास्त्री को सन् १९५० के लगभग जैन सिद्धान्त के अध्ययन और शास्त्र प्रवचन के लिये सर सेठ हुकुमचन्द जी ने नियुक्त किया—तत् पश्चात् लगभग ३ वर्ष दिल्ली में संस्कृत विद्यालय के प्रधान के स्थान पर काम कर पुनः इन्दौर में पारमार्थिक संस्थाओं के उपमंत्री नियुक्त हुए—इस पर २ वर्ष कार्य करके अब अपना स्वतन्त्र प्रिंटिंग प्रेस चला रहे हैं। पं० जी का एक लड़का यहाँ एक स्थानीय बैंक में है।

इस प्रकार और भी कुछ सज्जन हैं जो निजी व्यापार या बैंक और मिलों में सर्विस करते हैं।

इन्दौर में घर-संख्या लगभग २० और जन-संख्या ६० के आस-पास है।

●

विदर्भ का पद्मावती पुरवाल समाज

[ले० पानाचन्द्र गुलाबसाव रोडे, बी० ए० वर्धा]

विदर्भ के वर्धा, नागपुर तथा भंडारा जिलों में पद्मावती पुरवाल समाज के लगभग चालीस या पचास परिवार हैं। समाज की जनसंख्या २ से ३ सौ तक है। विदर्भ में इस समाज के लोग कब और कैसे तथा किन परिस्थितियों आये, यह निश्चित रूप से नहीं बताया जा सकता। अनुमान से देखने पर यह लोग ३ सौ वर्ष पूर्व ही यहाँ आगए थे समाज के लोगों की संख्या कम होने के कारण शादी-विवाह आदि में कठिनाइयां आने लगी। इस समस्या के हल के लिए भी प्रयत्न किये जा रहे हैं।

सर्व प्रथम स्व० श्री बकाराम जी रोडे वर्धा निवासी ने उत्तर प्रदेशीय पद्मावती पुरवाल समाज से सम्पर्क स्थापित किया और वह ४-५ बार पद्मावती पुरवाल समाज एटा के सम्मेलनों में भी सम्मिलित हुए थे। इनके पश्चात् स्व० श्री रामासाव जी बकाराम जी रोडे और बाजीराव जी नाकाई ने इस दिशा में प्रयत्न किये और उत्तर प्रदेश पद्मावती पुरवाल समाज से विवाह आदि प्रत्यक्ष सम्बन्ध तथा सम्पर्क बढ़ाया। श्री पं० मक्खनलाल जी शास्त्री (मोरेना) का विवाह स्व० श्री बाजीराव जी नाकाई (भंडारा) की सुपुत्री के साथ हुआ तथा सरनौ निवासी स्व० पं० रघुनाथदास जी की सुपुत्री पुण्यभागा का विवाह स्व० देवचन्द जी बाजीराव जी नाकाई के साथ हुआ। स्व० श्री रामासाव जी रोडे वर्धा निवासी की सुपुत्री का विवाह जयपुर निवासी श्री श्रीलाल जी जैन जोहरी (पं० मक्खनलाल जी शास्त्री मोरेना के भाई) के साथ हुआ।

समाज की विषम आर्थिक समस्या तथा भिन्न भाषा, आचार तथा विचार के कारण साधारण मध्यम कुटुम्ब के लोगों के लिए सम्बन्ध तथा सम्पर्क जारी रखना असम्भव हो गया और विवाह की समस्या भी दिनवदिन बढ़ती ही गई, इस लिए स्व० श्री रखबलाल जी बदनोरे, स्व० श्री गंगासाव जी गंगवाल और स्व० श्री रामसावजी रोडे आदि के प्रयत्नों से पद्मावती पुरवाल, गंगलिवास और बदनोरे समाज में रोटी-बेटी का व्यवहार होने लगा और विवाह की समस्या कुछ अंश में हल हुई। इन दोनों समाजों में विधवा विवाह की प्रथा नहीं है और आचार-विचार एवं भाषा एक हैं।

बदनोरे तथा गंगलिवास समाज की संख्या कम होने के कारण आज भी पद्मावती पुरवाल समाज की विवाह समस्या पूर्ण रूप से हल नहीं हो पाई है। स्व० श्री हीरासाव जी

श्रीमती ज्योतिर्माला जैन 'विशारद'
जयपुर

श्रीमती लक्ष्मीदेवी गुप्ता
मोरेना

श्रीमती सुनन्दा जैन
फिरोजाबाद

श्रीमती शैलकुमारी जैन विशारद बी.ए.
लखनऊ

श्रीमती हीरालाल जैन, जसराना

सुश्री रानीदेवी जैन, एटा

सुश्री श्यामादेवी जैन, कलकत्ता

कोदे (सनातन जैन के मन्त्री) और स्व० श्री रामासाव जी रोडे के प्रयत्नों से श्री पाल समाज से रोटी-बेटी व्यवहार से सम्बन्ध और सम्पर्क किया। आज इन सब समाजों में भाषा आचार-विचार और रहन-सहन में एकता है। इसलिये अन्तर जातीय विवाह जरूरी है। यह रास्ता कहाँ तक उचित और ठीक है और यह परिस्थिति रही तो आगे विदर्भ के पद्मावती पुरवाल समाज का क्या चित्र रहेगा, यह समाज के विचारवंतों के लिए प्रश्नरूप है।

विदर्भ के पद्मावती पुरवाल समाज में एकता और संगठन है। दहेज की प्रथा और पाण्डेजी का महत्व नहीं है। शादी के कार्य कम खर्च में तथा कम समय में परिस्थितियों को देखते हुए किये जाते हैं। कर्जा लेकर शादी-व्याह नहीं करते। शिक्षा की दृष्टि से समाज प्रगति पर है। लोग सनातनी नहीं है वे परिस्थितियों के साथ चलना चाहते हैं। ३-४ कुटुम्ब धनी है शेष साधारण स्थिति में हैं। समाज के लोग व्यापार, खेती तथा नौकरी करते हैं। उद्योग-धन्धे के कारण यहाँ से ८-१० कुटुम्ब मध्य-प्रदेश में इन्दौर, मनसोई तथा उत्तर प्रदेश के अहंट और कानपुर में बस गए हैं।

इस समाज के लोगों ने पौनार, वर्धा और भंडारा यहाँ दिगम्बर जैन-मंदिर बनाने में आर्थिक सहायता बड़े प्रमाण में दी हैं। इस वजह से पौनार और भंडारा इन ठिकानों के जैन-मंदिर की देख-भाल और व्यवस्था इस समाज की पूरे हक के साथ हैं। वर्धा जैन-मन्दिर में पद्मावती पुरवाल, खंडेवाल और सैतवाल इन तीनों समाजों का सामान हक और देखभाल एवं व्यवस्था का कार्य है।

जन-गणना और डायरेक्टरी के कार्य से इस विभाग के पद्मावती पुरवाल समाज की स्थिति की जानकारी अन्य जातीय बन्धुओं को होगी। अतः इस दृष्टि से यह प्रयत्न सराहनीय और उत्तम कहा जाएगा।

●